संक्षिप्त वार्षिक रिपोर्ट
ABRIDGED ANNUAL REPORT 2017-18

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
India's International Bank

भारत बदल रहा है आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए

TRANSFORMING INDIA FOR YOUR INFINITE FUTURE

#BankingOnYourFuture

निदेशक मंडल / BOARD OF DIRECTORS

श्री रवि वेंकटेसन
अध्यक्ष
Shri Ravi Venkatesan
Chairman

श्री पी. एस. जयकुमार
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी
Shri P. S. Jayakumar
Managing Director & CEO

श्री मयंक के. मेहता
कार्यपालक निदेशक
Shri Mayank K. Mehta
Executive Director

श्री अशोक कुमार गर्ग
कार्यपालक निदेशक
Shri Ashok Kumar Garg
Executive Director

श्रीमती पापिया सेनगुप्ता
कार्यपालक निदेशक
Smt. Papia Sengupta
Executive Director

श्री लोक रंजन
निदेशक (04.04.2018 तक)
Shri Lok Ranjan
Director (up to 04.04.2018)

श्री देबाशीष पांडा
निदेशक (05.04.2018 से)
Shri Debasish Panda
Director (w.e.f. 05.04.2018)

श्री अजय कुमार
निदेशक
Shri Ajay Kumar
Director

श्री गोपाल कृष्ण अग्रवाल
निदेशक
Shri Gopal Krishan Agarwal
Director

प्रो. बिजू वर्क्की
निदेशक
Prof. Biju Varkkey
Director

श्री भरतकुमार डी. डांगर
निदेशक
Shri Bharatkumar D. Dangar
Director

सुश्री उषा ए. नारायणन
निदेशक
Ms. Usha A. Narayanan
Director

श्रीमती सौंदरा कुमार
निदेशक
Smt. Soundara Kumar
Director

सीवीओ	CVO
श्री नायक नरसिम्हा के	MR. NAYAK NARSIMHA K
महाप्रबंधक	**General Managers**
श्री घाघ सुरेश शंकर	MR. GHAG SURESH SHANKAR
श्री अग्रवाल संजय	MR. AGARWAL SANJAYA
श्री ककेरा वेंकटेश्वरलू	MR. KAKKERA VENKATESWARLU
श्री श्रीवास्तव नागेश कुमार	MR. SRIVASTAVA NAGESH KUMAR
श्री शर्मा मुरारीलाल	MR. SHARMA MURARI LAL
श्री भुयां गगन बिहारी	MR. BHUYAN GAGAN BIHARI
श्री उप्रेती नवीन चंद्र	MR. UPRETI NAVIN CHANDRA
श्री अरोरा सतीश कुमार	MR. ARORA SATISH KUMAR
श्री टकर एरीक फ्रांसिस	MR. TUCKER ERIC FRANCIS
श्री माथुर राधाकान्त	MR. MATHUR RADHAKANT
श्री गुप्ता कुलभूषण	MR. GUPTA KUL BHUSHAN
श्री कुमार वीरेंद्र	MR. KUMAR BIRENDRA
श्री कौल कृष्ण ओपिंदर	MR. KAUL KRISHEN OPINDER
श्री पांडा गोलक बिहारी	MR. PANDA GOLAK BIHARI
श्री कुमार राजेन्द्र	MR. KUMAR RAJENDRA
श्री डुडेजा विनीत कुमार	MR. DUDEJA VINEET KUMAR
श्री मेहरोत्रा प्रकाश नारायण	MR. MEHROTRA PRAKASH NARAYAN
श्री पटेल कमलेश रमणीकलाल	MR. PATEL KAMLESH RAMNIKLAL
श्री मुखोपाध्याय देब व्रत	MR. MUKHOPADHYAY DEB BRATA
श्री शर्मा रजनीश	MR. SHARMA RAJNEESH
श्री सिंघल नरेंद्र कुमार	MR. SINGHAL NARENDRA KUMAR
श्री भाटिया राकेश कुमार	MR. BHATIA RAKESH KUMAR
श्री महाजन कमल के.	MR. MAHAJAN KAMAL K
श्री सिंह नवतेज	MR. SINGH NAVTEJ
श्री कनौजिया कुकु राम	MR. KANOJIA KUKU RAM
श्री कुमार संजय	MR. KUMAR SANJAY
श्री ढाका बीरबल सिंह	MR. DHAKA BIRBAL SINGH
श्री गुप्ता अशोक कुमार	MR. GUPTA ASHOK KUMAR
श्री सोलंकी शंकर राम	MR. SOLANKEE SHANKAR RAM
श्री मेहता जयेशकुमार वसंतराय	MR. MEHTA JAYESHKUMAR VASANTRAY
श्री नामदेव दिनेश कुमार	MR. NAMDEO DINESH KUMAR
श्री वी मुरुगन	MR. V MURUGAN
श्री श्रीवास्तव प्रदीप	MR. SRIVASTAVA PRADEEP
श्री पांडा असीम कुमार	MR. PANDA ASHIM KUMAR
श्री बी पी शर्मा	MR. B P SHARMA
श्री सिंह किरण पाल	MR. SINGH KIRAN PAL
श्री पटेल भूपिनकुमार रतिलाल	MR. PATEL BHUPINKUMAR RATILAL
श्री तिवारी यतीश चंद्र	MR. TEWARI YATISH CHANDER
श्री देवराकोण्डा आनंद कुमार	MR. DEVARAKONDA ANANDA KUMAR
उप महाप्रबंधक एवं प्रमुख	**Dy. General Mangers & Head**
श्री गुप्ता सर्वेश कुमार	MR. GUPTA SARVESH KUMAR
श्री इस्लाम खोंडकर ज़लालुल	MR. ISLAM KHONDKAR ZALALUL
श्री रॉय जयदीप दत्ता	MR. ROY JOYDEEP DUTTA
श्री दास तपन कुमार	MR. DAS TAPAN KUMAR
श्री हार्डिकर सतीशचन्द्र विद्याधर	MR. HARDIKAR SATISHCHANDRA VIDYADHAR
श्री वेणुगोपाल एन	MR. VENUGOPAL N
श्री त्रिवेदी मुकेश दयाशंकर	MR. TRIVEDI KUKESH DAYASHANKER
श्री रमेश गोपालरत्नम	MR. RAMESH GOPALARATNAM

विषय सूची / Contents

विषय सूची	पृष्ठ	Contents	Page
अध्यक्ष का वक्तव्य	03	Chairman's Statement	06
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का वक्तव्य	09	MD & CEO's Statement	13
निदेशकों की रिपोर्ट की प्रमुख विशेषताएँ	17	Highlights of Directors' Report	41
कार्पोरेट गवर्नेन्स पर लेखा परीक्षकों का प्रमाण-पत्र	64	Auditor's Certificate on Corporate Governance	64
कार्पोरेट गवर्नेन्स रिपोर्ट की प्रमुख विशेषताएँ	65	Highlights of Corporate Governance Report	65
एमडी व सीईओ द्वारा घोषणा	98	Declaration by MD & CEO	98
संक्षिप्त तुलन पत्र	99	Abridged Balance Sheet	99
संक्षिप्त लाभ व हानि खाता	102	Abridged Profit & Loss Account	102
संक्षिप्त नकदी-प्रवाह विवरण	105	Abridged Cash Flow Statement	105
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	106	Significant Accounting Policies	106
लेखों पर टिप्पणियां	116	Notes to Accounts	116
लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट	163	Auditors' Report	163
संक्षिप्त समेकित वित्तीय विवरणियां	167	Abridged Consolidated Financial Statements	167
अपरिवर्तित अभिमत सहित लेखापरीक्षा रिपोर्ट की घोषणा	204	Declaration of Audit Report with Unmodified Opinion	204
सीईओ / सीएफओ प्रमाणीकरण	206	CEO / CFO Certification	206
लाभांश संवितरण नीति	207	Dividend-Distribution-Policy	207
नोटिस	208	Notice	208
हरित पहल - शेयरधारकों से अपील	209	Green Initiative-Appeal to Shareholders	209
इलेक्ट्रॉनिक मैन्डेट फार्म	211	Electronic Mandate Form	211

लेखापरीक्षक / AUDITORS

कल्याणीवाला एण्ड मिस्त्री एल एल पी
सनदी लेखाकार
Kalyaniwalla & Mistry LLP.
Chartered Accountants

सिंघी एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
Singhi & Co.
Chartered Accountants

जी एम कपाड़िया व कं.
सनदी लेखाकार
G M Kapadia & Co.
Chartered Accountants

एस आर डिनोडिया व कं.
सनदी लेखाकार
S R Dinodia & Co. LLP.
Chartered Accountants

प्रधान कार्यालय

बड़ौदा हाऊस, माण्डवी, वडोदरा 390 006.

बड़ौदा कार्पोरेट सेन्टर

सी-26, जी-ब्लॉक, बान्द्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बान्द्रा (पू.),
मुंबई 400 051.

निवेशक सेवाएं विभाग

7वां तल, बड़ौदा कार्पोरेट सेंटर, सी-26, जी-ब्लॉक,
बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पू), मुंबई 400 051.

रजिस्ट्रार एवं अन्तरण एजेंट

मेसर्स कार्वी कंप्यूटरशेयर प्राइवेट लि.
यूनिट - बैंक ऑफ़ बड़ौदा
कार्वी सेलेनियम टावर बी, प्लाट क्र. 31 व 32, गचीबॉवली, फाइनांसियल
डिस्ट्रिक्ट, नानाक्रामगुडा, सैरीलिंगम्पल्ली मंडल, हैदराबाद - 500 032.

हमारे बैंक के डिबेंचर न्यासी

आईडीबीआई ट्रस्टीशिप सर्विसेस लि.
एशियन बिल्डिंग, भू-तल,17, आर कमानी मार्ग, बेलार्ड एस्टेट,
मुंबई - 400 001

Head Office

Baroda House, Mandvi, Vadodara 390 006.

Baroda Corporate Centre

C-26, G-Block, Bandra-Kurla Complex, Bandra (E),
Mumbai 400 051.

Investor Services Department

7th Floor, Baroda Corporate Centre, C-26, G-Block,
Bandra-Kurla Complex, Bandra (E), Mumbai 400 051.

Registrars & Transfer Agent

M/s. Karvy Computershare Pvt. Ltd.
Unit - Bank of Baroda
Karvy Selenium Tower B, Plot No.-31&32, Gachibowli,
Financial District, Nanakramguda, Serilingampally Mandal,
Hyderabad - 500 032

Debenture Trustees of our Bank

IDBI Trusteeship Services Ltd.
Asian Building, Ground Floor, 17,R Kamani Marg,
Ballard Estate
Mumbai - 400 001

नोट : शेयरधारकों से अनुरोध है कि वार्षिक रिपोर्ट 2017-18 के संपूर्ण पाठ के लिए बैंक की वेबसाइट www.bankofbaroda.co.in देखें.

Note : Shareholders are requested to visit Bank's website www.bankofbaroda.co.in to get the full version of Annual Report 2017-18.

रवि वेंकटेसन
अध्यक्ष

प्रिय हितधारक,

भारत सरकार ने 2015 में ''इन्द्र धनुष'' मिशन के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के सुधार की प्रक्रिया शुरू की. विगत तीन वर्षो में बैंक ऑफ बड़ौदा ने न केवल अशोध्य ऋणों की समस्या से निपटने के लिए, बल्कि एक अत्याधुनिक प्रतियोगी बैंक के रूप में तैयार करने के लिए व्यापक रूपान्तरण प्रक्रिया आरंभ की है. यद्यपि यह रूपान्तरण-प्रक्रिया अभी प्रगति की स्थिति में है, मैं अब तक पूर्ण हो चुकी गतिविधियां आपसे साझा करना चाहूँगा.

अशोध्य ऋणों एवम् धोखाधड़ी के जोखिम को कम करने हेतु मूलभूत रूप से क्या किया गया है ?

टोयेटो जैसी जपानी कंपनी ने विश्व को यह सिखाया है कि गुणवत्ता निरीक्षण आधारित नहीं होनी चाहिए, बल्कि निवारण आधारित होनी चाहिए. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिए भी उसी प्रकार की एक क्रांति की आवश्यकता है. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, अपने स्वरुप के कारण दुर्घटना-संभाव्य हैं और केवल संरचना, प्रक्रियागत नियंत्रणों एवम् संस्कृति में मूलभूत परिवर्तन करके ही उसे रोका जा सकता है. धोखाधड़ी एवं अशोध्य ऋण केवल स्टाफ-उत्तरदायित्व के भय एवं पश्चातवर्ती जांच के द्वारा कम नहीं किया जा सकता.

विगत तीन वर्षो में बैंक ऑफ बड़ौदा में प्रक्रियाओ को पुनः डिज़ाइन करने एवम् नियंत्रणों और अनुपालनों को सुदृढ़ बनाने के व्यापक प्रयास किए गए हैं. बैंक एक आधुनिक एवं संपूर्ण निर्णय वाली संरचना की ओर आगे बढ़ा है. खाता खोलने की प्रक्रिया तथा खुदरा ऋणों का अनुमोदन, फोरेक्स एवम् व्यापार वित्तपोषण संव्यवहारों को शाखाओं से केंद्रीकृत बैक ऑफिस में ले जाया गया. इससे कार्यदायित्वों का स्पष्ट विभाजन सुनिश्चित होगा. शाखाएं केवल ग्राहकों को सेवाएँ प्रदान कर रही हैं. संव्यवहारों की प्रोसेसिंग, गिफ्ट सिटी, गांधीनगर में शेयर्ड सेवा केंद्र में की जा रही हैं. सभी प्रक्रियाओं को व्यापक पारदर्शिता एवम् नियंत्रण उपलब्ध कराने की दृष्टि से डिजिटाइज्ड किया जा रहा है. धोखाधड़ी की जोखिमों की तत्परता से निगरानी करने एवम् निवारण हेतु एक समर्पित एवम् स्वतंत्र जोखिम प्रबंधन इकाई स्थापित की गई है तथा एक इंटरप्राइज़ धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन प्रणाली स्थापित की जा रही है जिसे बैंक के समग्र जोखिम प्रबंधन प्लेटफार्म के साथ एकीकृत किया गया है. अखिल भारतीय स्तर पर एक वेब आधारित अनुपालन प्रबंधन का क्रियान्वयन किया गया है. उच्च स्तरीय डिजिटाईजेशन के साथ बैंक की व्यापक संव्यवहार डेटा तक पहुँच बढ़ी है और इससे मैनुअल, विकेंद्रीकृत, संव्यवहार आधारित एवम् पश्चातवर्ती प्रक्रिया के स्थान पर निवारक, विश्लेषक कुशल एवम् वास्तविक समय आधारित लेखापरीक्षा पद्धति को अपनाना होगा. ऐसे रूपान्तरण में समय लगेगा, क्योंकि इसमें मानसिकता एवम् क्षमता में परिवर्तन की आवश्यकता होती है.

अशोध्य ऋणों के जोखिम को कम करने हेतु बैंक खुदरा ग्राहकों के लिए एक नई जोखिम आधारित कीमतों को अपना रहा है, जिससे जोखिम प्रोफाइल में उल्लेखनीय सुधार होगा. क्रेडिट ब्यूरो स्कोर के अंतर्गत <725 के स्कोर वाले ग्राहकों का प्रतिशत 19% से घट कर 1% हो गया है और जिनका स्कोर 725 से अधिक है उनका प्रतिशत बढ़ कर 41% से 63% हो गया है. एक मजबूत वसूली टीम के साथ यह दृष्टिकोण हमारे खुदरा ऋणों को व्यापक तौर पर बढ़ाने हेतु सक्षम बनने के लिए महत्वपूर्ण है. कार्पोरेट मामलों में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ''प्रतिकूल चयन'' समस्या से ग्रसित हैं, जहां बैंक सर्वाधिक पसंदीदा ग्राहकों को लक्ष्य करे इसके बजाय न्यूनतम पसंदीदा ग्राहक बैंकों कों लक्ष्य बना रहे हैं. बैंक ऑफ बड़ौदा ''लक्ष्य ग्राहक आधारित दृष्टिकोण'' अपनाने की और अग्रसर हो रहा है जहां हम विभेदक मूल्य अनुपात के साथ सर्वाधिक पसंदीदा ग्राहकों तक सक्रियता से पहुँच रहे हैं. जोखिम आधारित ऋण सीमा की स्थापना के साथ लक्ष्य ग्राहकों की पहचान का कार्य पूरा हो गया है. कार्पोरेट ऋणों का 80% कवर करते हुये प्रमुख महानगरीय केन्द्रो पर लेखा योजना शुरूहो गई है और इन खातों एवं योजनाओं को समर्पित संबंधपरक प्रबंधकों (आरएम) के माध्यम से प्रारम्भ कर निष्पादित किया गया है. इसके परिणामस्वरूप हमारे कार्पोरेट ग्राहकों के जोखिम प्रोफ़ाइल में उल्लेखनीय परिवर्तन हुआ है. अब दो तिहाई ग्राहक निवेश श्रेणी से ऊपर के हो गए हैं, जो तीन वर्षो पहले महज 44% थे. यह हमारे बैंक की ऋण प्रदान करने की पद्धतियों में किए गए मूलभूत परिवर्तन के केवल कुछ उदाहरण हैं.

बैंक ऑफ बड़ौदा को अधिक प्रतियोगी बनाने के लिए क्या किया गया है ?

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक कुछ वर्षो से बाजार में अपना हिस्सा निजी क्षेत्र के अपने प्रतिस्पर्धियों के हाथों गंवाते रहे हैं. कई बैंक शीघ्र सुधारात्मक कार्रवाई (पी सी आर) के तहत पहले ही आ चुके हैं, इसलिए इस हिस्से में और कमी होने की संभावना है. मार्जिन एवम् लाभप्रदता भी अत्यधिक दबाव में है, ऐसे अनुमानित परिणाम हैं कि बैंकिंग अधिक परिष्कृत खेल बनता जा रहा है जिसमे प्रौद्योगिकी, विश्लेषण एवम् विशेषज्ञता अत्यधिक महत्वपूर्ण बनते जा रहे हैं. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को या तो बदलना होगा या नुकसान उठाना होगा.

तथापि, विगत तीन वर्षों में बैंक, प्रतियोगी बनने और बाजार हिस्सेदारी तथा लाभप्रदत्ता को बढ़ाने में उल्लेखनीय प्रगति करने में सफल हुआ है. बैंक 36 माह की समयावधि में 23 मिलियन से अधिक ग्राहकों को जोड़ कर अपने ग्राहक आधार को 78 मिलियन तक पहुंचा पाया है. इस समयावधि में कासा जमाराशियों में कासा अनुपात 8% से बढ़ कर 41.2% पर पहुँच गया है. वर्ष के दौरान खुदरा ऋण में लगभग 42% की वृद्धि हुई है और कार्पोरेट ऋणों में 16% की वृद्धि हुई है. एमएसएमई और कृषि ऋणों में भी वृद्धि हुई है. ये परिणाम असंख्य पहलों के परिणामों को रेखांकित करते हैं.

ग्राहकों के मामलों में बैंक ने ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने हेतु प्रौद्योगिकी में बड़े पैमाने पर निवेश किए हैं जैसे कि अब टैबलेट के माध्यम से कागज़ रहित रूप में नए बचत खाते केवल कुछ मिनटों में ही खोले जा सकते हैं. इंटरनेट एवम् मोबाइल बैंकिंग एप्लिकेशनों में उल्लेखनीय सुधार हुए हैं. ग्राहक सेवा में सुधार हो रहे हैं, हालांकि अब भी काफी गुंजाइश हैं, बैंक के कॉल सेंटर परिचालनों में पूर्व के 60% की तुलना में 93% से अधिक के सुधार के साथ ग्राहक सेवा के स्तर में सुधार हो रहा है. ग्राहक शिकायतों को संतोषजनक रूप से निस्तारित किए जाने के टर्न अराउंड समय में पर्याप्त कमी आयी है, 74% ग्राहक शिकायतें 7 कार्य दिवसों में निस्तारित हो रही हैं. ग्राहक सेवा को शाखा स्तर के केआरए के रूप में शामिल किया गया है.

प्रक्रियाओं में सुधार के अलावा नए उत्पाद नवोन्मेषिता पर विशेष ध्यान दिया गया है और सभी सैगमेंट में प्रतिस्पर्धात्मक उत्पादों को प्रारम्भ किया गया है. इनमें आपूर्ति श्रृंखला वित्तपोषण, नकदी प्रबंधन (बड़ौदा डीजीनेक्स्ट), व्यापार वित्तपोषण प्लैटफ़ार्म बड़ौदा इन्स्टा (बड़ौदा इंटीग्रेटेड सोल्यूशन फॉर ट्रेड फ़ाइनेंस एक्सेस), कस्टमाइज्ड उत्पाद जैसे कि गोल्ड लोन, बागवानी ऋण, सम्पदा प्रबंधन सेवाएँ, शिक्षा, बंधक एवम् वाणिज्यिक वाहन ऋण सहित औटोमटिव वित्तपोषण आदि का समावेश है.

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय :

बैंक ऑफ बड़ौदा को सही अर्थों में 'भारत का अंतर्राष्ट्रीय बैंक' कहा जाता है. हालांकि वैश्विक नियमों में परिवर्तन हो रहा है, अतः बैंक की अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति को पुनः रेखांकित करने की आवश्यकता है. बैंक ने व्यवसाय की संभावनाओं एवम् जोखिम के आधार पर अपने अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति का व्यापक और नीतिगत पुनर्मूल्यांकन किया है. इसके परिणामस्वरूप बहरिन, गयाना, बैंकॉक और दक्षिण आफ्रिका सहित कई देशों में परिचालन बंद करने का निर्णय लिया गया हैं. भविष्य में और टेरीटरीज़ में सार्वजनिक क्षेत्र के अन्य बैंकों के साथ समेकन का विचार विमर्श चल रहा है. भविष्य में बैंक यूएस, यूएई एवम् यूके पर ध्यान केन्द्रित करेगा और जापान एवम् कोरिया के साथ तेजी से बढ़ रहे व्यापार का लाभ उठाने हेतु इन देशों के साथ मजबूत गठबंधन को विकसित करेगा.

प्रौद्योगिकी

बैंकिंग तेजी से एक प्रौद्योगिकी आधारित व्यवसाय बनता जा रहा है और परिणाम स्वरूप बैंक ने व्यापक रूप से अपनी प्रौद्योगिकी क्षमता के उन्नयन में व्यापक निवेश किया है. बैंक के मुख्य कोर बैंकिंग प्लेटफार्म को उन्नत बनाया गया है, इससे ग्राहकों हेतु सहज इंटरनेट एवम् मोबाइल बैंकिंग सुविधा उपलब्ध हो पायी है और विभिन्न उपकरणों पर कार्यरत कई डिजिटल एप्लीकेशनों का निर्बाध एकीकरण हो पाया है. सप्लाई चेन वित्तपोषण समाधान, नकदी प्रबंधन प्रणाली, व्यापार वित्तपोषण पोर्टल, ऋण प्रबंधन प्रणाली, धोखाधड़ी प्रबंधन प्रणाली, केन्द्रीय अनुपालन प्रबंधन प्रणाली, डिजिटल दस्तावेज़ प्रबंधन प्रणाली सहित 40 से अधिक नए इंटरप्राइज़ एप्लिकेशनों का क्रियान्वयन किया जा चुका है. जब वित्तीय वर्ष 2019 के अंत तक ये पूर्णतः नियोजित एवम् एकीकृत हो जाएंगे, बैंक ऑफ बड़ौदा के पास वैश्विक स्तर की आईटी क्षमता होगी. हमारा बैंक ''फिनटेक'' वर्टिकल स्थापित करने वाले आरंभिक बैंकों में से एक है जो 20 से अधिक साझेदारों के साथ उल्लेखनीय व्यवसाय कर रहा है. बैंक ऑफ़ बड़ौदा इस नए महत्वपूर्ण मंच पर एक अग्रणी की भूमिका निभा रहा है.

हमारे प्रभावी क्रियान्वयन के अनुरूप, प्रोद्योगिकी एक तेजी से उभरता मंच है. बैंक ऑफ बड़ौदा बैंकिंग प्रौद्योगिकी में अग्रणी बना रहे यह सुनिश्चित करने हेतु आईटी एवम् विश्लेषण-कार्य के लिए क्रमशः आईबीएम एवम् एशेंचर जैसी विश्व स्तरीय कंपनियों की साझेदारी के साथ आईटी अनुषंगी स्थापित की गई है.

कर्मचारी एवम् संगठन

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऐसी क्षमताओं, विशेष रूप से वरिष्ठ लीडरों की कमी का सामना कर रहे हैं, जो कार्य निष्पादन एवम् परिवर्तनों को आगे बढ़ा सके. प्रौद्योगिकी, जोखिम प्रबंधन एवम् धोखाधड़ी नियंत्रण जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता की भी बेहद कमी महसूस की जा रही है. इस समस्या से निपटने के लिए हमारे बैंक ने नेतृत्व क्षमता एवम् कर्मचारियों की क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए उल्लेखनीय निवेश किए हैं. इनमें से एक महत्वपूर्ण व्यापक नेतृत्व विकास पहल है ''वी लीड'', जिसका उद्देश्य हमारे बैंक में लीडरों के सुदृढ़ एवम् निरंतर प्रवाह का निर्माण करना है. 2700 से अधिक वेतनमान I से VII के उच्च संभावनाओं युक्त प्रबन्धकों को विचार-विमर्श के बाद चयनित किया गया है और उन्हें एक वर्ष के गहन प्रशिक्षण द्वारा भविष्य के लीडर के रूप में विकसित किया जा रहा है. इस कार्यक्रम को उत्तराधिकार आयोजना के साथ जोड़ा गया है.

एक ज्ञानार्जक संगठन बनने के लिए कर्मचारियों को ''प्रशिक्षण की जीवन-चक्र'' अवधारणा के माध्यम से निरंतर नयी दक्षता अर्जित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है. बड़ौदा अकादमी मोबाइल एप्लिकेशन एवं बड़ौदा रेडियो जैसे वैकल्पिक शिक्षण चैनलों के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया को आनंददायक बनाने और वीडियो, ऑडियो के माध्यम से तथा, क्वीज़ एवं खेल के माध्यम से शिक्षण को प्रोत्साहित करने के प्रयास किए जा रहे हैं. बैंक के ई-लर्निंग प्लेटफ़ॉर्म बड़ौदा नेट अकादमी पर अब 230 से अधिक मॉड्यूल्स को संचालित किया जा रहा है और वित्तीय वर्ष 2018 के दौरान कर्मचारियों द्वारा 7 लाख से अधिक पाठ्यक्रम पूरे किए गए.

बाजार से विशिष्ट ज्ञान और दक्षता वाले विशेषज्ञों को आवश्यकतानुरूप अनुबंध के आधार पर भर्ती करके आंतरिक प्रतिभा विकास में निवेश किया गया है. बैंक की आंतरिक रूप से पदोन्नत प्रतिभा और बाहर से चयनित विशषज्ञों के बीच उपयुक्त संतुलन बनाना सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिए सफलता का एक महत्वपूर्ण कारक होगा.

बैंक ने कर्मचारियों के लिए बड़ौदा जेम्स (विकास और सशक्तिकरण प्रबंधन प्रणाली) नामक एक नई कार्यनिष्पादन प्रबंधन प्रणाली की शुरुआत की

है. बड़ौदा जेम्स एक अत्याधुनिक एवं मोबाइल पर उपलब्ध प्रणाली है जो व्यक्तिगत लक्ष्य निर्धारण, निरंतर फीडबैक और कोचिंग को सक्षम बनाता है. बिज़नेस विश्लेषण परिणाम, प्रबंधन को सही निर्णय लेने की अभूतपूर्व क्षमता प्रदान करते हैं. बड़ौदा जेम्स से पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और विकास के क्षेत्र में एक अहम भूमिका की अपेक्षा है.

गवर्नेंस

बैंक ऑफ़ बड़ौदा के पास एक प्रतिबद्ध और अत्यधिक संयोजित निदेशक मंडल है. वित्तीय वर्ष 2018 में निदेशक मंडल की 15 दिनों के लिए 13 बैठकें हुई. औसत उपस्थिति 92% थी जिसमें से आधे निदेशकों की उपस्थिति 100% थी. इसके अतिरिक्त, प्रबंधन समिति की 37 बार और लेखापरीक्षा समिति की 15 बार बैठकें हुईं.

वित्तीय वर्ष 2018 में, निदेशक मंडल ने अपने आधे से अधिक समय को व्यावसायिक-नीति एवं कार्यान्वयन तथा जोखिम न्यूनीकरण पर सावधानीपूर्वक व्यतीत किया.

निदेशक मंडल को सशक्त बनाने के लिए, हमने निदेशक मण्डल की समितियों में विशेष रूप से जोखिम प्रबंधन, आईटी, मानव संसाधन और वित्तीय समावेशन के क्षेत्रों से जुड़े विशेषज्ञ सलाहकारों को शामिल किया है. यह बहुत ही उपयोगी रहा है.

यह लगातार दूसरा साल है जब बाहरी एजेंसी द्वारा बोर्ड की प्रभावशीलता की एक स्वतंत्र समीक्षा करवाई गई और जिससे प्रक्रियाएं और बोर्ड की गतिशीलता और सुदृढ़ हुई है.

परिणाम

बैंक ऑफ़ बड़ौदा द्वारा 2015 में मूलभूत रूपान्तरण संबंधी कार्यकलाप शुरू करने का परिणाम यह रहा कि यह भारत के सबसे बड़े और मजबूत बैंकों में से एक बन कर उभरा है. बहियों का पूर्व-निर्धारण एवं उनका समाधान करने के कारण प्रावधान कवरेज अनुपात 67.21% रहा है, जो सार्वजनिक क्षेत्रों के बैंकों में सबसे अधिक है. 12.13% का पूंजी पर्याप्तता अनुपात नियामक आवश्यकताओं से ऊपर रहा है. ऋण-वृद्धि तेज हो रही है. निवल ब्याज मार्जिन में सुधार हुआ है और परिचालन लाभ वित्तीय वर्ष 2017 में 24% तथा वित्तीय वर्ष 2018 में 9% बढ़ा है.

मुझे पूरा भरोसा है कि जैसे ही अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, क्रेडिट ऑफटेक में सुधार होगा तथा एनपीए का समाधान होगा, बैंक ऑफ़ बड़ौदा लाभ की ओर मजबूती से अग्रसर होगा.

अंत में, मैं अपने कर्मचारियों को उनकी कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ, साथ ही अपने ग्राहकों, भागीदारों और सभी हितधारकों को भी बैंक ऑफ़ बड़ौदा के इस नाजुक दौर में भी अपने विश्वास और समर्थन को बनाए रखने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं.

रवि वेंकटेसन
अध्यक्ष

CHAIRMAN'S STATEMENT

Ravi Venkatesan
Chairman

Dear Stakeholder,

The Government of India began the process of reforming Public Sector Banks (PSBs) under mission "Indradhanush" in 2015. Over the past three years, Bank of Baroda has undertaken a comprehensive transformation to not only deal with the legacy of bad loans but to create a modern and competitive Bank. Although this transformation is very much a work in progress, I would like to share some of what has been accomplished.

What has been done to fundamentally reduce the risk of bad loans and frauds?

Japanese companies like Toyota taught the world that quality must be prevention-driven not inspection-driven. A similar revolution is needed within PSU banks. Public sector banks are accident-prone by design and can only be fixed by making fundamental changes to the architecture, process controls and culture. Frauds and bad loans cannot be reduced simply by fear of staff accountability and ex-post investigations.

Over the last three years, there has been a massive effort at Bank of Baroda to redesign processes and to strengthen controls and compliance. The Bank has moved to a modern frontend/backend decision architecture. Account opening, processing and approval of retail loans, forex and trade finance transactions have been moved from branches to a centralised back office. This ensures that there is a clear segregation of duties. Branches are only servicing customers; transaction processing is done at Shared Services Center in Gift City, Gandhinagar. All processes are being digitized to provide greater transparency and control. A dedicated and independent Fraud Risk Management Unit has been setup to monitor and mitigate fraud risks proactively and an enterprise fraud risk management system is being deployed which is integrated to Bank's overall risk management platform. A web based compliance management has been implemented across India. With a high degree of digitization, the Bank increasingly has access to enormous transaction data and this is enabling the Audit paradigm to evolve from manual, decentralized, transaction driven and ex-post to being preventive, analytical, intelligent and real time. Such a transformation will take time because it requires a change of mindset and capability.

To reduce the risk of bad loans, the Bank has moved to a new risk based pricing for retail customers leading to a sharp improvement in risk profile. The percentage of customers with credit bureau score < 725 is down from 19% to 1% and those with scores above 725 has increased from 41% to 63%. This approach along with a strong centralized collections team, is crucial to being able to rapidly expand our retail lending. On the corporate side, public sector banks have been plagued by an "adverse-selection" problem where the least desirable customers target the banks rather than the banks targeting the most desirable customers. Bank of Baroda has shifted to a "target customer driven approach" where we proactively reach out to the most desirable customers with differentiated value propositions. The identification of target customers has been completed along with the establishment of risk based credit limits. Account plans are in place at major metro centres covering 80% of corporate credit and these accounts and plans are owned and executed through dedicated Relationship Managers (RMs). This has resulted in a significant change in the risk profile of our corporate customers. Now two-third of customers are above investment grade up from a 44% three years ago. These are but a few examples of the paradigm shift in lending practices at our Bank.

What has been done to make Bank of Baroda more competitive?

Public sector banks have been hemmorhaging market share to their private sector competitors for some years. With many banks already under Prompt Corrective Action, this share erosion is likely to accelerate. Margins and profitability are also under significant stress. These are predictable outcomes; banking is becoming a more sophisticated game where technology, analytics and expertise are becoming ever more vital. Public sector banks have to make the shift or lose out.

Over the past three years, Bank of Baroda, has been able to make significant strides in becoming competitive and improving market share and profitability. The Bank has added

more than 23mn customers over a span of 36 months with the customer base now at 78mn. CASA deposits have been growing with the CASA ratio rising by 8% to 41.2% over the period. During this year, retail lending has grown by 42% and corporate lending by 16%. MSME and Agricultural lending has also grown. These results are the consequence of several underlying initiatives.

On the consumer front, the Bank has invested massively in technology to improve the customer experience. For instance, new savings accounts now can be opened in a few minutes in a paperless format through Tablets. Significant improvements have been made to internet and mobile banking applications. Customer service is improving although there is a long way to go yet; service levels in the Bank's call centre operations have now improved to more than 93% compared with sub-60% earlier. Turnaround time in closing customer complaints satisfactorily has come down substantially; 74% of customer complaints are closed within 7 working days. Customer service has been included as a KRA at the branch level.

Besides process revamping, new product innovation has also been a big focus and competitive products have been launched across all segments. These include Supply Chain Financing, Cash Management (Baroda DigiNext), Trade Finance platform- BarodaINSTA (Baroda Integrated Solution for Trade Finance Access), customised products such as gold loans, horticulture loans, wealth management services, educational, mortgage and automotive including commercial vehicle financing.

International Business

Bank of Baroda is rightly called "India's International Bank". However, as the global order readjusts, there is a need to rethink on the Bank's international footprint. The Bank has undertaken a comprehensive strategic reassessment of its international presence based on business potential and risks. This has resulted in a decision to exit a number of countries including Bahrain, Guyana, Bangkok and South Africa. Discussions are underway with other PSBs for further consolidation of territories. In the future, the Bank will focus on the US, UAE and UK and develop stronger ties with Japan and Korea to take advantage of rapidly growing commerce with these countries.

Technology

Banking is rapidly becoming a technology driven business and consequently, the Bank has invested massively in upgrading its technology capability. The Bank's main core banking platform has been upgraded; this has enabled customer-friendly internet and mobile banking and the seamless integration of many digital applications that work across various devices. Nearly 40+ new enterprise applications including a Supply Chain Financing solution, Cash Management System, Trade Finance Portal, Loan Management System, Fraud Management System, Central Compliance Management System, Digital Document Management System have been implemented. When these are fully deployed and integrated by the end of FY 2019, Bank of Baroda will have world class IT capability. Our Bank is amongst the first to establish a "Fintech" vertical; with over twenty partnerships delivering significant business already, BOB is seen as an emerging leader in this vital new arena.

Impressive as our catch-up has been, technology is a rapidly evolving arena. To ensure that Bank of Baroda remains at the leading edge of banking technology, an IT Subsidiary has been established with partnerships with world class companies like IBM and Accenture for IT and Analytics respectively.

People & Organization

Public Sector banks face a significant shortage of talent especially more senior leaders who are able to drive performance and change. There is also an acute shortage of expertise in areas like technology, risk management and fraud control. To address this, our Bank has made very significant investments in improving leadership and people capabilities. One of the most important is a comprehensive leadership development initiative called 'We lead', with the objective of building a strong and sustainable pipeline of leaders for our Bank. Over 2700 high potential managers from Scale I to Scale VII have been carefully identified and are being developed into future leaders through a variety of intense interventions over the span of a year. This program is also integrated with succession planning.

To become a learning organization, employees are encouraged to continuously acquire new skills through a new "life cycle concept of training". Alternate learning channels such as the Baroda Academy mobile application and Baroda Radio try to make learning fun and encourage learning on the go providing bite sized content, videos, audios, quizzes and games. On the Bank's e- learning platform, our Baroda Net Academy now hosts more than 230 modules and more than 7 lakh courses were completed by employees during year FY 2018.

Investments in internal talent development have been selectively augmented by hiring experts from the market with specialised knowledge and skill sets on a contract basis. Striking an appropriate balance between talent promoted from within and selective assimilation of expertise from outside will be a critical success factor for public sector banks.

The Bank introduced a new Performance Management System for employees called Baroda GEMS (Growth & Empowerment Management System). Baroda GEMS is a state of the art, mobile-accessible system which enables individual goal setting, continuous feedback and coaching. A business analytics back-end gives management unprecedented drill-down capability. GEMS is expected to deliver a big leap in transparency, accountability and development.

Governance

Bank of Baroda has a committed and highly engaged Board. In FY 2018, the Board met 13 times for 15 days; median attendance was 92% with half the Directors having 100% attendance. In addition, the Management Committee met 37 times and the Audit Committee 15 times.

In FY 2018, the Board consciously spent over half of its time on business strategy and execution and risk mitigation.

In order to strengthen the Board, we have inducted expert Advisors onto Committees of the Board particularly in the areas of Risk Management, IT, HR and Financial Inclusion. This has been very helpful.

This is the second consecutive year when an independent review of Board effectiveness was conducted by an external agency and this has further strengthened processes and board dynamics.

Results

The consequence of Bank of Baroda embarking on a fundamental transformation exercise in 2015 is that it has emerged as one of the strongest large banks in India. Early recognition and cleaning of books has resulted in a provision coverage of 67.21% which is highest amongst public sector banks. Capital adequacy ratio of 12.13% remains above regulatory requirements. Credit growth has been accelerating. Net Interest Margin has been improving and operating profits have grown 24% in FY 2017 and 9% in FY 2018.

I am confident that as the economy strengthens, as credit offtake improves, as the NPAs get resolved, Bank of Baroda will be able to grow profits strongly.

Finally, I would like to thank our employees for their hard work and commitment and also thank our customers, extended partners and all stakeholders for your trust and support during this critical phase of Bank of Baroda.

Ravi Venkatesan
Chairman

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का वक्तव्य

पी एस जयकुमार
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

प्रिय हितधारक,

वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान बैंक के कार्यनिष्पादन के प्रमुख बिंदुओं को आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मैं अत्यंत प्रसन्नता अनुभव कर रहा हूं. उपलब्धियों और की गई पहलों के विवरण वार्षिक रिपोर्ट में उपलब्ध करवाए गए हैं.

मैक्रो-आर्थिक विहंगावलोकन

2017 में सुदृढ़ वृद्धि के साथ वैश्विक अर्थतंत्र में काफी सुधार हुआ है. भारतीय आर्थिक मूल तत्वों में सुधार जारी रहा. वर्ष 2018 भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए वित्तीय गतिविधियों से पूर्ण रहा, जिसमें सरकार द्वारा ऐसे कई संरचनागत उपाय किए गए, जिनसे औपचारिक अर्थव्यवस्था का विकास हो एवं वह दीर्घकालीन वृद्धि की ओर अग्रसर हो. जीएसटी का अनुपालन, स्वातंत्र्योत्तर भारत के लिए एक सबसे बड़ा कराधान संबंधी सुधार है जो अंतरराज्य व्यापार की मुश्किलों को दूर करके उत्पादकता को प्रोत्साहित कर रहा है और आगे चलकर अर्थव्यवस्था के लिए लाभप्रद बनेगा. जीएसटी, आधार, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से लाभों की लक्ष्यगत डिलिवरी एवं डिजिटाइज़ेशन को दिया जा रहा महत्व अर्थव्यवस्था को निश्चितता की ओर ले जाएगा.

बैंकिंग परिदृश्य में, सरकार द्वारा उठाया गया एक बड़ा कदम था ₹ 2.11 लाख करोड़ के इंफ्यूजन के साथ सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का पुनः पूंजीकरण, जिससे अनर्जक ऋण (एनपीएल) की समस्या का सामना करने में मदद मिली एवं ऋण प्रदान करने संबंधी दबाव में राहत मिली और इसके द्वारा विकास को भी गति मिली. यह वर्ष गत वर्ष में अधिनियमित किए गए दिवाला और दिवालियापन संहिता (आयबीसी) के अनुपालन का साक्षी रहा. इसने दबावग्रस्त आस्तियों के निर्धारित समय में निराकरण को संभव बनाया और इसने बैंकों के लिए एनपीएल संकल्प के माहौल को उल्लेखनीय रूप से बेहतर बनाया. यद्यपि बैंकिंग प्रणाली में दबावों पर कार्रवाई करने के पूर्व के मेकेनिज़्म को समाप्त करते हुए दबावग्रस्त आस्तियों के समाधान हेतु भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा फ्रेमवर्क को संशोधित किए जाने के बाद, नजदीकी अवधि में लाभप्रदता को प्रभावित करते हुए मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही में एनपीएल में वृद्धि हुई, जिसने समस्याग्रस्त आस्तियों को अधिक सही रूप में निर्धारित करने के भारतीय रिज़र्व बैंक के बहु-वर्षीय प्रयासों के अंतिम स्तर को उल्लेखनीय बनाया. आगे चलकर स्वच्छतर एवं पुनर्पूंजीगत तुलनपत्र बैंकों को आगे बढ़ने में मदद करेगा. इस उपाय के साथ, भारतीय रिज़र्व बैंक भी बैंकिंग प्रणाली को अगले वित्तीय वर्ष से इंड-एएस के अनुपालन के लिए तैयार कर रहा है.

संरचनागत सुधारों की पृष्ठभूमि में भारत ने विश्व बैंक की 2018 में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार व्यवसाय में आसानी वाले देशों में भारत का स्थान 30 पायदान ऊपर हो गया. भारत ने विश्व बैंक द्वारा प्रयोग किए जा रहे व्यवसाय करने की आसानी के मापदंडों में अपने अंकों को बेहतर बनाते हुए दस पैरामीटरों में से छः के प्राप्तांक के साथ प्रथम पांच सुधारकों में स्थान प्राप्त किया. हमारे देश के आकार को ध्यान में लेते हुए यह प्रगति उल्लेखनीय है. मूडीज़ ने भी देश की श्रेणी निर्धारण दर को बढ़ाया जो 14 वर्षों में प्रथम उन्नयन था. जैसा कि मुडीज़ ने अपने बयान में कहा है, आर्थिक एवम् संस्थागत सुधारों में निरंतर प्रगति आगे चल कर भारत के उच्चतम विकास की संभावनाओं में वृद्धि करेगी.

हाल ही के आर्थिक संकेतक स्पष्ट रूप से घरेलू अर्थव्यवस्था में प्रगति दर्शाते हैं. निर्माण क्षेत्र में वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुधार की पृष्ठभूमि में निर्यात को मिलने वाली गति की अपेक्षा के साथ भारतीय माइक्रो आर्थिक परिवेश आशाजनक है. ऐसी अपेक्षा है कि बैंकिंग उद्योग में एक लंबे अंतराल के बाद कैपेक्ष चक्र में उलटाव (रिवर्सल) और ऋण मांग में गतिशीलता देखी जा सकेगी. आस्ति-गुणवत्ता चक्र में सुधार के साथ वित्तीय वर्ष 19 के लिए परिदृश्य उत्साहजनक प्रतीत हो रहा है.

बैंक की रूपान्तरण यात्रा-नवोदय परियोजना

अपने पिछले वर्ष के अभिकथन में मैंने हमारी रुपान्तरण यात्रा ''नवोदय परियोजना'' तथा रुपांतरण के साथ व्यवसायिक पहलों की सुसंगतता का उल्लेख किया था, जिसका प्रतियोगात्मक लाभ प्राप्त करने हेतु प्रमुख केंद्र बिन्दु उत्पादों, प्लेटफॉर्म एवं लोगों की क्षमता-निर्माण को दृष्टिगत रखा गया था.

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि वर्ष के दौरान ऐसी कई पहलें

निष्पादित की गई/निष्पादन के उन्नत स्तर पर हैं. इन पहलों का हमारे व्यवसाय में का मात्रात्मक एवं गुणात्मक रुप में प्रतिबिंबित होना शुरू हो गया है. इन में से कुछ पहलें इस प्रकार हैं:-

- अपने कार्पोरेट बैंकिंग पोर्टफोलियो में वृद्धि करने के लिए हमने स्पष्ट रूप से लक्षित बाजार सहित लक्ष्य-बाज़ार रवैया अपनाया है. संबंध प्रबंधको (आरएम) के माध्यम से प्रमुख केंद्रों में लक्ष्य खाता योजना स्थापित की गयी हैं. हामीदारी अंकन में सुसंगति सुनिश्चित करने हेतु क्षेत्र विशिष्ट दल सहित अलग से कॉर्पोरेट क्रेडिट मंजूरी कार्यवाही स्थापित की गयी है. त्वरित टर्नअराउंड टाईम हेतु मंजूरी के लिए स्तरों की संख्या कम होते हुए कॉर्पोरेट वित्तीय सेवा शाखाओं हेतु एकल हो गयी हैं. जिसका लाभ पूर्व के स्तर की तुलना में निवेश श्रेणी ग्राहकों में वृद्धि के रूप में दृष्टव्य है.

- हमारे उत्पाद अनुपात की मजबूती हेतु हमने पूर्णतया डिजिटलाइज़्ड़ एवम् समर्पित सप्लाय चेन वित्त पोषण एवम् नकदी प्रबंधन कार्यक्रम शुरू किया है. एमएसएमई खंड सहित नये ग्राहक अर्जन के लिए और निम्न लागत चालू खाता जमा की वृद्धि के लिए ये उत्पाद अब फिडर के रुप में कार्य करते है. हमारे व्यापार वित्त ग्राहकों के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म यथा बड़ौदा इंस्टा तैयार किया गया है तथा दो व्यापार वित्त उत्पादों के लिए आरंभ किया गया है एवं अन्य हेतु विस्तारित किया गया है. इन सभी उत्पादों को अच्छा प्रतिसाद मिला है.

- हमारे खुदरा ग्राहकों के लिए हमने खुदरा ऋण प्रक्रिया को सरलीकृत बनाया है, जोखिम आधारित कीमतें प्रारम्भ की हैं, स्रोतों के लिए संवितरण चैनलों को व्यापक बनाया है, हामीदारी में निरंतरता के लिए बंधक ऋण प्रक्रिया को केंद्रीकृत किया है एवम् समय पर वसूलियों के लिए समर्पित खुदरा ऋण वसूली केंद्र स्थापित किए गए हैं. पोर्टफोलियो का जोखिम प्रोफाइल और कुल ऋण बही में रिटेल बही का अनुपात सुधरा है. खुदरा-ऋणों में निरंतर वृद्धि के उपाय किए गए हैं.

- हमारे खुदरा ग्राहकों के लिए ऋणों की प्रोसेसिंग एवं उनके अनुमोदन की प्रक्रिया को डिजिटलाइज़्ड़ किया है और अन्य के लिए यह तैनाती के अंतिम चरण में है.

- एमएसएमई ग्राहकों को सहयोग प्रदान करने में अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए, हमने इमर्जिंग डिजिटल मध्यमों से एमएसएमई को ऋण देने के लिए आधार नकदी प्रवाह पर ऋण अनुमोदन प्रक्रिया को सरलीकृत किया है. बैंक, मार्च 18 तक व्यवसाय के 22% लेखांकन को तीनों टीआरईडीएस प्लेटफार्म पर शुरु करने वाला पहला बैंक था. हमने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर विक्रेताओं को वित्तपोषित करने की शुरुआत की और जीएसटी प्राप्तियों के पेटे वित्तपोषण हेतु एक विशेष उत्पाद का शुभांरभ किया. कृषि वित्तपोषण हेतु हमने नवोन्मेषिता और उद्यमिता को सहयोग प्रदान करने के लिए इको सिस्टम वित्तपोषण के सहयोगी उन्मुख योजनाओं को अपनाया और इस प्रकार किसानों को उनकी आय बढ़ाने में सहायता की है.

- हमने अपने जमाकर्ताओं के लिए खाता खोलने की प्रक्रिया कों डिज़िटलीकृत करने तथा उसे कागज़रहित बनाने के लिए टैबलेट के माध्यम से डिजिटलाइज़्ड़ कर, व्यवसाय प्रारम्भ प्रक्रिया को मजबूत बनाया है, जो निर्बाध उपभोक्ता अनुभव ऑफर करता है और जिसमे टर्नअराउंड टाईम (टैट) घट कर कुछ मिनिटों का हो गया है. अखिल भारतीय स्तर पर सभी शाखाएं इसके लिए सक्षम है. इसके अलावा, मोबाइल बैंकिंग एप्प का पुर्नोत्थान ताकि वह इस श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ हो, क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड सहित अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म का नवीनीकरण किया गया है.

- वर्ष के दौरान, हमने अपने ग्राहकों की वित्तीय योजना और संपदा प्रबंधन हेतु सेवाओं की शुरुआत की है. ग्राहको हेतु विविध विभक्त प्रस्तावो में संवृद्ध बैंकिग सेवाओं और सेवा स्तर, अधिमान्य मूल्य निर्धारण और विशेष रिलेशनशिप प्रबंधकों और निवेश काउंसलरों के साथ संपदा प्रबंधन सेवाओं का समावेश है. शुरूआती तौर पर ये सेवाएं 2 शहरों पर प्रदान की जा रही हैं ताकि ये संवर्धित तौर पर विस्तारित हों.

  हरित पहल के रूप में तथा कागज़ रहित बैंकिंग की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुये हमने बैंक में रिकार्ड के डिजिटाईजेशन का कार्य प्रारम्भ किया है, जिसके अंतर्गत 600 शाखाओं में कार्य पूरा हो गया है और योजना के अनुरूप शेष कार्यवाही का अनुपालन किया जा रहा है. इससे शाखाओं को शाखा-परिसर में स्थान बचाने के अलावा कहीं भी, कभी भी ग्राहकों के डिजिटलीकृत रिकॉर्ड को पुनःप्राप्त करने, सेव, प्रिंट व ई-मेल करने में सहायता मिलेगी.

- बैंक के ऑपरेटिंग आर्किटेक्चर को गिफ्ट सिटी, गांधीनगर, गुजरात में अत्याधुनिक शेयर्ड सेवा केंद्र की स्थापना करते हुये पुनर्गठित किया गया. शाखा की खाता प्रबंधन, बंधक ऋण प्रक्रिया, फोरेक्स एवं व्यापार वित्तपोषण परिचालनों जैसी असंख्य बैक ऑफिस परिचालनों संबंधी गतिविधियों को माइग्रेट किया गया, ताकि शाखाओं को बिक्री के लिए समयमुक्त किया जा सके. दक्षता बढ़ाने एवं लागत को कम करने के साथ ही, बेहतर जोखिम प्रबंधन, नियंत्रण एवम् अनुपालन को भी सुनिश्चित किया गया.

- बैंक की तकनीकी क्षमताओं को मजबूत बनाते हुये हमने अपनी कोर बैंकिंग प्रणाली (सीबीएस) का उन्नयन किया और उसको स्मार्ट फोन, टैबलेट, लैपटॉप आदि जैसे बहु-चैनलों पर कार्यरत विभिन्न डिजिटल एप्लिकेशनों के साथ एकीकृत किया गया. अपनी तकनीकी क्षमताओं को और शक्तियाँ प्रदान करने हेतु हमने एक उत्कृष्ट आईटी सेंटर (आईटीसीओई) स्थापित किया और उत्कृष्ट विश्लेषक केंद्र (एसीओई) स्थापित करने की प्रक्रिया में हैं, जो डेटा का विश्लेषण करेगा और हमारे ग्राहकों को अंतर्दृष्टि प्रदान करेगा.

- उभरती व्यवसाय आवश्यकताओं को पूरा करने एवं नवोन्मेषिता का लाभ उठाने के लिए 20+ फिनटेक गठबंधन/साझेदारी की गई है. डिजिटल उधारियों जैसे वैविध्यपूर्ण उत्पादों एवं सेवाओं को जोड़ने एवं ऑफर करने हेतु एपीआई खोलते हुये हमने चयनित के साथ प्लेटफारिम्स्ड़ किया हैं.

- प्रौद्योगिकी में हो रहे विकास और संवर्धित संव्यवहार डेटा के परिदृश्य में हमने लेखापरीक्षा प्रक्रिया में परिवर्तन किया हैं, जिसमें ऑफ साइट सहित ऑन साइट लेखापरीक्षा प्रक्रिया उपलब्ध हैं जिसके परिणामस्वरूप समय से उपचारात्मक कार्रवाई, उन्नत नियंत्रण और लागत प्रभावशीलता आती है. परिचालन के सम्पूर्ण अवलोकन हेतु संगामी लेखापरीक्षा की खंडित प्रक्रिया को कारगर बनाया गया.
- बहुविध एच.आर. हस्तक्षेप के माध्यम से लोक रुपांतरण एवं क्षमता निर्माण प्रक्रिया प्रारंभ की गई जैसे कि अधिकारियों के सभी संवर्ग के लिए व्यापक नेतृत्व कार्यक्रम ''वी-लीड'' का प्रारम्भ, डिजिटल कार्य निष्पादन प्रबंधन प्रणाली (पीएमएस) के रुप में बड़ौदा जेम्स (वृद्धि एवं सशक्तिकरण प्रबंधन प्रणाली) का प्रारम्भ, ''बड़ौदा अनुभूति'' के तहत कर्मचारी-जुड़ाव पहल का प्रारम्भ, नये कर्मचारी शिकायत निवारण पोर्टल का प्रारम्भ आदि. इन सभी उपायों का लक्ष्य क्षमता निर्माण, कर्मचारी अभिप्रेरणा एवं उनके जुड़ाव को बढ़ाने का है.

गत दो वर्षों के दौरान की गई नीतिगत पहलों और उन्हें तर्क संगत निर्ष्कष तक पहुंचाने के लिए उभरते हुये बैंकिंग एवं आर्थिक परिदृश्य में पूंजीकरण में बैंक की स्थिति बहुत अच्छी है.

वित्तीय कार्यनिष्पादन

वित्तीय वर्ष 2018 के दौरान बैंक के कार्यनिष्पादन का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार हैं:

जमाराशियां

वित्तीय वर्ष के दौरान वैश्विक कासा जमाराशियों एवं घरेलू कासा जमाराशियों ने क्रमशः 9.45% एवं 10.79% की वृद्धि दर्ज करते हुए ₹ 18,283 करोड़ तथा 18,729 करोड़ की बढ़त दर्शायी. घरेलू कासा जमाराशियों का प्रतिशत गत वर्ष के 39.44% से बढ़कर 41.18% हुआ. इन जमाराशियों में निरंतर वृद्धि के लिए हमने विविध तबके के ग्राहकों से सुसंगत नकदी प्रबंधन, संपदा प्रबंधन जैसे नये उत्पादों का प्रारम्भ करते हुए कई कदम उठाए और टैबलेट के माध्यम से खाते खोलने, मोबाइल बैंकिंग एवं एम-पासबुक का शुभारंभ, संपदा प्रबंधन के लिए मोबाइल एप का प्रारंभ, हमारे ई-भुगतान उत्पादों (आरटीजीएस, आईएमपीएस, यूपीआई) को मजबूत बनाने, मल्टीपल भुगतान एग्रिगेटरों के साथ टाई-अप, वैविध्यपूर्ण डेबिट कार्ड का प्रारंभ, हमारे क्रेडिट कार्डों की रि-ब्रांडिंग आदि जैसे प्रक्रियाओं के डिजिटाइज़ करने वाले असंख्य उपाय किए. वर्ष के दौरान कुल घरेलू जमाराशियों में बैंक के पास अतिरिक्त तरलता की पृष्ठभूमि में 6.11% की निम्नदर पर वृद्धि हुई.

ऋण

रूपान्तरण पहलों के निष्पादन के आकार लेने के साथ बैंक ने प्रगति के पथ पर अपनी यात्रा जारी रखी. वित्तीय वर्ष 2018 के दौरान घरेलू ऋण-वृद्धि 17% रही, जो बैंकिंग प्रणाली गैर-खाद्यान्न ऋण वृद्धि छह प्रतिशत पाइंट से उच्च रही. यह 42% की खुदरा ऋण वृद्धि एवं 16% की कॉर्पोरेट ऋण वृद्धि के कारण हुआ. खुदरा ऋण बही का विस्तार 48% की आवास-ऋण वृद्धि से हुआ. ऋण बही में खुदरा ऋणों का हिस्सा 31 मार्च, 2017 के 19.5% से बढ़कर 31 मार्च, 3018 को 23.5% पर पहुंचा. बैंक ने निरंतर खुदरा एवं कारपोरेट ऋण वृद्धि की नींव को मजबूत बनाया.

बैंक एमएसएमई एवं कृषि-ऋणों के रुप में प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को ऋण देने के सरकार के उद्देश्यों के समर्थन में सार्थक भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है. एमएसएमई ऋण गत वर्ष के ₹ 48,545 करोड़ के स्तर से बढ़ कर 31 मार्च, 2018 को ₹ 51,730 करोड़ पर पहुंचे. कृषि ऋण गत वर्ष ₹ 47,297 करोड़ थे, जो 31 मार्च, 2018 को बढ़ कर ₹ 49,583 करोड़ पर पहुंचे.

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय

सतर्क कार्यनीति के एक भाग के रूप में, बैंक के कुल व्यवसाय में अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय का योगदान 31 मार्च, 2016 के 31.30% से घटकर 31 मार्च,2017 को 27.14% तथा 31 मार्च, 2018 तक 22.33% हो गया. वित्त वर्ष 2018 में जमाराशियां ₹ 34,242 करोड़ से कम हुई, जिससे प्लेसमेंट आस्तियां ₹ 34,011 करोड़ तक घट गई. ऋण-बही में 2.4% की गिरावट आई है. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का निवल ब्याज मार्जिन (एनआयएम) वित्तीय वर्ष 2016 के 0.88% से बढ़कर वित्त वर्ष 2017 में 1.05% और वित्त वर्ष 2018 में 1.10% हो गया है.

आस्ति की गुणवत्ता

वर्ष के दौरान, बैंकिंग क्षेत्र दबावग्रस्त आस्तियों में फंसा रहा है. दिवाला और दिवालियापन संहिता (आईबीसी) परिचालित हुआ. नियामक कानून द्वारा सशक्त, बैंकों को राष्ट्रीय कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) में आईबीसी व्यवस्था के अंतर्गत बैंकिंग प्रणाली के एनपीएल के एक महत्वपूर्ण हिस्से को कवर करने वाले कुछ बड़े मूल्य के एनपीएल का समाधान करना अनिवार्य है. भारतीय रिज़र्व बैंक ने पूर्व योजनाओं जैसे एसडीआर, एस 4 ए, 5/25, सीडीआर, आदि के बाहर स्वामित्व में परिवर्तन और आईबीसी के साथ जोड़ते हुए दबावग्रस्त आस्तियों के समाधान के लिए रूपरेखा में संशोधन करने के बाद मार्च 2018 को समाप्त तिमाही में बैंकिंग प्रणाली के एनपीएल में और वृद्धि हुई है. उपरोक्त पृष्ठभूमि में, बैंक की सकल अनर्जक आस्तियां जो 31 मार्च 2017 को ₹ 42,719 करोड़ थीं, दिनांक 31 मार्च 2018 को बढ़कर ₹ 56,480 करोड़ हो गई. बैंक की सकल अनर्जक आस्तियों एवं निवल अनर्जक आस्तियों के बीच का अनुपात क्रमशः 12.26% एवं 5.49% था. वर्ष के दौरान ₹ 5,433 करोड़ की वसूली एवं अपग्रेड थे. तकनीकी राइट ऑफ खातों से प्राप्त वसूली ₹ 621 करोड़ रही, जो पिछले वर्ष ₹ 327 करोड़ की तुलना में अधिक रही. यहाँ यह बताना आवश्यक है कि बैंक की कुल दबावग्रस्त बही की स्थिति व्यापक रुप से वही बनी रही है, केवल उनकी श्रेणियों में परिवर्तन हुआ है.

विवेकपूर्ण दृष्टिकोण अपनाते हुए, बैंक ने इन आस्तियों के पेटे उच्च प्रावधान कवरेज करना जारी रखा है, जो आपके बैंक के तुलन-पत्र को मजबूती प्रदान करता है. टेक्निकल राइट-ऑफ्स (टीडबल्यूओ) सहित प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) दिनांक 31 मार्च, 2017 के 66.83% की तुलना में 31 मार्च, 2018 को बढ़ कर 67.21% हो गया है. टीडबल्यूओ के बिना पीसीआर पिछले वर्ष के अंत के 57.68% की तुलना 31मार्च, 2018 को 58.42% पर रहा. यह अनुपात समकक्ष बैंकों में सर्वाधिक हैं.

एनसीएलटी में बड़े एनपीएल खातों के समाधान पर भारतीय रिज़र्व बैंक के संशोधित दिशानिर्देशों के जारी होने के बाद निर्धारण का अंतिम स्टेज के पूरा होने के साथ ही तथा उच्च प्रावधान कवरेज सहित वित्त वर्ष 2019 में इसे मूर्त रूप दिए जाने की उम्मीद है, यह आस्ति गुणवत्ता संबंधी मामलों को पीछे छोड़ते हुए बैंक को आगे बढ़ाने में मदद करेगा.

परिचालनगत कार्यनिष्पादन

बैंक के परिचालन गत कार्यनिष्पादन में वित्त वर्ष 2018 में भी सुधार हुआ हैं. ब्याज आधारित आय एवं शुल्क आधारित आय दोनों में वृद्धि के चलते परिचालनगत लाभ वित्तीय वर्ष 2017 के ₹ 10,975 करोड़ की तुलना में वित्तीय वर्ष 2018 में ₹ 9.39% की वृद्धि करते हुए ₹ 12,006 करोड़ पर पहुंचा. सुदृढ़ ऋण-वृद्धि एवं विवेकपूर्ण देयता प्रबंधन के कारण जमाराशियों पर ब्याज में 2.90% की कमी तथा अग्रिमों पर ब्याज आधारित आय में 5.62% की वृद्धि के द्वारा बैंक की मुख्य आय, यथा निवल ब्याज आय (एनआईआई) 14.87% से बढ़ कर ₹ 15, 552 करोड़ हुई. गैर-ब्याज आय गत वर्ष के ₹ 6,758 करोड़ की तुलना में ₹ 6,657 करोड़ रही और दूसरी छःमाही में बॉन्ड -अर्जन में सख्ती के कारण ट्रेजरी अर्जन 28.27% की कमी से प्रभावित रहा. यद्यपि भारतीय रिज़र्व बैंक ने बैंकों को चार तिमाहियों के मार्क-टू मार्केट पोर्टफोलियो हानि को बांट देने की अनुमति दी थी, परंतु आपके बैंक ने वर्ष के दौरान सरकारी प्रतिभूतियों पर एमटीएम हानि नहीं की. कोर शुल्क आय में 14% की वृद्धि हुई. वित्तीय वर्ष 2017 में 2.19% की तुलना में वैश्विक एनआयएम वित्तीय वर्ष 2018 में 2.43% तक सुधरा. घरेलू परिचालन हेतु भी एनआयएम पिछले वर्ष के 2.64% से बढ़कर 2.88% हुआ.

वर्ष के दौरान परिचालनगत खर्चों में 9.43% की बढ़ोतरी हुई; मुख्य बढ़ोतरी पुनर्मूल्यांकित नियत आस्तियों पर मूल्यह्रास रहा है. तथापि, लागत-आय का अनुपात 45.87% पर स्थिर रहा है.

बैंक ने एनपीए के लिए वित्तीय वर्ष 2017 में ₹ 7,680 करोड़ की तुलना में इस वर्ष के दौरान ₹ 14,212 करोड़ की बड़ी राशि उपलब्ध कराई. इसके फलस्वरुप, बैंक ने 2016-17 में ₹ 1,383 करोड़ के निवल लाभ की तुलना में ₹ 2,432 करोड़ की निवल हानि दर्ज की है.

पूंजी

बैंक का 31 मार्च, 2018 को 12.13% का पूंजी पर्याप्तता अनुपात नियामक आवश्यकताओं से अधिक रहा है. यह भारत सरकार द्वारा इक्विटी के रूप में ₹ 5,375 करोड़ जोड़ने तथा अतिरिक्त टायर-1 बांड जारी करके ₹ 1,350 करोड़ प्राप्त करने से मजबूत हुआ था. टायर-1 पूंजी अनुपात 10.46% का था और कॉमन इक्विटी टायर-1 (सीईटी) 9.23% था. समेकित ग्रुप पूंजी पर्याप्तता अनुपात 12.87% ज्यादा था.

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंको के पुर्नपूंजीकरण के साथ, भारत सरकार द्वारा निश्चित कार्य योजना के साथ सुधार एजेंडा का निर्धारण किया गया है. पहले बताए गये अनुसार सुधार एजेंडा के अंतर्गत अधिकतर कार्ययोजनाओं सहित कई रुपांतरण चरणों के साथ आपका बैंक ग्राहकों एवं अन्य हितधारकों के साथ मजबूत फ्रेंचाइज़ी के दम पर गुणवत्ता परक वृद्धि करने में सफल रहा.

हमारा भावी प्रयास

हाल के आर्थिक संकेतों ने अर्थव्यवस्था में स्थिर बढ़त की ओर स्पष्ट संकेत किया है. व्यवस्था के तहत साख वृद्धि में सुधार हो रहा है. सकल नियत पूंजी निर्माण द्वारा मापी गयी निवेश गतिविधि डबल डिजिट तक बढ़ गयी है. बैंक सुधरती वृहत्-आर्थिक दशा का लाभ प्राप्त करने के लिए अच्छी स्थिति में है. संतोषजनक पूंजीगत स्थिति तथा ऋण खाते में दबावग्रस्त ऋण में भावी सुधार के साथ, हमारे व्यापक रूपान्तरण कार्यक्रम के बचे हुए हिस्से के कार्यान्वयन पर ध्यान देते हुए हम गुणवत्तापूर्ण और लाभप्रद व्यावसायिक वृद्धि प्राप्त करने के अपने चयनित रास्ते पर लगातार आगे बढ़ रहे हैं. ग्राहक और कर्मचारी की संतुष्टि में बढ़ोतरी करना हमारी प्राथमिकता रहेगी.

मैं निदेशक मण्डल के अध्यक्ष श्री रवि वेंकटेसन तथा निदेशक मंडल के सभी सदस्यों का उनके बहुमूल्य समर्थन तथा हमारे प्रयासों को दिशा देने हेतु अभिवादन करता हूं. मैं अपने सभी कर्मचारियों को उनकी मेहनत, समर्पण और प्रतिबद्धता हेतु उन्हें धन्यवाद देता हूं. हम आगे भी आपके संरक्षण, समर्थन एवं सद्भाव की आशा करते हैं.

पी. एस. जयकुमार

पी एस जयकुमार
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

MD & CEO'S STATEMENT

P S Jayakumar
Managing Director and CEO

Dear Stakeholder,

It is with a great pleasure that I present before you the highlights of Bank's performance during the financial year 2017-18. Details of the achievements and initiatives taken are provided in the Annual Report.

Macro-Economic Overview

Global economic recovery gathered momentum with a broad based growth in 2017. Indian economic fundamentals continued to improve. FY 2018 has been eventful for the Indian economy with number of structural measures initiated by the Government leading to growth in formal economy and an environment for long term growth. The implementation of GST, the biggest taxation reform in post-independent India promotes productivity by removing barriers to inter-state trade and will lead to benefits to the economy in the long run. GST, Aadhar, targeted delivery of benefits through the Direct Benefit Transfer (DBT) and digitization thrust are leading towards further formalization of the economy.

On the banking scenario, major step taken by the Government was recapitalizing the public sector banks with an infusion plan of ₹ 2.11 lakh crore which should help address the issue of non-performing loans (NPLs) and ease the lending constraints thereby contributing to growth. The year saw implementation of Insolvency and Bankruptcy Code (IBC) enacted during previous year. This has made the resolution of stressed assets possible within defined time frame and has changed the paradigm of NPL resolution mechanism for the banks. Though the NPLs of the banking system increased in quarter ended in March 2018 impacting the profitability in near term after RBI revised the framework for resolution of stressed assets dismantling earlier mechanisms to deal stress, this marks the final stage of multi-year initiatives of RBI to recognize problem assets more accurately. Going forward, cleaner and recapitalized balance sheets should help banks to move forward. With this step, RBI is also preparing the banking system for implementation of Ind-AS from the next financial year.

Given the background of the structural reforms, India recorded a 30 place jump in ranking on ease of doing business published in the World Bank's report 2018. India is one of the top five reformers improving its score in six out of ten parameters for measuring the ease of doing business. Considering the size of our country, this progress has been significant. Moody's raised the sovereign rating of the country which was the first upgrade in 14 years. As Moody's said in its statement, continued progress on economic and institutional reforms will, over time, enhance India's high growth potential.

Recent economic indicators point to an improvement in domestic economy. The slowdown appears to have bottomed out led by growth in manufacturing sector. With exports expected to pick up on the back of improvement in global economy, Indian macro-economic environment is promising. There is expectation of reversal in capex cycle and pick up in credit demand could be observed in banking industry after a long gap. With the asset quality cycle expected to play out, outlook for FY 2019 appears to be encouraging.

Bank's Transformation Journey- Project Navoday

In my statement last year, I had mentioned about our transformation journey 'Project Navoday' and alignment of business initiatives with transformation, core of which is centered around processes, products, platforms and people's capability building to gain the competitive advantage.

I am pleased to report that during the year a number of such initiatives have been executed/are in advanced stage of execution. They have started reflecting in our business numbers and the quality of business accrued. Some of the initiatives executed are:

- For growth of our corporate banking portfolio, we have adopted target market approach with clearly defined target markets. Target account plans have been put in place at major centers executed through relationship managers (RMs). To ensure consistency in underwriting, separate corporate credit approval function with a team of sector specialists is also in place. For faster turn- around time, the number of layers for approval have been reduced to one for Corporate Financial Service branches. The benefit of the approach is visible in increase in investment grade clients in our portfolio from earlier levels.
- Strengthening our product proposition, we launched fully digitized and integrated supply chain financing and cash management programme. These products

now act as feeder for new client acquisition including in MSME segment and for growth of low cost current account deposits. A digital platform viz. Baroda INSTA for our trade finance customers is under deployment and has been launched for -2- trade finance products. It is being extended for others. All these products have been well received.

- For our retail customers, we have simplified the retail loan approval process; introduced risk based pricing; expanded distribution channels for sourcing; centralized the mortgage loan processing for consistency in underwriting and commissioned a dedicated retail loan collection center for timely collections. Risk profile of portfolio as well as proportion of retail book to total loan book has improved. The building blocks for sustained retail loan growth have been put in place.
- We have digitized the processing of loans and their approval for our retail customers; for others, it is in the final stages of deployment.
- Strengthening our proposition to support MSMEs customers, we simplified loan approval process on the basis cash flows for lending to MSMEs on emerging digital channels. Bank was first to onboard all three TReDS platforms and is accounting for 22% of the business on it as on March 18. We commenced financing sellers on e-commerce platforms and launched a special product for financing against GST receivables. For agriculture financing, we adopted alliance led strategy of eco system financing to support innovation and entrepreneurship thereby helping farmers augment their income.
- Strengthening the business origination process for our depositors, we digitized the account opening process making it paperless through Tablets. It offers seamless user experience and reduced turn-around time (TAT) of few minutes. All branches pan India have been enabled for this. Besides other digital platforms have been revamped including the mobile banking app to incorporate best in class features, credit cards and debit cards.
- During the year, we commenced services for financial planning and wealth management for our customers. Segmented offerings to various set of customers include enhanced banking services and service levels, preferential pricing and wealth management services with dedicated relationship managers and investment counselors. To start with, these services are offered at two cities for to be expanded progressively.
- As a green initiative and towards a major step leading to paperless banking, we have undertaken digitization of records across the Bank with over 600 branches already completed and implementation for remaining proceeding as per plan. This helps branches to retrieve, save, print and e-mail digitized records of customers anytime and anywhere besides unlocking the space at branches.
- Bank's operating architecture was revamped by setting up a state-of-the-art Shared Service Centre at GIFT City, Gandhinagar, Gujarat. A number of back office operational activities of branch like account management services, mortgage loan processing, forex and trade finance operations have been migrated enabling release of sales time for the branches. It has also ensured improved risk management, controls and compliance besides improving efficiency and lowering the costs.
- Strengthening the technology capabilities of the Bank, we upgraded our core banking system (CBS) to its latest and upgraded version followed by its integration to various digital applications which work seamlessly across multiple channels viz. smart phones, tablets, laptops, etc. We have also set up an IT Center of Excellence (ITCoE) to add further power to our technological capabilities and are setting up an Analytics Center of Excellence (ACoE) which would analyze data and provide insights of our customers.
- Forging over 20+ fintech alliances/partnerships to take advantages of innovation and to meet emerging business requirements. We platformised with select ones by opening up the APIs to connect and offer differentiated products and services such as digital lending.
- In view of advancements in technology and growing transactional data we have undertaken transformation of audit process, supplementing the on-site audit process with off-site one leading to timely preventive actions, improved controls and cost efficiencies. Fragmented concurrent audit process was streamlined for an integrated view of operations.
- People's transformation and capacity building through multiple HR interventions was undertaken such as launch of a comprehensive leadership programme – "WeLead" for all cadre of officers; introduction of a digital Performance Management System (PMS) christened as Baroda GEMS (Growth & Empowerment Management System); roll out of employee engagement initiatives under 'Baroda Anubhuti'; launch of a new employee grievance redressal portal etc. all aimed at increasing capacity building, employee motivation and engagement.

Given the strategic initiatives undertaken during last two years and moving on course to take them to logical conclusion, the Bank is well positioned to capitalise on the opportunities arising in the emerging banking and economic scenario.

Financial Performance

A snap shot of the Bank's performance during FY 2018 is as under:

Deposits

Accretion to global CASA deposits during the year was ₹ 18,283 crore while domestic CASA deposits increased by ₹ 18,729 crore registering a growth of 9.45% and 10.79% respectively. Percentage of domestic CASA deposits

increased to 41.18% from 39.44% last year. For a sustained growth of these deposits, we have taken number of steps by increasing our product and process proposition by launch of new products like cash management, wealth management suite for differentiated segment of customers and digitizing the processes like opening of accounts through tablets, revamping of mobile banking app, launch of m-passbook, launch of mobile app for wealth management, strengthening our e-payments products (RTGS,IMPS,UPI), tie-up with multiple payment aggregators, introducing differentiated debit cards, rebranding our credit cards etc. Total domestic deposits during the year grew at a lower rate of 6.11% in the back drop of surplus liquidity with the Bank.

Credit

With the execution of transformation initiatives taking shape, Bank continued its journey on growth path. Domestic loan growth was 17% during FY 2018, over six percentage point higher than banking system non-food credit growth. It was driven by retail loan growth of 42% and corporate loan growth of 16%. Expansion of retail loan book was led by home loan growth of 48%. The share of retail loans to loan book increased from 19.5% as on March 31, 2017 to 23.5% as on March 31, 2018. Bank has put in place the building blocks for sustained retail and corporate loan growth.

Bank is committed to play meaningful role in supporting Government objective of lending to priority sectors led by MSME and agriculture. While MSME loans grew to ₹ 51,730 crore as on March 31, 2018 from level of ₹ 48,545 crore last year, agriculture loan book was ₹ 49,583 crore as on March 31, 2018 as against ₹ 47,297 crore last year.

International Business

As a part conscious strategy pursued, the contribution of international business to our total business reduced from 31.30% as on March 31, 2016 to 27.14% as on March 31, 2017 and to 22.33% as on March 31, 2018. Deposits in FY 2018 de-grew by ₹ 37,242 crore which reduced the placement assets by ₹ 34,011 crore. The loan book also declined by 2.4%. The net interest margin (NIM) of the international business improved from 0.88% in FY 16 to 1.05% in FY 17 and to 1.10% in FY18.

Asset Quality

During the year, the banking sector continued to have overhang of stressed assets. The Insolvency and Bankruptcy Code (IBC) become operative. The regulator empowered by law, mandated banks to arrive at resolution of some of the large value NPLs covering a significant part of NPLs of the banking system under IBC mechanism at National Company Law Tribunal (NCLT). NPLs of the banking system further increased in the quarter ended March 2018 after RBI revised the framework for resolution of stressed assets repealing earlier schemes like SDR, S4A, 5/25, CDR etc. and aligning them with IBC.

In the above backdrop, gross non-performing assets (GNPAs) of the Bank increased from ₹ 42,719 crore as on March 31, 2017 to ₹ 56,480 crore as on March 31, 2018. The GNPA and Net NPA ratios were at 12.26% and 5.49% respectively. Recoveries and upgrades during the year were ₹ 5,443 crore. Recoveries from technically written off accounts were higher at ₹ 621 crore compared to ₹ 327 crore last year. It is worth mentioning that the total stressed book of the Bank has broadly remained stable with migrations from one category to other.

Following the prudent approach, Bank continues to have high provision coverage against these assets which provide strength to your Bank's balance sheet. Provision Coverage Ratio (PCR) including technical write offs (TWO) as of March 31, 2018 increased to 67.21% from 66.83% as of March 31, 2017. PCR without TWO stood at 58.42% as of March 31,2018 as against 57.68% at the end of last year. These ratios are highest amongst the public sector banks.

With final stage of recognition being over after revised guidelines of RBI; resolution of large NPL accounts at NCLT expected to materialize during the FY 2019 and with a higher provision coverage, it should help Bank to move forward leaving behind the legacy of asset quality issues.

Operating Performance

Operating performance of the Bank further improved in FY2018. Operating profit increased by 9.39% to ₹ 12,006 crore in FY 2018 against ₹ 10,975 crore in FY 2017 led by growth in both the interest income and fee income. The core income of the Bank viz. the net interest income (NII) grew by 14.87% to ₹ 15,522 crore driven by growth in interest income on advances by 5.62% on the back of healthy credit growth and a prudent liability management leading to reduction in interest on deposits by 2.90%. Total non-interest income was lower at ₹ 6,657 crore against last year's level of ₹ 6,758 crore, impacted by 28.27% lower treasury gains due to hardening of bond yields during second half of the year. Though RBI allowed banks to stagger mark-to-market bond portfolio losses over four quarters, your Bank did not have any MTM losses on G-secs during the year. Core fee income increased by 14%. Global NIM improved to 2.43% in FY 2018 from 2.19% in FY 2017. NIM for domestic operations also increased to 2.88% from 2.64% last year.

The operating expenses during the year increased by 9.43%; the main increase being in depreciation on revalued fixed assets. However, cost-to-income ratio remained steady at 45.87%.

During the year, your Bank provided ₹ 14,212 crore towards NPAs on a larger pool as against ₹ 7,680 crore in FY2017. As a result, Bank posted net loss of ₹ 2,432 crore as compared to a net profit of ₹ 1,383 crore in 2016-17.

Capital

The capital adequacy ratio of the Bank at 12.13% as of March 31, 2018 continues to be above regulatory requirements. It was strengthened by addition of ₹ 5,375 crore as equity by GOI and raising of ₹1,350 crore through issuance of Additional Tier-1 bonds. The Tier-1 capital was 10.46% and Common Equity Tier-1 (CET-1) was 9.23%. The consolidated group capital adequacy ratio was higher at 12.87%.

Along with recapitalization of PSBs, a reforms agenda with definitive action points has been laid down by the GOI. With

number of transformation steps accomplished as detailed earlier which include most action points under the reforms agenda, your Bank is well placed to deliver quality growth on the back of strong franchise it enjoys with the customers and other stakeholders.

The Way Forward

Recent economic indicators clearly point towards a steady upturn in the economy. The credit growth in the system is improving. The investment activity as measured by gross fixed capital formation is increasing to double digits. Bank is well positioned to take advantage of the improving macro-economic environment. With satisfactory capital position and expected improvement in stress in the loan book, we will march on our chosen path of quality and profitable business growth with clear focus on execution of remaining part of our comprehensive transformation programme. Enhancing the customer and employee satisfaction will continue to be our priority.

I would like to acknowledge and thank the Chairman of the Board Mr. Ravi Venkatesan and all the members of the Board for their valuable support, guidance and inputs to the Management in all the endeavours. I would also like to acknowledge and thank all our employees for their hard work, dedication and commitment. We look forward to your continued patronage, support and goodwill.

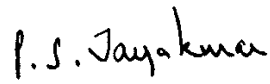

P S Jayakumar
Managing Director and CEO

निदेशकों की रिपोर्ट
Directors' Report

आपके निदेशकगण बैंक की 110वीं वार्षिक रिपोर्ट के साथ 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष (वित्तीय वर्ष 2018) के लेखा-परीक्षित तुलनपत्र, लाभ एवं हानि लेखा और व्यवसाय तथा परिचालन संबंधी रिपोर्ट सहर्ष प्रस्तुत कर रहे हैं.

वित्तीय कार्यनिष्पादन

हमारे बैंक के वित्तीय निष्पादन का संक्षिप्त ब्यौरा निम्नानुसार है :

(₹ करोड़ में)

विवरण	31.03.2017	31.03.2018	वृद्धि (%)
जमाराशियां	**6,01,675.2**	**5,91,314.8**	**(1.7)**
जिसमें से - घरेलू जमाराशियां	4,40,092.2	4,66,973.8	6.1
अंतर्राष्ट्रीय जमाराशियां	1,61,583.0	1,24,341.0	(23.1)
घरेलू जमाराशियां	**4,40,092.2**	**4,66,973.8**	**6.1**
जिसमें से - चालू खाता जमाराशियां	26,761.8	31,193.1	16.6
बचत बैंक जमाराशियां	1,46,831.9	1,61,130.0	9.7
कासा जमाराशियां	1,73,593.6	1,92,323.1	10.8
घरेलू जमाराशियों में घरेलू कासा (%)	**39.44**	**41.18**	
अग्रिम	**3,83,259.2**	**4,27,431.8**	**11.5**
जिसमें से - घरेलू अग्रिम	2,77,523.7	3,24,238.5	16.8
अंतर्राष्ट्रीय अग्रिम	1,05,735.5	1,03,193.3	(2.4)
कुल आस्तियाँ	**6,94,875.4**	**7,19,999.8**	**3.6**
निवल ब्याज आय (एनआईआई)	**13,513.4**	**15,521.8**	**14.9**
अन्य आय	**6,758.1**	**6,657.2**	**(1.5)**
जिसमें से - शुल्क आय	2837.4	3249.7	14.5
विदेशी आय	975.9	909.2	(6.8)
व्यापारिक अभिलाभ	2,618.0	1,877.6	(28.3)
पीडब्ल्यूओ से वसूली	326.8	620.7	90.0
एनआईआई + अन्य आय	**20,271.5**	**22,179.0**	**9.4**
परिचालनगत व्यय	**9,296.4**	**10,173.4**	**9.4**
परिचालनगत लाभ	**10,975.1**	**12,005.6**	**9.4**
प्रावधान	**8,502.4**	**14,796.4**	**74.0**
जिसमें से - एनपीए व बट्टाकृत आशोध्य ऋण हेतु प्रावधान	7,679.8	14,211.7	85.1
कर पूर्व लाभ	2,472.7	(2,790.7)	-
कर हेतु प्रावधान	1,089.6	(358.9)	-
निवल लाभ	1,383.1	(2,431.8)	-
विनियोजन / अंतरण			
सांविधिक आरक्षित निधि	345.8	0	
पूंजी आरक्षित निधि	353.7	0	
राजस्व और अन्य आरक्षित निधि			
i) सामान्य आरक्षित निधि	0	(2431.8)	
iii) आयकर अधिनियम 1961 की धारा 36 (I) (viii) के तहत विशेष आरक्षित निधि	350.9	0	
प्रस्तावित लाभांश	332.8	0	

(₹ करोड़ में)

महत्वपूर्ण निष्पादन सूचक	31.03.17	31.03.18
निधियों की औसत लागत (%)	4.82	4.56
औसत अर्जन (%)	6.85	6.84
औसत ब्याज अर्जन आस्तियाँ	6,15,834.7	637987.0
औसत ब्याज वहन करने वाली देयताएं	5,95,250.0	616243.9
निवल ब्याज मार्जिन (%)	2.19	2.43
लागत-आय अनुपात (%)	45.86	45.87
औसत आस्तियों पर प्रतिफल (आरओएए) (%)	0.20	(0.34)
इक्विटी पर प्रतिफल (%)	4.53	(7.64)
प्रति शेयर बही मूल्य (रुपए)	132.46	120.28
ईपीएस (रु पये)	6.00	(10.53)

वित्तीय वर्ष 2017-18 एक विशिष्ट साल रहा. बैंकिंग क्षेत्र में क्रेडिट वृद्धि वित्तीय वर्ष की दूसरी छमाही में गति ले पाई. तथापि, आधार दर में परिवर्तन तथा वर्ष के आरंभ में मुद्रा की निकासी के कारण वर्ष के दौरान जमा राशियों में वृद्धि की दर कई दशकों के सबसे कम स्तर पर रही. दिवाला एवं दिवालियापन संहिता (आईबीसी) के लागू होने तथा बैंकिंग व्यवस्था में एनपीए के काफी बड़े हिस्से को एनसीएलटी के माध्यम से निपटान करने हेतु भारतीय रिज़र्व बैंक की सहमति के बाद निपटान प्रक्रिया में तेजी आई है. वित्तीय वर्ष की अंतिम तिमाही के दौरान भारतीय रिज़र्व बैंक ने ऐसी आस्तियों के निपटान संबंधी अपने पूर्ववर्ती दिशा -निर्देशों को निरस्त करते हुए आईबीसी के अनुरुप दबावग्रस्त आस्तियों के निपटान हेतु अपने दिशा - निर्देशों में आवश्यक संशोधन किया. इससे बैंकिंग में एनपीए की पहचान करने में मदद मिली और तात्कालिक आधार पर बैंकों की कार्यप्रणाली पर प्रभाव पड़ा. उपरोक्त परिवेश में, बैंक ने मूल परिचालनगत दक्षता के तहत सुधार के साथ कार्यनिष्पादन किया.

वर्ष के दौरान निवल ब्याज मार्जिन (एनआईआई) में 14.9% की वृद्धि हुई. वित्तीय वर्ष की दूसरी छमाही में बॉन्ड पर प्रतिलाभों में कमी के कारण ट्रेजरी आय में 1.5% की गिरावट हुई जिससे अन्य आय में मामूली कमी दर्ज की

गई. तथापि, मूल शुल्क आधारित आय में 14.5% की वृद्धि हुई. तकनीकी रुप से बट्टे खाते डाले गए खातों में की गई वसूली में 90% की वृद्धि हुई. परिचालनगत खर्चों में 9.4% की वृद्धि हुई .

बैंक ने 9.4% की वृद्धि दर्ज करते हुए ₹12,006 करोड़ का परिचालनगत लाभ अर्जित किया. कुल प्रावधानों में 85% की वृद्धि हुई और उच्च सकल अनर्जक आस्तियों के कारण एनपीए हेतु प्रावधानों में 74% की वृद्धि हुई जिसके फलस्वरुप बैंक ने ₹ 2431.8 करोड़ की हानि दर्ज की. इसके परिणामस्वरुप, सांविधिक एवं पूंजीगत आरक्षित निधि में कोई भी राशि अंतरित नहीं की जा सकी तथा हानि राशि का समायोजन सामान्य आरक्षित निधि से किया गया.

सुधरते हुए परिचालनगत कार्यनिष्पादन के कारण निवल आय मार्जिन (एनआईएम) 2.19% से सुधरकर 2.43% हो गया. पिछले वर्ष की औसत निधि लागत 4.82% से घट कर 4.56% होने तथा निधियों पर औसत प्राप्तियां लगभग सामान्य रहने के कारण यह परिणाम प्राप्त हुआ. लागत आय अनुपात 45.87% के स्तर पर रहा.

पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) % में

	31.03.17	31.03.18
पूंजी पर्याप्तता अनुपात-बासेल III	12.24	12.13
सीईटी I	8.98	9.23
टीयर - I	9.93	10.46
टीयर - II	2.31	1.67

31 मार्च 2018 को बैंक की पूंजी पर्याप्तता अनुपात 12.13% के स्तर पर बना रहा जो विनियामक आवश्यकता से काफी ऊपर है. टीयर - I पूंजी का स्तर 10.46% तथा कॉमन इक्विटी टीयर -I (सीईटी - I) 9.23% रहा. समेकित समूह पूंजी पर्याप्तता अनुपात 12.87 % के उच्च स्तर पर रहा.

वर्ष के दौरान, बैंक ने भारत सरकार को ₹ 5,375 करोड़ के लिए 2 ₹ प्रति शेयर मूल्य के ₹157.46 प्रति शेयर की दर से 34,13,56,534 शेयर अधिमानी आधार पर आबंटित किए. तदनुसार बैंक की प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी में ₹ 68.67 करोड़ की वृद्धि हुई. बैंक ने अतिरिक्त टीयर - I बॉन्ड जारी कर ₹1350/- करोड़ की उगाही की है.

31 मार्च 2018 को बैंक का नेटवर्थ ₹ 31,820.2 करोड़ रहा जिसमें ₹ 530.36 करोड़ की प्रदत्त इक्विटी पूंजी तथा ₹ 31,289.9 करोड़ की आरक्षित पूंजी (पुनर्मूल्यांकन आरक्षित पूंजी, विदेशी मुद्रा ट्रांसलेशन आरक्षित पूंजी और अन्य अमूर्त आस्तियों को छोड़कर) शामिल हैं. शेयर का बही मूल्य (2 ₹ के अंकित मूल्य पर) ₹120.28 रहा.

लाभांश

बैंक इस उद्देश्य हेतु भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा न करने के परिणामस्वरुप वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिये लाभांश का भुगतान करने हेतु पात्र नहीं है.

प्रबंधन परिचर्चा और विश्लेषण

वैश्विक अर्थव्यवस्था

वर्ष 2011 से वैश्विक अर्थव्यवस्था में तेजी से वृद्धि हुई है और कैलेंडर वर्ष 2016 में 3.3% से बढ़कर कैलेंडर वर्ष 2017 में 3.8% की दर दर्ज की. उन्नत अर्थव्यवस्था (एई) को चक्रीय वसूली और रोजगार में बढ़ोत्तरी से लाभ मिल रहा है जिसके परिणामस्वरुप उच्च खपत हो रही है. उसी समय पर निम्न ब्याज दर से निवेश को बढ़ावा मिल रहा है खासकर आवास क्षेत्र में ऐसा अनुमान है कि कैलेंडर वर्ष 2016 में 1.6% की तुलना में कैलेंडर वर्ष 2017 में उन्नत अर्थव्यवस्था में 2.3% की दर से वृद्धि हुई है. निर्यात वसूली के साथ-साथ उच्च घरेलू खपत के कारण एशियन अर्थव्यवस्था में भी उच्च वृद्धि प्रदर्शित हो रही है. उभरते हुए बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्था (ईएमडीई) ने कैलेंडर वर्ष 2016 में 3.7% की तुलना में कैलेंडर वर्ष 2017 में 4.8% की सशक्त वृद्धि दर्ज की है जो कि विशेषकर भारत (6.7%) और चीन (6.9%) के कारण है.

पिछले वर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्था में सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन वैश्विक कॉमॉडिटी मूल्यों में इज़ाफा था जोकि कैलेंडर वर्ष 2016 में (-)1.2% एवं कैलेंडर वर्ष 15 में (-)14.1% की तुलना में कैलेंडर वर्ष 2017 में 6.8% से बढ़ गया है. परिणामस्वरुप, कॉमॉडिटी निर्यात करने वाले देश जैसे ब्राज़ील, रुस व ओपीईसी के बाह्य खातों और वित्तीय स्थिति में सुधार हुआ है जोकि उनके आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा.

तथापि, उच्च वैश्विक कॉमॉडिटी मूल्यों के साथ मुद्रास्फीति भी बढ़ेगी. एई में मुद्रास्फीति 2016 में 0.8% की तुलना में 2017 में 1.7% तक वृद्धि हुई है. चूंकि बेरोजगारी स्तर और अधिक नीचे आया है मुद्रास्फीति में और अधिक वृद्धि होने की संभावना है जिसके परिणामस्वरुप एई केंद्रीय बैंकों द्वारा अनुग्राही मौद्रिक नीतियों पर रोक लगा दी जाएगी. वर्ष 2018 में और उसके बाद से वैश्विक अर्जन अधिक होगा.

इसके अलावा, यू.एस. द्वारा घोषित राजस्व प्रोत्साहन वैश्विक वृद्धि को भी संवर्धित करेगा. चक्रीय अपटर्न वैश्विक वृद्धि में परिणत हो सकता है जोकि कैलेंडर वर्ष 2018 और कैलेंडर वर्ष 2019 में बढ़कर 3.9% हो रहा है. अप्रैल 2018 में आईएमएफ द्वारा प्रकाशित वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक के अनुसार कैलेंडर वर्ष 19 में 2.2% तक कम होने से पहले कैलेंडर वर्ष 2018 में एई में 2.5% की दर से वृद्धि का अनुमान है जबकि ईएमडीई कैलेंडर वर्ष 18 में 4.9% की दर से बढ़ेगा और आगे कैलेंडर वर्ष 2019 में 5.1% की दर से वृद्धि होगी. उभरते हुए बाज़ार के अंतर्गत भारत अगुआ होगा जिसके बाद चीन, एशियन-5 और सब-सहारन अफ्रीका होगा.

भारतीय अर्थव्यवस्था

भारतीय अर्थव्यवस्था ने वित्तीय वर्ष 2018 में संक्रमणशील मंदी देखी है जब सरकार द्वारा कार्यान्वित संरचनात्मक सुधारों के परिणामस्वरुप वित्तीय वर्ष 2017 में वृद्धि दर गिरावट के साथ 7.1% से 6.6% पहुँच गयी थी. यह गिरावट विनिर्माण क्षेत्र के कारण हुई थी जिसने वित्तीय वर्ष 2018 में 5.1% की वृद्धि दर्ज की थी. जब विनिर्माण वृद्धि कम होकर 2.6% हुई तब सबसे अधिक प्रभाव एच 1 पर पड़ा था. तथापि, एच2 में 6.4% के वृद्धि सुधार के साथ विनिर्माण क्षेत्र में बदलाव आया. यहाँ तक कि कृषि वृद्धि दर भी वित्तीय वर्ष 2017 में 6.3% से गिरकर वित्तीय वर्ष 2018 में 3% हो गई जिसका मुख्य कारण बेमौसम बारिश और उच्च आधार प्रभाव था. वित्तीय वर्ष 2018 में सेवा क्षेत्र ने 8.3% की दर पर वृद्धि गति बनाई जिसका मुख्य कारण सरकारी व्यय और व्यापार, होटल, परिवहन और दूरसंचार खंडों में बढ़ोत्तरी थी.

वित्तीय वर्ष 2018 में वृद्धि दर गिरने के साथ ही वित्तीय वर्ष 2018 में खुदरा मुद्रास्फीति भी 3.6% तक नीचे गिरी. गिरावट का मुख्य कारण खाद्य मुद्रास्फीति थी जोकि वितीय वर्ष 2017 में 4.3% से गिरकर वित्तीय वर्ष 2018 में 1.8% हो गई. दूसरी ओर, खाद्य और ईंधन (कोर) के अलावा खुदरा मुद्रास्फीति वित्तीय वर्ष 2017 में 4.8% की तुलना में वित्तीय वर्ष 2018 में 4.7% हो गई. एच1 में 4.3% की तुलना में एच2 में 5.1% की दर पर कोर मुद्रास्फीति में ऊपर की ओर दबाव दृष्टव्य था. 7वें वेतन आयोग के कार्यान्वयन के सांख्यिकीय प्रभाव सहित उच्च अंतर्राष्ट्रीय तेल मूल्य ने कोर मुद्रास्फीति को

भी बढ़ा दिया. चूंकि संभावित और वास्तविक आउटपुट के बीच का अंतर काफी कम हो रहा है, अत: विशेष रुप से, कोर मुद्रास्फीति के विभिन्न वर्गों में ऊपरी दबाव दृष्टव्य है.

हाल के आर्थिक संकेतक अर्थव्यवस्था में स्थिर बढ़ोत्तरी दर्शा रहे हैं. क्रेडिट वृद्धि में सुधार हो रहा है, सकल स्थायी पूंजी निर्माण द्वारा मापे गये अनुसार निवेश गतिविधि दोगुने अंकों में बढ़ रही है, एयरलाइन्स यात्रियों की संख्या में भारी वृद्धि दर्ज हो रही है एवं कार व दोपहिया वाहन की बिक्री भी बढ़ रही है. सरकार ने इस खरीफ मौसम से नई एमएसपी नीति घोषित की है जो किसानों हेतु और अधिक आय सुनिश्चित करेगी जोकि ग्रामीण खपत हेतु वरदान होगा. चूंकि राज्य सरकारों ने 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों को कार्यान्वित करना आरंभ कर दिया है अत: शहरी खपत में भी बढ़ोत्तरी होगी.

परिणामस्वरुप, वित्तीय वर्ष 2019 में आर्थिक वृद्धि का 7.4% तक बढ़ने का अनुमान है. उच्च वृद्धि उच्च ब्याज दर के साथ होगी. न केवल मुद्रास्फीति में वृद्धि अपितु बैंकिंग प्रणाली के साथ अतिरिक्त चलनिधि (अब, पूर्व के अतिरिक्त स्थिति से तटस्थ स्तर पर) में कमी ब्याज दर पर ऊपरी दबाव निर्मित कर सकती है. उच्च दर वैश्विक स्तर पर भी होंगे. यूएस फेड 2018 व 2019 में दरों को बढ़ाना जारी रख सकती है .

भारतीय बैंकिंग में विकास

वित्तीय वर्ष 2018 विमुद्रीकरण के प्रभाव के कारण बैंकों के पास अत्यधिक तरलता एवं मंद ऋण - विकास के साथ शुरू हुआ. वर्ष के प्रारंभिक छह माह के दौरान ऋण वृद्धि निरंतर बनी रही. तथापि उत्तरार्ध में गतिशीलता आई और वित्तीय वर्ष 2018 10.3% की ऋण वृद्धि के साथ समाप्त हुआ. हालांकि जमा वृद्धि दर मूलभूत प्रभाव एवं मुद्रा - आहरणों के कारण 6.7% पर मंद रहा.

बैंकिंग के क्षेत्र में पर सरकार द्वारा लिया गया एक प्रमुख कदम था, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में ₹ 2.11 लाख करोड़ के पूंजीयन की योजना के साथ पुनर्पूंजीकरण, जिसमें से ₹ 1.35 लाख करोड़ पुनर्पूंजीकरण बॉन्ड के माध्यम से तथा ₹ 76000 करोड़ बजटगत समर्थन एवं बैंकों द्वारा पूंजी बाजार से निधियां जुटाने के रुप में थे. इससे एनपीए की भारी समस्या से निपटने में एवं ऋण के अवरोधों को निपटने में मदद होगी और उसके द्वारा विकास में योगदान मिलेगा. हमारे लिए यह 2018-19 के दौरान तथा आगे भी स्वस्थ ऋण वृद्धि पर ध्यान केन्द्रित करना जारी रखने हेतु पूंजी उपलब्ध कराएगा.

पुन:पूंजीकरण कार्य का एक महत्वपूर्ण भाग यह है कि रिकैप का दूसरा चरण सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के एजेंडा संबंधी बैंकों के कार्य-निष्पादन से जुड़ा हुआ है, जिसका लक्ष्य ईएएसई-एन्हान्स्ड एक्सेस एंड सर्विस एक्सेलेंस है जो ग्राहक प्रतिभाव के छह मुद्दों पर केन्द्रित है. ये मुद्दे हैं - उत्तरदायित्वपूर्ण बैंकिंग, क्रेडिट ऑफटेक, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक - उद्यमी मित्र के रुप में, वित्तीय समावेशन एवं डिजिटाइजेशन को गहन बनाना तथा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक के ब्रांड हेतु कार्मिकों का विकास. उक्त छह मुद्दों के तहत विस्तृत कार्यगत बिन्दु उनके कार्यान्वयन की समय-सीमा के साथ दर्शाए गए हैं.

वर्ष 2017 सरकार द्वारा अधिनियमित दिवाला एवं दिवालियापन संहिता के अनुपालन का साक्षी रहा. इसके अनुपालन ने दबावग्रस्त आस्तियों के निर्धारित समयावधि में समाधान को संभव बनाया एवं कॉर्पोरेटों के लिए आस्तियों के आर्थिक मूल्य को संरक्षित करते हुए अपने व्यवसाय के पुनर्जीवन का प्रयास करना या उससे निकल जाना व्यवहार्य बनाते हुए बैंकों के लिए एनपीए के माहौल में उल्लेखनीय परिवर्तन संभव बनाया. बैंकिंग एनपीए का उल्लेखनीय प्रतिशत आईबीए प्रक्रिया के अंतर्गत है. विशेष रुप से लौह एवं इस्पात तथा सिमेंट जैसे क्षेत्रों में सफलता देखी जा सकती है.

बैंकिंग प्रणाली में गैर-निष्पादक आस्तियों में भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा दबावग्रस्त आस्तियों के समाधान हेतु फरवरी 2018 में एसडीआर, एस4ए, सीडीआर आदि जैसी मौजूदा योजनाओं का निरसन करते हुए और जेएलएफ़ मैकेनिज़्म को बंद करते हुए संशोधित किए गए फ्रेमवर्क के बाद मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही में और वृद्धि हुई. यह भारतीय रिज़र्व बैंक के समस्याग्रस्त आस्तियों को अधिक सुनिश्चित ढंग से निर्धारण करने के कई वर्षों के प्रयासों के अंतिम चरण के रुप में उल्लेखित है. इन दिशानिर्देशों के साथ भारतीय रिज़र्व बैंक ने दबावग्रस्त आस्तियों की समस्या के समाधान की प्रक्रिया को पूर्णत: आईबीसी से सुसंगत बनाया है. इससे पहले से उच्च एनपीएल अनुपात और बैंकों के प्रावधान के भार में वृद्धि हुई है और उनकी लाभप्रदता पर निकट अवधि में और दबाव उत्पन्न किया है. आगे चल कर स्वच्छ एवं पुनर्पूंजीकरणयुक्त तुलनपत्र बैंकों को आस्ति गुणवत्ता की समस्याओं से मुक्ति पाकर आगे बढ़ने में मददगार बनेगा. भारतीय रिज़र्व बैंक इस कदम के साथ बैंकिंग प्रणाली को अगले वित्तीय वर्ष से आईएनडी - एएस के अनुपालन हेतु तैयार कर रहा है.

उपरोक्त के अलावा बैंकों में धोखाधड़ी की घटनाओं से उत्पन्न जोखिम प्रबंधन आंतरिक नियंत्रणों तथा लेखा परीक्षा की गुणवत्ता और प्रक्रियागत अंतर को भरने की आवश्यकता से संबन्धित कुछ गंभीर मामले थे. नियंत्रक ने इन मामलों की समीक्षा की, सुधारात्मक उपाय किए एवं इस क्षेत्र की प्रणालियां व्यवसाय पद्धतियां, परिचालनगत प्रक्रियाएं एवं जोखिम प्रबंधन पद्धतियां मजबूत और सुरक्षित है यह सुनिश्चित करने हेतु दिशानिर्देश जारी किए.

ब्याज दरों में, अतिरिक्त तरलता समाप्त हो जाने के कारण वित्तीय वर्ष 2018 के उत्तरार्द्ध के दौरान बॉन्ड अर्जन मजबूत हुआ. बॉन्ड अर्जन में वृद्धि के कारण वित्तीय वर्ष 2018 की दूसरी एवं तीसरी तिमाही में कई बैंकों को ट्रेजरी पोर्टफोलियो पर मार्क टू मार्केट हानि की रिपोर्टिंग करनी पड़ी. इसमें राहत पहुंचाने हेतु भारतीय रिज़र्व बैंक ने बैंकों को एसीएमटीएम हानि को वित्तीय वर्ष 2019 की चार तिमाहियों में प्रावधान करने की अनुमति दी. इससे भी इस अवधि के दौरान सावधि जमाओं की दरों में तथा वाणिज्यिक बैंकों के एमसीएलआर में वृद्धि हुई.

व्यावसायिक - कार्यनिष्पादन

हमारे बैंक के व्यावसायिक - कार्यनिष्पादन की मुख्य विशेषताएं निम्नानुसार हैं:

संसाधन संग्रहण एवं ऋण विस्तार:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31.03.17	31.03.18	वृद्धि (%)
जमा राशियां	6,01,675.2	5,91,314.8	(1.7)
जिसमें से - घरेलू जमा राशियां	4,40,092.2	4,66,973.8	6.1
अंतर्राष्ट्रीय जमा राशियां	1,61,583.0	1,24,341.0	(23.1)
घरेलू जमा राशियां	**4,40,092.2**	**4,66,973.8**	**6.1**
जिसमें से - चालू खाता जमा राशियां	26,761.8	31,193.1	16.6
बचत बैंक जमा राशियां	1,46,831.8	1,61,130.0	9.7
कासा जमा राशियां	1,73,593.6	1,92,323.1	10.8
घरेलू कासा जमा राशियां (%)	**39.44**	**41.18**	
अग्रिम	**3,83,259.2**	**4,27,431.8**	**11.5**
जिसमें से - घरेलू अग्रिम	2,77,523.7	3,24,238.5	16.8
अंतर्राष्ट्रीय अग्रिम	1,05,735.5	1,03,193.3	(2.4)
कुल आस्तियां	**6,94,875.4**	**7,19,999.8**	**3.6**

संसाधन संग्रहण :-

घरेलू कासा जमाराशियों ने गत वर्ष के बढ़े हुए आधार पर 10.8% की वृद्धि दर्ज की. कासा जमा अनुपात गत वर्ष के 39.44% से बढ़ कर 41.18% पर पहुंचा. देयता प्रबंधन के एक भाग के रुप में तथा बैंकों के पास अतिरिक्त तरलता के रुप में सावधि जमा राशियों में वृद्धि 6.11% पर मंद रही. अंतर्राष्ट्रीय बहियों में प्लेसमेंट आस्तियों सहित की निम्न अर्जन वाली आस्तियों को कम करने की कार्यनीति के एक भाग के रुप में अतर्राष्ट्रीय परिचालनों में जमाराशियां 23.1% कम हुई. परिणामस्वरुप समग्र जमाराशियों में 1.7% की सीमांत गिरावट हुई.

निम्न लागत की कासा सहित की जमाराशियों में निरंतर वृद्धि हेतु बैंक ने हमारी प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने तथा ग्राहकों की बढ़ती हुई अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए उत्पाद-अनुपात को मजबूत बनाने हेतु कई कदम उठाए. बचत खाते खोलने की समग्र प्रक्रिया टैबलेट के माध्यम से डिजिटाइज्ड की गई जिसके परिणामस्वरुप टर्न अराउंड समय कुछ मिनटों का ही हो गया. पैन इंडिया की सभी शाखाओं को इस डिजिटाइज्ड प्रक्रिया हेतु सक्रिय बनाया गया एवं इसे और भी व्यापक बनाया जाएगा. बैंक ने एचएनआई ग्राहकों के लिए ''बड़ौदा रेडियन्स'' के तहत मूल्यवर्धित सेवाएं प्रारम्भ की. इसमें दी जा रही सेवाओं में सम्पदा प्रबंधन, वैविध्यपूर्ण बैंकिंग सेवाएं एवं अधिमानी कीमतें आदि का समावेश है. इस वर्ष के दौरान बैंक ने हमारे व्यवसायी-ग्राहकों की मांग को पूरा करने हेतु नकदी प्रबंधन उत्पाद प्रारम्भ किया है. इस उत्पाद का अच्छा स्वागत हुआ. साथ ही बैंक ने मोबाइल बैंकिंग एप्लिकेशन का अद्यतनीकरण, एम-पासबुक का आरम्भ, सम्पदा प्रबंधन के लिए एम-निवेश नामक मोबाइल एप्लिकेशन, हमारे ई-भुगतान उत्पादों को मजबूत बनाना, बहु भुगतान एग्रिगेटरों के साथ टाई-अप आदि जैसी कई पहलें की.

ऋण विस्तार :-

गत वित्तीय वर्ष के दौरान, बैंक ने कोर क्रेडिट सहित ऋण बही और रुपान्तरण पहलों के निष्पादन में संतुलन पर ध्यान केन्द्रित किया. इन निष्पादनों के सकल क्रियान्वयन के साथ बैंक ने सुदृढ़ क्रेडिट - वृद्धि को जारी रखा. घरेलू क्रेडिट में वर्ष के दौरान 16.8% की वृद्धि हुई. इसमें रिटेल का अग्रणी योगदान रहा और अन्य बिज़नेस वर्टिकल्स का सहयोग रहा जैसे कॉर्पोरेट, एमएसएमई तथा कृषि रिटेल ऋण में 42.4% की वृद्धि हुई, जबकि कॉर्पोरेट ऋण में 16.8% की वृद्धि हुई. वर्ष के दौरान कुल घरेलू ऋण में रिटेल ऋण का अनुपात 19.5% से बढ़ कर 23.5% रहा. विनियामक दिशानिर्देशों के अनुरुप भारतीय बैंकों द्वारा एलओयू का परिचालन बंद करने के बाद क्रेता ऋण बही में कमी आने और रि-बैलेंसिंग के कारण बैंक के ऊपर लगातार ध्यान केन्द्रित रहे और परिणामस्वरुप अंतर्राष्ट्रीय ऋण बही में 2.4% की मामूली गिरावट दर्ज की गई. एलओयू बंद होने के कारण अंतर्राष्ट्रीय ऋण बही में और कमी आएगी.

31 मार्च, 2018 को बैंक की कुल आस्तियों में 3.6% की दर से ₹ 6,94,875.4 करोड़ से ₹ 7,19,999.8 करोड़ की बढ़ोतरी हुई.

परिचालनगत कार्यनिष्पादन

बैंक की परिचालनगत कार्यनिष्पादन संबंधी महत्वूपर्ण बातें निम्नानुसार हैं:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31.03.2017	31.03.2018	वृद्धि (%)
अर्जित ब्याज	42,199.9	43,648.5	3.4
दिया गया ब्याज	28,686.5	28,126.8	(2.0)

विवरण	31.03.2017	31.03.2018	वृद्धि (%)
निवल ब्याज आय (एनआईआई)	**13,513.4**	**15,521.8**	**14.9**
अन्य आय	**6,758.1**	**6,657.2**	**(1.5)**
जिसमें से - शुल्क आय	2,837.4	3,249.7	14.5
फॉरेक्स आय	975.9	909.2	(6.8)
ट्रेडिंग अभिलाभ	2,618.0	1,877.6	(28.3)
पीडब्ल्यूओ से वसूली	326.8	620.7	90.0
परिचालनगत आय (एनआईआई + अन्य आय)	**20,271.5**	**22,179.0**	**9.4**
परिचालनगत व्यय	**9,296.4**	**10,173.4**	**9.4**
कर्मचारी व्यय	4,637.8	4,606.9	(0.7)
अन्य परिचालनगत व्यय	4,658.6	5,566.5	19.5
परिचालनगत लाभ	**10,975.1**	**12,005.6**	**9.4**
प्रावधान	**8,502.4**	**14,796.4**	**74.0**
जिसमें से - एनपीए और बट्टे खाते में डाले गये अशोध्य ऋण हेतु प्रावधान	7,679.8	14,211.7	85.1
मानक अग्रिमों हेतु प्रावधान	776.6	(369.0)	-
निवेश पर मूल्यह्रास हेतु प्रावधान	19.3	768.2	3880.3
अन्य प्रावधान	26.7	185.5	594.8
कर पूर्व लाभ	**2,472.7**	**(2,790.7)**	**-**
कर हेतु प्रावधान	**1,089.6**	**(358.9)**	**-**
निवल लाभ	**1,383.1**	**(2,431.8)**	**-**

महत्वपूर्ण निष्पादन सूचक (%)	31.03.2017	31.03.2018
जमाराशियों की लागत - वैश्विक	4.78	4.50
जमाराशियों की लागत - घरेलू	6.08	5.48
जमाराशियों की लागत - अंतर्राष्ट्रीय	1.18	1.33
अग्रिम पर प्रतिफल - वैश्विक	7.27	7.13
अग्रिम पर प्रतिफल - (घरेलू)	9.10	8.87
अग्रिम पर प्रतिफल - (अंतर्राष्ट्रीय)	2.68	2.70
निवल ब्याज मार्जिन - वैश्विक	2.19	2.43
निवल ब्याज मार्जिन - घरेलू	2.64	2.88
निवल ब्याज मार्जिन - अंतर्राष्ट्रीय	1.05	1.10
लागत-आय अनुपात	45.86	45.87
औसत आस्तियों पर प्रतिफल (आरओएए)	0.20	(0.34)
इक्विटी पर प्रतिफल	4.53	(7.64)

बैंक की ब्याज आय वित्तीय वर्ष 2017 के रू 42,199.9 करोड़ की तुलना में वित्तीय वर्ष 2018 में 3.4% बढ़कर रू 43, 648.5 करोड़ रही. अग्रिमों पर प्रतिफल मामूली गिरावट के 7.27% से घटकर साथ 7.13% पर रहा. घरेलू

अग्रिम पर प्रतिफल वित्तीय वर्ष 2017 के दौरान 9.10% की तुलना में वित्तीय वर्ष 2018 के दौरान 8.87% रहा. इस गिरावट की वजह एसडीआर, एस4ए एवं एनपीए खातों में ब्याज रिवर्सल एवं एमसीएलआर बेस दर के अंतर्गत लोन बुक का क्रमिक माइग्रेशन रही. वैश्विक ब्याज दर परिवेश की वजह से अंतर्राष्ट्रीय लोन बुक पर प्रतिफल में थोड़ी बढ़ोतरी हुई.

बेहतर देयता प्रबंधन के कारण वित्तीय वर्ष 2017 में कुल ब्याज खर्च ₹ 28,686.5 करोड़ की तुलना में वित्तीय वर्ष 2018 में 2.0% की गिरावट के साथ ₹ 28,126.8 करोड़ रहा. वर्ष 2018 में जमाराशियों की घरेलू लागत घटकर 5.48% हो गई जो कि वर्ष 2017 में 6.08% थी. अंतर्राष्ट्रीय बही में जमाराशियों की लागत वैश्विक ब्याज दर परिवेश के अनुसार 1.18% से बढ़कर 1.33% हो गयी.

बैंक की निवल ब्याज आय (एनआईआई) वर्ष 2017 में ₹ 13, 513.4 करोड़ रही जो वित्तीय वर्ष 2018 में 14.9% बढ़ोतरी के साथ ₹ 15, 521.8 करोड़ हो गयी. वित्तीय वर्ष 2018 में निवल ब्याज मार्जिन (एनआईएम) 2.19% से सुधरकर 2.43% हो गया. इसके साथ ही घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय एनआईएम में भी क्रमशः सुधार हुआ जो 2.64% से 2.88% एवं 1.05% से 1.10% हो गया.

ट्रेजरी लाभ 28.3% की गिरावट के साथ ₹ 1,877.6 करोड़ के स्तर पर रहा, इससे बैंक की अन्य आय में 1.5% की मामूली गिरावट आई जो ₹ 6, 657.2 करोड़ रही. हालांकि, बैंक की कोर शुल्क आधारित आय 14.5% की वृद्धि के साथ ₹ 3,249.7 करोड़ रही. बट्टे खाते डाले गए खातों में 90% बढ़ोतरी के साथ वसूली का स्तर ₹ 620.7 करोड़ रहा.

परिचालनगत व्यय वर्ष में 9.4% से बढ़ कर ₹ 10,173.4 करोड़ हुए, जबकि वर्ष के दौरान कर्मचारी लागत 0.7% से घटते हुए ₹ 4606.9 करोड़ हुई. अन्य परिचालनगत व्यय 19.5% से बढ़ कर ₹ 5566.5 करोड़ हुए. यह वृद्धि पुनर्मूल्यांकित आस्तियों पर उच्च मूल्यह्रास प्रभार के कारण है.

बेहतर परिचालनगत कार्यनिष्पादन की वजह से वित्तीय वर्ष 2018 के दौरान बैंक का परिचालनगत लाभ 9.4% बढ़कर ₹ 12, 005.6 करोड़ रहा. कुल प्रावधान 74.0% की वृद्धि के साथ रू 14, 796.4 करोड़ रहे जबकि वित्तीय वर्ष 2018 के दौरान एनपीए के लिए प्रावधान में 85.1% की वृद्धि दर्ज हुई जो ₹ 14, 211.7 करोड़ हो गया. परिणामतः, बैंक ने वित्तीय वर्ष 2017 के निवल लाभ ₹ 1,383.1 करोड़ की तुलना में वित्तीय वर्ष 2018 में ₹ 2,431.8 करोड़ की निवल हानि दर्ज की.

बैंक की मध्यम एवं दीर्घ अवधि कार्यनीति

बैंक का यह दृढ़ विश्वास है कि दीर्घकालिक लाभप्रद एवं गुणवत्तायुक्त व्यवसाय को आगे ले जाने में सतत् विकासशील एवं सुदृढ़ व्यवसाय प्रक्रिया तथा कार्यप्रणाली की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है. वर्ष 2016 के दौरान बैंक ने 'नवोदय प्रोजेक्ट नामक व्यापक व्यवसाय रुपांतरण प्रक्रिया की शुरुआत की. बैंक ने प्रतिस्पर्धा के साथ कदम से कदम मिलाते हुए लाभप्रद विकास को गति प्रदान करने का लक्ष्य रखा है. बैंक एक अलग व विशिष्ट कार्यनीति पर कार्य कर रहा है जिससे समकालीन पूर्ण सेवादायी यूनिवर्सल बैंक का निर्माण हो और यह वैश्विक स्तर का भारत का प्रमुख बैंक बने.

इस लक्ष्य का कार्यान्वयन सभी व्यवसाय इकाइयों एवं कार्य से संबंधी विभिन्न पहलों के माध्यम से 5 प्रमुख आयामों के साथ सुव्यवस्थित किया गया है:

- 'कोर व्यवसायिक यूनिटों (रिटेल, कॉर्पोरेट, एमएसएमई, कृषि एवं ग्रामीण तथा अंतर्राष्ट्रीय) को रुपांतरित और विकसित करें और साथ ही दबावग्रस्त आस्तियों का प्रबंधन करते रहें.
- भविष्य के लिए क्षमताओं का निर्माण (उदाहरण के लिए नये उत्पाद जैसे सप्लाई चेन वित्तपोषण, नकदी प्रबंधन, डिजिल, संपदा प्रबंधन एवं कार्यक्षमता को बेहतर बनाने के लिए परिचालनों का केंद्रीकरण)
- समर्पित नेतृत्व एवं प्रतिभा विकास संबंधी गतिविधियों के माध्यम से संगठन के विकास एवं टैलेंट पूल का निर्माण करना.
- निष्पादन के संबंध में संकेंद्रित प्रयासों के माध्यम से 'इम्बेड चेंज' एवं 'सिक्वेंस चेंज' एवं क्षमता निर्माण;
- नये गठजोड़ एवं साझेदारी व्यवस्था का निर्माण

व्यवसाय रुपांतरण यात्रा जारी रखना - नवोदय परियोजना

उपर्युक्त पहलों को आगे बढ़ाने के लिए और परिवर्तन प्रबंधन को ज़मीनी स्तर पर कार्यान्वित करने के लिए चेंज लीडर्स के सहयोग से एक परियोजना प्रबंधन कार्यालय (पीएमओ) का गठन किया गया है. इस प्रोजेक्ट का कार्यनिष्पादन स्थिर और प्रगतिशील है, जो व्यवसाय, कार्यप्रणाली/ प्रक्रिया जिसमें इसके मुख्य पहलुओं यथा परिचालन, उगाही एवं वसूली सहित, जोखिम प्रबंधन, अनुपालन एवं नियंत्रण, गवर्नेंस संबंधी रुपरेखा, बाजार एवं ब्रांड निर्माण एवं डिजिटाइजेशन एवं तकनीक पर ध्यान केंद्रित करना शामिल है, उन पर भी अपना प्रभाव डाल रहा है.

वर्ष के दौरान कई नए निर्णय लिए गए जो निष्पादित हो चुके हैं / काफी प्रगति कर चुके हैं. इन पहलों का विवरण प्रबंध निदेशक एवं सीईओ के वक्तव्य के पृष्ठ संख्या 9 पर दिया गया है. लिए गए कुछ निर्णयों का उल्लेख निदेशकों की रिपोर्ट में संबंधित मदों में भी किया गया है.

कॉर्पोरेट क्रेडिट

बैंक में कॉर्पोरेट ऋण-सेवाएं -9- कॉर्पोरेट वित्त सेवा शाखाओं (सीएफएस) और - 5 - इमर्जिंग कॉर्पोरेट शाखाओं द्वारा उपलब्ध कराई जाती है जो बैंक के कॉर्पोरेट क्रेडिट पोर्टफोलियो के लगभग 80% हिस्से का प्रबंधन करती हैं. वित्त वर्ष 2018 के दौरान कॉर्पोरेट ऋण में 16.8% की वृद्धि दर्ज की गई जो दिनांक 31 मार्च 2017 के ₹ 1,41,069 करोड़ से बढ़कर 31 मार्च 2018 को ₹ 1,64,783 करोड़ रहे. वर्ष के दौरान बैंक ने 330 खातों में नए ऋण / पुनः ऋण को अनुमोदित किया है.

वित्त वर्ष 2017 में आरंभ की गई रुपान्तरण प्रक्रिया को वर्ष के दौरान और आगे बढ़ाया गया. लक्ष्यबद्ध मार्केट अप्रोच के तहत टार्गेट मार्केट को स्पष्ट रुप से चिन्हित किया गया है तथा मेट्रो केन्द्रों में सरलीकृत टार्गेट खाता योजना को तैयार किया गया है. इन सब का कार्यान्वयन समर्पित संपर्क प्रबंधक (आरएम) के माध्यम से किया जाता है. इसके अलावा बैंक ने कॉर्पोरेट कार्यालय में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ की एक टीम तैयार की है. सीएफ़एस एवं इमरजिंग कॉर्पोरेट शाखाओं में प्रारंभ से ऋण की प्रोसेसिंग के स्तरों की संख्या को घटाकर केवल एक कर दिया गया है जो कॉर्पोरेट कार्यालय स्थित केंद्रीकृत प्रोसेसिंग सेल (सीपीसी) में स्थित है. मार्केटिंग एवं प्रोसेसिंग टीम को उद्योग जगत की अद्यतित जानकारी उपलब्ध कराने के लिए कॉर्पोरेट क्रेडिट में अलग से एक आर एवं डी विंग की स्थापना की गई है. अंतर्राष्ट्रीय कारोबार अब घरेलू और विदेशी कारोबार को समन्वित करते हुए बहु मुद्रा (मल्टीपल करेंसी) की सुविधा ऑफर करने के माध्यम से प्रतिस्पर्धी बढ़त लेता जा रहा है.

कॉर्पोरेट क्रेडिट संवितरण की दिशा में पुनर्सुधार के साथ वित्त वर्ष 2018 के दौरान पोर्टफोलियो के तहत जोखिम प्रोफाइल में बढ़ोतरी दर्ज की गई है जो कि घरेलू ऋण पोर्टफोलियो में निम्नानुसार रेटिंग डिस्ट्रिब्यूशन के निर्धारण से प्रतीत होता है :

क्रेडिट रेटिंग निर्धारण	31.03.17	31.03.18
ए एवं इससे ऊपर	39.27%	52.37%
बीबीबी	15.77%	14.90%
बीबीबी से नीचे	21.80%	19.72%
बिना रेटिंग	23.16%	13.01%

*₹ *5.00 करोड़ से अधिक के अग्रिम के लिए बाहरी रेटिंग निर्धारण*

बैंक ने ऑफर किए जा रहे अपने उत्पादों के अद्यतन करने के लिए पूर्णतः डिजिटल और समेकित सप्लाई चेन वित्तपोषण और नकदी प्रबंधन उत्पादों को आरंभ किया है. ये उत्पाद पूर्णतया डिजिटल लेनदेन की प्रक्रिया से युक्त हैं. इसके अलावा एक नया डिजिटल ट्रेड फाइनेंस प्लेटफॉर्म- बड़ौदा इंस्टा (ट्रेड फाइनेंस एक्सेस के लिए बड़ौदा समेकित समाधान) आरंभ किया गया है. ट्रेड फाइनेंस में त्वरित प्रोसेसिंग और स्वचालन के उद्देश्य से यह एक समग्र समाधान है. वर्तमान में ये दो उत्पादों अर्थात् आयात साख पत्र और आयात बिल भुगतान के लिए लागू किया गया है जिसे आगे दूसरे उत्पादों के लिए भी लागू किया जाएगा. फोरेक्स लेनदेन और ट्रेड फाइनेंस लेनदेन से संबधित बैक ऑफिस कार्यों को गिफ्ट सिटी गांधीनगर स्थित बैंक के साझा सेवा केंद्र के ट्रेड फाइनेंस बैक ऑफिस (टीबीएफ़ओ) में केंद्रीकृत किया गया है.

एमएसएमई क्रेडिट

एमएसएमई देश की अर्थव्यवस्था का एक महत्त्वपूर्ण क्षेत्र है और यह लाखों लोगों को रोजगार प्रदान करता है. बैंक 45 एसएमई ऋण फैक्टरियों और शाखाओं के बृहद नेटवर्क के माध्यम से इस महत्त्वपूर्ण क्षेत्र को सहयोग प्रदान करता है.

रोजगार सृजन संबंधी मुद्रा योजना के अंतर्गत सरकार के प्रयासों को सहयोग प्रदान करते हुए बैंक ने ₹ 5093 करोड़ का ऋण दिया है और इस प्रकार निर्धारित लक्ष्यों के सापेक्ष 121% का लक्ष्य हासिल किया है तथा इस योजना के अंतर्गत ऋण देने में प्रथम स्थान प्राप्त किया. उद्यमिता पोर्टल पर आवेदनों के निपटान में स्टैंड अप इंडिया कार्यक्रम के तहत भी बैंक प्रथम स्थान पर रहा. ग्राम स्वराज अभियान में, बैंक ने उत्तर प्रदेश और राजस्थान राज्यों में, जहां वह राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति का संयोजक है, आबंटित लक्ष्यों को पार कर लिया है. बैंक का एमएसएमई ऋण पोर्टफोलियो 31 मार्च 2017 को ₹ 48,545 करोड़ की तुलना में बढ़कर 31 मार्च 2018 को ₹ 51,730 करोड़ हो गया.

बैंक, ट्रेड रिसीवेबल्स इलेक्ट्रॉनिक डिस्काउंट सिस्टम (टीआरईडीएस) पर एमएसएमई को प्रतिस्पर्द्धी दरों पर कार्यशील पूंजी उपलब्ध करवाने की सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए शुरू किए गए सभी तीन टीआरईडीएस प्लेटफॉर्म का उपयोग करने वाला पहला बैंक बना. 31 मार्च 2018 को, बैंक ने इस प्लेटफॉर्म पर किए जाने वाले 22% व्यवसाय को शामिल किया. डिजिटल संव्यवहारों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकारी प्रयासों में सहायता प्रदान करने के लिए, बैंक ने एमएसएमई इकाइयों को वित्तपोषित करने हेतु बड़ौदा ई-बिज़नेस पैक की शुरुआत की. नई एमएसएमई को जीएसटी कार्यान्वयन के कारण कार्यशील पूंजी की कमी से उबारने के लिए बैंक ने जीएसटी प्राप्तियों के पेटे वित्तपोषण करने हेतु विशेष उत्पाद की शुरुआत की.

बैंक द्वारा शुरू किए गए पूर्ण डिजिटलीकृत सप्लाई चेन वित्तपोषण उत्पाद की शुरुआत से एमएसएमई ग्राहकों यथा वेंडरों और एंकर कॉर्पोरेटों के डीलरों को संसाधन प्राप्त करने के नए द्वार खुले. नकदी प्रबंधन समाधान, नकदी प्रबंधन के डिजिटलीकरण के माध्यम से कार्यशील पूंजी की कार्यक्षमता बढ़ाने में भी सहायक होगा. बैंक ने ई-कॉमर्स कंपनियों के साथ टाइ अप/साझेदारियां भी की हैं और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर विक्रेताओं को ऋण उपलब्ध करवाना शुरू किया है. फिनटेक कंपनियों के साथ टाइ-अप/साझेदारियों ने समुचित सावधानी, बेहतर बिक्री के अवसर और तेज सेवा देने जैसे मूल्य संवर्धित कार्यों को गति प्रदान की है. आवासीय क्षेत्रों के अंतर्गत इकाइयों को ऋण उपलब्ध करवाने के लिए बैंक ने यातायात, यात्रा, हेल्थ केयर, खान-पान, डेयरी आदि के क्षेत्र में कई कंपनियों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षरित किया है. इसके अतिरिक्त, बैंक के पास एसएमई क्लस्टरों के वित्तपोषण हेतु -13- क्षेत्र विशेष योजनाएं तथा एमएसएमई ग्राहकों हेतु -16- विशिष्ट उत्पाद हैं.

व्यवसाय वर्टिकल के रुपांतरण के लिए बैंक ने एमएसएमई उधारकर्ताओं हेतु विशेष संग्रहण केंद्र की शुरुआत की है. हामीदारी में निरंतरता,त्वरित टर्न अराउंड अवधि और समय पर संग्रहण सुनिश्चित करने के लिए बैंक ने एमएसएमई ऋण प्रोसेसिंग, अनुमोदन, संवितरण और निगरानी को केंद्रीकृत करने की योजना बनाई है. इसका क्रियान्वयन दो केंद्रों यथा मुंबई और दिल्ली में किया गया है और इसे और विस्तारित करने की योजना है. सरकारी योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों को समय पर ऋण उपलब्ध करवाने के लिए बैंक ऐसे ऋण आवेदनों को प्रोसेस करने के लिए प्रत्येक जिले में केंद्रीकृत कक्ष स्थापित करने की प्रक्रिया में है.

रिटेल ऋण

हमारे बैंक में -74- विशेषीकृत मॉर्गेज स्टोर (एसएमएस) और शाखाओं के बृहद नेटवर्क के माध्यम से रिटेल ऋण प्रदान किया जाता है. वर्ष के दौरान, बैंक ने भीलवाड़ा, हुबली और बेंगलुरू में -3- नए एसएमएस की शुरुआत की है.

वित्त वर्ष 2018 के दौरान कई रुपांतरण गतिविधियां हुईं. रिटेल ऋण में वित्त वर्ष 2018 के दौरान ₹ 82604 करोड़ के साथ 42.44% की अच्छी वृद्धि दर्ज हुई. रिटेल ऋणों के अंतर्गत आवास ऋण ₹ 44711 करोड़ के साथ 48.20%, ₹ 5,727 करोड़ के साथ ऑटो ऋण में 30.30% और ₹ 14,125 करोड़ के साथ बंधक ऋण में 12.90% की वृद्धि हुई. इसके कारण पिछले वर्ष की समाप्ति पर रिटेल ऋण के आकार में 19.5%की तुलना में 31 मार्च 2018 को रिटेल ऋण बही में 23.5% की वृद्धि दर्ज की गई. निष्पादित की गई रुपांतरण पहलों में सरलीकृत रिटेल ऋण अनुमोदन और हामीदारी प्रक्रिया; मौजूदा शाखा माध्यमों के अलावा वितरण माध्यमों में बढ़ोत्तरी; अधिक स्थानों को जोड़ते हुए केंद्रीकृत बंधक ऋण प्रोसेसिंग का विस्तार आदि, गैर बंधक ऋणों की केंद्रीकृत प्रोसेसिंग यथा ऑटो और शिक्षा ऋण की शुरुआत वर्तमान में मुंबई में की गई है. बैंक ने हाल ही में जोखिम आधारित मूल्य निर्धारण और विशेष रिटेल ऋण संग्रहण केंद्र की शुरुआत की है.

रिटेल ऋण प्रदान करने में नए दृष्टिकोण के साथ पोर्टफोलियो के जोखिम प्रोफाइल में सुधार हुआ है. 1 अप्रैल 2016 और 31 मार्च 2018 के बीच <725 क्रेडिट ब्यूरो स्कोर वाले ग्राहक 19% से कम होकर 1% रह गए हैं और >725 स्कोर वाले ग्राहक 41% से बढ़कर 63% हो गए.

ग्रामीण और कृषि ऋण

बैंक के पास ग्रामीण क्षेत्रों में 1,833 और अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों में 1,537 शाखाओं का नेटवर्क है जो प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र और कृषि क्षेत्र के लिए लाभ प्रदान करता है. वित्तीय वर्ष 2018 के दौरान बैंक ने 37 ग्रामीण और अर्द्ध-शहरी शाखाएं खोली हैं. बैंक उत्तर प्रदेश और राजस्थान राज्यों में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) का संयोजक है और 48 जिलों (गुजरात में 14, राजस्थान में 12, उत्तर प्रदेश में 15 तथा उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और बिहार, प्रत्येक में 2 एवं दिल्ली में 1) में लीड बैंक की जिम्मेदारी का निर्वाह कर रहा है

बैंक कृषि क्षेत्र को ऋण देने में अग्रणी बना हुआ है. किसानों की आय वित्त वर्ष 2022 तक दोगुना करने के सरकार के लक्ष्य से इस क्षेत्र को बल मिला है. वर्ष के दौरान बैंक नें 1.19 लाख किसान क्रेडिट कार्डजारी किये हैं. बड़ौदा किसान रुपे कार्ड जोकि एटीएम समर्थित स्मार्ट कार्ड है, 12.89 लाख किसानों को जारी किए गए हैं. वित्तीय वर्ष 2018 के दौरान बैंक ने 2,14,547 नए किसानों को वित्तपोषित किया जिसके तहत उन्हें ₹ 3,834.9 करोड़ के ऋण स्वीकृत किए गए. अपनी सूक्ष्मवित्त पहल के रुप में बैंक ने ₹ 308.6 करोड़ के ऋण स्वीकृति द्वारा 22,708 स्वयं सहायता समूह को लिंक किया. किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) को क्रेडिट लिंकेज की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु बैंक ने महाराष्ट्र एग्रीकल्चरल कॉम्पटेटिवनेस प्रोग्राम (एमएसीपी) सहित एजेंसियों के साथ टाई-अप किया है. बैंक को वित्त वर्ष 2018 के लिए स्वयं सहायता समूह को बैंक से लिंक करने में सर्वश्रेष्ठ कार्यनिष्पादन का पुरस्कार दिया गया. 31 मार्च, 2018 तक कुल कृषि अग्रिम विनियामक आवश्यकताओं से बहुत अधिक था.

बैंक की कृषि और ग्रामीण कार्यनीति के प्रमुख घटक के रुप में वित्तीय सेवाओं के प्रदाताओं अर्थात कृषि वित्त कंपनियों, बीमा कंपनियों निजी इक्विटि फर्मों - बीज एवं खाद्य कंपनियों, गोदामों और कोल्ड स्टोरेज, कृषि विश्वविद्यालय ड्रिप सिचाई इत्यादि जैसे समूहों और गठजोड़ो का एक ईकोसिस्टम बनाना है जिसका उद्देश्य कृषि उत्पादकता को बढ़ाना; किसानों की आय में वृद्धि करना; और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की सेवा करना है. बैंक ने एकीकृत ग्रामीण बैंकिंग संगठन गठित किया है जो कृषि और वित्तीय समावेशन पहलों पर केंद्रित है. नीतिपरक साझेदारियों में वैसी प्रमुख कृषि क्षेत्र की कंपनियां शामिल हैं जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में योगदान दे रही हैं जैसे- एग्रीटेक कंपनियां जो किसानों को फसल के चयन से मार्केटिंग तक का तकनीकी ज्ञान प्रदान करती हैं. प्रमुख सूक्ष्म सिचाई कंपनियां; दबाव में बिक्री को रोकने के लिए किसानों को संपार्श्विक वित्त पोषण करने वाली कंपनियां; डेयरी कंपनियां इत्यादि. छोटे किसानों और समुदायों के लिए बैंक सामान्य कृषि ऋण प्रदान करने से आगे बढ़कर व्यापक ऋण की नीति पर कार्य करते हुए सभी ग्रामीण ग्राहक वर्ग के लिए कृषि यांत्रिकीकरण, बागवानी ऋण, गोदाम रसीद के पेटे वित्त पोषण, खाद्य और कृषि प्रसंस्करण और समुदाय आधारित ऋण मॉडल अपना रहा है.

वर्ष के दौरान बैंक को एसोचैम द्वारा आयोजित कृषि बैंकिंग समिट सह सामाजिक बैंकिंग उत्कृष्टता समारोह में बड़े बैंक की श्रेणी में कृषि ऋण हेतु विजेता के रुप में सम्मानित किया गया.

प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र ऋण

बैंक का प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र के अंतर्गत अग्रिम 31 मार्च 2017 को रू 1,27,672 करोड़ से बढ़कर 31 मार्च, 2018 को ₹ 1,49,629 करोड़ हो गया.बैंक प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र में अग्रिम और अन्य घटकों के लक्ष्य के स्तर से काफी आगे रहा.

अ.जा./अ.ज.जा. समुदाय को अग्रिम

अ.जा./अ.ज.जा. समुदाय को प्रदत्त ऋण 31 मार्च 2017 के ₹ 5,312 करोड़ से बढ़कर 31 मार्च 2018 को ₹ 5,765 करोड़ पर पहुँच गए. बैंक द्वारा कमजोर तबकों को प्रदत्त कुल अग्रिमों में अ.जा./अ.ज.जा. को प्रदान किए गए अग्रिमों का हिस्सा 14.4 % रहा. इसके अलावा सरकार द्वारा प्रायोजित विभिन्न योजनाओं जैसे राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम), स्टार्ट-अप इंडिया और स्टैंड-अप इंडिया के तहत अ.जा./अ.ज.जा. को वित्तपोषित करने में हमारे बैंक द्वारा विशेष जोर दिया गया है.

स्टैंड-अप इंडिया

अ.जा./अ.ज.जा. एवं महिलाओं में उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भारत सरकार के द्वारा स्टैंड-अप इंडिया की पहल की गई. वित्तीय वर्ष 2018 के दौरान बैंक ने योजना के तहत ₹ 552.7 करोड़ मंजूर किए हैं. एमएसएमई अर्थव्यवस्था में उत्पादों एवं सेवाओं की डिलीवरी को बढ़ाने के उद्देश्य से एक इंटरेक्टिव पोर्टल 'उद्यममित्र' की शुरुआत की है जोकि स्टैण्ड अप मित्र के आईटी आर्किटेक्चर पोर्टल का लाभ उठाता है. बैंक स्टैण्ड अप इंडिया कार्यक्रम में उद्यममित्र पोर्टल पर आवेदन के निस्तारण में प्रथम रहा.

बैंक ऑफ़ बड़ौदा द्वारा प्रायोजित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के कार्यनिष्पादन

बैंक ने तीन क्षेत्रीय ग्रामीण बैंको (आरआरबी) को प्रायोजित किया है: बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक, बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक तथा बड़ौदा गुजरात ग्रामीण बैंक तीनों आरआरबी के समग्र व्यवसाय में 10.5% की वृद्धि हुई जो 31 मार्च 2017 के ₹ 49,854 करोड़ से बढ़कर 31 मार्च 2018 को ₹ 55,064 करोड़ हो गया. तीनों आरआरबी ने समेकित रुप से गत वर्ष के ₹ 202.3 करोड़ के लाभ की तुलना में वित्त वर्ष 2018 में ₹ 208.6 करोड़ का लाभ दर्ज किया. तीनों आरआरबी के समेकित नेटवर्थ में सुधार हुआ हैं जो 31मार्च 2017 को ₹ 2,221.9 करोड़ से बढ़कर 31 मार्च 2018 को ₹ 2,401.7 करोड़ हो गया.

वित्तीय समावेशन (एफआई)

समाज के सभी वर्गों विशेषकर ग्रामीण /शहरी गरीबों को वहनीय लागत पर सामान्य बैंकिंग सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बैंक ने वित्तीय समावेशन को एक सामाजिक उत्तरदायित्व के रुप में स्वीकार किया है और साथ ही इसे संवहनीय आईसीटी आधारित सुपुर्दगी चैनल के माध्यम से कारोबार में वृद्धि के एक अवसर के रुप में भी माना है. बैंक अपनी शाखाओं और बीसी नेटवर्क के माध्यम से पूरे देश में वित्तीय समावेशन की दिशा में सक्रिय रुप से कार्य कर रहा है. बैंक रहित क्षेत्रों में सेवा प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी की मदद से नवोन्मेषी पहलों को लागू किया जा रहा है. बैंक ने पूरे देश के 21,826 गाँवों-अर्ध शहरी और शहरी क्षेत्रों में सेवा प्रदान करने के लिए 14,659बीसी को तैनात किया है.

31 मार्च 2018 को वित्तीय समावेशन के अंतर्गत रू 9,689 करोड़ जमाराशि के साथ कुल खातों की संख्या 312 लाख रहीं. वर्ष के दौरान इन खातों में औसत शेषराशि रू 3,105 करोड़ रही. शून्य शेष राशि वाले खातों की संख्या 16.9% से घट कर 11.5% हो गयीं. वर्ष के दौरान वित्तीय समावेशन खाते के माध्यम से आहरित राशि रू 58, 033 करोड़ रही तथा व्यवसाय प्रतिनिधियों के द्वारा किया गया आहरण रू 2, 229 लाख रहा.

सरकार के डिजीटल कार्यक्रम के साथ वित्तीय समावेशन के प्रोत्साहन के लिए बैंक ने कई पहलें की हैं जिनमे निम्नलिखित शामिल है:

- टैबलेट और खाता खोलने के कियोस्क के माध्यम से पिन जनेरेशन के साथ आधार दर्ज करते हुए, डिजिटलीकृत त्वरित खाता खोलने के साथ ही साथ डेबिट कार्ड जारी करना.
- नकदी कम करने में पूरे ग्रामीण समुदाय को सहायता प्रदान करने वाला एक व्यापक मोबाइल बैंकिंग समाधान;
- वैकल्पिक डिलिवरी चैनलों जैसे एटीएम, एसएमएस, इंटरनेट, बीसी केन्द्रों के माध्यम से आधार सीडिंग;
- बीसी के माध्यम से ग्रामीण इलाकों में सूक्ष्म और टेबल-टॉप एटीएम लगाना;

- बीसी मॉडल का विस्तार;
- एसएचजी / जेएलजी आधारित वित्तपोषण की शुरुआत;
- एनपीए एवं पीडब्ल्यूओ खातों सहित छोटे ऋण खातों में जमा संग्रहण, फॉलोअप एवं वसूली जैसी बीसी सेवाओं के दायरे का विस्तार करना और वित्तीय रुप से व्यवहार्य रहने में उन्हें सक्षम बनाने के लिए विशेष प्रोत्साहन प्रदान करना;
- इंटरनेट बैंकिंग और एसएमएस इत्यादि के माध्यम से पीएमएसबीवाई और पीएमजेजेबीवाई जैसी माइक्रो बीमा योजनाओं के नामांकन की सुविधा देना
- 14,659 बीसी और 4 लाख पीओएस टर्मिनलों के साथ अत्यधिक कैश-इन कैश-आउट नेटवर्क, बैंक खातों के उपयोग को बढ़ाना में सहायता करना.

बीसी केन्द्र पर उपलब्ध कराए जा रहे उत्पाद/ सेवाएं ई-केवाईसी समर्थित हैं जिसमें बीएसबी खाते, सावधि जमा और आवर्ती जमा खाते खोलना, नकदी निकासी, नकदी जमा और थर्ड पार्टी ट्रांससर सहित निधि अंतरण, तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस), आधार समर्थित भुगतान प्रणाली (एईपीएस लेनदेन), रुपे कार्ड आधारित लेनदेन, चालू, नकद जमा, ओडी एवं ऋण खाते में जमा, सूक्ष्म बीमा - पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई और अटल पेंशन योजना के लिए नामांकन, आधार सीडिंग सह प्रमाणीकरण और मोबाइल सीडिंग शामिल है.

शहरी वित्तीय समावेशन:

ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों के अलावा गांवों से शहरी इलाकों में प्रवासियों सहित शहरी गरीबों की बड़ी आबादी है जिनकी औपचारिक बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच नहीं है. उन्हें औपचारिक बैंकिंग प्रणाली के दायरे में लाने के लिए हमारे बैंक ने देश भर में विभिन्न स्थानों पर कियोस्क मॉडल के तहत 9,177 शहरी बीसी तैनात किए हैं.

वित्तीय समावेशन के तहत हमारे कार्यनिष्पादन संबंधी मुख्य बिन्दु:

- बैंक ने बीसी आउटलेट्स के संबंध में वित्तीय वर्ष 2018 के लिए तय किए गए लक्ष्य को पार कर 107.46% की उपलब्धि दर्ज की है.
- बैंक ने शाखाओं के माध्यम से बीएसबीडी खाते खोलने एवं इसके तहत राशि के लिए वित्तीय वर्ष 2018 हेतु तय लक्ष्य का 86.19% और 126.01% प्राप्त किया है.
- बैंक ने बीसी पॉइंट्स के माध्यम से बीएसबीडी खाते खोलने एवं इसके तहत राशि के लिए वित्तीय वर्ष 2018 हेतु तय लक्ष्य का 195.76% एवं 237.23% प्राप्त किया है.

वर्ष के दौरान, बैंक को वित्तीय समावेशन के तहत की गई पहलों के लिए बैंकिंग फ्रंटियर्स द्वारा बैंकिंग फिनोविटी अवार्ड 2017 से सम्मानित किया गया.

पीएमजेडीवाय के अंतर्गत कार्यनिष्पादन की मुख्य विशेषताएं

पीएमजेडीवाय के अंतर्गत बैंक में गत वर्ष के अंत के 196.40 लाख खातों की तुलना में 21.9% की वृद्धि के साथ 31 मार्च, 2018 को 239.29 लाख खाते हैं. वृद्धिगत पीएमजेडीवाय खातों में बैंक के मार्केट शेयर एवं इन खातों में जमा शेष का प्रतिशत क्रमश: 10.4% एवं 9.4% था, पीएमजेडीवाय में जमाशेष राशि 31 मार्च, 2018 को ₹ 6,595 करोड़ थी, जबकि गत वर्ष के अंत में यह ₹ 4,747 करोड़ थी. यह वृद्धि 38.9% रही. पीएमजेडीवाय खातों के अंतर्गत जारी रुपे डेबिट कार्ड 184.78 लाख से बढ़ कर 221.50 लाख हो गए. पीएमजेडीवाय खातों के अंतर्गत आधार सीडिंग इस वर्ष 72.87% से बढ़ कर 83.91% हुआ.

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत नामांकन

सरकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत नामांकन की स्थिति 31 मार्च, 2018 को निम्नानुसार रही:

विवरण (लाख में)	तक नामांकन	
	31.03.17	31.03.18
प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना	44.37	59.52
प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना	15.88	18.14
अटल पेंशन योजना	3.56	6.33

आधार नामांकन केंद्रों की स्थापना

भारत सरकार के राजपत्रित अधिसूचना दिनांकित 14 जुलाई, 2017 अनुसार बैंकों को प्रत्येक 10 शाखाओं में से न्यूनतम एक शाखा में बैंक के शाखा परिसर के अंदर आधार नामांकन और अद्यतन केंद्र स्थापित करने का अधिदेश दिया गया है. तदनुसार, हमारे बैंक ने अपनी शाखाओं में यथा 31 मार्च, 2018 को 550 से अधिक आधार नामांकन केंद्र स्थापित किये हैं.

अंतर्राष्ट्रीय परिचालन

अंतर्राष्ट्रीय मंच पर बैंक ने अपने भारतीय कार्पोरेट के साथ के अपने संबंधों का आश्रय ले कर, भारतीय एवं स्थानीय निगमित कंपनियों/फर्मों के लिए भारत से जुड़े क्रॉस-बॉर्डर व्यापार को सेवाएं देने तथा एनआरआई भारतीय मूल के व्यक्तियों का पसंदीदा बैंक बन कर वृद्धि और मूल्य को आगे बढ़ाने की कार्यनीति अपनाई.

हमारे बैंक ने विश्व के 24 देशों में 106 शाखाओं / कार्यालयों के माध्यम से अपनी अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति दर्ज कराई है. 16 देशों में बैंक की 59 शाखाएं हैं जबकि बैंक के 8 अनुषंगियों के माध्यम से 47 शाखाएं परिचालित हैं. वर्ष के दौरान बैंक ने गिफ्ट सिटी (एसईजेड), गांधीनगर , गुजरात में अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) में ऑफशोर इंटरनेशनल बैंकिंग इकाई (आईबीयू) का शुभारंभ किया है. बैंक के पास दो संयुक्त उद्यम हैं यथा, जांबिया में इंडो जांबिया बैंक लि., जिसकी 31 शाखाएं हैं तथा मलेशिया में इंडिया इंटरनेशल बैंक (मलेशिया) बीएचडी, जिसकी एक शाखा है.

वित्तीय वर्ष 2018 के दौरान बैंक ने अपनी अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति की व्यापक मूल्यांकन फ्रेमवर्क के आधार पर नीतिगत समीक्षा की और परिचालनों को युक्तिसंगत बनाने का निर्णय लिया. इसी प्रक्रिया के एक भाग के रुप में, बैंक ने बैंकॉक में अपने प्रतिनिधि कार्यालय को तथा यूएई में एक इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग सर्विस इकाई को बंद कर दिया. इसी प्रकार बहमास एवं बहरीन की शाखाओं को बंद करने की प्रक्रिया चल रही है. बैंक ने दक्षिण अफ्रीका में परिचालन बंद करने का निर्णय लिया है,. वर्ष के दौरान सिंगापुर शाखा का होलसेल बैंकिंग इकाई में उन्नयन हुआ है, परिणामस्वरुप यह स्थानीय मुद्रा में भी व्यवसाय करने में समर्थ हो जाएगी.

वर्ष के दौरान बैंक ने अनिवासी भारतीयों के खातों के रखरखाव के लिए एक केन्द्रीकृत बैक ऑफिस की स्थापना की.

31 मार्च, 2018 तक अंतर्राष्ट्रीय परिचालनों के अंतर्गत बैंक का कुल व्यवसाय ₹2,27,534 करोड़ रहा जो वैश्विक व्यवसाय का 22.33% रहा. कुल जमाराशियां ₹ 1,24,341 करोड़ रहीं जबकि निवल अग्रिम ₹ 1,03,193 करोड़ रहा. बैंक ने अपने पोर्टफोलियो के पुन: संतुलन हेतु सतत् प्रयास को जारी

रखा. जमाराशियों में 23.1% की वृद्धि हुई जिससे निम्न लाभ वाली आस्तियां कम हुईं. ऋण बही में भी 2.4% की कमी आयी. मार्च 2018 को समाप्त तिमाही में भारतीय रिज़र्व बैंक ने भारतीय बैंकों द्वारा एलओयू/ एलओसी जारी करने पर रोक लगा दी, जिसने अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति वाले बैंकों के क्रेता क्रेडिट पोर्टफोलियो को प्रभावित किया. तदनुसार वित्तीय वर्ष 2019 में भी अंतर्राष्ट्रीय ऋण बही में कमी आएगी. बैंक लगातार नए वैश्विक वातावरण के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय परिचालनों में अपनी कार्यनीति में परिवर्तन कर रहा है.

31 मार्च, 2018 तक कुल अंतर्राष्ट्रीय ऋण-बही में क्रेता क्रेडिट/ बीपी/ बीडी पोर्टफोलियो की हिस्सेदारी 43% रही जहां एक्पोजर प्रतिपक्ष बैंक के पास रहा. ईसीबी/ सिंडिकेटेड ऋण के जरिए बही का 24% भारतीय कॉर्पोरेट्स के पास रहा. सिंडिकेटेड ऋण के जरिए गैर-भारतीय इकाइयों का एक्पोजर 7% रहा एवं शेष 26% एक्सपोजर स्थानीय क्रेडिट के रुप में रहा.

यूके अनुषंगी

बैंक अपने रिटेल व्यवसाय में वृद्धि करने की दिशा में यूके में अनुषंगी के गठन की प्रक्रिया में काफी आगे पहुंच चुका है तथा इस संबंध में आवश्यक विनियामक मंजूरी प्राप्त हो गई है.

ट्रेजरी परिचालन

मुंबई में बैंक का ट्रेजरी परिचालन बाजार के विभिन्न घटकों जैसे विदेशी विनिमय, स्थायी आय, मुद्रा बाजार, डेरिवेटिव्स, इक्विटी, मुद्रा एवं ब्याज दर फ्यूचर्स एवं अन्य वैकल्पिक आस्ति श्रेणियों में प्रमुख भूमिका निभा रहा है. ट्रेजरी अपने ग्राहकों को जोखिम प्रबंधन हेतु विभिन्न उत्पाद जैसे वायदा संविदा, ब्याज दर अदला-बदली (स्वैप), मुद्रा स्वैप, मुद्रा विकल्पों आदि की सुविधा उपलब्ध करवाता है.

ट्रेजरी, बैंक के निधि प्रबंधन हेतु उत्तरदायी है. साथ ही यह इन निधियों की सुरक्षा, तरलता एवं उनपर इष्टतम लाभ भी सुनिश्चित करता है. इसके अलावा यह सांविधिक आरक्षित निधियों की आवश्यकताओं को भी संरक्षित रखता है. यह फंड प्रबंधन की भूमिका में कॉर्पोरेट्स बॉन्ड्स, व्यावसायिक पेपर्स, इक्विटी, उद्यम पूंजी, म्युचुअल फंड आदि में भी निवेश करता है.

31 मार्च, 2018 को बैंक की घरेलू निवेश बही ₹ 1,55,514 करोड़ रही. कुल निवेश में एसएलआर प्रतिभूतियों का शेयर 86.7% रहा. एनडीटीएल के सापेक्ष एसएलआर प्रतिभूतियां 28.10% रहीं.

सरकारी कारोबार

सरकारी कारोबार बैंक की कार्यनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है. इसके माध्यम से पूरे भारत में हमारी शाखाओं के द्वारा पेंशन भुगतान के अलावा केंद्र/राज्य सरकार और सार्वजनिक उपक्रम की बैंकिंग आवश्यकताओं को पूरा किया जाता है. बैंक अपनी नामित शाखाओं के द्वारा प्रत्यक्ष कर संग्रह करने के लिए अधिकृत है तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय का यह एक मान्य सहयोगी बैंक है.

बैंक भारत सरकार की डिजिटल पहल के अनुरुप केंद्र और राज्य स्तर पर कई विभागों के साथ ई-समाधान उपलब्ध कराने के लिए साझेदारी कर रहा है जिससे पारदर्शिता एवं कार्यक्षमता में तेजी आई है. बैंक नीतिपरक साझेदार के रुप में कई नए डिजिटल पहलों में सहयोग कर रहा है.

बैंक ने गैर-कर राजस्व पोर्टल (एनटीआरपी)/सार्वजनिक निधि प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) के तहत अधिकारिक रुप से जीएसटी के संग्रहण करने एवं समूहक के रुप में कार्य करना आरंभ कर दिया है.

बैंक ने वर्ष के दौरान सारे राज्यों के पेंशन संबंधित भुगतान को 6 केंद्रीय पेंशन प्रोसेसिंग केन्द्रों (सीपीपीसी) के माध्यम से केंद्रीकृत करने का कार्य पूरा कर लिया है. बैंक 2.60 लाख से अधिक पेंशनभोगियों को सेवा प्रदान कर रहा है.

धन संपदा प्रबंधन

वर्ष के दौरान बैंक ने अलग-अलग तरह के ग्राहकों को धन संपदा प्रबंधन सेवाएं प्रदान करना आरंभ किया तथा अपने समर्पित संबंधपरक प्रबंधकों के माध्यम से चयनित शहरों में एचएनआई ग्राहकों को सेवा प्रदान करने के लिए 'बड़ौदा रेडियंस' को आरंभ किया है. बैंक सेवाओं में तेजी से विस्तार के लिए आवश्यक मूलभूत सुविधाएं तैयार कर रहा है. ग्राहक अनुकूल उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध कराने के लिए बैंक ने म्यूचुअल फंड के क्षेत्र में कार्यरत कंपनियों के साथ साझेदारी को और आगे बढ़ाया है. इसके अलावा बैंक ने गैर-जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के साथ कॉर्पोरेट एजेंसी समझौते भी किए हैं जो जीवन बीमा के क्षेत्र में अपने संयुक्त उद्यम अर्थात् इंडिया फर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के साथ किए गए समझौते के अलावा है.

बैंक ने 'एम-इन्वेस्ट' नामक एक मोबाइल ऐप को शुरू किया है जो म्यूचुअल फंड में निवेश के लिए कागज रहित केवाईसी, लक्ष्य आधारित निवेश, शोध आधारित सिफारिशें और इसके माध्यम से ही सीधी लेनदेन की प्रक्रिया को पूरा करने की सुविधा उपलब्ध कराता है. बैंक एक समर्पित धन संपदा प्रबंधन समाधान भी लागू कर रहा है.

वित्त वर्ष 2018 के दौरान धन संपदा प्रबंधन उत्पादों से प्राप्त शुल्क आधारित आय में 91% की वृद्धि दर्ज की गई है.

दबावग्रस्त आस्ति प्रबंधन

पिछले कुछ वर्षों से अनर्जक आस्तियों का प्रबंधन बैंकिंग जगत के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है.

वर्ष के दौरान दिवाला एवं दिवालियापन अधिनियम (आईबीसी) प्रभावी हो गया. दबावग्रस्त आस्तियों के निपटान के लिए यह एक पारदर्शी प्रक्रिया उपलब्ध कराता है. विधायी संशोधन द्वारा रिज़र्व बैंक को आईबीसी के तहत आस्तियों के निपटान के लिए बैंकों को स्पष्ट दिशानिर्देश जारी करने का अधिकार प्राप्त हुआ. तदनुसार, रिज़र्व बैंक ने बैंकों को यह निदेश दिए कि वे आईबीसी के तहत निपटान के लिए उच्च राशि वाले एनपीए को नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) में ले जाएं. आईबीसी के तहत बैंकिंग जगत के एनपीए का एक बड़ा हिस्सा प्रक्रियाधीन है.

आईबीसी के तहत निपटान प्रक्रिया के अनुरुप निपटान हेतु रिज़र्व बैंक द्वारा जारी संशोधित फ्रेमवर्क तथा निपटान के लिए पहले से मौजूद योजना जैसे कि एस4ए, एसडीआर, 5/25, सीडीआर को वापस लेने और जेएलएफ़ की प्रक्रिया को भी बंद करने के चलते बैंकिंग जगत के एनपीए पर काफी प्रभाव पड़ा है.

भारत सरकार ने उत्तरदायी एवं जवाबदेह सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के लिए अपने सुधार कार्यक्रम के तहत बैंकों को दबावग्रस्त आस्ति प्रबंधन वर्टिकल (एसएएमवी) की स्थापना करने का निर्देश दिया है. बैंक के पास दबावग्रस्त आस्तियों के प्रबंधन के लिए एक समर्पित वर्टिकल है. तीन महाप्रबंधकों की सहायता से कार्यपालक निदेशक दबावग्रस्त आस्तियों के प्रभारी के रुप में सम्पूर्ण दबावग्रस्त आस्ति बही का कार्य देखते हैं. दबावग्रस्त आस्ति के निपटान तथा वसूली एवं संग्रहण की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए बैंक ने उच्च राशि वाली दबावग्रस्त आस्तियों के निपटान के लिए एक विशेषीकृत कक्ष की स्थापना करने, विधिक वॉर-रूम की स्थापना करने, एमएसएमई एवं रिटेल ऋण के लिए समर्पित संग्रहण केन्द्रों की स्थापना करने,

अलग से इन-हाउस टास्क फोर्स की स्थापना करने, ऋणों के एकबारगी निपटान हेतु विशेष योजना को शुरूकरने, बैंक को प्रभारित आस्तियों की मेगा ई-नीलामी की व्यवस्था करने एवं विशेष रुप से चिन्हित उच्च राशि वाले खातों का एसएएमवी में माइग्रेशन करने आदि जैसे कई कदम उठाए हैं.

पिछले दो वर्षों के दौरान बैंक के एनपीए में निम्नानुसार वृद्धि हुई है :

(₹ करोड़ में)

विवरण	31.03.17	31.03.18
सकल एनपीए	42,719	56,480
सकल एनपीए %	10.46%	12.26%
निवल एनपीए	18,080	23,483
निवल एनपीए %	4.72%	5.49%
एनपीए में वृद्धि	13,312	24,239
वसूली /अपग्रेडेशन	6,766	5,530
टीडब्ल्यूओ सहित बट्टे खाते डालना	4,348	4948
बट्टे खाते डाले गए खातों में वसूली	327	621
प्रावधान कवरेज अनुपात् (टीडब्ल्यूओ सहित) (%)	66.83%	67.21%
प्रावधान कवरेज अनुपात (टीडब्ल्यूओ को छोड़कर) (%)	57.68%	58.42%

बैंक ने तुलन पत्र को मजबूत करने के लिए नियमित रुप से एनपीए के लिए उच्च प्रावधान कवरेज जारी रखा है. बैंक का अपने समकक्ष बैंकों की तुलना में कवरेज अनुपात सबसे ज्यादा है.

अस्ति वर्गीकरण के अनुसार बैंक के अग्रिम पोर्टफोलियो का विवरण निम्नानुसार है :

(₹ करोड़ में)

आस्ति वर्गीकरण	31.03.17	31.03.18
मानक अग्रिम	3,65,792	4,04,264
सकल एनपीए	42,719	56,480
कुल अग्रिम (सकल)	**4,08,511**	**4,60,744**
सकल एनपीए जिसमें		
अवमानक	8,804	13,131
संदेहास्पद	29,186	35,447
हानि	4,729	7,903
कुल सकल एनपीए	**42,719**	**56,480**

वर्ष के दौरान बैंक ने 24,362 खातों में एक बार में निपटान को अनुमोदित किया. कुल 195 आस्तियां ई-नीलामी में बेची गई, 304 ऋणकर्ताओं को इरादतन चूककर्ता के रुप में घोषित किया गया और अन्य 160 ऋणकर्ताओं को कारण दर्शाओ नोटिस जारी किए गए.

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी)

बैंक ग्राहक केंद्रीयता के लिए सूचना प्रौद्योगिकी का अधिकतम उपयोग करने में पूर्ण विश्वास रखता है. कारोबारी क्षमताओं के लिए कारोबार की प्रक्रियाओं का विश्वनीय होना बहुत जरूरी है. बैंक क्षमता निर्माण के लिए सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित बुनियादी सेवाओं को लगातार अपग्रेड कर रहा है.

बैंक ने ग्राहकों को मूल्यवर्धित सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए प्रौद्योगिकी समर्थित कई कारोबारी पहलों को लागू किया है. इनमें से कुछ सेवाएँ निम्नलिखित हैं :

- बैंक के कोर बैंकिंग प्लेटफॉर्म का उन्नयन तथा इसके बाद कई प्रकार के प्रौद्योगिकीय अपग्रेड सहित विभिन्न डिजिटल एप्लिकेशन के साथ इसका इंटेग्रेशन जो कई चैनलों के साथ निर्बाध रुप से कार्य करते हैं.
- ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अत्याधुनिक डिजिटल सप्लाई चेन फाइनेंसिंग सोलूशन को आरंभ करना. यह शुरू से अंत तक निर्बाध रुप से चलने वाली स्वचालित प्रोसेसिंग प्रक्रिया है जिसके पास वास्तविक समय आधारित अलर्ट और रिपोर्ट जेनरेट करने की क्षमता है.
- डिजिटल नकदी प्रबंधन समाधान अर्थात् बड़ौदा डिजिनेक्स्ट को आरंभ करना जो ग्राहकों को नकदी प्रबंधन को डिजिटलीकरण के माध्यम से कार्यशील पूंजी में दक्षता प्राप्त करने में सहायता प्रदान करता है.
- टैब बैंकिंग की शुरुआत कर उसके माध्यम से खाते के रख-रखाव का डिजिटलीकरण करना. इसे पूरे देश में बचत खाता खोलने के लिए आरंभ किया गया है. सर्वोत्तम ग्राहक अनुभव के साथ यह एक अनुकूल एप्लिकेशन है जिसमें बटन दबाते ही 35 से ज्यादा बैंकिंग सेवाओं को उपलब्ध कराने की क्षमता है.
- एक नए डिजिटल ट्रेड फाइनेंस प्लेटफॉर्म - बड़ौदाइंस्टा (ट्रेड फाइनेंस एक्सेस के लिए बड़ौदा इंटेग्रेटेड सोलूशन) को आरंभ करना. ग्राहक एवं बैंक के लिए ट्रेड फाइनेंस में त्वरित प्रोसेसिंग और स्वचालन को प्राप्त करने के उद्देश्य से यह एक समग्र समाधान है. वर्तमान में यह दो उत्पादों अर्थात् आयात साख पत्र और आयात बिल भुगतान के लिए आरंभ किया गया है जिसे आगे अन्य उत्पादों के लिए भी लागू किए जाने की संभावना है.
- इंटरनेट पेमेंट गेटवे - बैंक सम्पूर्ण इंटरनेट पेमेंट गेटवे इन्फ्रास्ट्रक्चर को विकसित करने की प्रक्रिया में है ताकि अपने कारोबारियों को ई-कॉमर्स कारोबार के लिए इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट प्लेटफॉर्म बड़ौदा ई गेटवे उपलब्ध करा सके. इसके माध्यम से क्रेडिट कार्ड / डेबिट कार्ड और नेट बैंकिंग के उपयोग से भुगतान करने की सुविधा उपलब्ध होगी.
- स्वचालित संग्रहण प्रणाली से बैंक को ऋण संग्रहण की प्रक्रिया को सरल एवं कारगर बनाने में मदद मिलेगी.
- एम-पासबुक एप्प जो उपभोक्ताओं को अपने सारे खातों की अद्यतन जानकारी के साथ-साथ शेष, जमा एवं आहरण की निगरानी करने की सुविधा उपलब्ध कराता है.

बैंक अपने ग्राहकों को बेहतर बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कई अन्य एप्लीकेशनों को आरंभ करने की प्रक्रिया में है. इनमें से कुछ एप्लिकेशन हैं धन संपदा प्रबंधन सोलूशन, इंटरनेट बैंकिंग अपग्रेड और बीबीपीएस आदि. इसके अलावा बैंक परिचालन कार्यक्षमता में वृद्धि तथा नियंत्रण के लिए धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन प्रणाली एवं एएमएल प्रणाली के अपग्रेडेशन सहित कई सहायक एप्लीकेशनों को लागू कर रहा है या इसे लागू करने की प्रक्रिया में है.

प्रौद्योगिकी में हो रहे बदलाओं से अपने को अद्यतन रखने के उद्देश्य से बैंक ने आईटी सेंटर ऑफ एक्सिलेंस (आईटीसीओई) की स्थापना की है ताकि

प्रौद्योगिकी में हो रहे नित-नए परिवर्तनों की पहचान कर इससे स्वयं को अपग्रेड किया जा सके. आईटीसीओई वर्तमान और भविष्य में आने वाली प्रौद्योगिकी के लिए डिज़ाइन थिंकिंग कौशल, प्रक्रियागत डिज़ाइन, आर्किटेक्चर कौशल तथा कोर डेवलपमेंट क्षमता उपलब्ध करायेगा जिससे कारोबार में वृद्धि के लिए प्रौद्योगिकी के पूर्ण उपयोग में सहायता मिलेगी.

बैंक ग्राहकों की सही पहचान के साथ बैंक के कारोबार रुपान्तरण की प्रक्रिया को और सशक्त बनाने के लिए एनालिटिक सेंटर ऑफ एक्सिलेन्स (एसीओई) की स्थापना करने की प्रक्रिया में भी है.

साइबर सुरक्षा

कई वर्षों के दौरान बैंक ने साइबर आक्रमण से बचने के लिए सूचना सुरक्षा उपायों के एक समग्र सेट के साथ साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में एक मजबूत आधार तैयार किया है. बैंक के पास पूर्ण परिभाषित साइबर सुरक्षा कार्यनीति फ्रेमवर्क है जो प्रबंधन स्ट्रक्चर, नीतिगत फ्रेमवर्क और परिचालन नियंत्रण के समन्वयवन में परिचालित होता है. बैंक ने आईटी आस्तियों की सुरक्षा के लिए बहु-स्तरीय सुरक्षा का इंतजाम किया है. बैंक द्वारा लागू किए गए सुरक्षा नियंत्रण उपायों का ही यह प्रमाण है कि बैंक के डाटा सेंटर और आपदा प्रबंधन परिचालन को आईएसओ 27001 का प्रमाणन प्रदान किया गया है.

साइबर आक्रमणों की पहचान करने के लिये बैंक ने कैपटिव सुरक्षा परिचालन सेंटर (एसओसी) की स्थापना की है जो 24X7 आधार पर कार्य करता है. मौजूदा वर्ष के दौरान आपके बैंक ने प्रभावी तरीके से साइबर आक्रमणों की त्वरित पहचान, प्रबंधन, कार्रवाई और उसके समाधान के लिए एसओसी को साइबर रेडी एसओसी के रुप में सशक्त बनाने के लिए नयी क्षमताओं को लागू किया है.

साथ ही, आपके बैंक ने निम्नलिखित नियंत्रणों को अपनाया है :

- महत्वपूर्ण आस्तियों की पहचान तथा इनकी सुरक्षा के लिए पर्याप्त नियंत्रणों के मूल्यांकन हेतु आवधिक जोखिम मूल्यांकन करना.
- आक्रमण होने की संभावना का नियमित रुप से मूल्यांकन करना, आक्रमण एवं संभावित जोखिम की पहचान के लिए पेनेट्रेशन टेस्टिंग करना तथा आक्रमण की गंभीरता को न्यून करने के लिए उपाय करना.
- मौजूदा सिस्टम की कमजोरियों का पता लगाने, कमियों को दूर करने हेतु एप्लीकेशनों और इनफ्रास्ट्रक्चरों की आवधिक लेखापरीक्षा करना.
- फिशिंग साइट, अविश्वसनीय मोबाइल एप्प एवं सोशल मीडिया साइटों की संदिग्ध गतिविधियों/विषय वस्तुओं की नियमित निगरानी करना तथा एंटी फिशिंग और ब्रांड सुरक्षा सेवाओं के माध्यम से इनकी पहचान कर इन पर उपयुक्त कार्रवाई करना.
- इंटरनेट बैंकिंग चैनल के माध्यम से धोखाधड़ी लेनदेन को नियंत्रित करने के लिए जोखिम आधारित बहु-स्तरीय प्रमाणन प्रक्रिया को लागू करना.
- आसानी से एक्सेस होने वाली वेबसाइट पर मालवेयर की जांच के लिए स्कैनिंग करना.

मौजूदा वर्ष के दौरान आपके बैंक ने डिस्ट्रीब्यूटेड डिनायल ऑफ सर्विस (डीडीओएस) से सिस्टम के बचाव के लिए तकनीक लागू किया है तथा निर्बाध ग्राहक सेवा सुनिश्चित करने के लिए क्लीन पाइप को प्राप्त किया है.

बैंक ने साइबर आक्रमणों से बचाव के लिए सुरक्षा प्रणाली को और सशक्त करने तथा अपनी क्षमताओं की जांच के लिए आईडीआरबीटी ,सीईआरटी-इन और रिज़र्व बैंक जैसी एजेंसियों द्वारा आयोजित की जाने वाली सुरक्षा ड्रिल में सहभागिता की है. बैंक के पास आपात स्थिति में कार्य करने वाली टीम एवं साइबर क्राइसिस प्रबंधन योजना है तथा ड्रिल के माध्यम से इन योजनाओं की प्रभावशीलता की आवधिक जांच की जाती है.

डिजिटल रुपांतरण

पारंपरिक बैंकिंग गतिविधियों का डिजिटलीकरण एवं डिजिटल रुपांतरण से बैंकिंग जगत में तेजी से बदलाव आ रहा है. इससे सुविधाजनक एवं त्वरित बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करना आसान हो गया है. बैंक अपने मौजूदा संरचना और नए डिजीटल उत्पादों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए डिजीटल प्रणाली और तकनिकियों में लगातार निवेश कर रहा है. बैंक की सूचना प्रद्योगिकी नीति ने लगातार तकनीक को अद्यतन करने और संभावी व्यवसाय की आवश्यकताओं को पूरा करने की प्रक्रिया के द्वारा व्यवसाय पहलों में सहयोग दिया है. हमारा प्रमुख ध्यान ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुरुप उत्पादों को मोबाइल चैनल जैसे मोबाइल बैंकिंग, यूनिफ़ाइड पेमेंट इंटरफेस, भीम आधार के माध्यम से उपलब्ध कराना है. हमारे ज्यादा से ज्यादा ग्राहक डिजीटल भुगतान की ओर बढ़ रहे है और बैंक ग्राहकों के लिए उनकी इस यात्रा में सहायक एवं मार्गदर्शक की भूमिका अदा कर रहे है.

बैंक निम्नलिखित नवोन्मेषी पहलों के माध्यम से अग्रणी रहा है.

हाई-टेक डिजीटल शाखाएं और डिजीटल पोर्टेबल शाखाएं

बैंक ने हाई-टेक डिजीटल शाखा को अत्याधुनिक गैजेट जैसे आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस रोबोट जिसे बड़ौदा ब्रेनी नाम दिया गया है और मुफ्त वाई - फ़ाई सेवाओं के साथ डिजीटल लैब स्थापित करके नवोन्मेषी अवधारणा विकसित की है. रोबोट, ग्राहकों को उनकी आवश्यकताओं के अनुरुप उन्हे मार्गदर्शन प्रदान करता है और ग्राहकों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का जवाब भी देता है. इसके अतिरिक्त, डिजीटल शाखा के पास स्वयं सेवा कियोस्क जैसे कैश रिसाइक्लर, व्यक्तिगत डेबिट कार्ड डिस्पेन्सर के साथ खाता खोलने का कियोस्क, मल्टी फंक्शन कियोस्क, डीजीटल साइनेज सिस्टम (डीएस एस) जो उत्पादों की सूचनाओं को प्रदर्शित करते है, के साथ सेल्फ-सर्विस पासबुक प्रिन्टर उपलब्ध है. ग्राहकों को एक विशिष्ट स्थान भी उपलब्ध कराया जाता है जहां विशेषीकृत निवेश परामर्श, वित्तीय परामर्श निवेश विशेषज्ञों द्वारा दिया जाता है. ग्राहकों को संवाद करने में सहायता देने के लिए इस स्थान पर एक रिमोट टेलर (वीडियो सहायक) लगाया गया है.

बैंक ने मुंबई और बड़ौदा में वर्ष के दौरान -2- ऐसी हाई-टेक डिजिटल शाखाएं खोली है.

बैंक ने ''डिजीटल पोर्टेबल शाखा'' की अवधारणा को टेक सेवी और पारम्परिक ग्राहकों के साथ स्वयं सेवी आसान एवं सरल परिचालनात्मक बैंकिंग आउटलेट के माध्यम से 24x7 जुड़े रहने के उद्देश्य से कार्यान्वित की है. डिजीटल पोर्टेबल शाखा एक प्री फैब्रिकेटेड शाखा है जिसमे खाता खोलने का कियोस्क, कैश डिस्पेन्सर (एटीएम), और सेल्फ सर्विस पासबुक प्रिन्टर (एसएसपीबीपी) लगाया गया है. ग्राहकों को इसमे बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के सामान्य रिटेल बैंकिंग सेवाएँ जैसे खाता खोलना, नकद निकासी, पासबुक अद्यतन करना, शेष राशि पूछताछ, निधि अंतरण, बिल भुगतान, इत्यादि सेवाएं चौबीसों घंटे प्रदान की जाती हैं.

बैंक ने वर्ष के दौरान ऐसी -9- डिजिटल पोर्टेबल शाखाएं खोली है.

मल्टी फंक्शन कियोस्क

ग्राहकों को तकनीकी लाभ के द्वारा वैकल्पिक डिलीवरी चैनलों के माध्यम से बाधारहित और आसान बैंकिंग सेवाएं प्रदान करना है. बैंक ने एक नवोन्मेषी स्वयं सेवा कियोस्क, जिसे मल्टी फंक्शन कियोस्क (एमएफके) कहा जाता

है, की शुरूआत की है. यह एकल हाइब्रिड सेवा बॉक्स के माध्यम से कई ग्राहकोन्मुखी सेवाएं प्रदान करता है. बैंक ने एमएफके का उपयोग करते हुए ग्रिड आधारित क्लीयरिंग की शुरूआत की है जो मुंबई में प्रायोगिक तौर पर शुरू की गई है और इसके अच्छे परिणाम मिल रहे है. इसके बाद ग्रिड आधारित क्लीयरिंग को पुणे, भोपाल,बड़ौदा और अहमदाबाद अंचल में विस्तारित किया गया है जो पूरे पश्चिमी ग्रिड को पूरा करता है. आरंभ होने के बाद से कुल चेक जमा में 11 गुना वृद्धि हुई है.

हमारी डिजीटल बैंकिंग टीम हमारे ग्राहकों के लिए निम्नलिखित चैनलों के माध्यम से डिजीटल और वैकल्पिक डिलीवरी चैनलों को लगातार सुदृढ़ बनाने में लगी हुई है.

- एटीएम, जो हमारे ग्राहकों की नकद आवश्यकताओं के लिए सहयोग प्रदान करेंगे.
- ग्राहको को 24x7 बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करने के लिए ई-लॉबी जिसे 'मी लॉबी' कहा जाता है, की सुविधाओं मे अपग्रेड किया गया है, जिसमे बड़ौदा नॉन स्टॉप लॉबी में पाँच स्वयं सेवा मशीन जैसे कैश रिसाइक्लर, एटीएम, मल्टी फंकशन कियोस्क, पासबुक प्रिन्टर और डिजीटल साइनेज सिस्टम शामिल है.
- छोटे केन्द्रों के लिए मौजूदा एटीएम को रिफरबिश करके और अतिरिक्त सेवाएँ जैसे कैश रिसाइक्लर और पासबुक प्रिन्टर प्रदान करते हुए ''बड़ौदा एक्स्प्रेस -24x7" लॉबी की शुरूआत की गई है जो बड़ौदा नॉन स्टॉप लॉबी का संक्षिप्त रुप है.
- हमारे ग्राहको के लिए इन्टरनेट बैंकिंग प्लेटफॉर्म बड़ौदा कनेक्ट को आसान एवं बेहतर उपयोग के लिए कई विशेषताओं के साथ समृद्ध किया गया है.
- **मोबाइल बैंकिंग -** ग्राहको के खाते की सम्पूर्ण जानकारी के लिए मोबाइल बैंकिंग एप्लिकेशन एम-कनेक्ट प्लस की शुरुआत की गई है जो हमारे ग्राहकों को तेज, सुरक्षित, स्तरीय विशेषाताओं भरा एक नया अनुभव होगा.
- **भारत बिल भुगतान प्रणाली (बीबीपीएस)-** यह एक राष्ट्रीय महत्व की पहल है जो सभी भौगोलिक और आबादी के ग्राहकों/गैर ग्राहकों को वास्तविक समय में बिल भुगतान की सेवाएं प्रदान करता है. बीबीपीएस एक टीयर्ड प्लेटफॉर्म है जिसमें विभिन्न चैनलों के माध्यम से हमारा बैंक ग्राहक भारत बिल भुगतान परिचालन इकाई (ग्राहक बीबीपीओयू) के रुप में भाग लेता है. बीबीपीएस एक सरल, सुरक्षित और आसानी से उपयोग किया जाने वाला बिल भुगतान प्लेटफॉर्म है जो ग्राहकों को इंटर ऑपरेबल और सुगम बिल भुगतान सेवा है और जो त्वरित भुगतान प्राप्ति की पुष्टि करता है.
- **रिटेल भुगतान प्रणाली के लिए यूपीआई -** बैंक ने बड़ौदा एमपे-यूपीआई की शुरुआत की है जो कि भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम की नई पहल है और जिसका उद्देश्य भारत में मौजूदा सभी रिटेल भुगतान को सरलीकृत व एकल इंटरफेस प्रदान करना है.
- **वैश्विक कान्टैक्ट सेंटर -** बैंक ने गिफ्ट सिटी के साथ-साथ बेंगलूरू में अत्याधुनिक कान्टैक्ट सेंटर की स्थापना की है. हमारा कान्टैक्ट सेंटर कई बैंकिंग सेवाओं को टेलीफोन चैनल के माध्यम से टोल फ्री नंबर द्वारा देश में तथा विश्व में कही से भी प्रदान करती है। प्रधानमंत्री जनधन योजना और अन्य वित्तीय समावेशन ग्राहकों के लिए एक समर्पित टोल फ्री नंबर प्रदान किया गया है.
- **यूनिफाइड मोबाइल एप्लिकेशन फॉर न्यू-एज गवर्नेंस (उमंग) -** यह भारत सरकार का ऑल-इन-वन सिंगल केंद्रीकृत सुरक्षित बहु-माध्यम,बहु-प्लेटफॉर्म, बहुभाषी, बहुसेवा फ्रीवेयर मोबाइल एप्लिकेशन है, जिसे हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दिनांक 23 नवंबर 2017 को शुरूकिया था. हमारा बैंक इस एप्लिकेशन पर भारत बिल सेवा उपलब्ध कराने वाला पहला बैंक है. इसे विभिन्न उपयोगिता सेवाओं के लिए डिजिटल भुगतान आधारित बिल भुगतान सुविधा उपलब्ध कराने के लिए तैयार किया गया है.
- **भीम आधार:** हमारा बैंक माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिनांक 14 अप्रैल 2017 को शुरू किए गए क्लाउड आधारित समाधान भीम आधार भुगतान सेवा को कार्यान्वित करने वाला पहला बैंक है. यह प्लेटफॉर्म ग्राहकों को उनके बैंक खाते से जुड़ी आधार संख्या के प्रयोग के द्वारा मर्चेंट इकाई से सामान एवं सेवाओं की खरीद में सहायता करता है. मर्चेंट भुगतान को स्वीकार कर सकते हैं. सरकार ने भारत में 20,00,000 भीम आधारित डिवाइसों को स्थापित करने का लक्ष्य रखा है. बैंक ने वित्त वर्ष 2018 के दौरान भीम आधार भुगतान पर 64,000 से अधिक मर्चेंट्स को जोड़ा है.
- **एनएसीएच - ई - अधिदेश :** बैंक 21 मार्च 2018 से ई-अधिदेश के लिए लाइव हो गया है. इसका प्राथमिक उद्देश्य बैंक में जाकर प्रक्रिया के लिए अनुरोध देने के भार को कम करना है. ई-अधिदेश एनपीसीआई के नेशनल ऑटोमेटेड क्लियरिंग हाउस (एनएसीएच) की सेवा का उपयोग करेगा जिससे वैकल्पिक चैनल के माध्यम से ग्राहकों द्वारा अधिदेश देने तथा इसकी पुष्टि होने के बीच लगने वाले समय में कमी आएगी.
- **दस्तावेज़ प्रबंधन प्रणाली :** कागज रहित बैंकिंग की दिशा में एक और कदम उठाते हुए ग्राहकों के रिकॉर्डों का डिजिटलीकरण किया गया है. प्रयोक्ता इस सिस्टम में संरक्षित किए गए रिकॉर्ड को ऑनलाइन एक्सेस कर सकते हैं. इस प्रक्रिया का लाभ यह है कि इससे बेहतर ग्राहक सेवा के साथ ग्राहक द्वारा की जाने वाली पूछताछ में कमी आएगी.

फिनटेक

बैंकिंग उद्योग में तकनीकी स्तर पर तीव्र परिवर्तन हो रहा है. फिनटेक कंपनियों के विभिन्न व्यावसायिक सेगमेंट में प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है. इस परिवर्तन की वजह परंपरागत चैनल नहीं हैं बल्कि ग्राहकों की अपेक्षाएं और तकनीक आधारित समाधानों के प्रति उनकी ख़रीदारी की क्षमता है. बैंक इन क्षेत्रों में अग्रणी रहा है और इसके लिए एक अलग फिनटेक वर्टिकल स्थापित किया गया है ताकि बैंकिंग उद्योग में हो रहे परिवर्तनों को आत्मसात किया जा सके और ग्राहकों को उत्कृष्ट उत्पाद एवम् सेवाएँ दी जा सके. बैंक फिनटेक क्षेत्र में न केवल नवोन्मेषी अवसरों की तलाश कर रहा है बल्कि बाहरी तकनीकी विशेषज्ञता को भी इस्तेमाल कर रहा है. इस उद्देश्य से बैंक एमएसएमई, कार्पोरेट, रिटेल, भुगतान तथा ई-कॉमर्स क्षेत्रों में विभिन्न फिनटेक सेवा प्रदाताओं के साथ टाईअप कर रहा हैं.

बैंक के पास 20 से अधिक साझेदार हैं जिनकी एमएसएमई ग्राहकों को समाधान देने से लेकर रिटेल और भुगतान के क्षेत्रों में साझेदारी शामिल हैं. एमएसएमई सेगमेंट में बैंक सभी ट्रेड रिसीवेबल्स ई-डिस्कौंटिंग सिस्टम (टीआरईडीएस) जो एमएसएमई सेक्टर में ट्रेड रिसीवेब्ल्स के लिए वित्तपोषण हेतु ऑनलाइन प्लैटफ़ार्म है, को लागू करने वाला पहला बैंक है. 31 मार्च 2018 को बैंक की इस प्लैटफ़ार्म पर हिस्सेदारी 22% रही. इसके अलावा

बैंक ई-कॉमर्स बज़ार में आपूर्तिकर्ताओं को भी वित्तपोषण प्रदान कर रहा है. बैंक ने ब्लॉक चेन कन्सोर्टीयम के तहत ''बैंक चेन'' के साथ साझेदारी की भी शुरुआत की है. बैंक ने एनईआरएल के साथ पंजीकृत वेयर हाउस के संबंध में वेयर हाउस रसीदों के पेटे वित्तपोषण हेतु नेशनल ई- डिपोजिटरी लिमिटेड (एनईआरएल) के साथ साझेदारी की है. ई-कॉमर्स, रिटेल एवम् भुगतान के क्षेत्र में अन्य साझेदारों की भी तलाश की जा रही है ताकि बैंक ऐसी फिनटेक प्लैटफ़ार्म पर अपनी सेवाएँ दे सके.

बैंक ऑफिस परिचालन

परिचालनगत दक्षता को बेहतर बनाने के एक उपाय के रुप में सेवा सुपुर्दगी एवं गुणवत्ता को बेहतर बनाने और भविष्य के लिए क्षमताओं के निर्माण की तरफ एक नीतिगत चरण के रुप में प्रक्रियाओं के डिजिटाइजेशन और बैंक ऑफिस परिचालन के केंद्रीकरण के माध्यम से बैंक की परिचालन संरचना को परिवर्तित किया जा रहा है. बैंक ने गिफ्ट सिटी में बड़ौदा ग्लोबल शेयर्ड सर्विसेज लिमिटेड के रुप में नवीनतम तकनीक युक्त 'शेयर्ड सर्विस सेंटर' का निर्माण किया है.

एसएससी में केंद्रीकृत बैंक ऑफिस कार्यकलापों में 24 x 7 केंद्रीकृत संपर्क केंद्र; 6 अंचलों के लिए मोर्गेज आधारित खुदरा ऋण प्रोसेसिंग; 5063 शाखाओं को कवर करते हुए देयता खाते खोलने का कार्य एवं फोरेक्स एवं ट्रेड फाइनांस -संव्यवहार (ट्रेड फाइनांस बैक ऑफिस, (टीएफबीओ) आदि. भौगोलिक आधार पर अन्य केंद्रों एवं कार्यों को क्रमशः एसएससी के साथ जोड़ा जाएगा.

कार्यकुशलता बढ़ाने तथा आंतरिक नियंत्रणों को मजबूत बनाने के लिए तथा एक ही छत के नीचे अनुपालन हेतु मानक ऑपरेटिंग प्रक्रियाओं का पालन करते हुए एक मजबूत गवर्नेंस फ्रेमवर्क एवं जोखिम और नियंत्रण स्व-मूल्यांकन (आरसीएसए) फ्रेमवर्क एसएससी में स्थापित किया गया हैं. टीएफबीओ में एक गुणवत्ता नियंत्रण इकाई भी स्थापित की गई है.

विपणन

वर्ष के दौरान बैंक ने अपने मौजूदा एवं भावी ग्राहकों से अर्थपूर्ण और भावात्मक संवाद करने के लिए रणनीति परक ब्रांड बिल्डिंग पहलों को आरंभ किया है. फीफा-अंडर 17 को पूरे विश्व में 47 लाख से अधिक व्यक्तियों ने देखा तथा बीटीएल गतिविधियों और टॉप लाइन चैनलों पर टीवीसी के साथ इसके प्रयोजन ने बैंक की दृश्यता को और ज्यादा बढ़ाया. विभिन्न दूसरी मार्केटिंग पहलों जैसे जयपुर लिट्रेचर फेस्टिवल, यूपी ग्लोबल सम्मिट, क्लासिकल कंसर्ट उद्येश्वर आदि में सहयोग के चलते पूरे वर्ष ब्रांड चर्चा में बना रहा. इन प्रयासों को पुनः सोशल मीडिया पर चलाये गए अभियानों और पूरी तरह से रिसर्च के बाद चलाये गए डिजिटल अभियानों जैसे कि #Allin YourInterest के माध्यम से निरंतर ग्राहकों से संवाद करने के चलते और बल मिला.

डिजिटल मार्केटिंग स्पेस में बैंक के प्रयास के लिए यह वर्ष भी महत्वपूर्ण था जिसे व्यवस्थित तरीके से सशक्त किया जा रहा है. बैंक के सोशल मीडिया क्षेत्र में अनुभव को आगे बढ़ाते हुए, सर्च इंजन विपणन और सर्च इंजन अनुकूलन को बढ़ाने के लिए सभी डिजिटल प्लेटफार्मों में सामग्री को बेहतर बनाने हेतु रणनीतियों का निर्माण किया गया था. इन माध्यमों में सामग्री में वृद्धि का उद्देश्य विशेष रुप से जेन वाई दर्शकों के साथ जुड़ना है, जो संभावित ग्राहक हैं.

बैंक ने बुनियादी मूल्यों के समर्थन द्वारा बैंक के ब्रांड समर्थक पीवी सिंधु और के श्रीकांत को प्रमुखता दी. प्रिंट मीडिया, बाहरी मीडिया जैसे मेट्रो रेलवे स्टेशन/ एयरपोर्ट/ मॉल आदि हेतु उनके चित्र को क्रिएटिव्स में शामिल किया गया है. देश के युवाओं के बीच लोकप्रिय खिलाड़ियों के साथ बैंक का यह जुड़ाव बैंक की व्यवसाय के प्रति देखभाल, सोच एवं क्षमता के दृष्टिकोण के अनुरुप रहा.

दूरदर्शन पर ''हुनरबाज़-मिशन स्किल इंडिया'' को प्रायोजित कर बैंक ने सकारात्मक, भावुक और प्रेरणात्मक कहानियों को साझा करने और ग्राहकों की सफलता और सशक्तिकरण में बैंक की भूमिका स्थापित करने का प्रयास किया है. इस शो में असली जीवन की सफलता की कहानियां, प्रेरणादायी हस्तियों और आकर्षक सहभागिता, भारत में कौशल और उद्यमिता के बारे में जागरुकता निर्माण, कॅरियर अवसर और कई अन्य पहलुओं को शामिल किया गया है. प्रत्येक कार्यक्रम में विषय वस्तु वास्तव में संदेशप्रद होने के साथ-साथ रुचिकर भी है जो कि मानव हृदय को प्रभावित करती है और ब्रांड और अपने ग्राहकों के बीच जुड़ाव के उद्देश्य को पूरा करती हैं.

बैंक नवोन्वेषी विषय-वस्तु और अभियानों के माध्यम से नेट प्रयोक्ताओं को अपने सोशल मीडिया पृष्ठ से जोड़ने के लक्ष्य के साथ सोशल मीडिया के क्षेत्र में सुव्यवस्थित रुप से विकसित हो रहा है.

बैंक की सोशल मीडिया उपस्थिति का विवरण नीचे दिया गया है:

सोशल मीडिया चैनल्स	31.03.2018 के आंकड़े (लाइक्स / फॉलोअर्स की संख्या)
फेसबुक लाइक्स	7,00,309
ट्विटर फॉलोअर्स	46,764
यूट्यूब सब्स्क्राइबर्स	9,558
लिंक्डइन फॉलोअर्स	23,078
इंस्टाग्राम फॉलोअर्स	3,481

शाखा विस्तार

31 मार्च, 2018 तक, हमारे बैंक का शाखा विस्तार निम्नानुसार था:

	31.03.2017		31.03.2018	
	शाखाओं की संख्या	कुल में % हिस्सा	शाखाओं की संख्या	कुल में % हिस्सा
घरेलू शाखाएं				
महानगरीय	1166	22	1167	21
शहरी	921	17	930	17
अर्ध - शहरी	1523	28	1537	28
ग्रामीण	1812	33	1833	34
कुल	**5422**	**100**	**5467**	**100**
विदेशी शाखाएं/ कार्यालय (विदेशी अनुषंगियों की शाखाओं सहित)	**107**	**-**	**106**	**-**

वर्ष के दौरान बैंक ने 55 नई घरेलू शाखाएं खोली हैं और 10 शाखाओं को बंद / विलय कर दिया है. इनमें से 2 हाई-टेक डिजिटल शाखाएं और 9 डिजिटल पोर्टेबल शाखाएं हैं.

आंतर्राष्ट्रीय परिचालनों में बैंक ने आंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवाओं में (आईएफएससी), गिफ्ट सिटी, गांधीनगर गुजरात में एक ऑफशोर इंटरनेशनल बैंकिंग यूनिट खोली है और बैंकॉक, थाईलैंड तथा यूएई में इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग यूनिट को बंद कर दिया है.

मुद्रा तिजोरी

हमारे बैंक में 98 मुद्रा तिजोरी हैं जिनमें से 2 मुद्रा तिजोरी देवकाली, फैजाबाद और वर्धमान, पश्चिम बंगाल में वित्तीय वर्ष के दौरान खोले गए हैं. भारतीय रिज़र्व बैंक की तरफ से नकदी कक्ष के अलावा इनका उपयोग बैंक में प्रभावी नकदी प्रबंधन के लिए किया जाता है. सभी मुद्रा तिजोरियों के साथ-साथ शाखाओं को नोट छांटने वाली मशीनें (एनएसएम) प्रदान की जाती हैं. ये मुद्रा तिजोरी शाखाओं में नकदी के प्रबंधन में सहायक बने.

कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर)

विभिन्न विकास संबंधी गतिविधियों के माध्यम से समाज के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में सक्रिय योगदान देने की बैंक की पुरानी परंपरा रही है. एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक के रुप में बैंक हमेशा समाज के कल्याण विशेषकर समाज के वंचित वर्गों के उत्थान को उनके जीवन में स्थायी सामाजिक परिवर्तन करने के लिए योगदान करने का प्रयास करता है. किसानों एवं महिलाओं के लिए प्रशिक्षण के माध्यम से कौशल विकास करके रोजगार देना, स्वास्थ्य, मानव कल्याण और अन्य सामाजिक गतिविधियां आदि पर बैंक मुख्य रुप से ध्यान केन्द्रित करता रहा है. बैंक ने कमजोर वर्ग, ग्रामीण जनसंख्या और अन्य ज़रूरतमंद लोगों के हित के लिए विभिन्न समुदायों से संबंधित संस्थाओं और सामाजिक-आर्थिक कल्याण गतिविधियों में लगे विभिन्न संगठनों को 1191 लाख रुपए मंजूर किए.

बैंक ने देश के सात राज्यों में 49 बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान (बीएसवीएस) स्थापित किए हैं, जिनमें से 45 हमारे अग्रणी जिलों में हैं और 4 गैर-अग्रणी जिलों में हैं. ये केंद्र स्व-रोज़गार पैदा करने के लिए ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करते हैं. आज तक इन केंद्रों ने 11,258 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं और 3,29,452 युवाओं को प्रशिक्षण दिया है, जिनमें से 2,17,759 पहले से ही रोजगार या अपने स्वयं के उद्यम को सुरक्षित कर चुके हैं. इसका निपटान अनुपात 66.0 9% पर है. वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान आरएसटीआई के समग्र कार्यनिष्पादन / कार्यशैली के आधार पर हमारे 44 बीएसवीएस केन्द्रों को ''ए/ए'' (उत्कृष्ट) के रुप में वर्गीकृत किया गया है. हमारे पास 19 बड़ौदा आर-सेटी हैं जो अपने परिसर में परिचालित हैं.

बैंक ने औपचारिक वित्तीय क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न वित्तीय उत्पादों और सेवाओं के बारे में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में लोगों को शिक्षित करने एवं वित्तीय परामर्श सेवाएं प्रदान के लिए देश में 51 वित्तीय साक्षरता और क्रेडिट परामर्श केंद्र (एफएलसीसी) स्थापित किए हैं. ये केंद्र भी वित्तीय साक्षरता, बैंकिंग सेवाओं, डिजिटल बैंकिंग, वित्तीय नियोजन और किसी व्यक्ति के ऋण से संबंधित संकट में सुधार लाने के बारे में जागरुकता को बढ़ावा देते हैं.

जोखिम गवर्नेंस एवं आंतरिक नियंत्रण

जोखिम पर अधिक ध्यान देना और गवर्नेंस फ्रेमवर्क का समर्थन करने में जोखिम से निपटने और उसका प्रबंध करने हेतु बैंक के स्तर पर विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्धारण करना शामिल है. प्रायः जिसका ''बचाव के तीन उपाय'' के रुप में उल्लेख किया जाता है, उन तीनों उपायों में से प्रत्येक की महत्वपूर्ण भूमिका है. ये निम्नानुसार है:

i. बचाव का प्रथम उपाय; सभी कर्मचारियों को जोखिम का प्रभावी प्रबंधन एवं विनियमों, बैंक की पालिसियों और दिशानिर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा.

ii. बचाव का दूसरा उपायः इसमें जोखिम नियंत्रण के ऑनर का समावेश है, जिसमें बचाव के प्रथम उपाय में से स्वतंत्र रुप से इंटरप्राइज़ आधार पर जोखिम की पहचान, आकलन, मानिटरिंग एवं रिपोर्टिंग शामिल है. अनुपालन कार्यकलाप भी बचाव के दूसरे उपाय का भाग समझा जाता है.

iii. बचाव का तीसरा उपायः आंतरिक जोखिम आधारित और अन्य लेखापरीक्षा करके आंतरिक लेखापरीक्षा कार्य द्वारा उपलब्ध कराया गया स्वतंत्र आश्वासन. इसकी समीक्षा निदेशक मंडल को यह आश्वासन उपलब्ध कराती है कि समग्र गवर्नेन्स फ्रेमवर्क तथा जोखिम गवर्नेंस फ्रेमवर्क प्रभावी है और पालिसियां और प्रक्रियाएं उपलब्ध हैं तथा उन्हें निरंतर लागू किया जाता है. लेखापरीक्षा कार्य की भूमिका सुव्याख्यायित है और उनका निदेशक मंडल की लेखापरीक्षा द्वारा अवलोकन किया जाता है.

व्यवसाय में नियंत्रण

बैंक का प्रत्येक कर्मचारी अपने परिचालन के क्षेत्र में निहित जोखिम के लिए जिम्मेदार है और उसका प्रभावी प्रबंधन करता है. समग्र संगठन में आंतरिक नियंत्रण को मजबूत बनाने एवं अनुपालन की संस्कृति को बेहतर बनाने हेतु बैंक ने नियंत्रणों एवं अनुपालनों को तेज करने हेतु इन सिद्धांतों का अनुसरण कर संरचना को निरंतर सुसंगत बनाया है, ये सिद्धांत हैं 1) व्यवसाय एवं नियंत्रण कार्यों को अलग करना एवं 2) फ्रंट ऑफ़िस एवं बैक ऑफिस कार्यों को ऐसे परिचालनों एवं प्रक्रियाओं को केंद्रित कर के अलग रखना, जिन्हें शाखाओं से बाहर ले जाया जा सके, ताकि ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के साथ ही दक्षता को बढ़ाया जा सके एवं नियंत्रण को मजबूत बनाया जा सके.

बैंक ने दोनों ही क्षेत्रों में ख़ासी प्रगति की है. गिफ्ट सिटी, गांधी नगर, गुजरात में शेयर्ड सर्विस सेंटर (एसएससी) की प्रक्रियाओं एवं परिचालनों का केंद्रीयकरण, एसएससी में माइग्रेट की गई शाखा स्तर की कई गतिविधि के साथ जारी है, जहां मानक परिचालनगत प्रक्रियाओं (एसओपी) के अनुपालन के लिए एक दृढ़ गवर्नेंस फ्रेमवर्क तथा जोखिम एवं नियंत्रण स्व-मूल्यांकन (आरसीएसए) फ्रेमवर्क स्थापित किया गया है. एसएससी में ट्रेड फाइनेंस बैक ऑफिस में एक क्वालिटी कंट्रोल यूनिट भी स्थापित की गई है. साथ ही, बैंक के पास आपवादिक संव्यवहारों की स्वतंत्र निगरानी के लिए एवं एएलएम सिस्टम से प्राप्त अलर्ट्स की निगरानी एवं क्लोज़र के लिए ट्रांजेक्शन मॉनिटरिंग यूनिट (टीएमयू) भी है.

जोखिम प्रबंधन एवं अनुपालन

जोखिम प्रबंधन

जोखिम बैंकिंग कारोबार का एक अविभाज्य अंग है और बैंक जोखिम एवं रिटर्न के बीच उचित संबंध स्थापित करना चाहता है. सतत एवं निरंतर वृद्धि

सुनिश्चित करने के लिए, बैंक ने एक सक्षम जोखिम प्रबंधन फ्रेमवर्क विकसित किया है, जिससे कि बैंक द्वारा स्वीकृत जोखिमों का ठीक से मूल्यांकन और निगरानी हो सके. बैंक अपनी कारोबार गतिविधियों को जोखिम की सीमा के भीतर और बैंक के निदेशक मण्डल द्वारा अनुमोदित नीतियों के अनुसार संचालित करता है. विभिन्न प्रकार के जोखिमों पर निगरानी रखने के कार्य को सरल बनाने के लिए निदेशक मण्डल की विनिर्दिष्ट समितियां गठन किया गया है. बैंक ने निदेशक मण्डल की जोखिम प्रबंधन समिति का भी गठन किया है, जो विभिन्न प्रकार के जोखिमों के मध्य अंतर संबंधों का निरीक्षण करती है तथा जो इस क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा समर्थित है. प्रत्येक प्रकार के जोखिम के लिए गवर्निंग फ्रेमवर्क से बैंक के निदेशक मंडल या निदेशक मण्डल की समितियों द्वारा समय-समय पर नीतियां अनुमोदित की गई हैं.

वर्ष के दौरान बैंक ने बैंक के जोखिमों को मापने और निगरानी के लिए एंटरप्राइज़ वाइड जोखिम प्रबंधन परियोजना का कार्यान्वयन किया है . बैंक के पास व्यापक आंतरिक पूंजी पर्याप्तता आकलन की प्रक्रिया और तनाव परीक्षण की नीति है. पिल्लर 2 जोखिम जैसे कि तरलता जोखिम, ब्याज दर जोखिम, एकाग्रता जोखिम के साथ-साथ सामान्य और तनाव दोनों स्थितियों के तहत पूंजी की पर्याप्तता नीतियों के अनुसार मूल्यांकन की जाती है.

हमारे बैंक के भीतर विभिन्न जोखिमों का मूल्यांकन और प्रबंधन करने के लिए प्रक्रिया की एक संक्षिप्त रुपरेखा निम्नानुसार है :

ऋण जोखिम

हमारे बैंक में जोखिम प्रबंधन निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित फ्रेमवर्क के माध्यम से किया जाता हैं जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सर्वोत्तम व्यवहारो के अनुरुप नीतियों, प्रक्रियाओं तथा रिपोर्टिंग पद्धति को निर्धारित करता हैं. सुदृढ़ क्रेडिट प्रक्रिया संस्कृति को संबोधित करने के लिए जोखिम मूल्यांकनकर्ताओं और व्यावसायिक कार्यों की स्वतन्त्रता पर पर्याप्त ध्यान दिया जाता है. हमारे बैंक के पास सुगठित ऋण अनुमोदन प्रक्रिया है जो बोर्ड द्वारा अनुमोदित निर्दिष्ट ऋण नीति के अनुरुप कार्य करती है.

पिछले कुछ वर्षों में बैंक ने आंतरिक रेटिंग में अच्छा अनुभव प्राप्त किया है. इस सशक्त प्लेटफार्म ने बैंक को 31 मार्च, 2013 से बेसल II नियमों के तहत क्रेडिट जोखिम के फाउंडेशन में आंतरिक रेटिंग आधारित (एफआईआरबी) दृष्टिकोण के समानांतर चलाने के लिए नियामक की मंजूरी प्राप्त करने में सक्षम बनाया है. आईआरबी दृष्टिकोण के अंतर्गत पूंजी आवश्यकता का निर्धारण करने के लिए अपना अनुभव सिद्ध मॉडल विकसित करने की अनुमति होती है. आईआरबी अनुपालन बैंक के लिए बेहतर ऋण जोखिम प्रबंधन प्रणाली और कड़ी जोखिम मूल्यांकन प्रक्रियाओं के साथ सहायक बना है.

स्वतंत्र मॉडल सत्यापनकर्ताओं द्वारा उनके विवेकाधीन शक्ति, सटीकता और स्थिरता के साथ क्रेडिट जोखिम मापन मॉडल को सत्यापित किए जाते हैं. कार्पोरेट क्रेडिट रेटिंग मॉडल को वर्ष के दौरान डिफ़ॉल्ट रुप से अपनी अनुमान शक्ति को बढ़ाने के लिए अद्यतन किया गया है.

अविवेकी जमाव का प्रबंध करने हेतु बैंक ने उद्योगों ,सेक्टरों और ऋणकर्ताओं के लिए विवेकशील उच्च सीमाएं तय कर रखी हैं. पोर्टफोलियो समीक्षा कक्ष सेक्टरवाइज़ एक्सपोजर, ऋण संकेन्द्रण ,रेटिंग विभाजन तथा माइग्रेशन पर विस्तृत अध्ययन करता है और इन अध्ययनों के आधार पर बैंक की ऋण कार्यनीति तैयार करता है.

बैंक ने सभी ऋण एक्सपोजरों के लिए पूंजी पर जोखिम समायोजित रिटर्न (आरएआरओसी) फ्रेमवर्क भी क्रियान्वित किया है. शेयरधारकों के निधियों के आर्थिक मूल्य की दृष्टि से यह ऋण एक्सपोजर के जोखिम के निर्धारण में सहायता करती है.

बाजार ज़ोखिम

बैंक दैनिक आधार पर अवधि, संशोधित अवधि, पीवी 01 और जोखिम पर मूल्य (वीएआर) के माध्यम से अपनी ट्रेडिंग बुक में ब्याज दर के जोखिम का आकलन करता है और निगरानी करता है. विदेशी मुद्रा जोखिम का दैनिक आधार पर निवल रात की प्रारंभिक सीमा (एनओओपीएल), वीएआर सीमा, कुल गैप सीमाएं (एजीएल), व्यक्तिगत गैप सीमाएं (आईजीएल) के संदर्भ में आकलन किया जाता है और निगरानी की जाती है. लेनदेन स्तर पर, स्टॉप हानि सीमा और डीलर-वार सीमा निर्धारित और कार्यान्वित की गई है. इक्विटी मूल्य जोखिम का वीएआर सीमाओं और पोर्टफोलियो आकार सीमाओं के माध्यम से आकलन किया जाता है और उसकी निगरानी की जाती है. लेनदेन स्तर पर, इक्विटी मूल्य जोखिम को कम करने के लिए स्टॉप हानि सीमाएं और डीलर-वार सीमाएं लागू की जाती हैं.

अपने दबाव परीक्षण फ्रेमवर्क के तहत, बैंक त्रैमासिक आधार पर अपनी व्यापारिक बही-पोर्टफोलियो का व्यापक दबाव परीक्षण आयोजित करता है.

आस्ति देयता प्रबंधन

तरलता जोखिम, अपेक्षित तथा अनपेक्षित नकदी तथा संपार्श्विक दायित्व को उचित लागत पर पूरा करने की असमर्थता है. बैंक में तरलता जोखिम का प्रवाह दृष्टिकोण तथा स्टॉक दृष्टिकोण और भारतीय रिज़र्व बैंक के नवीनतम दिशानिर्देशों के अनुसार अन्य विवेकपूर्ण निर्धारणों से आकलन किया जाता है तथा मॉनीटर किया जाता है. बैंक ने तरलता मानकों पर बेसल III फ्रेमवर्क रुप - तरलता कवरेज अनुपात, तरलता जोखिम मॉनीटरिंग टूल्स और एलसीआर घोषणा मानकों को कार्यान्वित कर दिया है. एलसीआर मानकों का ध्येय यह सुनिश्चित करना है कि बैंक पर्याप्त भार रहित उच्च कोटि की आस्तियां रखे जिन्हें नकदी में बदला जा सके जो भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित महत्वपूर्ण गंभीर दबाव परिवेश 30 कैलेंडर दिनों की आवश्यकता को पूरा कर सकें. बैंक अपनी वेबसाइट पर खातों पर टिप्पणी के भाग के रुप में संबंधित तिमाही हेतु दैनिक एलसीआर के साधारण औसत का प्रकटीकरण करता है. बैंक संबंधित तिमाही के लिए दैनिक एलसीआर के सादे औसत को लेखों पर टिप्पणियों के रुप में अपनी वेब साइट पर प्रकट करता है.

संवेदनशील आस्तियों और देयता के बीच अंतर के कारण बैंकिंग बही में ब्याज दर जोखिम (आईआरआरबीबी) उत्पन्न होता है जो कि बाजार में ब्याज दर में परिवर्तन के साथ बैंक की आय पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है. बैंकिंग बही में ब्याज दर जोखिम की निगरानी और उसके आकलन के लिए बैंक पारंपरिक अंतर विश्लेषण, जोखिमपूर्ण आय और इक्विटी की संशोधित अवधि जैसे जोखिम प्रबंधन टूल्स का प्रयोग करता है. एनआईआई ब्याज दर की गतिविधियों के लघु अवधि प्रभाव का निर्धारण जोखिम आधारित आय एप्रोच के माध्यम से किया जाता है, इसमें वक्र जोखिम में समान हस्तांतरण, आय

वक्र जोखिम, आधार जोखिम तथा अंतःस्थापित विकल्प जोखिम भी शामिल हैं. ब्याज दर बदलाव का भावी प्रभाव इक्विटी के बाजार मूल्य (एमवीई) में परिवर्तन के माध्यम से आकलित किया जाता है और उसकी निगरानी की जाती है.

परिचालनगत जोखिम

परिचालनगत जोखिम के व्यवस्थित, सम्पूर्ण और एकीकृत प्रबंधन के लिए हमारे बैंक ने वेब आधारित परिचालनगत जोखिम प्रबंधन सिस्टम एसएएस एंटरप्राइज संहिता, जोखिम और अनुपालन (ईजीआरसी) का क्रियान्वयन किया है. संव्यवहार स्तर पर परिचालनगत जोखिम को कम और नियंत्रित करने के लिए बैंक ने केवायसी/एएमएल/सीएफटी दृष्टिकोण से सभी घरेलू संव्यवहारों की निगरानी करने के लिए केंद्रीकृत संव्यवहार निगरानी इकाई की स्थापना की है. बैंक ने कई बैक ऑफिस गतिविधियों को केंद्रीकृत करने के माध्यम से संव्यहारों (बैक ऑफिस) को कार्यान्वित करते हुए ग्राहक इंटरफेस (फ्रंट ऑफिस) को अलग किया है. फोरेक्स लेनदेन में परिचालनगत जोखिमों को कम करने के लिए बैंक ने फोरेक्स लेनदेन के लिए केंद्रीकृत ट्रेड फ़ाइनेंस बैक ऑफिस (टीएफ़बीओ) की स्थापना की है. बैंक सभी स्तरों पर परिचालन कार्यों में लगे स्टाफ सदस्यों के लिए विभिन्न स्थानों पर कार्यशालाओं के आयोजन के माध्यम से प्रभावी प्रशिक्षण प्रदान कर मजबूत जोखिम सुरक्षा का परिवेश तैयार करने में लगा हुआ है.

प्रमुख जोखिम संकेतक कार्यक्रम (केआरआई), जोखिम नियंत्रण और स्व मूल्यांकन कार्यक्रम (आरसीएसए) और मूल कारण विश्लेषण की शुरुआत ने नियंत्रण के परिवेश को और मजबूत किया है.

बेहतर धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन के लिए, बैंक इंटरप्राइज रिस्क मैनेजमेंट सोल्यूशन (ईएफआरएमएस) को लागू करने की प्रक्रिया में है.

बासल III कार्यान्वयन

भारतीय बैंकों द्वारा 1 अप्रैल 2013 से बासल III पूंजी विनियमों का कार्यान्वयन किया गया है. इस कार्यान्वयन के लिए एक ओर पूंजी की परिवर्धित गुणवत्ता एवं मात्रा की, वहीं दूसरी ओर परिष्कृत प्रकटीकरण की आवश्यकता है. बैंक की कोर पूंजी में सुधार करने तथा वृद्धि करने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा मार्च 2016 में एफ़सीटीआर, डीटीए तथा पुनर्मूल्यन आरक्षित को शामिल करने के लिए नए उपाय किये हैं.मार्च 2016 के बाद से बैंक ने चरणबद्ध तरीके से सीसीबी का रख रखाव करना भी शुरू किया है. वित्तीय वर्ष 2019 तक निर्धारित न्यूनतम 2.5% पर पहुंचेगा.

बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित परिवर्ती व्यवस्था के अनुसार नियामक अनिवार्य तरलता कवरेज अनुपात (एलसीआर)को बनाए रखा है.

अनुपालन

अनुपालन कार्यकलाप यह सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायी है कि बैंक सत्यनिष्ठा एवं लागू विधियों, नियमों तथा आंतरिक नियमों का अनुपालन करते हुए अपना कार्य करता है. निदेशक मण्डल बैंक के अनुपालन जोखिम के प्रबंधन का देखरेख करता है.

बैंक ने अपने अनुपालन दर्शन को रेखांकित करते हुए निदेशक मण्डल द्वारा अनुमोदित एक पॉलिसी बनाई है. अनुपालन कार्यकलाप बैंक में स्वस्थ अनुपालन संस्कृति द्वारा समर्थित आंतरिक नियंत्रण एवं अनुपालन जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया सहित गवर्नेंस का एक अंतर्निहित भाग है. अनुपालन कार्यकलाप वरिष्ठ प्रबंधन एवं निदेशक मण्डल को बैंक द्वारा लागू विधियों, नियमों एवं मानकों के अनुपालन के बारे में सूचित करता है तथा इस क्षेत्र में हुई प्रगति से अवगत कराता है. यह व्यवसाय सहयोगी स्टाफ सदस्यों एवं नामित अनुपालन अधिकारियों के लिए आवधिक रुप से प्रशिक्षण एवं कार्यशालाओं का आयोजन कर उन्हें अनुपालन के बारे में शिक्षित करने में सहायक होता है. इस प्रयोजन से ज्ञान प्रबंधन टूल्स बैंक की साइट पर भी अपलोड किए गए हैं.

वर्ष के दौरान बैंक में अनुपालन कार्यों को और मजबूत करने के लिए प्रत्येक स्तर पर विभिन्न नियामक, सांविधिक एवं आंतरिक दिशानिर्देशों की निगरानी के लिए बैंक ने एक वेब आधारित अनुपालन प्रबंधन समाधान लागू किया है.

केवायसी/ एएमएल दिशानिर्देश

बैंक के पास सुपरिभाषित केवायसी- एएमएल -सीएफ़टी नीति है, यह वह आधारशीला है जिस पर केवाईसी मानदंडों का अनुपालन, ए. एम. एल. मानदंडों, सीएफ़टी उपायों तथा धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के अंतर्गत बैंक के दायित्वों का कार्यान्वयन टिका हुआ है. बैंक वित्तीय अन्वेषण इकाई- एफ़आईयू-आईएनडी को इलेक्ट्रोनिक रुप में भेजने के लिए इलेक्ट्रोनिक तरीके से नकद लेनदेन रिपोर्टों (सीटीआर) को जेनरेट करता है. ग्राहकों के खातों में संव्यवहारों के आधार पर सिस्टम आधारित अलर्ट्स जनरेट करने के लिए एएमएल समाधान लागू किया गया है. केन्द्रीय लेनदेन निगरानी इकाई (सीटीएमयू) संव्यवहारों/ एएमएल सोल्यूशन में जनरेट अलर्ट्स की पूरी तरह से निगरानी करता है और एसटीआर आगे भेजता है. ग्राहकों के खातों का सिस्टम आधारित जोखिम वर्गीकरण छःमाही आधार पर किया जाता है. बैंक जब्त किए गए करेंसी नोट रिपोर्ट (सीसीआर) तथा नोन-प्रोफिट संगठनों के संव्यवहारों की रिपोर्ट (एनटीआर) प्रतिमाह एफआईयू-आईएनडी, नई दिल्ली को भेजता है. बैंक इलेक्ट्रोनिक मीडिया के माध्यम से क्रॉस बोर्डर वायर ट्रांसफर (ईएफ़टी) रिपोर्ट हर माह तैयार करता है और एफ़आईयू-आईएनडी, नई दिल्ली को प्रस्तुत करता है.

बैंक ने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के सहयोग से आधार आधारित ई-केवायसी को लागू कर दिया है. खाता खोलते समय व्यक्तियों/निकायों के नाम, प्रतिबंधित / यूएनएससीआर सूची अथवा सरकारी प्राधिकरण द्वारा ब्लैक लिस्ट अथवा जारी किसी अन्य सूची में वास्तविक समय में प्रदर्शित नाम से जांच करने की सुविधा लागू की गई है. भारतीय रिज़र्व बैंक के निदेशों के अनुसार बैंक अपने मौजूदा ग्राहकों को विशिष्ट ग्राहक पहचान कोड (यूसीआईसी) आवंटित करने की प्रक्रिया में है. लाभार्थियों के संबंध में इन निदेशों का सत्यनिष्ठा से अनुपालन किया जाता है. कर्मचारियों के लिए यूसीआईसी एवं केवायसी/एएमएल/ईएफ़टी अनुपालन पर नियमित प्रशिक्षण एवं कार्यशालाएं आयोजित की जाती है.

आंतरिक लेखापरीक्षा

बैंक में केन्द्रीय आंतरिक लेखापरीक्षा प्रभाग (सीआईएडी) के माध्यम से आंतरिक लेखापरीक्षा कार्य होता है. सीआईएडी शाखाओं और कार्यालयों के जोखिम आधारित आंतरिक लेखापरीक्षा (आरबीआईए) के अलावा लेखापरीक्षा की विभिन्न स्ट्रीम का प्रबंधन करता है. बोर्ड की लेखापरीक्षा

समिति समग्र आंतरिक लेखापरीक्षा कार्य की देखरेख करती है और प्रभावी आंतरिक लेखापरीक्षा, संगामी लेखापरीक्षा, आई एस लेखापरीक्षा और बैंक के अन्य सभी लेखापरीक्षा कार्यों के विकास में मार्गदर्शन करती है. समिति बैंक में अधिकारियों और आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग की लेखापरीक्षा समिति के कार्यकलाप की निगरानी रखती है.

सीआईएडी जोखिम आधारित लेखापरीक्षा नीति के द्वारा लिए गए निर्णय के आवधिकता के आधार पर 13 अंचल लेखापरीक्षा प्रभागों के माध्यम से शाखाओं/कार्यालयों के आंतरिक लेखापरीक्षा का कार्य करती है. बैंक की सभी शाखाएं जोखिम आधारित लेखापरीक्षा के अंतर्गत आती है. 2017-18 के दौरान ऑडिट की गयी 4827 शाखाओं में से 3873 शाखाएं (80.24%) कम जोखिम में थी, 905 शाखाएं (18.75%) मध्य जोखिम में थी, 46 शाखाएं (0.95%) उच्च जोखिम में थी और 03 शाखाएं (0.06%) अधिक उच्च जोखिम श्रेणी में थी.

बैंक ने प्रौद्योगिकी, इमेजिंग समाधान और डिजिटलीकरण के उपयोग से गतिविधियों के केन्द्रीकरण पर ध्यान केन्द्रित करने वाली प्रक्रियाओं के साथ लेखापरीक्षा की व्यापक समीक्षा के लिए एक स्वतंत्र फर्म की सेवाएं ली हैं. और यह कार्य प्रगति पर है. लेखापरीक्षा दृष्टिकोण का पूरा हिस्सा प्रौद्योगिकी, विश्लेषण, नमूनापरक और उन्नत लेखापरीक्षा पद्धति के व्यापक उपयोग के साथ एक बदलाव से गुजर जाएगा. इस प्रकार आंतरिक लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को प्रौद्योगिकी द्वारा सहायता प्रदान की जा रही है.

बेहतर पर्यवेक्षण और दृष्टिकोण में निरंतरता के उद्देश्य से समवर्ती लेखा-परीक्षा कार्य को व्यवस्थित करने के लिए, बैंक ने फ्रेगमेंटेड समवर्ती लेखापरीक्षा सिस्टम को एक तंत्र में पुनर्गठित किया है जिससे एक अंचल की सभी शाखाओं में समवर्ती लेखापरीक्षा के लिए एक फार्म को नियुक्त किया जा सके. इससे दृष्टिकोण की समानता एवं नियंत्रण और अनुपालन पर समान दृष्टिकोण, अनियमितताओं और पैटर्न यदि कोई हो, के अवलोकन का लाभ मिलेगा. प्रौद्योगिकी में उन्नयन एवं बढ़ते हुए संव्यवहारगत डेटा को देखते हुए बैंक ने समय पर निवारक कार्रवाई करने और आंतरिक नियंत्रणों को बेहतर बनाने के लिए ओन-साइट प्रक्रियाओं को ऑफ साइट प्रक्रियाओं के साथ जोड़ कर लेखापरीक्षा प्रक्रिया का रुपांतरण प्रारंभ किया है.

ग्राहक सेवा

बैंक ग्राहकों को बेहतर अनुभव उपलब्ध कराने पर ध्यान केन्द्रित कर रहा है. हमारा सदैव ये प्रयास रहा है कि उद्योग में एक बेंचमार्क स्थापित किया जाए और उत्पादों, प्रक्रियाओं एवं सेवाओं की सुपुर्दगी में नवोन्मेषिता/अद्यतनीकरण लाया जाए, जो हमारे ग्राहकों को निर्बाध अनुभव उपलब्ध कराने में अनिवार्य हो. हम ग्राहकों की आवाज़ (वार्षिक सर्वेक्षण एवं वास्तविक समय के निरंतर चलने वाले बॉटम-अप सर्वेक्षण) के माध्यम से ग्राहकों की अपेक्षाओं एवं आवश्यकताओं के बीच के अंतर को समझने और निर्धारित करने, सीएक्स लक्ष्यों को संगठन के लक्ष्यों में अंत:स्थापित करने, 'ग्राहक सर्वप्रथम' संस्कृति का निर्माण करने, ग्राहकों की परिवर्तित समय एवं प्रतिबद्धता के लिए 'वॉव अनुभव प्रदान करने के लिए अनुभवों (उत्पाद-डिज़ाइन सिस्टम एवं प्रक्रियाओं) को पुन: तैयार करने के लिए सक्रियता से प्रयत्नशील है. इस दिशा में की गई कुछ पहलें निम्नानुसार हैं-

- हमारे ग्राहकों की आवाज: ग्राहकों का फीडबैक हमें अपनी सेवाओं को बेहतर बनाने, ग्राहकों की आवश्यकताओं एवं अपेक्षाओं के बीच के अंतर को समझने और पहचानने का अवसर उपलब्ध कराता है. ग्राहकों की संतुष्टि का आकलन करने और उन्हें हमारे साथ बैंकिंग में सहूलियत हो, इस ध्येय से हम एक वार्षिक सर्वेक्षण तथा एक मासिक बॉटम-अप सर्वेक्षण करते हैं. वर्तमान में बैंक की ओर से 2 रिसर्च एजेंसियों के द्वारा सभी एक्सेस चैनलों में एक मासिक ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण किया जा रहा है. बैंक सभी एक्सेस चैनलों में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की सूची में सबसे ऊपर है.
- ग्राहक अनुभव के लक्ष्यों को संगठन के लक्ष्यों में शामिल किया गया है और सीएक्स लक्ष्यों के स्कोर कार्ड हेतु बैंक (उच्च प्रबंधन एवं शाखाओं) के 60% से अधिक के लक्ष्य पूरे हो गए हैं.
- गवर्नेंस: ग्राहकों को प्रभावित करने वाली प्रमुख प्रक्रिया के लिए डेशबोर्ड/ग्राहक केंद्रित मेट्रिक्स - सर्वोच्च 5 प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई हैं.
- सफलता के लिए पुनर्गठन: बैंक जहां एक समान दक्षता एवं विशेषज्ञता जरुरी हो ऐसे विभागों को एकत्र करके निरंतर पुनर्संगठित करने का प्रयास कर रहा है जिससे एफटीई एवं लागत की आदर्शतम स्थिति बने (डिजिटल परिचालनों को सीजीएसएस के परिचालनों में लाना)
- हमारी शाखाओं में प्राथमिक एक्सेस चैनल के सेवा के स्तर का मूल्यांकन करने हेतु मिस्ट्री शॉपिंग/सेवा परीक्षा का नियमित आधार पर आयोजन किया जाता है. यह लेखापरीक्षा ग्राहक से संबंधित सभी पहलुओं को कवर करती है जैसे शाखा का परिवेश, प्रतीक्षा-समय, वरिष्ठ नागरिकों एवं विशेष रुप से सक्षम लोगों को प्राथमिकता, बीसीएसबीआई संहिता का अनुपालन, प्रक्रिया एवं पॉलिसियों के प्रति जागरुकता और अन्य बहुत कुछ प्रत्येक अंचल में (रैन्डम आधार पर चयनित) 20 % शाखाओं के कवरेज का लक्ष्य है. ग्राहक अनुभव, ग्राहक सेवा, क्षेत्रीय/ अंचल अनुपालन विभाग तथा क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्रों की टीम का गठन किया गया है, ताकि शाखाओं को अंतर को भरने हेतु नियमित फीडबैक एवं प्रशिक्षण उपलब्ध कराना सुनिश्चित हो सके.
- शिकायत निवारण: संपूर्ण शिकायत निवारण मशीनरी में आमूल सुधार किया गया है. प्रथम चरण में बैंक के ऑनलाइन शिकायत निवारण पोर्टल एसपीजीआरएस को शिकायतों का एक एकल रिपोजिटरी बनाया गया. एसपीजीआरएस को डीसीआरएस (डेबिट कार्ड संबंधित शिकायतों को संभालने हेतु पोर्टल) के साथ एकीकृत किया गया ताकि आंतरिक नियंत्रण, शिकायतों की मॉनिटरिंग, निवारण, एमआईएस एवं नियामकों को रिपोर्टिंग के लिए बेहतर मेकेनिज़्म उपलब्ध हो सके. सिस्टम को और मजबूत तथा उपयोगकर्ताओं के लिए सरल बनाने के लिए कई सुधार किए गए (जैसे बैक-अप/डीआर एवं सर्वर अपग्रेड, स्वत: समझ में आ सके ऐसे शिकायत- श्रृंखला कूट, परामर्श हेतु विकल्प, शिकायत को संदर्भित करने, संलग्न करने एवं पुन: ऑपन करने, स्वत: उच्च स्तर पर भेजने, प्राथमिकता देने, निवारण के संबंध में ग्राहक का फीडबैक प्राप्त करने, स्वत: प्राप्ति सूचना, अंतरिम एवं क्लोज़ लूपिंग एसएमएस इसके कुछ विकल्प हैं)

ग्राहक अपनी शिकायत का निवारण होने पर 'प्रसन्न/अप्रसन्न' जैसे फीडबैक एसएमएस के माध्यम से भेज सकेंगे (इसमें प्रगति जारी है) यह विकसित निगरानी एवं ट्रेकिंग पहले से ही यह सुनिश्चित करने में मदद कर रहे हैं कि अब 75% से अधिक शिकायतों का निवारण 7 दिनों के भीतर हो जाता है.

- प्रोसेस री-इंजीनियरिंग: केवाईसी एवं खाता खोलने का फॉर्म, चेक बुक, डेबिट कार्ड के साथ वेलकम लेटर सहित वेलकम किट के प्रेषण एवं सुपुर्दगी को स्ट्रीमलाइन किया गया है.
- अलग-अलग सेवाओं के लिए ग्राहकों का विभाजन- दो शहरों में बड़ौदा रेडियन्स की शुरूआत की गयी है तथा आरएम को ऑनबोर्ड किया गया है.
- हमारे सभी संवादों में 'क्लाइंट फर्स्ट' की परंपरा लागू करने के लिए, हमारे बुनियादी मूल्य- सत्यनिष्ठा, साहस, ग्राहक केंद्रीयता, उत्साहपूर्ण स्वामित्व, नवोन्मेषिता एवं उत्कृष्टता की संकल्पना प्रस्तुत की गई है. हमारा अगला कदम यह सुनिश्चित करना है कि ग्राहकों के साथ दैनिक संवादों में 'क्लाइंट फर्स्ट' सुनिश्चित करने के लिए बैंक इन मूल्यों को पूरी तरह आत्मसात करे तथा यह सुनिश्चित करे कि सिस्टम/ प्रोसेस में कोई भी परिवर्तन हो- वह ग्राहक के हित को ध्यान में रखकर किया जाता है.
- हमारे ग्राहकों को सर्वोत्तम सेवा देने के लिए संपर्क केन्द्रों में बढ़ोतरी जारी है. संपर्क केन्द्रों के सेवा प्रदान करने के स्तर में अगस्त, 2017 के 42.94% की तुलना में अप्रैल, 2018 में 93.39% की वृद्धि हुई है और लॉस्ट कॉल 2% से कम है
- 24x7 संपर्क केन्द्र -6- क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध है, जो ग्राहकों के प्रश्नों, शिकायतों एवं इमेर्जेंसी सेवाओं जैसे कि कार्ड ब्लॉक करने और पुनः जारी करने का कार्य संभालता है. यह दो विदेशी ठिकानों- मोरिसस एवं बोत्सवाना के भी फोनकॉल्स संभालता है. संपर्क केन्द्र के पास एक डेडिकेटेड आउटबाउंड सेल्स यूनिट है, जो वाहन ऋण, व्यक्तिगत ऋण और बीमा संबंधी कार्य देखता है. बड़ौदा रेडियन्स के लिए एक डेडिकेटेड एचएनआई नंबर एवं टीम उपलब्ध है. वर्तमान में वीडियो चैट एवं वेब चैट सहित कुछ और पहले की जारी हैं.

ग्राहक सेवा पर निदेशक मण्डल की उप-समिति, ग्राहक सेवा एवं अनुभव तथा इसके अनुपालन पर नीतियां बनाने से संबंधित मुद्दों की निगरानी करती है. बैंक ने ग्राहक सेवाओं पर कार्यपद्धति एवं कार्यनिष्पादन लेखापरीक्षा पर स्थायी समिति का भी गठन किया है, जिसमें दो विशिष्ट व्यक्ति- बैंक के कार्यपालक निदेशक एवं वरिष्ठ अधिकारी शामिल होते हैं. यह समिति ग्राहक सेवा पर भारतीय रिज़र्व बैंक के अनुदेशों के समयोचित एवं प्रभावी अनुपालन की निगरानी करती है और बैंक की मौजूदा कार्यप्रणाली एवं कार्यपद्धति की भी समीक्षा करती है तथा अविरत आधार पर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाती है. शाखा स्तर पर शाखा स्तरीय ग्राहक सेवा समिति का गठन किया गया है.

बैंक, भारतीय बैंकिंग संहिता एवं मानक बोर्ड (बीसीएसबीआई) का सदस्य भी है और इसने ''ग्राहकों के प्रति प्रतिबद्धता संहिता'' एवं सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता'' को भी अपनाया है. बीसीएसबीआई द्वारा पिछले रेटिंग कार्यकलाप के दौरान बैंक को कुल मिलाकर ''Above Average'' की रेटिंग दी गई है.

सतर्कता

बैंक में सतर्कता कार्यकलाप का लक्ष्य व्यवहार्यतः ईमानदारी से लिए गए निर्णयों का समर्थन करना तथा साथ ही साथ यह सुनिश्चित करना है कि कार्यस्थल पर कोई गलत कार्य न हो. संगठन के भीतर मौजूद ऐसी कमियों को, जिसके कारण संभाव्य वित्तीय हानि हो सकती है, पहचान करके दूर करने हेतु सुधारात्मक एवं निवारक उपाय पर जोर दिया जाता है.

बैंक आंतरिक व्यवस्था और प्रक्रियाओं में अनुपालन संबंधी जागरूकता फैलाने के लिए निवारक सतर्कता को महत्व देता है. कर्मचारियों के भीतर आत्मविश्वास बढ़ाने तथा जागरूकता लाने के लिए सतर्कता विभाग द्वारा निवारक सतर्कता पर विभिन्न पहल की गई है. जोखिम धारणा के आधार पर निर्धारित की गई संवेदनशील शाखाओं के लिए निवारक सतर्कता लेखापरीक्षा, की जाती है. कर्मचारियों को सतर्कता न्यूज लेटर, परिपत्रों एवं बैठकों आदि के माध्यम से निवारक सतर्कता के उन पहलुओं के बारे में जागरूक किया जाता है, जिनके नियमों एवं विनियमों का उल्लंघन होने से आपराधिक तत्वों द्वारा धोखाधड़ी के प्रयास किए जा सकते हैं.

सतर्कता से संबंधित मामलों का शीघ्र निपटान सुनिश्चित करने से कर्मचारी की जवाबदेही से संबंधित मामलों में कमी आई है. अन्य पहलों में सीबीएस में बायोमेट्रिक सत्यापन का कार्यान्वयन, अधिकारियों द्वारा संपत्ति से संबंधित विवरणी ऑनलाइन प्रेषित करना तथा बैंक की वेबसाइट पर कार्यपालकों की अचल परिसंपत्तियों की विवरणी रखना शामिल है. बीओबी ई-विजिल नामक एक विशिष्ट पोर्टल बनाया गया है जिसका उद्देश्य ऑनलाइन सतर्कता अनुमोदन प्रदान करना, प्रशासनिक कार्रवाई की स्थिति, शिकायत प्रबंधन प्रणाली इत्यादि को पारदर्शी, निरीक्षणात्मक तथा एमआईएस कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावशाली बनाना है.

सतर्कता मशीनरी सिस्टम प्रणाली एवं प्रक्रियाओं को सशक्त बनाकर कमियों को दूर करके एवं संदेहास्पद विषय को हटाकर निर्णय को थोपने के बजाय निर्णय लेने हेतु सहायक बनकर प्रभावशाली ढंग से अपनी भूमिका निभाती है. वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए यह सहभागी, सक्रिय और निवारक तंत्र प्रदान कर रही है.

वर्ष के दौरान अनुचित विलंब को टालने और संभाव्य नुकसान को रोकने की दृष्टि से, व्हीसल ब्लॉइंग दिशानिर्देशों के तहत् सही समय पर कार्रवाई हो सके इस हेतु पारंपरिक कागज़ आधारित प्रणाली के साथ ही ओनलाइन व्हीसल ब्लॉअर शिकायत प्रणाली को लागू किया गया.

मानव संसाधन

बैंक का यह मत है कि हमारे बैंक के समग्र निष्पादन पर प्रत्यक्ष और महत्वपूर्ण प्रभाव डालने वाला सबसे बड़ा डिफ़रेंशियेटर हमारा मानव संसाधन है. 55,000 से अधिक कर्मचारियों सहित बैंक के पास समृद्ध मानव संसाधन है. बैंक के मा.सं. ने कई पहल की हैं यथा, भारी संख्या में सेवानिवृत्ति के कारण भर्ती और कौशल-ऑनबोर्डिंग, प्रोजेक्ट स्पर्श प्लस के माध्यम से निष्पादन प्रबंधन प्रणाली को सशक्त करना, प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करना, एक व्यापक नेतृत्व विकास कार्यक्रम - ''वी-लीड'' के माध्यम से बैंक में

नेतृत्व विकास आवश्यकताएं, उत्तराधिकार आयोजना एवं कर्मचारी जुड़ाव का संवर्धित स्तर.

बैंक के प्रथम कर्मचारी जुड़ाव सर्वेक्षण ''वॉइस ऑफ बड़ोदियंस'' के दौरान कई सकारात्मक विचारों को विभिन्न कार्य-योजनाओं हेतु विचारार्थ लिया गया है. इसमें बैंक की परिवर्तन यात्रा में उच्च श्रेणी चुनौतियों पर क्षमता निर्माण पहल शामिल है. बैंक का इरादा यह सुनिश्चित करने का है कि सभी स्तरों पर कर्मचारियों का अनुभव और अधिक संवर्धित हो, ताकि काम करने के लिए एक मज़ेदार और खुशहाल जगह बनायी जा सके. इस दिशा में, बैंक ने कर्मचारियों के लिये पहलों की श्रृंखला आरंभ की.

बड़ौदा अनुभूति कार्यक्रम

यह एक कर्मचारी जुड़ाव कार्यक्रम है. समग्र कर्मचारी जुड़ाव को संवर्धित करने के लिये विभिन्न पहल की गई हैं जैसे, 'एम्प्लॉय ऑफ द मंथ' (निर्धारित माह में सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी), स्पॉट रिकॉगनिशन-'वॉव', मोमेंट्स कैप्चर करना, सभी शाखाओं/कार्यालयों में फन ऑवर, कर्मचारियों द्वारा स्थानीय सामुदायिक सेवा/सामाजिक गतिविधियां एवं विभिन्न खेल-कूद, सांस्कृतिक और स्वास्थ्य गतिविधियां.

कार्यक्रम के भाग के रुप में, 6 माह में एक बार बैंक के सभी शाखाओं/कार्यालयों के माध्यम से अनिवार्य सामुदायिक सेवा कार्यक्रम किया जाता है. बैंक एक अच्छे कॉर्पोरेट नागरिक के रुप में अपना दायित्व निभा रहा है, इससे सेवा और देखभाल का भाव पैदा करने के अलावा स्थानीय समुदाय के साथ कर्मचारियों का सोशल कनेक्ट स्थापित करने में सहायता मिलती है.

वर्ष के दौरान, बैंक ने स्थापना दिवस और गणतंत्र दिवस के अवसर पर निम्न सामुदायिक सेवा गतिविधियां की हैं :

- रक्त-दान - 10,000 से अधिक ब्लड यूनिट.
- वृक्षारोपण अभियान - लगभग 35,000 पौधे लगाये गये.
- स्वच्छता अभियान - विभिन्न स्थानों पर 2,100 से अधिक अभियान.
- गरीबों और जरुरतमंदों को सामग्री, विविध मदों का वितरण - 81,000 से अधिक मद.
- अनाथाश्रम / वृद्धाश्रम को सामग्री, विविध मदों का संवितरण - 55,000 से अधिक मद.
- हेल्थ चेक-अप कैम्प आयोजित करना - 8,200 से अधिक लोगों को कवर किया गया

'वी-लीड' - एक व्यापक नेतृत्व विकास कार्यक्रम

बैंक ने भविष्य हेतु नेतृत्व का सशक्त और सतत प्रवाह तैयार करने के उद्देश्य से 'वी-लीड' नामक व्यापक नेतृत्व विकास पहल आरंभ किया है. यह 4 विशिष्ट कार्यक्रमों के माध्यम से है :

- बड़ौदा वरिष्ठ नेतृत्व कार्यक्रम - स्केल VI व VII के अधिकारियों के लिये
- बड़ौदा इमर्जिंग लीडर कार्यक्रम - स्केल V के अधिकारियों के लिये
- बड़ौदा राइज़िंग स्टार कार्यक्रम - स्केल IV के अधिकारियों के लिये
- सयाजीराव गायकवाड़ स्कॉलर कार्यक्रम - स्केल I, II व III के अधिकारियों के लिये

इन 4 कार्यक्रमों के तहत बैंक ने भविष्य में नेतृत्व स्थिति पर नियंत्रण हेतु 2,700 संभावित लीडरों की पहचान की है. बैंक की योजना इस कार्यक्रम का कवरेज विस्तारित करने की है.

बड़ौदा जेम्स (विकास और सशक्तिकरण प्रबंधन प्रणाली)

प्रोजेक्ट 'स्पर्श प्लस' के तहत बैंक ने कर्मचारियों हेतु एक नयी कार्यनिष्पादन प्रबंधन प्रणाली का आरंभ किया है जिसे कि बड़ौदा जेम्स (विकास और सशक्तिकरण प्रबंधन प्रणाली) नाम दिया गया है. संपूर्ण पीएमएस प्रणाली के दृष्टिकोण से निष्पादन को केंद्रबिंदु मूल्यांकन से हटाकर विकास व वृद्धि उन्मुख तंत्र में स्थापित करना है.

बड़ौदा जेम्स एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है एवं प्रत्येक अधिकारी को उसके कार्यनिष्पादन पर सावधिक अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराता है. यह निष्पादन स्कोरबोर्ड के माध्यम से कार्यनिष्पादन विश्लेषण और फीडबैक उपलब्ध कराता है तथा मूल्यांकन प्रक्रिया में व्यक्तिपरकता को न्यूनीकृत करता है. यह समान कोहार्ट (सहगण) में तुलना के माध्यम से कार्यनिष्पादक के विभेदन को सक्षम करता है, अधिकारियों को अपने आउटपुट/परिणाम पर नियंत्रण उपलब्ध कराता है, अधिक पारदर्शिता स्थापित करता है एवं एतद्द्वारा बैंक में कार्यनिष्पादन उन्मुख संस्कृति का निर्माण करता है.

लर्निंग एवं विकास

वैकल्पिक लर्निंग चैनल उपलब्ध कराने और लर्निंग वातावरण तैयार करने हेतु बैंक ने विभिन्न पहल की हैं यथा, मल्टि-फंक्शनल, वन स्टॉप बड़ौदा अकादमी मोबाइल एप्लिकेशन, बड़ौदा रेडियो और ऐसे अन्य उपाय जो कि लर्निंग की आवश्यकता को पूरा करते हैं. बैंक ने निष्पादित कार्य की भूमिका और कर्मचारी के करियर के विभिन्न चरणों की आवश्यकताओं पर संरेखित फोकस और चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिये 'प्रशिक्षण की लाइफ साइकिल संकल्पना स्थापित की है. बड़ौदा नेट अकादमी का ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म 230 से अधिक मॉड्यूल उपलब्ध कराता है एवं वित्तीय वर्ष 2018 के दौरान कर्मचारियों द्वारा 7 लाख से अधिक पाठ्यक्रम पूरे किये गये हैं.

स्वास्थ्य एवं फिटनेस अभियान

बैंक ने खेल-कूद और सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने हेतु तथा कर्मचारियों के मध्य वेलनेस और फिटनेस जागरुकता पैदा करने के लिये देशभर में अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय केंद्रों में कर्मचारियों के लिये खेल-कूद और सांस्कृतिक क्लब का गठन किया. बैंक ने पिछले वर्ष देश के विभिन्न भागों में 6 क्षेत्रों में अंतर-अंचल टूर्नामेंट आयोजित किए जिसमें सभी अंचलों से सक्रिय भागीदारी दिखायी दी.

बैंक ने बैंक का ''वार्षिक खेल-कूद दिवस'' की संकल्पना भी आरंभ की है. सर्वप्रथम यह 25 नवम्बर, 2017 को आयोजित हुई. सभी अंचलों और क्षेत्रों में एक साथ संपूर्ण दिवस के लिये खेल-कूद गतिविधियां आयोजित की गयी. कार्यक्रम में कर्मचारियों के परिवारों से भी सक्रिय भागीदारी देखने को मिली.

नियुक्तियां

बैंक ने सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा को आकर्षित करने हेतु प्रक्रियाओं के विकास पर अपना ध्यान केंद्रित किया है. वर्ष के दौरान, बैंक ने बड़ौदा मणिपाल स्कूल ऑफ बैंकिंग में प्रवेश हेतु चयन प्रक्रिया का पुर्नोत्थान किया है. उभरते हुए

वातावरण में आवश्यक बैंकिंग कौशल को विकसित करने हेतु पाठ्यक्रम अंतर्वस्तु को भी पुनः तैयार किया गया है एवं टेलर-मेड है.

कौशल सेट को संवर्धित करने हेतु एवं बैंक में श्रम-शक्ति आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु बैंक द्वारा लैटरल, संविदात्मक एवं अन्य नियुक्ति चैनलों के माध्यम से विभिन्न कैडरों में 6,257 कर्मचारी ऑनबोर्ड किये गये जिससे दिनांक 31 मार्च, 2018 को कर्मचारियों की कुल संख्या 55,662 हो गयी है.

विविधता पर जोर

बैंक अपने सभी कर्मचारियों हेतु भेदभाव रहित और समान अवसर नीतियों का अनुपालन करता है. यह सभी मामलों में पारदर्शी है यथा, पदोन्नति, कॅरियर-पाथ, स्थानांतरण नीति एवं कर्मचारी लाभ/कल्याण योजनाएं.

कार्यस्थल को और अधिक वैविध्यपूर्ण बनाने के क्रम में बैंक अपने महिला कर्मचारियों की संख्या में लगातार वृद्धि कर रहा है. संपूर्ण स्टाफ में महिलाओं का प्रतिशत बढ़ते हुए वित्तीय वर्ष 2016 में 22% से वित्तीय वर्ष 2017 में 22.70% और वित्तीय वर्ष 2018 में 23% हुआ है. अब बैंक में लिंग विविधता अनुपात (पुरुष-महिला कर्मचारी अनुपात) 3:1 है.

सभी स्तरों पर महिला कर्मचारियों को बनाये रखने हेतु एवं महिलाओं की सहगामी जिम्मेदारियों को मान्यता देने हेतु बैंक ने महिला कर्मचारियों के समर्थन के लिये विभिन्न सुविधाएं स्थापित की हैं यथा, अध्ययन अवकाश, महिला कर्मचारियों हेतु हेल्थ चेक-अप कार्यक्रम और अन्य पहल.

बैंक के बुनियादी मूल्य:

वर्ष के दौरान, नेतृत्व दक्षताओं पर संरेखित बैंक के बुनियादी मूल्य का अनावरण हुआ. विश्वभर से कर्मचारियों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर इन्हें तैयार किया गया. हम इन निर्देशक सिद्धांतों के आधार पर परिचालन करते हैं. बैंक के 6 बुनियादी मूल्य हैं :

- **सत्यनिष्ठा -** हम सभी हितधारकों के साथ वाणी, कार्यों और संव्यवहार में नैतिक और पारदर्शी हैं.
- **ग्राहक केंद्रीयता -** हमारी सभी गतिविधियों का केंद्र हमारे ग्राहकों का हित है.
- **साहस -** हम विपरित परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखते हैं और अपने मूल्यों पर विश्वास करते हैं.
- **उत्साहपूर्ण स्वामित्व -** हम बैंक के प्रति ऊर्जा, उत्साह और अपनत्व का भाव रखते हैं तथा एक साथ मिलकर बैंक के लिये कार्य करते हैं.
- **नवोन्मेषिता -** हम नवीन विचारों से मूल्यसंवर्धन करते हैं.
- **उत्कृष्टता -** हम अपनी नीतियों, प्रणालियों और प्रक्रियाओं में लगातार सुधार करने का प्रयत्न करते हैं.

बैंक ने संगठन में इन बुनियादी मूल्यों को स्थापित करने के लिये आवश्यक कदम उठाये हैं.

राजभाषा (रा.भा.) नीति का कार्यान्वयन

वित्तीय वर्ष 18 के दौरान, बैंक ने भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में अनुकरणीय प्रगति की है. संघ सरकार की राजभाषा नीति के तहत विभिन्न सांविधिक आवश्यकताओं और भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन के अलावा हमारे बैंक ने कारोबार विकास हेतु और ग्राहकों के साथ जुड़ाव स्थापित करने हेतु एक माध्यम के रुप में हिंदी को प्रोत्साहित किया है.

वर्ष के दौरान बैंक को भाषाई क्षेत्र ''ख'' के तहत राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया है. इसी प्रकार हमारे अंचल कार्यालय, जयपुर; क्षेत्रीय कार्यालय, वाराणसी और प्रधान कार्यालय, बड़ौदा को भी संबंधित भाषाई क्षेत्रों में पुरस्कार प्राप्त हुए हैं. भारत के राष्ट्रपति महामहिम श्री रामनाथ कोविंद ने हिंदी दिवस 2017 के अवसर पर पुरस्कार वितरित किये.

हमारे बैंक के जयपुर, वाराणसी, नई दिल्ली, गोवा, गुवाहाटी, लखनऊ, मंझनपुर(उ.प्र.) एवं पटना कार्यालय को भी बेहतरीन कार्य हेतु उनके क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालयों के माध्यम से भारत सरकार से पुरस्कार प्राप्त हुए हैं. देश के 64 विश्वविद्यालयों में हिंदी को प्रचारित करने हेतु अनूठी योजना ''मेधावी विद्यार्थी सम्मान योजना'' बैंक द्वारा जारी है .

घरेलू अनुषंगियां और संयुक्त उद्यम

बॉब फायनेंसियल लि. (बीएफएसएल)

(पूर्ववर्ती बॉबकार्ड्स लि.)

इस अनुषंगी का नाम इसकी नयी व्यवसायिक भूमिका को प्रतिबिम्बित करते हुए बदला गया था. समय के साथ पेमेंट कार्ड इंडस्ट्री में प्राप्त विशेषज्ञता के आधार पर भारत में कार्डों और डिजिटल भुगतानों के प्रयोग हेतु अवसरों को बढ़ाने के लिए बीएफएसएल बढ़ते हुए बाजार में ग्राहक क्रेडिट एवं पेमेंट सिस्टम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है. मौजूदा कारोबार में बदलाव करने के साथ-साथ कंपनी नया कारोबार शुरू करने की प्रक्रिया में भी है. इसका उद्देश्य क्रेडिट कार्ड तथा पर्सनल ऋण कारोबार हेतु कंज्यूमर फायनैंस कंपनी बनाने का है. वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा अपनी संवृद्धि के लिए विभिन्न पहलें की गई. इसने कार्डों की 5x रेंज, ट्रांजेक्शनों पर ईएमआई, ऑनलाइन एप्लीकेशन प्रोसेसिंग एवं जोखिम अंकन की शुरुआत की है. पीओएस संबंधित शिकायतों को सुनने के लिए इसने एक समर्पित कॉल सेन्टर स्थापित किया है. अपेक्षित व्यावसायिक वृद्धि के लक्ष्य को हासिल कर सुदृढ़ अवस्था में पहुंचने के लिए बीएफएसएल ने तकनीकी तथा इंफ्रास्ट्रक्चर का उन्नयन किया है, संगठन के जनबल को सुदृढ़ किया है, स्केलेबल एवं कम लागत वाले परिचालन मॉडल को अपनाया है, ग्राहकों को सर्वोत्कृष्ट अनुभव प्रदान कर रही है और अपनी आंतरिक प्रक्रियाओं को मजबूत बनाया है.

बॉब कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड (बीओबीसीएपीएस)

बीओबीसीएपीएस ने अपनी नवीनतम ब्रांडिंग के बाद अपने व्यवसाय को पुनर्नियोजित किया तथा व्यवसाय की तीन पंक्तियों पर ध्यान केंद्रित किया यथा (ए) निवेश बैंकिंग - ऋण और इक्विटी (बी) संस्थागत ब्रोकिंग और (सी) धन संपदा प्रबंधन और ऑनलाइन खुदरा ब्रोकिंग. कंपनी के पास पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज (पीएमएस) के लिए लायसेंस भी है. वित्तीय वर्ष 2018 के दौरान कंपनी ने बैंक के सशक्तिकरण का लाभ उठाने तथा व्यापार के क्षेत्र में बीओबीसीएपीएस को अग्रणी और सम्मानित प्लेयर के रुप में स्थापित करने में सक्षम बनाने के लिए सभी व्यापारों में अपनी टीमों को सफलतापूर्वक

सशक्त किया है और साथ ही ब्रांडेड और आधारभूत संरचना को मजबूत किया है. कंपनी ने हाल ही में सम्पन्न क्यूआईपी में बूक रनिंग लीड मैनेजर (बीआरएमएल) के रुप में कार्य किया है और ऋण, इक्विटि और एम एंड ए निवेश बैंकिंग में एक अच्छी पाइपलाइन बनाई है. ब्रोकिंग में कंपनी के उन्नत उत्पादों और सेवाओं के परिणामस्वरुप संस्थागत और खुदरा ग्राहकों और व्यापार में वृद्धि हुई है.

नैनीताल बैंक लिमिटेड

स्वर्गीय भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत और अन्यों के द्वारा संवर्धित नैनीताल बैंक लिमिटेड वर्ष 1973 में बैंक ऑफ़ बड़ौदा का सहायक बैंक बन गया. आज नैनीताल बैंक लिमिटेड में बैंक ऑफ़ बड़ौदा का शेयर 98.57% है. 31 मार्च, 2017 को बैंक का कुल व्यवसाय ₹10,132.7 करोड़ था जो 31 मार्च, 2018 को ₹10,772.1 करोड़ हो गया. 31 मार्च, 2017 को सकल एनपीए 164.3 था जो 31 मार्च, 2018 को बढ़कर ₹167.5 करोड़ हो गया. बैंक का निवल लाभ पिछले वर्ष के दौरान ₹ 48.5 करोड़ की तुलना में वित्तीय वर्ष 2018 में ₹ 48.9 करोड़ था. बैंक ने 3 नई शाखाएं खोली हैं और विभिन्न स्थानों पर नैनी ऋण प्वाइंट (एनएलपी) नाम से 5 ऋण प्रोसेसिंग इकाइयां स्थापित की हैं. बैंक ने 11 व्हाइट लेबल एटीएम भी स्थापित किए हैं जिसके पश्चात कुल 24 एटीएम हो गए हैं तथा ग्राहकों के बीच 772 पीओएस मशीने वितरित किए हैं. वर्ष के दौरान एसोचैम द्वारा बैंक को सर्वश्रेष्ठ एमएसएमई बैंक (निजी क्षेत्र) के रुप में सम्मानित किया गया है.

बड़ौदा ग्लोबल शेयर्ड सर्विसेज लिमिटेड (बीजीएसएस)

वित्त वर्ष 2017 में स्थापना के बाद बीजीएसएस ने इस वर्ष में परिचालन आरंभ किया. यह अनुषंगी बैंक को अत्याधुनिक शेयर्ड सर्विस सेंटर गिफ्ट सिटी, गांधीनगर, गुजरात में प्रक्रियाओं को डिजिटल रूप में केन्द्रीकृत करने में मदद कर रही है.

इसके पास वर्तमान में 600 से अधिक नॉन वॉइस (लेनदेन प्रसंस्करण) तथा 750 से अधिक एफईटी वॉइस (कॉल सेंटर) है तथा वर्ष के अंत तक इसे बढ़ने की उम्मीद हैं. गिफ्ट सिटी में व्यापार और विदेशी मुद्रा संचालन के केंद्रीकरण, खाता खोलने (देयताओं), खुदरा ऋण प्रोसेसिंग में उल्लेखनीय प्रगति देखी गई है. इसका उद्देश्य यह हैं कि केन्द्रीकृत हब के अनुरुप (5400+) शाखाओं की मैपिंग की जाए ताकि ग्राहकों को 24x7 सेवाएं दी जा सके.

मानक कार्यनीति प्रक्रिया (एसओपी) तथा जोखिम और नियंत्रण स्व-मूल्यांकन (आरसीएसए) के अनुपालन स्वरूप एसएसी में एक सुदृढ़ गवर्नेंस फ्रेमवर्क स्थापित किया गया है ताकि एक ही छत के नीचे दक्षता में सुधार लाया जा सके और आंतरिक नियंत्रण एवं अनुपालन व्यवस्था को मजबूत बनाया जा सके.

बड़ौदा सन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड

बैंक ने वर्ष के दौरान पूर्ण स्वामित्व वाली आईटी अनुषंगी कंपनी स्थापित की. बैंक नए उभरते ट्रेंड्स को पहचानने एवं तकनीक विशिष्टीकरण उपलब्ध कराने हेतु आईटी सेंटर ऑफ एक्सेलेन्स (आईटीसीओई) स्थापित कर रहा है. आईटीसीओई डिजाइन विचार कौशल, प्रक्रिया डिजाइन, वास्तुकला कौशल तथा वर्तमान एवं भविष्य तकनीकी में कोर विकास क्षमता तथा व्यावसायिक परिणामों को साकार करने हेतु प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए व्यवसाय की मदद करने का कार्य करेगा.

इंडिया फ़र्स्ट लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड

इंडिया फ़र्स्ट लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड आंध्रा बैंक तथा लीगल एंड जनरल ग्रुप के साथ संयुक्त उद्यम है. इसने 16 नवंबर 2009 को व्यापारिक संचालन शुरू किया. यह 5 वर्षों के परिचालन में सबसे तेज़ी से लाभार्जन करने वाली लाइफ इंश्योरेंस कंपनी है. इसका वर्तमान में 31 मार्च, 2018 को ₹12,622 करोड़ एयूएम (प्रबंधन के तहत संपत्ति) के साथ व्यक्तिगत न्यू बिज़नेस (एपीई) के साथ निजी प्लेयर की रैंकिंग में 14वां स्थान है.

कंपनी को बैंकाश्युरेंस मॉडल को सफलतापूर्वक कार्यान्वित करने के लिए 2017 में बड़ी कंपनी श्रेणी में नेशनल अवार्ड्स ''बैंकाश्युरेंस लीडर ऑफ द ईयर'' पुरस्कार से सम्मानित किया गया था.

अपनी वैश्विक कार्यनीति के क्रम में लीगल एंड जनरल ने संयुक्त उद्यम में अपनी हिस्सेदारी का विनिवेश करने की योजना बनाई है. यह अभी प्रक्रियाधीन हैं.

इंडिया इंफ्राडेब्ट लिमिटेड (इंफ्राडेब्ट)

इंफ्राडेब्ट बैंक ऑफ बड़ौदा, आईसीआईसीआई बैंक, सिटीकॉर्प फाइनेंस (इंडिया) लिमिटेड और भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा शेयरधारकों के रुप में प्रायोजित है और पहला इन्फ्रास्ट्रक्चर डेब्ट फ़ंड (आईडीएफ)-एनबीएफसी है. इस कंपनी का मुख्य कार्य ऐसी आधारभूत संरचना परियोजना को पुनः वित्त देना है जिन्होंने एक वर्ष का वाणिज्यिक परिचालन पूरा किया है. बैंक के साथ इसकी सहभागिता आधारभूत संरचना परियोजनाओं के साथ सड़क एवं नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों को उधार देने पर केन्द्रित है. इंफ्राडेब्ट के पास क्रिसिल और आईसीआरए से एएए रेटिंग है तथा इसे 100% आयकर छूट का लाभ मिलता है. कंपनी ने पिछले 4 वर्षों के संचालन में सशक्त वृद्धि प्रदान की है. इसकी ऋण बही 31 मार्च, 2018 को ₹7,718.6 करोड़ तथा वित्तीय वर्ष 2018 में निवल लाभ ₹132.5 करोड़ था.

बड़ौदा पायोनियर एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड

यह बैंक तथा बड़ौदा पायोनियर एसेट मैनेजमेंट एसपीए का संयुक्त उद्यम है और यह अपने परिचालन के 8वें वर्ष में है. इस उद्यम का 31 मार्च, 2018 को प्रबंधन के तहत औसत संपत्ति (एयूएम) ₹11,502 करोड़ था और जिसने 10% की वार्षिक वृद्धि दर्ज की. यह कंपनी अपनी खुदरा आस्तियों के सृजन पर लगातार केन्द्रित है. यह कंपनी तीसरे पक्ष का वितरण करती है और इसे वर्ष के दौरान स्वतंत्र वित्तीय सलाहकार (आईएफ़ए) चैनल के साथ अच्छी सफलता मिली है.

वर्ष के दौरान, बैंक ने यूनिक्रेडिट एसपीए (बड़ौदा पायोनियर एसेट मैनेजमेंट एसपीए की मूल कंपनी) के साथ नियामक अनुमोदन के शर्तों के अधीन कंपनी में 51% हिस्सेदारी खरीदने के लिए एक समझौता किया है. लेनदेन पूरा हो जाने के बाद बैंक कंपनी के 100% परिसंपत्तियों का स्वामी होगा.

घरेलू अनुषंगियों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों का संक्षिप्त ब्यौरा निम्नानुसार है:

(₹ लाख में)

इकाई (पंजीकरण की तारीख के साथ)	स्वाधिकृत निधियां	कुल आस्तियां	शुद्ध लाभ	कार्यालय	स्टाफ
बॉब कैपिटल मार्केट लि. (11.03.1996)	15,670	16,133	(226)	1	109
बॉबकार्ड्स लि. (29.09.1994)	23,409	39,874	1,541	40	151
बड़ौदा पायोनियर एसेट मैनेजमेंट कंपनी लि. (05.11.1992)	5,926	7,207	317	3	74
बड़ौदा पायोनियर ट्रस्टी कंपनी प्राइवेट लि. (23.12.2011)	9	15	1	1	0
इंडिया फर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लि. (05.11.2009)	60,215	13,09,838	5,121	29	1,533
दी नैनीताल बैंक लि. (31.07.1922)	60,179	8,114	4,889	147	967
इंडिया इन्फ्राडेट लि. (31.10.2012)	93,060	8,31,669	13,248	1	21
बॉब शेयर्ड सर्विसेस लिमिटेड (15.03.2017)	1054	1084	58	2	158

पुरस्कार और सम्मान

दिनांक	पुरस्कार
28.02.2018	पेंशन फंड रेग्युलेटरी एंड डेवलपमेंट ऑथोरिटी (पीएफआरडीए), भारत सरकार द्वारा बैंक को अटल पेंशन योजना के अंतर्गत ''मेकर्स ऑफ एक्सिलेंस अवॉर्ड'' प्राप्त हुआ.
03.02.2018	बैंकिंग फ्रंटियर्स द्वारा वित्तीय समावेशन हेतु फिनोविटी 2018 एवार्ड पुरस्कार
17.02.2018	बैंक ऑफ़ बड़ौदा को एसोचैम सोशल बैंकिंग उत्कृष्टता एवार्ड 2017 में बड़े वर्ग बैंक श्रेणी के अतंर्गत ''कृषि बैंकिंग'' में विजेता घोषित किया गया.
17.01.2018	बैंक ऑफ़ बड़ौदा को जॉब पोर्टल साइट नौकरी.कॉम एवं ब्रिटिश स्टैंडर्ड इंस्टिट्यूट (बीएसआई) के साथ साझेदारी में पिपुल कैपिटल इंडेक्स (पीसीआई) पर भारत में शीर्ष 50 कंपनियों में स्थान दिया गया है.
22.12.2017	बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने 57वें एसोसियेशन ऑफ़ बिज़नेस कॉम्यूनिकेटर्स ऑफ़ इंडिया (एबीसीआई) एवार्ड में 4 पुरस्कार जीते यथा वॉलपेपर, वेब संप्रेषण, विशेषताएं (भाषा), टेबल कैलेंडर 2017.
22.11.2017	एशियन बिज़नेस लीडरशीप फोरम ने हमारे प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी को बिज़नेस इन्नोवेटर एवार्ड-2017 से सम्मानित किया. http://www.ablfseries.com/
13.10.2017	बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने पेंशन फंड रेग्युलेटरी एंड डेवलपमेंट ऑथोरिटी (पीएफआरडीए), भारत सरकार द्वारा अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के तहत निम्न छह पुरस्कार जीते हैं: • प्रथम- वित्तीय वर्ष 2017 में एपीवाई खाते खोलने में शीर्ष कार्य-निष्पादक बैंक • द्वितीय-वित्तीय वर्ष 2017 में एपीवाई खोलने में शीर्ष कार्य-निष्पादक बैंक • प्रथम-एपीवाई परिवर्तनीय अग्रणी • प्रथम-एपीवाई एसएलबीसी अग्रणी (उत्तर प्रदेश) • प्रथम- एपीवाई स्थापना दिवस विजेता • प्रथम- एपीवाई ब्रांड एम्बेस्डर

दिनांक	पुरस्कार
14.09.2017	राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में बैंक ने 5 वर्गों में पुरस्कार अर्जित किये हैं: • राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में विशिष्ट उपलब्धियों हेतु वर्ष 2016-17 के लिए भारत सरकार के राजभाषा कीर्ति पुरस्कार के तहत सभी राष्ट्रीयकृत बैंकों के मध्य 'ख' भाषिक क्षेत्र के लिए प्रथम पुरस्कार • भाषाई क्षेत्र 'क' में प्रथम व द्वितीय पुरस्कार - नराकास श्रेणी • भाषाई क्षेत्र 'ख' में द्वितीय पुरस्कार - नराकास श्रेणी • राजभाषा गौरव पुरस्कार
26.04.2017	बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने सोशल मीडिया पर इंडियन नॉलेज रिपोजिटरी वेबसाइट सोशल समोसा द्वारा वर्ष 2017 के लिए बैंक वर्ग के तहत सर्वश्रेष्ठ सोशल मीडिया ब्रांड हेतु रजत पुरस्कार जीता.

लाभांश वितरण नीति

जैसा कि सेबी (सूचीकरण बाध्यता एवं प्रकटीकरण अनिवार्यता), 2015 के विनियम 43ए के अंतर्गत आवश्यक है, बैंक के पास लाभांश वितरण नीति है, जो उन मानदंडों एवं परिस्थितियों को तय करती है, जिसका निदेशक मंडल द्वारा शेयरधारकों को लाभांश के वितरण का निर्धारण करते समय ध्यान रखा जाता है. यह नीति इस वार्षिक रिपोर्ट में दी गई है तथा बैंक की वेबसाइट www.bankofbaroda.com/download/Dividend.pdfपर भी उपलब्ध है.

निदेशक मंडल (वर्ष के दौरान निदेशकोंकी नियुक्ति/विराम)

नियुक्तियां

श्री लोक रंजन बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण एवं अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 9(3) (बी) के तहत केंद्र सरकार के द्वारा दिनांक 26 अगस्त, 2017 से आगामी आदेश तक निदेशक के रुप में नामांकित हुए थे.

श्रीमती सौंदरा कुमार बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण एवं अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 9(3) (i) के तहत शेयरधारक निदेशक के रुप में दिनांक 24 दिसंबर, 2017 से 23 दिसंबर 2020 तक 3 वर्षों के लिए चयनित हुई.

श्री भरतकुमार डी. डांगर को बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण एवं अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 9(3) (i) के तहत शेयरधारक निदेशक के रुप में दिनांक 24 दिसंबर, 2017 से 23 दिसंबर, 2020 तक 3 वर्षों के लिए चयनित हुए थे.

कार्यकाल समाप्ति

मोहम्मद मुस्तफ़ा, निदेशक की जगह श्री लोक रंजन की नियुक्ति हो जाने के फलस्वरुप 26 अगस्त 2017 से सरकार द्वारा नामित निदेशक नहीं रहे.

श्री प्रेम कुमार मक्कड़, निदेशक जो 19 सितंबर, 2017 से गैर कार्मिक निदेशक थे, निदेशक पद पर 3 वर्ष पूरा करने के पश्चात निदेशक नहीं रहे.

डॉ. आर. नारायणस्वामी, निदेशक जो 19 सितंबर, 2017 से शेयरधारक निदेशक थे, अपने 3 वर्षों का कार्यकाल पूरा करने के पश्चात निदेशक नहीं रहे.

बोर्ड का मूल्यांकन

वित्तीय वर्ष 2017 में बैंक ने बोर्ड, इनकी समितियों तथा व्यक्तिगत निदेशकों के कार्य-निष्पादन का स्वतंत्र मूल्यांकन करने के लिए एक प्रसिद्ध बाह्य सलाहकार फर्म को नियुक्त किया. वित्तीय वर्ष 2018 में उसी सलाहकार फर्म के द्वारा स्वतंत्र रुप से प्रशासनिक प्रश्नावली के द्वारा व्यापक मूल्यांकन किया गया. सभी निदेशकों के द्वारा प्रश्नावली को पूरा किया गया. बोर्ड के कार्य-निष्पादन का मूल्यांकन करने के लिए प्रश्नावली में विविध विषयों को शामिल किया गया. ये निम्नलिखित हैं-

- संरचना एवं प्रभावशीलता
- गवर्नेंस
- प्रबंधन समिति के साथ संबंध
- निरंतर सुधार

बोर्ड के सदस्यों से प्राप्त प्रत्युत्तर को समेकित किया गया तथा सलाहकार समिति के द्वारा निदेशक मंडल के सभी निदेशकों को रिपोर्ट प्रस्तुत की गई. निदेशकों ने रिपार्ट पर चर्चा की तथा बोर्ड को प्रभावशाली बनाने के लिए आगे किए जाने वाले सुधारों की कार्यनीति पर सहमति व्यक्त की.

कार्पोरेट गवर्नेंस पर लेखापरीक्षकों का अनुपालन प्रमाणपत्र

सेबी (सूचीकरण बाध्यता एवं प्रकटीकरण अनिवार्यता) विनियमन, 2015 की अनुसूची V के भाग 'ई' के अनुसरण में इस रिपोर्ट के साथ वर्ष 2015-16 के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस की शर्तों के अनुपालन के संबंध में लेखापरीक्षकों का अनुपालन प्रमाणपत्र संलग्न है.

व्यवसाय दायित्व संबंधी रिपोर्ट

सेबी द्वारा आवश्यक, व्यवसायकि दायित्व रिपोर्ट बैंक की वेबसाइट (www.bankofbaroda.co.in) पर उपलब्ध है. यदि कोई सदस्य उसकी भौतिक प्रति चाहते हैं तो वे बैंक के कंपनी सचिव को लिख सकते हैं.

निदेशकों का दायित्व संबंधी अभिकथन

निदेशक गण, इस आशय की पुष्टि करते हैं कि 31 मार्च, 2018 को समाप्त वित्तीय वर्ष हेतु वार्षिक लेखों को तैयार करते समय:

ए) सामग्री विसंगतियां, यदि कोई हो, से संबंधित समुचित स्पष्टीकरण सहित लागू लेखा मानकों का पूर्णतः पालन किया गया है;

बी) भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशानुसार तैयार की गई लेखा नीतियों का पालन किया गया तथा निदेशकों ने ऐसी लेखा नीतियों का चयन किया और उन्हें विवेकपूर्ण, तर्कसंगत एवं न्यायोचित बनाया गया ताकि वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर बैंक की सत्य एवं वास्तविक स्थिति तथा उस अवधि हेतु बैंक के लाभ और हानि की वास्तविक एवं सुस्पष्ट स्थिति प्रस्तुत हो सके;

सी) निदेशकों ने, बैंक की आस्तियों की सुरक्षा और विभिन्न प्रकार की जालसाजी तथा अन्य अनियमितताओं से बचने तथा उनका पता लगाने हेतु बैंक के लागू वैधानिक प्रावधानों के अनुरुप लेखा-अभिलेखों के रखरखाव में समुचित एवं पर्याप्त सावधानी बरती है;

डी) निदेशकों ने, लेखों को उत्तरोत्तर प्रगति के आधार पर तैयार किया है; और

ई) निदेशकों द्वारा यह सुनिश्चित किया गया कि बैंक द्वारा अपनायी जा रही आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का अनुसरण इस संबंध में भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा दिशा-निर्देशों के अनुसार किया गया एवं इस प्रकार का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर्याप्त एवं प्रभावी ढंग से परिचालित हो रहा है.

स्पष्टीकरण. इस खंड के उद्देश्यों के अनुरुप, टर्म ''आंतरिक वित्तीय नियंत्रण" का अर्थ बैंक द्वारा अपने व्यवसाय का व्यवस्थित एवं कुशल संचालन सुनिश्चित करने के लिए अपनायी गई नीतियों और प्रक्रियाओं से है, इसमें बैंक की नीतियों का अनुपालन, इसकी आस्तियों को सुरक्षित रखना, धोखाधड़ी और त्रुटियों का पता लगाना तथा उन्हें रोकना, लेखा रिकार्डों की शुद्धता और संपूर्णता तथा समय पर विश्वसनीय वित्तीय सूचना तैयार करना शामिल है;

एफ़) निदेशकों ने सभी लागू कानूनों के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु उचित प्रणालियां बनाई थी और ऐसी प्रणालियां पर्याप्त थीं तथा प्रभावी ढंग से परिचालित हो रही हैं.

आभार

निदेशकगण, जिनकी अवधि समाप्त हुई है उन निदेशकों अर्थात मोहम्मद मुस्तफा, श्री प्रेम कुमार मक्कड़ तथा श्री आर नारायणस्वामी द्वारा किए गए योगदान हेतु उनके प्रति आभार व्यक्त करते हैं.

निदेशकगण, भारत सरकार, भारतीय रिज़र्व बैंक, भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड, अन्य विनियामक प्राधिकारियों, तथा विदेशी विनियामकों द्वारा निरंतर सहयोग, मार्गदर्शन एवं समर्थन के लिए उनके प्रति आभार प्रकट करते हैं.

बैंक इस अवसर पर अपने मूल्यवान ग्राहकों को उनके निरंतर संरक्षण एवं समर्थन हेतु हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करता है.

निदेशकगण, बैंक के देश-विदेश स्थित समस्त शेयरधारकों, बैंक तथा वित्तीय संस्थानों, रेटिंग एजेंसियों, स्टॉक एक्सचेंज एवं शुभचिंतकों के द्वारा प्रदत्त सहायता एवं सहयोग की सराहना करते हैं.

निदेशकगण, हमारे बैंक के कर्मचारियों की कड़ी मेहनत एवं समर्पण की सराहना करते हैं जिसके कारण बैंक को आर्थिक चुनौतियों के बावजूद वर्ष दर वर्ष उच्च गुणवत्तापूर्ण व्यवसाय अर्जित करने में सफलता प्राप्त हुई और बैंक ने देश के अग्रणी बैंक के रुप में अपनी स्थिति को मजबूत किया.

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से,

पी. एस. जयकुमार

पी. एस. जयकुमार
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

निदेशकों की रिपोर्ट
Directors' Report

Your Directors have pleasure in presenting the One Hundred and tenth Annual Report of your Bank with the audited Balance Sheet, Profit & Loss Account and the Report on Business and operations for the year ended March 31, 2018 (FY 2018).

Financial Performance

A snapshot of our Bank's financial performance is as below:

(₹ in crore)

Particulars	31.03.17	31.03.18	Growth (%)
Deposits	**6,01,675.2**	**5,91,314.8**	**(1.7)**
of which- Domestic Deposits	4,40,092.2	4,66,973.8	6.1
International Deposits	1,61,583.0	1,24,341.0	(23.1)
Domestic Deposits	**4,40,092.2**	**4,66,973.8**	**6.1**
of which - Current Account Deposits	26,761.8	31,193.1	16.6
Savings Bank Deposits	1,46,831.9	1,61,130.0	9.7
CASA Deposits	1,73,593.6	1,92,323.1	10.8
Domestic CASA to Domestic Deposits (%)	**39.44**	**41.18**	
Advances	**3,83,259.2**	**4,27,431.8**	**11.5**
of which- Domestic Advances	2,77,523.7	3,24,238.5	16.8
International Advances	1,05,735.5	1,03,193.3	(2.4)
Total Assets	**6,94,875.4**	**7,19,999.8**	**3.6**
Net Interest Income (NII)	**13,513.4**	**15,521.8**	**14.9**
Other Income	**6,758.1**	**6,657.2**	**(1.5)**
of which-Fee Income	2,837.4	3,249.7	14.5
Forex Income	975.9	909.2	(6.8)
Trading Gains	2,618.0	1,877.6	(28.3)
Recovery from PWO	326.8	620.7	90.0
NII + Other Income	**20,271.5**	**22,179.0**	**9.4**
Operating Expenses	**9,296.4**	**10,173.4**	**9.4**
Operating Profit	**10,975.1**	**12,005.6**	**9.4**
Provisions	**8,502.4**	**14,796.4**	**74.0**
of which: Provisions for NPAs & Bad debts written off	7,679.8	14,211.7	85.1
Profit Before Tax	**2,472.7**	**(2,790.7)**	**-**
Provision for Tax	**1,089.6**	**(358.9)**	**-**
Net Profit	**1,383.1**	**(2,431.8)**	**-**
Appropriations/ Transfers			
Statutory Reserve	345.8	0	
Capital Reserve	353.7	0	

Particulars	31.03.17	31.03.18	Growth (%)
Revenue and Other Reserves			
I) General Reserve	0	(2,431.8)	
II) Special Reserve u/s 36 (I) (viii) of the Income Tax Act 1961	350.9	0	
Proposed Dividend	332.8	0	

(₹ in crore)

Key Performance Indicators	31.03.17	31.03.18
Average Cost of Funds (%)	4.82	4.56
Average Yield (%)	6.85	6.84
Average Interest Earning Assets	6,15,834.7	6,37,987.0
Average Interest Bearing Liabilities	5,95,250.0	6,16,243.9
Net Interest Margin (%)	2.19	2.43
Cost-Income Ratio (%)	45.86	45.87
Return on Average Assets (ROAA) (%)	0.20	(0.34)
Return on Equity (%)	4.53	(7.64)
Book Value per Share (₹)	132.46	120.28
EPS (₹)	6.00	(10.53)

The financial year FY 2018 had been an eventful year. The credit growth in the banking sector picked up during second half of the financial year. However, on account of base effect and currency withdrawal in the beginning of the year, the deposit growth during the year touched a multi decade low. With the Insolvency and Bankruptcy Code (IBC) becoming operational and RBI mandating resolution of large part of NPAs of banking system to be resolved at NCLT, it provided a momentum to the resolution process. During the last quarter of the financial year, the RBI aligned its guidelines on resolution of stressed assets with IBC repealing its earlier guidelines on resolution of such assets. It front ended the recognition of NPAs in the system and impacted the profitability of banks in the short run. In the above environment, Bank performed well with improvement in core operating efficiency.

The net interest income (NII) of the Bank increased by 14.9% during the year. The other income marginally declined by 1.5% on account of lower treasury gains due to hardening of bond yields in the second part of the financial year. However, core fee income increased by 14.5%. Recovery

from technically written off accounts increased by 90%. The operating expenses registered increase of 9.4%.

The Bank posted an operating profit of ₹ 12,006 crore registering an increase of 9.4%. Total provisions increased by 74% and higher GNPA pool led to increase in provisions for NPAs by 85%, leading to Bank posting loss of ₹ 2,431.8 crore. On account of this, there was no amount transferred to statutory and capital reserves and the loss amount was appropriated from general reserve.

Reflecting on the improved operating performance, the net interest margin (NIM) improved from 2.19% to 2.43%. This was led by reduction in the average cost of funds to 4.56% from 4.82% and almost flat average yield on funds. The cost to income ratio remained steady at 45.87%.

Capital Adequacy Ratio (CAR) in %

	31.03.17	31.03.18
Capital Adequacy Ratio – Basel III	12.24	12.13
CET-I	8.98	9.23
Tier – I	9.93	10.46
Tier – II	2.31	1.67

The capital adequacy ratio of the Bank at 12.13% continues to be above regulatory requirements as of March 31, 2018. The Tier 1 capital was 10.46% and Common Equity Tier 1 (CET-1) was 9.23%. The consolidated group capital adequacy ratio was higher at 12.87%.

During the year, Bank made preferential allotment of 34,13,56,534 shares of ₹ 2 at a price of ₹ 157.46 per share amounting to ₹ 5,375 crore to Government of India. Accordingly paid up equity share capital of the Bank increased by ₹ 68.27 crore. Bank also raised ₹ 1,350 crore through issuance of Additional Tier-1 bonds.

Bank's net worth as of March 31, 2018 was ₹ 31,820.2 crore comprising of paid-up equity capital of ₹ 530.36 crore and reserves of ₹ 31,289.9 crore (excluding revaluation reserves, foreign currency translation reserves and other intangible assets). The book value of the share (FV ₹ 2/-) was ₹ 120.28.

Dividend

Bank is not eligible to pay dividend for the financial year 2017-18 on account of not meeting the eligibility criteria stipulated by Reserve Bank of India for this purpose.

Management Discussion and Analysis

Global Economy

Global economy grew at the fastest pace since 2011 at 3.8% in CY 2017, up from 3.3% registered in CY 2016. Advanced economies (AEs) are benefitting from a cyclical recovery and decline in unemployment which is resulting in higher consumption. At the same time, lower interest rates are boosting investment, particularly in housing. In CY 2017, Advanced Economies (AEs) are estimated to have grown by 2.3%, compared to 1.6% in CY 2016. Asian economies are also showing higher growth as a result of export recovery as well as higher domestic consumption. Emerging Market and Developing Economies (EMDEs) registered a robust growth of 4.8% in CY 2017 compared with 3.7% in CY 2016 largely driven by India (6.7%) and China (6.9%).

The most notable change in the global economy last year was uptick seen in global commodity prices which increased by 6.8% in CY 2017 vs (-) 1.2% in CY 2016 and (-) 14.1% in CY 2015. As a result commodity exporting countries such as Brazil, Russia and OPEC are seeing improvement in external account and fiscal position which will bolster their economic growth.

However, with higher global commodity prices inflation will also rise. In AEs inflation increased to 1.7% in 2017 from 0.8% in 2016. As unemployment levels fall further, inflation is likely to gather more momentum thus resulting in withdrawal of accommodative monetary policies by AE central banks. Global yields will be higher in 2018 and beyond.

In addition, fiscal stimulus announced by the U.S. will also boost global growth. The cyclical upturn is likely to lead to global growth rising to 3.9% in CY 2018 and CY 2019. According to World Economic Outlook released by IMF in Apr'18, AEs are projected to grow at 2.5% in CY 2018 before slowing down to 2.2% in CY 2019, while EMDEs will grow at 4.9% in CY 2018 and further at 5.1% in CY 2019. Within emerging markets, India will lead the way, followed by China, ASEAN-5, and Sub-Saharan Africa.

Indian Economy

Indian economy witnessed transitionary slowdown in FY 2018 as growth slipped to 6.6% from 7.1% in FY 2017 as a result of structural reforms implemented by the Government. The decline was led by manufacturing sector which posted a growth of 5.1% in FY 2018. Most of the impact was concentrated in H1 when manufacturing growth slipped to 2.6%. However, manufacturing sector did see a turnaround with growth improving to 6.4% in H2. Even agriculture growth slipped to 3% in FY 2018 from 6.3% in FY 2017 on the back of unseasonal rainfall and high base effect. Services sector led the growth momentum in FY 2018 at 8.3%, mainly attributable to Government spending and uptick in trade, hotels, transport, and communication segment.

With growth slowing down in FY 2018, retail inflation also dipped to a low of 3.6% in FY 2018. The decline was led by food inflation which fell to 1.8% in FY 2018 from 4.3% in FY 2017. On the other hand, retail inflation excluding food and fuel (core) increased by 4.7% in FY 2018 compared to 4.8% in FY 2017. Upward pressure in core inflation was visible in H2 at 5.1% compared with 4.3% in H1. Higher international oil prices along with statistical impact of implementation of 7th pay commission drove core inflation higher. Notably, upward pressure is visible across different categories of core inflation as gap between potential and actual output narrows.

Recent economic indicators are showing steady upturn in the economy. Credit growth is improving, investment activity as measured by gross fixed capital formation is increasing in double digits, airlines are reporting record increase in passenger travel and car and two-wheeler sales are inching up. Government has announced a new MSP policy from this Kharif season which will ensure much higher

income for farmers, which in turn will be a boon for rural consumption. Urban consumption will get a boost as State Governments have started implementing 7th pay commission recommendations.

As a result economic growth is estimated to increase to 7.4% in FY 2019. Higher growth will be accompanied with higher interest rates. Not only increase in inflation, but also reduction in surplus liquidity with banking system (now at neutral level from surplus position earlier) might put upward pressure on interest rates. Higher rates will be observed globally as well. US Fed is likely to continue to raise rates in 2018 and 2019.

Developments in Indian Banking

FY 2018 began with muted credit growth and high liquidity with banks due to impact of demonetization. The credit growth continued to be low in first half of the year. However, it picked up in the second half and FY 2018 and ended with a 10.3% growth. However, deposit growth rate at the end of year was muted at 6.7% due to base effect and currency withdrawals.

On the banking front, a major step taken by the Government was recapitalizing the public sector banks with an infusion plan of ₹ 2.11 lakh crore including ₹ 1.35 lakh crore through recapitalization bonds and ₹ 76,000 crore via budgetary support and raising of funds by banks through capital markets. It should help address the overhang of NPLs and ease lending constraints thereby contributing to growth. For us, it provides growth capital to continue to focus on delivery of healthy credit growth in 2018-19 and onwards.

An important part of recapitalization programme is that the second stage of the recap is linked to banks performance on PSB Reform Agenda of Government which is aimed at EASE – Enhanced Access and Service Excellence, focusing on six themes of customer responsiveness, responsible banking, credit off take, PSBs as Udyami Mitra, deepening financial inclusion & digitalization and developing personnel for brand PSB. Under each of above six themes detailed action points have been stipulated along with timeline for implementation.

The year also saw implementation of Insolvency and Bankruptcy Code (IBC) enacted by the Government in 2017. Its implementation has made the resolution of stressed assets possible within defined time frame and making it feasible for corporates to exit or attempt a revival of their businesses while preserving the economic value of the assets, thereby making a change in NPAs climate for the banks. A significant percentage of NPAs of banking industry are under IBC process. Being a new legislation the process is taking its time to stabilize. The early successes particularly in sectors like iron and steel, cement are visible.

The non-performing loans in the banking system further increased in quarter ended in March 2018 after RBI revised framework for resolution of stressed assets in February 2018 repealing existing schemes like SDR, S4A, 5/25, CDR, etc. and discontinuing the JLF mechanism. This marks the final stage of a multi- year initiatives of RBI to recognize problem assets more accurately. With these guidelines, RBI has fully aligned the stressed asset resolution process to IBC. It has increased already high NPL ratios and provisioning burden of banks and strained their profitability in the near term. Going forward, cleaner and recapitalized balance sheets should help the banks to move forward leaving legacy asset quality issues behind. Further, with this step, RBI is also preparing the banking system for implementation of Ind-AS from the next financial year.

Apart from above, there were some serious issues relating to risk management, internal controls and audit quality in the banks arising out of incidents of frauds and the need for plugging the process gaps. The regulator has reviewed these incidents; initiated corrective measures and issued guidelines to ensure that the systems, business practices, operational processes and risk management practices for the sector are robust and safe.

On interest rates, the bond yields hardened during second half of FY 2018 as surplus liquidity dried up. The rise in bond yields led to reporting of mark to market losses on treasury portfolio by many banks in second and third quarter of FY 2018. To impart relief, RBI allowed banks to provide for such MTM losses over a period of four quarters of FY 2019. This also led to increase in term deposit rates as well as MCLRs of the commercial banks during the said period.

Business Performance

The highlights of business performance of our Bank is as below:

Resource Mobilization and Credit Expansion

(₹ in crore)

Particulars	31.03.17	31.03.18	Growth (%)
Deposits	**6,01,675.2**	**5,91,314.8**	**(1.7)**
of which- Domestic Deposits	4,40,092.2	4,66,973.8	6.1
International Deposits	1,61,583.0	1,24,341.0	(23.1)
Domestic Deposits	**4,40,092.2**	**4,66,973.8**	**6.1**
of which - Current Account Deposits	26,761.8	31,193.1	16.6
Savings Bank Deposits	1,46,831.8	1,61,130.0	9.7
CASA Deposits	1,73,593.6	1,92,323.1	10.8
Domestic CASA Deposits (%)	**39.44**	**41.18**	
Advances	**3,83,259.2**	**4,27,431.8**	**11.5**
of which- Domestic Advances	2,77,523.7	3,24,238.5	16.8
International Advances	1,05,735.5	1,03,193.3	(2.4)
Total Assets	**6,94,875.4**	**7,19,999.8**	**3.6**

Resource Mobilisation:-

The domestic CASA deposits registered a growth of 10.8% on increased base of previous year. The CASA deposits

ratio increased to 41.18% from 39.44% last year. The growth of term deposits was muted at 6.11% as a part of liability management and surplus liquidity with the Bank. Deposits in international operations de-grew by 23.1% as a part of strategy to bring down low yielding assets including placement assets in the international book. As a result, the total deposits saw a marginal decline of 1.7%.

For a sustained growth of deposits including low cost CASA, Bank has taken number of steps to improve our processes and strengthen the product preposition to meet the increasing requirement of the customers. The entire account opening process for savings account has been digitized through tablets leading to a turn-around time of few minutes. All the branches pan India have been enabled by this digitized process and its scope will be further extended. Bank has introduced value added services for HNI customers under "Baroda Radiance". This includes offering of services under wealth management suite, differentiated banking services and preferential pricing. During the year, Bank launched cash management product to meet the demands of our business customers. The product has been well received. Besides, Bank has undertaken number of initiatives like revamping of mobile banking app, launch of m-passbook, launch of mobile app for wealth management named as Baroda M-Invest, strengthening our e-payment products, tie-up with multiple payment aggregators, etc.

Credit Expansion:

During the last financial year, Bank had focused on re-balancing of the loan book and execution of transformation initiatives including on credit processes. With their execution taking shape, Bank continued to have healthy credit growth. The domestic credit registered a growth of 16.8% during the year. The growth was led by retail and was well spread in other business verticals viz. corporate, MSME and agriculture. Retail loan growth was 42.4% while corporate loan growth was 16.8%. The ratio of retail loans to total domestic loans increased from 19.5% to 23.5% during the year. The international loan book declined marginally by 2.4% on account of continued focus of the Bank on re-balancing and decline of buyers' credit book after the discontinuation of issuance of LoUs by the Indian banks as per regulatory guidelines. On account of latter, the international loan book will de-grow further during FY 2019.

The total assets of the Bank increased by 3.6% from ₹ 6,94,875.4 crore to ₹ 7,19,999.8 crore as on March 31, 2018.

Operating Performance:

The highlights of operating performance of Bank are as below:

(₹ in crore)

Particulars	31.03.17	31.03.18	Growth (%)
Interest Earned	42,199.9	43,648.5	3.4
Interest Expended	28,686.5	28,126.8	(2.0)
Net Interest Income (NII)	**13,513.4**	**15,521.8**	**14.9**
Other Income	**6,758.1**	**6,657.2**	**(1.5)**
of which-Fee Income	2,837.4	3,249.7	14.5
Forex Income	975.9	909.2	(6.8)
Trading Gains	2,618.0	1,877.6	(28.3)
Recovery from PWO	326.8	620.7	90.0
Operating Income (NII + Other Income)	**20,271.5**	**22,179.0**	**9.4**
Operating Expenses	**9,296.4**	**10,173.4**	**9.4**
Employee Expenses	4,637.8	4,606.9	(0.7)
Other Operating Expenses	4,658.6	5,566.5	19.5
Operating Profit	**10,975.1**	**12,005.6**	**9.4**
Provisions	**8,502.4**	**14,796.4**	**74.0**
of which: Provisions for NPAs & Bad debts written off	7,679.8	14,211.7	85.1
Provision for Standard Advances	776.6	(369.0)	-
Provision for Depreciation on Investment	19.3	768.2	3,880.3
Other Provisions	26.7	185.5	594.8
Profit Before Tax	**2,472.7**	**(2,790.7)**	**-**
Provision for Tax	**1,089.6**	**(358.9)**	**-**
Net Profit	**1,383.1**	**(2,431.8)**	**-**

Key Performance Indicators (%)	31.03.17	31.03.18
Cost of Deposits - Global	4.78	4.50
Cost of Deposits – Domestic	6.08	5.48
Cost of Deposits – International	1.18	1.33
Yield on Advances – Global	7.27	7.13
Yield on Advances (Domestic)	9.10	8.87
Yield on Advances (International)	2.68	2.70
Net Interest Margin – Global	2.19	2.43
Net Interest Margin – Domestic	2.64	2.88
Net Interest Margin – International	1.05	1.10
Cost-Income Ratio	45.86	45.87
Return on Average Assets (ROAA)	0.20	(0.34)
Return on Equity	4.53	(7.64)

The interest income of the Bank increased by 3.4% from ₹ 42,199.9 crore in FY 2017 to ₹ 43,648.5 crore in FY 2018. The

yield on advances slightly decreased to 7.13% from 7.27%. The yield on domestic advances was 8.87% during FY 2018 against 9.10% during FY 2017. The reduction was on account of reversal of interest in SDR, S4A and NPA accounts and gradual migration of loan book under base rate to MCLR. The yield on international loan book slightly increased reflecting the global interest rate environment.

Total interest expenses declined by 2.0% from ₹ 28,686.5 crore in FY 2017 to ₹ 28,126.8 crore in FY 2018 due to improved liability management. The domestic cost of deposits decreased to 5.48% in FY 2018 from 6.08% in FY 2017. The cost of deposits in international book increased from 1.18% to 1.33% in line with global interest rate environment.

The net interest income (NII) of the Bank increased by 14.9% to ₹ 15,521.8 crore during FY 2018 from a level of ₹13,513.4 crore in FY 2017. The net interest margin (NIM) improved from 2.19% to 2.43% during FY 2018. Domestic as well as international NIM also improved from 2.64% to 2.88% and 1.05% to 1.10% respectively.

Other income of the Bank marginally decreased by 1.5% to ₹ 6,657.2 crore on account of decline in treasury gains by 28.3% to ₹ 1,877.6 crore. However, core fee income of the Bank increased by 14.5% to ₹ 3,249.7 crore. Recovery from written-off accounts was higher at ₹ 620.7 crore registering an increase of 90%.

Operating expenses increased by 9.4% to ₹ 10,173.4 crore in the year. While employee cost decreased by 0.7% during the year to ₹ 4,606.9 crore, other operating expenses increased by 19.5% to ₹ 5,566.5 crore. The increase was on account of higher depreciation charge on revalued assets.

Reflecting on the improved operating performance, operating profit of the Bank grew by 9.4% to ₹ 12,005.6 crore during FY 2018. Total provisions increased by 74.0% to ₹ 14,796.4 crore while provision for NPAs increased by 85.1% to ₹ 14,211.7 crore in FY 2018. As a result, Bank posted a net loss of ₹ 2,431.8 crore in FY 2018 against net profit of ₹ 1,383.1 crore in FY 2017.

Medium and Long-Term Strategy of the Bank

It is the firm belief of the Bank that continuously evolving sound business processes and practices are the drivers of quality and profitable business growth on sustainable basis. During 2016, Bank embarked upon a comprehensive business transformation exercise christened "Project Navoday". Bank aims to drive accelerated and profitable growth by bridging the gap with competition. Bank is pursuing a differentiated strategy to build a contemporary full-service universal bank and be India's premier bank with global standing.

The execution of this vision is through initiatives across business units and functions and is structured along 5 key dimensions:

- transform and grow 'core' business units (retail, corporate, MSME, agri & rural and the international), while managing the stressed assets
- building the capabilities for the future (e.g. new products like Supply chain financing, Cash Management, Digital, Wealth Management and centralization of operations to improve efficiency)
- 'nurture' the organization and 'unleash' the talent pool through dedicated leadership and talent initiatives
- 'embed change' and 'sequence' change through focused efforts on execution and capability building and
- building new alliances and partnerships.

Continuing Business Transformation Journey- Project Navoday

To drive the above initiatives, a Project Management Office (PMO) has been set up supported by change leaders for cascading the change management to ground level. The execution of the project is progressing steadily on course in this transformation journey cutting across all segments of businesses, functions/processes which include focus on key aspects of its operations, including collections and recovery, risk management, compliance and controls, governance framework, market and brand building, and digitization and technology.

During the year, number of initiatives have been executed/ are in advanced stage of execution. The details of initiatives executed have been mentioned in statement of MD & CEO on page 13. Details of some of the steps taken are also mentioned in the respective item in the Director's Report.

Corporate Credit

Corporate credit in the Bank is serviced at -9- Corporate Financial Service (CFS) branches and -5- Emerging Corporate branches which are managing about 80% of the corporate credit portfolio of the Bank. During FY 2018, the corporate credit registered a growth of 16.8% from a level of ₹ 1,41,069 crore as on March 31, 2017 to ₹ 1,64,783 crore as on March 31, 2018. During the year, Bank approved fresh / enhanced credit in 330 accounts.

During the year, the transformation initiated during FY 2017 was carried forward. Under the target market approach adopted by the Bank, the target markets have been clearly defined and simplified target account plans put in place at major metro centers. These are executed through dedicated Relationship Managers (RMs). In addition, Bank has put in place a team of sector specialists at corporate office. The number of layers for credit processing originating from CFS and Emerging Corporate branches has been reduced to one i.e. at centralized processing cell (CPC) at corporate office. A separate R & D wing has been set-up in corporate credit to provide industry updates to marketing and processing teams. International business is being leveraged as competitive advantage by synergizing domestic and international business by offering multiple currency facilities.

With the revamp in approach towards corporate credit delivery, the risk profile of the portfolio further improved during FY 2018 as observed by the rating distribution of domestic credit portfolio as below:

Credit Rating distribution*	31.03.17	31.03.18
A & above	39.27%	52.37%
BBB	15.77%	14.90%
Below BBB	21.80%	19.72%
Unrated	23.16%	13.01%

**External rating distribution of advances above ₹ 5.00 crore.*

To update our product offerings, Bank launched fully digitized and integrated supply chain financing and cash management products. These products have fully digitized transaction processing capability. In addition, a new digital trade finance platform- BarodaINSTA (Baroda Integrated Solution for Trade Finance Access) was launched. It is a comprehensive solution with objective of achieving faster processing and automation in trade finance. Currently it is launched for -2- products viz. Import LCs and Import Bills payments and its scope will be extended further. Back office work relating to forex transactions and trade finance transactions was centralized at Trade Finance Back Office (TFBO) at Bank's Shared Service Centre at Gift City, Gandhinagar, Gujarat.

MSME Credit

MSME is a vital sector to the nation's economy and provides employment to millions of people. Bank supports credit to this vital sector through 45 SME loan factories and a wide network of branches.

Supporting the Government efforts under Mudra scheme on employment generation, Bank lent ₹ 5,093 crore thereby achieving 121% of the set targets and stood 1st for lending under this scheme. Bank also ranked 1st under Stand-up India program in disposal of applications on Udyamimitra portal. In the Gram Swaraj Abhiyan, Bank exceeded the allocated targets in the states of UP and Rajasthan where Bank is the convener of SLBC. The Bank's MSME credit portfolio increased from ₹ 48,545 crore as of March 31, 2017 to ₹ 51,730 crore as of March 31, 2018.

To provide access to working capital to MSMEs at competitive rates on Trade Receivables electronic Discount System (TReDS), Bank was first to onboard on all the three TReDS platforms launched. As on March 31, 2018, Bank accounted for 22% of the business carried on the platform. In support of Government initiative to encourage digital transactions, Bank launched Baroda e-business pack for financing MSME units. To mitigate working capital pains of MSMEs arising out of GST implementation, Bank launched a special product for financing against GST receivables.

A fully digitized supply chain financing product launched by the Bank has provided a new vehicle for sourcing of MSME customers viz. vendors and dealers of anchor corporates. The cash management solution will also help in augmenting the efficiency of working capital through digitization of cash management. Bank also entered tie-ups / partnerships with e-commerce players and started providing credit to the sellers on the digital platform. Tie-ups /partnerships with FinTech players has led to value additions in terms of improved due diligence, better marketing opportunities and faster service delivery. Bank also entered into MoUs with multiple players in the field of transportation, travel, health care, food, dairy, etc. to provide credit to units under these niche sectors. In addition, Bank has -13- area specific schemes for financing SME clusters and -16- specific products for MSME customers.

Towards transformation of the business vertical, Bank commissioned a dedicated collection centre for MSME borrowers. To ensure consistency in underwriting, faster turnaround time and timely collections, Bank has plans to centralize MSME loan processing, approval, disbursal and monitoring. It has been implemented at -2- centres viz. Mumbai and Delhi with plans to roll out further. For making available timely credit to beneficiaries under Government schemes, Bank is in process of setting up a centralized cell in each district for processing of such loan applications.

Retail Credit

Retail Credit in our Bank is primarily dispensed through -74- Specialized Mortgage Stores (SMSs) and a wide network of branches. During the year, Bank opened -3- new SMSs at Bhilwara, Hubballi and Bengaluru.

With most of the transformation initiatives executed during FY 2018, the retail credit registered a healthy growth of 42.44% during FY 2018 to ₹ 82,604 crore. Within retail loans, home loans grew by 48.20% to ₹ 44,711 crore; auto loans by 30.33% to ₹ 5,727 crore and other mortgage loans by 12.90% to ₹ 14,125 crore. This led to increase in size of retail loan book to 23.5% as on March 31, 2018 as against 19.5% at the end of previous year. The transformation initiatives executed include simplifying retail loan approval and underwriting process; augmenting distribution channels in addition to existing branch channels; extending the centralized mortgage loan processing by adding more geographies etc. Centralization of the processing of non-mortgage loans viz. auto and education loans was initiated and has been currently done in Mumbai. Bank has already introduced risk based pricing and commissioned dedicated retail loan collection centre.

With the revamp in approach towards retail credit delivery, the risk profile of the portfolio has improved. The percentage of customers with credit bureau score <725 has come down from 19% to 1% and those with scores >725 has increased from 41% to 63% between April 1, 2016 and March 31, 2018.

Rural and Agricultural Lending

The Bank has a network of 1,833 branches in rural and 1,537 branches in semi-urban areas which is leveraged for priority sector and agriculture lending. During FY 2018, Bank opened 37 new rural and semi urban branches. Bank is the Convener of State Level Bankers' Committee (SLBC) in the states of Uttar Pradesh and Rajasthan and shoulders the Lead Bank responsibility in 48 districts; 14 in Gujarat, 12 in Rajasthan, 15 in Uttar Pradesh, 2 each in Uttarakhand, Madhya Pradesh and Bihar and 1 in Delhi.

Bank continues to be front runner in lending to agriculture sector. The sector got impetus with the Government's target of doubling the income of the farmers by FY 2022. During the year, Bank issued 1.19 lakh kisan credit cards. Baroda Kisan RuPay Card, an ATM enabled smart card, was issued to 12.89 lakh farmers. Bank financed 2,14,547 new farmers

during FY 2018 granting them loans worth ₹ 3,834.9 crore. As a part of its microfinance initiatives, Bank linked 22,708 Self Help Groups by granting loans amounting to ₹ 308.6 crore. To facilitate credit linkage of Farmer Producer Organisations (FPOs), the Bank tied up with agencies. Including under Maharashtra Agricultural Competitiveness Program (MACP). Bank was awarded for being best performer in SHG bank linkage for FY 2018. The Total agricultural advances as on March 31, 2018 were well above the regulatory requirements.

The key elements of Bank's agriculture and rural strategy continue to be developing an ecosystem of alliances and partnerships with financial services providers, agri finance companies, insurance companies, private equity firms seed and fertilizer companies, warehouses and cold-storages, Agri universities, drip irrigation companies etc. The underlying idea is to increase the farm productivity; enhance the income of farmers and serve the rural economy. Bank has set-up an integrated rural banking organization that caters to the agri and financial inclusion initiatives. The strategic partnerships entered include key agri players building the rural ecosystem like agri tech companies which provide technical knowledge to the farmers right from crop selection to marketing; leading micro irrigation companies; collateral managers to finance farmers to prevent distress selling; dairy companies, etc. Bank has moved beyond granting simple farm credit to a more diversified rural lending strategy focusing on new products across rural customer segments like farm mechanization, horticulture loans, warehouse receipt financing, food and agro processing and adopting a community based lending model for the small farmers and communities.

During the year, Bank was awarded winner in agriculture lending in large bank category in Agriculture Banking summit-cum Social Banking excellence Award ceremony organized by ASSOCHAM.

Priority sector lending

Priority sector advances of the Bank increased from ₹ 1,27,672 crore as of March 31, 2017 to ₹ 1,49,629 crore as of March 31, 2018. Bank was well above the mandated levels of priority sector advances and its other sub-components.

Advances to SC/ST Communities

The outstanding advances to SC/ST communities went up from ₹ 5,312 crore as of March 31, 2017 to ₹ 5,765 crore as of March 31, 2018. SC/ST communities accounted 14.4% share in total advances granted to weaker sections by the Bank. Furthermore, a special thrust is laid by our Bank in financing SC/ST under various Government sponsored schemes such as National Rural Livelihood Mission (NRLM), Start-up India and Stand-up India.

Stand-Up India

The Stand-Up India initiative of the Government is aimed at promoting entrepreneurship among SCs/STs and women. In FY 2018, Bank sanctioned ₹ 552.7 crore under the scheme. With a view to enlarge the foot print in delivery of products and services in MSME eco-system, Udyamimitra, an interactive portal has been launched which leverages IT architecture of Stand-Up Mitra portal. Bank was ranked 1st under Stand-up India program in disposal of applications on this Udyamimitra portal.

Performance of RRBs Sponsored by Bank of Baroda

The Bank has sponsored three Regional Rural Banks (RRBs): Baroda Uttar Pradesh Gramin Bank, Baroda Rajasthan Kshetriya Gramin Bank, and Baroda Gujarat Gramin Bank. The aggregate business of these three RRBs rose to ₹ 55,064 crore as of March 31, 2018 from ₹ 49,854 crore as of March 31, 2017, registering a growth of 10.5%. The three RRBs together posted a net profit of ₹ 208.6 crore during FY 2018 against ₹ 202.3 crore in the previous year. The Net Worth of these RRBs put together improved from ₹ 2,221.9 crore as of March 31, 2017 to ₹ 2,401.7 crore as of March 31, 2018.

Financial Inclusion (FI)

In order to provide universal banking services to all sections of the society especially to rural/urban poor at an affordable cost, Bank has taken financial inclusion as a social commitment and also an opportunity to tap business through sustainable ICT based delivery channels. The Bank has been actively working towards ensuring financial inclusion in the country through our branch and BC network. With advent of technology, innovative steps are being taken for serving in unbanked areas. Bank has deployed around 14,659 BCs to cater to 21,826 villages and semi urban and urban areas across the country.

Total number of accounts under financial inclusion stand at 312 lakhs with a balance of ₹ 9,689 crore as on March 31, 2018. Average balance in these accounts increased from ₹ 2,873 to ₹ 3,105 during the year. The number of zero balance accounts reduced to 11.5% from 16.9%. The amount transacted through FI accounts during the year was ₹ 58,033 crore and the number of transactions carried through BCs were 2,229 lakhs.

Towards promoting financial inclusion along with digital program of the Government, Bank has taken a number of initiatives which include:

- Digitized account opening by instant opening of accounts enabled by Aadhar seeding, with PIN generation through tablets and account opening kiosks with spot debit card issuance;
- A comprehensive mobile banking solution supporting the entire rural community to eliminate cash;
- Seeding of Aadhaar through alternative delivery channels like ATM, SMS, Internet, BC points;
- Deployment of micro and table-top ATMs in rural areas through BCs;
- Expansion of the BC model;
- Driving SHG/ JLG-based lending;
- Expanding the scope of services of BCs like mobilizing deposits, follow up & recovery in small loan accounts including NPA & PWO accounts and providing special incentives for same to enable them to remain financially viable;

- Enabling enrolment of micro insurance schemes viz. PMSBY & PMJJBY through internet banking and SMS etc.
- Enabling increased utilization of bank accounts, expansive cash-in cash-out network comprising 14,659 BCs and 4 lakh POS terminals

The products / services offered at BC points are e-KYC enabled opening of BSB account, term deposit and recurring deposit account; cash withdrawal, cash deposit and fund transfer including third party transfer; immediate payment service (IMPS), Aadhaar enabled payment system (AEPS Transactions) RuPay card based transactions; deposits in current, cash credit, OD and loan account; enrollment for micro insurance – PMJJBY, PMSBY and Atal Pension Yojana; Aadhaar seeding cum authentication and mobile seeding.

Urban Financial Inclusion:

Besides people living in rural areas, large population of urban poor including migrants from villages to urban areas who have no access to formal banking services. In order to bring them under the purview of formal banking system, our Bank has deployed urban 9,177 BCs under Kiosk Model at various locations across the country.

Highlights of performance under Financial Inclusion

- Bank surpassed target set for FY 2018 in respect of total BC outlets with achievement of 107.46%.
- Bank achieved 86.19% and 126.01% of the target set for FY 2018 for BSBD account opening and amount under the same through branches.
- Bank achieved 195.76% and 237.23% of the target set for FY 2018 for BSBD account opening and amount under the same through BC points.

During the year, Bank was conferred Banking Finnoviti Award-2017 by Banking Frontiers for the initiatives taken in financial inclusion.

Highlights of Performance under PMJDY

Bank has 239.29 lakh accounts under PMJDY as on March 31, 2018, as against 196.40 lakhs at the end of previous year, an increase of 21.9%. The Bank's market share in incremental PMJDY accounts and outstanding deposits was 10.4% and 9.4% respectively. Outstanding balance in PMJDY accounts was ₹ 6,595 crore as of March 31, 2018 as against ₹ 4,747 crore at the end of previous year, an increase of 38.9%. RuPay debit Cards issued under PMJDY accounts increased to 221.50 lakh from 184.78 lakh. Aadhaar seeding in PMJDY accounts increased to 83.91% from 72.87% during the year.

Enrollment under Social Security Schemes:

The position of enrollment under social security schemes of the Government as on March 31, 2018 is as under:

Particulars (in Lakh)	Enrolment upto	
	31.03.17	31.03.18
Pradhan Mantri Suraksha Bima Yojana	44.37	59.52
Pradhan Mantri Jeevan Jyoti Bima Yojana	15.88	18.14
Atal Pension Yojana	3.56	6.33

Setting up Aadhaar Enrolment Centers

Banks, vide gazette notification dated July 14, 2017 of Government of India, have been mandated to set up Aadhaar enrolment and update centers inside the branch premises with at least one centre in every 10 branches. Accordingly, Bank has set up more than 550 Aadhaar enrolment centers as of March 31, 2018.

International Operations

In the international arena, Bank pursues strategy of driving growth and value by leveraging its relationship with Indian corporates; catering to India-linked cross-border trade flows for Indian and locally incorporated companies/firms and being preferred Bank for NRIs/persons of Indian origin.

Bank has international presence across 24 countries through 106 branches/offices. Bank has 59 branches in 16 countries while 47 branches operate through Bank's 8 overseas subsidiaries. During the year, Bank opened one off shore International Banking Unit (IBU) at International Financial Service Centre (IFSC) at GIFT City, Gandhinagar, Gujarat. Bank has two Joint Ventures: Indo Zambia Bank Ltd. in Zambia with 31 branches and India International Bank (Malaysia) Bhd. in Malaysia with one branch.

During FY 2018, Bank undertook a strategic review of its international presence based on a comprehensive evaluation framework and decided to rationalize the operations. As a part of this exercise, Bank closed down its representative office in Bangkok and one Electronic Banking Service Unit in UAE. Further, branches in Bahamas and Bahrain are under process of closure. Bank has also decided to close its operations in South Africa. During the year, the offshore banking unit in Singapore Branch was upgraded to wholesale banking unit which would enable it to conduct the business in local currency too.

During the year, Bank set up a centralized back office for account maintenance of NRIs.

As of March 31, 2018, Bank's total business from international operations was ₹ 2,27,534 crore and constituted 22.33% of the global business. Total deposits were at ₹ 1,24,341 crore while advances (net) were ₹ 1,03,193 crore. Bank continued its focus on rebalancing of the portfolio. The deposits de-grew by 23.1% which reduced low yielding assets. The loan book also declined by 2.4%. In quarter ended March 2018, RBI discontinued the issuance of LoUs/LoCs by Indian banks which has impact on the buyer's credit portfolio of banks having international presence. Accordingly, the international loan book would de-grow in FY 2019 also. Bank continuously reorients its strategy in international operations in line with the new global environment.

As of March 31, 2018, 43% of the total International loan-book comprised of Buyers' Credit/BP/BD portfolio where the exposure was on counterparty banks. 24% of the book was to Indian corporates by way of ECB/Syndicated Loans. Exposure to non-Indian entities by way of syndicated loans was 7% and remaining 26% exposure was in the form of local credit.

UK Subsidiary

Bank is in advanced stage of formation of subsidiary in UK to carve out its retail business and necessary regulatory approval has been received.

Treasury Operations

Bank's Treasury operating from Mumbai is a prominent player in various market segments such as foreign exchange, fixed income, money market, derivatives, equity, currency and interest rate futures and other alternate asset classes. The treasury offers various hedging products to Bank's customers like forward contracts, interest rate swaps, currency swaps, currency options, etc. for managing their risks.

The treasury is responsible for managing the funds position of the Bank and ensuring the safety, liquidity and optimal yield on these funds. Besides, it maintains statutory reserve requirements. It also invests in corporate bonds, commercial papers, equity, venture capital, mutual funds, etc. as a part of the fund management.

Total size of the Bank`s domestic investment book as of March 31, 2018 stood at ₹ 1,55,514 crore. The share of SLR securities in total investments was 86.7%. The per cent of SLR securities to NDTL was at 28.10%.

Government Business

Government business is an important part of the Bank's strategy. It caters to the banking requirements of central/ state Government and PSUs besides payment of pension across India through our branch network. Bank is authorized to collect direct taxes across its designated branches and is an accredited banker to the Ministry of Health and Family Welfare.

Bank is partnering various departments at Central and State level in developing e-solutions in line with digital initiatives of the Government of India, leading to transparency and efficiency. Bank is associated with number of new digital initiatives as strategic partner.

Bank has started collection of GST along with accreditation as well as aggregator status under Non Tax Revenue Portal (NTRP) / Public Funds Management System (PFMS).

During the year, Bank completed centralization of all state pension related payments into -6- Central Pension Processing Centres (CPPCs). Bank is serving more than 2.60 lakh pensioners.

Wealth Management

During the year, Bank commenced offering wealth management services to differentiated set of customers and launched "Baroda Radiance" services for HNIs in select cities through a dedicated team of relationship managers. Bank is in the process of putting up the necessary infrastructure to scale up the services. For offering enhanced bouquet of products to the customers, Bank extended its partnership with more players in the mutual fund arena. In addition, Bank also has corporate agency arrangement with non-life and health insurance players in the market besides agency tie-up with its joint venture partner in life insurance viz. IndiaFirst Life Insurance Co. Ltd.

Bank has launched a mobile app - M-Invest which offers paperless KYC, goal based investing, research based recommendations and straight through processing of transactions for investment in mutual funds. Bank is also implementing a dedicated wealth management solution.

In FY 2018, fee income from wealth management products registered a growth of 91%.

Stressed Asset Management

Management of stressed assets continues to be one of the biggest challenges facing the banking industry for the last few years.

During the year, the Insolvency and Bankruptcy Code (IBC) became operative. It has provided a transparent mechanism for resolution of stressed assets. By legislative amendment, RBI was empowered to issue definitive directions to the banks for resolution of assets under IBC. Accordingly, RBI mandated banks to refer certain large value NPAs to National Company Law Tribunal (NCLT) for resolution under IBC. A significant percentage of NPAs of banking system are under IBC process.

The NPAs of banking system were also impacted by revised framework for resolution of stressed assets prescribed by RBI aligning the resolution framework with IBC and repealing the earlier scheme for resolution like S4A, SDR, 5/25, CDR as also dismantling the JLF mechanism.

The Government of India in its Reforms Agenda for Responsive and Responsible PSBs directed banks for creation of Stressed Assets Management Vertical (SAMV). The Bank has a dedicated vertical for management of stressed assets. The Executive Director in-charge of stressed assets is assisted by three General Managers overseeing the entire stressed book. To strengthen the resolution of stressed assets and recovery and collection mechanism, Bank has taken number of measures like creation of a specialized cell for resolution of large value stressed assets, setting up of legal war-room, commissioning dedicated collection centres for MSME and retail loans, setting up of a separate in-house task force, introducing a special scheme for one time settlement of

loans, organizing mega e-auction of assets charged to the Bank, migration of identified high value special mention accounts to SAMV etc.

The movement of NPAs during the last -2- years was as under:

(₹ in crore)

Particulars	31.03.17	31.03.18
Gross NPA	42,719	56,480
Gross NPA (%)	10.46 %	12.26%
Net NPA	18,080	23,483
Net NPA (%)	4.72 %	5.49%
Additions to NPAs	13,312	24,239
Recovery / Upgradations	6,766	5,530
Write offs including TWOs	4,348	4,948
Recoveries in Written off Accounts	327	621
Provision Coverage Ratio (Including TWO) (%)	66.83%	67.21%
Provision Coverage Ratio (Excluding TWO)(%)	57.68%	58.42%

Banks continues to have high provision coverage against NPAs providing strength to the balance sheet. The coverage ratios are highest amongst the public sector banks.

The breakup of advances portfolio of the Bank as per asset classification was as under-

(₹ in crore)

Asset Category	31.03.17	31.03.18
Standard Advances	3,65,792	4,04,264
Gross NPA	42,719	56,480
Total Advances (Gross)	**4,08,511**	**4,60,744**
Gross NPAs comprising of		
Sub-Standard	8,804	13,131
Doubtful	29,186	35,447
Loss	4,729	7,903
Total Gross NPA	**42,719**	**56,480**

During the year, Bank approved one time settlement in 24,362 accounts. A total of 195 assets were sold through mega e-auction. 304 borrowers have been declared as wilful defaulters and show cause notices have been served upon another 160 borrowers.

Information Technology (IT)

Bank truly believes on leveraging the information technology for customer centricity. Reliability of the business processes are key to the business capabilities. Bank's IT infrastructure is continuously upgraded to build the capabilities.

Bank has taken number of technology enabled business initiatives to deliver value to the customers. Some of the measures are:

- Upgradation of Bank's core banking platform followed by several technology upgrades and integration with various digital applications which work seamlessly across multiple channels.
- Launch of digital state-of-art supply chain financing solution to meet the requirements of customers. It is a end-to-end seamless and automated processing system having capabilities to generate real time alerts and reports.
- Launch of digital cash management solution viz Baroda DigiNext which helps customers to achieve efficiencies in working capital through digitization of cash management.
- Digitization of account maintenance by launch of Tab-banking. It has been launched for opening of savings accounts across the country. The fully responsive application with best in class user experience has the capability to deliver 35+ banking services at the tip of finger.
- Launch of new digital trade finance platform-BarodaINSTA (Baroda Integrated Solution for Trade Finance Access). It is a comprehensive solution with objective of achieving faster processing and automation in trade finance for the customers and the Bank. It is currently launched for -2- products viz. Import LCs and Import Bills payments and the scope is being extended further.
- Internet Payment Gateway - Bank is in the process of owning the entire Internet Payment Gateway infrastructure, to provide an electronic payment platform Baroda E Gateway to its merchants for e-commerce business by enabling payment collection using credit card/ debit card and net banking.
- Automated Collection System helping the Bank to streamline the debt collection process.
- m-Passbook app which keeps the users updated of all his accounts and allows to monitors balance, deposits, withdrawals, etc.

The Bank is in the process of implementation of number of other applications to enhance the customer experience. Some of the applications are wealth management solution, internet banking upgrade, BBPS, etc. Besides, Bank has implemented/ is in the process of implementation number of support applications including a fraud risk management system and upgrading the AML systems to increase the efficiency and control in operations.

In order to remain abreast with technological changes, the Bank has set-up IT Center of Excellence (ITCoE) to enable it in identify new emerging trends and provide technology differentiation. The ITCoE would provide design thinking skills, process design, architectural skills and core development capacity in current and future technology, helping the business to leverage technology for realizing business outcomes.

Bank is also in the process of establishing Analytics Center of Excellence (ACoE) to facilitate insights of the customer and to add further power to Bank's business transformation journey.

Cyber Security

Over the years, Bank has built a strong foundation of cyber security comprising a comprehensive set of information security measures to counter against cyber-attacks. Bank has well defined cyber security governance framework in place that is operated through a combination of management structure, policy framework and operational controls. Bank has implemented multi layered security architecture to protect IT Assets. A testimony of the security controls implemented by the Bank has resulted into the ISO27001 certification of Bank's Data Centre and Disaster Recovery operations.

In order to detect cyber incidents, Bank has captive Security Operations Center (SOC) which operates on 24X7 basis. During the current year, Bank has further added new capabilities to enhance SOC to cyber ready SOC to identify, manage, respond and resolve cyber security incidents quickly in efficient manner.

Further, Bank has placed the following controls:

- Periodic risk assessment to identify critical assets and evaluate adequacy of controls to protect them.
- Regular vulnerability assessment & penetration testing to identify the vulnerabilities and risks and appropriate mitigation.
- Periodic audits of applications and infrastructure to identify weakness in the existing system and take mitigation steps to rectify deficiencies.
- Phishing sites, rogue mobile apps and social media sites are monitored for malicious activities/contents and the same are taken down on detection through anti-phishing and brand protection services.
- Risk based multi factor authentication implemented to control fraudulent transactions through internet banking channel.
- Critical websites are scanned for detection of any malware present on the site.

During the current year, Bank implemented technology to protect the systems from distributed denial of service (DDoS) and obtained clean pipe to ensure uninterrupted customer services.

Bank participated in the cyber security drills conducted by agencies such as IDRBT, CERT-In, RBI to test our capabilities and further strengthen defence against cyber-attacks. Bank has emergency response team and cyber crisis management plan in place and effectiveness of these plans is periodically tested through drills.

Digital Transformation

Digital transformation and digitization of the traditional banking activities is rapidly changing the banking landscape. It offers convenient and faster banking services. The Bank is continuously investing in digital systems and technologies to ensure a smooth integration between its existing infrastructure and new digital products. The Bank's IT strategy has supported business initiatives by continuously updating technology and processes to meet evolving business requirements. Our major focus is to make the products suite available to customers through mobile channels such as Mobile banking, Unified payment Interface , BHIM Aadhaar. As more and more of our customers transition to digital modes of payment, Bank seeks to handhold and guide the customers through this journey.

Bank has been at the forefront of innovation through the following initiatives:

Hi-Tech Digital Branches and Digital Portable Branches

Bank has evolved an innovative concept by setting-up of Hi-tech Digital branch equipped with advanced gadgets like Artificial Intelligence Robot named Baroda Brainy and Digital Lab with free Wi-Fi services. The robot guides customers to areas based on their needs and replies to queries raised by customers. In addition, the digital branch has self-service kiosks like cash recycler, account opening kiosk with personalized debit card dispenser, multi-function kiosk, self-service pass book printer along with digital signage system (DSS) which displays the product information. An expert area is also provided to customers where services like specialized investment advisory, financial advisory are provided by the investment specialists. This area is equipped with remote teller (video assistant) to assist the customers in an interactive manner.

Bank opened -2- such hi-tech digital branches during the year at Mumbai and Baroda.

Bank has also implemented concept of "Digital Portable Branch" with an objective to reach out to technically savvy as well as traditional rural consumers through 24X7, self-service, simple and easy to operate banking outlets. Digital Portable Branch is a pre-fabricated branch equipped with account opening kiosk, Cash Dispenser (ATM) and Self Service Passbook Printer (SSPBP) to provide round the clock common retail banking services like account opening, cash withdrawal, passbook up-dation, balance inquiry, fund transfer, bill payment etc. to customers without any manual intervention.

Bank opened -9- such digital branches during the year.

Multi-Function Kiosk

To provide hassle free and convenient banking services through alternate delivery channels to customers by leveraging technology, Bank launched an innovative Self Service kiosk called Multi-Function Kiosk (MFK). It offers a number of customer centric services from a single hybrid services box. Bank has introduced grid based clearing using MFK, started on pilot basis in Mumbai and has seen good results. Grid based clearing has since been extended to Pune, Bhopal, Baroda, and Ahmedabad Zones which completes the entire Western Grid. Total cheques deposited have increased around 11 fold after the launch.

Our Digital Banking team continues to focus on strengthening digital and alternate delivery channels to our customers through the following channels:

- ATMs, which will continue to support the cash needs of our customers.
- E-Lobbies christened as 'Me Lobby' having upgraded facilities, which include Baroda Non-Stop Lobby comprising five self-service machines viz. Cash Recycler, ATM, Multi-Function Kiosk, Passbook Printer and Digital Signage System for providing 24x7 banking services.
- Bank has also introduced "Baroda Express – 24X7" lobby, which is a lean version of the Baroda Non-Stop Lobby for smaller centers by refurbishing the existing ATMs and providing additional services such as Cash Recycler and Passbook Printer
- Internet Banking platform Baroda Connect, which has been enriched with multiple features to provide ease of use and better control for our customers
- **Mobile Banking -** A completely revamped Mobile Banking application M-connect Plus with a 360 Degree view of Customer Accounts, has been launched which provides a robust, secure, scalable and feature rich innovative experience to our customers.
- **Bharat Bill Payment System (BBPS) -** This is an initiative of national importance which offers real time bill payment service to customers/non customers across geographic and demographic lines. BBPS is a tiered platform wherein our Bank participates as Customer Bharat Bill Payment Operating Units (Customer BBPOU) through various channels. BBPS is a simple, secure and easy to use bill payment platform which offers interoperable and accessible bill payment services to customers with instant confirmation of receipt of payment.
- **UPI for retail payment systems –** Bank has launched Baroda MPAY- UPI, which is an initiative of National Payments Corporation of India (NPCI) that aims to simplify and provide a single interface across all existing retail payment systems in India.
- **Global Contact Center -** Bank has also operationalized state-of-the-art Contact Centers at GIFT City as well as at Bengaluru. Our Contact Centre provides most of the banking services through the telephone channel through a Toll Free Number from anywhere in the country and globe. A dedicated Toll free number has been provided for Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana (PMJDY) and other Financial Inclusion customers.
- **Unified Mobile Application for New-age Governance (UMANG):** It is a Government of India all-in-one single unified secure multi-channel, multi-platform, multi-lingual, multi-service freeware mobile application inaugurated by our Honorable Prime Minister Shri Narendra Modi on November 23, 2017. Our Bank is first to provide Bharat BillPay Service on the application. It is designed to provide digital payments based bill pay services for various utility services.
- **BHIM Aadhaar :** Our Bank is first to implement the BHIM Aadhaar pay cloud based solution, launched by our Honorable Prime Minister Shri Narendra Modi on April 14, 2017. This platform allows a customer to purchase goods and services at the merchant establishment using his/her Aadhaar number linked to his/her Bank account. The merchant can accept the payment. The Government has set a target of 20,00,000 BHIM Aadhaar devices in India. Bank has on-boarded more than 64,000 merchants on BHIM Aadhaar Pay in the FY 2018.
- **NACH e-Mandate:** Bank became live for e-Mandate on March 21, 2018. Its primary objective is to reduce the burden of processing on the destination bank. E-Mandate utilizes the services of NPCI's National Automated Clearing House (NACH) and thus reduces turnaround time in the issuance and confirmation of mandate by customers through alternate channels.
- **Document Management System:** As a step towards paperless banking, digitization of customer records has been undertaken. The records stored in the system can be retrieved by users online. The benefits of the process are improving customer service and reducing TAT for customer queries.

FinTech

The banking industry is undergoing a rapid technological change. Competition from fintech firms is increasing across different business segments. The change is driven by shift in consumer behaviour and spending pattern towards technological driven solutions rather than traditional channels. Bank has been at the forefront of such initiatives by establishing a separate fintech vertical to remain abreast with changes in the banking industry and provide best-in-class products and services to customers. The Bank is looking at not only innovating with respect to opportunities in the fintech area, but also embracing external technological expertise. For this purpose, Bank has tied-up with various fintech service providers in the area of MSME, Corporate, Retail, Payments and E-commerce segments.

The Bank has 20+ partnerships ranging from solutions for MSME clients to partnerships in retail and in payments space. In the MSME segment, the Bank is the first bank to on-board on all three Trade Receivables e-Discounting System (TReDS), an online platform for financing trade receivables of MSME sector. The Bank had a 22% market share on the platform as on March 31, 2018. Apart from this, the Bank is also financing suppliers on E-commerce marketplace. The Bank has also embarked on a partnership with "BankChain" the industry Block chain consortium. The Bank has entered into partnership with National e-Repository Limited (NERL) for financing against warehouse receipts in respect of warehouse registered with NERL. More partnerships are being explored in Ecommerce, Retail and Payments segments so that Bank is present across different fintech platforms.

Back Office Operations

As a strategic step to improve operational efficiency; service delivery and quality, Bank's operating architecture is being revamped through digitization of processes and centralization of back office operations. Bank has set up a state-of-art Shared Services Centre (SSC) at GIFT City incorporated as a wholly owned subsidiary- Baroda Global Shared Services Limited.

Back office functions centralized at SSC include a 24*7 contact center; mortgage based retail loan processing for 6 zones; liability account opening covering 5,063 branches and forex and trade finance transactions (Trade Finance Back Office, TFBO). More geographies and functions are being added gradually to SSC.

A robust governance frame work adhering to standard operating procedures (SOPs) and risk and control self-assessment (RCSA) framework has been set up at SSC to improve efficiency and strengthen internal controls and compliance under one roof. At TFBO in SSC, a quality control unit has also been set up.

Marketing

During the year the Bank rolled out strategic brand building initiatives to create a meaningful and engaging narrative with its existing and prospective customers. The sponsorship of FIFA U17, viewed by more than 47 million persons across the globe backed by BTL activities and TVC on topline channels enhanced visibility for the Bank. Various other marketing initiatives include association with Jaipur Literary Festival, UP Global Summit, Classical Concert Udyeshwar etc. These efforts were reinforced by consistent interaction with customers through the social media campaigns and well researched digital campaigns like #AllInYourInterest.

The year was also important for Bank's foray in the digital marketing space. Taking forward the experience in Bank's Social Media pages, strategies were devised to improve the content in all digital platforms for enhancing search engine marketing and search engine optimization. The content enhancement in these mediums is aimed at engaging audience, especially the Gen Y audience.

The Bank leveraged on its brand endorsers P V Sindhu and K Srikanth by endorsing the core values of the Bank. The creatives were adopted with their imagery for print media, out of home media across metro railway stations, airports, malls etc. The association of Bank with them is in sync with Bank's approach to business – care, concern and competence.

Bank sponsored "Hunnerbaaz – Mission Skill India" on Doordarshan to share positive emotional and inspirational stories and showcase the role played by the Bank in the success and empowerment of its customers. The show covers real life success stories with inspiring celebrity participation and creates awareness about skills and entrepreneurship in India, career opportunities and many other aspects.

The Bank's growth in the social media space aims to cover the netizens and engage them across its social media through innovative content and campaigns. The Bank's social media presence is as follows:

Social Media Channels	Statistics (No of likes / Followers) as on 31.03.2018
Facebook Likes	7,00,309
Twitter Followers	46,764
YouTube Subscribers	9,558
LinkedIn Followers	23,078
Instagram Followers	3,481

Branch Network

As of March 31, 2018, the branch network of the Bank is as under:

	31.03.2017		31.03.2018	
	Number of Branches	% Share in Total	Number of Branches	% Share in Total
Domestic Branches				
Metro	1,166	22	1,167	21
Urban	921	17	930	17
Semi-urban	1,523	28	1,537	28
Rural	1,812	33	1,833	34
Total	**5,422**	**100**	**5,467**	**100**
Overseas Branches/ Offices (including branches of overseas subsidiaries)	**107**	**-**	**106**	**-**

During the year Bank opened 55 new domestic branches and closed/merged 10. Of the new branches, two were high-tech digital branches and 9 digital portable branches.

In international operations, Bank opened an offshore International Banking Unit (IBU) in International Financial Service Centre (IFSC), GIFT City, Gandhinagar, Gujarat and closed its representative office in Bangkok, Thailand and one electronic banking service unit in UAE.

Currency Chests

Bank has 98 Currency Chests. Two Currency Chests at Deokali, Faizabad and Burdwan, West Bengal were opened during the year. These are used for effective cash management in the Bank besides vaulting cash on behalf of Reserve Bank of India. All the currency chests as well as branches are provided Note Sorting Machines (NSMs). These currency chests have helped the Bank in efficient management of cash at branches.

Corporate Social Responsibility (CSR)

Bank has a long legacy and tradition of contributing actively to the social and economic development of the communities through various developmental activities. Bank as a responsible corporate citizen always strives to contribute to

the welfare of the society particularly the up-liftment of the underprivileged sections of the society to make sustainable social changes in their lives. Skill development through training for gainful employment, human welfare and other social activities for women and farmers continue to remain Bank's key focus areas. Bank sanctioned a sum of ₹ 1191 lakhs to different organizations engaged in various community development and socio-economic welfare activities for the benefit of weaker section, rural population and others.

Bank has established 49 Baroda Swarojgar Vikas Sansthan (BSVS), Bank's R-SETI centers in seven states of the country, out of which 45 are in our lead districts and 4 are in non-lead districts. These centers impart skill development training programmes to youth from rural & semi-urban areas for generating self-employment. Till date these centers have conducted 11,258 training programmes and imparted training to 3,29,452 youth, out of which 2,17,759 have already secured either employment or setup their own venture. The settlement ratio is at 66.09%. Our 44 BSVS centers have been graded as "AA/A" (outstanding) based on the overall performance/functioning of the RSETIs, during FY 2017. We have 19 Baroda R-SETIs operating from own building.

Bank has set up 51 Financial Literacy & Credit Counseling Centers (FLCCs) in eight states which provide financial counseling services and education to the people in rural and urban areas about various financial products and services available from the formal financial sector. These centers also take up activities that promote financial literacy, awareness about banking services, digital banking, financial planning and amelioration of debt-related distress of an individual.

Risk governance and Internal Controls

The increased focus on risk and the supporting governance framework includes identifying the responsibilities of different parts of the Bank for addressing and managing risk. Often referred to as the "three lines of defence", each of the three lines has an important role to play. These are:

i. First line of defence – all the employees are required to own and ensure the effective management of risk and compliance with regulations, Bank's policies & guidelines.

ii. Second line of defence – this comprises the risk control owners and include risk management function responsible for identifying, measuring, monitoring and reporting risk on an enterprise-wide basis independently from the first line of defence. The compliance function is also deemed part of the second line of defence.

iii. Third line of defence - an independent assurance provided by the internal audit function conducting internal risk-based and other audits. Its reviews provide assurance to the Board that the overall governance framework, including the risk governance framework, is effective and that policies and processes are in place and consistently applied. The role of audit function is defined and overseen by Audit Committee of the Board.

Controls in Business

Each employee of the Bank is the owner of the risk underlying in his area of operation and ensuring its effective management. For strengthening the internal controls and improving compliance culture across the organization, Bank continued the realignment of structure to sharpen the controls and compliance following the principle of (i) segregation of business and control functions and (ii) segregation of front office and back office functions by centralization of operations and processes which could be taken out of branches to increase efficiency and strengthen controls while enhancing customer experience.

The Bank made significant progress on both the areas. The centralization of processes and operations at Shared Service Center (SSC) at GIFT City, Gandhinagar, Gujarat continued with number of branch activities migrated at SSC where a robust governance frame work adhering to standard operating procedures (SOPs) and risk and control self-assessment (RCSA) framework has been set up. At Trade Finance Back Office in SSC, a quality control unit has also been set up. Besides, Bank has a Transaction Monitoring Unit (TMU) for independent monitoring of exceptional transactions and monitoring and closure of alerts thrown out of AML system.

Risk Management and Compliance

Risk Management

Risk is an integral part of the banking business and the Bank aims at achieving an appropriate trade-off between risk and returns. To ensure sustainable and consistent growth, Bank has developed a sound risk management framework so that the risks assumed by the Bank are properly assessed and monitored. Bank undertakes business activities within the risk appetite limits and policies approved by the Board of Directors of the Bank. Specific committees of the Board have been constituted to facilitate focused oversight on various risks. The Board has also constituted a Risk Management Committee of Board which oversees the inter linkages between different type of risks. It is supported by onboarding of specialists in the area. Policies approved from time to time by the Board of Directors or committees of the Board form the governing framework for each type of risk.

During the year, Bank has undertaken implementation of Enterprise wide Risk Management project for measuring and monitoring the risks of the Bank. The Bank has comprehensive Internal Capital Adequacy Assessment Process and stress test policy. The Pillar 2 risks such as Liquidity Risk, Interest Rate Risk, Concentration Risk as well as adequacy of Capital under both normal and stressed conditions are assessed as per the policies.

A brief outline of the mechanism for identifying, evaluating and managing various risks within the Bank is as follows.

Credit Risk

Credit Risk is managed in the Bank through a Board approved framework that sets out policies, procedures and reporting which is in-line with international best practices. Adequate attention is given to the independence of the risk evaluators and business functions for addressing sound credit process

culture. Bank has a well-structured credit approval process, which functions within the defined Board approved credit policy.

Over the years Bank has gained good experience in internal ratings. This robust platform enabled the Bank to get an approval of regulator for parallel run for Foundation Internal Rating Based (FIRB) approach of credit risk under Basel II guidelines from March 31, 2013. Under the IRB approach the banks are allowed to develop their own empirical model to quantify required capital for credit risk. IRB implementation has helped the Bank with improved risk management systems and strong risk assessment processes.

Credit risk measurement models are validated by independent model validators for their discriminatory power, accuracy and stability. Corporate credit rating models have been updated during the year to enhance their predictive power of default.

To manage credit concentration risk, Bank has put in place prudential caps across industries, sectors and borrowers. The portfolio review cell carries out detailed studies on sectoral exposure, credit concentration, rating distribution and migration, which is used as a strategic input to decide on the credit risk strategy and to identify target markets of the Bank.

Bank has also implemented the Risk Adjusted Return on Capital (RARoC) framework for corporate credit exposures. It facilitates in evaluating credit risk exposures from the point of 'economic value addition' to the shareholders.

Market Risk

Bank measures and monitors interest rate risk in its trading book through duration, modified duration, PV01 and Value at Risk (VaR) on daily basis. The foreign exchange risk is measured and monitored in terms of net overnight open position limits (NOOPL), VaR limits, Aggregate Gap Limits (AGL), Individual Gap Limits (IGL) on daily basis. At transaction level, stop loss limits and dealer-wise limits have been prescribed and implemented. Equity price risk is measured and monitored through VaR limits and portfolio size limits etc. At transaction level, stop loss limits and dealer-wise limits are put in place to mitigate equity price risk.

Under its stress testing framework, Bank conducts comprehensive stress tests of its trading book portfolio on quarterly basis.

Asset Liability Management

Liquidity Risk is the inability to meet expected and unexpected cash and collateral obligation at reasonable cost. In our Bank, the liquidity risk is measured and monitored through Flow Approach and Stock Approach and other prudential stipulations as per the latest guidelines of the Reserve Bank of India. Bank has implemented Basel III Framework on Liquidity Standards - Liquidity Coverage Ratio (LCR), Liquidity Risk Monitoring Tools and LCR Disclosure Standards. The LCR standard aims to ensure that banks maintain an adequate level of unencumbered High Quality Liquid Assets that can be converted into cash to meet liquidity needs for a 30 calendar day time horizon under a significantly severe liquidity stress scenario. Bank has always been well above the stipulated level of LCR on solo basis as well as on consolidated basis. Bank discloses simple average of daily LCR for the respective quarter as part of Notes to Accounts on its website.

Interest Rate Risk in the banking book (IRRBB) arises due to mismatch between rate sensitive assets and liabilities which adversely impact the earnings of the Bank with the change in rate of interest in the market. For measurement and monitoring of Interest rate risk in banking book, Bank uses risk management tools such as Traditional Gap Analysis, Earning at Risk and Modified Duration of Equity. The short-term impact of interest rate movements on Net Interest Income [NII] is worked out through "Earnings at Risk" approach taking into consideration parallel shift in yield curve, yield curve risk, basis risk and embedded options risk. The long-term impact of interest rate movements is measured and monitored through change in Market Value of Equity (MVE).

Operational Risk

The Bank has implemented a web-based Operational Risk Management system SAS Enterprise Governance, Risk and Compliance (EGRC) for systemic, holistic and integrated management of Operational Risk. To mitigate and control operational risk at transaction level, Bank has established a Centralised Transaction Monitoring Unit for monitoring of all domestic transactions from KYC/ AML/ CFT angle. Bank has undertaken segregation of customer interface (front office) with the execution of transaction (back office) by centralizing number of back office functions. Centralized Trade Finance Back Office (TFBO) for forex transactions has been set up to minimize operational risk in forex transactions. Bank continues to create a strong risk awareness by imparting trainings to the employees at all levels and by organizing various locational workshops.

Roll out of Key Risk Indicators Programme (KRI), Risk Control and Self-Assessment Programme (RCSA) and root-cause analysis has further strengthened the control environment.

For improved fraud risk management, Bank is in the process of implementing a Enterprise Fraud Risk Monitoring Solution (EFRMS).

Basel III Implementation

The Basel III capital regulations have been implemented by Indian banks with effect from April 1, 2013. This implementation requires enhanced quality and quantity of capital on one side and enhanced disclosures on the other. For augmenting and improving core capital of the Bank, new measures for the inclusion of FCTR, DTA and Revaluation Reserves were introduced by RBI in March 2016. Bank has started maintaining Capital Conservation Buffer (CCB) also from March 2016 onwards and will reach minimum prescribed level of 2.5% by FY 2019.

The Bank maintains the regulatory mandated liquidity coverage ratio (LCR) as per the transitional arrangements prescribed by RBI.

Compliance

The compliance function is responsible for ensuring that the Bank operates with integrity and in compliance with applicable laws, regulations and internal policies. The Board of Directors oversee the management of Bank's compliance risk.

Bank has put in place a Board approved compliance policy outlining the compliance philosophy of the Bank. Compliance function in the Bank is an integral part of governance along with internal control and compliance risk management process. The compliance function advises senior management and the Board on the Bank's compliance with applicable laws, rules and standards globally and keeps them informed of developments in the area. It also educates employees about compliance issues by conducting periodic trainings and workshops for business staff and designated compliance officers. Knowledge management tools for this purpose have also been uploaded on the Bank's site.

During the year, Bank implemented a web based compliance management solution for certification and monitoring of various regulatory, statutory and internal guidelines at each level in the Bank for further strengthening the compliance function.

KYC/ AML Compliance

Bank has well defined KYC-AML-CFT Policy, which is the foundation on which the Bank's implementation of KYC norms, AML standards, CFT measures and obligation of the Bank under Prevention of Money Laundering Act (PMLA) 2002 is based. Bank electronically generates Cash Transaction Reports (CTRs) for submission to Financial Intelligence Unit-India (FIU-IND). AML Solution for generating system-based alerts on the basis of transactions in the accounts of the customers is in place. A central transaction monitoring unit (CTMU) also monitors transactions/alerts generated in AML Solution and escalation of STRs. System-based risk categorization of customers' accounts is done on half yearly basis. Bank files Counterfeit Currency Reports (CCRs) and Non Profit Organizations Transaction Reports (NTRs) to FIU-IND, New Delhi every month. It generates cross border wire transfer (EFT) reports every month in electronic mode for submission to FIU-IND, New Delhi.

Bank has implemented Aadhaar based e-KYC in collaboration with UIDAI. Real-time verification with names of individuals/ entities appearing in the sanctions/ UNSCR list or any other blacklist issued by Govt. authorities, while opening of accounts has been put in place. The Bank is in the process of allotting Unique Customer Identification Code (UCIC) to all its existing customers as per the RBI guidelines. The guidelines in respect of beneficial owner are scrupulously followed. Regular trainings and workshops are organized on UCIC and KYC/ AML/CFT compliance for the employees.

Internal Audit

Bank carries internal audit function through a Central Internal Audit Division (CIAD). CIAD administers various streams of audits besides Risk Based Internal Audit (RBIA) of branches and offices. Audit Committee of the Board oversees overall internal audit function and guides in developing effective internal audit, concurrent audit, IS Audit and all other audit functions of the Bank. The committee monitors the functioning of the Audit Committee of Executives and internal audit department in the Bank.

CIAD operates through thirteen Zonal Internal Audit Divisions to carry out internal audit of branches/offices as per the periodicity decided by the Risk Based Internal Audit Policy. All branches of the Bank are covered under Risk Based Internal Audit. Out of 4,827 branches audited during FY 2018, 3,873 branches (80.24%) were in Low Risk, 905 branches (18.75 %) were in Medium Risk, 46 branches (0.95 %) were in High Risk and 03 branches (0.06 %) were in Very High Risk category.

Bank engaged an independent firm as a knowledge partner for comprehensive review of the Audit function in line with the processes focusing on centralization of activities by use of technology, imaging solutions and digitization and the same is in progress. The whole gamut of audit approach will undergo a change with extensive use of technology, analytics, sampling and advanced audit methodology. Internal audit processes thus are being revamped aided by technology.

For streamlining the concurrent audit function, with the objective of improving oversight and consistency in approach, Bank has revamped its concurrent audit system whereby a single firm is appointed to conduct concurrent audit of all branches in a Zone. It brings in the benefits of uniformity of approach and of unified view on control & compliances, observations of irregularities and patterns if any. Further, in view of advancement in technology and growing transactional data, Bank has undertaken transformation of audit process supplementing on-site audit process with off-site one for timely preventive actions and improved internal controls.

Customer Service

Bank is focused towards providing an excellent customer experience. It has been our constant endeavour to set industry benchmarks and pioneer advancements/innovations in products, processes and service delivery that is imperative to provide seamless experience to our customers. We have been actively engaged in understanding and identifying gaps between customer needs and expectations through the Voice of the customers (annual surveys and real-time ongoing bottoms-up surveys), embedding CX goals in the Organisation's goals, building "Client First Culture", redesigning experiences (product design, systems and processes) to deliver wow experiences for enhanced customer satisfaction and loyalty.

Some of the initiatives undertaken in this direction are as follows:

- Voice of our customers: Customer feedback provides us an opportunity to improve our services, understand and identify gaps between customer needs and their expectations. We conduct an annual survey and a monthly bottoms-up surveys to measure customer satisfaction and ease of banking with us. Presently, a monthly customer satisfaction survey is being conducted across all access channels by 2 leading

market research agencies on behalf of the bank. The Bank tops the list across public sector banks across all access channels.

- Customer Experience goals have been embedded in the organisation's goals and scorecards with CX goals has been completed for more than 60% of the Bank (top management and branches).
- Governance: Dashboards/customer centric metrics for key customer impacting processes – top 5 processes have been completed.
- Organising for success : Bank has been constantly trying to reorganise by bringing together departments which require the similar skill sets and expertise under one umbrella, for FTE and cost optimisation (e.g. bringing digital operations under Operations at BGSS)
- Mystery Shoppings/service audits to assess the service levels of the primary access channel, i.e. our branches, are being held on a regular basis. These audits cover every aspect of customer - branch ambience to wait time, priority for senior citizens and specially abled people, BCSBI Code compliance, awareness of processes and policies and more. A 20% coverage of the branches (selected randomly) in each Zone is the target. A task force comprising of officials from Customer Experience, Customer Service, Regional & Zonal Compliance and Regional training Centre teams has been formed to ensure regular feedback and trainings are provided to the branches basis the identified gaps.
- Grievance Redressal - End to end revamp of the entire grievance machinery has been done. In Phase I - Bank's Online Grievance Redressal Portal SPGRS has been made a single repository of complaints. SPGRS has been integrated with DCRS (portal used for handling debit card related complaints) to have an improved mechanism for internal control, grievance monitoring, redressal, MIS & regulatory reporting. Various enhancements have also been made to make the system more robust and user friendly (like back up/DR & server upgrade, self-explanatory complaint category codes, options to consult, refer, attach and re-open complaints, auto-escalations, prioritization, option to capture customer feedback on resolution, auto acknowledgements, interims and close looping SMS are some of the options). Customers will also be able to provide their feedback on resolution through an SMS "Happy/Unhappy" (the development is underway). The improved monitoring & tracking has already helped in ensuring that than 75% of the complaints are now being resolved within 7 days.
- Process reengineering: KYC and Account opening form, dispatch and delivery of welcome kit with cheque book, debit card along with welcome letter have been streamlined.
- Customer segmentation for differential services- Baroda Radiance has been launched in 2 cities and RMs have been on boarded.
- To embed the culture of "Client first " in all our interactions, the core values - Integrity, Courage, Customer Centricity, Passionate Ownership, Innovation and Excellence, have been put in place . Our next step is to ensure that Bank as a whole adopts these values to ensure "Client First " in all our day to day interactions with customers, and to ensure any change– be it systems/ processes – is done keeping customers' interest at the core of all our actions.
- Contact Centre enhancements are underway to provide the best in class services through contact centre to our customers. The service level of contact centre has improved from 42.94% in August, 2017 to 93.39% in April,2018 and lost calls are now less than 2%.
- The 24X7 Contact Centre is available in -6- regional languages which handles customer queries, complaints and emergency services such as card blocking and reissuance. It also handles calls from two overseas locations – Mauritius and Botswana. Call Centre also has a dedicated outbound sales unit handling auto loans, personal loans and insurance. A dedicated HNI number and team is available for Baroda Radiance customers. Initiatives currently underway include video chat and web chat.

A sub-committee of Board on customer service oversees the issues relating to the formulation of policies on customer service and experience and its compliance. Bank has also set up a Standing Committee on Procedures and Performance Audit on Customer Services which includes two eminent public personalities, Executive Directors and senior officials of the Bank. This Committee oversees timely and effective compliance of the RBI instructions on customer service and also reviews the practices and procedures prevalent in Bank and takes necessary corrective steps on an ongoing basis. At branch level, Branch Customer Service Committee is in place.

Bank is also a member of the Banking Codes and Standards Board of India (BCSBI) and has adopted the "Code of Commitment to the Customers" and the "Code of Bank's Commitment to MICRO and Small Enterprises". During the last rating exercise, Bank has been rated "Above Average" in overall score by BCSBI.

Vigilance

Vigilance function in the Bank aims at proactively supporting bonafide decisions and simultaneously acting as a deterrent for ensuring that no wrongdoing takes place. The thrust remains on identifying leakages within the organization that may lead to financial losses, taking corrective and preventive action to plug them.

Bank gives importance to preventive vigilance to inculcate awareness on the compliance to internal systems and processes. To encourage employee confidence and enhanced awareness, various initiatives on preventive vigilance are taken by the Vigilance department. Preventive vigilance audits of sensitive branches identified on the basis of risk perception, are undertaken. Employees are sensitized

on preventive vigilance aspect, as to consequences of flouting rules and regulations which may lead to perpetration of frauds by unscrupulous elements, through Vigilance newsletter, circulars, meetings etc.

The number of staff accountability cases has been brought down by ensuring speedy disposal of vigilance matters. Other initiatives include implementation of bio-metric authentication in CBS, online submission of property returns by officers and placing immoveable property return of executives on Bank's website. An exclusive portal BoB e-vigil, incorporating online vigilance clearance, disciplinary proceedings status, complaint management system etc. is being made operational which aims to make the transparency, supervisory and MIS function more effective.

The Vigilance machinery performs its role as decision facilitators, rather than decision deterrent, by strengthening the systems and procedures, plugging loopholes and erasing grey areas. It is imparting participative, proactive and preventive mechanisms to meet the desired impact.

During the year, online whistleblower complaint system has been made operative in addition to the traditional paper based system for raising concerns at the right time under whistle blower guidelines to avoid undue delay and restricting the potential damage.

Human Resources

Bank believes that our human resources are the biggest differentiator having a direct and significant impact on Bank's overall performance. Bank has a rich reservoir of human resources comprising over 55,000+ employees. Bank's HR has undertaken a number of initiatives viz. recruitment and onboarding of talent in the wake of a large number of superannuations, strengthening performance management system through Project SparshPlus, addressing training needs, leadership development needs across the Bank through a comprehensive leadership development program – "WeLead", succession planning and increased levels of employee engagement.

During Bank's first employee engagement survey "Voice of Barodians", several positives that emerged were taken into account for variety of action plans. These include capability building initiatives to take on higher order challenges in the Bank's transformation journey. Bank's intent is to ensure that the employee experience across all levels is further enhanced so as to create a fun and happy place to work in. Towards this end, the Bank launched a series of initiatives for the employees.

Bank has undertaken a similar survey this year also to gauge the feedback on implementation on first survey.

'Baroda Anubhuti' Programme

This is an employee engagement programme. Various initiatives have been undertaken to enhance the overall employee engagement like 'Employee of the month', spot recognition – capturing 'WoW' moments, Fun hour at all branches/offices, local community service/social activities by employees and various sports, cultural and wellness activities.

As a part of the programme, once in six months, mandatory community service programme is carried through all branches/offices of the Bank. It helps build a social connect of employees with the local community besides inculcating a spirit of service and care while Bank undertaking its responsibility as good corporate citizen.

During the year, on the occasion of Bank's Foundation Day and on Republic Day, Bank undertook the following community service activities:

- Blood Donation – more than 10,000 units of blood
- Tree Plantations drive – around 35,000 saplings planted
- Cleanliness drive – more than 2,100 drives in various localities
- Distribution of materials, miscellaneous items to the poor and needy – more than 81,000 items
- Distribution of materials, misc. items to orphanages / old age homes – more than 55,000 items
- Conducting Health Check Up Camps – more than 8,200 people were covered.

'WeLead' - a comprehensive Leadership Development Programme

Bank introduced a comprehensive leadership development initiative called 'WeLead' with the objective of building a robust and sustainable pipeline of leaders for future. This is through -4- distinctive programmes:

- Baroda Senior Leadership Programme – for Officers in Scales VI & VII
- Baroda Emerging Leaders Programme – for Officers in Scales V
- Baroda Rising Stars Programme – for Officers in Scales IV
- Sayaji Rao Gaekwad Scholars Programme – for Officers in Scales I, II & III

Under the 4 programmes, Bank has identified over 2,700 potential leaders to take over the leadership positions in future. Bank has plans to extend the coverage of this programme.

Baroda GEMS (Growth and Empowerment Management System)

Under Project "SparshPlus" Bank has introduced a new Performance Management System (PMS) for employees, christened as Baroda GEMS (Growth & Empowerment Management System). The approach of the entire PMS system is to shift the focus from an evaluative mechanism to a development and growth oriented mechanism of employee performance.

Baroda GEMS is a digital platform and provides periodical updates to each officer on his/her performance. It provides performance analysis and feedback through performance scorecards and minimizes subjectivity in assessment process. It enables differentiation of performers through comparison in similar cohorts, provides officers with control on their output/

results, brings in more transparency and thereby enables a performance driven culture in the Bank.

Learning and Development

To provide alternate learning channels and build learning environment, Bank undertook various initiatives like roll out a multi-function, one stop Baroda Academy Mobile application, Baroda Radio and such other interventions which cater to the requirement of learning. The Bank has put in place a 'life cycle concept of training' to provide training in a focused and phased manner aligned to the job role performed and to the requirements at various stages of employee's career. The e-learning platform of Baroda Net Academy hosts more than 230 modules and more than 7 lakh courses were completed by employees during FY 2018.

Wellness and fitness drives

The Bank formed Sports & Cultural Clubs for employees in Zonal and Regional office centres across the country to promote sports and cultural activities and to inculcate wellness and fitness awareness amongst the employees. Bank conducted Inter Zonal Tournaments in 6 disciplines last year in different parts of the country which saw active participation by teams from all Zones.

The Bank also started a concept of "Annual Sports Day" of the Bank. First of such event was held on November 25, 2017. Sports activities were organized for the entire day simultaneously across all zonal and regional centres. The event saw active engagement by the families of the employees also.

Recruitment

The Bank is focused on developing processes to attract the best talent. During the year, Bank revamped the selection process for admission to the Baroda Manipal School of Banking. The course contents have also been re-casted and tailor-made to develop required banking skills in the emerging environment.

To augment the skill sets and address the manpower requirements arising in the Bank, 6,257 employees were on-boarded in various cadres through lateral, contractual and other recruitment channels taking the total employee strength to 55,662 as on March 31, 2018.

Thrust on Diversity

Bank follows a non-discriminatory and equal opportunity policies for all its employees. Bank is transparent in all issues relating to promotion, career path, transfer policy and employee benefit/welfare schemes.

In order to create a more diverse workplace, Bank has been progressively increasing its recruitment of women employees. The percentage of women in the overall staff composition has increased to 23% in FY 2018 from 22.70% in FY 2017 and 22% in FY 2016. The gender diversity ratio (ratio of men to women employees) in the Bank now stands at 3:1.

In order to retain women employees at all levels and in recognition of the concomitant responsibilities of women, Bank has put in place various facilities to support women employees such as sabbatical leave, health check-up program for women employees and other initiatives.

Bank's Core Values

During the year, Bank's core values aligned to leadership competencies were unveiled. These were formulated based on feed-back received from employees across the globe and are the guiding principles based on which we operate. Six core values of the Bank are:

- **Integrity –** We are ethical and transparent in our words, actions and dealings with all stakeholders.
- **Customer Centricity –** Our customers' interests lie at the core of all our actions.
- **Courage –** We are resilient in the face of adversity and having faith in our beliefs.
- **Passionate Ownership –** We display energy, enthusiasm and commitment towards our Bank and we work together for the Bank.
- **Innovation –** We create value with break-through ideas.
- **Excellence –** We strive for continuous improvement in our policies, systems and processes.

Bank has taken necessary steps for instutitionalsing these core values across the organisation.

Implementation of Official Language (OL) Policy

During FY 2018, Bank made exemplary progress in implementing the Official Language Policy of Government of India. Besides compliance of various statutory requirements under Official Language Policy of the Union Government and directives issued by Reserve Bank of India, our Bank promoted Hindi as a tool for business development and establishing connect with the customers.

During the year, Bank was awarded First Prize by Government of India, Ministry of Home Affairs, Department of Official Language under linguistic Region 'B'. Similarly, our Zonal Office, Jaipur, Regional Office, Varanasi and Head Office, Baroda were also awarded with prizes in the related linguistic regions. President of India his Excellency Shri Ramnath Kovind distributed the prizes on Hindi Day 2017.

Jaipur, Varanasi, New Delhi, Goa, Guwahati, Lucknow, Manjhanpur (UP) and Patna offices of our Bank also received awards from Govt. of India through its Regional Implementation Offices for their outstanding work. Bank continued with its unique scheme "Medhavi Vidyarthi Samman Yojana" for popularising Hindi in 64 universities of the country.

Domestic Subsidiaries and Joint Ventures

BOB Financial Solutions Ltd. (BFSL) (erstwhile Bobcards Ltd):

The name of this subsidiary was changed to reflect its new business role. Gradually widening the scope based on the expertise acquired in the payment card industry over a period of time and envisaging growth opportunities for cards and digital payments in India, BFSL is gearing up to be an

important player in consumer credit and payment system in the evolving market landscape. The company is in process of introducing new business lines besides revamping the existing business. It aims to be a consumer finance company for credit card and personal loans business. During the year, various initiatives were taken by the company for its growth. It launched New 5x range of cards, EMI on transaction, online application processing & underwriting. Dedicated Call Centre to attend POS related complaints were set up. Pursuant to strong position to aggressively chase business growth, BFSL is completing technology and infrastructure upgrades, build the manpower backbone of the organization and reach a scalable and cost effective outsourcing operations model, delivering optimal customer experience and stable internal processes.

BOB Capital Markets Limited (BOBCAPS)

BOBCAPS after refreshed branding realigned its business and focused on three lines of businesses viz. (a) Investment Banking – Debt & Equity (b) Institutional Broking and (c) Wealth Management and Online Retail Broking. It is also licensed to undertake portfolio management services (PMS). During the year, the company strengthened its teams in all business and support verticals as also its branding and infrastructure to be able to leverage strengths of the parent and establish itself as an important player in the businesses. The Company acted as Book Running Lead Manager (BRLM) in three QIP issuances and has a good pipeline of transactions in debt, equity and M&A investment banking. In broking, the company's enhanced products and services are resulting in rise in institutional and retail clients and business.

The Nainital Bank Limited

The Nainital Bank Limited (NBL), promoted by Late Bharat Ratna Pandit Govind Ballabh Pant and others became an Associate Bank of Bank of Baroda in the year 1973. Bank's holding in Nainital Bank Ltd. is 98.57%. Total Business of NBL which was ₹ 10,132.7 crore as on March 31, 2017 increased to ₹ 10,772.1 crore as on March 31, 2018. Gross NPA of the Bank remained almost flat at ₹ 167.5 crore as on March 31, 2018 from a level of ₹ 164.3 crore as on March 31, 2017. The net profit of the Bank was ₹ 48.9 crore in FY 2018 against profit of ₹ 48.5 crore during previous year. Bank opened 3 new branches and established 5 Loan processing units named as Naini Loan Points (NLPs) at different locations. Bank installed 11 white label ATMs taking the total to 24 such ATMs and installed 772 POS machines. During the year NBL was awarded as "Best MSME Bank (Private Sector)" by ASSOCHAM.

Baroda Global Shared Services Ltd. (BGSS)

Established during FY 2017, BGSS commenced its operations during the year. The subsidiary is providing services by helping Bank to digitize the processes and centralize its back office operations at the state-of-the-art Shared Services Centre (SSC) at GIFT City, Gandhinagar, Gujarat.

Currently it has more than 600 FTEs in non-voice (transaction processing) and ~ 750 FTEs in voice (call centre) which are being scaled up. Significant progress has been achieved on centralization of trade finance and forex operations, account opening (liabilities) and retail loan processing. The goal is to map complete foot print of branches (5400+) in line with centralized hub by which 24*7 customer service can be provided to clients

A robust governance frame work adhering to standard operating procedures (SOPs) and risk and control self-assessment (RCSA) framework has been set up at SSC to improve efficiency and strengthen internal controls and compliance under one roof. At TFBO in SSC, a quality control unit has also been set up.

Barodasun Technologies Ltd.

During the year, Bank setup a wholly owned IT subsidiary. Bank is in the process of setting up an IT Centre of Excellence (ITCoE) to identify new emerging trends and provide technology differentiation. The ITCoE would provide design thinking skills, process design, architectural skills and core development capacity in current and future technology, helping the business to leverage technology for realizing business outcomes.

IndiaFirst Life Insurance Company Ltd.

IndiaFirst Life Insurance Company Ltd., a joint venture with Andhra Bank and Legal & General group. It commenced business operations on November 16, 2009. It is the fastest life insurance company to break even in the 5th year of operations. Its current industry ranking in Individual New Business (APE) is 14th among the private players with Assets under Management (AUM) at ₹ 12,622 crore as on March 31, 2018.

The company was conferred with the "Bancassurance Leader of the Year" award in the large company category at the National Awards 2017 for Excellence in insurance for successfully implementing the Bancassurance model.

In line with its global strategy, Legal & General has plans to divest its stake in the joint venture. The process for the same is underway.

India Infradebt Limited (Infradebt)

Infradebt is the first Infrastructure Debt Fund (IDF)-NBFC and is sponsored by Bank of Baroda, ICICI Bank, Citicorp Finance (India) Limited and LIC of India as the shareholders. The principle activity of the company is to re-finance the infrastructure projects which have achieved completion as well as one year of commercial operations. The synergy with the Bank arises from its focus on lending to infrastructure projects including to road and renewable energy sectors. Infradebt is rated AAA by CRISIL and ICRA and enjoys 100% Income-tax exemption. The company has delivered healthy growth in last full four years of operations. Its loan book as on March 31, 2018 was ₹ 7,718.6 crore and net profit for FY 2018 was ₹ 132.5 crore.

Baroda Pioneer Asset Management Company Limited

It is a Joint Venture of the Bank with Pioneer Global Asset Management SpA and is in its eighth year of operation. The

Average Assets under Management (AUM) of the venture were ₹ 11,502 crore as on March 31, 2018, registering an annual growth of 10%. Growth in its long term assets was higher than the overall growth. The company continued its focus on building retail assets. It also undertakes third party distribution and saw good success with the Independent Financial Advisor (IFA) channel during the year.

During the year, Bank entered into an agreement with UniCredit S.P.A.(the parent company of Pioneer Global Asset Management SpA) to buy its 51% stake in the company, subject to regulatory approvals. Post completion of the transaction, the Bank will own 100% of the asset management company.

A brief synopsis of domestic subsidiaries, associates and Joint Ventures is as below:

(₹ in lakh)

Entity (with date of registration)	Owned Funds	Total Assets	Net Profit	Offices	Staff
BOB Capital Markets Ltd. (11.03.1996)	15,670	16,133	(226)	1	109
BOBCARDS Ltd. (29.09.1994)	23,409	39,874	1,541	40	151
Baroda Pioneer Asset Management Co. Ltd. (05.11.1992)	5,926	7,207	317	3	74
Baroda Pioneer Trustee Company Pvt Ltd. (23.12.2011)	9	15	1	1	0
IndiaFirst Life Insurance Co. Ltd. (05.11.2009)	60,215	13,09,838	5,121	29	1,533
The Nainital Bank Ltd. (31.07.1992)	60,179	8,114	4,889	147	967
India Infradebt Ltd. (31.10.2012)	93,060	8,31,669	13,248	1	21
BOB Shared Services Ltd.(15.03.2017)	1,054	1,084	58	2	158

Awards and Accolades

During FY 2018, Bank won the following awards and accolades:

Date	Awards
28.02.2018	Bank was awarded "Makers of Excellence Award" under APY by Pension Fund Regulatory and Development Authority (PFRDA), Govt. of India.
03.02.2018	Finnoviti 2018 Award for Financial Inclusion by Banking Frontiers
17.02.2018	Winner Award in "Agricultural Banking" in the Large Bank category by ASSOCHAM in Annual banking cum Social Banking Excellence Award of 2017.
17.01.2018	Ranked as among top 50 companies in India on People Capital Index(PCI) by Jombay in partnership with Naukri.com and British Standards Institute (BSI)
22.12.2017	Bank won -4- Awards at the 57th Association of Business Communicators of India (ABCI) Awards in categories viz. Wallpaper, Web Communication, Features (Language), Table Calendar 2017
22.11.2017	Mr. P S Jayakumar, MD&CEO of the Bank was conferred with "Business Innovator Award -2017" by Asian Business Leadership Forum (ABLF).
13.10.2017	Bank won following Six awards on APY (Atal Pension Yojna) from Pension Fund Regulatory and Development Authority (PFRDA), Govt. of India. • 1st - Top Performing Bank in sourcing APY accounts FY 2017 • 2nd - Best Performing Bank in sourcing of APY accounts FY 2017 • 1st - APY Transformative Leader Award • 1st - APY SLBC Leader (UP) • 1st - APY Formation Day Winner • 1st - APY Brand Ambassador

14.09.2017	Bank bagged -5- prizes in Official Language implementation as under: • First Prize among all the nationalized banks under Rajbhasha Kirti Award Scheme of GOI for the year 2016-2017 for outstanding achievement in implementation of Official Language Policy. • First and Second Prizes in Linguistic Region 'A' - TOLIC • Second Prize in Linguistic Region 'B' - TOLIC • Rajbhasha Gaurav Puraskar Scheme
26.04.2017	Silver Award for Best Social Media Brands under Bank category for 2017 by Social Samosa an Indian knowledge repository website on Social Media.

Dividend Distribution Policy

As required under Regulation 43A of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements), 2015, Bank has dividend distribution policy in place which sets out the parameters and circumstances that will be taken into account by Board in determining distribution of dividend to its shareholders. The policy is given in this Annual Report and is also available on the Bank's website at www.bankofbaroda.com/download/Dividend.pdf

Board of Directors (Appointment /Cessation of Directors during the year)

Appointments

Shri Lok Ranjan was nominated as Director w.e.f. August 26, 2017 by The Central Government u/s 9 (3) (b) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 to hold the post until further orders.

Smt. Soundara Kumar was elected as Shareholder Director under section 9 (3)(i) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, for a period of 3 years from December 24, 2017 to December 23, 2020.

Shri Bharatkumar D Dangar was elected as Shareholder Director under section 9 (3)(i) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, for a second term of 3 years from December 24,2017 to December 23,2020.

Cessations

Shri Mohammad Mustafa Director, ceased to be a Government Nominee Director w.e.f. August 26, 2017 on the appointment of Shri Lok Ranjan in his place.

Shri Prem Kumar Makkar Director, ceased to be a Non Workmen Director w.e.f. September 19, 2017 on completion of the tenure of -3- years.

Dr. R. Narayanaswamy Director, ceased to be a Shareholders Director w.e.f. December 24, 2017 on completion of the tenure of -3- years.

Board Evaluation

In FY 2017, the Bank engaged a reputed external consulting firm to conduct an independent evaluation of the Board, its committees and individual directors. In FY 2018, this evaluation was followed up by an independently administered questionnaire by the same consulting firm. The questionnaire was completed by all the directors. The questionnaire included a range of topics to evaluate the performance of the Board. These includes:-

- Composition & Effectiveness
- Governance
- Relations with Management Committees
- Continuous Improvement

The responses received from the Board members were compiled and a report was submitted by the consulting firm to all Directors on the Board. The Directors discussed the Report and agreed on a set of actions to drive further improvement in Board effectiveness.

Auditors' Compliance Certificate on Corporate Governance:

The Auditors Compliance Certificate regarding the compliance of the conditions of Corporate Governance for the year 2017-18 is annexed with this report pursuant to "Part "E" of Schedule V of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015.

Business Responsibility Report

Business Responsibility Report as required by SEBI has been hosted on the website of the Bank (www.bankofbaroda.co.in). Any member interested in obtaining a physical copy of the same may write to the Company Secretary of the Bank.

Directors' Responsibility Statement

The Directors confirm that in the preparation of the annual accounts for the Financial Year ended March 31, 2018:

a) The applicable accounting standards had been followed along with proper explanation relating to material departures if any;

b) The accounting policies framed in accordance with the guideline of Reserve Bank of India were followed and the directors had selected such accounting policies and applied them consistently and made judgments and estimates that are reasonable and prudent so as to give a true and fair view of the state of affairs of the Bank at the end of the financial year and of the profit and loss of the Bank for that period;

c) The directors had taken proper and sufficient care for the maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of applicable laws to the Bank for safeguarding the assets of the Bank and for preventing and detecting fraud and other irregularities;

d) The directors had prepared the annual accounts on a going concern basis; and

e) The directors had ensured that internal financial controls followed by the Bank are in accordance with guidelines issued by Reserve Bank of India in this regard and that such internal financial controls are adequate and were operating effectively.

Explanation. For the purposes of this clause, the term "internal financial controls" means the policies and procedures adopted by the Bank for ensuring the orderly and efficient conduct of its business, including adherence to Bank's policies, the safeguarding of its assets, the prevention and detection of frauds and errors, the accuracy and completeness of the accounting records, and the timely preparation of reliable financial information;

f) The directors had devised proper systems to ensure compliance with the provisions of all applicable laws and that such systems were adequate and operating effectively.

Acknowledgements

The Directors place on record their appreciation for the contributions made by the outgoing Directors viz. Shri Mohammad Mustafa, Shri Prem Kumar Makkar and Dr. R. Narayanaswamy.

The Directors express their sincere thanks to the Government of India, Reserve Bank of India, Securities and Exchange Board of India, other regulatory authorities and the overseas regulators for their continued co-operation, guidance and support.

Bank would like to take this opportunity to express sincere thanks to its valued clients for their continued patronage and support.

The Directors acknowledge with deep appreciation of the cooperation extended by all shareholders, banks and financial institutions, rating agencies, stock exchanges and all the well wishers in India and abroad.

The Directors also take this opportunity to place on record deep appreciation for the hard work and dedication of the employees of our Bank which enabled our Bank to record growth with quality year after year despite economic challenges and consolidate its position as one of the premier banks in the country.

For and on behalf of the Board of Directors,

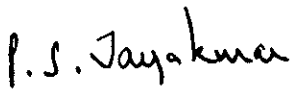

P. S. Jayakumar

Managing Director & CEO

कार्पोरेट गवर्नेंस की शर्तों के अनुपालन पर लेखा परीक्षकों का प्रमाण-पत्र- 2017-18 :

प्रति

बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सदस्यगण,

हमने सेबी (सूचीयन दायित्व करार एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियमन 2015 के अंतर्गत बैंक द्वारा 31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए कार्पोरेट गवर्नेंस संबंधी अनुपालन स्थिति की जांच की है.

कार्पोरेट गवर्नेंस संबंधी शर्तों का अनुपालन करना प्रबंधन का दायित्व है. हमारी जांच, कार्पोरेट गवर्नेंस संबंधी बाध्यताओं का अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु बैंक अपनायी गई प्रक्रियाओं और कार्यान्वयन तक ही सीमित थी. यह न तो कोई लेखा-परीक्षा है और न ही बैंक की वित्तीय विवरणियों के बारे में हमारा अभिमत है.

हम अपनी राय तथा सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के आधार पर प्रमाणित करते हैं कि बैंक ने उपरोक्त सूचीबद्ध करार में विनिर्दिष्ट कार्पोरेट गवर्नेंस संबंधी बाध्यताओं का अनुपालन किया है.

हमारा यह भी अभिकथन है कि उक्त अनुपालन का अभिप्राय बैंक की भविष्य की सक्षमता के प्रति यह कोई आश्वासन नहीं है और न ही यह बैंक के कार्यपालकों के संचालन में प्रबंधन की कुशलता एवं प्रभावपूर्णता के बारे में आश्वासन है.

Auditors' Certificate on Compliance of Conditions of Corporate Governance – 2017-18 :

To:

The Members of Bank of Baroda,

We have examined the compliance of conditions of Corporate Governance by Bank of Baroda, for the year ended 31st March 2018, as stipulated in SEBI (Listing Obligations & Disclosure Requirements) Regulations, 2015.

The compliance of conditions of Corporate Governance is the responsibility of management. Our examination was limited to procedures and implementation thereof, adopted by the Bank for ensuring the compliance of the conditions of the Corporate Governance. It is neither an audit nor an expression of opinion on the financial statements of the Bank.

In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, we certify that the Bank has complied with the conditions of Corporate Governance as stipulated in the above mentioned Listing Regulations.

We state that such compliance is neither an assurance as to the future viability of the Bank nor the efficiency or effectiveness with which the management has conducted the affairs of the Bank.

कृते **कल्याणीवला व मिस्त्री एलएलपी**
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 104607डब्ल्यू/डब्ल्यू100166
For **Kalyaniwalla & Mistry LLP.**
Chartered Accountants
FRN:104607W / W100166

(**अनिल ए कुलकर्णी**)
भागीदार
एम नं. 047576
(Anil A. Kulkarni)
Partner
M No. 047576

कृते **सिंघी एण्ड कं.**
सनदी लेखाकार
एफआरएन: 302049ई
For **Singhi & Co.**
Chartered Accountants
FRN : 302049E

(**एस चंद्रशेखर**)
भागीदार
एम नं. 007592
(S Chandrasekhar)
Partner
M No. 007592

कृते **जी एम कपाड़िया एण्ड कं.**
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 104767डब्ल्यू
For **G M Kapadia & Co.**
Chartered Accountants
FRN : 104767W

(**गुरूराज जी**)
भागीदार
एम नं. 219948
(Gururaj G)
Partner
M No. 219948

कृते **एस आर डिनोडिया एण्ड कं. एलएलपी**
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 001478एन/एन500005
For **S R Dinodia & Co. LLP.**
Chartered Accountants
FRN : 001478N / N500005

(**नूतन जैन**)
भागीदार
एम नं. 092332
(Nutan Jain)
Partner
M No. 092332

स्थान : मुम्बई
दिनांक: 25 मई 2018
Place: Mumbai
Date: 25th May 2018

कार्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट 2017-18
Highlights of Corporate Governance Report 2017-18

गवर्नेंस संहिता के बारे में बैंक की मान्यता

बैंक ऑफ़ बड़ौदा कार्पोरेट गवर्नेंस पर उत्कृष्ट पद्धतियां अपनाने के प्रति प्रतिबद्ध है. उत्कृष्ट कार्पोरेट गवर्नेंस पद्धतियों का अनुपालन बैंक के परिचालनों का एक अंतर्निहित हिस्सा है. बैंक का कार्पोरेट गवर्नेंस दर्शन पारदर्शिता, व्यावसायिकता और उत्तरदायित्व के मूल्यों के माध्यम से प्रतिबिम्बित होता है. बैंक इन पक्षों को उत्कृष्ट बनाने और उसके माध्यम से शेयरधारकों, ग्राहकों, कर्मचारियों, लेनदारों और समाज के अन्य सदस्यों सहित अपने सभी हितधारकों के लिए दीर्घकालीन आर्थिक मूल्य सृजित करने और उसे बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयत्नशील है.

बैंक का कार्पोरेट गवर्नेंस निम्नलिखित सिद्धांतों द्वारा नियंत्रित होता है:

- शेयरधारकों के मूल्य को बढ़ाना और उसे अधिकतम स्तर पर पहुँचाना
- सभी हितधारकों के साथ संव्यवहार में निष्पक्ष, नैतिकता एवं पारदर्शिता.
- ग्राहकों, कर्मचारियों एवं बृहद् समाज सहित सभी हितधारकों के हित का संरक्षण.
- बैंक के कार्यनिष्पादन एवं परिचालनों से संबंधित सभी मामलों में समय पर एवं सही प्रकटीकरण
- बैंक के बुनियादी मूल्यों का पालन करते हुए अपना व्यवसाय करना.

बैंक के बुनियादी मूल्य इस प्रकार हैं:

1. सत्यनिष्ठा: हम अपने सभी हितधारकों के साथ वाणी, कार्यों और संव्यवहार में नैतिक और पारदर्शी हैं.
2. ग्राहक केंद्रीयता: हमारी सभी गतिविधियों का केंद्र हमारे ग्राहकों का हित है.
3. साहस: हम विपरित परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखते हैं और अपने मूल्यों पर विश्वास करते हैं.
4. उत्साहपूर्ण स्वामित्व: हम अपने बैंक के प्रति ऊर्जा, उत्साह एवं अपनत्व का भाव रखते हैं तथा एक साथ मिल कर बैंक के लिए कार्य करते हैं.
5. नवोन्मेषिता: हम नवीन विचारों से मूल्य संवर्धन करते हैं.
6. उत्कृष्टता: हम अपनी नीतियों, प्रणालियों और प्रक्रियाओं में लगातार सुधार करने का प्रयत्न करते हैं.

बैंक यह मानता है कि मजबूत कार्पोरेट गवर्नेंस एक जिम्मेदारी, निष्पक्षता, पारदर्शिता, निरंतरता एवं प्रभावोत्पादकता की संस्कृति है जो संगठन में सर्वत्र प्रचलित है.

बैंक एक सूचीबद्ध निकाय है; जो एक कम्पनी नहीं है, अपितु बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 के तहत निकाय कार्पोरेट है तथा भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा विनियमित होता है, अत: बैंक सेबी (सूचीयन करार एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियमन 2015 के प्रावधानों का उस सीमा तक पालन करेगा, सिवाय इस विनियमन के प्रावधान बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 के प्रावधान और इस संबंध में भारतीय रिज़र्व बैंक तथा भारत सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों के साथ सुसंगत नहीं होते हैं.

बैंक में कार्पोरेट गवर्नेंस के प्रावधानों के अनुपालन पर एक रिपोर्ट निम्नानुसार है:

BANK'S PHILOSOPHY ON CODE OF GOVERNANCE

Bank of Baroda is committed to adopting best practices on corporate governance. The adherence to best corporate governance practices is an integral part of Bank's operations. Bank's corporate governance philosophy is reflected by the values of transparency, professionalism and accountability. The Bank constantly strives towards betterment of these aspects and thereby perpetuates it into generating long term economic value for all its stakeholders including shareholders, customers, employees and other society members.

Bank's corporate governance is governed by the following principles:

- Enhance and maximize the shareholders value
- Fair, ethical and transparent in dealings with all the stake holders
- Protection of the interest of all stake holders including customers, employees and society at large
- Timely and accurate disclosures on all matters pertaining to the performance and operations of the Bank
- Carrying the business adhering to our core values of the Bank

The core values of the Bank are:

1. Integrity: We are ethical and transparent in our words, actions and dealings with all stakeholders.
2. Customer Centricity: Our customers' interests lie at the core of all our actions.
3. Courage: We are resilient in the face of adversity and having faith in our beliefs.
4. Passionate Ownership: We display energy, enthusiasm and commitment towards our Bank and we work together for the Bank.
5. Innovation: We create value with break-through ideas.
6. Excellence: We strive for continuous improvement in our policies, systems and processes.

Bank believes that sound corporate governance is a culture of accountability, fairness, transparency, consistency and effectiveness which is practiced across the organization

The Bank is a listed entity; not a company but body corporate under The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 and is regulated by Reserve Bank of India. Bank has complied with the provisions of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 except where the provisions of these regulations are not in conformity with The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 and the guidelines issued by Reserve Bank of India and Government of India.

A report on implementation on provisions of Corporate Governance in the Bank is as below:

निदेशक मंडल

कार्यदायित्व एवं स्वरुप

निदेशक मंडल के कार्यदायित्वों में अन्य के साथ शामिल है:

- नीतियों और नीतिगत फ्रेमवर्क को स्थापित करना.
- सार्थक एवं नीतिपरक निर्णय लेना,
- लक्ष्यों की प्राप्ति का अवलोकन,
- हितधारकों के हित की रक्षा करना और उसमें वृद्धि करना,
- बैंक के जोखिम प्रोफाइल की निगरानी करना

निदेशक मंडल का गठन बैंककारी विनियमन अधिनियम 1949, बैंककारी कंपनी(उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 यथा संशोधित तथा राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंधन एवं विविध प्रावधान) योजना 1970 (यथा संशोधित) के प्रावधानों द्वारा शासित होता है. 31 मार्च 2018 की स्थिति के अनुरुप निदेशक मण्डल का स्वरूप **अनुबंध-1 एवं 1 ए** में प्रस्तुत है.

प्रत्येक निदेशक एवं वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिकों अर्थात् कोर प्रबंधन टीम जिसमें सभी महाप्रबंधक तथा विभाग प्रमुख शामिल हैं, वे निदेशक मण्डल द्वारा अनुमोदित आचार संहिता के अंतर्गत शासित होते हैं, जो बैंक की बेबसाइट www.bankofbaroda.co.in पर उपलब्ध है. निदेशक मण्डल के सभी सदस्यों तथा वरिष्ठ प्रबन्धन कार्मिकों ने आचार संहिता के अनुपालन की पुष्टि की है.

निदेशक मंडल की बैठकें :

बैंक को एक वर्ष में न्यूनतम छः बैठकें आयोजित करनी अपेक्षित होती है. वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान निदेशक मंडल की -13- बैठकें निम्नानुसार आयोजित की गई. बैठकों की तारीखें निम्नानुसार हैं:

आयोजित बैठकें:	13
बैठकों की तारीखें:	17.04.2017, 18.05.2017, 27.05.2017, 29.06.2017, 20.07.2017, 11.08.2017, 13.09.2017, 09.10.2017, 14.11.2017, 22.12.2017, 22.01.2018, 09.02.2018, 14.03.2018

इसके अतिरिक्त वर्ष 2017-18 के दौरान गैर कार्यपालक निदेशकों की निम्नानुसार -6- अलग बैठकें भी आयोजित हुईं:

बैठकों की तारीखें:	07.04.2017, 30.06.2017, 20.07.2017, 11.08.2017, 09.10.2017, 14.11.2017

निदेशकों / कार्यपालकों की समितियां/ उपसमितियां

बैंक के निदेशक मण्डल ने कार्यनीति के महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों पर निगरानी रखने हेतु निदेशकों की विभिन्न समितियों का गठन किया है. महत्त्वपूर्ण समितियां निम्नानुसार हैं:

1. निदेशक मण्डल की प्रबन्धन समिति (एमसीबी)
2. निदेशक मण्डल की ऋण अनुमोदन समिति (सीएसीबी)
3. निदेशक मंडल की लेखा परीक्षा समिति (एसीबी)
4. निदेशक मण्डल की जोखिम प्रबंधन समिति
5. हितधारक संबंधपरक समिति
6. नामांकन समिति
7. ग्राहक सेवा समिति

BOARD OF DIRECTORS

Role and Composition

The role of the Board include amongst others:

- To establish policies and policy framework,
- To make significant and strategic decisions,
- To oversee the pursuit of objectives,
- To protect and maximize the interest of the stakeholders
- To oversee the risk profile of the Bank

The composition of Board of Directors is governed by the provisions of The Banking Regulation Act, 1949, The Banking Companies (Acquisition & Transfer of Undertakings) Act, 1970, as amended and The Nationalized Banks (Management & Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, as amended. The composition of the Board as on 31st March, 2018 is as per **Annexure-1 & 1 A**.

Each Director and Senior Management Personnel i.e. Core Management Team comprising all General Managers and Departmental Heads are governed by Code of Conduct approved by the Board which is posted on Bank's website i.e. www.bankofbaroda.co.in. All the Board Members and Senior Management Personnel have affirmed the compliance of the Code.

MEETINGS OF BOARD

Board is required to meet a minimum of six times a year. During the Financial Year 2017-18, thirteen meetings were held. The dates of the meetings are as under:

No. of Meetings held:	13
Dates of Meetings:	17.04.2017, 18.05.2017, 27.05.2017, 29.06.2017, 20.07.2017, 11.08.2017, 13.09.2017, 09.10.2017, 14.11.2017, 22.12.2017, 22.01.2018, 09.02.2018, 14.03.2018

In addition six separate meetings of Non-Executive Directors were also held during 2017-18 as under:

Dates of Meeting:	07.04.2017, 30.06.2017, 20.07.2017, 11.08.2017, 09.10.2017, 14.11.2017

COMMITTEES / SUB-COMMITTEE OF DIRECTORS / EXECUTIVES

Board has constituted various Committees of Directors and / or Executives to look into different areas of strategic importance. The important Committees are as under:

1. Management Committee of the Board (MCB)
2. Credit Approval Committee of the Board (CACB)
3. Audit Committee of the Board (ACB)
4. Risk Management Committee of the Board
5. Stakeholders Relationship Committee
6. Nomination Committee
7. Customer Service Committee

8. बड़ी राशि की धोखाधड़ी सम्बन्धी समिति
9. सूचना प्रौद्योगिकी कार्यनीति संबंधी समिति
10. मानव संसाधन पर निदेशक मण्डल की नीतिपरक सलाहकार समिति
11. निदेशकों की समिति
12. वसूली निगरानी समिति
13. शेयर/ बांड अंतरण समिति
14. पारिश्रमिक समिति
15. ग्रामीण-वित्तीय समावेशन एवं कार्पोरेट सामाजिक दायित्व पर निदेशक मंडल की संचालन समिति

1. निदेशक मंडल की प्रबंधन समिति (एमसीबी)

समिति व्यवसाय संबंधी महत्वपूर्ण मामलों जैसे उच्च मूल्य के ऋण प्रस्तावों की मंजूरी, समझौता/बट्टे खाते वाले प्रस्ताव, पूंजीगत एवं राजस्व संबंधी खर्चों की मंजूरी, परिसर, निवेश, दान आदि पर विचार करती है.

बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970 की धारा 9(3) (सी) के तहत नामित निदेशकों में प्रबंधक निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, कार्यपालक निदेशक (गण) तथा भारत सरकार द्वारा नामित निदेशक तथा 9(3) की उप धारा (ई) (एफ) (एच) तथा (आई) के तहत नियुक्त किए गए निदेशकों में से तीन निदेशक होते हैं.

बैठकों की तारीखें निम्नानुसार हैं:

आयोजित बैठकें: 37

बैठकों की तारीखें: 05.04.2017, 21.04.2017, 04.05.2017, 20.05.2017, 23.05.2017, 31.05.2017, 07.06.2017, 19.06.2017, 27.06.2017, 12.07.2017, 19.07.2017, 28.07.2017, 08.08.2017, 19.08.2017, 30.08.2017, 05.09.2017, 19.09.2017, 26.09.2017, 10.10.2017, 30.10.2017, 09.11.2017, 17.11.2017, 29.11.2017, 11.12.2017, 15.12.2017, 21.12.2017, 29.12.2017, 09.01.2018, 16.01.2018, 30.01.2018, 06.02.2018, 14.02.2018, 20.02.2018, 28.02.2018, 07.03.2018, 20.03.2018, 27.03.2018

वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान समिति ने -319- नयी मंजूरियां, -107- वृद्धि के साथ समीक्षा, -266- समीक्षा, -269- आशोधन, -56- पुष्टियां एवं -193- रिपोर्टिंग को अनुमोदित किया.

2. निदेशक मंडल की ऋण अनुमोदन समिति (सीएसीबी)

ऐसे ऋण प्रस्ताव जो प्रबंध निदेशक व सीईओ को प्रत्यायोजित शक्तियों से अधिक है तथा रु 400/- करोड़ तक के ऋण प्रस्तावों को सीएसीबी द्वारा मंजूर किया जाता है. समिति में सभी पूर्णकालिक निदेशक, सीएफओ, सीआरओ एवं संबद्ध वर्टिकल के प्रमुखों का समावेश है.

बैठकों की तारीखें निम्नानुसार हैं:

आयोजित बैठकें: 32

बैठकों की तारीखें: 05.04.2017, 20.04.2017, 29.04.2017, 20.05.2017, 09.06.2017, 15.06.2017, 27.06.2017, 12.07.2017, 21.07.2017, 27.07.2017, 02.08.2017, 09.08.2017, 19.08.2017, 01.09.2017, 13.09.2017, 21.09.2017, 22.09.2017, 11.10.2017, 26.10.2017, 09.11.2017, 17.11.2017, 27.11.2017, 15.12.2017, 21.12.2017,

8. Committee on High Value Frauds
9. IT Strategy Committee
10. Strategic Advisory Committee of the Board on HR
11. Committee of Directors
12. Committee for Monitoring of Recovery
13. Shares/Bonds Transfer Committee
14. Remuneration Committee
15. Steering Committee of the Board on Rural – FI & CSR

1. Management Committee of the Board (MCB)

The Committee considers various business matters of material significance like sanction of high value credit proposals, compromise / write-off proposals, sanction of capital and revenue expenditure, premises, investments, donations etc.

It consists of Managing Director & CEO, Executive Director(s) and Directors nominated by Government of India under Section 9(3)(c) and three Directors amongst those appointed under sub section (e) (f) (h) and (i) of section 9(3) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970.

The dates of the meetings are as under:

No. of Meetings held: 37

Dates of Meetings: 05.04.2017, 21.04.2017, 04.05.2017, 20.05.2017, 23.05.2017, 31.05.2017, 07.06.2017, 19.06.2017, 27.06.2017, 12.07.2017, 19.07.2017, 28.07.2017, 08.08.2017, 19.08.2017, 30.08.2017, 05.09.2017, 19.09.2017, 26.09.2017, 10.10.2017, 30.10.2017, 09.11.2017, 17.11.2017, 29.11.2017, 11.12.2017, 15.12.2017, 21.12.2017, 29.12.2017, 09.01.2018, 16.01.2018, 30.01.2018, 06.02.2018, 14.02.2018, 20.02.2018, 28.02.2018, 07.03.2018, 20.03.2018, 27.03.2018

The Committee approved -319- fresh sanctions, -107- reviews with increase, -266- reviews, -269- modifications, -56- confirmations and -193- reportings during the FY 2017-18.

2. Credit Approval Committee of the Board (CACB)

The credit proposals which exceed the powers delegated to Managing Director & CEO and are upto ₹ 400 crore are considered for approved by the CACB. The Committee comprises of all Whole Time Directors, CFO, CRO and respective Heads of verticals.

The dates of the meetings are as under:

No. of Meetings held: 32

Dates of Meetings: 05.04.2017, 20.04.2017, 29.04.2017, 20.05.2017, 09.06.2017, 15.06.2017, 27.06.2017, 12.07.2017, 21.07.2017, 27.07.2017, 02.08.2017, 09.08.2017, 19.08.2017, 01.09.2017, 13.09.2017, 21.09.2017, 22.09.2017, 11.10.2017, 26.10.2017, 09.11.2017, 17.11.2017, 27.11.2017, 15.12.2017, 21.12.2017,

29.12.2017, 11.01.2018, 20.01.2018, 01.02.2018, 20.02.2018, 03.03.2018, 21.03.2018, 27.03.2018

वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान समिति ने -136- नयी मंजूरियां, -106- वृद्धि के साथ समीक्षा, -332- समीक्षा, -229- आशोधन, -62- पुष्टियों को अनुमोदित किया.

3. निदेशक मंडल की लेखा परीक्षा समिति (एसीबी)

एसीबी के कार्यकलापों में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित शामिल हैं:

- लेखा परीक्षा समिति समग्र बैंक के लेखा परीक्षा संबंधी कार्यों के परिचालनों को तथा लेखापरीक्षा आयोजना को दिशा देती है तथा उनकी देखरेख करती है, जिसमें आन्तरिक लेखा परीक्षा संगठन, उनका परिचालन एवं गुणवत्ता, आंतरिक नियंत्रण संस्तुतियों और बैंक के आंतरिक/समवर्ती/ सांविधिक/बाहरी लेखापरीक्षकों के सुझावों का फॉलो-अप शामिल है. यह बैंक द्वारा केवायसी-एएमएल अनुपालन, हाउसकीपिंग के प्रमुख क्षेत्र, नियामक एवं सांविधिक दिशानिर्देशों की अपवादात्मक रिपोर्टिंग एवं अनुपालन की समीक्षा भी करती है.
- यह बैंक की आंतरिक नियंत्रण पद्धति की पर्याप्तता, आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग की संरचना, इसकी स्टाफ पद्धति की समीक्षा करती है तथा वित्तीय जोखिम प्रबंधन, आईएस लेखापरीक्षा एवं लेखा नीतियों/ प्रणाली नीतियों की समीक्षा करती है.
- लेखा परीक्षा समिति बैंक के वित्तीय रिपोर्टिंग पद्धति का निर्धारण एवं समीक्षा करती है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वित्तीय विवरण सही हैं और संबंधित दिशानिर्देशों का अनुपालन किया गया है. यह तिमाही/वार्षिक वित्तीय विवरणों को अंतिम रुप देने से पहले सांविधिक लेखापरीक्षकों से विचार-विमर्श करती है; समीक्षा करती है तथा बोर्ड को अनुमोदन के लिए संस्तुत करती है.
- लेखा परीक्षा समिति बीआर अधिनियम, 1949 की धारा 35 के अंतर्गत बैंक के जोखिम आधारित पर्यवेक्षण के दौरान भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों के अनुपालन के लिए फॉलो-अप करती है. यह लॉंग फॉर्म ऑडिट रिपोर्ट (एलएफएआर) में उठाए गए विभिन्न मुद्दों पर भी फॉलो-अप करती है.

समिति में कुल पांच सदस्य शामिल हैं (i) भारत सरकार के नामित निदेशक (ii) भारतीय रिज़र्व बैंक के नामित निदेशक (iii) बैंक के कार्यपालक निदेशक-आंतरिक लेखा परीक्षा कार्यों के प्रभारी (iv) सीए निदेशक तथा (v) एक गैर-कार्यपालक निदेशक.

बैठकों की तारीखें निम्नानुसार है:

आयोजित बैठकें: 15

बैठकों की तारीखें: 04.05.2017, 17.05.2017, 18.05.2017, 11.07.2017, 10.08.2017, 11.08.2017, 25.10.2017, 13.11.2017, 14.11.2017, 04.12.2017, 22.12.2017, 08.01.2018, 08.02.2018, 09.02.2018, 08.03.2018,

वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान, एसीबी ने अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित का अनुमोदन/ समीक्षा की:

- प्रथम बार आंतरिक लेखापरीक्षा चार्टर एवं क्रेडिट लेखापरीक्षा मेन्यूअल अपनाया गया
- प्रथम बार स्टॉक डेब्टर लेखापरीक्षा पॉलिसी अपनाई गई.
- जीएसटी के अनुपालन की प्रभावी समीक्षा
- विभिन्न वर्टिकल की नीतियां और अन्य पहलें
- फिनेकल में रु 50 करोड़ एवं अधिक की समग्र सीमा वाले सुरक्षा मूल्य डेटा के सत्यापन की विशेष लेखापरीक्षा.
- क्रेता- क्रेडिट के सत्यापन की विशेष लेखापरीक्षा.

29.12.2017, 11.01.2018, 20.01.2018, 01.02.2018, 20.02.2018, 03.03.2018, 21.03.2018, 27.03.2018

The Committee approved -136- fresh sanctions, -106- reviews with increase, -332- reviews, -229- modifications, -62- confirmations during the FY 2017-18.

3. Audit Committee of the Board (ACB)

The functions of ACB, *inter-alia*, include

- ACB provides directions and oversees the operations of audit function and audit plan of the Bank including the internal audit organization, its operation and quality, internal control recommendations and follow-up of the suggestions of Internal/Concurrent/ Statutory/ External Auditors of the Bank. It also reviews KYC-AML compliance by the Bank, major areas of housekeeping, exception reporting and compliance of regulatory and statutory guidelines.
- It reviews the adequacy of internal control systems and reviews the financial, risk management, IS Audit and Accounting Policies/Systems policies of the Bank.
- The Committee assesses and reviews the financial reporting system of the Bank to ensure that the financial statements are accurate and in compliance with relevant guidelines. It interacts with Statutory Auditors before finalization of quarterly / annual financial statements; reviews them and recommends to the Board for approval.
- ACB follows up for compliance of all the issues raised by RBI during Risk Based Supervision of the Bank under Section 35 of B.R. Act 1949. It also follows up on various issues raised in the Long Form Audit Report (LFAR).

The Committee comprises of 5 Members (i) GOI nominee Director, (ii) RBI Nominee Director, (iii) Bank's Executive Director – In charge of Internal Audit Function (iv) CA Director and (v) One Non-Executive Director.

The dates of the meetings are as under:

No. of Meetings held: 15

Dates of Meetings: 04.05.2017, 17.05.2017, 18.05.2017, 11.07.2017, 10.08.2017, 11.08.2017, 25.10.2017, 13.11.2017, 14.11.2017, 04.12.2017, 22.12.2017, 08.01.2018, 08.02.2018, 09.02.2018, 08.03.2018,

During FY 2017-18, ACB, *inter alia* approved/ reviewed the following:

- Internal Audit Charter and Credit Audit Manuals for the first time
- Stock & Debtor Audit Policy for the first time
- Effective review for implementation of GST
- Policies from verticals and other initiatives
- Special Audit on verification of Security Value Data in Finacle having aggregate limit of ₹ 50 Crores and above
- Special Audit of verification of Buyer's Credit

- धोखाधड़ी के 35 मामलों (रु 1 लाख एवं अधिक के)को बैंक स्तर पर समाप्त करने के लिए आरबीआई को संस्तुति करने के लिए बैंक को प्राधिकृत किया तथा 13 (रु 1 लाख से कम के) मामले बंद करने के लिए बैंक को प्राधिकृत किया.

4. निदेशक मंडल की जोखिम प्रबंधन समिति:

जोखिम प्रबंधन समिति बैंक द्वारा पूर्वानुमानित संपूर्ण जोखिम की समीक्षा एवं मूल्यांकन करती है. बैंक ने जोखिम प्रबंधन संगठनात्मक ढांचा, जोखिम सिद्धांत, जोखिम प्रक्रिया, जोखिम नियंत्रण और जोखिम लेखा परीक्षा को शामिल कर सभी के लिए समुचित जोखिम प्रबंधन इस दृष्टि से तैयार की है कि विभिन्न श्रेणियों के जोखिमों अर्थात् ऋण जोखिम, बाजार जोखिम तथा परिचालनात्मक जोखिमों का निर्धारण, प्रबंधन, निगरानी तथा नियंत्रण किया जा सके.

बैंक का मुख्य जोखिम अधिकारी (सीआरओ) समिति का संयोजक है. जोखिम प्रबंधन के क्षेत्र में विशेषज्ञता को मजबूत बनाने के लिए बैंक ने जोखिम प्रबंधन क्षेत्र के तीन विशेषज्ञों को निदेशक मंडल के सलाहकार के रुप में शामिल किया है जो समिति का एक भाग है

बैठकों की तारीखें निम्नानुसार हैं:

आयोजित बैठकें: 5

बैठकों की तारीखें: 17.05.2017, 11.07.2017, 12.09.2017, 12.12.2017, 09.02.2018

वर्ष के दौरान, समिति ने अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित की समीक्षा/ अनुमोदन किया.

- उद्यम जोखिम प्रबंधन; जोखिम एपिटाइट एवं कंट्री एक्सपोज़र सीमाओं पर पॉलिसियां/फ्रेमवर्क.
- बैंक के -4- आंतरिक रेटिंग मोड्यूल (लार्ज कार्पोरेट, एसएमई निर्माण, एसएमई सेवाएं एवं ट्रेडर्स मोड्यूल) का उन्नयन एवं उनका नियोजन.
- दबावग्रस्त क्षेत्रों में मानक अग्रिमों पर अतिरिक्त प्रावधान हेतु पॉलिसी.
- विनिर्दिष्ट घरेलू उद्योगों और सैक्टरों पर विवेकपूर्ण कैप.
- मंजूरी के नियमों एवं शर्तों में आशोधन/विचलन के लिए विवेकपूर्ण शक्तियों में आशोधन.

5. हितधारक संबंधपरक समिति

समिति इस आशय से मॉनिटरिंग करती है कि अंतरण, उपविभाजन, समेकन, नवीकरण, विनिमय अथवा मांग/आवंटन राशि के परांकन की प्रस्तुति की तारीख से -15- दिनों के भीतर शेयर प्रमाणपत्र जारी कर दिए जाएं. समिति निवेशकों की शिकायतों के निवारण के लिए समयबद्ध रुप से निगरानी भी करती है.

इस समिति में कार्यपालक निदेशक (गण) एवं दो गैर-कार्यपालक निदेशक सदस्य के रूप में शामिल हैं तथा एक गैर-कार्यपालक निदेशक इसके अध्यक्ष हैं.

बैठकों की तारीखें निम्नानुसार है:

आयोजित बैठकें: 4

बैठकों की तारीखें: 07.06.2017, 11.08.2017, 15.12.2017, 13.03.2018

वर्ष के दौरान प्राप्त एवं निस्तारित की गई निम्नलिखित शिकायतों / अनुरोधों को समिति द्वारा नोट किया गया:

- Authorized Bank to recommend to RBI for closure of 35 fraud cases (₹1 Lakh & above) & authorized the Bank for closure of 13 cases (below ₹1 Lakh) at Bank end

4. Risk Management Committee of the Board:

Risk Management Committee reviews and evaluates the overall risks assumed by the Bank. Bank has set up risk management architecture comprising Risk Management Organizational Structure, Risk Principles, Risk Processes, Risk Control and Risk Audit, all with a view to identify, manage, monitor and control various categories of risks, viz. Credit Risk, Market Risk and Operational Risk.

Chief Risk Officer (CRO) of the Bank is the convener of the committee. To strengthen the expertise on Risk Management, Bank has also inducted three specialists in the area of risk management as advisors to the Board, who are part of this Committee.

The dates of the meetings are as under:

No. of Meetings held: 5

Dates of Meetings: 17.05.2017, 11.07.2017, 12.09.2017, 12.12.2017, 09.02.2018

During the year, the Committee *inter-alia* approved/ reviewed following:

- Policies / frameworks on Enterprise Risk Management Risk Appetite and country exposure limits.
- Updation of -4- internal Rating Models (Large Corporate, SME Manufacturing, SME Services and for traders) and their deployment,
- Policy for additional provisions on Standard Advances in Stressed sectors
- Prudential caps on specific domestic Industries & Sectors,
- Modification in discretionary powers for modification/ deviation in terms and conditions of sanction

5. Stakeholders Relationship Committee

The Committee monitors the issuance of share certificates within a period of -15- days of the date of lodgment for transfer, sub-division, consolidation, renewal, exchange or endorsement of calls / allotment money. The Committee further monitors the redressal of investors' complaints in a time bound manner.

The Committee consists of Executive Director (s) and two non-Executive Directors as its members with a Non-Executive Director as its Chairman.

The dates of the meetings are as under:

No. of Meetings held: 4

Dates of Meetings: 07.06.2017, 11.08.2017, 15.12.2017, 13.03.2018

Following requests/complaints received and resolved during the year were noted by the Committee:

01-04-2017 को लम्बित Pending as on 01.04.2017	वर्ष के दौरान प्राप्त Received during the year	वर्ष के दौरान निवारण Resolved during the year	31.03.2018 को लम्बित Pending as on 31.03.2018
0	6444	6436	8*

*आज की तारीख पर निस्तारण हो गया है.

श्री पी के अग्रवाल, कम्पनी सचिव सेबी (सूचीयन करार और प्रकटीकरण आवश्यकताओं) विनियमन, 2015 के नियम 6 के तहत बैंक के चयनित "अनुपालन अधिकारी" हैं.

6. नामांकन समिति

समिति बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 की धारा 9(3)(आई) के प्रावधानों के अंतर्गत राष्ट्रीयकृत बैंकों के निदेशक मंडल में निर्वाचन हेतु व्यक्तियों के लिए तथा इस श्रेणी के अंतर्गत मौजूदा निदेशकों हेतु वार्षिक आधार पर "फ़िट एंड प्रॉपर" स्टेटस सुनिश्चित करती है.

बैठकों की तारीखें निम्नानुसार हैं:

आयोजित बैठकें: 2

बैठकों की तारीखें: 27.05.2017, 11.12.2017

7. ग्राहक सेवा समितियां

समिति के कार्यों में ग्राहक सेवाओं की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए सुझावों के लिए प्लेटफॉर्म का सृजन करना तथा सभी संवर्ग के ग्राहकों के लिए ग्राहक सेवा की गुणवत्ता में वृद्धि करना और संतुष्टि स्तर में सुधार करना शामिल है . समिति के पास निम्नलिखित कार्य भी हैं:

i. सार्वजनिक सेवाओं की प्रक्रिया एवं कार्यनिष्पादन लेखा परीक्षा संबंधी स्थायी समिति के कार्यों की देखरेख करना तथा उनकी सिफारिशों के अनुपालन को सुनिश्चित करना.

ii. अधिनिर्णय की तारीख से तीन महीने से अधिक समय बीत जाने पर भी लागू न किए गए बकाया अधिनिर्णयों की तथा बैंकिंग लोकपाल द्वारा बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने में पाई गई कमियों की स्थिति की समीक्षा करना.

iii. मृत जमाकर्ताओं / लॉकर किराएदारों / सुरक्षित अभिरक्षा में रखी गई वस्तुओं के जमाकर्ताओं से सम्बन्धित निपटान हेतु 15 दिनों की अवधि से अधिक समय से बकाया दावों की संख्या की स्थिति सम्बन्धी समीक्षा करना.

बैठकों की तारीखें निम्नानुसार हैं:

आयोजित बैठकें:4

बैठकों की तारीखें: 30.06.2017, 13.09.2017, 21.12.2017 13.03.2018

8. बड़ी राशि की धोखाधड़ी संबंधी समिति

समिति बैंक में ₹ 1.00 करोड़ और उससे अधिक की राशि के धोखाधड़ी सम्बन्धी मामलों की निगरानी करती है ताकि:

(ए) धोखाधड़ी के आपराधिक कृत्य में यदि कोई प्रणालीगत खामियां हो तो उसका पता लगाने और उन पर नियंत्रण करने के लिए उपाय किए जा सकें.

(बी) धोखाधड़ी के पता लगाने में विलम्ब के कारणों की पहचान तथा बैंक तथा भारतीय रिज़र्व बैंक के उच्च प्रबन्धकों को उसकी रिपोर्टिंग.

(सी) सीबीआई / पुलिस जांच पड़ताल की प्रगति तथा वसूली की स्थिति की निगरानी

(डी) यह सुनिश्चित करना कि धोखाधड़ी के सभी मामलों में सभी स्तरों पर स्टाफ उत्तरदायित्व का परीक्षण हो और जहां स्टाफ पर कार्रवाई अपेक्षित हो, अविलम्ब की जाए.

*stands resolved as on date.

Shri P K Agarwal, Company Secretary is the designated "Compliance Officer" of the Bank under Regulation 6 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirement) Regulations, 2015.

6. Nomination Committee

The Committee ascertains 'Fit and Proper' status of persons to be elected as shareholder director on the Board as per the provisions of Section 9(3)(i) of Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 and also on annual basis for these directors.

The dates of the meetings are as under:

No. of Meetings held: 2

Dates of Meetings: 27.05.2017, 11.12.2017

7. Customer Service Committee

The functions of the Committee include creating a platform for making suggestions for enhancing the quality of customer services and improving the level of satisfaction for all categories of clientele at all times. The Committee has also the following tasks:

I. To oversee the functioning of and compliance with the recommendations of the Standing Committee on Procedure and Performance Audit on Public Services.

II. Review the status of the Awards remaining unimplemented for more than 3 months from the date of Awards and also deficiencies in providing banking services as observed by the Banking Ombudsman.

III. Review the status of the number of deceased claims remaining pending / outstanding for settlement beyond 15 days pertaining to deceased depositors / locker hirers / depositor of safe custody articles.

The dates of the meetings are as under:

No. of Meetings held: 4

Dates of Meetings: 30.06.2017, 13.09.2017, 21.12.2017, 13.03.2018

8. Committee on High Value Frauds

The Committee monitors high value frauds of ₹1.00 crore and above in the Bank so as to:

a) identify the systemic lacunae if any that facilitated perpetration of the fraud and put in place measures to plug the same

b) identify the reasons for delay in detection, if any, reporting to top management and RBI

c) monitor progress of CBI/Police investigation and recovery position

d) ensure that staff accountability is examined at all levels in all the cases of frauds and staff side action, if required, is completed quickly without loss of time

(ई) धोखाधड़ी की पुनरावृति के निवारण के लिए की गई सुधारात्मक कार्रवाई की प्रभावोत्पादकता की समीक्षा, यथा आंतरिक नियंत्रण को सशक्त करना और

(एफ) धोखाधड़ी के खिलाफ निवारक उपायों को सुदृढ़ करने के लिए यथावश्यक अन्य उपाय करना.

बैठकों की तारीखें निम्नानुसार हैं:

आयोजित बैठकें: 4

बैठकों की तारीखें: 17.05.2017, 13.09.2017, 12.12.2017 13.03.2018

वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान, समिति ने अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित अनुमोदन/ समीक्षा की है:

- धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन पॉलिसी.
- चेक धोखाधड़ी के संबंध में नीतिपरक निवारण योजना
- एडवोकेट/सोलिसिटरों को पैनलबद्ध करने संबंधी पॉलिसी.
- फौजदारी वकीलों को पैनलबद्ध किया
- फॉरेंसिक लेखापरीक्षकों का पैनल.
- कर्मचारियों को फॉरेंसिक लेखापरीक्षा प्रशिक्षण.
- उच्च मूल्य धोखाधड़ी के मूल कारण विश्लेषण करने के लिये गठित समिति की रिपोर्ट.

9. बैंक की सूचना प्रौद्योगिकी कार्य नीति संबंधी समिति

यह समिति बैंक की प्रौद्योगिकी विषयक पहलों को तैयार करने, उनकी समीक्षा तथा प्रगति की निगरानी का कार्य करती है और प्रौद्योगिकी तथा डिजिटल क्षेत्रों में बैंक की पहलों पर नीतिपरक भूमिका का निर्वहन करती है. बैंक ने प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तीन आईटी विशेषज्ञों को सलाहकार के रूप में नियुक्त किया है, वे भी समिति के सदस्य हैं.

बैठकों की तारीखें निम्नानुसार है:

आयोजित बैठकें: 5

बैठकों की तारीखें: 29.06.2017, 19.07.2017, 12.09.2017, 12.12.2017, 13.03.2018

वित्त वर्ष 2017-18 के दौरान, समिति ने अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित पहलों की समीक्षा / अनुमोदन की है:

- संपूर्ण स्वामित्व वाली प्रौद्योगिक अनुषंगी का गठन, जिसके अंतर्गत आईटी उत्कृष्टता केंद्र (आईटीसीओई) स्थापित किया गया.
- विश्लेषण उत्कृष्टता केंद्र (एसीओई) की स्थापना
- बैंक में कोर बैंकिंग सॉल्यूशन का फिनेकल संस्करण 7.x से10.x के रुप में उन्नयन
- भा.रि.बै. द्वारा आयोजित साइबर सुरक्षा मूल्यांकन का अनुपालन.
- साइबर सुरक्षा शासन / प्रबंधन हेतु एनआईएसटी साइबर सुरक्षा फ्रेमवर्क को अपनाना.
- सीबीएस इंटरफेस (स्विफ्ट सहित) के परिचालनगत जोखिम का प्रभावी प्रबंधन.

10. मानव संसाधन पर निदेशक मंडल की नीतिपरक सलाहकार समिति

समिति मानव संसाधन से संबंधित विभिन्न मामलों/मुद्दों पर चर्चा करती है. मा.सं. के क्षेत्र में दो विशेषज्ञ को बोर्ड के सलाहकार के रुप में नियुक्त किया गया हैं, जो इस समिति के सदस्य हैं.

e) review the efficacy of the remedial action taken to prevent recurrence of frauds, such as strengthening of internal controls and

f) put in place other measures as may be considered relevant to strengthen preventive measures against frauds.

The dates of the meetings are as under:

No. of Meetings held: 4

Dates of Meetings: 17.05.2017, 13.09.2017, 12.12.2017, 13.03.2018

During FY 2017-18, the Committee *inter-alia* approved/ reviewed the following:

- Fraud Risk Management Policy
- Strategic prevention plan on cheque frauds
- Empanelment policy for Advocate/ Solicitors.
- Empanelment of criminal lawyers
- Panel of Forensic Auditors
- Imparting of training on forensic audit to employees
- Root Cause Analysis of High Value Frauds by the Committee formed for this purpose

9. IT Strategy Committee of the Bank

The committee formulates, reviews and monitors the progress of the Bank's initiatives on technology and plays a strategic role on initiatives of the Bank on technology and digital areas. Bank has inducted three IT specialists as Advisors, who are also members of the Committee.

The dates of the meetings are as under:

No. of Meetings held: 5

Dates of Meetings: 29.06.2017, 19.07.2017, 12.09.2017, 12.12.2017, 13.03.2018

During FY 2017-18, the Committee *inter-alia* approved/ reviewed the following initiatives:

- Setting up of a wholly owned IT Subsidiary under which an IT Center of Excellence (ITCoE) is set up
- Setting up of Analytical Center of Excellence (ACoE).
- Upgradation of Core Banking Solution from Finacle Ver. 7.x to Finacle Ver. 10.x
- Compliance of Cyber Security Assessment conducted by RBI.
- Adoption of NIST Cyber Security framework for Cyber Security governance/ management.
- Effective Management of Operational Risk of CBS Interface (including SWIFT).

10. Strategic Advisory Committee of the Board on HR

The Committee discusses various matters/issues related to Human Resources. Bank has inducted two specialists in the area of HR as Advisors to the Board, who are also members of the Committee.

बैठकों की तारीखें निम्नानुसार है:

आयोजित बैठकें: 6

बैठकों की तारीखें: 07.04.2017, 17.05.2017, 10.08.2017, 12.09.2017, 12.12.2017, 08.02.2018,

वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान अन्य बातों के साथ-साथ समिति ने निम्नलिखित की समीक्षा की / अनुमोदन किया है :

- व्यापक नेतृत्व कार्यक्रम ''वी-लीड'' संबंधी पहल.
- कार्य निष्पादन प्रबंधन प्रणाली (पीएमएस) के संबंध में बैंक की ''बड़ौदा-जेम्स''नामक पहल.
- भर्ती, कार्यनिष्पादन प्रबंधन, स्थानांतरण/तैनाती, पदोन्नति आदि के क्षेत्रों में विभिन्न मा.सं. नीतियां.
- महत्वपूर्ण पदों हेतु सुव्यवस्थित उत्तराधिकार योजना लागू की और उसका पर्यवेक्षण.
- सयाजीराव गायकवाड़ फेलोशीप कार्यक्रम का आरंभ

11. निदेशकों की समिति

यह समिति वित्त मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुरुप सतर्कता/गैर-सतर्कता सम्बन्धी अनुशासनिक मामलों और विभागीय जांचों की समीक्षा का कार्य करती है.

बैठकों की तारीखें निम्नानुसार हैं:

आयोजित बैठकें: 4

बैठकों की तारीखें: 23.06.2017, 11.08.2017, 14.11.2017, 09.02.2018

12. वसूली निगरानी समिति

समिति बैंक में एनपीए प्रबंधन की समीक्षा करती है; ऋण एवं अग्रिमों की वसूली प्रणाली एवं वसूली की निगरानी करती है और अधिक मूल्य के एनपीए खातों में वसूली में कार्यनिष्पादन की निगरानी करती है.

बैठकों की तारीखें निम्नानुसार हैं:

आयोजित बैठकें: 4

बैठकों की तारीखें: 12.04.2017, 26.09.2017, 29.01.2018, 07.03.2018

समिति ने एनपीए एवं बट्टाकृत खातों में वसूली की समग्र स्थिति, एनपीए खातों में वसूली कार्रवाई की स्थिति, इरादतन चूककर्ता, आईबीसी के तहत प्रगति एवं वसूली में वृद्धि हेतु बैंक द्वारा अपनाई गई विभिन्न कार्यनीतियों/पहलों के समग्र कार्यान्वयन/प्रगति की समीक्षा की है.

13. शेयर / बांड अंतरण समिति

समिति शेयरों/ बांडों के अंतरण/ हस्तांतरण तथा अन्य मामलों जैसे डुप्लीकेट शेयर सर्टिफिकेट जारी करना, नाम हटाना, स्टेटस बदलना आदि पर विचार करती है एवं अनुमोदन करती है.

आयोजित बैठकें: 51

14. पारिश्रमिक समिति

समिति बैंक के पूर्णकालिक निदेशकों के कार्यनिष्पादन का मूल्यांकन करती है और निर्णय लेती है तथा 31.03.2018 को समिति में निम्न सदस्य शामिल हैं:

The dates of the meetings are as under:

No. of Meetings held: 6

Dates of Meetings : 07.04.2017, 17.05.2017, 10.08.2017, 12.09.2017, 12.12.2017, 08.02.2018,

During FY 2017-18, the Committee *inter-alia* approved/ reviewed the following:

- Initiative on the comprehensive leadership program "We Lead",
- Initiative on the Performance Management System (PMS) named "Baroda GEMS".
- HR policies in the areas of Recruitment, Performance Management, Transfers/Deployment and Promotion.
- Overseeing and putting in place a thorough succession plan for all critical positions.
- Sayaji Rao Gaekwad fellowship programme.

11. Committee of Directors

This Committee deals with review of vigilance / non-vigilance disciplinary cases and departmental enquiries in line with MOF guidelines.

The dates of the meetings are as under:

No. of Meetings held: 4

Dates of Meetings: 23.06.2017, 11.08.2017, 14.11.2017, 09.02.2018

12. Committee for Monitoring of Recovery

The Committee reviews NPA management in the Bank; provides oversight on collection system and recovery of loans & advances and monitors recovery performance in large value NPA accounts.

The dates of the meetings are as under:

No. of Meetings held: 4

Dates of Meetings: 12.04.2017, 26.09.2017, 29.01.2018, 07.03.2018

The Committee reviewed overall position of recovery in NPA and written off accounts, status of recovery actions in NPA accounts, wilful defaulters, progress under IBC and overall implementation/progress of various strategies/initiatives taken by the Bank for maximization of recovery.

13. Shares/Bonds Transfer Committee:

The Committee considers and approves transfer / transmission of Shares / Bonds and other issues like issue of duplicate share certificate, deletion of name, change of status, etc.

No. of Meetings held : 51

14. Remuneration Committee

The Committee evaluates and decides upon the performance of Whole Time Directors of the Bank and has following Members as on 31.03.2018:

क्र. सं.	निदेशक/सदस्य का नाम	सदस्य/अध्यक्ष
1	श्री रवि वेंकटेसन	अध्यक्ष
2	श्री लोक रंजन	सदस्य
3	श्री अजय कुमार	सदस्य

वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान पारिश्रमिक समिति की कोई बैठक आयोजित नहीं की गई.

15. ग्रामीण-वित्तीय समावेशन और कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व पर बोर्ड की संचालन समिति :

समिति द्वारा बैंक ऑफ बड़ौदा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति के तहत सभी गतिविधियों का पर्यवेक्षण किया जाता है तथा बैंक द्वारा किये जाने वाले सीएसआर परियोजना या कार्यक्रम या गतिविधियों के कार्यान्वयन तथा उसके सामाजिक प्रभाव हेतु पारदर्शी निगरानी तंत्र स्थापित किया जाता है .

आयोजित बैठकें: 4

बैठकों की तारीखें: 29.06.2017, 29.09.2017, 10.11.2017 13.03.2018

वित्त वर्ष 2017-18 के दौरान, समिति ने अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित की समीक्षा की/अनुमोदित किया.

- वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए ''कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति-2018'' को अनुमोदित किया.
- स्वच्छ भारत अभियान के तहत पटना नगर निगम (पीएमसी) को स्मार्ट सिटी अभियान परियोजना के तहत स्मार्ट टॉयलेट के निर्माण हेतु रु 100.00 लाख मंजूर किया.
- आरयूडीएसईटीआई (एनएआर) की राष्ट्रीय अकादमी को रु 98 लाख का अंशदान; मणिपुर और गुजरात के मुख्यमंत्री राहत कोष को क्रमशः रु 3.00 लाख और रु 10.00 लाख अनुमोदित किए.
- फैज़ाबाद जिला, उत्तर प्रदेश के 5 ब्लॉक में वित्तीय साक्षरता हेतु केंद्रों की स्थापना के लिये रु40 लाख अनुमोदित किए.
- विभिन्न आरएसईटीआई के भवन के निर्माण के लिए तथा कौशल विकास हेतु बीएसवीएस ट्रस्ट को रु 856 लाख अनुमोदित किए.
- विभिन्न संगठनों/न्यासों/सोसाइटी को रु 117 लाख मंजूर किए.
- पीएमजेडीवाई/बीएसबीडी खातों के तहत जमा-संग्रहण की स्थिति की समीक्षा की और पीएमजेडीवाई खातों के संदर्भ में वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान खातों की संख्या 8.67% से बढ़कर 9.44% तथा जमा राशि 9.51% से बढ़कर 10.37% के साथ बाजार शेयर में वृद्धि दर्ज की.

निदेशकों का पारिश्रमिक

गैर-कार्यपालक निदेशकों की यात्रा तथा ठहरने पर होने वाले व्यय सहित पारिश्रमिक का भुगतान राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्धन एवं विविध प्रावधान) योजना, 1970 (यथा संशोधित) की धारा 17 में उल्लिखित शर्तों के अनुरुप समय - समय पर केन्द्र सरकार द्वारा भारतीय रिज़र्व बैंक के परामर्श से यथा निर्धारित मानकों के अनुरुप किया गया.

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी तथा कार्यपालक निदेशकों (पूर्णकालिक निदेशक) को पारिश्रमिक का भुगतान भारत सरकार द्वारा निर्धारित नियमों के अनुरुप वेतन के रुप में किया गया. इस समय बैंक में

Sr. No.	Name of Director/Member	Member/ Chairman
1	Shri Ravi Venkatesan	Chairman
2	Shri Lok Ranjan	Member
3	Shri Ajay Kumar	Member

During the FY 2017-18, no meeting of the Remuneration Committee was held.

15. Steering Committee of the Board on Rural – FI & CSR

The Committee oversees all activities under the Bank's Corporate Social Responsibility Policy and institutes a transparent monitoring mechanism for implementation of CSR projects or programs or activities undertaken by the Bank and social impact of the same.

The dates of the meetings are as under:

No. of Meetings held: 4

Dates of Meetings: 29.06.2017, 21.09.2017 10.11.2017, 13.03.2018

During FY 2017-18, the Committee *inter-alia* approved/ reviewed the following:

- Approved "Corporate Social Responsibility Policy-2018" for FY 2018-19.
- Approved ₹100.00 Lakhs to Patna Municipal Corporation (PMC) for construction of Smart Toilets under Smart City Drive Project, as a part of Swachh Bharat Abhiyan of Government
- Approved Bank's contribution of ₹98 Lakhs to National Academy of RUDSETI (NAR); ₹3 Lakhs and ₹10 Lakhs to Chief Minister's Relief Fund of Manipur and Gujarat State respectively.
- Approved ₹40.00 Lakhs for setting up Centers for Financial Literacy (CFLs) in 5 blocks of Faizabad District, UP.
- Approved ₹856.00 Lakhs to BSVS trust for construction of buildings of various RSETIs and skill development.
- Approved ₹117.00 Lakhs to various organizations/ Trusts/Societies.
- Reviewed position of deposits mobilized under PMJDY/ BSBD accounts and improved market share of Bank in number of PMJDY accounts from 8.67% to 9.44% and in deposit from 9.51% to 10.37% during FY 2017-18.

REMUNERATION OF DIRECTORS

The remuneration including travelling and halting expenses to Non-Executive Directors are paid as stipulated by the Central Government in consultation with Reserve Bank of India from time to time in terms of Clause 17 of the Nationalized Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970 (as amended).

The Managing Director & CEO and Executive Directors (whole time directors) are paid remuneration by way of salary as per rules framed by the Government of India. At

कोई स्टॉक ऑप्शन योजना नहीं है. प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी तथा कार्यपालक निदेशकों को भुगतान किए गए पारिश्रमिक का ब्यौरा निम्नानुसार है:

वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान भुगतान किया गया पारिश्रमिक

present the Bank has no Stock Option Scheme. The details of remuneration paid to the Managing Director & CEO and Executive Director/s are detailed below:

Remuneration paid during the Financial Year 2017-18:

क्र. सं. Sr. No.	निदेशक का नाम	पदनाम	Name of Director	Designation	राशि (रू) / Amount (₹)
1	श्री पी. एस. जयकुमार	प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी	Shri P. S. Jayakumar	Managing Director & CEO	31,51,937
2	श्री मयंक के. मेहता	कार्यपालक निदेशक	Shri Mayank K. Mehta	Executive Director	30,20,936
3	श्री अशोक कुमार गर्ग	कार्यपालक निदेशक	Shri Ashok Kumar Garg	Executive Director	28,24,124
4	श्रीमती पापिया सेनगुप्ता	कार्यपालक निदेशक	Smt. Papia Sengupta	Executive Director	27,81,170

वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान प्रदत्त कार्यनिष्पादन आधारित प्रोत्साहन राशि- शून्य

- Performance Linked Incentives paid during F.Y. 2017-18 - Nil

गैर-कार्यपालक निदेशकों को भुगतान किया गया बैठक शुल्क

राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंधन एवं विविध प्रावधान) योजना 1970, सरकारी दिशानिर्देशों के साथ पठित, के प्रावधानों के अनुसार निदेशक मंडल एवं निदेशक मंडल समितियों में सहभागिता करने हेतु गैर कार्यपालक निदेशकों को बैठक शुल्क भुगतान किया जाता है. वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान भुगतान किए गए बैठक शुल्क का विवरण निम्नानुसार है: (पूर्णकालिक निदेशकों तथा भारत सरकार एवं भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा नामित निदेशकों को किसी प्रकार का बैठक शुल्क देय नही है)

Sitting Fee paid to Non-executive Directors:

The Sitting Fee is paid to the Non-Executive Directors as per the provisions of Nationalized Banks (Management & Miscellaneous Provisions) Scheme 1970, read with Government guidelines for attending Board and Board Committee meetings. Details of sitting fee paid during the Year 2017-18 are as under (No sitting fee is payable to Whole Time Directors and Directors representing Government of India & RBI):

क्र. सं. Sr. No.	निदेशक का नाम	राशि (रू.)	Name of the Director	Amount (₹)
1	श्री रवि वेंकटेसन	4,70,000	Shri Ravi Venkatesan	4,70,000
2	श्री प्रेम कुमार मक्कड	3,70,000	Shri Prem Kumar Makkar	3,70,000
3	श्री भरतकुमार डी डांगर	8,00,000	Shri Bharatkumar D. Dangar	8,00,000
4	डॉ. आर. नारायणस्वामी	1,90,000	Shri R. Narayanaswamy	1,90,000
5	सुश्री उषा ए. नारायणन	5,80,000	Ms. Usha A. Narayanan	5,80,000
6	प्रॉ. बिजू वर्क्की	7,30,000	Prof. Biju Varkkey	7,30,000
7	श्री गोपाल कृष्ण अग्रवाल	4,90,000	Shri Gopal Krishan Agarwal	4,90,000
8	श्रीमती सौंदरा कुमार	1,30,000	Smt Soundara Kumar	1,30,000

सामान्य सभा की बैठकें

वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिए बैंक के शेयरधारकों की 21 वीं वार्षिक सामान्य बैठक दिनांक 30 जून, 2017 को वड़ोदरा में आयोजित की गई, जिसमें भारत सरकार के नामिती निदेशक के सिवाय सभी निदेशकों ने भाग लिया.

गत तीन वर्षों के दौरान सामान्य सभा की आयोजित बैठकों का विवरण निम्नानुसार है:

GENERAL BODY MEETINGS

The 21st Annual General Meeting of the shareholders of the Bank for FY 2016-17 was held on Friday, 30th June 2017 at Vadodara, in which all directors except Govt. nominee director participated.

The details of General Body Meetings held during the last three years are given below:

बैठक का स्वरुप Nature of Meeting	दिनांक एवं समय Date & Time	स्थान Venue	व्यवसाय प्रदर्शन Business Performed
असाधारण सामान्य बैठक (ईजीएम) Extra Ordinary General Meeting (EGM)	13 मार्च, 2018 प्रातः 10.00 बजे 13th March 2018 at 10.00 a.m.	सर सयाजीराव नगर गृह, वड़ोदरा महानगर सेवा सदन, बैंक ऑफ बड़ौदा, टी.पी.-1 एफ. पी.549/ । जीईबी कॉलोनी के पास, ओल्ड पादरा रोड, अकोटा, वड़ोदरा - 390020 Sir Sayajirao Nagargriha, Vadodara Mahanagar Seva Sadan, Bank of Baroda T.P.-1, F.P. 549/1, Near GEB Colony, Old Padra Road, Akota, Vadodara – 390 020	विशेष संकल्प द्वारा भारत सरकार को अधिमानी आधार पर प्रत्येक रु 2/- के अंकित मूल्य पर @ रु 157.46 प्रति शेयर पर 34,13,56,534 के इक्विटी शेयर जारी करने को अनुमोदित किया गया. Approved by Special Resolution to issue upto 34,13,56,534 equity shares of the FV of ₹ 2/- each @ ₹ 157.46 per share to GOI on preferential basis.
असाधारण सामान्य बैठक EGM	22 दिसम्बर, 2017 प्रातः 10.00 बजे 22nd December 2017 at 10.00 a.m.		श्री भरत कुमार डांगर तथा श्रीमती सौंदरा कुमार को शेयरधारक निदेशकों के रुप में निर्वाचित किया गया. Elected Shri Bharatkumar D Dangar and Smt Soundara Kumar as Shareholder Directors of the Bank.
21 वीं वार्षिक सामान्य बैठक (एजीएम) 21st Annual General Meeting (AGM)	30 जून, 2017 प्रातः10.15 बजे 30th June, 2017 at 10.15 a.m.		• वर्ष 2016-17 के वार्षिक वित्तीय परिणामों को अनुमोदित किया गया तथा लाभांश घोषित किया गया. • विशेष संकल्प के माध्यम से विभिन्न तरीकों से रु 6,000/- करोड़ की इक्विटी पूंजी सृजित करने को अनुमोदन प्रदान किया गया. • Approved Annual Financial Results and declared dividend for the year 2016-17. • Approved raising of Equity Capital upto ₹ 6,000/- crore by way of various modes by Special Resolution.
20 वीं वार्षिक सामान्य बैठक (एजीएम) 20th AGM	24 जून, 2016 दोपहर 12.00 बजे 24th June, 2016 at 12.00 noon.		वर्ष 2015-16 के वार्षिक वित्तीय परिणामों का अनुमोदन किया गया तथा लाभांश घोषित किया गया. इसमें विशेष संकल्प लेने के लिए कोई एजेंडा नहीं था. Approved Annual Financial Results 2015-16. There was no Special Resolution.
असाधारण सामान्य बैठक (ईजीएम) EGM	28 सितम्बर, 2015 प्रातः 10.30 बजे 28th September 2015 at 10.30 a.m.		विशेष संकल्प द्वारा भारत सरकार को अधिमानी आधार पर प्रत्येक रु 2/- के अंकित मूल्य पर @ रु 192.74 प्रति शेयर पर 9,26,63,692 के इक्विटी शेयर जारी करने को अनुमोदित किया गया. Approved by Special Resolution to issue upto 9,26,63,692 equity shares of the FV of ₹ 2/- each @ ₹ 192.74 per share to GOI on preferential basis.
19वीं वार्षिक सामान्य बैठक (एजीएम) 19th AGM	24 जून, 2015 प्रातः 10.30 बजे 24th June, 2015 at 10.30 a.m.		वर्ष 2014-15 के वार्षिक वित्तीय परिणामों का अनुमोदन करना तथा लाभांश घोषित किया गया. इसमें विशेष संकल्प लेने के लिए कोई एजेंडा नहीं था. Approved Annual Financial Results and declared dividend for the year 2014-15. There was no Special Resolution

संप्रेषण के साधन

बैंक मौजूदा संचार साधनों के माध्यम से अपने सदस्यों और हितधारकों को उनके हितों से सम्बद्ध जानकारियों के बारे में सूचित करने की आवश्यकता समझता है. निवेशकों एवं हितधारकों को समय पर, पारदर्शी एवं व्यापक स्तर का प्रकटीकरण सुनिश्चित किया जाता है. शेयरधारकों की सहभागिता में सुविधा हो इसके लिए बैंक इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग प्लेटफार्म उपलब्ध कराता है और प्रोक्सी एवं प्रतिनिधियों को शेयरधारकों की अनुपस्थिति में उनकी ओर से मतदान की अनुमति देता है.

बैंक के वित्तीय परिणामों को निदेशक मण्डल की बैठक में उनके अनुमोदन के पश्चात बैठक की समाप्ति पर तत्काल उन स्टॉक एक्सचेंजों को प्रस्तुत किया जाता है जहां पर बैंक की प्रतिभूतियां सूचीबद्ध हैं. ये परिणाम कम से कम एक अंग्रेजी भाषा के राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र, जिसका प्रसार पूरे भारत में हो और दूसरा समाचार पत्र उस राज्य की भाषा, जहां बैंक का प्रधान कार्यालय स्थित है अर्थात् गुजरात (गुजराती में), में प्रकाशित करवाए जाते हैं. बैंक छमाही आधार पर अपने शेयरधारकों को अपने वित्तीय परिणामों का सारांश तथा प्रबंधन की योजनाओं संबंधी ब्यौरा प्रस्तुत करता है. बैंक वित्तीय परिणामों तथा प्रबंधन के दृष्टिकोण के संबंध मे एनलिस्ट बैठकें, मीडिया मीट, निवेशकों/विश्लेषकों के साथ भी बैठकें आयोजित करता है.

MEANS OF COMMUNICATION

The Bank recognizes the need for keeping its members and stakeholders informed of the events of their interests through present means of communication. Timely, transparent and enhanced level of disclosures to investors and stakeholders is ensured. To facilitate shareholders participation Bank is using electronic voting platform and allowing proxies and authorized representatives to vote on behalf of shareholders in absentia.

The financial results of the Bank are submitted to the stock exchanges, where the securities of the Bank are listed, immediately after the conclusion of the Board Meeting approving the same. The results are also published in at least one English language national daily newspaper circulating in the whole or substantially the whole of India and in one daily newspaper published in the language of the region, where the registered office of the Bank is situated i.e. Gujarat (in Gujarati). The Bank furnishes gist of results and management perspective to the Shareholders on Half Yearly basis. The Bank also organizes analyst meets, media meets, meetings with investors/analysts etc. on Bank's financial results and management outlook.

बैंक के तिमाही / ईयर टू डेट/ वार्षिक वित्तीय परिणामों के साथ-साथ एनेलिस्ट को दी गई प्रेजेंटेशन की प्रति तथा अन्य आधिकारिक समाचार बैंक की वेबसाइट http://www.bankofbaroda.co.in पर उपलब्ध रहते हैं. एनेलिस्ट बैठक में की गई प्रस्तुति की वेबकास्ट का सीधा प्रसारण देखने हेतु वेबसाइट में लिंक उपलब्ध कराया जाता है और संगृहित वेबकास्ट भी 30 दिनों तक वेबसाइट पर उपलब्ध रहती है.

The quarterly / year to date / Annual Financial Results of the Bank as well as the copy of presentation made to Analysts and other official announcements are posted on the Bank's Website – http://www.bankofbaroda.co.in. The live web cast of presentation made to Analysts' Meet is made accessible from links uploaded in the website and the archived webcast is also available in the website for 30 days.

वित्तीय कैलेण्डर

FINANCIAL CALENDAR

वित्तीय वर्ष Financial Year	1 अप्रैल, 2017 से 31 मार्च, 2018 1st April, 2017 to 31st March, 2018
खातों (एकल एवं समेकित) पर विचार विमर्श करने हेतु निदेशक मंडल की बैठक Board Meeting for considering of Accounts (Standalone & Consolidated)	25 मई, 2018 25th May 2018
22वीं वार्षिक सामान्य बैठक की तारीख, समय एवं स्थान Date, Time & Venue of the 22nd AGM	दिनांक : 13 जुलाई, 2018 प्रातः 10.00 बजे स्थान: सर सयाजीराव नगरगृह, वड़ोदरा महानगर सेवा सदन टी.पी. -1, एफ.पी 549/1, जीईबी कॉलोनी के पास, ओल्ड पादरा रोड, अकोटा, व़डोदरा-390020 Date: 13th July 2018 Time: 10.00 a.m. Venue: Sir Sayajirao Nagargriha, Vadodara Mahanagar Seva Sadan, T. P. – 1, F. P. 549/1, Near GEB Colony, Old Padra Road, Akota, Vadodara – 390 020.
बही बन्द करने की तारीख Book Closure Dates	07 जुलाई, 2018 से 13 जुलाई, 2018 (दोनों दिन शामिल) 7th July 2018 to 13th July 2018 (Both days inclusive)
प्रॉक्सी फार्म प्राप्त करने की अंतिम तारीख Last Date for receipt of Proxy Forms	08 जुलाई, 2018 8th July 2018

8. शेयरधारकों से संबद्ध सूचना

बैंक के शेयर भारत में निम्नलिखित प्रमुख स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हैं:

SHAREHOLDERS' INFORMATION

The Bank's shares are listed on the following major Stock Exchanges in India:

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि. एक्सचेंज प्लाजा बान्द्रा-कुर्ला कॉम्पलेक्स, बान्द्रा (पूर्व), मुंबई - 400 051 एनएसई कोड : BANKBARODA	बीएसई लिमिटेड, फिरोज जीजीभाई टॉवर्स, 25 वां तल, दलाल स्ट्रीट, फोर्ट, मुंबई 400 001 बीएसई कोड : 532134	National Stock Exchange of India Ltd., "Exchange Plaza" Bandra Kurla Complex, Bandra,(East), Mumbai - 400 051 NSE CODE : BANKBARODA	B S E Ltd., Phiroze Jeejeebhoy Towers 25th Floor, Dalal Street, Fort, Mumbai - 400 001 BSE CODE : 532134

एक्सचेंजों में सूचीबद्ध सभी प्रतिभूतियों के संबंध में वार्षिक सूचीयन शुल्क का भुगतान कर दिया गया है.

The annual listing fees in respect of all the securities listed with the exchange(s) has been paid.

स्टॉक एक्सचेंजों में शेयरों के सौदों की मात्रा तथा शेयर मूल्य और इंडेक्स डाटा

ए. स्टॉक एक्सचेंजों में शेयरों के सौदों की मात्रा तथा शेयर मूल्य (01.04.2017 से 31.03.2018 तक) (प्रत्येक रू 2/- के अंकित मूल्य के इक्विटी शेयर)

SHARE PRICE, VOLUME OF SHARES TRADED IN STOCK EXCHANGES AND INDEX DATA

a. Share Price, Volume of Shares Traded in Stock Exchanges (From 01.04.2017 to 31.03.2018) (Equity Share of the face value of ₹2/- each)

अवधि Period		नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि. (एनएसई) National Stock Exchange of India Limited (NSE)			बीएसई लि. (बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज) BSE LTD. (Bombay Stock Exchange)		
		उच्चतम (रू.) Highest (₹)	न्यूनतम (रू.) Lowest (₹)	व्यापार परिमाण (रू.) Volume Traded (Nos.)	उच्चतम (रू.) Highest (₹)	न्यूनतम (रु .) Lowest (₹)	व्यापार परिमाण (संख्या) Volume Traded (Nos.)
अप्रैल 2017	APR 2017	188.55	167.60	14,65,45,846	188.40	167.50	1,31,64,694
मई 2017	MAY 2017	202.50	172.00	25,22,11,269	202.45	172.05	2,29,74,374
जून 2017	JUN 2017	181.15	152.20	15,70,05,650	182.00	152.25	1,80,48,599
जुलाई 2017	JUL 2017	168.50	158.50	17,26,98,301	168.35	158.55	3,30,88,268
अगस्त 2017	AUG 2017	167.00	137.20	25,95,47,370	167.35	137.10	2,69,42,065
सितंबर 2017	SEP 2017	151.00	135.80	23,85,87,844	150.70	135.80	9,84,92,077
अक्तूबर 2017	OCT 2017	206.65	133.50	33,53,86,672	206.60	133.60	4,12,96,860
नवंबर 2017	NOV 2017	191.85	160.75	34,73,45,652	191.95	160.80	5,14,81,302
दिसंबर 2017	DEC 2017	172.95	155.00	18,69,75,823	172.90	155.00	2,13,14,106
जनवरी 2018	JAN 2018	179.70	154.55	27,39,92,127	179.65	154.60	3,30,31,155
फरवरी 2018	FEB 2018	172.90	138.00	35,57,85,551	173.25	136.00	3,22,92,567
मार्च 2018	MAR 2018	147.70	128.10	34,90,39,349	147.40	128.20	9,53,20,383

बी. अप्रैल 2017 से मार्च 2018 तक इंडेक्स डेटा (मासिक अंतिम मूल्य)

b. Index Data from April 2017 to March 2018 (Monthly Closing Values)

दिनांक Date	निफ्टी 50 NIFTY 50	निफ्टी बैंक NIFTY BANK	बीओबी एनएसई (प्रत्येक 2 रु पए के एफवी के इक्विटी शेयर) BOB NSE (Equity Share of FV of ₹ 2/- each)	एसएंडपी बीएसई सेन्सेक्स S&P BSE SENSEX	एसएंडपी बीएसई बैंकेक्स S&P BSE BANKEX	बीओबी बीएसई (प्रत्येक 2 रु पए के एफवी के इक्विटी शेयर) BOB BSE (Equity Share of FV of ₹ 2/- each)
28.04.2017	9304.05	22358.25	187.55	29918.40	25325.27	187.50
31.05.2017	9621.25	23424.80	178.05	31145.80	26547.35	178.00
30.06.2017	9520.90	23211.20	161.65	30921.61	26277.96	161.10
31.07.2017	10077.10	25103.65	166.05	32514.94	28386.54	165.60
31.08.2017	9917.90	24318.40	137.85	31730.49	27440.82	137.65
29.09.2017	9788.60	24053.00	137.60	31283.72	27025.26	137.50
31.10.2017	10335.30	25019.35	169.90	33213.13	28284.00	169.85
30.11.2017	10226.55	25332.40	169.10	33149.35	28631.42	169.05
29.12.2017	10530.70	25539.45	160.65	34056.83	28856.77	160.50
31.01.2018	11027.70	27379.45	156.80	35965.02	30986.13	156.95
28.02.2018	10492.85	25107.40	141.95	34184.04	28313.85	142.00
28.03.2018	10113.70	24263.35	142.30	32968.68	27197.88	142.20

रजिस्ट्रार व शेयर ट्रांसफर एजेंट, शेयर ट्रांसफर पद्धति तथा निवेशकों की शिकायतों का निपटान

बैंक ने कार्वी कम्प्यूटरशेयर प्रा.लि. को अपने रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण एजेंट (आरटीए) के रुप में नियुक्त किया है जिसका कार्य शेयर/बॉण्ड अंतरण, लाभांश/ब्याज भुगतान को प्रोसेस करना, शेयरधारकों के अनुरोध दर्ज करना, निवेशकों की शिकायतों का समाधान तथा शेयर/बॉण्ड जारी करने संबंधी अन्य गतिविधियों/कार्यों को सुनिश्चित करना है. निवेशक अपने अंतरण विलेख/अनुरोध/ शिकायतें निम्नलिखित पते पर आरटीए को भेज सकते हैं :-

मे. कार्वी कम्प्यूटरशेयर प्रा.लि.
(यूनिट:बैंक ऑफ़ बड़ौदा)
कार्वी सेलेनियम टॉवर बी,प्लॉट नं. 31 एवं 32
गाचीबावली, फायनैंसियल डिसिट्रक्ट, नानाक्रमगुडा,
सेरिलिंगमपल्ली, हैदराबाद - 500008
फोन:- (040) 67162222
ई मेल :- einward.ris@karvy.com

निजी रुप से रखे गए बॉंडों के लिए बैंक ने डिबेंचर न्यासी की भी नियुक्ति की है , जिसका पता नीचे दिया गया है :-

आईडीबीआई ट्रस्टीशिप सर्विसेस लि.
एशियन बिल्डिंग, भू -तल,
17, आर कमानी मार्ग, बेलार्ड एस्टेट
मुंबई - 400001
टेलीफोन :- (022) 40807000
ई मेल :- itsl@idbitrustee.com

बैंक ने कार्पोरेट कार्यालय,मुंबई में निवेशक सेवाएं विभाग की स्थापना भी की है, जिसके प्रभारी उप महाप्रबंधक स्तर के कंपनी सचिव हैं, जहाँ शेयरधारक अपने अनुरोधों / शिकायतों को समाधान हेतु निम्नलिखित पते पर भेज सकते हैं. वे अपनी शिकायतें / अनुरोध प्रधान कार्यालय, बड़ौदा को निम्नलिखित पते पर भी भेज सकते हैं.

REGISTRAR & SHARE TRANSFER AGENT, SHARE TRANSFER SYSTEM AND REDRESSAL OF INVESTORS' GRIEVANCES

The Bank has appointed M/s. Karvy Computershare Private Limited as its Registrars and Share Transfer Agent (RTA) with a mandate to process transfer of shares / bonds, dividend / interest payments, recording of shareholders' requests, solution of investors' grievances amongst other activities connected with the issue of shares / bonds. The investors may lodge their transfer deeds / requests / complaints with the RTA at following address:

M/s. Karvy Computershare Private Limited
(Unit: Bank of Baroda)
Karvy Selenium Tower B, Plot No.31 & 32
Gachibowli, Financial District
Nanakramguda, Serilingampally,
Hyderabad - 500 008
Phone: (040) 67162222;
E Mail: einward.ris@karvy.com

For privately placed Bonds, the Bank has also appointed Debenture Trustee as follows:

IDBI Trusteeship Services Ltd.
Asian Building, Ground Floor,
17, R Kamani Marg, Ballard Estate
Mumbai – 400 001
Tel: (022) 40807000;
Email: itsl@idbitrustee.com

The Bank has also established Investors' Services Department, headed by the Company Secretary at Corporate Office, Mumbai wherein Shareholders can mail their requests / complaints for resolution at the address given below. They can also send their complaints/requests at the address given below at Head Office, Vadodara:

बैंक ऑफ़ बडौदा निवेशक सेवाएं विभाग सातवीं मंजिल, बडौदा कॉर्पोरेट सेंटर सी-26, जी-ब्लॉक, बांद्रा कुला कॉम्पलेक्स बांद्रा (पूर्व), मुंबई - 400 051 दूरभाष : (022) 6698 5733/5743 ई-मेल investerservices@bankofbaroda.com (उपरोक्त ई-मेल विशेष रुप से सेबी सूचीयन करार एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएं) के नियम 6(2)(डी), विनियम 2015 के आधार पर स्थापित की गई है. जो शेयरधारक निदेशक मंडल से किसी प्रकार का प्रश्न पूछना चाहते हैं वे अपने प्रश्न निम्नलिखित मेल आईडी पर मेल कर सकते हैं- shareholderdirectors@bankofbaroda.com	बैंक ऑफ़ बडौदा महाप्रबंधक, परिचालन एवं सेवाएं 7वा तल, ब्रडौदा भवन, आर.सी. दत्त रोड, अलकापुरी, व्रडोदरा- 390 007 टेलीफोन : (0265) 2316792 ई-मेल : operations.ho@bankofbaroda.com	Bank of Baroda Investors' Services Department 7th Floor, Baroda Corporate Centre C-26, G-Block, Bandra-Kurla Complex Bandra (East), Mumbai – 400 051 Telephone : (022) 6698 5733/5743) E – mail : investorservices@bankofbaroda.com (The aforesaid e-mail ID is exclusively designated for investors' complaints pursuant to Regulation 6(2)(d) of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations 2015. Further, Shareholders who wish to ask questions to the Board of Directors of the Bank can mail their questions at – shareholderdirectors@bankofbaroda.com	Bank of Baroda General Manager, Operations and Services, 7th Floor, Baroda Bhavan, R C Dutt Road, Alkapuri, Vadodara 390 007 Telephone : (0265) 2316792 E–mail: operations.ho@bankofbaroda.com

बैंक सुनिश्चित करता है कि प्रस्तुत किए गये सभी भौतिक शेयरों के अंतरण, अनुरोध किए जाने के 15 दिन की अवधि के भीतर प्रभावी हो जाए.

The Bank ensures that transfers of all the physical shares tendered are duly effected within a period of -15- days from the date of their lodgement.

शेयरधारिता का वितरण

ए. 31 मार्च 2018 तक का शेयरधारिता का पैटर्न:

DISTRIBUTION OF SHAREHOLDING

a. Shareholding Pattern as on 31st March 2018

क्र. सं. Sr. No.	विवरण	Description	कुल मामलें Total Cases	कुल शेयर Total Shares	कुल मामले % Total Cases %
1	भारत सरकार	Government Of India	2	1,69,38,47,146	64.03
2	विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक	Foreign Portfolio Investors	214	36,81,39,572	13.92
3	म्यूचुअल फंड	Mutual Funds	183	29,77,04,027	11.25
4	निवासी वैयक्तिक	Resident Individuals	324402	12,42,57,892	4.70
5	बीमा कम्पनियां	Insurance Companies	39	6,70,64,419	2.54
6	कॉर्पोरेट निकाय	Bodies Corporates	2005	5,08,01,735	1.92
7	ट्रस्ट	Trusts	38	1,69,69,619	0.64
8	अनिवासी भारतीय	Non Resident Indians	4318	88,49,288	0.33
9	बैंक	Banks	20	41,28,292	0.16
10	समाशोधन सदस्य	Clearing Members	376	29,77,186	0.11
11	अनिवासी भारतीय गैर प्रत्यावर्तनीय	Non Resident Indian Non Repatriable	1329	27,59,504	0.10
12	एचयूएफ	H U F	4238	24,95,353	0.09
13	कर्मचारी	Employees	2362	23,79,592	0.09
14	वैकल्पिक निवेश फंड	Alternative Investment Fund	5	17,85,961	0.07
15	भारतीय वित्तीय संस्थाएं	Indian Financial Institutions	5	5,36,713	0.02
16	विदेशी संस्थागत निवेशक	Foreign Institutional Investors	27	5,24,187	0.02
17	एनबीएफसी	NBFC	15	1,78,612	0.01
18	विदेशी कॉर्पोरेट निकाय	Overseas Corporate Bodies	3	1,10,000	0.00
19	विदेशी नागरिक	Foreign Nationals	4	6,534	0.00
20	यूनिट ट्रस्ट ऑफ़ इंडिया	Unit Trust Of India	1	500	0.00
	कुल /Total		**339586**	**2,64,55,16,132**	**100.00**

बी. शेयरधारकों का वितरण - 31 मार्च 2018 तक का श्रेणी वार

b. Distribution of Shareholders – Category Wise as on 31st March 2018

क्रम संख्या Sr. no	श्रेणी Category	मामलों की संख्या No. of Cases	मामलों का प्रतिशत % of Cases	शेयरों की संख्या No of Shares	राशि का प्रतिशत % Amount
1	1 - 5000	337363	99.35	11,40,74,959	4.31
2	5001 - 10000	1031	0.30	76,02,935	0.29
3	10001 - 20000	417	0.12	60,80,250	0.23
4	20001 - 30000	140	0.04	34,90,578	0.13
5	30001 - 40000	64	0.02	22,05,094	0.08
6	40001 - 50000	65	0.02	30,87,355	0.12
7	50001 - 100000	118	0.03	89,60,368	0.34
8	100001 and above	388	0.11	250,00,14,593	94.50
	कुल / TOTAL:	339586	100.00	264,55,16,132	100.00

सी . प्रतिभूतियों का अभौतिकीकरण

बैंक के शेयर अनिवार्य रुप से सेबी की डीमेट लिस्ट के अंतर्गत आते हैं एवं बैंक ने नेशनल सिक्यूरिटी डिपॉजिटरी लि. (एनएसडीएल) एवं सेंट्रल डिपॉजिटरी सिक्यूरिटी लि.(सीडीएसएल) के साथ बैंक के शेयरों के अभौतिकीकरण के लिए समझौता किया है. शेयरधारक अपने अभौतिकीकृत शेयर एन.एस.डी.एल अथवा सी.डी.एस.एल. से प्राप्त कर सकते हैं.

निम्नलिखित विवरण के अनुसार 31 मार्च 2018 तक बैंक के पास निम्नलिखित संख्या के शेयर भौतिक एवं अभौतिक रूप से हैं :

c. Dematerialization of Securities:

The shares of the Bank are under compulsory demat list of SEBI and the Bank has entered in to Agreements with National Securities Depository Limited (NSDL) and Central Depository Services (India) Limited (CDSL) for dematerialization of Bank's shares. Shareholders can get their shares dematerialized with either NSDL or CDSL.

As on March 31, 2018 the Bank has following number of Equity Shares in physical and dematerialized form, as per the details given below:

क्रम संख्या S.No	धारिता का प्रकार	Nature of holding	मामलों की संख्या No. of Cases	शेयरों की संख्या No. of Shares	प्रतिशत % Percentage %
1	भौतिक	PHYSICAL	42,242	37,39,83,899	14.14
2	एन.एस.डी.एल.	NSDL	1,86,296	87,85,10,413	33.21
3	सी.डी.एस.एल.	CDSL	1,11,048	1,39,30,21,820	52.66
	कुल	**Total:**	**3,39,586**	**2,64,55,16,132**	**100.00**

बैंक ने वर्ष 2003 में 1,36,91,500 शेयर जब्त किए (27,38,300 शेयर उप-विभाजन से पूर्व) जिनमें से 24000 शेयर (4800 उप-विभाजन से पूर्व) 31 मार्च 2018 तक रद्द कर दिये गए.

The Bank had forfeited 1,36,91,500 equity shares (27,38,300 shares before sub-division) in the year 2003 and out of the same 24000 equity shares (4800 shares before sub-division) were annulled up to 31st March 2018.

31 मार्च 2018 तक एस्क्रो / उचंत खातें में उपलब्ध शेयरों की स्थिति:

STATUS OF SHARES LYING IN ESCROW/SUSPENSE ACCOUNT AS ON 31st MARCH, 2018

ए. उचंत खाते में उपलब्ध शेयरों की स्थिति (भौतिक शेयर - बिना सुपुर्दगी के वापस किए गए)

a. Status of shares lying in Suspense A/c (Physical Shares – returned undelivered)

01.04.2017 को प्रारम्भिक शेष Opening Balance as on 01.04.2017		वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान प्राप्त अनुरोधों की संख्या No. of requests received during the Financial Year 2017-18	वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान नामे किए गए शेयर Shares debited during the Financial Year 2017-18		31 मार्च 2018 को उपलब्ध अंतिम शेष Closing Balance as on 31st March 2018	
शेयरधारकों की संख्या No. of Shareholders	शेयरों की संख्या No. of Shares	शेयरधारकों की संख्या No. of Shareholders	शेयरधारकों की संख्या No. of Shareholders	शेयरों की संख्या No. of Shares	शेयरधारकों की संख्या No. of Shareholders	शेयरों की संख्या No. of Shares
70	86000	0	0	0	70	86000

बी. एस्क्रो / उचंत खाते में उपलब्ध शेयरों की स्थिति (डीमेट शेयर - बिना सुपुर्दगी के वापस किए गए)

b. Status of shares lying in Escrow / Suspense A/c (Demat Shares – returned undelivered)

प्रारम्भिक शेष 01.04.2017 को Opening Balance as on 01.04.2017		वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान प्राप्त अनुरोधों की संख्या No. of requests received during the Financial Year 2017-18	वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान जमा किए गए शेयर Shares credited during the Financial Year 2017-18		31 मार्च 2018 को उपलब्ध अंतिम शेष Closing Balance as on 31st March 2018	
शेयरधारकों की संख्या No. of Shareholders	शेयरों की संख्या No. of Shares	शेयरधारकों की संख्या No. of Shareholders	शेयरधारकों की संख्या No. of Shareholders	शेयरधारकों की संख्या No. of Shares	शेयरधारकों की संख्या No. of Shareholders	शेयरधारकों की संख्या No. of Shares
158	93950	1	1	150	157	93800

हम पुष्टि करते हैं कि जब तक उक्त शेयरों के वास्तविक दावेदार इनके लिए दावा नहीं करते तब तक अंतिम कॉलम (ए) तथा (बी) के शेयरों के लिए मताधिकार पर रोक जारी रहेगी.

लाभांश / ब्याज का इलेक्ट्रॉनिक मोड के माध्यम से भुगतानः

बैंक निवेशकों को, जहां निवेशकों द्वारा मैंडेट दिए गए हैं, शेयरों पर लाभांश/ बॉंडों पर ब्याज का भुगतान विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से कर रहा है, इस उद्देश्य के लिए बैंक नेशनल ऑटोमेटेड क्लीयरिंग हाऊस (एनएसीएच), नेशनल इलेक्ट्रॉनिक क्लीयरिंग सर्विस (एनईसीएस), इलेक्ट्रॉनिक क्लीयरिंग सर्विस (ईसीएस), आरटीजीएस, एनईएफटी तथा सीधे जमा आदि कि सेवाओं का प्रयोग कर रहा है.

निवेशक अपने मैंडेट बैंक के रजिस्ट्रार एवं शेयर अंतरण एजेंट अर्थात कार्वी कम्प्यूटर शेयर प्रा. लि. के पास इस रिपोर्ट में दिए पते पर दर्ज करा सकते हैं.

सचिवालय अंकेक्षण

वर्ष 2017-18 के दौरान बैंक ने लागू कानून एवं विनियमों के अनुरुप 06 नवंबर 2015 से 22 दिसंबर 2017 की अवधि तक बैंक के निदेशक मंडल की बैठकों की कार्यसूची संबंधी काग़जातों एवं कार्यवृत्तों की समीक्षा हेतु पेशेवर कंपनी सचिव की नियुक्ति की थी.

उनके द्वारा प्रस्तुत समीक्षा रिपोर्ट में निम्नलिखित की पुष्टि की गयी है:-

- बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत विभिन्न कानूनों एवं गतिविधियों की मदों पर अनुपालन,निर्धारित प्रावधानों के अनुरुप किया गया है.
- एजीएम/ईजीएम से संबंधित कार्यसूची की मदों पर नोट, उन बैठकों की सूचना देना और विभिन्न एजेन्सियों की नियुक्ति नियमानुसार की गई.
- प्रबंधन ने बोर्ड के समक्ष उन कार्यसूची की मदों को प्रस्तुत किया जो सेबी(एलओडीआर) विनियम, 2015 के प्रावधानों के अंतर्गत वांछनीय हैं.

प्रकटीकरण

1) यहाँ भौतिक रुप से किसी भी प्रकार का कोई महत्वपूर्ण पार्टी संव्यवहार नहीं होता है जिसका बड़े रुप में बैंक के हितों के साथ कोई टकराव हो. इस सम्बंध में पार्टी सम्बंधी प्रकटीकरण भारतीय रिज़र्व बैंक के निर्देशों का अनुपालन करते हुए लेखांकन संबंधी टिप्पणीयों मे किया गया है.

2) बैंक पर पिछले तीन वर्षों के दौरान पूंजी बाजार से सम्बद्ध किसी भी मामले में किसी भी विनियामक प्राधिकारी अर्थात स्टॉक एक्सचेंज और / अथवा सेबी द्वारा किसी नियम, निर्देशों एवं दिशा-निर्देशों का अनुपालन न करने के लिए न तो कोई दंड लगाया गया और न ही किसी प्रकार की कोई भर्त्सना की गई है.

3) हम सेबी द्वारा कॉर्पोरेट गवर्नेंस सूचीबद्ध नियमों की अनुसूची V के उपभाग (2) से (10) के अनुपालन की पुष्टि करते हैं.

4) सभी निदेशकों द्वारा यह घोषणा की गई है कि 31 मार्च 2018 तक उनका परस्पर किसी भी प्रकार का कोई संबंध नहीं है.

5) बैंक ने वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान कॉमोडिटी में कोई व्यापार नहीं किया है, अतः कॉमोडिटी कीमत जोखिम और कॉमोडिटी बचाव गतिविधियां शून्य है.

6. स्वतंत्र निदेशकों के लिए परिचय-कार्यक्रमः

बैंक के स्वतंत्र निदेशकों के लिए आयोजित परिचय-

We confirm that the voting rights on the shares stated at the last column of table (a) and (b) above shall remain frozen till the rightful owner of such shares claims the shares.

DIVIDEND / INTEREST PAYMENT THROUGH ELECTRONIC MODES

The Bank is paying Dividend on Shares / Interest on Bonds to the Investors through various electronic modes, wherever mandate is given by the investors. For the purpose, the Bank is using the services of National Automated Clearing House (NACH), National Electronic Clearing Services (NECS), RTGS, NEFT & Direct Credit etc.

Investors may lodge their mandate with Bank's Registrar & Share Transfer Agent i.e. M/s. Karvy Computershare Pvt. Ltd., at the address given in this report.

Secretarial Audit

During FY2017-18, the Bank had appointed a Practicing Company Secretary to review the Agenda papers and Minutes of the meetings of the Board of Directors of the Bank held during the period from 6th November, 2015 till 22nd December, 2017 as to compliance with applicable laws and regulations.

Review Report submitted by them confirms:

- compliance of various laws and calendar of items placed before the Board were in accordance with the provisions
- notes on Agenda items relating to AGM / EGM, Notice of the said meetings, appointment of various agencies were in order.
- management has placed before the Board, the agenda items which are required to be placed as prescribed under SEBI (LODR) Regulations, 2015.

DISCLOSURES

1. There is no materially significant Related Party Transaction that has potential conflict with interests of the Bank at large. The Related Party disclosure is made in the Notes on Accounts in compliance with RBI Guidelines in this regard.
2. There is no non-compliance by the Bank in respect of Regulations/ Guidelines issued SEBI / Stock Exchanges / any Statutory Authority on any matter related to capital markets during the last 3 years and as such no penalties / strictures imposed on the Bank.
3. We confirm the compliance of the requirement of Corporate Governance Report of sub-paras (2) to (10) of Schedule V of SEBI Listing Regulations
4. All the Directors have disclosed that they have no relationship inter-se as on 31st March 2018.
5. The Bank has not traded in commodities during the F. Y. 2017-18 and hence the information on "Commodity price risks and commodity hedging activities" is NIL.
6. **Familiarization programme for Independent Directors**

   The details of the Familiarization Programme

कार्यक्रम का ब्यौरा बैंक की वेबसाइट https://www.bankofbaroda.co.in/writereaddata/Images/pdf/ListofDirectorAppointedForTrainingReg46-30102017.pdf पर उपलब्ध है.

7. **व्हीसल ब्लोअर नीति**

भारत सरकार के जनहित प्रकटीकरण एवं सूचना प्रदाता की सुरक्षा संबंधी संकल्प (पीआयडीपीआय) के आधार पर लोगो के लिए व्हीसल ब्लोअर दिशानिर्देश संबंधी विवरण बैंक की वेबसाइट https://www.bankofbaroda.co.in/writereaddata/Images/pdf/whistle-blower-guidelines-for-website-new.pdf

इस संबंध में किसी भी कार्मिक को लेखापरीक्षा समिति एक्सेस से मना नहीं किया गया है.

8. **संबद्ध पार्टी संव्यवहारों एवं महत्वपूर्ण अनुषंगियों संबंधी पालिसी**

संबद्ध पार्टी संव्यवहारों एवं महत्वपूर्ण अनुषंगियों संबंधी पालिसी बैंक की वेबसाइट https://www.bankofbaroda.co.in/writereaddata/images/pdf/policies-codes/PolicyonRelatedPartTransactions_MaterialSubsidiaires.pdf पर उपलब्ध हैं.

अनिवार्य एवं गैर-अनिवार्य आवश्यकताएँ

बैंक द्वारा सेबी (सूचीमय करार तथा प्रकटीकरण आवश्यकताएं) के विनियमों, 2015 के तहत उपलब्ध कराई गई सभी लागू अनिवार्य आवश्यकताओं का अनुपालन किया गया है.

conducted for the Independent Director of the Bank are available on the Bank's website at https://www.bankofbaroda.co.in/writereaddata/Images/pdf/ListofDirectorAppointedForTrainingReg46-30102017.pdf

7. **Whistle Blower Guidelines**

The details of the Whistle Blower Guidelines for public based on Government of India Resolution on Public Interest Disclosure and Protection of Informer (PIDPI) are available on the Bank's website at https://www.bankofbaroda.co.in/writereaddata/Images/pdf/whistle-blower-guidelines-for-website-new.pdf

No personnel has been denied access to the audit committee.

8. **Policy on Related Party Transactions and Material Subsidiaries**

The details of the Bank's Policy on Related Party Transactions and Material Subsidiaries are available on the Bank's website at https://www.bankofbaroda.co.in/writereaddata/images/pdf/policies-codes/PolicyonRelatedPartTransactions_MaterialSubsidiaires.pdf

MANDATORY AND NON-MANDATORY REQUIREMENTS

The Bank has complied with all the applicable mandatory requirements as provided in SEBI (Listing Obligations & Disclosure Requirements) Regulations, 2015

गैर-अनिवार्य आवश्यकताओं के कार्यान्वयन का विवरण निम्नानुसार हैं-

The extent of implementation of non-mandatory requirements is as under:

क्रम संख्या Sr. No.	गैर- अनिवार्य आवश्यकताएँ Non-mandatory requirements	कार्यान्वयन की स्थिति Status of Implementation
1	**बोर्ड** सूचीबद्ध कम्पनी के खर्च पर अध्यक्ष का कार्यभार सम्भालने के लिए गैर-कार्यपालक अध्यक्ष अधिकृत किए जा सकते हैं और उनकी ड्यूटी संबंधी खर्च की प्रतिपूर्ति की अनुमति दी जा सकती है. **The Board** A non-executive chairperson may be entitled to maintain a chairperson's office at the listed entity's expense and also allowed reimbursement of expenses incurred in performance of his duties.	**अनुपालन किया गया.** भारत सरकार ने श्री रवि वेंकटेसन की नियुक्ति बोर्ड के गैर-कार्यपालक अध्यक्ष के रुप में दिनांक 14.08.2015 से की है. भारत सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों का अनुपालन किया गया. **Complied with.** The Government of India has appointed Shri Ravi Venkatesan as Non-Executive Chairman of the Board w.e.f.14.08.2015. The guidelines issued by GOI are complied with.
2	**शेयरधारकों के अधिकार** गत 6 माह के दौरान महत्वपूर्ण घटनाओं के सारांश सहित वित्तीय कार्यनिष्पादन की छमाही घोषणा प्रत्येक शेयरधारक को भेजी जाए. **Shareholder Rights** A half-yearly declaration of financial performance including summary of the significant events in last six-months, may be sent to each household of shareholders	**अनुपालन किया गया.** 30.09.2017, (वित्तीय वर्ष 2017-18) को समाप्त छमाही के लिए बैंक ने गत 6 माह के दौरान महत्वपूर्ण घटनाओं के सारांश सहित वित्तीय कार्य निष्पादन के छमाही परिणाम प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पत्र के साथ डाक / ई-मेल से प्रत्येक शेयरधारक को भेज दिये हैं , इसके अतिरिक्त बैंक के वित्तीय परिणाम बैंक की वेबसाईट पर प्रस्तुत किए गए हैं. **Complied with.** The Bank sent communication of MD & CEO along with the copy of half-yearly financial results for the half year ended 30.09.2017 (FY 2017-18) including summary of significant developments during last six months to each shareholder by post / e-mail. The financial results are also posted on Bank's website.
3	**लेखा परीक्षा अहर्ता** कम्पनी को अयोग्य वित्तीय विवरणों की व्यवस्था को अपनाना चाहिए. Audit Qualifications Company may move towards a regime of unqualified financial statements.	बैंक की लेखा परीक्षा रिपोर्ट में इस संबंध में कोई अहर्ता नहीं है. There is no qualification in Auditors report of the Bank.
4	**अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के अलग - अलग पद** सूचीबद्ध कम्पनी अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पदों पर अलग-अलग व्यक्तियों को नियुक्त कर सकती है. Separate posts of chairperson and chief executive officer The listed entity may appoint separate persons to the post of chairperson and managing director or chief executive officer.	**अनुपालन किया गया.** बैंक के निदेशक मंडल की सरंचना बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970 के माध्यम से नियंत्रित की जाती है. भारत सरकार द्वारा दिनांक 14.08.2015 से श्री रवि वेंकटेसन को निदेशक मंडल के गैर कार्यकारी अध्यक्ष तथा दिनांक 13.10.2015 से श्री पी.एस. जयकुमार, प्रबन्ध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (पूर्णकालिक निदेशक) के रूप में नियुक्त किया गया है. Complied with. The composition of the Board of Directors of the Bank is governed through "Banking Companies (Acquisition & Transfer of Undertakings) Act, 1970. The Government of India has appointed Shri Ravi Venkatesan as Non-Executive Chairman of the Board w.e.f.14.08.2015 and Shri P.S. Jayakumar as MD & CEO (Whole-time Director) w.e.f. 13.10.2015.
5	**आंतरिक लेखा परीक्षकों की रिपोर्टिंग** आंतरिक लेखा परीक्षक सीधे लेखा परीक्षा समिति को रिपोर्ट कर सकते हैं . Reporting of Internal Auditor The Internal Auditor may report directly to the Audit Committee.	बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति की संरचना एवं इसकी संदर्भ शर्तें सदैव विनियामकों अर्थात रिजर्व बैंक द्वारा जारी किये गए निर्देशों एवं परिपत्रों के माध्यम से नियमित की जाती है , जिनका बैंक अनुपालन करता है. The composition & terms of reference of the Audit Committee of the Board inter-alia covering Internal Audit function is governed through the guidelines / circulars issued by the Regulator i.e. Reserve Bank of India, which the Bank complies with.

कॉर्पोरेट गवर्नेंस की आवश्यकताओं के अनुपालन का प्रकटीकरण: **Disclosure of the compliance with Corporate Governance requirements**

नियम क्र. Regu No.	संक्षिप्त विवरण Title / Brief description	अनुपालन स्थिति Compliance Status
17	**निदेशक मंडल Board of Directors**	बैंक ऑफ बड़ौदा के निदेशक मंडल का गठन और इसकी संदर्भ शर्तें बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम 1970 के अधीन है. यहाँ कम्पनी एक्ट 1956/2013 में किया गया संशोधन इस संबंध में लागू नहीं होता है. शेयरधारकों द्वारा निर्वाचित तीन निदेशकों के अतिरिक्त सभी निदेशकों की नियुक्ति / नामांकन, केंद्र सरकार द्वारा अधिनियम की धारा 9(3) (आई) के अधीन केंद्र सरकार के मुताबिक किया जाता है. बैंक, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विनियमित है. बोर्ड का अधिकांश समय व्यापार की रणनीति और निष्पादन, अनुपालन, गवर्नेंस एवं जोखिम प्रोफाइल पर चर्चा करने में व्यतीत होता है. यह सुनिश्चित किया जाता है की बोर्ड की कार्यप्रणाली पारदर्शी एवं स्वतंत्र रहे. **बोर्ड का मूल्यांकन** कंपनी अधिनियम एवं सेबी सूचीयन विनियम के प्रावधानों के आवश्यकतानुरुप बोर्ड के कार्यनिष्पादन का मूल्यांकन किया जाना चाहिए. इसके लिए समिति एवं वैयक्तिक निदेशक को वार्षिक आधार पर मूल्यांकित किया जाता है. वर्ष 2016-17 में बैंक ने बोर्ड, इसकी समितियों एवं व्यक्तिगत निदेशकों का विस्तृत मूल्यांकन करने के लिए सलाहकार फर्म को नियुक्त किया था. वित्तीय वर्ष 2017-18 में इसी सलाहकार फर्म द्वारा स्वतंत्र प्रशासनिक प्रश्नावली के माध्यम से विस्तृत मूल्यांकन किया गया था. सभी निदेशकों द्वारा इस प्रश्नावली को पूरा किया गया था. इस प्रश्नावली में बोर्ड के कार्यनिष्पादन का मूल्यांकन करने के लिए कई विषयों को शामिल किया गया, इनमें निम्न शामिल थे: • संरचना एवं दक्षता • गवर्नेंस • प्रबंधन समितियों के साथ संबंध • निरंतर सुधार बोर्ड सदस्यों से प्राप्त उत्तर को सलाहकार फर्म द्वारा समेकित करके सभी बोर्ड निदेशकों के समक्ष प्रस्तुत किया गया. निदेशकों ने रिपोर्ट पर चर्चा की तथा बोर्ड के प्रभावी कार्यनिष्पादन हेतु सुझाए गए सुधारों पर कार्रवाई करने पर सहमति जताई. The Composition & terms of reference of Board of Directors of Bank of Baroda is governed through "Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970" i.e. the Act, meaning thereby the provision of the Companies Act, 1956/2013 in this regard are Not Applicable. All the Directors, except 3 directors elected amongst the Shareholders' other than Central Government pursuant to Section 9(3)(i) of the Act, are appointed / Nominated by Government of India pursuant to the provisions under Section 9(3) of the Act. The Bank is regulated by Reserve Bank of India. Major time of the Board discussions is spent on business strategy and execution, compliance, governance and risk profile of the Bank. Transparency and independence in functioning of the Board is ensured. **Board Evaluation** The provisions of the Companies Act and the SEBI Listing Regulations require that the performance evaluation of the Board, the committees and individual directors is required to be carried out on an annual basis. In FY 2017, the Bank had engaged a consulting firm to carry out a detailed evaluation of the Board, its committees and individual directors. In FY 2017-18, this extensive evaluation was followed up by an independently administered questionnaire by the same consulting firm. The questionnaire was completed by all the directors. The questionnaire included a range of topics to evaluate the performance of the Board. These included:- • Composition & Effectiveness • Governance • Relations with Management Committees • Continuous Improvement The responses received from the Board members were compiled and a report was submitted by the consulting firm to all Board Directors. The Directors discussed the Report and agreed on a set of actions to drive further improvement in Board effectiveness.
18	**लेखा समिति Audit Committee**	बैंक ऑफ़ बड़ौदा के निदेशक मंडल की लेखा परीक्षा समिति के गठन एवं इसके संदर्भ की शर्तें भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशानुसार अधिशासित होती है, जिनका अनुपालन किया गया है. The composition & terms of reference of the Audit Committee of the Board of Bank of Baroda is governed through RBI's directives / guidelines, which are complied with.
19	**नामांकन एवं पारितोषिक समिति Nomination and remuneration committee**	बैंक में दो अलग-अलग समितियाँ, नामांकन समिति एवं पारिश्रमिक समिति है, जिनकी सरंचना एवं संदर्भ शर्तें क्रमशः भारत सरकार के निर्देशों तथा भारतीय रिज़र्व बैंक के निर्देशानुसार अधिशासित होती है. The Bank has 2 separate committees namely Nomination Committee and Remuneration Committee, the composition and terms of reference of which are governed through RBI / GOI directives respectively.

20	**हितधारक सम्बंध समिति** **Stakeholders Relationship Committee**	अनुपालन किया गया है. Complied with
21	**जोखिम प्रबंधन समिति** **Risk Management Committee**	अनुपालन किया गया है. Complied with
22	**सतर्कता प्रणाली** **Vigil Mechanism**	अनुपालन किया गया है. Complied with
23	**संबंधित पार्टी लेनदेन** **Related party transactions**	अनुपालन किया गया है. Complied with
24	सूचीबद्ध ईकाइयों की अनुषंगियों के लिए कॉर्पोरेट गर्वनेंस की आवश्यकता Corporate governance requirements with respect to subsidiary of listed entity	अनुपालन किया गया है. Complied with
25	स्वतंत्र निदेशकों के संबंध में दायित्व Obligations with respect to independent directors	विनियम 17 के अनुसार- यथा उपर्युक्त As per Regulation 17, as above.
26	निदेशक एवं वरिष्ठ प्रबंधन के संबंध में दायित्व Obligations with respect to directors and senior management	अनुपालन किया गया है. Complied with
27	अन्य कॉर्पोरेट गर्वनेंस आवश्यकताएं Other corporate governance requirements	अनुपालन किया गया है. Complied with
46 (2) (b)to(i)	वेबसाइट Website	अनुपालन किया गया है. Complied with

प्रकटीकरण - दिनांक 09/05/2018 को गज़ट अधिसूचना में जारी सेबी (एलओडीआर) विनियम (संशोधित), 2018 के अनुरु प श्री उदय कोटक की अध्यक्षता में गठित कार्पोरेट गवर्नेंस समिति के निर्दिष्ट संस्तुतियों का कार्यान्वयन.

- बैंक के अध्यक्ष एक गैर-कार्यपालक निदेशक हैं तथा कंपनी अधिनियम, 2013 में ''संबंधी'' शब्द की व्याख्या के अनुरूप प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी से उसका संबंध नहीं है.
- न्यूनतम छः निदेशकों की आवश्यकता के सापेक्ष में बैंक में 12 निदेशक हैं.
- जैसा कि शीर्ष 500 सूचीबद्ध संस्थाओं के लिए प्रस्तावित है, एक स्वतंत्र निदेशक के सापेक्ष में बैंक में पहले से ही दो स्वतंत्र महिला निदेशक हैं.
- हमारे बैंक के कोई पूर्णकालिक निदेशक / प्रबंध निदेशक तीन से अधिक सूचीबद्ध कंपनियों में स्वतंत्र निदेशक नहीं हैं.

Disclosure - Implementation of certain recommendations of the Committee on Corporate Governance under the Chairmanship of Shri Uday Kotak vide SEBI (LODR) Regulations (Amendment), 2018 issued vide Gazette Notification dated 09.05.2018

- Chairperson of the Bank is a Non-Executive Director and is not related to the Managing Director & CEO as per the definition of the term "relative" defined under the Companies Act, 2013.
- As against the requirement of minimum six directors, Bank is already having 12 Directors on Board.
- Bank has two women Independent Director on Board as against proposed One Independent Director for top 500 listed entities.
- No Whole Time Director / Managing Director of our Bank is serving as independent director in more than three listed entities.

- हमारे बैंक का कोई भी निदेशक आठ से अधिक सूचीबद्ध कंपनियों के निदेशक नहीं हैं.
- नामांकन समिति की प्रत्येक बैठक में कम से कम दो निदेशकों की उपस्थिति के कोरम का अवश्य पालन किया जाता है.
- वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान नामांकन समिति की एक से अधिक बार बैठकें आयोजित की गई.
- हितधारक संबंधपरक समिति में तीन से अधिक निदेशक हैं जिनमें से कम से कम एक स्वतंत्र निदेशक हैं.
- बैंक यह सुनिश्चित करता है कि हितधारक संबंध समिति के अध्यक्ष बैंक की वार्षिक सामान्य बैठक (एजीएम) में अवश्य उपस्थित रहे.
- वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान हमारे बैंक की हितधारक संबंधपरक समिति की बैठकें एक से अधिक बार आयोजित की गई.
- वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान हमारे बैंक की जोखिम प्रबंधन समिति की बैठकें एक से अधिक बार आयोजित की गई.
- मामले के महत्व का निर्धारण / सूचना एवं प्रकटीकरण प्रक्रियाओं के लिए हमारे बैंक के पास बोर्ड के द्वारा विधिवत अनुमोदित नीति है.
- हमारा बैंक वित्तीय वर्ष की समाप्ति से 5 माह के भीतर वार्षिक सामान्य बैठक आयोजित करना सुनिश्चित करता है.

कॉरपोरेट गवर्नेंस के तहत पर्यावरण संरक्षण - भारत सरकार की नवोन्मेषी पहल को समर्थन

ए. भारत सरकार की पर्यावरण संरक्षण संबंधी पहल को समर्थन देने के लिए सभी शेयरधारकों से, जिनके पास शेयर भौतिक रुप में हैं, अनुरोध है कि वे अपना ई-मेल आईडी हमारे पास या हमारे रजिस्ट्रार जिसका पता इस रिपोर्ट में अन्यत्र दिया गया है, के पास पंजीकृत करवा दें ताकि हम दस्तावेज, नोटिस, सम्प्रेषण, वार्षिक रिपोर्ट आदि ई-मेल के माध्यम से भेज सकें.

ऐसे शेयरधारकों से यह भी अनुरोध है कि वे भौतिक शेयरधारिता को डिमेट में रुपांतरित करवा लें ताकि हम उनके द्वारा धारित शेयरों के संबंध में उन्हें बेहतर सेवा, तथा संबंधित सुरक्षा दे सकें.

बी. इसके अलावा वे शेयरधारक जिनके पास शेयर अभौतिक रुप में हैं और जिन्होंने अभी तक अपनी ई-मेल आईडी पंजीकृत नहीं कराई है, उनसे अनुरोध है कि वे उपर्युक्त प्रयोजन के लिए अपने ई-मेल आईडी सम्बन्धित डिपोजिटरी प्रतिभागी के पास पंजीकृत करवा दें.

पारदर्शिता एवं अनुपालन अधिकारी

साथ ही, निम्नलिखित अतिरिक्त कार्यकलाप भी बैंक के कॉरपोरेट गवर्नेंस प्रणाली के तहत अधिक से अधिक प्रकटीकरण के लिए बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शातें हैं.

- **पारदर्शिता अधिकारी**

  केंद्रीय सूचना आयुक्त (सीआईसी) के दिशानिर्देशों के अनुसार बैंक ने फरवरी 2011 से अपने एक वरिष्ठ अधिकारी को पारदर्शिता अधिकारी के रुप में नियुक्त किया है. पारदर्शिता अधिकारी निम्नलिखित कार्यकलापों के लिए उत्तरदायी है.

  o सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई) की धारा 4, जो सार्वजनिक प्राधिकरणों के दायित्व से संबंधित है, के क्रियान्वयन का निरीक्षण करना तथा इसकी प्रगति से उच्च प्रबंधन को अवगत कराना.

- No Director of our Bank is having directorship in more than eight listed entities.
- The quorum for a meeting of the Nomination Committee is being maintained of at least two Directors.
- The Nomination Committee met more than once during FY2017-18.
- Stakeholders Relationship Committee is having more than three directors, with at least one being an independent director.
- Bank ensures that the Chairperson of the Stakeholders Relationship Committee is present at the Annual General Meeting (AGM) of the Bank.
- The Stakeholders Relationship Committee of our Bank met more than once during FY2017-18.
- The Risk Management Committee of our Bank met more than once during FY2017-18.
- Bank is having Policy for Determination of Materiality of Event/Information and Disclosure Practices duly approved by the Board.
- Bank ensures holding of Annual General Meeting within a period of five months from the date of closing of the financial year

GREEN INITIATIVE UNDER CORPORATE GOVERNANCE – A CALL TO SUPPORT GOI INITIATIVES

a. To support GOI's green initiatives, shareholders having shares in physical form are requested to register their e-mail ids with us or our Registrars, at the address given elsewhere in this report, to enable us to serve any document, notice, communication, annual reports etc. through e-mail.

Such shareholders are also requested to convert their physical holdings in demat form to enable us to serve them better and provide enhanced security in respect of their holdings.

b. Further the shareholders holding shares in demat form and not yet registered their email IDs are requested to register their e-mail ID with their respective Depository Participant to support GOI's green initiatives.

TRANSPARENCY & COMPLIANCE OFFICER

Further, the following additional functions also enhance the Bank's commitment to more and more disclosures and compliance under the Corporate Governance mechanism of the Bank.

- **Transparency Officer**

  As per the directions of Central Information Commissioner (CIC), the Bank has appointed one of the Senior Officers as Transparency Officer since February 2011. The Transparency Officer is responsible for the following.

  o To oversee the implementation of the Section 4 of Right to Information (RTI) Act detailing with obligations of public authorities and to apprise the top management of its progress.

- सूचना का अधिकार अधिनियम के कार्यान्वयन की प्रगति के संबंध में सीआईसी के साथ इंटरफेस के रुप में कार्य करना.
- केंद्रीय जन सूचना अधिकारी (सीपीआईओ), मानद सीपीआईओ के आरटीआई अनुरोधों पर सकारात्मक एवं समयबद्ध कार्रवाई के लिए अनुकूल परिवेश तैयार करने में मदद करना.
- आरटीआई संबंधित सभी विषयों के लिए आम जनता के लिए संपर्क केंद्र के रुप में कार्य करना.

बैंक ने अपनी वेबसाइट पर निर्धारित प्रारुप में निर्देशित अनुसार समग्र जानकारी अपलोड की है तथा समय समय पर इस जानकारी को अद्यतन किया जाता है.

- **अनुपालन कार्यकलाप**

  बैंक ने निदेशक मण्डल द्वारा अनुमोदित अनुपालन नीति को अपनाया है जो बैंकों में अनुपालन कार्यकलापों पर भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों पर आधारित है तथा बैंक के अनुपालन सिद्धांत को रेखांकित करती है. यह नीति बैंक की अनुपालन संबंधी सभी गतिविधियों का मूल आधार है. बैंक में अनुपालन कार्यकलाप आंतरिक नियंत्रण और अनुपालन जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया सहित गवर्नेंस का ही एक आंतरिक भाग है जो बैंक में एक सुदृढ़ अनुपालन संस्कृति को बढ़ावा देता है.

  अनुपालन कार्यकलाप विभिन्न अधिनियमों अर्थात् बैंकिंग विनियामक अधिनियम, भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड अधिनियम तथा धनशोधन निवारक अधिनियम के सांविधिक प्रावधानों तथा विदेशों में स्थित अपनी शाखा/कार्यालय पर लागू होने वाले विभिन्न विनियामकों के विनियमों को लागू करना सुनिश्चित करता है. यह बीसीएसबीआई (भारतीय बैंकिंग संहिता और मानक बोर्ड), आईबीए (भारतीय बैंक संघ), फेडाई (भारतीय विदेशी मुद्रा व्यापारी संघ) तथा फिम्डा (भारतीय नियत आय मुद्रा बाजार और व्युत्पन्नी संघ) द्वारा प्रस्तावित मानकों और संहिता का पालन भी सुनिश्चित करता है.

कॉर्पोरेट गवर्नेंस रेटिंग

बैंक ऑफ़ बडौदा सार्वजनिक क्षेत्र का पहला ऐसा बैंक है जिसे रेटिंग एजेंसी, आईसीआरए लि. द्वारा बैंक की कार्पोरेट गवर्नेंस कार्य पद्धति को रेटिंग प्रदान की गई है. आईसीआरए ने जुलाई 2004 में सीजीआर 1 से सीजीआर 6 के मापदंड पर सीजीआर 2 (सीजीआर 2 के रुप में उच्चरित) की रेटिंग प्रदान की जहाँ सीजीआर 1 सर्वोच्च रेटिंग मानी जाती है. बैंक को यही रेटिंग अर्थात सीजीआर 2 रेटिंग पुनः क्रमशः फरवरी 2006, सितंबर 2007, अप्रैल 2010, मार्च 2011, अप्रैल 2013, मार्च 2014, जून 2015, जून 2016 और सितंबर 2017 में भी प्रदान की गई और अभी भी लागू हैं. सीजीआर 2 रेटिंग से अभिप्राय है कि रेटिंग एजेंसी आईसीआरए की राय में बैंक ने उन पद्धतियों , परंपराओं एवं संहिताओं को अपनाया है तथा उनका पालन कर रहा है जो बैंक के हितधारकों एवं जमाकर्ताओं को गुणवत्तापूर्ण कार्पोरेट गवर्नेंस का आश्वासन प्रदान करता है. यह रेटिंग बैंक की पारदर्शी स्वामित्व संरचना, सुव्यवस्थित कार्यपालक प्रबंधन पद्धतियों, बोर्ड एवं वरिष्ठ प्रबंधन की नियुक्तियों में पारदर्शिता, विस्तृत एवं परिष्कृत लेखा कार्यविधि, जो निरीक्षण प्रभाग तथा स्वतंत्र लेखा फर्मों द्वारा अपनाई जाती है, को दर्शाती है.

- To be the interface for the CIC regarding the progress in implementation of RTI Act.
- To help promote congenial conditions for positive and timely response to RTI requests by Central Public Information Officers (CPIOs), deemed-CPIOs.
- To be a contact point for the public in all RTI-related matters.

The Bank has uploaded all the information as directed in the specified format on its website and this information is updated from time to time.

- **Compliance Function**

  The Bank has put in place a Board approved Compliance Policy outlining the compliance philosophy of the Bank based upon the directions of Reserve Bank of India on Compliance Function in Banks. The said Policy is the foundation on which all Compliance Function of the Bank is based. The compliance function in the Bank is an integral part of governance along with internal control and compliance risk management process supported by a healthy compliance culture in the Bank.

  Compliance Function ensures observance of statutory provisions contained in various legislations viz. Banking Regulation Act, Reserve Bank of India Act, Foreign Exchange Management Act, Securities and Exchange Board of India Act and Prevention of Money Laundering Act and also the regulations of the various Regulators where the Bank is having its Offices / Branches in overseas centers. It also ensures Standards and Codes prescribed by BCSBI (Banking Codes and Standard Board of India, IBA (Indian Banks Association), FEDAI (Foreign Exchange Dealers Association of India), FIMMDA (Fixed Income Money Market and Derivatives Association of India).

CORPORATE GOVERNANCE RATING

Bank of Baroda is the first Public Sector Bank having been assigned a rating to its Corporate Governance Practices by ICRA Limited. The ICRA had assigned the rating of 'CGR2' (pronounced as CGR 2) on a rating scale of CGR1 to CGR6 where CGR1 denotes the highest rating. First rating was assigned in July 2004, which has been reaffirmed in February 2006, September 2007, April 2010, March 2011, April 2013, March 2014, June 2015, June 2016 and September 2017 respectively and presently is in force. The CGR2 rating implies that in ICRA's current opinion, the Bank has adopted and follows such practices, convention and codes as would provide its financial stakeholders including the depositors, a high level of assurance on the quality of Corporate Governance. The rating reflects Bank's transparent ownership structure, well-defined executive management structure, satisfactory risk management practices, transparency in appointment and functioning of the Board and Senior Management and an elaborate audit function, carried out both by its Inspection Division and independent audit firms.

अनुबंध 1

निदेशक मण्डल का गठन

श्री रवि वेंकटेसन - अध्यक्ष (गैर-कार्यपालक)

(जन्म तारीख: 12 जनवरी, 1963)

श्री रवि वेंकटेसन को भारत सरकार द्वारा बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 की धारा 9(3)(एच) के तहत अंशकालिक नोन-ऑफिसियल निदेशक के साथ-साथ गैर कार्यपालक अध्यक्ष के रुप में 14.08.2015 से 3 वर्षों की अवधि या आगामी आदेश तक, इनमें से जो भी पहले हो, के लिए नियुक्त किया गया है.

उन्होंने आईआईटी बॉम्बे से बी.एस., पड्र्यू विश्वविद्यालय से एम.एस. और हार्वर्ड बिजनेस स्कूल से एमबीए किया है, जहां वे बेकर स्कॉलर थे. उन्हें आईआईटी बॉम्बे से प्रतिष्ठित भूतपूर्व छात्र अवार्ड तथा पड्र्यू विश्वविद्यालय से प्रतिष्ठित इंजिनियरिंग भूतपूर्व छात्र अवार्ड प्रदान किया गया है. उनका थिंकर्स50 द्वारा भारत के श्रेष्ठ प्रबंधन विचारक के रूप में चयन किया गया है और वे हावर्ड बिज़नेस रिव्यू द्वारा प्रकाशित विख्यात पुस्तक ''कोंकरिंग दि केयोस: विन इन इंडिया, विन एवरीवेयर'' के लेखक हैं.

श्री रवि वेंकटेसन सोशल वेंचर पाटनर्स इंडिया के संस्थापक गैर कार्यपालक अध्यक्ष हैं, यह संस्था लोकहितैषियों का एक राष्ट्रीय नेटवर्क है जो सामाजिक समस्याओं को वेंचर फ्रीलांथ्रोपी के माध्यम से निवारण करता है. वे इम्पैक्ट इनवेस्टर यूनिटस सीड फंड के वेंचर पार्टनर भी हैं और रॉकफेलर फाउंडेशन एवं इंफोसिस लिमिटेड के निदेशक मंडल में अपनी सेवाएं दे रहे हैं. इससे पूर्व वे 2004 एवं 2011 वर्ष के दौरान माइक्रोसॉफ़्ट इंडिया के प्रबंध निदेशक थे और उन्होंने भारत में माइक्रोसॉफ्ट की विश्व की दूसरी सबसे बड़ी उपस्थिति बनाने में मदद की. माइक्रोसॉफ्ट से पहले वे पब्लिसिटी हेल्ड क्यूमिंस इंडिया के अध्यक्ष थे और उसके भारत के अग्रणी इंजिन एवं ऊर्जा सोल्यूशन आपूर्तिकर्ता में रुपांतरण का उन्होंने नेतृत्व किया.

श्री पी एस जयकुमार- प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (कार्यपालक)

(जन्मतिथि - 8 अप्रैल 1962)

श्री पी. एस. जयकुमार को भारत सरकार द्वारा बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 की धारा 9(3)(ए) के तहत पूर्णकालिक निदेशक के रुप में प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पद पर 13.10.2015 से 3 वर्षों की अवधि या अगले आदेश तक, इनमें से जो भी पहले हो, के लिए नियुक्त किया गया है.

वे शैक्षणिक योग्यता में सनदी लेखाकार हैं, साथ ही उन्होंने एक्सएलआरआई जमशेदपुर से बिजनेस मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा भी किया है. उन्हें लंदन स्कूल ऑफ इकॉनोमिक्स एण्ड पॉलिटिकल साईंस के माध्यम से चेवनिंग गुरुकुल स्कॉलर होने का सम्मान भी प्राप्त हुआ है.

अक्तूबर, 2015 में बैंक ऑफ़ बड़ौदा में प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का पदभार ग्रहण करने से पहले आप वीबीएचसी वैल्यू बजट हाउसिंग (वीबीएचसी), जो 2009 से 2015 तक अल्प एवं मध्यम आय वर्ग के लिए हाउसिंग में अग्रणी रहा है, के सह संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी थे. वे राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा नियंत्रित हाउसिंग फायनांस संस्था होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी (एचएफएफसी) के सह-संस्थापक तथा गैर कार्यपालक प्रवर्तक निदेशक भी थे, यह कंपनी बैंकिंग क्षेत्र से बंधक द्वारा ऋण लेने में असमर्थ रहे ग्राहकों का वित्तपोषण करने पर विशेष ध्यान देती है. श्री जयकुमार एक पेशेवर बैंकर हैं और 1986 में कॅरियर शुरु करने के बाद भारत और सिंगापुर में सिटी बैंक में 23 वर्षों से अधिक समय तक कार्य

ANNEXURE 1

COMPOSITION OF THE BOARD

Shri Ravi Venkatesan - Chairman (Non-Executive)

(DoB: 12th January, 1963)

Shri Ravi Venkatesan was appointed as a Part Time Non-Official Director as well as Non-Executive Chairman by the Central Government u/s 9(3)(h) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, w.e.f. 14.08.2015 for a period of 3 years or until further orders, whichever is earlier.

He is a BS from IIT Bombay, an MS from Purdue University, and an MBA from Harvard Business School where he was a Baker Scholar. He is recipient of the IIT Bombay's Distinguished Alumnus Award and Purdue University's Distinguished Engineering Alumnus Award. He was voted as one of India's best management thinkers by Thinkers50 and is the author of an acclaimed book "Conquering the Chaos: Win in India, Win Everywhere" published by Harvard Business Review.

Shri Ravi Venkatesan is the founder Non- Executive Chairman of Social Venture Partners India, a national network of philanthropists addressing social problems through venture philanthropy. He is also venture partner at impact investor Unitus Seed Fund and serves on the boards of Rockefeller Foundation and Infosys Ltd. Prior to this, he was the Chairman of Microsoft India between 2004 and 2011 and helped build India into Microsoft's second-largest presence in the world. Prior to Microsoft, he was the Chairman of publicly held Cummins India and led its transformation into India's leading provider of engines and power solutions.

Shri P. S. Jayakumar - Managing Director & CEO (Executive)

(DoB: 8th April, 1962)

Shri P. S. Jayakumar was appointed as Whole Time Director designated as Managing Director & CEO by the Central Government u/s 9(3)(a) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, w.e.f. 13.10.2015 for a period of 3 years or until further orders, whichever is earlier.

He is a Chartered Accountant by qualification and additionally holds a Post Graduate Diploma in Business Management from XLRI Jamshedpur. He also has the distinction of being a Chevening Gurukool Scholar through the London School of Economics and Political Science.

Prior to his appointment as MD & CEO of Bank of Baroda in October 2015, he was the co-founder and CEO of VBHC Value Budget Housing (VBHC), a leader in housing for low and moderate income household from 2009 to 2015. He was also the co-founder and Non-Executive Promoter Director for Home First Finance Company (HFFC), a housing finance institution regulated by the NHB, focused on financing customers who are not able to access mortgage loans from the banking sector. Shri Jayakumar is a career banker having spent over 23 years in Citibank in India and Singapore starting in 1986. He has contributed to several innovations in retail banking in India. In addition, he was

किया है. आपने भारत में रिटेल बैंकिंग के क्षेत्र में अनेक नवोन्मेषी कार्यों की शुरुआत में योगदान दिया है. इसके अतिरिक्त आप 1991 में भारत में प्रथम आस्ति प्रतिभूतीकरण तथा 2006 में वित्तीय समावेशन से वंचित वर्ग के लिए प्रथम बहु-भाषी बायोमैट्रिक एटीएम स्थापित करने संबंधी प्रयासों से जुड़े रहे हैं. सिटी बैंक में उन्होंने ट्रेज़रर-उपभोक्ता बैंक, जमा एवं अग्रिम व्यवसाय को समावेश करते हुए व्यवसाय विकास प्रमुख, सिटी फिनांशियल लिमि. के प्रबंध निदेशक, एशिया पेसीफिक देशों (इंडोनेशिया, फिलिपींस, औस्ट्रेलिया, हॉंगकोंग एवं कोरिया) के लिए सिटी बैंक उपभोक्ता ऋण प्रमुख, प्रमुख-सिटी बैंक उपभोक्ता व्यवसाय तथा तुलनपत्र प्रबंधन प्रमुख-एशिया पेसिफिक जैसे वैविध्यपूर्ण कार्यकलापों को संभाला. उन्होंने भारत में सिटी बैंक की कई अनुषंगियों में निदेशक मंडल के सदस्य के रूप में भी सेवाएं दी हैं.

श्री मयंक के. मेहता - कार्यपालक निदेशक

(जन्मतिथि - 12 सितंबर, 1958)

श्री मेहता की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 की धारा 9(3)(ए) के तहत पूर्णकालिक निदेशक (कार्यपालक निदेशक के पद पर) के रुप में 22.01.2016 से अधिवर्षिता पूरी करने की तारीख अर्थात् 30.09.2018 तक या अगले आदेश तक, इनमें से जो भी पहले हो, तब तक के लिये की गई है.

श्री मेहता ने दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय से विज्ञान में स्नातक की डिग्री प्राप्त की और आप भारतीय बैंकिंग एवं वित्त संस्थान (सीएआईआईबी) के प्रमाणित एसोसिएट भी हैं.

बैंक ऑफ़ बड़ौदा में कार्यपालक निदेशक के रुप में कार्यदायित्व संभालने से पूर्व आप यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया में महाप्रबंधक एवं मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) के रुप में कार्यरत थे. श्री मेहता ने 1977 में यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया से अपने कैरियर की शुरुआत की और अक्टूबर, 2012 में महाप्रबंधक पद पर पहुंचे. उन्होंने यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया में महाप्रबंधक के रूप में पदोन्नति से पहले विभिन्न पदों पर व्यापक जिम्मेदारियों का निर्वाह किया. श्री मेहता, अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग के विशेषज्ञ हैं और आपने बैंक के प्रौद्योगिकीय विकास और बैंक में कोर बैंकिंग समाधान के सफल क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. वर्ष 2010-12 तक की अवधि के दौरान ये यूनियन केबीसी आस्ति प्रबन्धन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड और किटको लिमिटेड (पूर्व में केरल औद्योगिक एवं तकनीकी परामर्शी संगठन लिमि.) के निदेशक मंडल में निदेशक भी थे.

दिनांक 8 दिसंबर 2017 से आप मुख्यमंत्री सलाहकार समिति, महाराष्ट्र राज्य सरकार के सदस्य भी हैं.

श्री अशोक कुमार गर्ग - कार्यपालक निदेशक

(जन्मतिथि : 14 जून, 1958)

श्री गर्ग की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 की धारा 9(3)(ए) के पूर्णकालिक निदेशक (कार्यपालक निदेशक के पद पर) के रुप में 09.08.2016 से अपनी अधिवर्षिता पूरी करने की तारीख अर्थात् 30.06.2018 तक या अगले आदेश तक, इनमें से जो भी पहले हो, तब तक के लिए की गई है.

आपने दिल्ली विश्वविद्यालय से कानून में स्नातक डिग्री तथा वाणिज्य में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की है. आप श्री राम कॉलेज ऑफ़ कॉमर्स (एसआरसीसी) के छात्र रहे हैं. आप भारतीय बैंकिंग एवं वित्त संस्थान के प्रमाणित एसोसिएट (सीएआईआईबी) भी हैं.

श्री गर्ग अंतर्राष्ट्रीय स्तर के अनुभवी बैंकर है जिन्होंने अपने 38 वर्षों की

associated with the first asset securitisation in India in 1991 and the first multi-lingual biometric ATM for the financially excluded in 2006. He held diverse assignments at Citibank such as Treasurer - Consumer Bank, Business Development Head covering deposit and lending business, Managing Director for CitiFinancial Ltd, Managing Director and Head of Citibank Consumer Loan for Asia Pacific Countries (covering Indonesia, Philippines, Australia, Hong Kong and Korea), Country Head - Citibank Consumer Business and Head of Balance Sheet Management - Asia Pacific. He has also served as a Board Member in many of Citibank's subsidiaries in India.

Shri Mayank K. Mehta – Executive Director

(DoB: 12th September, 1958)

Shri Mehta was appointed as a Whole Time Director (designated as Executive Director) w.e.f. 22.01.2016 by the Central Government u/s 9 (3) (a) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, to hold office up to 30.09.2018 i.e. the date of his superannuation or until further orders, whichever is earlier.

He holds a Bachelor's degree in Science from South Gujarat University and is a Certificated Associate of Indian Institute of Banking and Finance (CAIIB).

Prior to his assuming charge as Executive Director in Bank of Baroda, he was General Manager and Chief Financial Officer (CFO) at Union Bank of India. Shri Mehta started his career in Union Bank of India in 1977 and rose to the position of General Manager in October 2012. He has held wide range of responsibilities in various capacities before his elevation as General Manager of Union Bank of India. Mr. Mehta, an expert in International Banking, has also been instrumental in technological development of the Bank and successful implementation of Core Banking Solution of the Bank. He was also a Director on the Board of Union KBC Trustee Company Private Limited and on the Board of KITCO Limited (formerly Kerala Industrial and Technical Consultancy Organisation Ltd.) between years 2010-12.

He is also the member of Chief Minister's Advisory Council, Maharashtra State Government w.e.f. 8th December, 2017

Shri Ashok Kumar Garg – Executive Director

(DoB: 14th June, 1958)

Shri Garg was appointed as a Whole Time Director (designated as Executive Director) w.e.f. 09.08.2016 by the Central Government u/s 9(3)(a) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, for a period upto 30.06.2018 i.e. the date of his superannuation or until further orders, whichever is earlier.

He holds a Master's Degree in Commerce and a Bachelor's Degree in Law from Delhi University. He is an aluminous of Shri Ram College of Commerce (SRCC). He is also a Certified Associate of Indian Institute of Banking & Finance (CAIIB).

He is an internationally accomplished career banker with more than 38 years of strong banking experience across four

उल्लेखनीय बैंकिंग सेवा के दौरान चार महाद्वीपों यथा, एशिया (भारत), यूरोप (लन्दन), अफ्रीका (यूगांडा) एवं संयुक्त राज्य अमेरिका (न्यूयार्क) में कार्य किया है. कार्यपालक निदेशक के पद पर पदोन्नत होने से पहले आप बैंक के यूएस परिचालन के मुख्य कार्यपालक के रुप में पदस्थ थे. इससे पहले आपने बैंक ऑफ़ बड़ौदा (यूगांडा) लि. के प्रबंध निदेशक के रुप में अपने कार्यकाल के दौरान प्रभावपूर्ण योगदान दिया है, जहाँ आपने बड़ौदा कैपिटल मार्केट (यूगांडा) लि. के अध्यक्ष तथा यूगांडा सिक्यूरिटीज़ एक्सचेंज (यूएसई) एवं यूगांडा बैंकिंग एण्ड फायनैंसियल सर्विसिज लि. के निदेशक मंडल में निदेशक के रुप में भी कार्य किया है. अपने प्रबन्धन के दौरान आपने बैंक हेतु विभिन्न पुरस्कार और अनुशंसा यथा, यूगांडा के प्रधानमंत्री द्वारा पर्ल ऑफ अफ्रिका लाइफटाइम एचिवमेंट एवार्ड 2013, ग्लोबल ट्रेड लीडर्स क्लब, मैड्रिड स्पेन द्वारा पुरस्कृत इंटरनेशनल एवार्ड फॉर बिजनेस एक्सिलेंस 2013, सीपीए इंस्टिट्यूट केन्या द्वारा वित्तीय रिपोर्टिंग हेतु फायर एवार्ड 2012, ब्रांडिंग में विश्व के सबसे बड़े स्वतंत्र मध्यस्थ, सुपर ब्रांड्स द्वारा पुरस्कृत सुपर ब्रांड ईस्ट अफ्रिका 2013-2014 एवार्ड, इंटरनेशनल बैंकर लंडन द्वारा कॉमर्शियल बैंक ऑफ द इयर-यूगांडा 2014, प्राप्त करने में सहयोग प्रदान किया है.

श्रीमती पापिया सेनगुप्ता - कार्यपालक निदेशक

(जन्मतिथि : 27 सितंबर ,1959)

श्रीमती सेनगुप्ता की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 की धारा 9(3)(ए) के तहत पूर्णकालिक निदेशक (कार्यपालक निदेशक के पद पर) के रुप में 01.01.2017 से अपनी अधिवर्षिता पूरी करने की तारीख अर्थात् 30.09.2019 तक या अगले आदेश तक, इनमें से जो भी पहले हो, तब तक के लिए की गई है.

सीएफए और सीएआईआईबी की अतिरिक्त योग्यता के साथ, आप विज्ञान में स्नातक है. आपने 1983 में एसबीबीजे में परिवीक्षाधीन अधिकारी के रुप में ज्वाइन किया और एसबीबीजे, एसबीआई और एसबीपी के विभिन्न कार्यालयों में जिम्मेदारियों का निर्वाह किया है. बैंक ऑफ बड़ौदा ज्वाइन करने से पहले, आपने स्टेट बैंक ऑफ़ पटियाला (एसबीपी) में अप्रैल 2016 तक मुख्य महाप्रबंधक (रिटेल बैंकिंग) और जून 2015 तक मुख्य महाप्रबंधक (दबावग्रस्त आस्ति प्रबंधन समूह) का पदभार संभाला. आपने स्टेट बैंक ऑफ़ बीकानेर और जयपुर (एसबीबीजे) के दिल्ली नेटवर्क में महाप्रबंधक के रुप में भी कार्य किया है. अपने कार्यकाल के दौरान आपने विभिन्न संगठनों के विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों जैसे आईटी सुरक्षा, एएलएम, एचआर, ट्रेजरी प्रबंधन आदि में कार्य किया है. आपने दो दशकों से अधिक समय तक शाखा परिचालन का कार्यभार भी संभाला है एवं आपको क्रेडिट तथा विदेशी मुद्रा परिचालन में भी व्यापक अनुभव है.

श्री लोक रंजन - निदेशक (गैर-कार्यपालक) भारत सरकार के प्रतिनिधि (26.08.2017 से 04.04.2018 तक)

(जन्मतिथि : 22 जनवरी, 1964)

श्री लोक रंजन की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 की धारा 9(3)(बी) के तहत नामित निदेशक के रुप में 26.08.2017 को हुई तथा 04.04.2018 तक आपने यह पद संभाला.

आप भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी हैं. आपने एमटेक (मैकेनिकल) एवं एमपीए (यूएसए) किया है. दक्षिण त्रिपुरा के कलक्टर एवं डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट के रुप में कार्य करने के अलावा आपने सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग, लोक निर्माण विभाग, हथकरघा एवं वस्त्र उद्योग, शहरी विकास, पर्यटन तथा राजस्व एवं वित्त विभाग में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएँ दी हैं.

continents i.e. Asia (India), Europe (London), Africa (Uganda) and USA (New York). Before his appointment as Executive Director, he was Chief Executive of Bank's US Operations. Prior to this, he made impactful contribution as the Managing Director of Bank of Baroda (Uganda) Ltd., where he also served as the Chairman of Baroda Capital Markets (Uganda) Ltd., and as a Director and governing council member on the Boards of Uganda Securities Exchange (USE) and Uganda Banking and Financial Services Ltd. During his stewardship he has been instrumental in garnering various awards and accolades for the Bank viz. Pearl of Africa Lifetime Achievement Award 2013 by the Prime Minister of Uganda, International Award for business excellence 2013 conferred by the global Trade Leaders Club, Madrid Spain, FIRE Award 2012 for financial reporting by CPA Institute Kenya, Super Brand East Africa 2013-2014 Award conferred by super brands, the world's largest independent arbiter of branding, Commercial Bank of the year – Uganda 2014 award by the International Banker London.

Smt. Papia Sengupta - Executive Director

(DoB: 27th September, 1959)

Smt. Sengupta was appointed as Whole Time Director (designated as Executive Director) w.e.f. 01.01.2017 by the Central Government u/s 9(3)(a) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, for a period upto 30.09.2019 i.e. the date of her attaining the age of superannuation or until further orders, whichever is earlier.

She is a Science Graduate, with additional qualification of CFA and CAIIB. She joined SBBJ in 1983 as Probationary Officer and has handled responsibilities in several offices of SBBJ, SBI and SBP. Prior to joining Bank of Baroda, she held the position of Chief General Manager (Retail Banking) since April 2016 and Chief General Manager (Stressed Assets Management Group) since June 2015 at State Bank of Patiala (SBP). She also served as General Manager of the Delhi network at State Bank of Bikaner and Jaipur (SBBJ). During her tenure at the various organisations she had worked across various key areas such as IT Security, ALM, HR, Treasury Management etc. She also has handled branch operations for more than two decades and has experience in Credit and Forex operations

Shri Lok Ranjan - Director (Non-Executive) - Representing Central Government (26-08-2017 till 04-04-2018)

(DoB: 22nd January, 1964)

Shri Lok Ranjan was nominated as a Director w.e.f. 26.08.2017 by The Central Government u/s 9 (3) (b) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 and held his position till 04.04.2018.

He is senior IAS officer. He is M.Tech (Mech.) and MPA (USA). Besides serving as Collector and District Magistrate of South Tripura, he has also served in various capacities in the Department of Information Technology & Communication, Public Works, Handloom & Textiles, Urban Development, Tourism and Revenue and Finance.

श्री देबाशिष पांडा - निदेशक (गैर-कार्यपालक) भारत सरकार के प्रतिनिधि (05.04.2018 से आज की तारीख तक)

(जन्मतिथि : 5 जनवरी, 1962)

श्री देबाशिष पांडा का नामांकन भारत सरकार द्वारा बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 की धारा 9(3)(बी) के तहत नामित निदेशक के रुप में 05.04.2018 से अगले आदेश तक के लिये हुआ है.

आप भौतिकीशास्त्र, विकास प्रबन्धन में स्नातकोत्तर है और पर्यावरण विज्ञान में एम.फिल डिग्री प्राप्त की है. आपने यूएसए और फिलिपिन्स से लोक प्रशासन में विदेशी प्रशिक्षण प्राप्त किया है.

श्री पांडा उत्तर-प्रदेश कैडर के 1987 बैच के आईएएस अधिकारी हैं एवं ओडिशा राज्य से संबद्ध हैं. दि. 23 मार्च, 2018 को आपने वित्तीय सेवाएं विभाग (डीएफएस) में कार्यभार ग्रहण किया. डीएफएस में अपर सचिव के रुप में कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व आप ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी के साथ-साथ दिल्ली में उत्तर-प्रदेश के आवासीय आयुक्त का दोहरा पदभार संभाल रहे थे. आपने उत्तर-प्रदेश सरकार में विभिन्न महत्वपूर्ण पद संभाले यथा, देवरिया, टिहरी, उत्तरकाशी व गाज़ियाबाद जिला के जिला मजिस्ट्रेट एवं प्रधान सचिव (गृह व सामान्य प्रशासन). आपने एम्स (एआईआईएमएस) में संयुक्त सचिव (स्वास्थ्य और एफडब्ल्यू) एवं उप निदेशक (प्रशासन) के रुप में भी भारत सरकार को सेवा प्रदान की है.

श्री अजय कुमार - निदेशक (गैर-कार्यपालक) भारतीय रिज़र्व बैंक के प्रतिनिधि

(जन्मतिथि : 20 मई, 1969)

श्री अजय कुमार की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 की धारा 9(3)(सी) के तहत नामित निदेशक के रुप में 13.01.2017 से अगले आदेश तक के लिए की गई है.

आपने अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर और बैंकिंग में एमएस की डिग्री प्राप्त की है. आप भारतीय बैंकिंग संस्थान के प्रमाणित एसोसिएट सदस्य (सीएआईआईबी) भी हैं.

आपने भारतीय रिज़र्व बैंक में 1991 में सेवा ग्रहण की और आपके पास मुद्रा प्रबंधन, ग्रामीण ऋण एवं आयोजना, विदेशी मुद्रा प्रबंधन तथा बैंकिंग पर्यवेक्षण के क्षेत्र में विभिन्न पदों पर कार्य करने का 25 वर्षों का व्यापक अनुभव है. आपने एचडीएफसी बैंक तथा कोटक महिन्द्रा बैंक के वरिष्ठ पर्यवेक्षण प्रबंधक के रुप में भी कार्य किया है. आप इलाहाबाद बैंक, यूनाइटेड बैंक तथा यूको बैंक की वार्षिक पर्यवेक्षी प्रक्रिया के लिए प्रिंसिपल निरीक्षणकर्ता अधिकारी (पीआईओ) भी थे और आपने अपने नेतृत्व में यूको बैंक की व्यापक आस्ति गुणवत्ता समीक्षा भी की थी. आपको भारत में विदेशी बैंकों के व्यवहार की निगरानी की जिम्मेदारी भी सौंपी गयी. विदेशी मुद्रा प्रबन्धन के क्षेत्र में, बैंकों हेतु जोखिम प्रबन्धन दिशानिर्देशों तथा विदेशी प्रत्यक्ष निवेश नीति रुपरेखा को प्रगणित करने का कार्य भी आपके संचालन के अधीन हुआ है. पूर्व में, ग्रामीण क्रेडिट और आयोजना में अपने कार्यकाल के दौरान आप चार क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में नामित निदेशक के रुप में भी कार्यरत रहे हैं. वर्तमान में आप भारतीय रिज़र्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक के रुप में फरवरी 2016 से लखनऊ में कार्यरत हैं और उत्तर प्रदेश में समग्र बैंकिंग ढांचे के विकास के लिए अपने दायित्वों का निर्वाह कर रहे हैं.

Shri Debasish Panda - Director (Non-Executive) - Representing Central Government (05.04.2018 till date)

(DoB: 5th January 1962)

Shri Debasish Panda was nominated as a Director w.e.f. 05.04.2018 by The Central Government u/s 9 (3) (b) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 to hold the post until further orders.

He is a Post Graduate in Physics, Development Management and obtained M.Phil degree in Environmental Sciences. He has undergone foreign training in Public Administration from USA & Philippines.

Shri Panda is an IAS officer of 1987 batch of UP Cadre and belongs to the State of Odisha. He joined the Department of Financial Service (DFS) on 23rd March, 2018. Before joining as Additional Secretary in the DFS, he was holding the dual charge of Resident Commissioner of UP in Delhi as well as Chief Executive Officer, Greater Noida Development Authority. He held several key posts in the Government of UP, viz. as District Magistrate of Deoria, Tehri, Uttarakashi & Ghaziabad Districts and Principal Secretary (Home & General Admn.). He also served the Government of India in the capacity of Joint Secretary (Health & FW) and as Deputy Director (Admn.) in AIIMS.

Shri Ajay Kumar - Director (Non-Executive) - Representing Reserve Bank of India

(DoB: 20th May, 1969)

Shri Ajay Kumar is nominated as a Director w.e.f. 13.01.2017 by the Central Government u/s 9 (3) (c) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 to hold the post until further orders.

He has done his Masters in Economics and MS in Banking. He is also a Certified Associate of the Indian Institute of Banking (CAIIB).

Shri Ajay Kumar joined RBI in December 1991 and has had a wide experience of 25 years of working in various capacities in the areas of currency management, rural credit and planning, foreign exchange management and banking supervision. He has worked as the Senior Supervisory Manager for the HDFC Bank and the Kotak Mahindra Bank. He was also the Principal Inspecting Officer (PIO) for the annual supervisory process of the Allahabad Bank, the United Bank of India and the UCO Bank and also conducted the comprehensive Asset Quality Review of the latter under his stewardship. He was also assigned the responsibility of monitoring the conduct of foreign banks in India. In the area of foreign exchange management, he has been at the helm of formulating Risk Management Guidelines for banks and also Foreign Direct Investment Policy Framework. Earlier, he has also served as Nominee Director in four Regional Rural Banks during his stint in rural credit and planning. Currently, he is posted as the Regional Director, Reserve Bank of India at Lucknow since February 2016 and is fulfilling his responsibilities towards development of the overall banking infrastructure in Uttar Pradesh.

श्री गोपाल कृष्ण अग्रवाल - निदेशक (गैर कार्यपालक) - सनदी लेखाकार श्रेणी से

जन्मतिथि - (1 जून 1962)

श्री गोपाल कृष्ण अग्रवाल की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 की धारा 9(3)(जी) के तहत अंशकालिक गैर-आधिकारिक निदेशक के रुप में सनदी लेखाकार की श्रेणी के तहत 26.07.2016 से 3 वर्षों की अवधि या अगले आदेश तक, इनमें से जो भी पहले हो, के लिए की गई है.

आप इंस्टीट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड एकाउंटेंट ऑफ़ इंडिया (आईसीएआई) के सहयोगी सदस्य हैं एवं आपको वित्तीय बाजार और आर्थिक मामलों में व्यापक अनुभव है. आप पीएचडी चेम्बर ऑफ़ कॉमर्स की प्रबंधन समिति के सदस्य भी हैं. आप भारतीय कंपनी सचिव संस्थान की केंद्रीय परिषद (आईसीएसआई) के सरकारी नामिति और उत्तर पूर्वी इलैक्ट्रिक पॉवर कॉर्पोरेशन (नीपको) के बोर्ड में स्वतंत्र निदेशक हैं. आप भारत सरकार, वित्त मंत्रालय द्वारा स्थापित एमएसएमई क्षेत्र की वित्तीय संरचना पर गठित कार्य-दल के भी सदस्य हैं. अपने पूर्व कार्यदायित्वों में आप एसोचेम की विभिन्न समितियों, इंस्टीट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड एकाउन्टेंट की सार्वजनिक वित्तीय समिति और सेबी की द्वितीयक बाजार सलाहकार समिति (एसएमएसी) के सदस्य थे. आपने विभिन्न लोक कल्याण परियोजनाएं आरंभ की हैं यथा, जलाधिकार, नागरिक मंच, श्री जी गौसदन एवं दुग्ध सहकारी आन्दोलन. आप समाचार-पत्रों, वित्तीय-पत्रिकाओं के लिये लिखते हैं एवं इन विषयों पर सम्मेलनों और संगोष्ठियों में व्याख्यान भी देते रहे हैं. आप देश की दो प्रीमियर अनुसन्धान संगठन यथा, डॉ. मुखर्जी स्मृति न्यास एवं इंडिया पॉलिसी फाउंडेशन (आईपीएफ) के न्यासी और कोषाध्यक्ष हैं.

प्रोफेसर बिजू वर्की - निदेशक (गैर कार्यपालक)

(जन्मतिथि : 22 दिसंबर, 1965)

प्रो. बिजू वर्की की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 की धारा 9(3)(एच) के तहत अंशकालिक गैर-आधिकारिक निदेशक के रुप में 25.04.2016 से 3 वर्षों की अवधि या अगले आदेश तक, इनमें से जो भी पहले हो, के लिए की गई है.

आपने महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, केरल से मानव संसाधन प्रबंधन में मास्टर डिग्री प्राप्त की और साथ ही एनआईबीएम, पुणे से प्रबंधन में उपाधि प्राप्ति की है. वर्तमान में आप आईआईएम अहमदाबाद के मानव संसाधन प्रबंधन में संकाय सदस्य हैं. इसके अतिरिक्त आप आईआईएमए की ई-पीजीपी टास्क फोर्स के प्रमुख रहे हैं जिसे आईआईएम में लंबी अवधि के लिए वर्चुअल शिक्षण कार्यक्रम के लिए अनिवार्य किया जा रहा है.

आपका व्यवसायिक अनुभव उद्योग, सलाहकार तथा प्रमुख प्रबंधन स्कूलों का रहा है, जिसके दौरान आपने आईआईएम लखनऊ और एमडीआई गुड़गांव में पढ़ाया भी है. आपने बहुपक्षीय संस्थानों जैसे आईएलओ, आईओएम, यूएनडीपी और संगठनों जैसे यूएनआईटीईएस और आईटीयूसी के साथ घनिष्ठ रुप से कार्य किया है. आपकी शैक्षणिक रुचियों में सामरिक मा.सं., परिवर्तन प्रबन्धन, नया लोक प्रबन्धन, नेतृत्व विकास, फर्म हेतु मा.सं. वस्तुशिल्प, निष्पादन प्रबन्धन और सुधार, लचीले कार्यस्थल, रोजगार संबंध, स्टार्ट-अप और पारिवारिक कारोबार परिवर्तन शामिल है. आपने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशन किया है तथा मा.सं.प्र. तरीकों पर सह-लेखक के रुप में पुस्तक भी लिखी है. आपने गेरी डेज़लर के साथ सह-लेखक के रुप में 'मानव संसाधन प्रबन्धन' पुस्तक भी लिखी है. एवार्ड विनिंग केस स्टडी

Shri Gopal Krishan Agarwal – Director (Non-Executive) – CA Category

(DoB: 1st June, 1962)

Shri Gopal Krishan Agarwal was nominated as Part-time Non-official Director w.e.f. 26.07.2016 by the Central Government u/s 9(3)(g) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, under Chartered Accountant category for a period of three years or until further orders, whichever is earlier.

He is a fellow member of the Institute of Chartered Accountant of India (ICAI) and has experience in financial markets and economic issues. He is a Member of the Managing Committee of PHD Chamber of Commerce. He is a Govt nominee of the Central Council of Institute of Company Secretaries of India (ICSI) and Independent Director on the Board of North Eastern Electric Power Co. (NEEPCO). He is also a member of the Task Force on Financial Architecture of MSME Sector set up by the Ministry of Finance, Government of India. In his previous roles he was member of various committees of ASSOCHAM, Public Finance Committee of the Institute of Chartered Accountant (ICAI) and Secondary Market Advisory Committee (SMAC) of SEBI. He has initiated various public welfare projects like Jaladhikar, Nagrik Manch, Shree Ji Gausadan and Milk Cooperative Movement among many others. He writes for newspaper, financial journals and has delivered lectures in seminars and conferences on these subjects. He is Trustee and Treasurer of Dr Mookherjee Smruti Nyas and India Policy Foundation (IPF), two premier research organizations in the country.

Prof. Biju Varkkey – Director (Non-Executive)

(DoB: 22nd December 1965)

Prof. Biju Varkkey was nominated as a Part Time Non-official director w.e.f. 25.04.2016 by the Central Government u/s 9(3)(h) and 9(3-A) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, for a period of 3 years or until further orders, whichever is earlier.

He obtained Master's degree in Human Resource Management from Mahatma Gandhi University, Kerala and Fellow title in Management from NIBM, Pune. Currently he is faculty member at IIM Ahmedabad with the Human Resource Management. Additionally he heads the e-PGP task force of IIMA, which is mandated to lounge long duration virtual learning programs from IIMA.

His professional experience spans across industry, consulting and leading management schools, having taught at IIM Lucknow and MDI Gurgaon. He works closely with multilateral organizations like ILO, IOM, UNDP and organizations like UNITES and ITUC. His areas of academic interest include Strategic HR, Change Management, New Public Management, Leadership Development, HR Architecture for firms, Performance Management & Improvement, Flexible Work places, Employment Relations, Startups and Family Business transformation. He has published in national and international journals and also co-edited books on HRM practices. He co-authored text book `Human Resource Management' along with Gary Dessler. He has authored

सहित आपने 30 से अधिक केस स्टडी एवं तकनीकी नोट लिखे हैं. आप सेंट पीटर्स स्कूल, पंचगणी के न्यासी मंडल और एमसीएमएटी, केरल के शासित समिति के सदस्य भी हैं. आपने नेशनल एचआरडी नेटवर्क-दिल्ली अध्याय (1998-1999) की कोर समिति के नामित सदस्य के रुप में कार्य किया है, इंडिया यंग एचआर सम्मेलन हेतु समिति, एनआईपीएम केरल के वार्षिक एचआर कॉक्लेव हेतु तकनीकी समिति की चेयर (2015) आयोजित की है तथा भारतीय सामरिक प्रबन्धन फोरम के संस्थापक शासित इकाई के सदस्य भी रहे हैं.

सुश्री उषा ए. नारायणन - निदेशक (गैर कार्यपालक) शेयरधारक निदेशक

(जन्मतिथि : 3 जुलाई, 1959)

सुश्री उषा ए. नारायणन को बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 की धारा 9(3)(i) के तहत शेयरधारक निदेशक के रुप में 12.12.2015 से 11.12.2018 तक के लिए निर्वाचित किया गया है.

आप एक सनदी लेखाकार तथा योग्य कंपनी सचिव हैं. आपको प्राइसवॉटरहाउस के साथ 1992 से 2013 अर्थात 21 वर्षों तक ऑडिट पार्टनर के रुप में काम करने का अनुभव है. 1997 में आपको प्रथम महिला साझेदार के रुप में स्वीकार किया गया. आपने बड़ी भारतीय सूचीबद्ध कंपनियों एवं बहुराष्ट्रीय कंपनियों की भारतीय अनुषंगियों में प्रमुख सहयोगी पार्टनर के रुप में काम किया है. आपके पास व्यावसायिक जोखिम एवं नियंत्रण के निर्धारण, कंपनी नियम, लेखा एवं लेखा मानकों तथा उनके व्यवसाय में अनुप्रयोग की गहरी समझ एवं ज्ञान है. आप पीडबल्यू इंडिया एश्योरेंस लीडरशिप टीम में 2009 से 2013, चार वर्षों तक सदस्य रही हैं एवं आपने एश्योरेंस प्रैक्टिसेज के संबंध में नेशनल ह्यूमन कैपिटल फंकशन की अगुआई की है. आप सामाजिक सेवा में भी सक्रिय रुप से जुड़ी हुई हैं.

श्री भरत कुमार डी डांगर- निदेशक (गैर-कार्यपालक)- शेयरधारक निदेशक

(जन्म तिथि: 18 सितंबर, 1978)

श्री भरत कुमार डी. डांगर को बैंककारी कंपनी (अधिग्रहण एवं उपक्रमों का अर्जन) अधिनियम 1970 की धारा 9(3) (i) के तहत 24.12.2017 से 23.12.2020 तक 3 वर्ष की अवधि के लिए शेयरधारक निदेशक के रुप में निर्वाचित किया गया है.

आपकी शैक्षिक योग्यताओं में विद्युत अभियांत्रिकी में डिस्टिंक्शन सहित स्नातक और माइक्रो प्रोसेसर सिस्टम और एप्लिकेशन में विशेषज्ञता के साथ अभियांत्रिकी में मास्टर डिग्री शामिल है. वर्तमान में आप एम.एस यूनिवर्सिटी ऑफ़ बड़ौदा के तकनीकी एवं अभियांत्रिकी संकाय में असिस्टेंट प्रोफेसर के रुप में सेवारत हैं. आपको विभिन्न कॉर्पोरेट और एसएमई में एक्सपोज़र के साथ शैक्षणिक, परिचालन, प्रबंधन, लेखाशास्त्र और मानव संसाधन के क्षेत्रों में व्यापक अनुभव प्राप्त है. आप वित्तपोषण, फसल बीमा, ऋण सुविधाओं आदि के साथ किसानों के विभिन्न मुद्दों से अच्छी तरह से वाकिफ़ हैं. आप सरकार के विभिन्न स्तरों पर किसानों एवं उद्योग जगत के विभिन्न मुद्दों को उठाते रहे हैं जिससे संबंधित क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार हुए हैं. आप सामाजिक कल्याण के विभिन्न मामलों के साथ काफी सक्रियता से जुड़े रहे हैं.

more than 30 case studies and technical notes, including award winning case study. He is also a member of the board of trustees of St Peters School, Panchgani and member of governing council of MCMAT, Kerala. He has served as nominated member in the Core Committee of the National HRD Network – Delhi Chapter (1998-1999), organizing committee for India Young HR Conference, Chair of Technical Committee for Annual HR Conclave of NIPM Kerala (2015) and was member of the founding governing body of the Strategic Management Forum of India.

Ms. Usha A. Narayanan - Director (Non-Executive) - Shareholder Director

(DoB: 3rd July, 1959)

Ms. Usha A Narayanan is an elected Shareholder Director under section 9 (3)(i) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, for a period of 3 years from 12.12.2015 to 11.12.2018.

She is Chartered Accountant and a qualified Company Secretary. She has over 21 years of Audit experience as Audit Partner with PriceWaterhouse from 1992 to 2013. She was one of the first women to be admitted to Partnership in 1997 and has served as Lead Engagement Partner on large Indian listed companies and Indian subsidiaries of multinationals. She has deep knowledge and understanding on assessing business risks and controls, Company Law, Accounting and Auditing standards and their application to business. She was a member of PW India Assurance Leadership Team for four years from 2009 to 2013 and also led the National Human Capital Function for the Assurance practice. She is also actively involved in social service.

Shri Bharatkumar D. Dangar - Director (Non-Executive) - Shareholder Director

(DoB: 18th September, 1978)

Shri Bharatkumar D. Dangar is an elected Shareholder Director under section 9 (3)(i) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, for a period of 3 years from 24.12.2017 to 23.12.2020.

His education accomplishments include Electrical Engineering with distinction and Masters in Engineering with specialization in Microprocessor systems and application. He currently serves as Assistant Professor in Faculty of Technology and Engineering of M.S. University, Baroda. He brings with him a rich experience in fields of Academics, Operations, Management, Accountancy and Human Resource with exposure to various Corporates and SMEs. He is well versed with various farmers' issues including financing, crop insurance, credit facilities etc. He has raised issues of farming community and Industry at various levels of Government which resulted into many improvements in respective fields. He is quite active in issues related to welfare of society at large.

श्रीमती सौंदरा कुमार- निदेशक (गैर-कार्यपालक)-
शेयरधारक निदेशक

(जन्म तिथि: 15 अगस्त, 1954)

श्रीमती सौंदरा कुमार को बैंककारी कंपनी (अधिग्रहण एवं उपक्रमों का अर्जन) अधिनियम 1970 की धारा 9(3) (i) के तहत 24.12.2017 से 23.12.2020 तक 3 वर्ष की अवधि के लिए शेयरधारक निदेशक के रुप में चयन किया है.

आपने स्टेला मैरिस कॉलेज, चेन्नई से गणित में स्नातक किया है. आपने सीएआईआईबी भी किया है. आपने 1975 में भारतीय स्टेट बैंक में परिवीक्षाधीन अधिकारी के रुप में कार्यभार ग्रहण किया और 2014 में अपनी सेवानृवित्त तक कार्यरत रही. इस अवधि के दौरान आपने एसएमई, रिटेल और कृषि एवं ग्रामीण (वित्तीय समावेशन) शाखाओं के शाखा प्रमुख सहित विभिन्न पदों पर कार्य किया. आप तिरुचिरापल्ली में बैंक के प्रशिक्षण केन्द्र में संकाय सदस्य के रुप में, चेन्नै सर्कल में क्षेत्रीय प्रमुख के पद पर, वरिष्ठ वाइस प्रेसिडेंट, आर्टेसिया शाखा, कैलिफोर्निया यूएस; बाद में प्रेसिडेंट, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कैलिफोर्निया) एवं बैंक के लॉस एंजिलेस एजेंसी के सीईओ के रुप में भी कार्यरत रही हैं. आप अक्तूबर 2008 से बैंक के सहयोगी स्टेट बैंक ऑफ इंदौर की प्रबंध निदेशक भी रहीं जहां आपने 2010 में इसका सफलतापूर्वक विलय मूल बैंक में करवाया. वर्ष 2014 में अपनी सेवानिवृति तक आप बैंक के कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई में दबावग्रस्त आस्ति प्रबंधन के प्रभारी के रुप में उप प्रबंध निदेशक के पद पर कार्यरत रहीं.

आपने 3 वर्षों से अधिक अवधि के लिए एसबीआई के होलसेल बैंकिंग क्रेडिट समिति की अध्यक्षता भी की है एवं कॉर्पोरेट सेंटर निवेश समिति एवं क्रेडिट नीति व प्रक्रिया समिति की भी स्थायी सदस्य रही हैं. आपने वित्तीय समावेशन हेतु कारोबार प्रतिनिधि (बीसी) मॉडल को ऊपर उठाने हेतु उपाय सिफारिश करने के लिये भा.रि.बै. कार्यकारी समूह के सदस्य के रुप में भी कार्य किया है. आप भा.रि.बै. द्वारा स्थापित कॉर्पोरेट ऋण पुनर्गठन तंत्र के कोर समूह की भी सदस्य रही हैं. आपने एआरसीआईएल, सरसाई, सिडबी वेंचर कैपिटल आदि के निदेशक मंडल में एसबीआई के नामित निदेशक के रुप में भी कार्य किया है.

Smt. Soundara Kumar - Director (Non-Executive) - Shareholder Director

(DoB: 15th August, 1954)

Smt. Soundara Kumar is an elected Shareholder Director under section 9 (3)(i) of The Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, for a period of 3 years from 24.12.2017 to 23.12.2020.

She has done her graduation in Mathematics from Stella Maris College, Chennai. She is also CAIIB. She joined State Bank of India as a Probationary Officer in 1975 and continued till her retirement in 2014. During this period she held various assignments including heading branches, SME, Retail and Rural & Agriculture (Financial Inclusion). She was also a faculty member in the Bank's Training Centre, at Tiruchirapalli; Regional Manager, Chennai Circle; Senior Vice President, Artesia branch, California US; later as President State Bank of India (California) and CEO of the Los Angeles Agency of the Bank. She was Managing Director of the State Bank of Indore from October, 2008, where she successfully steered the merger of the Bank with the parent Bank in 2010. She held the position of Dy. Managing Director, in charge of Stressed Assets Management, in SBI till her retirement in 2014.

She has also headed Wholesale Banking Credit Committee of SBI for over -3- years.and was a permanent member of Corporate Centre Investment Committee and Credit Policies and Procedures Committee. She served as member of RBI Working Group to recommend measures for scaling up the Business Correspondent (BC) model for Financial Inclusion. She was also a member of Core Group of Corporate Debt Restructuring mechanism set up by RBI. She also served as a nominee director of SBI on the Boards of ARCIL, CERSAI, SIDBI Venture Capital etc

अनुबंध - 1 ए
निदेशकों की अन्य जानकारियां
(31-03.2018 की स्थिति)

ANNEXURE - 1 A

OTHER DETAILS OF DIRECTORS:
(Position as of 31.03.2018)

निदेशक का नाम Name of Director	बैंक ऑफ बड़ौदा के धारित शेयरों की संख्या No. of shares of Bank	बैंक की उप समितियों में सदस्यता की संख्या No. of membership in Sub -Committees of the Bank	कम्पनियों की उप समितियों मे धारित सदस्यता/अध्यक्षता की संख्या No. of Membership / Chairmanship held in Sub - Committees of the Board in other Companies	बैंक के अलावा अन्य कंपनियों /इकाइयों के निदेशक मण्डल में शामिल Directorship held in other Companies / entities i.e. other than the Bank
श्री रवि वेंकटेसन Shri Ravi Venkatesan	4750	6	3	1. इंफोसिस लि. 2. यूएसएफ एडवाइजर एलएलपी 3. रॉकफेलर फाउंडेशन 4. एसवीपी फिलांथ्रोपी इंडिया फाउंडेशन - संस्थापक अध्यक्ष 5. सीआरईएटीई.ओआरजी (सेंटर फॉर रेस्पोन्सीबल एन्टरप्राइज एण्ड ट्रेड)- वाशिंगटन डीसी 6. अलाएंस फॉर पीसबिल्डिंग- वाशिंगटन डीसी 7. एस. पी. जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च (एसपीजेआईएमआर) 1. Infosys Ltd. 2. USF Advisors LLP 3. Rockefeller Foundation 4. SVP Philanthropy India Foundation – Founder Chairman 5. CREATe.org. (Centre for Responsible Enterprise and Trade) –Washington DC 6. Alliance for Peacebuilding – Washington DC 7. S.P. Jain Institute of Management and Research (SPJIMR)
श्री पी. एस. जयकुमार Shri P. S. Jayakumar	81500	13	0	1. बॉब कैपिटल मार्केट्स लि. 2. इण्डिया फर्स्ट लाइफ इंश्यूरेंश कं. लि. 3. बॉब फ़िनान्शियल सोल्यूशन्स (पूर्व की बॉबकार्ड्स लिमिटेड) 4. इंडिया इन्टरनेशनल बैंक मलेशिया बेरहद (जेवी) 1. BOB Capital Markets Ltd. 2. India First Life Insurance Co. Ltd. 3. BOB Financial Solutions Ltd. (formerly BOBCARDS Ltd.) 4. India International Bank Malaysia, Berhad (JV)

निदेशक का नाम Name of Director	बैंक ऑफ बड़ौदा के धारित शेयरों की संख्या No. of shares of Bank	बैंक की उप समितियों में सदस्यता की संख्या No. of membership in Sub -Committees of the Bank	कम्पनियों की उप समितियों मे धारित सदस्यता/अध्यक्षता की संख्या No. of Membership / Chairmanship held in Sub - Committees of the Board in other Companies	बैंक के अलावा अन्य कंपनियों /इकाइयों के निदेशक मण्डल में शामिल Directorship held in other Companies / entities i.e. other than the Bank
श्री मयंक के. मेहता Shri Mayank K. Mehta	500	10	14	1. बैंक ऑफ़ बड़ौदा (घाना) लि. 2. बैंक ऑफ़ बड़ौदा (तंजानिया) लि. 3. इंडो जाम्बिया बैंक लि. 4. बड़ौदा पायोनियर एसेट मैनेजमेंट कं. लि. 5. नेशनल पेमेंट कार्पोरेशन ऑफ़ इंडिया 6. बॉब केपिटल मार्केट लिमि. 7. इंडिया इंफ्राडेट लिमि. 8. बैंक ऑफ़ बड़ौदा (न्यूजीलैंड) लिमि. 1. Bank of Baroda (Ghana) Ltd. 2. Bank of Baroda (Tanzania) Ltd. 3. Indo Zambia Bank Ltd. 4. Baroda Pioneer Asset Management Co. Ltd. 5. National Payment Corporation of India 6. BOB Capital Markets Ltd. 7. India Infradebt Ltd. 8. Bank of Baroda (New Zealand) Ltd.
श्री अशोक कुमार गर्ग Shri Ashok Kumar Garg	शून्य Nil	10	0	1. बैंक ऑफ़ बड़ौदा (गयाना) लि. 2. बैंक ऑफ़ बड़ौदा (त्रिनिदाद एण्ड टोबैगो) लि. 3. बॉब फ़िनान्शियल सोल्यूशन्स (पूर्व की बॉबकार्ड्स लिमिटेड) 4. इंडिया फर्स्ट लाईफ इंश्योरेंस कं. लिमिटेड) 5. बैंक ऑफ़ बड़ौदा (केन्या) लि. 1. Bank of Baroda (Guyana) Ltd. 2. Bank of Baroda (Trinidad & Tobago) Ltd. 3. BOB Financial Solutions Ltd. (formerly BOBCARDS Ltd.) 4. IndiaFirst Life Insurance Co. Ltd. 5. Bank of Baroda (Kenya) Ltd.
श्रीमती पापिया सेनगुप्ता Smt. Papia Sengupta	शून्य Nil	16	0	1. बड़ौदा ग्लोबल शेयर्स सर्विसेज लि. 2. बड़ौदा सन टेकनोलोजिस लिमि. 3. बैंक ऑफ़ बड़ौदा (बोत्सवाना) लि. 4. दि न्यू इंडिया एश्योरेंस कं. लिमि. 1. Baroda Global Shared Services Ltd. 2. Baroda Sun Technologies Ltd. 3. Bank of Baroda (Botswana) Ltd. 4. The New India Assurance Co. Ltd.
श्री लोक रंजन Shri Lok Ranjan	शून्य Nil	7	0	-
श्री अजय कुमार Shri Ajay Kumar	शून्य Nil	5	0	-

निदेशक का नाम Name of Director	बैंक ऑफ बड़ौदा के धारित शेयरों की संख्या No. of shares of Bank	बैंक की उप समितियों में सदस्यता की संख्या No. of membership in Sub -Committees of the Bank	कम्पनियों की उप समितियों मे धारित सदस्यता/अध्यक्षता की संख्या No. of Membership / Chairmanship held in Sub - Committees of the Board in other Companies	बैंक के अलावा अन्य कंपनियों /इकाइयों के निदेशक मण्डल में शामिल Directorship held in other Companies / entities i.e. other than the Bank
श्री गोपाल कृष्ण अग्रवाल Shri Gopal Krishan Agarwal	शून्य Nil	3	3	1. प्रोफेशनल डाटा सिस्टम प्रा. लि. 2. गंगोत्री ओवरसीज़ प्रा. लि. 3. जेनुयिन क्रिएसंस प्रा. लि. 4. नार्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पॉवर कार्पोरेशन लि. 5. जलाधिकार फॉउन्डेशन 1. Professional Data System Pvt. Ltd. 2. Gangotri Overseas Pvt. Ltd. 3. Genuine Creations Pvt. Ltd. 4. North Eastern Electric Power Corporation Ltd. 5. Jaladhikar Foundation
प्रो. बिजू वर्क्की Prof. Biju Varkkey	शून्य Nil	7	3	1. पश्चिम गुजरात विज कंपनी लि. 2. कॉनेक्ट सीएसआर इंपैक्टर्स प्रा. लि. 3. हसीस कंसल्टिंग लि. 1. Paschim Gujarat Vij Company Ltd. 2. Konnect CSR Impactors Pvt. Ltd. 3. Husys Consulting Ltd.
सुश्री उषा ए. नारायणन Ms. Usha A. Narayanan	500	4	0	1. सोशल वेंचर एसवीपी फिलांथ्रोपी फाउंडेशन 1. Social Ventures SVP Philanthropy Foundation.
श्री भरतकुमार डी. डांगर Shri Bharatkumar D. Dangar	500	6	0	1. इन्टरनेशनल एंड डोमेस्टिक आरबीट्रेशन सेंटर 2. विश्वामित्री रिवर फ्रंट डेवलपमेंट कार्पोरेशन लि. 1. International and Domestic Arbitration Centre 2. Vishwamitri River Front Development Corporation Ltd.
श्रीमती सौंदरा कुमार Smt. Soundara Kumar	200	6	9	1. राजपल्लयम मिल्स लिमि. 2. तामिलनाडु न्यूज़ प्रिंट एंड पेपर्स लिमि. 3. ओर्किड फार्मा लिमि. 4. शांति गियर्स लिमि. 5. रामको सिस्टम्स लिमि. 6. कोस्टल इनर्जेन प्रा. लिमि. 7. सुंदरम ट्रस्टी कं. लिमि. 8. सुंदरम बीएनपी परिबास फंड सर्विसेज़ लिमि. 9. सेंट्रम डायरेक्ट लिमि. 1. Rajapalayam Mills Ltd. 2. Tamilnadu Newsprint and Papers Ltd. 3. Orchid Pharma Ltd. 4. Shanthi Gears Ltd. 5. Ramco Systems Ltd. 6. Coastal Energen Pvt. Ltd. 7. Sundaram Trustee Co. Ltd. 8. Sundaram BNP Paribas Fund Services Ltd. 9. Centrum Direct Ltd.

घोषणा

सेबी (सूचीयन दायित्व एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियमन 2015 की अनुसूची V – भाग (डी) के अनुसार प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का घोषणा-पत्र

यह घोषित किया जाता है कि बोर्ड के सभी सदस्यों एवं बैंक के उच्च प्रबंधन कार्मिक, 31 मार्च 2018 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष हेतु सेबी (सूचीयन दायित्व एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियमन 2015 के विनियम 26 (3) के अनुसार ''बैंक ऑफ़ बड़ौदा के निदेशकों एवं उच्च प्रबंधन कार्मिक हेतु निर्धारित आचार संहिता'' के अनुपालन हेतु वचनबद्ध हैं. यह आचार संहिता बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है.

कृते बैंक ऑफ़ बड़ौदा

पी.एस.जयकुमार

पी.एस.जयकुमार
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

स्थान :- मुंबई
दि. :- 25 मई, 2018

DECLARATION

Declaration of the Managing Director & CEO pursuant to Schedule V – Part (D) of SEBI (Listing Obligations & Disclosure Requirements) Regulations, 2015.

It is to declare that all the Board Members and Senior Management Personnel of the Bank have affirmed their compliance of the "Bank of Baroda - Code of Conduct for Directors and Senior Management Personnel" for the Financial Year ended on 31st March, 2018 in accordance with Regulation 26(3) of SEBI (Listing Obligations & Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The said Code of Conduct has been posted on the Bank's website.

For Bank of Baroda

P. S. Jayakumar

P. S. Jayakumar
Managing Director & CEO

Place: Mumbai
Date: 25 May, 2018

31 मार्च, 2018 को बैंक ऑफ़ बड़ौदा का संक्षिप्त तुलन-पत्र
Abridged Balance Sheet of Bank of Baroda as on March 31, 2018

₹ in '000

		स्टैंडअलोन Standalone	
		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
		31.03.2018	31.03.2017
पूंजी और देयताएं	CAPITAL & LIABILITIES		
पूंजी	**Capital**		
इक्विटी	Equity	**530,36,44**	462,09,31
आरक्षित निधियां और अधिशेष	**Reserve & Surplus**		
सांविधिक आरक्षित निधियां	Statutory Reserves	**9314,75,68**	9314,75,68
पूंजीगत आरक्षित निधियां	Capital Reserves	**4509,55,62**	4929,17,73
शेयर प्रीमियम	Share Premium	**16035,73,80**	10729,00,93
राजस्व एवं अन्य आरक्षित निधियां	Revenue & Other Reserves	**13004,35,65**	14868,21,68
जमाराशियां	**Deposits**		
मांग-जमाराशियां	Demand Deposits	**46061,86,65**	42519,26,95
बचत बैंक जमाराशियां	Saving Bank Deposits	**165716,70,38**	150976,49,13
मीयादी जमाराशियां	Term Deposits	**379536,25,21**	408179,41,21
उधार ली गयी राशियां	**Borrowings**		
भारत में उधार ली गयी राशियां	Borrowings in India		
ए) भारतीय रिज़र्व बैंक से	a) from Reserve Bank of India	**26529,00,00**	-
बी) अन्य बैंकों से	b) from other banks	**7773,59,94**	544,91,52
सी) अन्य संस्थाओं एवं एजेंसियों से	c) from other institutions and agencies	**3452,50,55**	961,01,21
डी) ऋण लिखत	d) Debt Instruments	**12261,70,00**	12411,70,00
भारत के बाहर उधार ली गयी राशियां	Borrowings outside India	**12555,16,70**	16693,81,27
अन्य देयताएं और प्रावधान	**Other Liabilities & Provisions**		
देय बिल	Bills Payable	**1994,91,51**	2140,21,45
अंतर कार्यालय समायोजन (निवल)	Inter-office Adjustments (net)	**568,29,77**	1257,40,63
उपचित ब्याज	Interest Accrued	**3342,73,31**	3358,55,74
मानक आस्तियों के पेटे में प्रावधान	Provisions towards Standard Assets	**3159,22,06**	3517,67,03
अन्य	Others	**13653,03,89**	**12011,70,88**
कुल पूंजी और देयताएं	**TOTAL CAPITAL & LIABILITIES**	**719999,77,16**	694875,42,35

₹ in '000

		स्टैंडअलोन Standalone	
		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
		31.03.2018	31.03.2017
आस्तियां	ASSETS		
भारतीय रिज़र्व बैंक के पास नकदी और शेष रकम	**Cash & Balance with reserve Bank of India**	**22699,63,98**	22780,21,33
बैंकों के पास शेष रकम तथा मांग एवं अल्प सूचना पर प्रतिदेय राशि	**Balance with banks & money at call & short notice**		
भारत में बैंकों के पास शेष रकम	Balance with banks in india	**5069,82,18**	1496,67,48
मांग एवं अल्प सूचना पर प्रतिदेय राशि	Money at call & short notice in India	**4900,00,00**	23368,34,01
भारत से बाहर शेष रकम	Balances outside india	**60227,91,73**	102824,68,43
निवेश	**Investments**		
भारत में	In India		
ए) सरकारी प्रतिभूतियां	a) Government Securities	**140778,47,34**	110984,66,89
बी) अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	b) Other approved securities	**1,28,00**	1,28,00
सी) शेयर	c) Shares	**1858,51,32**	1704,42,88
डी) डिबेंचर एवं बॉण्ड	d) Debentures & Bonds	**6619,04,65**	2927,41,25
ई) अनुषंगी इकाइयां और / या संयुक्त उद्यम	e) Subsidiaries and/or Joint Ventures	**1110,17,45**	922,56,40
एफ) अन्य	f) Others	**3645,41,07**	4857,50,45
भारत से बाहर	Outside India	**9171,63,22**	8232,68,09
अग्रिम	**Advances**		
भारत में	In India		
ए) खरीदे गये एवं बट्टाकृत बिल	a) bills purchased & discounted	**3498,72,33**	3087,51,69
बी) नकद ऋण, ओवरड्राफ्ट एवं मांग पर प्रतिदेय ऋण	b) Cash Credit, overdraft & loans repayable on demand	**165472,29,21**	127390,05,06
सी) मीयादी ऋण	c) Term Loans	**155267,48,48**	147046,16,86
भारत से बाहर	Outside India	**103193,33,11**	105735,48,70
अचल आस्तियां	**Fixed Assets**	**5367,39,22**	**5758,37,34**
अन्य आस्तियां	**Other Assets**		
अंतर- कार्यालय समायोजन (निवल)	Inter Office Adjustments(net)	**-**	-
उपचित ब्याज	Interest Accrued	**7921,51,66**	5005,56,76
अग्रिम कर भुगतान/ स्रोत पर	Tax paid in advance / at source	**2007,24,56**	2857,68,97
आस्थगित कर देयता (निवल)	Deferred Tax Assets (net)	**6333,17,73**	4320,75,73
अन्य	Others	**14856,69,92**	13573,36,03
कुल आस्तियां	**TOTAL ASSETS**	**719999,77,16**	694875,42,35

₹ in '000

		स्टैंडअलोन Standalone	
		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
		31.03.2018	31.03.2017
आकस्मिक देयताएं	**Contingent liabilities**		
बैंक से किए गए दावे, जिन्हें ऋण नहीं माना गया	Claims against the bank not acknowledged as debts	**211,11,97**	188,10,57
बकाया वायदा विनिमय संविदाओं के कारण देयता	Liability on account of outstanding Forward Exchange contracts	**170806,17,73**	157820,04,07
ग्राहकों के लिए दी गयी गारंटियां	Guarantees given on account of constituents	**39818,88,69**	25143,06,38
स्वीकृतियां, परांकन और अन्य बाध्यताएं	Acceptances, endorsements & other obligations	**21378,12,86**	18179,51,09
आकस्मिक देयताओं की अन्य मदें जिनके लिए बैंक उत्तरदायी है	Other items for which the Bank is contingently liable	**66012,35,06**	51188,23,94
संग्रहण हेतु बिल	**Bills for collection**	**45779,69,17**	37599,41,85

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु बैंक ऑफ़ बड़ौदा का संक्षिप्त लाभ एवं हानि खाता
Abridged Profit & Loss Account of Bank of Baroda for the year ended March 31, 2018

₹ in '000

		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
		31.03.2018	31.03.2017
आय	**INCOME**		
अर्जित ब्याज	**Interest Earned**		
अग्रिमों / बिलों पर	On advances/bills	**29069,82,12**	**27523,92,82**
निवेशों पर	On investments	**10420,15,69**	**10596,33,49**
भारतीय रिज़र्व बैंक के पास शेष तथा अंतर बैंक निधियां	On balances with RBI and inter bank funds	**2414,78,95**	1990,85,98
अन्य	Others	**1743,77,42**	2088,80,69
अन्य आय	**Other Income**		
कमीशन, विनिमय और दलाली	Commission, exchange & Brokerage	**1784,53,59**	1566,10,06
निवेशों की बिक्री पर निवल लाभ	Net profit on sale of investments	**1877,61,85**	2618,00,76
भूमि, भवन और अन्य आस्तियों की बिक्री पर निवल लाभ	Net profit on sale of land building & other assets	**69,59,40**	77,98,77
विनिमय लेन-देन पर निवल लाभ	Net profit on Exchange transactions	**909,21,76**	975,89,50
विदेशो मे / भारत में अनुषंगियों / कंपनियों और या विदेशी / भारतीय संयुक्त उद्यमों से लाभांश के रुप में प्राप्त आय	Income by way of dividends etc. from subsidiaries/ companies and/or JVs abroad/in India	**133,38,34**	51,47,92
विविध आय	Miscellaneous Income	**1882,80,33**	1468,59,08
कुल आय	**TOTAL INCOME**	**50305,69,45**	48957,99,07
व्यय	**EXPENDITURE**		
ब्याज व्यय	**Interest Expended**		
जमा-राशियों पर	On Deposits	**26007,94,39**	26783,50,65
भारतीय रिज़र्व बैंक / अंतर बैंक उधार-राशियों पर	On RBI/Inter bank borrowings	**575,84,86**	314,82,59
अन्य	Others	**1542,97,44**	1588,18,67
परिचालन व्यय	**Operating expenses**		
कर्मचारियों को भुगतान एवं उनके लिए प्रावधान	Payment & Provision for employees	**4606,87,16**	**4637,77,19**
किराया कर एवं लाइटिंग	Rent taxes & lighting	**1011,08,39**	**939,97,81**
प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी	Printing & stationery	**76,64,59**	**83,20,88**
विज्ञापन एवं प्रचार	Advertisement & publicity	**117,24,93**	**99,08,47**
बैंक की संपत्तियों पर मूल्यह्रास	Depreciation on Bank's property	**863,07,79**	**511,34,91**
निदेशकों को शुल्क, भत्ते एवं खर्च	Director's fees, allowances & expenses	**1,22,55**	**99,69**
शाखा लेखापरीक्षकों सहित लेखापरीक्षकों की फीस व खर्च	Auditors fees, expenses incl. branch auditors	**56,40,86**	**57,37,35**
विधिक प्रभार	Law charges	**90,50,35**	**62,54,77**
डाक तार, टेलिफोन आदि	Postage, Telegrams, Telephones, etc.	**156,12,51**	**166,91,17**

₹ in '000

		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
		31.03.2018	31.03.2017
मरम्मत एवं रख-रखाव	Repairs & Maintenance	**741,81,83**	**612,83,13**
बीमा	Insurance	**610,16,65**	**505,86,13**
अन्य	Others	**1842,19,35**	**1618,48,73**
प्रावधान एवं आकस्मिक व्यय	**Provisions & Contigencies**		
निवेशों के मूल्यह्रास पर प्रावधान	Provision for Depreciation on investments	**768,19,72**	29,31,39
अनर्जक आस्तियों के पेटे प्रावधान	Provision towards non performing assets	**14211,71,96**	7679,79,00
मानक आस्तियों के पेटे प्रावधान	Provision towards standard assets	**(369,01,81)**	776,58,32
अन्य (आयकर को छोड़कर)	Others (excluding income taxes)	**185,40,24**	16,68,55
कुल व्यय और प्रावधान	**TOTAL EXPENSES AND PROVISIONS**	**53096,43,76**	46485,29,40
कर से पहले लाभ / हानि	**Profit/Loss before Tax**		
वर्तमान कर	Current Tax	**1664,24,35**	2267,36,74
आस्थगित कर	Deferred Tax	**(2023,17,44)**	(1177,80,67)
कर के पश्चात लाभ / हानि	**Profit / Loss after Tax**	**(2431,81,22)**	1383,13,60
माइनोरिटी इंटरेस्ट डेबिट करने से पूर्व वर्ष के लिए समेकित निवल लाभ / हानि	**Consolidated Net Profit/loss for the year before deducting minority Interest**	**(2431,81,22)**	1383,13,60
वर्ष के लिए समूह का समेकित निवल लाभ / हानि	**Consolidated Net Profit/Loss for the year attributable to Group**	**(2431,81,22)**	1383,13,60
आगे लाया गया लाभ / हानि	Profit / Loss brought forward	**-**	-
कुल	**Total**	**(2431,81,22)**	1383,13,60
विनियोजन	**Appropriations**		
सांविधिक आरक्षित निधियों में अंतरण	Transfer to statutory reserves	**-**	345,78,39
अन्य आरक्षित निधियों में अंतरण	Transfer to other reserves	**(2431,81,22)**	704,56,43
सरकारी / प्रस्तावित लाभांश में अंतरण	Transfer to Government/proposed dividends	**-**	332,78,78
तुलन-पत्र में ले जाया गया शेष	Balance carried forward to Balance Sheet	**-**	-
विगत वर्ष के अतिरिक्त विनियोजन से अंतरण	Transfer from Excess Appropriation of previous year	**-**	-

निदेशक
DIRECTORS

रवि वेंकटेसन
अध्यक्ष
Ravi Venkatesan
Chairman

पी एस जयकुमार
प्रबंध निदेशक एवं मु.का.अ.
P S Jayakumar
Managing Director & CEO

उषा ए नारायणन
निदेशक
Usha A. Narayanan
Director

मयंक के मेहता
कार्यपालक निदेशक
Mayank K Mehta
Executive Director

देबाशीष पांडा
निदेशक
Debasish Panda
Director

अजय कुमार
निदेशक
Ajay Kumar
Director

अशोक कुमार गर्ग
कार्यपालक निदेशक
Ashok Kumar Garg
Executive Director

भरतकुमार डी. डांगर
निदेशक
Bharatkumar D. Danger
Director

गोपाल कृष्णन अग्रवाल
निदेशक
Gopal Krishan Agarwal
Director

पापिया सेनगुप्ता
कार्यपालक निदेशक
Papia Sengupta
Executive Director

प्रो. बिजू वर्क्की
निदेशक
Prof. Biju Varkkey
Director

जी रमेश
उप महाप्रबंधक (कार्पो. लेखा एवं कराधान) तथा सीएफओ
G Ramesh
Dy General Manager (Corp. A/Cs & Taxation) and CFO

स्थान: मुंबई
दिनांक: 25 मई, 2018
Place: Mumbai
Date: 25th May 2018

लेखापरीक्षक
AUDITORS

कृते कल्याणीवाला एण्ड मिस्त्री एलएलपी
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 104607W / W100166
For Kalyaniwalla & Mistry LLP.
Chartered Accountants
FRN:104607W / W100166

(डैरियस जेड फ्रेजर)
भागीदार
एम नं. 042454
(Daraius Z Fraser)
Partner
M No.: 042454

कृते सिंघी एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 302049E
For Singhi & Co.
Chartered Accountants
FRN: 302049E

(सी. ए. राजीव सिंघी)
भागीदार
एम नं. 053578
(CA Rajiv Singhi)
Partner
M No. 053578

कृते जी.एम. कपाड़िया एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 104767W
For G M Kapadia & Co.
Chartered Accountants
FRN: 104767W

(सी.ए. राजन अशर)
भागीदार
एम नं. 048243
(CA Rajen Ashar)
Partner
M No.: 048243

कृते एस. आर. डिनोडिया एण्ड कं. एलएलपी
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 001478N/N500005
For S R Dinodia & Co. LLP.
Chartered Accountants
FRN: 001478N/N500005

(सी.ए. संदीप डिनोडिया)
भागीदार
एम नं. 083689
(CA Sandeep Dinodia)
Partner
M No.: 083689

स्थान: मुंबई
दिनांक: 25 मई, 2018
Place: Mumbai
Date: 25th May 2018

बैंक ऑफ़ बड़ौदा का संक्षिप्त नकदी प्रवाह विवरण-पत्र
Abridged Cash Flow Statement of Bank of Baroda

₹ '000 में ₹ in '000

	विवरण Particulars			स्टैंडअलोन Standalone	
				चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
				31.03.2018	31.03.2017
ए.	परिचालन की गतिविधियों से नकदी प्रवाह	A.	Cash Flow from operating Activities	**(61087,83,91)**	17193,86,05
बी.	निवेश की गतिविधियों से नकदी प्रवाह	B.	Cash Flow from Investing Activities	**(563,34,82)**	(426,03,90)
सी.	वित्तपोषण की गतिविधियों से नकदी प्रवाह	C.	Cash Flow from Financing Activities	**4078,65,37**	(198,25,89)
नकदी / समतुल्य नकदी मे निवल वृद्धि (ए+बी+सी)		Net Increase in Cash & Cash Equivalents (A+B+C)		**(57572,53,36)**	16569,56,26
01 अप्रैल को नकदी एवं नकदी समतुल्य		**Cash & Cash equivalents as at April 01**		**150469,91,25**	133900,34,99
31 मार्च को नकदी एवं नकदी समतुल्य		**Cash & Cash equivalents as at March 31**		**92897,37,89**	150469,91,25

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियां
Significant Accounting Policies for the year ended March 31, 2018

1. तैयारी का आधार

वित्तीय विवरणियां, जब तक कि अन्यथा उल्लेख न हो, परम्परागत लागत आधार पर तैयार की गयी हैं. ये भारत में सामान्यतः मान्य लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी)के अनुसार हैं जिनमें सांविधिक प्रावधान, विनियामक/भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देश, भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखा मानक/मार्गदर्शी नोट्स तथा भारत के बैंकिंग उद्योग में प्रचलित कार्यप्रणाली समाविष्ट है. विदेशी कार्यालयों के संदर्भ में संबंधित देशों के प्रचलित सांविधिक प्रावधानों और कार्यप्रणाली का अनुपालन किया गया है.

2. आकलनों का उपयोग

वित्तीय विवरणियों को तैयार करने में वित्तीय विवरणी की तारीख को रिपोर्ट की गयी आस्ति एवं देयताओं (आकस्मिक देयताओं सहित) तथा रिपोर्ट की गयी अवधि की आय एवं व्यय संबंधी राशि को रिपोर्ट करने हेतु प्रबंधन को कतिपय अनुमानों और आकलनों की मदद लेनी पड़ती है. प्रबंधन का विश्वास है कि वित्तीय विवरणी को तैयार करने के लिए प्रयुक्त आकलन विवेकपूर्ण और उचित हैं. भावी परिणाम इन आकलनों से भिन्न हो सकते हैं. लेखा अनुमानों में कोई भी परिवर्तन/संशोधन वर्तमान एवं भावी अवधि से मान्य होगा जब तक कि अन्यथा उल्लेख न किया गया हो.

3. निवेश

3.1 वर्गीकरण

बैंक के संपूर्ण निवेश पोर्टफोलियो का वर्गीकरण भारतीय रिज़र्व बैंक के निर्देशों के अनुरूप निम्नानुसार किया गया है, जिसमें:

ए ''परिपक्वता तक धारित''(एचटीएम) में वे निवेश शामिल हैं जिन्हें परिपक्वता तक रखने के उद्देश्य से प्राप्त किया गया है.

बी ''व्यापार हेतु धारित'' (एचएफटी) में वे निवेश शामिल हैं, जिन्हें व्यापार के उद्देश्य से प्राप्त किया गया है.

सी ''बिक्री हेतु उपलब्ध'' '(एएफएस) में वे निवेश शामिल हैं, जो उपरोक्त (ए) तथा (बी) में शामिल नहीं हैं, अर्थात जो न तो व्यापार के उद्देश्य से प्राप्त किए गए हैं और न ही परिपक्वता तक रखने के उद्देश्य से प्राप्त किए गए हैं.

3.2 अधिग्रहण लागत

निवेश की अधिग्रहण लागत में प्रोत्साहनों एवं प्रारंभिक शुल्क राशि घटाकर है.

3.3 मूल्यांकन का आधार

''परिपक्वता तक धारित'' के रुप में वर्गीकृत निवेशों को भारित औसत अधिग्रहण लागत पर लिया गया है, बशर्ते वह अंकित मूल्य से अधिक हो, इस स्थिति में प्रीमियम को परिपक्वता की शेष अवधि तक परिशोधित किया गया है.

1 BASIS OF PREPARATION

The financial statements have been prepared under the historical cost convention unless otherwise stated. They conform to Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) in India, which comprises statutory provisions, regulatory/ Reserve Bank of India (RBI) guidelines, Accounting Standards/ guidance notes issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) and the practices prevalent in the banking industry in India. In respect of foreign offices, statutory provisions and practices prevailing in respective foreign countries are complied with.

2 USE OF ESTIMATES

The preparation of financial statements requires the management to make estimates and assumptions considered in the reported amount of assets and liabilites (including contingent liabilites) as of date of the financial statements and the reported income and expenses for the reporting period. Management believes that the estimates used in the preparation of the financial statements are prudent and reasonable. Future results could differ from these estimates. Any revision to the accounting estimates is recognised prospectively in the current and future periods unless otherwise stated.

3 INVESTMENTS

3.1 Classification

The Investment portfolio of the Bank is classified, in accordance with the Reserve Bank of India guidelines, into:

a "Held to Maturity" (HTM) comprising Investments acquired with the intention to hold them till maturity.

b "Held for Trading" (HFT) comprising Investments acquired with the intention to trade.

c "Available for Sale" (AFS) comprising Investments not covered by (a) and (b) above i.e. those which are acquired neither for trading purposes nor for being held till maturity.

3.2 Acquisition Cost

Cost of acquisition of Investments is net of incentives and front-end fees.

3.3 Basis of Valuation

Investments classified as "Held to Maturity" are carried at weighted average acquisition cost unless it is more than the face value, in which case the premium is amortized over the period remaining to maturity.

''परिपक्वता तक धारित'' के रुप में वर्गीकृत निवेशों में डिबेंचर/बॉण्ड, जिन्हें स्वरुप/प्रकृति की दृष्टि से अग्रिम माना जाता है, शामिल हैं (जिनके लिए आस्ति वर्गीकरण संबंधी भारतीय रिज़र्व बैंक के विवेकपूर्ण मानदंड तथा अग्रिमों पर लागू प्रावधान के अनुसार प्रावधान किए जाते हैं).

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, ट्रेज़री बिलों, कॉमर्शियल पेपर्स और जमा प्रमाण-पत्रों पर किए गए निवेश शामिल हैं और जिनके मूल्य का निर्धारण रखाव लागत पर किया गया है.

संयुक्त उद्यमों तथा अनुषंगियों में (भारत तथा विदेश दोनों में), अस्थायी प्रकार के निवेशों को छोड़कर निवेशों का मूल्यांकन, मूल्यह्रास मूल्य को घटाकर अधिग्रहण लागत पर किया जाता है.

जोखिम पूंजी निधि (वीसीएफ) इकाइयों में दिनांक 23.08.2006 के बाद किए गए बैंक निवेशों को प्रारंभिक तीन वर्ष की अवधि के लिए 'परिपक्वता तक धारित' संवर्ग में वर्गीकृत किया जाता है और लागत पर मूल्यांकित किया जाता है. संवितरण के तीन वर्ष पश्चात इसे 'बिक्री के लिए उपलब्ध' में अंतरित कर दिया जाता है और भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार बाजार भाव पर दर्शाया जाता है.

''व्यापार के लिए धारित'' एवं ''बिक्री के लिए उपलब्ध'' के रुप में वर्गीकृत निवेश, स्क्रिपवार बाजार के रुप में चिन्हित किये जाते हैं और तुलन-पत्र में घोषित परिणामी निवल मूल्यह्रास यदि कोई हो, को ''लाभ एवं हानि खाते'' के हिसाब में लिया जाता है, जबकि यदि कोई निवल मूल्यवृद्धि हो तो उसे छोड़ दिया जाता है. तथापि ईक्विटी पर रुपांतर रुप में अधिग्रहीत मूल्यह्रास चाहे वह मानक के रु प में या एनपीए के रु प में वर्गीकृत किया गया हो, उसे एएफएस श्रेणी के अंतर्गत धारित अन्य प्रतिभूति में मूल्यह्रास के पेटे ऑफसेट नहीं किया जाता है. हालांकि लिखतों पर रुपांतर रुप में अधिग्रहीत मूल्यह्रास चाहे वह मानक रुप में हो या एनपीए के रुप में वर्गीकृत किया गया हो को बाजार मूल्य पर मूल्यांकित किया जाना चाहिये, यदि कोट किया जाता है या विश्लेषित मूल्य (पुनर्मूल्यांकन आरक्षित, यदि कोई हो, पर विचार किए बिना) कंपनी के 31 मार्च तक के तत्काल पूर्वगामी वित्त वर्ष के तुलन-पत्र के अनुसार होगी. यदि कंपनी की 31 मार्च तक के तत्काल पूर्वगामी वित्त वर्ष का तुलन-पत्र उपलब्ध नहीं है तो कंपनी द्वारा धारित इक्विटी शेयरों का सम्पूर्ण पोर्टफोलियो का मूल्यांकन ₹ 1 के अनुसार किया जाएगा. लिखतों पर डैब्ट के रुपांतर रुप में अधिग्रहीत मूल्यह्रास को अन्य एएफ़एस श्रेणियों के अंतर्गत धारित प्रतिभूतियों के मूल्य संवर्धन के पेटे ऑफसेट नहीं किया जाना चाहिये.

प्राथमिक डीलर के रुप में बैंक द्वारा व्यापार के लिए धारित संवर्ग के अन्तर्गत ट्रेजरी बिलों में निवेश का मूल्यांकन, मूल्यों के अनुसार रखाव लागत पर किया जाता है.

''व्यापार के लिए धारित'' तथा ''बिक्री के लिए उपलब्ध'' श्रेणी के निवेशों के मूल्यांकन के लिए, बाज़ार स्टॉक एक्सचेंज में उद्धृत दरें, प्राइमरी डीलर्स एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया (पीडीएआई)/फिक्स्ड इन्कम मनी मार्केट एंड डेरिवॅटिव्स एसोसिएशन (एफआईएमएमडीए) द्वारा घोषित दरों का उपयोग किया गया है.

जिन निवेशों के लिए ऐसी दरें/उद्धृत दरें उपलब्ध नहीं हैं, उनका मूल्यन भारतीय रिज़र्व बैंक के निर्धारित मानदंडों के अनुसार किया गया है, जो निम्नानुसार हैं :

Investments classified as "Held to Maturity" includes debentures / bonds, which are deemed to be in the nature of / treated as advances (for which provision is made by applying the Reserve Bank of India prudential norms of assets classification and provisioning applicable to Advances).

Investments in Regional Rural Banks, Treasury Bills, Commercial Papers and Certificates of Deposit which have been valued at carrying cost.

Investments in subsidiaries and joint ventures (both in India and abroad) are valued at acquisition cost less diminution, other than temporary in nature.

Bank's investments in units of Venture Capital Funds (VCFs) made after 23.08.2006 are classified under HTM category for initial period of three years and are valued at cost. After period of three years from date of disbursement, it will be shifted to AFS and marked-to-market as per Reserve Bank of India guidelines.

Investments classified as "Held for Trading" and "Available for Sale" are marked to market scrip-wise and the resultant net depreciation if any, in each category disclosed in the Balance Sheet is recognized in the Profit and Loss Account, while the net appreciation, if any, is ignored. However Depreciation on the equity acquired by way of conversion, whether classified as standard or NPA, shall be valued at market value, if quoted, or else at break-up value (without considering the revaluation reserve, if any) as ascertained from the company's balance sheet as on March 31st of the immediate preceding financial year. In case balance sheet as on 31st March of the immediate preceding financial year is not available, the entire portfolio of equity shares of the company held by the bank shall be valued at ₹ 1. Depreciation on instruments acquired by conversion of debts, shall not be offset against the appreciation in any other securities held under the AFS category.

Investments made by the Bank as Primary Dealer in Treasury Bills under HFT category is being valued at carrying cost.

For the purpose of valuation of quoted investments in "Held for Trading" and "Available for Sale" categories, the market rates / quotes on the Stock Exchanges, the rates declared by Fixed Income Money Market and Derivatives Association (FIMMDA) are used.

Investments for which such rates / quotes are not available are valued as per norms laid down by RBI, which are as under:

सरकारी/अनुमोदित प्रतिभूतियां	- ''परिपक्वता प्रतिफल'' के आधार पर
इक्विटी शेयर, पीएसयू और ट्रस्टी शेयर	- नवीनतम तुलन-पत्र के अनुसार (''पुनर्मूल्यांकन आरक्षित निधियां), यदि कोई है, को ध्यान में लिए बिना) (12 माह से अधिक पुराना नहीं) ब्रेक अप मूल्य पर अन्यथा ₹ 1/- प्रति कंपनी.
अधिमानी शेयर	- समुचित क्रेडिट स्प्रेड मार्क-अप के साथ परिपक्वता के प्रतिफल के आधार पर
पीएसयू बांड	- समुचित क्रेडिट स्प्रेड मार्क-अप के साथ परिपक्वता के प्रतिफल के आधार पर.
म्यूचुअल फंड की यूनिटें	फंड द्वारा प्रत्येक स्कीम के संबंध में घोषित अद्यतन पुनर्खरीद मूल्य/एन.ए.वी. पर
जोखिम पूंजी	लेखापरीक्षित तुलनपत्र, जो कि 18 माह से ज्यादा पुराना न हो, के अनुसार घोषित एनएवी या अलग-अलग एनएवी. यदि, लगातार 18 माह से अधिक के एनएवी या लेखापरीक्षित वित्तीय आंकडे उपलब्ध न हो तो प्रति वीसीएफ ₹ 1/-.
प्रतिभूति प्राप्तियां	भारतीय रिजर्व बैंक/सेबी के दिशा निर्देशों के अनुरुप आस्ति पुर्ननिर्माण कम्पनी द्वारा घोषित निवल आस्ति मूल्य

3.4 निवेशों का निस्तारण

''परिपक्वता तक धारित'' के रुप में वर्गीकृत किए गए निवेशों की बिक्री पर होने वाले लाभ/हानि को, निवेश से संबंधित भारित औसत लागत/बही मूल्य के आधार पर लाभ/हानि लेखा में लिया जाता है तथा ''परिपक्वता तक धारित'' वर्गीकरण में निवेश की बिक्री पर समतुल्य लाभ के समान राशि पूंजीगत आरक्षित खाते में समायोजित की गयी है. एएफएस/एचएफटी श्रेणी में निवेशों की बिक्री से होने वाले लाभ/हानि को लाभ हानि खातें में प्रभारित किया जाता है.

3.5 निपटान तारीख आधार पर किए गए निवेश के लिए बैंक एकरुप लेखांकन पद्धति अपनाता है.

3.6 विदेशी शाखाओं के संबंध में, भारतीय रिज़र्व बैंक अथवा उस देश के दिशा-निर्देशों को, जो भी ज्यादा सख्त हों, का पालन किया गया है. विदेशों में स्थित उन शाखाओं के मामले में जहां पर दिशा-निर्देश विनिर्दिष्ट नहीं हैं, वहां भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशों का पालन किया जाता है.

3.7 इन श्रेणियों के बीच प्रतिभूतियों के अंतरण की गणना, अंतरण की तारीख को उसकी अधिग्रहण लागत/बही मूल्य/बाजार मूल्य में से जो भी कम हो, पर की जाती है और ऐसे अंतरण के फलस्वरुप आए मूल्यह्रास यदि कोई है, के लिए प्रावधान किया जाता है.

3.8 गैर-निष्पादित प्रतिभूतियों के संबंध में आय को मान्यता नहीं दी गयी है और इन प्रतिभूतियों के मूल्य में मूल्यह्रास के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशानुसार प्रावधान किया गया है.

Government / Approved securities	- on Yield to Maturity basis.
Equity Shares, PSU and Trustee shares	- at break-up value (without considering 'Revaluation Reserves', if any) as per the latest Balance Sheet (not more than 12 months old), otherwise Re.1 per company.
Preference Shares	- on Yield to Maturity basis with appropriate credit spread mark-up.
PSU Bonds	- on Yield to Maturity basis with appropriate credit spread mark-up.
Units of Mutual Funds	- at the latest repurchase price / NAV declared by the Fund in respect of each scheme.
Venture Capital	- Declared NAV or break up NAV as per audited balance sheet which is not more than 18 months old. If NAV/ audited financials are not available for more than 18 months continuously then at ₹ 1/- per VCF.
Security Receipts	Declared NAV by the Asset Reconstruction Company as per RBI / SEBI guidelines.

3.4 Disposal of Investments

Profit / Loss on sale of Investments classified as "Held to Maturity" is recognized in the Profit & Loss Account based on the weighted average cost / book value of the related Investments and an amount equivalent of profit on sale of Investments in "Held to Maturity" classification is appropriated to Capital Reserve Account. Profit/ loss on sale of Investment in AFS/HFT category is recognized in profit and loss account.

3.5 The Bank is following uniform methodology of accounting for investments on settlement date basis.

3.6 In respect of Investments at Overseas Branches, Reserve Bank of India guidelines or those of the host countries, whichever are more stringent are followed. In case of those branches situated in countries where no guidelines are specified, the guidelines of the Reserve Bank of India are followed.

3.7 The transfer of a security between these categories is accounted for at the acquisition cost / book value / market value on the date of transfer, whichever is the least, and the depreciation, if any, on such transfer is fully provided for.

3.8 In respect of non-performing securities, income is not recognised, and provision is made for depreciation in the value of such securities as per Reserve Bank of India guidelines.

3.9 रेपो / रिवर्स रेपो

बैंक ने रेपो तथा रिवर्स रेपो लेनदेनों को लेखांकित करने हेतु भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा बतायी गयी एक समान लेखा प्रणाली को अपनाया है. (भारतीय रिज़र्व बैंक के परिपत्र संख्या आरबीआई/2016-17/एफएमओडी. एमएओजी.नं.116/01.01.001/2016-17 दिनांक 10-11-2016 के अनुरूप चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) के अंतर्गत हुए लेनदेनों को शामिल करते हुए रेपो / रिवर्स रेपो संव्यवहारों को संपार्श्विक उधार/ऋणदान के अंतर्गत माना जाता है जिसमें सहमत शर्तों पर रेपो) का करार किया जाता है. रेपो के अन्तर्गत बिक्री की प्रतिभूतियों को निवेश के अन्तर्गत दर्शाया जाता है और रिवर्स रेपो प्रतिभूतियों को निवेश में शामिल नहीं किया जाता है. लागत एवं राजस्व को ऋण ब्याज व्यय/आय को यथास्थिति लेखांकित किया जाता है.

3.10 डेरिवेटिव्स

बैंक वर्तमान में ब्याज दरों तथा मुद्रा डेरिवेटिव्स में डील करता है. बैंक द्वारा व्यवहारित ब्याज दर डेरिवेटिव्स में रुपया ब्याज दर स्वैप, विदेशी मुद्रा ब्याज-दर स्वैप, विनिमय ट्रडेड रुपए ब्याज दर फ्यूचर्स तथा फारवर्ड रेट एग्रीमेंट्स शामिल हैं. बैंक द्वारा व्यवहार में लाये जाने वाले मुद्रा डेरिवेटिव्स में ऑप्शन तथा मुद्रा स्वैप्स और विनिमय ट्रेडेड मुद्रा फ्यूचर हैं.

भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशों के आधार पर, डेरिवेटिव्स का मूल्यांकन निम्नानुसार किया जाता है :

व्यवस्था बचाव/गैर व्यवस्था बचाव (ट्रेडिंग) संव्यवहार अलग-अलग रिकार्ड किये जाते हैं. व्यवस्था बचाव के रुप में नामित डेरिवेटिव्स अनुबंधों का व्यवस्था बचाव के रुप में तब तक चिन्हित नही किया जाता है जब तक उनकी अन्डरलाइनिंग आस्तियों को मार्क्ड-टू-मार्केट के रुप में चिन्हित नही किया जाता. व्यवस्था के बचाव के रुप में वर्गीकृत डेरिवेटिव्स अनुबंध जहां की जाती है और जहां मार्क्ड-टू-मार्केट नहीं है उपचय-आधार पर रिकॉर्ड किया जाता है. ट्रेडिंग डेरिवेटिव पोजिशन्स मार्क्ड टू मार्केट (एमटीएम) हैं तथा किसी भी प्रकार की हानि, यदि कोई हो, लाभ-हानि खाते में दर्ज की जाती है. लाभ, यदि कोई हो, को दर्ज नहीं किया जाता. ब्याज दर स्वैप से संबंधित आय तथा व्यय दैनिक आधार पर दर्ज होता है. ट्रेडिंग स्वैप्स की समाप्ति पर लाभ/हानि समाप्ति तिथि पर आय/व्यय के रुप में दर्ज की जाती है.

मूल्यांकन के लिए, कुल स्वैप के वास्तविक मूल्य की गणना तुलन-पत्र की तिथि को स्वैप करारों के कारोबार समाप्ति पर प्राप्य या देय राशि के आधार पर की जाती है, संबंधित हानियों, यदि हों, के लिए पूर्णतः प्रावधान किया गया है, जबकि लाभों को छोड़ दिया गया है.

तुलन-पत्र की तिथि को 'फेडाई' द्वारा अधिसूचित विनिमय दर के बंद भाव पर विदेशी मुद्रा में डेरिवेटिव संविदाओं को आकस्मिक देयताओं के अर्न्तगत वर्गीकृत किया जाता है.

4. अग्रिम

4.1 भारत में अग्रिमों को मानक, अवमानक, संदिग्ध या हानि आस्तियों के रुप में वर्गीकृत किया जाता है तथा इसके लिए पैरा 4.3 में दर्शाये प्रावधानों को छोडकर भारतीय रिज़र्व बैंक के विवेकपूर्ण

3.9 REPO / Reverse REPO

The Bank has adopted the Uniform Accounting Procedure prescribed by the RBI for accounting of market Repo and Reverse Repo transactions [including the Liquidity Adjustment Facility (LAF) with the RBI vide circular no. RBI/2016-17/FMOD. MAOG.No.116/01.01.001/2016-17 dated 10-11-2016]. Repo and Reverse Repo Transactions are treated as Collaterised Borrowing / Lending Operations with an agreement to Repurchase on the agreed terms. Securities sold under Repo are continued to be shown under investments and Securities purchased under Reverse Repo are not included in investments. Costs and revenues are accounted for as interest expenditure / income, as the case may be.

3.10 Derivatives

The Bank presently deals in interest rate and currency derivatives. The interest rate derivatives dealt with by the Bank are Rupee Interest Rate Swaps, Foreign Currency Interest Rate Swaps, Exchange traded Rupee Interest Rate Future and Forward Rate Agreements. Currency Derivatives dealt with by the Bank are Options, Currency swaps and Exchange traded Currency Future.

Based on RBI guidelines, Derivatives are valued as under:

The hedge/ non-hedge (mark to market) transactions are recorded separately. Derivative contracts designated as hedges are not marked to market unless their underlying asset is marked to market. Trading derivative positions are marked to market and the resulting losses, if any, are recognized in the Profit and Loss Account. Profit, if any, is ignored. Income and expenditure relating to interest rate swaps are recognized on the settlement date. Gains/ Losses on termination of the trading swaps are recorded on the termination date as income/expenditure.

For the purpose of valuation, the fair value of the total swap is computed on the basis of the amount that would be receivable or payable on termination of the transactions of the swap agreements as on the Balance Sheet date. Losses arising there from, if any, are fully provided for while the profits, if any, are ignored.

Contingent Liabilities on account of derivative contracts denominated in foreign currencies are reported at closing rates of exchange notified by FEDAI at the Balance Sheet date.

4 ADVANCES

4.1 Advances in India are classified as Standard, Sub-standard, Doubtful or Loss assets and provision for advances are made as per the

मानदंडों के अनुसार किया जाता है. विदेशी शाखाओं द्वारा दिए गए अग्रिमों के संबंध में भारतीय रिज़र्व बैंक के निर्देशों के अनुसार अथवा उस देश, जिसमें अग्रिम दिए गए हैं, में विद्यमान मानदंडों में से जो भी कड़े मानदंड हो, के अनुरूप वर्गीकृत किया जाता है.

4.2 अग्रिम, विनिर्दिष्ट ऋणों पर हानि के प्रावधानों, उचंत ब्याज, वादग्रस्त विविध जमा एवं प्राप्त दावा राशि का निवल हैं.

4.3 सतत अभ्यास के रुप में बैंक ने निम्नलिखित प्रावधानों का समावेश किया है-

- प्रत्याभूत सब स्टैंडर्ड अग्रिमों के लिए 15% की नियामक आवश्यकता के स्थान पर 20% का प्रावधान.
- एनपीए कर्जधारकों की निधि रहित सुविधाओं पर 50% क्रेडिट कनवर्ज़न फैक्टर (सीसीएफ़) का प्रावधान किया गया. प्रावधान ग्राहक की निधि आधारित सुविधाओं की आस्तियों की श्रेणी पर आधारित है.
- बैंक ने मौजूदा एनपीए खातों के लिए भी 100% प्रावधान किए हैं जैसे ऑटो ऋण, शिक्षा ऋण, व्यक्तिगत ऋण तथा संपत्ति गिरवी रख कर लिए गए ऋण जो 6 माह पुराने है एवं संपार्श्विक मुक्त हैं.
- संपत्ति गिरवी रख कर लिए गए ऋण जो प्रत्याभूत हैं (संपार्श्विक) तथा 2 वर्ष से अधिक समय से अनर्जक हैं के लिए बैंक ने 100% प्रावधान किए हैं.
- मौजूदा अनर्जक खाते जैसे ट्रैक्टर्स/ टेलर/ पावर टेलर जो 6 माह पुराने हैं, के लिए भी बैंक ने 100% प्रावधान किए हैं.

4.4 पुनर्निर्धारित/पुनर्गठित खातों के संबंध में भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार पुनर्गठित अग्रिमों के उचित मूल्य में कमी के लिए प्रावधान विद्यमान मूल्य शर्तों पर आकलन करते हुए किया जाता है.

4.5 आस्ति पुनर्गठन कंपनी (एआरसी) /प्रतिभूतिकरण (सिक्योरिटाइजेशन) कंपनी (एससी) को बेची गयी वित्तीय आस्तियों के मामले में, बैंक भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों का पालन कर रहा है, वर्तमान में बैंक द्वारा अनुपालन किये जा रहे दिशानिर्देशों के अनुसार यदि बिक्री निवल बही मूल्य से कम मूल्य (एनबीवी) पर की गयी हो (अर्थात बही मूल्य में से प्रावधान घटा कर) तो हानि (कमी) को दो वर्षों की अवधि के लाभ एवं हानि खाते में नामे किया जाता है. यदि बिक्री मूल्य बही मूल्य से ज्यादा है तो जिस वर्ष के दौरान राशि प्राप्त होती हैं, अधिक्य प्रावधान राशि लाभ एवं हानि खाते में प्रत्यावर्तित कर दी जाती हैं.

5. अस्थायी प्रावधान

अग्रिमों, निवेश एवं सामान्य उद्देश्यों के निर्माण एवं उपयोग के लिए बैंक की पृथक अस्थायी प्रावधान बनाने की नीति है. किए जाने वाले अस्थाई प्रावधान परिमाण का मूल्यांकन प्रति वर्ष किया जाता है.

Prudential Norms of the RBI except as stated in para 4.3. In respect of Advances made in overseas branches, Advances are classified in accordance with Prudential Norms prescribed by the RBI or local laws of the host country in which advances are made, whichever is more stringent.

4.2 Advances are net of specific loan loss provisions, interest suspense, amount received and held in suit-filed Sundry Deposits and Claims Received.

4.3 As a constant practice, the Bank has made the additional provision on the following:

- Provision @ 20% on the Secured Sub-standard Advances as against the Regulatory requirement of 15%.
- Provision is made on Non-fund based facilities of NPA Borrowers by applying 50% Credit conversion factor (CCF). The provision is based on the Asset class of fund based facility of the Borrower
- Bank has also made 100% provision in respect of existing NPA accounts viz Auto Loan, Education Loan, Personal Loan and Loan against mortgage of properties which are 6 month old and are collateral free.
- With respect to Loan against mortgage of properties which are secured (collateral) and are NPA for more than 2 years, Bank has made 100% provision
- Bank has also made 100% provision in respect of existing NPA accounts viz Loan for Tractors/ tiller/ Power tillers which are 6 month old.

4.4 In respect of Rescheduled / Restructured accounts, Provision for dimunition in fair value of restructured advances is measured in net present value terms as per RBI guidelines.

4.5 In case of financial assets sold to Asset Reconstruction Company (ARC)/ Securitization Company (SC), the bank is following the guidelines issued by Reserve Bank of India. At present, the guideline followed by the Bank is that if the sale is at a price below the net book value (NBV), (i.e. Book value less provisions held) the shortfall is debited to the profit and loss account spread over a period of two years. If the sale value is higher than the NBV, excess provision is reversed to profit & loss account in the year the amounts are received.

5 FLOATING PROVISIONS:

The Bank has a policy for creation and utilisation of floating provisions separately for advances, investments and general purposes. The quantum of floating provisions to be created is assessed every year. The

भारतीय रिजर्व बैंक की पूर्व अनुमति से नीतियों में निर्दिष्ट विशिष्ट परिस्थितियों के अंतर्गत आने वाले आकस्मिक व्यय के लिए अस्थायी प्रावधान का उपयोग किया जाता है.

6. अचल आस्तियां

6.1 परिसर व अन्य अचल आस्तियां पुनर्मूल्यांकित परिसरों को छोड़कर, सामान्यतः परम्परागत मूल्य पर ली गयी हैं. पुनर्मूल्यांकन पर हुई मूल्यवृद्धि, यदि कोई हो, को पूंजीगत आरक्षित निधि में जमा किया गया है.

6.2 परिसरों में भूमि एवं निर्माणाधीन परिसरों को शामिल किया गया है.

7. आरक्षित निधियां एवं अधिशेष

राजस्व एवं अन्य आरक्षित निधियों में सम्बद्ध देशों के प्रचलित स्थानीय कानूनों के अनुसार विदेशी शाखाओं द्वारा निर्मित सांविधिक आरक्षित निधियों को शामिल किया गया है.

8. राजस्व का निर्धारण

8.1 आय (पैराग्राफ 8.2 में दिए गए संदर्भ को छोड़कर) को उपचय आधार पर सामान्यतः लेखांकित किया गया है. विदेशी कार्यालयों के मामले में आय / व्यय की गणना उस देश के कानून के अनुसार की गयी है, जहां पर विदेशी कार्यालय स्थित है.

8.2 सरकारी कारोबार, गारंटियों, साख पत्रों, विनिमय, दलाली आदि पर कमीशन, अग्रिम बिलों पर ब्याज तथा कर रिफंड पर अर्जित ब्याज को छोड़कर शुल्क, कमीशन के माध्यम से आय को वसूली आधार पर हिसाब में लिया जाता है. अनुषंगियों, संयुक्त उपक्रमों तथा सहयोगी कंपनियों के शेयरों पर लाभांश वास्तविक प्राप्ति के आधार पर हिसाब में लिए जाते हैं.

8.3 गैर निष्पादित आस्तियों / निवेशों पर आय के संग्रह की अनिश्चितता की दृष्टि से, भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुरूप ऐसी आय सिर्फ वसूल होने पर ही लेखांकित होती है.

8.4 भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा मानक 19 (पट्टे) के अनुसार लीज शर्त पर लीज भुगतानों को, जिसमें परिचालन लीज पर ली गयी आस्तियों की लागत वृद्धि शामिल है, लाभ/हानि खाते में प्रभारित किया जाता है.

8.5 एनपीए खातों में वसूली का समायोजनः

एनपीए के मामलों में, खातों पर समय-समय पर हुई वसूलियों को निम्नानुसार समायोजित किया जाना चाहिये (जनधन वसूली अधिनियम के तहत वसूली सहित)-

ए) सभी लागतों, कमीशन, प्रभारों एवं बैंक द्वारा उठाए या किए गए व्ययों के प्रति

बी) बैंक पर बकाया ब्याज, अतिरिक्त ब्याज, आगामी ब्याज, दंडात्मक ब्याज के प्रति

सी) मूलधन के भुगतान के लिए

9. कर्मचारियों को लाभ

9.1 भविष्य निधि

बैंक ऑफ बड़ौदा पीएफ नियमों के अनुसार भविष्य निधि अंशदान योजना एक सांविधिक दायित्व है और बैंक पूर्व

floating provisions are utilised only for contingencies under extraordinary circumstances specified in the policy with prior permission of Reserve Bank of India.

6 FIXED ASSETS

6.1 Premises and other Fixed Assets are stated at historical cost except revalued premises which are stated at revalued amount. The appreciation on revaluation is credited to Capital Reserve

6.2 Premises include land and building under construction.

7 RESERVES AND SURPLUS

Revenue and other Reserves include Statutory Reserves created by foreign branches as per applicable local laws of the respective countries.

8 REVENUE RECOGNITION

8.1 Income (other than item referred in Paragraph 8.2)/ expenditure is generally recognised on accrual basis. In case of foreign offices, income/ expenditure is recognised as per the local laws of the country in which the respective foreign office is located.

8.2 Income by way of Fees, Commission other than on Government business, Commission on Guarantees, Letter of Credits, Exchange and Brokerage and Interest on Advance Biils are accounted for on realisation basis. Dividend on shares in Subsidiaries, joint ventures and associates is accounted on realisation basis.

8.3 In view of uncertainty of collection of income in cases of Non-performing Assets/Investments, such income is accounted for only on realisation in terms of the RBI guidelines.

8.4 Lease payments including cost escalation for assets taken on operating lease are recognised in the Profit and Loss Account over the lease term in accordance with the AS 19 (Leases) issued by ICAI.

8.5 Appropriation of recoveries in NPA accounts :

In respect of NPAs, recoveries effected in the account (including recovery under Public Money Recovery Act) from time to time should be appropriated in the following manner:

a) towards all costs, commission, charges and expenses paid or incurred by the Bank

b) towards interest, additional interest, further interest, penal interest due to the Bank

c) towards payment of the principal moneys

9. EMPLOYEE BENEFITS

9.1 PROVIDENT FUND

Provident fund is a statutory obligation as per Bank of Baroda PF Rules as the Bank pays

निर्धारित दरों पर निश्चित अंशदान का भुगतान करता है. बैंक का दायित्व निश्चित अंशदान तक सीमित है. अंशदान को लाभ एवं हानि खाते में प्रभारित किया जाता है. निधियों का प्रबंधन बैंक ऑफ बड़ौदा भविष्य निधि न्यास द्वारा किया जाता है.

9.2 उपदान

बैंक ऑफ बड़ौदा उपदान निधि नियमों एवं विनियमों तथा उपदान भुगतान अधिनियम 1972 के अनुसार उपदान देयता एक सांविधिक दायित्व है और वर्ष के अंत में संचित मूल्य आधार पर इसका प्रावधान किया जाता है. बैंक द्वारा इस योजना के लिए राशि उपलब्ध करवायी जाती है और बैंक ऑफ बड़ौदा उपदान निधि न्यास इसका प्रबंधन करता है.

9.3 पेंशन

बैंक ऑफ बड़ौदा कर्मचारी पेंशन विनिमय, 1995 के अंतर्गत पेंशन देयता बाध्यता के रुप में व्याख्या की गयी है और वर्ष के अंत में संचित मूल्य आधार पर इसका प्रावधान किया जाता है. यह उन कर्मचारियों के लिए है, जिन्होंने 31.3.2010 तक बैंक सेवा ग्रहण की और पेंशन का विकल्प लिया है. बैंक ऑफ बड़ौदा (कर्मचारी) पेंशन फंड न्यास द्वारा इस योजना के लिए राशि उपलब्ध करवायी जाती है.

जिन कर्मचारियों ने बैंक सेवा 01.04.2010 को या उसके बाद ग्रहण की है, उनके लिए नई पेंशन योजना परिभाषित अंशदान आधार पर लागू है. बैंक द्वारा पूर्व निर्धारित निश्चित अंशदान का भुगतान किया जाता है. बैंक का दायित्व ऐसे पूर्व निर्धारित अंशदान तक ही सीमित है. अंशदान लाभ एवं हानि खाते से प्रभारित किया जाता है.

9.4 प्रतिपूरित अनुपस्थिति

संचित प्रतिपूरित अनुपस्थिति यथा उपार्जित अवकाश (पीएल) और चिकित्सा अवकाश के बीमांकिक मूल्यांकन के लिए संचित मूल्य के आधार पर प्रावधान किया जाता है.

9.5 अन्य कर्मचारी लाभ (हित)

अन्य कर्मचारी लाभ यथा छुट्टी नकदीकरण, छुट्टी यात्रा रियायत, अतिरिक्त सेवांत लाभ आदि के लिए संचित मूल्य के आधार पर प्रावधान किया जाता है.

विदेशी शाखाओं/कार्यालयों के संदर्भ में प्रतिनियुक्ति पर कर्मचारियों को छोड़कर अन्य कर्मचारियों के लिए संबंधित देश में विद्यमान नियमों के अनुसार लाभों का आकलन किया जाता है.

10. मूल्यह्रास

10.1 भारत में अचल आस्तियों के लिए पुनर्मूल्यांकित आस्तियों को छोड़कर (निम्न वर्णित अनुछेद 10.3 व 10.4 के अलावा) कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II में उल्लिखित मूल्यह्रास मूल्य पद्धति के अनुसार प्रावधान किया जाता है. इसमें पुनर्मूल्यांकित आस्तियों की अनुमानित उपयोग अवधि के आधार पर अधिक मूल्यह्रास का प्रावधान किया जाता है.

10.2 भारत से बाहर अचल आस्तियों पर, (नीचे अनुच्छेद 10.3 में

fixed contribution at pre-determined rates.The obligation of the Bank is limited to such fixed contribution. The contributions are charged to Profit and Loss Account. The fund is managed by Bank of Baroda Provident Fund Trust.

9.2 GRATUITY

Gratuity liability is a statutory obligation being higher of gratuity payment as per Bank of Baroda Gratuity Fund Rules and Regulations and Payment of Gratuity Act 1972. This is provided for on the basis of an actuarial valuation made at the end of the financial year. The gratuity liability is funded by the bank and is managed by Bank of Baroda Gratuity Fund Trust.

9.3 PENSION

Pension liability is a defined benefit obligation under Bank of Baroda Employees Pension Regulations 1995 and is provided for on the basis of actuarial valuation made at the end of the financial year, for the employees who have joined Bank up to 31.03.2010 and opted for pension. The pension liability is funded by Bank of Baroda (Employees) Pension Fund Trust.

New Pension Scheme which is applicable to employees who joined bank on or after 01.04.2010 is a defined contribution scheme, Bank pays fixed contribution at pre determined rate and the obligation of the Bank is limited to such fixed contribution. The contribution is charged to Profit and Loss Account.

9.4 COMPENSATED ABSENCES

Accumulating compensated absences such as Privilege Leave and unavailed sick leave are provided for based on actuarial valuation.

9.5 OTHER EMPLOYEE BENEFITS

Other Employee benefits such as Leave Encashment, Leave Fare Concession and Additional Retirement Benefit on Retirement are provided for based on actuarial valuation.

In respect of overseas branches and offices, the benefits in respect of employees other than those on deputation are valued and accounted for as per laws prevailing in the respective territories.

10 DEPRECIATION

10.1 Depreciation on Fixed Assets in India [other than those referred in Paragraph 10.3 and 10.4] is provided on the written down value method in accordance with Schedule II to the Companies Act, 2013, except in case of revalued assets, in respect of which higher depreciation is provided on the basis of estimated useful life of these revalued assets.

10.2 Depreciation on Fixed Assets outside India [other

वर्णित को छोड़कर) मूल्यह्रास स्थानीय कानूनों या संबंधित देश में प्रचलित प्रक्रिया के अनुसार किया जाता है.

10.3 भारत और भारत के बाहर कंप्यूटरों व सॉफ्टवेयरों जो कि कंप्यूटर हार्डवेयर के अभिन्न अंग है, पर मूल्यह्रास भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार स्ट्रेट लाइन विधि से 33.33% प्रति वर्ष की दर से प्रदान किया गया है. कंप्यूटर सॉफ्टवेयर, जो कि हार्डवेयर का अनिवार्य अंग नहीं है, को सीधे ही लाभ एवं हानि खाते में प्रभारित किया जाता है.

10.4 एटीएम पर मूल्यह्रास का प्रावधान स्ट्रेट लाइन पद्धति से 20% प्रतिवर्ष की दर से किया जाता है.

10.5 परिवर्द्धनों पर मूल्यह्रास खरीद / उपयोग की तारीख से अनुपातिक आधार पर उपलब्ध कराया जाता है.

10.6 पट्टे पर धारित जमीन और पट्टे पर धारित जमीन पर किए गए विकास की लागत पट्टा अवधि में चुकता (एमोर्टाईज) की जाती है.

11. आस्तियों का मूल्यह्रास

अचल आस्तियों (पुनर्मूल्यांकित आस्तियों सहित) पर मूल्यह्रास हानियों (यदि कोई हो) को, आस्तियों के मूल्यह्रास के संबंध में चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट ऑफ़ इंडिया द्वारा जारी लेखा मानक 28 (''आस्तियों का मूल्यह्रास'') के अनुसार किया जाता है तथा इसे लाभ एवं हानि खाते से प्रभारित किया जाता है.

12. विदेशी मुद्रा संव्यवहार

12.1 विदेशी मुद्रा विनिमय से संबंधित संव्यवहारों का लेखांकन (विदेशी मुद्रा विनिमय दरों के परिवर्तन का प्रभाव) संबंधित भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखामानक एएस 11 के अनुरूप किया गया है.

12.2 लेखा मानक - एएस-11 के अनुसार बैंक के विदेशी मुद्रा परिचालनों को ए) एकीकृत परिचालनों एवं बी) पृथक परिचालनों के रुप में वर्गीकृत किया गया है. सभी विदेशी शाखाओं, ऑफशोर बैंकिंग इकाइयों, विदेशी अनुषंगियों को पृथक परिचालन एवं विदेशी मुद्रा में घरेलू परिचालनों एवं प्रतिनिधि कार्यालयों को एकीकृत परिचालन के रुप में माना जाता है.

12.3 एकीकृत परिचालनों के संबंध में अंतरण :

ए) संव्यवहारों को प्राथमिक तौर पर एफईडीएआई द्वारा सूचित की गयी साप्ताहिक औसत दरों पर रिकार्ड किया जाता है.

बी) विदेशी मुद्रा विनिमय से संबंधित आस्ति एवं देयताओं (आकस्मिक देयताओं सहित) को फेडाई द्वारा प्रत्येक तिमाही के अंत में सूचित की गयी क्लोजिंग स्पॉट दरों पर अंतरित किया जाता है.

सी) परिणामी विनिमय अंतरों की गणना आय अथवा व्यय के रुप में की गयी है तथा इन्हें तदनुसार लाभ हानि खाते में लेखांकित किया गया है. विदेशी मुद्रा आस्ति देयताओं संबंधी किसी भी भुगतान अथवा रिवर्सल को पिछले सप्ताह की औसत क्लोजिंग दरों के आधार पर किया गया है तथा बकाया राशि एवं उस राशि, जिसके लिए भुगतान किया गया है/रिवर्सल किया गया है, के बीच के अंतर को लाभ एवं हानि खाते में दर्शाया गया है.

than those referred to in Para 10.3 below] is provided as per local laws or prevailing practices of the respective territories.

10.3 Depreciation on Computers and Software forming an integral part of Computer Hardware, in and outside India is provided on Straight Line Method at the rate of 33.33% p.a., as per the guidelines of RBI. Computer software not forming part of an integral part of hardware is charged directly to Profit and Loss Account.

10.4 Depreciation on ATMs is provided on Straight Line Method at the rate of 20% p.a.

10.5 Depreciation on additions is provided proportionately from the date of purchase/put to use.

10.6 Cost of leasehold land and leasehold improvements are amortised over the period of lease.

11 IMPAIRMENT OF ASSETS

Impairment losses (if any) on Fixed Assets (including revalued assets) are recognised in accordance with AS 28 (Impairment of Assets) issued by the ICAI and charged off to Profit and Loss Account.

12 FOREIGN CURRENCY TRANSACTIONS:

12.1 Accounting for transactions involving foreign exchange is done in accordance with AS 11, (The Effects of Changes in Foreign Exchange Rates), issued by the ICAI.

12.2 As stipulated in AS 11, the foreign currency operations of the Bank are classified as a) Integral Operations and b) Non Integral Operations. All Overseas Branches, Offshore Banking Units, Overseas Subsidiaries are treated as Non Integral Operations and domestic operations in foreign exchange and Representative Offices are treated as Integral Operations.

12.3 Translation in respect of Integral Operations:

a) The transactions are initially recorded on weekly average rate as advised by FEDAI.

b) Foreign Currency Assets and Liabilities (including contingent liabilities) are translated at the closing spot rates notified by FEDAI at the end of each quarter.

c) The resulting exchange differences are recognized as income or expenses and are accounted through Profit & Loss Account. Any reversal / payment of foreign currency assets & liabilities is done at the weekly average closing rate of the preceding week and the difference between the outstanding figure and the amount for which reversal / payment is made, is reflected in profit and loss account.

डी) व्यापार हेतु धारित बकाया विदेशी मुद्रा हाज़िर एवं वायदा संविदाओं के तुलन-पत्र की तिथि को 'एफईडीएआई' द्वारा अधिसूचित बंद हाजिर एवं वायदा बाजार संविदा दरों एवं अन्तरिम परिपक्वता संविदाओं को 'इन्टरपोलेटेड' दरों पर बाजार को चिन्हित किया जाता है. इस प्रकार प्राप्त की गयी एमटीएम मूल्य को, एमटीएम के मौजूदा मूल्य पर भुनाया जाता है. इस एमटीएम का पीवी आधार पर हाजिर एवं वायदा संव्यवहारों के पुनर्मूल्यांकन हेतु उपयोग किया जाता है. इसके फलस्वरूप वायदा मूल्यांकन लाभ अथवा हानि को लाभ एवं हानि खाते में शामिल किया जाता है।

12.4 गैर समाकलित परिचालनों के संबंध में अंतरण :

ए) आस्तियों एवं देयताओं को फेडाई द्वारा प्रत्येक तिमाही के अंत में अधिसूचित की गयी क्लोजिंग स्पाट दरों पर अंतरित किया गया है.

बी) तुलनपत्र की तिथि को विदेशी मुद्रा हाजिर एवं वायदा आकस्मिक देयताओं को 'एफईडीएआई' द्वारा अधिसूचित बंद हाजिर व वायदा दरों एवं अन्तरित परिपक्वता संविदाओं को 'इन्टरपोलेटड' दरों पर अंतरित किया जाता है.

सी) आमदनी एवं खर्चों को एफईडीएआई द्वारा प्रत्येक तिमाही के अंत में अधिसूचित की गयी औसत तिमाही दरों पर अंतरित किया गया है.

डी) परिणामी विनिमय अंतरों की गणना उस अवधि के लिए आय अथवा व्यय के रुप में नहीं की जाती है तथा इसे सम्बद्ध विदेशी शाखाओं में निवल निवेशों के निस्तारण होने तक अलग से एक खाते ''विदेशी मुद्रा अंतरण निधि'' में रखा जाता है.

12.5 वायदा विनिमय करार

लेखा मानक एएस 11 तथा भारतीय विदेशी मुद्रा व्यापारी संघ (फेडाई) के दिशानिर्देशों के अनुसार तुलनपत्र की तिथि पर बकाया एवं व्यापार हेतु धारित विदेशी मुद्रा हाजिर (स्पॉट) एवं वायदा संविदाओं को एफईडीएआई द्वारा अधिसूचित बंद हाजिर एवं वायदा बाजार संविदाओं एवं अन्तरिम परिपक्वता संविदाओं को बाजार भाव पर दर्शाया जाता है. इस प्रकार प्राप्त एमटीएम मूल्य का वर्तमान एमटीएम का मूल्य निकालने हेतु बट्टाकृत किया जाता है. इस एमटीएम का पीवी आधार पर स्पॉट एवं वायदा संव्यवहारों का पुर्नमूल्यांकन करने हेतु उपयोग किया जाता हैं. इसके फलस्वरुप वायदा मूल्यांकन लाभ अथवा हानि को लाभ एवं हानि खाते में शामिल किया जाता है.

13. आय पर कर

इसमें भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) के लेखांकन मानदंड 22 (आय पर करों का लेखांकन) के अनुसार निर्धारित (सम्बद्ध अवधि के लिए लेखा आय तथा कर योग्य आय के बीच भिन्नता से करों के प्रभाव को दर्शाते हुए) आयकर के लिए प्रावधान, आस्थगित कर अथवा क्रेडिट शामिल हैं. आस्थगित कर का आकलन आमदनी एवं खर्च की उन मदों के संबंध में, जो किसी एक अवधि में निर्धारित होती है और जो एक अथवा अधिक परवर्ती अवधियों में प्रत्यावर्तन

d) Foreign exchange spot and forward contracts outstanding as at the balance sheet date and held for trading, are marked to market at the closing spot and forward rates respectively notified by FEDAI and at interpolated rates for contracts of interim maturities. The MTM values thus obtained are discounted to arrive at present value of MTM. This MTM is used to revalue the spot and forward transactions on PV basis. The resulting Forward Valuation profit or loss is included in the Profit & Loss Account.

12.4 Translation in respect of Non Integral Operations

a) Assets and liabilties are translated at the closing spot rates notified by FEDAI at the end of each quarter.

b) Foreign exchange Spot and Forwards contingent liabilities outstanding as at the balance sheet date are translated at the closing spot and forward rates respectively notified by FEDAI and interpolated rates for contracts of interim maturities.

c) Income and expense are translated at quarterly average rate notified by FEDAI at the end of each quarter.

d) The resulting exchange differences are not recognized as income or expense for the period but accumulated in a separate account "Foreign Currency Translation Reserve" till the disposal of the net Investment.

12.5 Forward Exchange Contracts

In accordance with the guidelines of FEDAI & provsions of AS-11, Foreign exchange spot and forward contracts outstanding as at the balance sheet date and held for trading, are marked to market at the closing spot and forward rates respectively notified by FEDAI and at interpolated rates for contracts of interim maturities. The MTM values thus obtained are discounted to arrive at present value of MTM. This MTM is used to revalue the spot and forward transactions on PV basis. The resulting Forward Valuation profit or loss is included in the Profit & Loss Account.

13 TAXES ON INCOME

This comprise of provision for Income tax and deferred tax charge or credit (reflecting the tax effects of timing differences between accounting income and taxable income for the period) as determined in accordance with AS 22 (Accounting for taxes on Income) issued by ICAI. Deferred tax is recognised subject to consideration of prudence in respect of items of income and expenses those arise at one point of time and are capable of reversal in one or more subsequent periods. Deferred tax assets

योग्य हैं, को ध्यान में रखकर किया जाता है. आस्थगित कर आस्तियों एवं देयताओं पर कर की गणना अधिनियमित कर दरों पर उन वर्षों की अपेक्षित दरों पर की जाती है जिन वर्षों में इनकी प्राप्ति, रिवर्सल अथवा निस्तारण की संभावना होती है. आस्थगित कर देयताओं एवं आस्तियों पर कर की दरों में परिवर्तन के प्रभाव को उस अवधि की आय विवरणी, जिसमें ऐसे परिवर्तन को अधिनियमित किया गया हो, में हिसाब में लिया जाता है.

14. प्रति शेयर अर्जन

बैंक, आधारभूत एवं डाइल्यूटेड प्रति इक्विटी शेयर अर्जन को भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा इस संबंध में जारी लेखा मानक एएस 20 (प्रति शेयर आय) के अनुसार रिपोर्ट करता है. आधारभूत प्रति शेयर अर्जन की गणना, निवल आय की उस अवधि के लिए बकाया भारित औसत इक्विटी शेयरों की संख्या से विभाजित कर की गयी है. डाइल्यूटेड प्रति शेयर अर्जन की गणना निवल आय को उस अवधि के लिए बकाया भारित औसत इक्विटी शेयरों एवं उस अवधि के दौरान डाइल्यूटिव सम्भाव्य इक्विटी शेयरों की संख्या के आधार पर की गयी है.

15. प्रावधान, आकस्मिक देयताएं व आकस्मिक आस्तियां

भारतीय सनदी लेखकार संस्थान द्वारा इस संबंध में जारी लेखा मानक 29 (आकस्मिक देयताओं एवं आकस्मिक आस्तियों के लिए प्रावधान) के अनुसार बैंक द्वारा आकस्मिक देयताओं एवं आकस्मिक आस्तियों के लिए प्रावधान केवल विगत में हुई किसी घटना के लिए उत्पन्न हुए वर्तमान दायित्व के लिए किया जाता है. यह संभव है कि इस दायित्व के निस्तारण के लिए आर्थिक संसाधनों की आवश्यकता हो और तब दायित्व निर्वहन हेतु ऐसी राशि का विश्वसनीय आकलन किया जा सकता है.

आर्थिक हित युक्त संसाधनों के बहिर्गमन की संभावना के लगभग न होने की स्थिति तक आकस्मिक देयताओं को प्रकट किया जाता है.

आकस्मिक आस्तियों को वित्तीय विवरणियों में प्रभारित नहीं किया जाता है, क्योंकि इसका परिणाम ऐसी आय के निर्धारण के रुप में निकल सकता है जिसकी कभी वसूली संभव न हो.

and liabilities are measured using enacted tax rates expected to apply to taxable income in the years in which the timing differences are expected to be reversed. The effect on deferred tax assets and liabilities of a change in tax rates is recognised in the income statement in the period of enactment of the change.

14 EARNINGS PER SHARE

The bank reports basic and diluted earnings per equity share in accordance with the AS 20 (Earnings Per Share) issued by the ICAI. Basic earnings per equity share has been computed by dividing net income by the weighted average number of equity shares outstanding for the period. Diluted earnings per equity share has been computed using the weighted average number of equity shares and dilutive potential equity shares outstanding during the period.

15 PROVISIONS, CONTINGENT LIABILITIES AND CONTINGENT ASSETS

As per AS 29 (Provisions, Contingent Liabilities and Contingent Assets) issued by the ICAI, the Bank recognises provisions only when it has a present obligation as a result of a past event, it is probable that an outflow of resources embodying economic benefits will be required to settle the obligation and when a reliable estimate of the amount of the obligation can be made.

Contingent liability is disclosed unless the possibility of an outflow of resources embodying economic benefit is remote.

Contingent Assets are not recognised in the financial statements since this may result in the recognition of income that may never be realised.

अनुसूची-18 लेखों पर टिप्पणियां
Schedule-18 Notes on Accounts

ए. भारतीय रिज़र्व बैंक की अपेक्षाओं के अनुसार प्रकटीकरण

A. Disclosure in terms of RBI requirements

ए-1. पूंजी

A-1 Capital

(₹ करोड़ में / ₹ *in Crores*)

विवरण		Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
			बासेल III BASEL III	बासेल III BASEL III
i)	कॉमन इक्विटी टियर 1 पूंजी अनुपात (%)	Common Equity Tier 1 Capital Ratio (%)	**9.23%**	8.98%
ii)	टियर 1 पूंजी अनुपात (%)	Tier 1 Capital Ratio (%)	**10.46%**	9.93%
iii)	टियर 2 पूंजी अनुपात (%)	Tier 2 Capital Ratio (%)	**1.67%**	2.31%
iv)	कुल पूंजी अनुपात (सीआरएआर) (%)	Total Capital Ratio (CRAR) (%)	**12.13%**	12.24%
v)	भारत सरकार की शेयरधारिता का प्रतिशत	Percentage of the shareholding of the Government of India	**64.03%**	59.24%
vi)	अर्जित इक्विटी पूंजी की राशि@	Amount of Equity Capital Raised@	**5375**	--
vii)	अर्जित अतिरिक्त टियर 1 पूंजी की राशि जिसमें से	Amount of Additional Tier 1 capital raised, of which		
	स्थायी गैर-संचयी अधिमानी शेयर (पीएनसीपीएस)	Perpetual Non-Cumulative Preference Share (PNCPS)	**--**	--
	स्थायी ऋण लिखत (पीडीआई)	Perpetual Debt Instrument (PDI)	**1350**	2000
viii)	अर्जित अतिरिक्त टियर 2 पूंजी की राशि जिसमें से	Amount of Additional Tier 2 capital raised, of which		
	ऋण पूंजी लिखत	Debt Capital Instrument	**--**	--
	अधिमान्य शेयर पूंजी लिखत	Preference Share Capital Instruments	**Nil**	Nil

@ वर्ष के दौरान सेबी (आईसीडीआर) विनिमय 2009 के अनुरूप दिनांक 13 मार्च 2018 को आयोजित असाधारण सामान्य बैठक में शेयरधारकों के अनुमोदन के अनुरूप 27 मार्च 2018 को बैंक ने भारत सरकार को प्रति शेयर ₹ 2 के मूल्य के 34,13,56,534 शेयर आबंटित किया है तथा प्रति शेयर का प्रीमियम ₹ 155.46 का पूर्णतः भुगतान कर दिया है. इस खाते में बैंक को प्राप्त कुल राशि ₹ 5375 करोड़ है .

@ During the year, on March 27, 2018, bank has allotted 34,13,56,534 equity shares of ₹ 2/- each fully paid up at a premium of ₹ 155.46 per share to the Government of India, as approved by shareholders in the Extra-Ordinary General Meeting held on 13th March 2018 in accordance with SEBI (ICDR) Regulations 2009 on preferential basis. Total amount received by Bank on this account is ₹ 5375 Crores.

ए-2. निवेश

A-2 Investments

(₹ करोड़ में / ₹ *in Crores*)

विवरण		Particulars		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
(1)	निवेशों का मूल्य	(1)	Value of Investments		
	(i) निवेशों का सकल मूल्य		(i) Gross Value of Investments		
	(ए) भारत में		(a) In India	**155514.33**	122169.17
	(बी) भारत से बाहर		(b) Outside India	**9517.51**	8549.51
	(ii) मूल्यह्रास के लिए प्रावधान		(ii) Provisions for Depreciation		
	(ए) भारत में		(a) In India	**1501.43**	771.31
	(बी) भारत से बाहर		(b) Outside India	**345.86**	316.82
	(iii) निवेशों का निवल मूल्य		(iii) Net Value of Investments		
	(ए) भारत में		(a) In India	**154012.90**	121397.86
	(बी) भारत से बाहर		(b) Outside India	**9171.64**	8232.69
(2)	निवेशों पर मूल्यह्रास के लिए धारित प्रावधानों का संचलन	(2)	Movement of provisions held towards depreciation on investments		
	(i) प्रारम्भिक शेष		(i) Opening balance	**1088.13**	1135.06
	(ii) जोड़ें : वर्ष के दौरान किया गया प्रावधान		(ii) Add: Provision made during the year	**806.26**	67.75
	(iii) जोड़ें/(घटाएं) : विदेशी विनिमय पर्नमूल्यांकन समायोजन		(iii) Add/(Less): Foreign Exchange Revaluation Adjustment	**26.55**	(33.70)
	(iv) घटाएं : अतिरिक्त प्रावधानों का पुनरांकन		(iv) Less: Write-back of excess provisions	**(73.65)**	(80.98)
	(v) अंतिम शेष		(v) Closing balance	**1847.29**	1088.13

भारतीय रिजर्व बैंक के पत्र क्रमांक आरबीआई / 2017-18 / 147 डीबीआर सं. बीपीबीसी 102 / 21.04.048 / 2017-18 दिनांक 02.04.2018 द्वारा बैंकों को 31 दिसंबर, 2017 और 31 मार्च, 2018 को समाप्त तिमाहियों के लिए एएफएस और एचएफटी में निवेश पर हानि के लिए मार्क टू मार्केट (एमटीएम) प्रावधानों को बढ़ाने के विकल्प को चयनित करने की अनुमति प्रदान की है. जिस तिमाही में हानि हुई है उस तिमाही से लेकर चार तिमाहियों तक हानि को विस्तृत किया जा सकता है. तथापि वर्ष 2017-18 के दौरान बैंक को कोइ भी एमटीएम हानि नहीं हुई हैं.

As per letter RBI/2017-18/147:DBR No. BP.BC 102/21.04.048/2017-18 dated 02.04.2018, RBI has permitted banks to opt for spread over provisioning for Mark to Market (MTM) losses on investment held in AFS and HFT for the quarters ended December 31, 2017 and March 31, 2018. The losses can be spread over four quarters, commencing from the quarter in which the loss has been incurred. However, Bank has not incurred any MTM loss during the year 2017-18.

ए-2.1 रेपो संव्यवहार (अंकित मूल्य के संदर्भ में)

चालू वर्ष (31.03.2018 को)

A-2.1 Repo Transactions: (in face value terms)

Current Year (As on 31.03.2018).

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	P3articulars	वर्ष के दौरान न्यूनतम बकाया शेष Minimum outstanding during the year	वर्ष के दौरान अधिकतम बकाया शेष Maximum outstanding during the year	वर्ष के दौरान दैनिक औसत बकाया शेष Daily Average outstanding during the year	31 मार्च 2018 को बकाया शेष Outstanding as on March 31, 2018
रेपो के तहत बेची गयी प्रतिभूतियां	Securities sold under repo				
i. सरकारी प्रतिभूतियां	i. Government securities	109.56	34015.12	2232.93	27590.17
ii. कार्पोरेट ऋण प्रतिभूतियां	ii. Corporate debt securities	913.01	1313.54	1050.10	1313.54
रिवर्स रेपो के तहत खरीदी गयी प्रतिभूतियां	Securities purchased under reverse repo				
i. सरकारी प्रतिभूतियां	i. Government securities	124.29	41792.29	17217.02	4900.00
ii. कार्पोरेट ऋण प्रतिभूतियां	ii. Corporate debt securities	0	0	0	0

विगत वर्ष (31.03.2017 को)

Previous Year (As on 31.03.2017).

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	वर्ष के दौरान न्यूनतम बकाया शेष Minimum outstanding during the year	वर्ष के दौरान अधिकतम बकाया शेष Maximum outstanding during the year	वर्ष के दौरान दैनिक औसत बकाया शेष Daily Average outstanding during the year	31 मार्च 2018 को बकाया शेष Outstanding as on March 31, 2018
रेपो के तहत बेची गयी प्रतिभूतियां	Securities sold under repo				
i. सरकारी प्रतिभूतियां	i. Government securities	213.13	22087.39	1345.15	313.02
ii. कार्पोरेट ऋण प्रतिभूतियां	ii. Corporate debt securities	921.83	921.83	921.83	921.83
रिवर्स रेपो के तहत खरीदी गयी प्रतिभूतियां	Securities purchased under reverse repo				
i. सरकारी प्रतिभूतियां	i. Government securities	67.59	56950.91	10353.54	23368.34
ii. कार्पोरेट ऋण प्रतिभूतियां	ii. Corporate debt securities	0	0	0	0

ए-2.2 गैर-एसएलआर निवेश पोर्टफोलियो

i) गैर-एसएलआर निवेशों के जारीकर्ता घटक

A-2.2 Non-SLR Investment Portfolio

i) Issuer composition of Non SLR investments

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

क्र. सं. S. No.	जारीकर्ता	Issuer	राशि Amount	निजी प्लेसमेंट की सीमा Extent of Private Placement	'निवेश ग्रेड के नीचे' की प्रतिभूतियों की सीमा Extent of 'Below Investment Grade' securities	'अनरेटेड प्रतिभूतियों' की सीमा Extent of 'Unrated' Securities	'असूचीबद्ध प्रतिभूतियों' की सीमा Extent of 'Unlisted' Securities
(1)		(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
(i)	पीएसयू	PSUs	840.50	293.71	50.94	0.00	197.86
(ii)	एफआई	FIs	6964.22	2741.92	220.37	0.00	25.00
(iii)	बैंक	Banks	4626.00	419.98	170.00	123.41	65.18
(iv)	निजी कार्पोरेट	Private Corporate	3774.41	1875.94	170.95	839.61	11.40

(v)	अनुषंगियां / संयुक्त उद्यम*	Subsidiaries/ Joint Ventures *	2035.38	2035.38	0.00	0.00	0.00
(vi)	अन्य#	Others #	11980.88	7564.78	0.00	65.18	65.18
(vii)	मूल्यह्रास हेतु धारित प्रावधान	Provision held towards depreciation	1847.29	0.00	0.00	228.62	22.84
	कुल	Total	**28374.10**	**14931.71**	**612.26**	**799.58**	**341.77**

* ₹ 906.73 करोड़ का विदेशी अनुषंगियों में निवेश में शामिल है. (पिछले वर्ष ₹ 800.11 करोड़)
* Includes investment in Overseas Subsidiary of ₹ 906.73 Crore (Previous Year ₹ 800.11 Crore)

ए) ₹ 20.41 करोड़ भारत सरकार के गैर-एसएलआर ऑयल बॉण्ड में निवेश मे शामिल है जिसे एनडीएस प्लेटफॉर्म पर ट्रेडेड व सूचीबद्ध तथा एफआयएमएमडीए दरों पर उपलब्ध माना गया है.
बी) ₹ 5375 करोड़ भारत सरकार के गैर-एसएलआर पुनर्पूजीकरण बॉण्ड में निवेश मे शामिल है. (पिछले वर्ष शून्य)

a) includes Investments in GOI Non SLR oil bonds of ₹20.41 crores (Previous Year ₹20.41 crores) and State Govt Non-SLR bonds of ₹573.90 crores (PY ₹ 2394.71 crores) considered as listed as traded on NDS platform and FIMMDA rates available.
b) Includes investment in GOI Non-SLR Recapitalization Bonds of ₹ 5375 crores (Previous Year NIL).

ii) गैर-निष्पादित गैर-एसएलआर निवेश

ii) Non performing Non-SLR investments

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
प्रारंभिक शेष	Opening balance	879.50	735.35
वर्ष के दौरान परिवर्धन	Additions during the year	1081.71	216.70
वर्ष के दौरान कटौतियां	Reductions during the year	13.46	72.55
अंतिम शेष	Closing balance	1947.75	879.50
कुल धारित प्रावधान	Total provisions held	1428.92	589.13

ए-2.3 वर्ष के प्रारंभ में परिपक्वता तक धारित (एचटीएम) श्रेणी में रखे गए निवेशों के बही-मूल्य के 5% से अतिरिक्त के परिपक्वता तक धारित (एचटीएम) में रखे गए निवेशों की बिक्री एवं अंतरण

A-2.3 Sales and transfer of Investment held under Held to Maturity (HTM) Category in excess of 5% of the Book value of the investment held in HTM category at the beginning of the year

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

वित्तीय वर्ष Financial Year	निवेश (एचटीएम) का प्रारंभिक शेष Opening Bal. of investment (HTM)	वर्ष के दौरान बिक्री/अंतरण Sale/ transfer during the year	जोड़ Addition	निवेश (एचटीएम) का अंतिम शेष Closing Bal. of Investment (HTM)	निवेश (एचटीएम) श्रेणी का बाज़ार मूल्य Market value of investment (HTM) category
2017-18	-	-	-	-	-
2016-17	-	-	-	-	-

ए-2.4 एसएलआर निवेश

A-2.4 SLR Investments

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year		पिछला वर्ष Previous Year	
		बही मूल्य Book value	बाजार मूल्य Market value	बही मूल्य Book value	बाजार मूल्य Market value
सरकारी प्रतिभूतियां एसएलआर (सीजी, एसजी व टीबी)*	Govt. sec SLR(CG,SG,&TB) *	134809.16	134809.16	110984.67	110984.67**
अनुमोदित प्रतिभूतियां - एसएलआर	Approved sec-SLR	1.28	1.28	1.28	1.28

* इसमें सीसीआईएल/एमसीएक्स/यूएसई/एनएसई के पास रखी एसएलआर प्रतिभूतियां शामिल हैं.
** एसएलआर की गणना के लिए बाजार मूल्य में वृद्धि को ध्यान में नहीं लिया गया है.

* incl. SLR Securities kept with CCIL/ MCX / USE / NSE
** Appreciation in market value is ignored for SLR calculation

ए-2.5 एसजीएल फार्मों के लौटाए जाने पर लगाए गए दंड का प्रकटीकरण

A-2.5 Disclosure on imposition of penalty for bouncing of SGL forms

समाप्त वर्ष Year ended	एसजीएल फॉर्म लौटाने की तारीख Date of bouncing SGL form	राशि Amount	टिप्पणी Remarks
2017-18	-	-	-
2016-17	-	-	-

ए-2.6 डेरीवेटिव्स

ए-2.6.1 वायदा दर समझौता / ब्याज दर स्वैप

A-2.6 Derivatives

A-2.6.1 Forward Rate Agreement/ Interest Rate Swap

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण		Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
i)	स्वैप समझौते की कल्पित मूल राशि	The notional principal of swap agreements	26509.49	26080.89
ii)	समझौते के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं को काउंटर पार्टी द्वारा पूरा न करने पर होने वाली हानि	Losses which would be incurred if counterparties failed to fulfill their obligations under the agreements	197.88	230.69
iii)	स्वैप में आने पर बैंक के लिए अपेक्षित संपार्श्विक	Collateral required by the bank upon entering into swaps	Nil	Nil
iv)	स्वैप से उत्पन्न ऋण जोखिम का संकेंद्रण	Concentration of credit risk arising from the swaps	506.46	490.97
v)	स्वैप बही का उचित मूल्य	The fair value of the swap book	19.45	114.43

31 मार्च, 2018 तक वायदा एवं ब्याज दर स्वैप का प्रकार एवं शर्तें नीचे दी गई हैं:

Nature and terms of Forward Rate Agreements and interest rate swaps as on 31st March 2018 are given below:

लिखत Instruments	प्रकार Nature	संख्या Nos	अनुमानित मूलधन Notional Principal	बेंचमार्क Benchmark	शर्तें Terms
आईआरएस IRS	हेजिंग/ Hedging	2	114.50	ईयूआर 6 एमएलआईबीओआर EUR 6 MLIBOR	अस्थायी प्राप्त स्थायी देय Receive Fixed Pay Floating
आईआरएस IRS	ट्रेडिंग Trading	4	175	आईएनबीएमके /INBMK	अस्थायी प्राप्य/स्थायी देय Floating Receivable/Fixed Payable
आईआरएस IRS	हेजिंग/ Hedging	18	1,890.08	एलआईबीओआर /LIBOR	स्थायी प्राप्य / अस्थायी देय Fixed Receivable/Floating Payable
आईआरएस IRS	ट्रेडिंग Trading	3	207.69	एलआईबीओआर / LIBOR	स्थायी प्राप्य / अस्थायी देय Fixed Receivable/Floating Payable
आईआरएस IRS	हेजिंग/ Hedging	6	456.23	एलआईबीओआर / LIBOR	अस्थायी प्राप्य / स्थायी देय Floating Receivable/Fixed Payable
आईआरएस IRS	ट्रेडिंग Trading	3	207.69	एलआईबीओआर / LIBOR	अस्थायी प्राप्य / स्थायी देय Floating Receivable/Fixed Payable
आईआरएस IRS	ट्रेडिंग Trading	196	5,563.50	एमआईबीओआर / MIBOR	स्थायी प्राप्य / अस्थायी देय Fixed Receivable/Floating Payable
आईआरएस IRS	हेजिंग/ Hedging	70	2,175.00	एमआईबीओआर / MIBOR	अस्थायी प्राप्य / स्थायी देय Floating Receivable/Fixed Payable
आईआरएस IRS	ट्रेडिंग Trading	192	5,633.15	एमआईबीओआर / MIBOR	अस्थायी प्राप्य / स्थायी देय Floating Receivable/Fixed Payable
आईआरएस IRS	हेजिंग/ Hedging	19	900	एमआईएफओआर / MIFOR	स्थायी प्राप्य / अस्थायी देय Fixed Receivable/Floating Payable
आईआरएस IRS	ट्रेडिंग Trading	10	450	एमआईएफओआर /MIFOR	स्थायी प्राप्य / अस्थायी देय Fixed Receivable/Floating Payable

आईआरएस IRS	ट्रेडिंग Trading	10	450	एमआईएफओआर /MIFOR	अस्थायी प्राप्य / स्थायी देय Floating Receivable/Fixed Payable
सीआईआरएस CIRS	हेजिंग Hedging	1	1384.16	1 एम एलआईबीओआर जीबीपी प्राप्त 1 यूएसडी एमआईबीओआर भुगतान Receive GBP 1 MLIBOR Pay USD 1 M LIBOR	अस्थायी प्राप्य अस्थायी देय Pay Floating Receive Floating
सीआईआरएस CIRS	हेजिंग Hedging	2	397.69	3 एम एलआईबीओआर यूएसडी प्राप्त 3 ईयूआर एमईयूआरआईबीओआर भुगतान Receive USD 3 M LIBOR Pay EUR 3 M EURIBOR	अस्थायी प्राप्य अस्थायी देय Pay Floating Receive Floating
सीआईआरएस CIRS	हेजिंग Hedging	1	103.22	6 एम एलआईबीओआर यूएसडी प्राप्त 6 ईयूआर एम ईयूआरआईबीओआर भुगतान Receive USD 6 M LIBOR Pay EUR 6 M EURIBOR	अस्थायी प्राप्य अस्थायी देय Pay Floating Receive Floating
आईआरएस IRS	हेजिंग Hedging	8	604.66	यूएसडी 3 एमएलआईबीओआर USD 3 M LIBOR	स्थायी प्राप्य अस्थायी देय Pay Fixed Receive Floating
आईआरएस IRS	हेजिंग Hedging	4	201.04	यूएसडी 6 एमएलआईबीओआर USD 6 M LIBOR	स्थायी प्राप्य अस्थायी देय Pay Fixed Receive Floating
आईआरएस IRS	हेजिंग Hedging	9	5595.88	यूएसडी 6 एमएलआईबीओआर USD 6 M LIBOR	स्थायी प्राप्य अस्थायी देय Receive Fixed Pay Floating
			26,509.49		

31 मार्च, 2017 को वायदा दर समझौता और ब्याज दर स्वैप की प्रवृत्ति एवं शर्तें निम्न अनुसार हैं:

Nature and terms of Forward Rate Agreements and interest rate swaps as on 31st March 2017 are given below:

लिखत Instruments	प्रकार Nature	संख्या Nos	अनुमानित मूलधन Notional Principal	बेंचमार्क Benchmark	शर्तें Terms
आईआरएस IRS	हेजिंग Hedging	2	102.72	ईयूआर 6 एम एलआईबीओआर EUR 6 M LIBOR	स्थायी प्राप्त अस्थायी देय Receive Fixed Pay Floating
आईआरएस IRS	ट्रेडिंग Trading	4	175	आईएनबीएमके INBMK	अस्थायी प्राप्य / स्थायी देय Floating Receivable/Fixed Payable
आईआरएस IRS	ट्रेडिंग Trading	2	81.92	एलआईबीओआर LIBOR	स्थायी प्राप्य / अस्थायी देय Fixed Receivable/Floating Payable
आईआरएस IRS	हेजिंग Hedging	3	486.38	एलआईबीओआर LIBOR	स्थायी प्राप्य / अस्थायी देय Fixed Receivable/Floating Payable
आईआरएस IRS	ट्रेडिंग Trading	2	81.92	एलआईबीओआर LIBOR	अस्थायी प्राप्य / स्थायी देय Floating Receivable/Fixed Payable
आईआरएस IRS	ट्रेडिंग Trading	165	5,461.87	एमआईबीओआर MIBOR	स्थायी प्राप्य / अस्थायी देय Fixed Receivable/Floating Payable
आईआरएस IRS	ट्रेडिंग Trading	138	4,927.04	एमआईबीओआर MIBOR	अस्थायी प्राप्य / स्थायी देय Floating Receivable/Fixed Payable
आईआरएस IRS	हेजिंग Hedging	94	2,800.00	एमआईबीओआर MIBOR	अस्थायी प्राप्य स्थायी देय Floating Receivable/Fixed Payable
आईआरएस IRS	ट्रेडिंग Trading	2	50	एमआईएफओआर MIFOR	स्थायी प्राप्य / अस्थायी देय Fixed Receivable/Floating Payable
आईआरएस IRS	हेजिंग Hedging	6	525	एमआईएफओआर MIFOR	स्थायी प्राप्य / अस्थायी देय Fixed Receivable/Floating Payable
आईआरएस IRS	ट्रेडिंग Trading	1	25	एमआईएफओआर MIFOR	अस्थायी प्राप्य / स्थायी देय Floating Receivable/Fixed Payable

सीआईआरएस CIRS	हेजिंग Hedging	2	168.07	3 एम एलआईबीओआर जीबीपी प्राप्त 3 ईयूआर एम एलआईबीओआर भुगतान Receive GBP 3 M LIBOR Pay EUR 3 M LIBOR	अस्थायी देय अस्थायी प्राप्त Pay Floating Receive Floating
सीआईआरएस CIRS	हेजिंग Hedging	1	240.38	3 एम एलआईबीओआर यूएसडी प्राप्त 3 ईयूआर एम एलआईबीओआर भुगतान Receive USD 3 M LIBOR Pay EUR 3 M LIBOR	अस्थायी देय अस्थायी प्राप्त Pay Floating Receive Floating
सीआईआरएस CIRS	हेजिंग Hedging	1	158.37	6 एम एलआईबीओआर यूएसडी प्राप्त 6 ईयूआर एम एलआईबीओआर भुगतान Receive USD 6 M LIBOR Pay EUR 6 M LIBOR	अस्थायी देय अस्थायी प्राप्त Pay Floating Receive Floating
आईआरएस IRS	हेजिंग Hedging	8	483.80	यूएसडी 3 एम एलआईबीओआर USD 3 M LIBOR	अस्थायी देय स्थायी प्राप्त Pay Fixed Receive Floating
आईआरएस IRS	हेजिंग Hedging	14	3202.23	यूएसडी 6 एमएलआईबीओआर USD 6 M LIBOR	अस्थायी देय स्थायी प्राप्त Pay Fixed Receive Floating
आईआरएस IRS	हेजिंग Hedging	16	7111.19	यूएसडी 6 एमएलआईबीओआर USD 6 M LIBOR	अस्थायी देय स्थायी प्राप्त Receive Fixed Pay Floating
			26,080.89		

ए-2.6.2 एक्सचेंज ट्रेडेड ब्याज दर डेरीवेटिव्स

A-2.6.2 Exchange Traded Interest Rate Derivatives

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

क्र. सं. S. No.	विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
(i)	वर्ष के दौरान एक्सचेंज ट्रेडेड ब्याज दर डेरीवेटिव्स की कल्पित मूल राशि (लिखतवार) ए. ब्याज दर फ्यूचर (आईआरएफ) बी. करेंसी फ्यूचर्स सी. ऑप्शन	Notional principal amount of exchange traded interest rate & Currency derivatives undertaken during the year (instrument-wise) A. Interest Rate Future (IRF) B. Currency Futures C. Options	 18786.47 46189.24 2431.66	 17063.65 79375.79 0.00
(ii)	वर्ष के दौरान एक्सचेंज ट्रेडेड ब्याज दर डेरीवेटिव्स की 31 मार्च, 2017 के अनुसार (लिखतवार) बकाया कल्पित मूल राशि ए. ब्याज दर फ्यूचर (आईआरएफ) बी. करेंसी फ्यूचर्स सी. ऑप्शन	Notional principal amount of exchange traded interest rate & Currency derivatives outstanding as on 31st March 2017 (instrument-wise) A. Interest Rate Future (IRF) B. Currency Futures C. Option	 0.00 0.00 127.48	 92.04 0.00 0.00
(iii)	एक्सचेंज ट्रेडेड ब्याज दर डेरीवेटिव्स की बकाया कल्पित मूल राशि तथा जो ''अत्यधिक प्रभावी'' न हो (लिखतवार)	Notional principal amount of exchange traded interest rate & Currency derivatives outstanding and not "highly effective" (instrument-wise)	शून्य NIL	शून्य NIL
(iv)	बकाया एक्सचेंज ट्रेडेड ब्याज दर डेरीवेटिव्स का मार्क-टू-मार्केट मूल्य तथा जो ''अत्यधिक प्रभावी'' न हो (लिखतवार)	Mark-to-market (MTM) value of exchange traded interest rate & Currency derivatives outstanding and not "highly effective" (instrument-wise)	शून्य NIL	शून्य NIL

ए-2.6.3 डेरीवेटिव्स में जोखिम एक्सपोजर का प्रकटीकरण

(i) गुणात्मक प्रकटीकरण

बैंक के तुलन-पत्र में न आने वाले नीति में डेरीवेटिव्स लेन-देन के कार्यों के लिए सभी प्रकार की वित्तीय डेरीवेटिव्स लिखतों के प्रकार, विस्तार एवं उपयोग, अनुमोदन प्रक्रिया तथा ओपन पोजीशन लिमिट, स्टॉप लॉस लिमिट तथा काउन्टर पार्टी एक्सपोजर लिमिट जैसी सीमाएं निर्धारित की गयी हैं.

A-2.6.3 Disclosures on risk exposure in derivatives

(i) Qualitative Disclosure

The Off Balance Sheet Policy of the bank lays down the types of financial derivative instruments, scope of usages, approval procedures and the limits like open position limits, stop loss limits and counter party exposure limits for undertaking

बैंक अपने तुलन-पत्र में दर्शाए गए अथवा दर्शाए न गए जोखिमों की हेजिंग के लिए तथा बाज़ार आधार तैयार करने के लिए वित्तीय डेरीवेटिव्स लेन-देनों का उपयोग करता है. मूलतः ये उत्पाद, जोखिम के प्रति बचाव व्यवस्था, लागत कम करने तथा ऐसे लेन देनों में प्रतिफल बढ़ाने एवं प्रोपराइटरी ट्रेडिंग के लिए उपयोग में लाए जाते हैं.

बैंक में जिन जोखिमों की सम्भावना बनी रहती है, वे हैं : ऋण जोखिम, बाजार जोखिम, देशीय जोखिम और परिचालन जोखिम. बैंक में जोखिम प्रबंधन नीतियां (बैंक के निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित) हैं, जो एमटीएम जोखिम पर कीमत, (वीएआर) तथा पीवी01 के माध्यम से नियमित आधार पर व्यापार बही में लेन-देनों की वित्तीय जोखिमों के आकलन तथा उचित जोखिम सीमाएं तय करने के लिए तैयार की गयी हैं. इनकी बैंक के जोखिम प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर विश्वसनीय एवं अद्यतन प्रबंधन सूचना प्रणालियों द्वारा निगरानी की जाती है तथा इस बारे में बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता वाली निदेशकों की जोखिम प्रबंधन समिति को अवगत कराया जाता है.

लेन-देनों की काउंटर पार्टियां, बैंक तथा कार्पोरेट प्रतिष्ठान हैं. अनुमोदित एक्सपोजर सीमाओं के अंतर्गत व्यवहार किए जाते हैं. डेरीवेटिव्स उत्पादों पर ऋण जोखिम आकलित करने के लिए बैंक ने भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित मौजूदा एक्सपोजर पद्धति को अपनाया है, जिसके अनुसार बैंक कुल प्रतिस्थापन लागत का योग, (सभी संविदाओं को सकारात्मक मूल्य सहित मार्क-टू-मार्केट द्वारा प्राप्त करने अर्थात् जब बैंक को काउंटर पार्टी से धन प्राप्त करना है) तथा ऋण जोखिम में भविष्य में होने वाले संभाव्य परिवर्तनों की राशि, जिसकी गणना संविदा की कुल कल्पित मूल राशि शेष परिपक्वता के अनुसार संबंधित ऋण रुपांतरण घटकों के साथ गुणा करके परिकलित की जाती है, निम्नानुसार है :-

कल्पित मूल राशि पर लागू किया जाने वाला रुपांतरण घटक

derivative transaction. The bank uses financial derivative transactions for hedging, its on or off balance sheet exposures as well as for market making. Basically, these products are used for hedging risk, reducing cost and increasing the yield in such transactions and for proprietary trading.

The types of risk to which the bank is exposed to are credit risk, market risk, country risk and operational risk, The Bank has risk management policies (approved by Board of Directors of the Bank), which is designed to measure the financial risks for transactions in the trading book on a regular basis, by way of MTM, Value at Risk (VaR) and PV01, and to set appropriate risk limits. These are monitored by means of reliable and up to date Management Information Systems by the Risk Management Department of the Bank from time to time who, in turn, appraises the risk profile to the Risk management Committee of Directors, which is presided over by the Bank's Managing Director.

The counter parties to the transactions are banks and corporate entities. The deals are done under approved exposure limits. The bank has adopted the current exposure method prescribed by Reserve Bank of India for measuring Credit Exposure on Derivative products as per which the bank sums the total replacement cost (obtained by mark to market of all its contracts with positive value i.e. when the bank has to receive money from the counter party) and an amount for potential future changes in credit exposure calculated on the basis of the total notional principal amount of the contract multiplied by the relevant credit conversion factors according to the residual maturity as detailed herein under:

Conversion factor to be applied on notional principal amount

अवशिष्ट परिपक्वता	Residual Maturity	ब्याज दर संविदा Interest Rate Contract	विनिमय दर संविदा Exchange Rate Contract
एक वर्ष से कम	Less than one year	0.50%	2.00%
एक वर्ष से पांच वर्ष	One year to five year	1.00%	10.00%
पांच वर्ष से अधिक	Over five years	3.00%	15.00%

हेज तथा गैर-हेज (ट्रेडिंग) लेन-देनों को अलग से दर्ज किया जाता है. हेजिंग डेरिवेटिव्स उपचय आधार पर हिसाब में लिए जाते हैं. ट्रेडिंग डेरिवेटिव्स पोजिशन (एमटीएम) को मार्क किया जाता है और परिणामस्वरुप लाभ एवं हानि खाते में यदि कोई हानि हो, हिसाब में लिया जाता है. लाभ, यदि कोई हो, नहीं माना जाता है. ब्याज दर स्वैप्स से संबंधित आय और व्यय निपटान की तारीख पर हिसाब में लिए जाते हैं. ट्रेडिंग स्वैप के समाप्त होने पर लाभ /हानि समाप्ति की तारीख पर आय /व्यय के रुप में दर्ज किए जाते हैं.

The hedge/non-hedge (market making) transactions are recorded separately. In cases where the underlying is not subject to mark to market the hedging derivatives are accounted for on an accrual basis. Trading derivative positions are marked-to-market (MTM) and the resulting losses, if any, are recognized in the Profit and Loss Account. Profit, if any is not recognized. Income and Expenditure relating to interest rate swaps are recognized on the settlement date. Gains/ losses on termination of the trading swaps are recorded on the termination date as income/expenditure.

(ii) मात्रात्मक प्रकटीकरण

(ii) Quantitative Disclosures

(₹ करोड़ में / ₹ *in Crores*)

क्र. सं. S. No.	विवरण	Particular	चालू वर्ष Current Year		पिछला वर्ष Previous Year	
			करेंसी डेरिवेटिव्स Currency Derivatives	ब्याज दर डेरिवेटिव्स Interest rate Derivatives	करेंसी डेरिवेटिव्स Currency Derivatives	ब्याज दर डेरिवेटिव्स Interest rate Derivatives
(i)	डेरिवेटिव्स (कल्पित मूल राशि)	Derivatives (Notional Principal Amount)				
	ए) हेजिंग के लिए	a) For hedging	1885.07	11937.39	566.82	14224.94
	बी) ट्रेडिंग के लिए	b) For trading	6378.68	12687.03	827.12	11381.17
(ii)	मार्क्ड टू मार्केट स्थितियां	Marked to Market Positions				
	ए) आस्तियां (+)	a) Asset (+)	118.37	112.87	83.53	155.37
	बी) देयताएं (-)	b) Liability (-)	-58.26	-153.72	-35.57	-88.78
(iii)	ऋण जोखिम	Credit Exposure	252.72	351.94	145.16	363.74
(iv)	ब्याज दर में एक प्रतिशत होने वाले परिवर्तन का संभावित प्रभाव (100*पीवी01)	Likely impact of one percentage change in interest rate (100*PV01)				
	ए) हेजिंग डेरिवेटिव्स पर	a) on hedging derivatives	18.39	-65.73	2.56	208.02
	बी) ट्रेडिंग डेरिवेटिव्स पर	b) on trading derivatives	0.00	2.70	0.00	7.16
(v)	वर्ष के दौरान पाए गए न्यूनतम तथा अधिकतम 100*पीवी01	Maximum and Minimum of 100*PV01 observed during the year				
	ए) हेजिंग पर	a) on hedging	21.97 & -0.83	80.34 & -29.27	0 & 0	175.05 & -4.53
	बी) ट्रेडिंग पर	b) on trading	0 & 0	33.52 & 0.05	2.37 & 0	33.69 & 0.30

ए-2.6.4 ऋण चूक स्वैप (सीडीएस)

मूल्यांकन प्रणाली- सीडीएस पर भारतीय रिज़र्व बैंक के दिनांक 23.05.2011 के दिशा-निर्देशों के अनुसार बैंकों को अपनी सीडीएस संविदाओ के मूल्यांकन हेतु एफआईएमएमडीए द्वारा प्रकाशित दैनिक सीडीएस कर्व अथवा इससे अधिक संरक्षित मूल्यांकन होने पर किसी अन्य स्वामित्व मॉडल का उपयोग करना आवश्यक है. अपनी सीडीएस स्थितियों के मूल्यांकन के लिए हमारा बैंक एफआईएमएमडीए कर्व का ही उपयोग करता है, सीडीएस मूल्यांकन के लिए बैंक किसी आंतरिक स्वामित्व मॉडल का उपयोग नहीं करता है. यद्यपि दि. 31 मार्च 2018 को हमारा कोई सीडीएस डील बकाया नही है.

A.2.6.4 Credit Default Swaps (CDS)

Valuation Methodology- As per RBI guidelines on CDS dated 23rd May, 2011 the banks are required to value their CDS contracts by using daily CDS curve published by FIMMDA Or any other proprietary model if it results in a more conservative valuation. The Bank uses the FIMMDA curve for valuing our CDS positions, The Bank do not use any internal proprietary model for CDS valuation. However, the Bank do not have any CDS deal outstanding as of 31st March 2018

ए-2.7 आस्ति गुणवत्ता

A-2.7 Asset Quality

ए-2.7.1 अनर्जक आस्तियां

A-2.7.1 Non Performing Assets

ए. अनर्जक आस्तियों का संचलन

A. Movement of NPAs

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
सकल एनपीए (प्रारंभिक शेष)	Gross NPAs (Opening Balance)	42718.70	40521.04
वर्ष के दौरान जुड़े (नए एनपीए)	Additions (Fresh NPAs) during the year	24152.34	13311.63
उप जोड़ (ए)	Sub-total (A) .	66871.04	53832.67
घटाएं :	Less:-		
(i) अपग्रेडेशन	(i) Up-gradations	1025.74	2510.68

	(ii) वसूलियां (अपग्रेड किए गए खातों से हुई वसूलियों को छोड़कर)	(ii)	Recoveries (excluding recoveries made from upgraded accounts)	4416.73	4087.72
	(iii) बट्टे खाते डाली गयी राशि (विनिमय अंतर को शामिल करके)	(iii)	Write-offs (including exchange differences)	4948.19	4515.57
	उप-योग (बी)		Sub-total (B)	10390.66	11113.97
	सकल एनपीए (अंतिम शेष) (ए-बी)		Gross NPAs (Closing Balance) (A-B)	56480.38	42718.70

बी. अनर्जक आस्तियां

B. Non-Performing Assets

(₹ करोड़ में / ₹ *in Crores*)

	विवरण		Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
(i)	निवल अग्रिमों में निवल एनपीए (%)	(i)	Net NPAs to Net Advances (%)	5.49	4.72
(ii)	एनपीए का संचलन (सकल)	(ii)	Movement of NPAs (Gross)		
	(ए) प्रारंभिक शेष		(a) Opening balance	42718.70	40521.04
	(बी) वर्ष के दौरान परिवर्धन		(b) Additions during the year	24152.34	13311.63
	(सी) वर्ष के दौरान घटाए गए		(c) Reductions during the year	10390.66	11113.97
	(डी) अंतिम शेष		(d) Closing balance	56480.38	42718.70
(iii)	निवल एनपीए का संचलन	(iii)	Movement of Net NPAs		
	(ए) प्रारंभिक शेष		(a) Opening balance	18080.18	19406.46
	(बी) वर्ष के दौरान परिवर्धन		(b) Additions during the year	9887.33	9619.24
	(सी) वर्ष के दौरान घटाए गए		(c) Reductions during the year	4484.86	10945.52
	(डी) अंतिम शेष		(d) Closing balance	23482.65	18080.18
(iv)	एनपीए हेतु प्रावधान का संचलन (मानक आस्तियों पर प्रावधान को छोड़कर)	(iv)	Movement of provisions for NPAs (excluding provisions on standard assets)		
	(ए) प्रारंभिक शेष		(a) Opening balance	24638.52	21114.58
	(बी) वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान		(b) Provisions made during the year	14265.01	8460.70
	(सी) तकनीकी/विवेक सम्मत अपलिखित		(c) Technical / Prudential write offs	5905.57	4936.76
	(डी) अपलिखित राशि (उपरोक्त के अलावा)		(d) Write off (Other than above)	0.00	0.00
	(ई) अंतिम शेष		(e) Closing balance	**32997.76**	**24638.52**
(v)	तकनीकी अपलिखितों का संचलन	(v)	Movement of Technical Write offs		
	तकनीकी/विवेकसम्मत अपलिखित की गयी राशियों का प्रारंभिक शेष		Opening Balance of Technical / Prudential written-off account	11790.89	8132.15
	जोडें : वर्ष के दौरान तकनीकी/विवेकसम्मत अपलिखित राशि		Add : Technical / Prudential write-of during the year	4282.43	4118.37
	उप योग (ए)		Sub Total (A)	16073.32	12250.52
	घटाएं : वर्ष के दौरान तकनीकी/विवेकसम्मत अपलिखित राशियों की वसूली (बी)		Less : Recoveries made from previously technical / prudential written off accounts during the year (B)	945.03	459.63
	अन्तिम शेष (ए-बी)		Closing Balance (A-B)	15128.29	11790.89

सी. क्षेत्रवार एनपीए

C. Sector-wise NPAs

क्रमांक S. No.	क्षेत्र Sector	क्षेत्र में कुल अग्रिमों में एनपीए का प्रतिशत Percentage of NPAs to Total Advances in that sector	
		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
1	कृषि एवं सम्बद्ध गतिविधियां	Agriculture & allied activities	12.67	11.26
2	उद्योग (सूक्ष्म एवं लघु, मध्यम एवं बड़े)	Industry (Micro & small, Medium and Large)	23.92	19.84
3	सेवाएं	Services	12.12	3.96
4	वैयक्तिक ऋण	Personal Loans	1.56	4.04

डी. विदेशी आस्तियां, एनपीए तथा राजस्व

D. Overseas Assets, NPAs and Revenue

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
कुल आस्तियां	Total Assets	166712.61	202474.79
कुल एन पी ए	Total NPAs	8291.05	9033.58
कुल राजस्व	Total Revenue	4963.13	5170.45

ई. भारतीय रिज़र्व बैंक के पत्र क्रमांक डीबीआर.बीपी.बीसी नं 53 / 21.04.018 / 2016-17 दिनांक 18 अप्रैल 2017 के अनुसार यदि कर के पश्चात घोषित निवल आय से भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा मूल्यांकित अतिरिक्त प्रावधान की आवश्यकता 15% से अधिक हो या संदर्भ अवधि के दौरान घोषित बढ़े हुए सकल एनपीए में भारतीय रिज़र्व बैंक के द्वारा चिन्हित सकल एनपीए में 15% की वृद्धि हो तो बैंकों को आस्ति गुणवत्ता तथा प्रावधानों के अंतर के प्रकटीकरण करने की आवश्यकता होगी.

वर्ष के दौरान वित्तीय वर्ष 2016-17 के संदर्भ में भारतीय रिज़र्व बैंक ने विचलनों का मूल्यांकन किया. मानक ऋणों को गैर-निष्पादक आस्तियों में पुनर्वर्गीकरण तथा ₹ 42,718.17 करोड़ के एनपीए का पुनर्वर्गीकरण एवं मौजूदा एनपीए के अल्प प्रावधान के संदर्भ में किया गया अतिरिक्त प्रावधान जिसकी निवल कर की राशि ₹ 429.95 करोड़ (कर से पूर्व ₹ 657.50 करोड़) को जोड़ा गया है. इन विचलनों के विवरण निम्नानुसार हैं:

E. As per the RBI letter DBR.BP.BC.No.53/21.04.018/2016-17 dated April 18, 2017 banks are required to disclose the divergence in the asset classification and provisioning if the additional provisioning requirements assessed by RBI exceeds 15% of published net profit after tax or additional Gross NPAs identified by RBI exceed 15% of published incremental Gross NPA during reference period.

During the year, RBI has assessed divergence in respect of financial year 2016-17. Reclassification of standard loans as Non-Performing and reclassification of NPAs amounting to ₹ 42,718.71 crore and additional provision on account of short provisions on existing NPAs net of tax amounting to ₹ 429.95 crore (Before tax ₹ 657.50 crores) have been annexed. Details of such divergences are as below:

(₹ हजार में / ₹ in Thousands)

क्रमांक S. No.	विवरण Particulars	राशि Amounts
1.	बैंक के द्वारा 31 मार्च 2017 को रिपोर्ट किए गए सकल एनपीए Gross NPAs as on March 31,2017 as reported by the bank	427187069
2.	आरबीआई के द्वारा 31 मार्च 2017 को निर्धारित किया गया सकल एनपीए Gross NPAs as on March 31,2017 as assessed by RBI	456374069
3.	सकल एनपीए में अंतर (2-1) Divergence in Gross NPAs (2-1)	29187000
4.	बैंक के द्वारा 31 मार्च 2017 को रिपोर्ट किया गया निवल एनपीए Net NPAs as on March 31,2017 as reported by the bank	180801822
5.	आरबीआई के द्वारा 31 मार्च 2017 को निर्धारित किया गया निवल एनपीए Net NPAs as on March 31,2017 as assessed by RBI	203413822
6.	निवल एनपीए में अंतर (5-4) Divergence in Net NPAs (5-4)	22612000
7.	बैंक के द्वारा रिपोर्ट किए गए 31 मार्च 2017 तक एनपीए के लिए प्रावधान Provision for NPAs as on March 31,2017 as reported by the bank	246385200
8	आरबीआई के द्वारा निर्धारित किए गए 31 मार्च 2017 तक एनपीए के लिए प्रावधान Provision for NPAs as on March 31,2017 as assessed by RBI	252960200
9	निवल एनपीए में अंतर (8-7) (निवल कर) Divergence in Net NPAs (8-7) (Net of Tax)	6575000
10.	31 मार्च 2017 की समाप्ति तक कर के पश्चात रिपोर्ट किया गया निवल लाभ Reported Net profit after Tax (PAT) for the year ended March 31, 2017	13831300
11.	31 मार्च 2017 की समाप्ति के पश्चात कर के पश्चात समायोजित (अनुमानित) निवल लाभ (पैट) ,प्रावधानों की भिन्नता को अलग रखते हुए Adjusted (notional) Net Profit after Tax (PAT) for the year ended March 31, 2017 after taking into account the divergence in provisioning	9531776

ए.2.7.2. पुनर्गठित अग्रिमों का प्रकटीकरण /A-2.7.2. Disclosure of restructured advances

दिनांक 31.03.2018 तक पुनर्गठित खातों का प्रकटीकरण (वित्तीय वर्ष 2017-18) /Disclosure of Restructured Accounts as on 31.03.2018 (F.Y. 2017-18)

(₹ करोड़ में ₹ in crores)

क्र. सं. S. No.	पुनर्गठन का प्रकार/ Type of Restructuring **आस्ति वर्गीकरण** Assets Classification		सीडीआर कार्यप्रणाली के अधीन Under CDR Mechanisam					एसएमई ऋण पुनर्गठन कार्यप्रणाली के अधीन Under SME Debt Restructuring Mechanism					अन्य Others					कुल Total				
	विवरण Details		मानक Standard	अवमानक Sub-standard	संदिग्ध Doubtful	हानि Loss	कुल Total	मानक Standard	अवमानक Sub-standard	संदिग्ध Doubtful	हानि Loss	कुल Total	मानक Standard	अवमानक Sub-standard	संदिग्ध Doubtful	हानि Loss	कुल Total	मानक Standard	अवमानक Sub-standard	संदिग्ध Doubtful	हानि Loss	कुल Total
1	01 अप्रैल 2017 तक पुनर्गठित खाते Restructred Accounts as on April 01, 2017	**ऋणियों की संख्या No. of borrowers**	**18.00**	**3.00**	**18.00**	**2.00**	**41.00**	**829.00**	**136.00**	**4103.00**	**180.00**	**5248.00**	**10970.00**	**863.00**	**17724.00**	**3103.00**	**32660.00**	**11817.00**	**1002.00**	**21845.00**	**3285.00**	**37949.00**
		बकाया राशि Amount outstanding	2025.19	261.33	1612.39	263.90	4162.81	186.57	24.84	1251.53	298.48	1761.42	8550.09	1387.23	8983.96	829.64	19750.92	10761.85	1673.40	11847.88	1392.02	25675.15
		उस पर प्रावधान Provision thereon	91.93	12.35	49.83	0.00	154.11	21.25	2.00	17.65	0.00	40.90	303.85	3.47	53.51	0.00	360.83	417.03	17.82	120.99	0.00	555.84
2	वर्ष के दौरान नए पुनर्गठन Fresh Restructuring during the year	**ऋणियों की संख्या No. of borrowers**	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	7.00	3.00	3.00	5.00	18.00	14.00	5.00	0.00	6.00	25.00	21.00	8.00	3.00	11.00	43.00
		बकाया राशि Amount outstanding	675.31	0.00	35.64	0.00	710.95	32.94	2.91	25.66	1.74	63.25	7885.16	56.27	936.13	10.93	8888.49	8593.41	59.18	997.43	12.67	9662.69
		उस पर प्रावधान Provision thereon	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.08	0.02	0.69	0.00	0.79	0.04	0.03	0.00	0.00	0.07	0.12	0.05	0.69	0.00	0.86

ए.2.7.2. पुनर्गठित अग्रिमों का प्रकटीकरण /A-2.7.2. Disclosure of restructured advances

दिनांक 31.03.2018 तक पुनर्गठित खातों का प्रकटीकरण (वित्तीय वर्ष 2017-18) /Disclosure of Restructured Accounts as on 31.03.2018 (F.Y. 2017-18)

(₹ करोड़ में ₹ in crores)

क्र. सं. S. No.	पुनर्गठन का प्रकार/ Type of Restructuring आस्ति वर्गीकरण Assets Classification		सीडीआर कार्यप्रणाली के अधीन Under CDR Mechanisam					एसएमई ऋण पुनर्गठन कार्यप्रणाली के अधीन Under SME Debt Restructuring Mechanism					अन्य Others					कुल Total				
	विवरण Details		मानक Standard	अवमानक Sub-standard	संदिग्ध Doubtful	हानि Loss	कुल Total	मानक Standard	अवमानक Sub-standard	संदिग्ध Doubtful	हानि Loss	कुल Total	मानक Standard	अवमानक Sub-standard	संदिग्ध Doubtful	हानि Loss	कुल Total	मानक Standard	अवमानक Sub-standard	संदिग्ध Doubtful	हानि Loss	कुल Total
3	वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान पुनर्गठित मानक श्रेणी में अपग्रेडेशन Upgradation to restructured standard category during the FY 2016-17	ऋणियों की संख्या No. of borrowers	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	149.00	-44.00	-98.00	-7.00	0.00	743.00	-225.00	-431.00	-87.00	0.00	892.00	-269.00	-529.00	-94.00	0.00
		बकाया राशि Amount outstanding	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	25.27	-6.24	-18.76	-0.27	0.00	26.53	-11.12	-13.97	-1.44	0.00	51.80	-17.36	-32.73	-1.71	0.00
		उस पर प्रावधान Provision thereon	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.67	-0.32	-0.35	0.00	0.00	1.31	-0.54	-0.77	0.00	0.00	1.98	-0.86	-1.12	0.00	0.00
4	पुनर्गठित मानक खाते जिसने अत्यधिक प्रावधानों को स्थगित कर दिया है और / या वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर अत्यधिक जोखिम धारित किया है तथा इस कारण से अगले वित्तीय वर्ष के आरंभ से इन्हें पुनर्गठित मानक अग्रिमों में दर्शाना अपेक्षित नहीं है. Restructred standard advances which ceased to attract higher provisioning and / or additional risk weight at the end of the FY and hence need not be shown as restructured standard advances at the beginning of the next FY	ऋणियों की संख्या No. of borrowers	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
		बकाया राशि Amount outstanding	-594.53	0.00	0.00	0.00	-594.53	-29.43	0.00	0.00	0.00	-29.43	-704.27	0.00	0.00	0.00	-704.27	-1328.23	0.00	0.00	0.00	-1328.23
		उस पर प्रावधान Provision thereon	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00

ए.2.7.2. पुनर्गठित अग्रिमों का प्रकटीकरण /A-2.7.2. Disclosure of restructured advances

दिनांक 31.03.2018 तक पुनर्गठित खातों का प्रकटीकरण (वित्तीय वर्ष 2017-18) /Disclosure of Restructured Accounts as on 31.03.2018 (F.Y. 2017-18)

(₹ करोड़ में ₹ in crores)

क्र. सं. S. No.	पुनर्गठन का प्रकार/ Type of Restructuring आस्ति वर्गीकरण Assets Classification		सीडीआर कार्यप्रणाली के अधीन Under CDR Mechanisam					एसएमई ऋण पुनर्गठन कार्यप्रणाली के अधीन Under SME Debt Restructuring Mechanism					अन्य Others					कुल Total				
	विवरण Details		मानक Standard	अवमानक Sub-standard	संदिग्ध Doubtful	हानि Loss	कुल Total	मानक Standard	अवमानक Sub-standard	संदिग्ध Doubtful	हानि Loss	कुल Total	मानक Standard	अवमानक Sub-standard	संदिग्ध Doubtful	हानि Loss	कुल Total	मानक Standard	अवमानक Sub-standard	संदिग्ध Doubtful	हानि Loss	कुल Total
5	वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान पुनर्गठित खातों का डाउनग्रेडेशन Downgradation of restructured accounts during the FY 2017-18	ऋणियों की संख्या No. of borrowers	-6.00	-3.00	6.00	1.00	-2.00	-158.00	19.00	108.00	31.00	0.00	-1919.00	233.00	1543.00	145.00	2.00	-2083.00	249.00	1657.00	177.00	0.00
		बकाया राशि Amount outstanding	-1239.26	-247.68	989.77	324.59	-172.58	-62.24	24.94	28.42	8.88	0.00	-6498.34	3772.59	2781.17	117.16	172.58	-7799.84	3549.85	3799.36	450.63	0.00
		उस पर प्रावधान Provision thereon	-7.96	0.00	7.96	0.00	0.00	-0.68	0.17	0.51	0.00	0.00	-8.14	3.84	4.30	0.00	0.00	-16.78	4.01	12.77	0.00	0.00
6	वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान पुनर्गठित खातों को बट्टे खाते डाला गया Write off of restructured accounts during the FY 2017-18	ऋणियों की संख्या No. of borrowers	-1.00	0.00	-12.00	0.00	-13.00	-427.00	-86.00	-2348.00	1314.00	-1547.00	-6270.00	-609.00	-3486.00	-142.00	-10507.00	-6698.00	-695.00	-5846.00	1172.00	-12067.00
		बकाया राशि Amount outstanding	-675.31	-13.65	-856.96	0.00	-1545.92	-56.52	-20.94	-507.35	-31.85	-616.66	-4049.94	-1370.97	-648.11	-5.60	-6074.62	-4781.77	-1405.56	-2012.42	-37.45	-8237.20
		उस पर प्रावधान Provision thereon	-35.00	-12.35	-48.43	0.00	-95.78	-13.22	-1.58	-13.29	0.00	-28.09	-45.02	1.00	-1.18	0.00	-45.20	-93.24	-12.93	-62.90	0.00	-169.07
7	31 मार्च 2018 तक पुनर्गठित खाते Restructured accounts as on March 31, 2018	ऋणियों की संख्या No. of borrowers	11.00	0.00	12.00	3.00	26.00	400.00	28.00	1768.00	1523.00	3719.00	3538.00	267.00	15350.00	3025.00	22180.00	3949.00	295.00	17130.00	4551.00	25925.00
		बकाया राशि Amount outstanding	191.40	0.00	1780.84	588.49	2560.73	96.59	25.51	779.50	276.98	1178.58	5209.23	3834.00	12039.18	950.69	22033.10	5497.22	3859.51	14599.52	1816.16	25772.40
		उस पर प्रावधान Provision thereon	48.97	0.00	9.36	0.00	58.33	8.10	0.29	5.21	0.00	13.60	252.04	7.80	55.86	0.00	315.70	309.11	8.09	70.43	0.00	387.63

ए- 2.7.2. पुनर्गठित खातों का प्रकटीकरण (वित्तीय वर्ष 2016-17) / A-2.7.2. Disclosure of Restructured Accounts F Y (2016-17)

(₹ करोड़ में ₹ in crores)

क्र. सं. S. No.	पुनर्गठन का प्रकार/ Type of Restructuring आस्ति वर्गीकरण Assets Classification		सीडीआर कार्यप्रणाली के अधीन Under CDR Mechanisam					एसएमई ऋण पुनर्निधारण के अधीन Under SME Debt Restructuring Mechanism					अन्य Others					कुल Total				
	विवरण Details		मानक Standard	अवमानक Sub-standard	संदिग्ध Doubtful	हानि Loss	कुल Total	मानक Standard	अवमानक Sub-standard	संदिग्ध Doubtful	हानि Loss	कुल Total	मानक Standard	अवमानक Sub-standard	संदिग्ध Doubtful	हानि Loss	कुल Total	मानक Standard	अवमानक Sub-standard	संदिग्ध Doubtful	हानि Loss	कुल Total
1	01 अप्रैल 2016 तक पुनर्गठित खाते Restructred Accounts as on April 01, 2016	**ऋणियों की संख्या No. of borrowers**	38.00	2.00	33.00	2.00	75.00	1723.00	104.00	4785.00	60.00	6672.00	19403.00	541.00	18154.00	2703.00	40801.00	21164.00	647.00	22972.00	2765.00	47548.00
		बकाया राशि Amount outstanding	3319.61	183.64	3900.29	99.56	7503.10	750.47	188.33	1537.47	8.46	2484.73	9693.38	230.46	8266.04	860.09	19049.97	13763.46	602.43	13703.80	968.11	29037.80
		उस पर प्रावधान Provision thereon	205.60	1.75	95.73	0.00	303.08	21.06	0.55	25.77	0.00	47.38	405.83	2.65	131.50	0.00	539.98	632.49	4.95	253.00	0.00	890.44
2	वर्ष के दौरान नए पुनर्गठन Fresh Restructuring during the year	**ऋणियों की संख्या No. of borrowers**	13.00	3.00	3.00	0.00	19.00	379.00	126.00	754.00	36.00	1295.00	5620.00	760.00	3435.00	481.00	10296.00	6012.00	889.00	4192.00	517.00	11610.00
		बकाया राशि Amount outstanding	120.20	51.04	9.28	0.00	180.52	18.23	15.89	8.79	1.31	44.22	3138.76	75.99	757.74	615.45	4587.94	3277.19	142.92	775.81	616.76	4812.68
		उस पर प्रावधान Provision thereon	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1.28	1.45	0.00	0.00	2.73	0.00	0.06	0.00	0.00	0.06	1.28	1.51	0.00	0.00	2.79
3	वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान पुनर्गठित मानक श्रेणी में अपग्रेडेशन Upgradation to restructured standard category during the FY 2016-17	**ऋणियों की संख्या No. of borrowers**	1.00	0.00	-1.00	0.00	0.00	192.00	-20.00	-169.00	-3.00	0.00	1446.00	-82.00	-1275.00	-89.00	0.00	1639.00	-102.00	-1445.00	-92.00	0.00
		बकाया राशि Amount outstanding	628.51	0.00	-628.51	0.00	0.00	25.99	-10.49	-15.42	-0.08	0.00	607.25	-21.82	-583.62	-1.81	0.00	1261.75	-32.31	-1227.55	-1.89	0.00
		उस पर प्रावधान Provision thereon	4.56	0.00	-4.56	0.00	0.00	0.54	0.00	-0.54	0.00	0.00	14.96	-1.14	-13.82	0.00	0.00	20.06	-1.14	-18.92	0.00	0.00

ए- 2.7.2. पुनर्गठित खातों का प्रकटीकरण (वित्तीय वर्ष 2016-17) / A-2.7.2. Disclosure of Restructured Accounts F Y (2016-17)

(₹ करोड़ में ₹ in crores)

क्र. सं. S. No.	पुनर्गठन का प्रकार/ Type of Restructuring आस्ति वर्गीकरण Assets Classification		सीडीआर कार्यप्रणाली के अधीन Under CDR Mechanisam					एसएमई ऋण पुनर्निधारण के अधीन Under SME Debt Restructuring Mechanism					अन्य Others					कुल Total				
	विवरण Details		मानक Standard	अवमानक Sub-standard	संदिग्ध Doubtful	हानि Loss	कुल Total	मानक Standard	अवमानक Sub-standard	संदिग्ध Doubtful	हानि Loss	कुल Total	मानक Standard	अवमानक Sub-standard	संदिग्ध Doubtful	हानि Loss	कुल Total	मानक Standard	अवमानक Sub-standard	संदिग्ध Doubtful	हानि Loss	कुल Total
4	पुनर्गठित मानक खाते जिसने अत्यधिक प्रावधानों को स्थगित कर दिया है और / या वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर अत्यधिक जोखिम धारित किया है तथा इस कारण से अगले वित्तीय वर्ष के आरंभ से इन्हें पुनर्गठित मानक अग्रिमों में दर्शाना अपेक्षित नहीं है. Restructred standard advances which ceased to attract higher provisioning and / or additional risk weight at the end of the FY and hence need not be shown as restructured standard advances at the beginning of the next FY	**ऋणियों की संख्या No. of borrowers**	-10.00	0.00	0.00	0.00	-10.00	-143.00	0.00	0.00	0.00	-143.00	-3190.00	0.00	0.00	0.00	-3190.00	-3343.00	0.00	0.00	0.00	-3343.00
		बकाया राशि Amount outstanding	-1330.76	0.00	0.00	0.00	-1330.76	-147.53	0.00	0.00	0.00	-147.53	-363.97	0.00	0.00	0.00	-363.97	-1842.26	0.00	0.00	0.00	-1842.26
		उस पर प्रावधान Provision thereon	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00

ए- 2.7.2. पुनर्गठित खातों का प्रकटीकरण (वित्तीय वर्ष 2016-17) / A-2.7.2. Disclosure of Restructured Accounts F Y (2016-17)

(₹ करोड़ में ₹ in crores)

क्र. सं. S. No.	पुनर्गठन का प्रकार/ Type of Restructuring		सीडीआर कार्यप्रणाली के अधीन Under CDR Mechanisam					एसएमई ऋण पुनर्निधारण के अधीन Under SME Debt Restructuring Mechanism					अन्य Others					कुल Total				
	आस्ति वर्गीकरण Assets Classification																					
	विवरण Details		मानक Standard	अवमानक Sub-standard	संदिग्ध Doubtful	हानि Loss	कुल Total	मानक Standard	अवमानक Sub-standard	संदिग्ध Doubtful	हानि Loss	कुल Total	मानक Standard	अवमानक Sub-standard	संदिग्ध Doubtful	हानि Loss	कुल Total	मानक Standard	अवमानक Sub-standard	संदिग्ध Doubtful	हानि Loss	कुल Total
5	वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान पुनर्गठित खातों का डाउनग्रेडेशन Downgradation of restructured accounts during the FY 2016-17	**ऋणियों** की संख्या No. of borrowers	-7.00	3.00	3.00	1.00	0.00	-746.00	2.00	699.00	45.00	0.00	-5053.00	91.00	4319.00	641.00	-2.00	-5806.00	96.00	5021.00	687.00	-2.00
		बकाया राशि Amount outstanding	-554.15	261.33	90.59	202.23	0.00	-211.34	-116.97	263.10	65.21	0.00	-2684.85	1489.48	1491.08	246.42	542.13	-3450.34	1633.84	1844.77	513.86	542.13
		उस पर प्रावधान Provision thereon	-16.32	12.35	3.97	0.00	0.00	-1.41	0.00	1.41	0.00	0.00	-19.44	1.90	14.36	0.00	-3.18	-37.17	14.25	19.74	0.00	-3.18
6	वित्तीय वर्ष 2016-17 के दौरान पुनर्गठित खातों को बट्टे खाते डाला गया Write off of restructured accounts during the FY 2016-17	ऋणियों की संख्या No. of borrowers	-17.00	-5.00	-20.00	-1.00	-43.00	-576.00	-76.00	-1966.00	42.00	-2576.00	-7256.00	-447.00	-6909.00	-633.00	-15245.00	-7849.00	-528.00	-8895.00	-592.00	-17864.00
		बकाया राशि Amount outstanding	-158.22	-234.68	-1759.26	-37.89	-2190.05	-249.25	-51.92	-542.41	223.58	-620.00	-1840.48	-386.88	-947.28	-890.51	-4065.15	-2247.95	-673.48	-3248.95	-704.82	-6875.20
		उस पर प्रावधान Provision thereon	-101.91	-1.75	-45.31	0.00	-148.97	-0.22	0.00	-8.99	0.00	-9.21	-97.50	0.00	-78.53	0.00	-176.03	-199.63	-1.75	-132.83	0.00	-334.21
7	31 मार्च 2017 तक पुनर्गठित खाते Restructured accounts as on March 31, 2017	ऋणियों की संख्या No. of borrowers	18.00	3.00	18.00	2.00	41.00	829.00	136.00	4103.00	180.00	5248.00	10970.00	863.00	17724.00	3103.00	32660.00	11817.00	1002.00	21845.00	3285.00	37949.00
		बकाया राशि Amount outstanding	2025.19	261.33	1612.39	263.90	4162.81	186.57	24.84	1251.53	298.48	1761.42	8550.09	1387.23	8983.96	829.64	19750.92	10761.85	1673.40	11847.88	1392.02	25675.15
		उस पर प्रावधान Provision thereon	91.93	12.35	49.83	0.00	154.11	21.25	2.00	17.65	0.00	40.90	303.85	3.47	53.51	0.00	360.83	417.03	17.82	120.99	0.00	555.84

ए-2.7.3. क्षेत्रवार अग्रिम
A-2.7.3. Sector-wise advances

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

क्र. सं. Sl. No.	क्षेत्र Sector	चालू वर्ष Current Year			पिछला वर्ष Previous Year		
		बकाया कुल अग्रिम Outstanding Total Advances	सकल एनपीए Gross NPAs	उस सेक्टर में कुल अग्रिमों में सकल एनपीए का प्रतिशत Percentage of Gross NPAs to Total Advances in that sector	बकाया कुल अग्रिम Outstanding Total Advances	सकल एनपीए Gross NPAs	उस सेक्टर में कुल अग्रिमों में सकल एनपीए का प्रतिशत Percentage of Gross NPAs to Total Advances in that sector
ए A	प्राथमिकता क्षेत्र Priority Sector						
1	कृषि एवं अनुषंगी गतिविधियां Agriculture and allied activities	43937.68	4892.37	11.13	43271.85	5138.60	11.88
2	प्राथमिकता क्षेत्र के अंतर्गत उधार हेतु पात्र औद्योगिक क्षेत्र को अग्रिम Advances to industries sector eligible as priority sector lending	31258.40	3682.70	11.78	23574.80	3656.07	15.51
3	सेवाएं Services	23369.71	2666.44	11.41	31206.49	3775.14	12.10
4	वैयक्तिक ऋण Personal loans	20938.22	689.74	3.29	14377.72	793.73	5.52
	उपजोड़ (ए) Sub – Total (A)	119504.01	11931.25	9.98	112430.86	13363.54	11.89
बी B	गैर प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र Non Priority Sector						
1	कृषि एवं अनुषंगी गतिविधियां Agriculture and allied activities	4608.44	1256.73	27.27	3520.19	128.65	3.65
2	उद्योग Industry	71252.65	20840.59	29.25	75528.32	16012.58	21.20
3	सेवाएं Services	112891.40	13854.20	12.27	105031.85	5374.77	5.12
4	वैयक्तिक ऋण Personal loans	43012.14	306.56	0.71	1244.01	54.97	4.42
	उप-योग (बी) Sub – Total (B)	231764.63	36258.08	15.64	185324.37	21570.97	11.64
	कुल (ए+बी) Total (A+B)	351268.64	48189.33	13.72	297755.22	34934.51	11.73

ए-2.7.4. प्रतिभूतिकरण/पुनर्गठन कम्पनी अथवा आस्ति पुनर्गठन के लिए बेची गयी वित्तीय आस्तियों का विवरण

A-2.7.4. Details of financial assets sold to Securitization/ Reconstruction Company or Asset Reconstruction.

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

	विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
(i)	खातों की संख्या	No. of accounts	-	-
(ii)	एससी/आरसी को बेचे गए खातों का कुल मूल्य (प्रावधानों का नेट)	Aggregate value (net of provisions) of accounts sold to SC/RC	-	-
(iii)	कुल प्रतिफल	Aggregate consideration	-	-
(iv)	प्रारंभिक वर्षों में अंतरित खातों के संबंध में वसूला गया अतिरिक्त प्रतिफल	Additional consideration realized in respect of accounts transferred in earlier years	-	-
(v)	निवल बही मूल्य पर सकल लाभ / (हानि)	Aggregate gain/(loss) over net book value	-	-

ए-2.7.5. प्रतिभूति रसीदों मे निवेशों का ब्यौरा

A – 2.7.5 Details of Investment in Security Receipts

	विवरण	Particulars	पिछले 5 वर्षों में जारी एसआर SRs issued within past 5 years	5 से 8 वर्षों के मध्य जारी एसआर SRs issued more than 5 years ago but within past 8 years	8 वर्षों से अधिक के बाद जारी एसआर SRs issued more than 8 years ago
(i)	अंतर्निहित के रुप में बैंक द्वारा बिक्री किए गए एनपीए द्वारा समर्थित एस आर का बही मूल्य (श्रेणी 1 एसआर	Book Value of SRs backed by NPAs sold by the bank as underlying (Category I SR)	646.15	-	34.37
(ii)	(i) के पेटे प्रावधान	Provision held against (i)	273.20	-	34.37
(iii)	अंतर्निहित के रुप में अन्य बैंकों/ वित्तीय संस्थाओं/गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनीयों द्वारा बिक्री किए गए एनपीए द्वारा समर्थित एसआर का बही मूल्य	Book Value of SRs backed by NPAs sold by other banks / financial institutions / non-banking financial companies as underlying (Category II SR)	-	-	17.70
(iv)	(ii) के पेटे प्रावधान	Provision held against (ii)	-	-	17.70
(v)	कुल (i) + (ii)	Total (i) + (ii)	**372.95**	**-**	**-**

प्रतिभूति रसीदों मे निवेशों के बही मूल्य का ब्यौरा

Details of Book Value of Investments in Security Receipts

विवरण		Particulars		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
1.	अंतर्निहित के रूप में बैंक द्वारा बिक्री किए गए एनपीए द्वारा समर्थित	1.	Backed by NPAs sold by the bank as underlying	698.22	703.47
2.	अंतर्निहित के रुप में अन्य बैंकों / वित्तीय संस्थाओं / गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों द्वारा बिक्री किए गए एनपीए द्वारा समर्थित	2.	Backed by NPAs sold by other banks / financial institutions/ non banking financial companies as underlying		
	कुल / Total			698.22	703.47

ए 2-7.6 खरीदी गयी/ बेची गयी अनर्जक वित्तीय आस्तियों का विवरण:

ए. खरीदी गयी अनर्जक वित्तीय आस्तियों का विवरण:

A-2.7.6. Details of non-performing financial assets purchased/sold

A. Details of non-performing financial assets purchased:

(₹ करोड़ में / ₹ *in Crores*)

विवरण			Particulars			चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
1.	(ए)	वर्ष के दौरान खरीदे गए खातों की संख्या	1.	(a)	No. of accounts purchased during the year	-	-
	(बी)	समग्र बकाया		(b)	Aggregate outstanding	-	-
2.	(ए)	इनमें से वर्ष के दौरान पुनर्गठित खातों की संख्या	2.	(a)	Of these, number of accounts restructured during the year	-	-
	(बी)	समग्र बकाया		(b)	Aggregate outstanding	-	-

बी. बेची गयी अनर्जक वित्तीय आस्तियों का विवरण :

B. Details of non-performing financial assets sold:

(₹ करोड़ में / ₹ *in Crores*)

विवरण		Particulars		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
1.	बेचे गए खातों की संख्या	1.	No. of accounts sold	03	-
2.	समग्र बकाया	2.	Aggregate outstanding	840.29	-
3.	समग्र प्राप्त प्रतिफल	3.	Aggregate consideration received	599.83	-

सी. प्रतिभूतिकरण कंपनियों को बेचे गये अनर्जक खाते

C. Non Performing Accounts sold to Securitization Companies

(₹ करोड़ में / ₹ *in Crores*)

विवरण Particulars	एनपीए के कारण बैंक द्वारा बिक्रय की गयी अन्तर्निहित आस्तियां Backed by NPA sold by the Bank as underlying		एनपीए के कारण अन्य बैंकों/ वित्तीय/ गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों द्वारा बिक्रय की गयी अन्तर्निहित आस्तियां Backed by NPAs sold by Other banks/ financial / non-banking Financial companies underlying		कुल Total	
	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
प्रतिभूति रसीदो में निवेश का बही मूल्य Book Value of Investment in Security Receipts	शून्य NIL	शून्य NIL	शून्य NIL	शून्य NIL	शून्य NIL	शून्य NIL

ए-2.7.7. मानक आस्तियों पर प्रावधान

A-2.7.7. Provisions on Standard Assets

(₹ करोड़ में / ₹ *in Crores*)

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
आरबीआई मानदण्डों के अनुसार मानक आस्तियों के लिए प्रावधान	Provisions towards Standard Assets as per RBI norms	2263.29	3517.67

ए-2.7.8. जमाओं, अग्रिमों, एक्सपोजर तथा एनपीए का संकेन्द्रण

A-2.7.8. Concentration of Deposits, Advances, Exposures and NPAs

(₹ करोड़ में / ₹ *in Crores*)

विवरण		Particulars		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
(ए)	जमाओं का संकेन्द्रण	(a)	Concentration of Deposits		
	बीस सबसे बड़े जमाकर्ताओं की कुल जमाएं		Total Deposits of twenty largest depositors	28688.80	33748.96

	बैंक की कुल जमाओं में बीस सबसे बड़े जमाकर्ताओं की जमाओं का प्रतिशत		Percentage of Deposits of twenty largest depositors to Total Deposits of the bank	4.85%	5.61%
(बी)	अग्रिमों का संकेन्द्रण	(b)	Concentration of Advances		
	बीस सबसे बड़े ऋणियों को दिए गए कुल ऋण		Total Advances to twenty largest borrowers	65525.02	55572.63
	बैंक के कुल अग्रिमों में बीस सबसे बड़े ऋणियों को दिए गए अग्रिमों का प्रतिशत		Percentage of Advances to twenty largest borrowers to Total Advances of the bank	15.33%	13.48%
(सी)	एक्सपोज़र का संकेन्द्रण	(c)	Concentration of Exposures		
	बीस सबसे बड़े ऋणियों / ग्राहकों को कुल एक्सपोज़र		Total Exposure to twenty largest borrowers/customers	91825.31	73301.98
	बीस सबसे बड़े ऋणियों / ग्राहकों को बैंक के कुल एक्सपोज़र का प्रतिशत		Percentage of Exposures to twenty largest borrowers/customers to Total Exposure of the bank on borrowers/customers	13.58%	12.35%
(डी)	एनपीए का संकेन्द्रण	(d)	Concentration of NPAs		
	चार बड़े एनपीए खातों में कुल एक्सपोजर		Total Exposure to top four NPA accounts	7038.87	5446.82
(ई)	प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर)	(e)	Provision Coverage Ratio (PCR)	67.21%	66.83%

ए-2.7.9. इंट्रा ग्रुप एक्स्पोजर

A-2.7.9. Intra Group Exposures

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	Current Year			Previous Year		
		निधि आधारित Fund Based	निवेश आधारित Investment Based	कुल Tota	निधि आधारित Fund Based	निवेश आधारित Investment Based	कुल Tota
इंट्रा ग्रुप एक्स्पोजर की कुल राशि	Total Amount of Intra Group Exposures	399.55	2035.38	2434.93	328.93	1742.15	2071.08
20 सर्वाधिक इंट्रा ग्रुप एक्स्पोजर वाले खाते	Total amount of Top 20 Intra Group Exposures	399.55	2035.38	2434.93	328.93	1742.15	2071.08
ऋण कर्ताओं/ग्राहकों को दिये गये बैंक के कुल एक्स्पोजर में इंट्रा ग्रुप एक्स्पोजर का प्रतिशत	Percentage of intra-group exposures to total exposure of the bank on borrowers / customers	0.09	0.48	0.57	0.09	0.45	0.54
इंट्रा ग्रुप एक्स्पोजर की सीमाओं के उल्लंघन का विवरण तथा उसपर की गयी विनियामक कार्रवाई, यदि कोई हो	Details of breach of limits on intra-group exposures and regulatory action thereon, if any	-	-	-	-	-	-

ए-2.8 व्यावसायिक अनुपात

A-2.8 Business Ratios

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
औसत कार्यशील निधियों के प्रतिशत के रुप में ब्याज आय	Interest Income as a percentage to Average Working Funds	6.35%	6.27%
औसत कार्यशील निधियों के प्रतिशत के रुप में गैर-ब्याज आय	Non-interest income as a Percentage to Average Working Funds	0.97%	1.00%
औसत कार्यशील निधियों के प्रतिशत के रुप में परिचालन लाभ	Operating Profit as a percentage to Average Working Funds	1.75%	1.63%
आस्तियों पर प्रतिफल (%)	Return on Assets (%)	(0.34)%	0.20%
प्रति कर्मचारी व्यवसाय (कोर जमा तथा अग्रिम) (₹ करोड़ में)	Business (Core Deposits plus advances) per employee (₹ in Crores)	17.66	17.49
प्रति कर्मचारी लाभ (₹ करोड़ में)	Profit per employee (₹ in Crores)	(0.04)	0.03

ए-2.9 आस्तियों और देयताओं का प्रबंधन आस्तियों और देयताओं की कुछ मदों का परिपक्वता स्वरुप

A-2.9 Asset Liability Management Maturity pattern of certain items of assets and liabilities

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

		1 दिन 1 Day	2 से 7 दिनों 2 to 7 Days	8 से 14 दिनों 8 to 14 Days	15 से 30 दिनों 15-30 Days	31 दिनों-2 माह 31 Days - 2 Months	2 माह से अधिक - 3 माह Over 2 M - 3 Months	3 माह से अधिक - 6 माह Over 3 M - up to 6M	6 माह से अधिक - 12 माह Over 6 M - up to 12 M	1 वर्ष से अधिक - 3 वर्ष Over 1 Yr - up to 3 years	3 वर्ष से अधिक - 5 वर्ष Over 3 years - Upto 5 years	5 वर्षों से अधिक Over 5 years	कुल Total
जमा-राशियां	Deposits	7,408.95 (8632.95)	17,306.03 (27279.51)	18,765.00 (17755.04)	18,341.03 (27272.18)	27,064.60 (28059.87)	40,762.23 (37383.07)	48,975.25 (59433.47)	87,846.65 (89630.24)	1,67,849.43 (150610.93)	35,496.01 (32437.4)	1,21,499.64 (123180.51)	5,91,314.82 (601675.17)
अग्रिम	Advances	6,715.02 (9930.32)	12,561.30 (7549.48)	7,706.19 (7824.28)	19,563.24 (13962.56)	14,490.87 (11702.71)	22,382.02 (27253.58)	27,308.52 (32004.29)	19,498.89 (27779.29)	1,38,937.55 (119103.93)	51,540.10 (41493.34)	1,06,728.13 (84655.44)	4,27,431.83 (383259.22)
निवेश	Investments	0.00 (72.42)	1,238.57 (1241.03)	251.32 (1086.65)	783.46 (642.69)	808.93 (1248.50)	475.47 (3534.11)	5,693.87 (2628.31)	7,888.89 (5218.08)	22,989.78 (16971.49)	22,070.78 (24563.83)	1,00,983.46 (72423.43)	1,63,184.53 (129630.54)
उधार	Borrowings	840.51 (552.37)	18,630.70 (0.00)	6,500.01 (557.84)	6,055.37 (0.00)	273.74 (2350.69)	715.39 (1023.94)	2,427.29 (971.57)	1,904.97 (1827.75)	13,815.20 (15020.1)	7,203.68 (2711.61)	4,205.11 (5595.57)	62,571.97 (30611.44)
विदेशी मुद्रा आस्तियां	Foreign Currency assets	25,911.23 (23327.21)	7,650.63 (11011.60)	5,356.64 (7597.54)	14,650.92 (18066.65)	23,655.75 (22949.67)	26,411.10 (37187.60)	25,103.14 (31224.97)	15,941.35 (23799.30)	19,923.77 (20622.93)	9,115.45 (7297.76)	6,279.78 (8206.96)	1,79,999.76 (211291.60)
विदेशी मुद्रा देयताएं	Foreign Currency liabilities	7,209.26 (7197.03)	19,293.16 (20260.95)	10,158.32 (9735.03)	15,833.65 (20078.81)	15,850.86 (20146.34)	22,963.83 (20218.29)	20,655.22 (26811.86)	27,317.51 (35254.63)	38,089.12 (28590.05)	9,551.50 (2497.79)	1,042.20 (9523.59)	1,87,964.63 (200314.36)

- कोष्ठक में दिए गए आंकड़े पिछले वर्ष की संख्याएं हैं.
  Figures in bracket denote previous year numbers
- आस्तियों एवं देयताओं का विभाजन '' समूह आस्ति देयता प्रबंधन एवं समूह जोखिम नीति 2017'' के अनुसार किया गया है.
  The distribution of Assets and Liabilities has been done as per the "Group Asset Liability Management Policy 2017" of the Bank
- शुद्ध अग्रिमों की गणना करते समय प्रावधानों एवं अन्य कटौतियों का विभाजन सकल मानक अग्रिमों के अनुपात में किया गया है.
  The Distribution of provisions and other deductions, while arriving at the net advances, has been done in proportion to the gross Standard Advances.

ए-2.10 एक्सपोजर

ए-2.10.1 रियल एस्टेट क्षेत्र में एक्सपोजर

A-2.10 Exposure

A-2.10.1 Exposure to Real Estate Sector

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

श्रेणी	Category	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
ए) प्रत्यक्ष एक्सपोजर	a) Direct exposure		
(i) आवासीय बंधक -	(i) Residential Mortgages –		
आवासीय संपत्ति, जो कर्जदार के स्वामित्व में है / होगी या किराए पर है, को बंधक रखते हुए पूर्ण प्रत्याभूत कर्ज,	Lending fully secured by mortgages on residential property that is or will be occupied by the borrower or that is rented;	44288.27	36021.58
इनमें से प्राथमिकता प्राप्त अग्रिमों में शामिल करने हेतु पात्र व्यक्तिगत आवास ऋण	Of which Individual housing loans eligible for inclusion in priority sector	(18616.53)	(14540.81)
(ii) वाणिज्यिक रियल एस्टेट -	(ii) Commercial Real Estate –		
वाणिज्यिक रियल एस्टेट पर बंधक द्वारा प्रत्याभूत कर्ज (कार्यालय भवन, रिटेल स्पेस, बहु-उद्देशीय वाणिज्यिक परिसर, बहुपरिवार आवासीय भवन, बहु किराएदार कमर्शियल परिसर, औद्योगिक या वेयर हाउस स्पेस, होटल, जमीन अधिग्रहण, विकास तथा निर्माण कार्य आदि). एक्सपोज़र में गैर निधि आधारित (एनएफबी) सीमाएं शामिल हो सकती हैं.	Lending secured by mortgages on commercial real estate's (office buildings, retail space, multi-purpose commercial premises, multi-family residential buildings, multi-tenanted commercial premises, industrial or warehouse space, hotels, land acquisition, development and construction, etc.). Exposure would also include non-fund based (NFB) limits;	7139.82	8786.49

(iii)	बंधक युक्त प्रतिभूतियों (एम बी एस) में निवेश तथा अन्य प्रतिभूतित एक्सपोजर	(iii)	Investments in Mortgage Backed Securities (MBS) and other securitised exposures –		
	ए आवासीय		a. Residential	0.00	0.58
	बी वाणिज्यिक रियल एस्टेट		b. Commercial Real Estate	0.00	0.00
बी.	अप्रत्यक्ष एक्सोपजर	b.	Indirect Exposure		
निधि आधारित तथा गैर-निधि आधारित एक्सपोजर		Fund based and non-fund based exposures			
(i)	नैशनल हाउसिंग बैंक (एनएचबी)	(i)	National Housing Bank (NHB)	2.89	2.79
(ii)	आवास वित्त कंपनियां (एचएफसी)	(ii)	Housing Finance Companies (HFCs)	5704.30	3286.63
रियल एस्टेट क्षेत्र में कुल एक्सपोजर		**Total Exposure to Real Estate Sector**		**57135.28**	**48098.07**

ए-2.10.2 पूंजी बाजार एक्सपोजर

A-2.10.2 Exposure to Capital Market

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण		Particulars		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
(i)	इक्विटी शेयर्स, परिवर्तनीय बॉण्डों, परिवर्तनीय डिबेंचरों तथा इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड की यूनिटों, जिनके कॉरपस कार्पोरेट ऋण में अलग से निवेश नहीं किए गए हों, में प्रत्यक्ष निवेश.	(i)	Direct investment in equity shares, convertible bonds, convertible debentures and units of equity-oriented mutual funds the corpus of which is not exclusively invested in corporate debt;	1106.57	1108.98
(ii)	शेयरों/बॉण्डों/डिबेंचरों अथवा अन्य प्रतिभूतियों की एवज़ में अग्रिम अथवा शेयरों (आईपीओ/ईएसओपी), परिवर्तनशील बॉण्डों, परिवर्तनशील डिबेंचरों तथा इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड की यूनिटों में निवेश के लिए व्यक्तियों को निर्बंध आधार पर दिए गए अग्रिम.	(ii)	Advances against shares/bonds/ debentures or other securities or on clean basis to individuals for investment in shares (including IPOs/ESOPs), convertible bonds, convertible debentures, and units of equity-oriented mutual funds;	7.72	10.80
(iii)	किन्हीं अन्य ऐसे उद्देश्यों के लिए अग्रिम जहां शेयरों अथवा परिवर्तनीय बॉण्डों अथवा परिवर्तनीय डिबेंचरों अथवा इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड की यूनिटों को प्राथमिक प्रतिभूति के रुप में लिया गया है.	(iii)	Advances for any other purposes where shares or convertible bonds or convertible debentures or units of equity oriented mutual funds are taken as primary security;	0.00	0.00
(iv)	किन्हीं अन्य ऐसे उद्देश्यों के लिए उस सीमा तक अग्रिम, जो कि शेयरों, परिवर्तनशील बॉण्डों अथवा परिवर्तनीय डिबेंचरों अथवा इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड की यूनिटों की संपार्श्विक प्रतिभूति से संरक्षित है; अर्थात जहां कि शेयरों/परिवर्तनीय बॉण्डों/परिवर्तनीय डिबेंचरों/इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंडों के अलावा ली गयी प्राथमिक प्रतिभूति पूरी तरह से अग्रिमों को कवर नहीं कर पायी है.	(iv)	Advances for any other purposes to the extent secured by the collateral security of shares or convertible bonds or convertible debentures or units of equity oriented mutual funds i.e. where the primary security other than shares/convertible bonds/convertible debentures/units of equity oriented mutual funds does not fully cover the advances;	1450.15	906.96
(v)	स्टॉक ब्रोकरों को जमानती तथा गैर जमानती अग्रिम तथा स्टॉक ब्रोकरों तथा मार्केट मेकर की ओर से जारी गारंटियां.	(v)	Secured and unsecured advances to stockbrokers and guarantees issued on behalf of stockbrokers and market makers;	2.36	2.74
(vi)	कार्पोरेट को शेयरों/बॉण्डों/डिबेंचरों अथवा अन्य प्रतिभूतियों अथवा अपने संसाधनों के बढ़ने की प्रत्याशा में नयी कंपनियों की इक्विटी को प्रोमोटर के अंशदान के लिए निर्बंध आधार पर स्वीकृत किए गए अग्रिम.	(vi)	Loans sanctioned to corporates against the security of shares / bonds/debentures or other securities or on clean basis for meeting promoter's contribution to the equity of new companies in anticipation of raising resources;	0.00	0.00
(vii)	संभावित इक्विटी प्रवाह/निर्गमों की एवज में कंपनियों को पूरक (ब्रिज) ऋण.	(vii)	Bridge loans to companies against expected equity flows/issues;	349.85	127.08
(viii)	शेयरों अथवा परिवर्तनीय बॉण्डों/डिबेंचरों अथवा इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड के प्राथमिक मुद्दों के बारे में बैंकों द्वारा की गयी हामीदारी प्रतिबद्धताएं.	(viii)	Underwriting commitments taken up by the banks in respect of primary issue of shares or convertible bonds or convertible debentures or units of equity oriented mutual funds;	0.00	0.00

(ix)	मार्जिन ट्रेडिंग के लिए स्टॉक ब्रोकरों को वित्त प्रदान करना.	(ix)	Financing to stockbrokers for margin trading;	0.00	0.31
(x)	उद्यम पूंजी निधियों (पंजीकृत तथा गैर पंजीकृत दोनों) का समग्र जोखिम.	(x)	All exposures to Venture Capital Funds (both registered and unregistered) ;	690.50	794.47
पूंजी बाजार में कुल एक्सपोजर		**Total Exposure to Capital Market**		**3607.15**	**2951.34**

पूंजी बाज़ार में ₹ 3607.15 करोड़ का एक्सपोज़र ₹ 12207.92 करोड़ की सीमा के अंतर्गत (अर्थात दिनांक 31.3.2017 को बैंक की ₹ 30519.80 करोड़ की निवल मालियत का 40%) है.
The exposure to Capital Market of ₹ 3607.15 Crores is within the limit of ₹ 12207.92 Crores (i.e. 40% of Bank's Net worth of ₹ 30519.80 Crores as on 31.03.2017)
पूंजी बाज़ार में ₹ 1804.79 करोड़ का एक्सपोज़र ₹ 6103.96 करोड़ की सीमा के अंतर्गत (अर्थात दिनांक 31.3.2017 को बैंक की ₹ 30519.80 करोड़ की निवल मालियत का 20%) है.
The direct exposure to Capital Market of ₹ 1804.79 Crore is within the limit of ₹ 6103.96 Crore (i.e. 20% of the Bank's net worth of ₹ 30519.80 crore as on 31.03.2017)

ए-2.10.3 जोखिम श्रेणीवार देशीय एक्सपोज़र

A-2.10.3 Risk Category wise Country Exposure

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

श्रेणी	Category	31 मार्च 2018 को एक्सपोज़र (निवल) Exposure (net) as on 31st March 2018	31 मार्च 2018 को प्रावधान Provision held as on 31st March 2018	31 मार्च 2017 को एक्सपोज़र (निवल) Exposure (net) as on 31st March 2017	31 मार्च 2017 को प्रावधान Provision held as on 31st March 2017
महत्वहीन	Insignificant	60720.85	40.07	71599.01	52.49
न्यून	Low	46353.43	29.74	48729.00	39.66
मध्य	Moderate	3227.02		3238.59	
उच्च	High	2135.74		1553.17	
अधिक उच्च	Very High	8.25		8.13	
सीमित	Restricted	0.21		0.00	
ऋण से इतर	Off-credit	1.67		0.00	
अ-मूल्यांकित	Not Rated	229.97		288.60	
कुल	**Total**	**112677.14**	**69.81**	**125416.50**	**92.15**

ए-2.10.4 बैंक द्वारा पार की गयी एकल ऋणी सीमा (एसबीएल)/ समूह ऋणी सीमा (जीबीएल)

A-2.10.4 Single Borrower Limit (SBL)/ Group Borrower Limit (GBL) exceeded by the bank

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

वर्ष Year	ऋणी का नाम Name of Borrower	एकल कर्जदार एक्सपोज़र सीमा Single Borrower Exposure limit	कुल निर्धारित सीमा Total Limit Sanctioned	31 मार्च को शेष Balance as on 31st March
2017-18	-	-	-	-
2016-17	-	-	-	-

वर्ष Year	समूह का नाम Name of Group	समूह कर्जदार एक्सपोज़र सीमा Group Borrower Exposure limit	कुल निर्धारित सीमा Total Limit Sanctioned	31 मार्च को शेष Balance as on 31st March
2017-18	-	-	-	-
2016-17	-	-	-	-

ए-2.10.5 गैर-जमानती अग्रिम राशि

A-2.10.5 Amount of Unsecured advances

(भारतीय रिजर्व बैंक के परिपत्र संख्या डीबीआर.बीपी.बीसी संख्या 23/21.04.018/2015-16 दिनांक 1 जुलाई, 2015 के संदर्भ में) / (In terms of per RBI Circular No. DBR.BP.BC No.23/21.04.018/2015-16 dated 01st July 2015)

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

क्र. सं. Sr No.	विवरण Particulars	31.03.2018 तक बकाया शेष राशि Amount o/s bal as on 31.03.2018
(i)	अमूर्त परिसंपत्ति जैसे कि अधिकार पर प्रभार, लाइसेंस , प्राधिकार इत्यादि के रुप में रखी गई संपार्श्विक प्रतिभूति इत्यादि से समर्थित अप्रत्याभूत ऋण / Unsecured Loan backed by intangible assets, such as charge over the rights, licenses, authority etc. taken as collateral security.	1648.24
(ii)	उक्त (i) को छोड़कर असुरक्षित ऋण / Unsecured Loans other than (i)	77891.39

ए-2.11 विविध

ए-2.11.1 वर्ष के दौरान कराधान हेतु किए गए प्रावधान की राशि

A-2.11 Miscellaneous

A-2.11.1 Amount of Provisions for Taxation during the year

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
संपत्ति कर एवं आस्थगित कर सहित करों हेतु प्रावधान	Provision for Tax including Wealth tax & deferred tax	(-)299.98	1348.14
घटाएं - पिछले वर्षों से संबंधित कर प्रावधानों का रिवर्सल	Less : reversal of Tax Provisions relating to previous years	58.95	258.58
कर के लिए निवल प्रावधान	Net provision for Tax	(-)358.93	1089.56

ए-2.11.2 भारतीय रिज़र्व बैंक/विदेशी विनियामकों द्वारा लगाए गए दंड का प्रकटीकरण

वर्ष के दौरान मुद्रा तिजोरी में अनियमितताओं के कारण भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा ₹ 71201329 (93 मामले) (पिछले वर्ष कुल ₹ 54051869) का जुर्माना लगाया गया.

विदेशी टेरीटोरियों के द्वारा निम्न गैर-अनुपालन किए जाने के कारण उनके विनियामकों के द्वारा कुल ₹ 58727000/- (पिछले वर्ष ₹ 7241000/-) का जुर्माना लगाया गया :-

A-2.11.2 Disclosure of penalties imposed by RBI / Overseas Regulators

During the year, penalties of ₹ 71201329/- (93 cases) [Previous Year Total ₹ 54051869] were imposed by RBI on account of irregularities in currency chest.

Total penalties of ₹ 58727000/- [Previous Year Total ₹7241000] were levied on overseas territories by their respective regulator for non-compliances as under:-

विवरण Particulars	मामलों की संख्या No. of Cases	राशि रूपए में Amount in Rupees	कारण Reasons
सेशेल्स Seychelles	1	42,27,000	गलत विवरणी, ऋणों का गलत वर्गीकरण तथा ग्राहकों को खाता विवरणी जारी नहीं करने के कारण For inaccurate Returns, wrong classification of loans and non-issuance of statement of accounts to customers.
दक्षिण अफ्रीका South Africa	1	5,45,00,000	नकदी थ्रेशोल्ड रिपोर्टिंग के अनुपालन , संदेहास्पद एवं अव्यावहारिक लेनदेन का पता लगाने तथा रिपोर्ट करने हेतु पर्याप्त प्रक्रियाओं को क्रियान्वित करने में असफलता , Failure to comply with the cash threshold reporting, implement adequate processes and detect and report suspicious and unusual transactions.

ए-2.11.3 प्रायोजित तुलनपत्रेतर (ऑफ-बैलेंस शीट) एसपीवी (जिन्हें लेखा मानदंडों के अनुसार समेकित करना अपेक्षित है)

A-2.11.3 Off-balance sheet SPVs sponsored (which are required to be consolidated as per accounting norms)

	प्रायोजित एसपीवी का नाम Name of the SPV sponsored	
	घरेलू / Domestic	विदेशी / Overseas
चालू वर्ष/ Current Year	-	-
पिछला वर्ष / Previous Year	-	-

ए-2.11.4 प्रतिभूतिकरण

A-2.11.4 Securitization

क्र. सं. S.No.	विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
1.	प्रतिभूतिकरण संव्यवहार के लिए बैंक द्वारा प्रायोजित एसपीवी की संख्या	No. of SPVs sponsored by the bank for Securitization transaction		
2.	बैंक द्वारा प्रायोजित एसपीवी की बही के अनुसार प्रतिभूतिकरण आस्तियों की कुल राशि	Total amount of Securitized assets as per books of the SPVs sponsored by the Bank		
3.	तुलनपत्र की तिथि को न्यूनतम धारण आवश्यकता (एमआरआर) के अनुपालन के लिए बैंक द्वारा प्रतिधारित एक्सपोजर की कुल राशि	Total amount of exposures retained by the bank to comply with minimum retention requirement (MRR) as on the date of Balance Sheet	शून्य NIL	शून्य Nil
	ए) तुलनपत्रेतर एक्सपोजर प्रथम हानि अन्य	a) Off-balance sheet exposures First Loss Others		

क्र. सं. S.No.	विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
	बी) तुलनपत्र का एक्सपोजर प्रथम हानि अन्य	b) On balance sheet exposures First Loss Others		
4.	एमआरआर के अलावा प्रतिभूतिकरण अंतरण से एक्सपोजर की राशि	Amount of Exposures to securitization transactions other than MRR		
	ए) तुलनपत्रेतर जोखिम	a) Off-balance sheet exposures		
	i) अपने प्रतिभूतिकरण से एक्सपोजर प्रथम हानि हानि/अन्य	i) Exposures to own securitizations First Loss Loss/Others		
	ii) तीसरे पक्ष के प्रतिभूतिकरण से एक्सपोजर प्रथम हानि अन्य	ii) Exposures to third party securitizations First Loss Others		
	बी) तुलनपत्र का एक्सपोजर	b) On–balance sheet exposures		
	i) अपने प्रतिभूतिकरण से एक्सपोजर प्रथम हानि हानि/अन्य	i) Exposures to own securitizations First Loss Loss/Others		
	ii) तृतीय पक्ष प्रतिभूतिकरण से एक्सपोजर प्रथम हानि अन्य	ii) Exposures to third party securitizations First Loss Others		

ए-2.12 दबावग्रस्त आस्तियों संबंधी प्रकटीकरण

A-2.12 Disclosure on Stressed Assets

ए-2.12.1 मौजूदा ऋणों के लचीले गठन का प्रकटीकरण

A-2.12.1 Disclosure of flexible structuring of Existing loans

	अवधि Period	लचीले गठन हेतु लिए गए ऋणकर्ताओं की संख्या No. of borrowers taken up for flexibly structuring	लचीले गठन हेतु लिए गए ऋणों की राशि Amount of loans taken up for flexible structuring		लचीले गठन हेतु लिए गए ऋणों की एक्सपोजर वेटेड औसत अवधि Exposure weighted average duration of loans taken up for flexible structuring	
			मानक के रुप में वर्गीकृत Classified as Standard	एनपीए के रुप में वर्गीकृत Classified as NPA	लचीले गठन लागू करने से पहले Before applying flexible structuring	लचीले गठन लागू करने के बाद After applying flexible structuring
कुल Total	चालू वित्तीय वर्ष (अप्रैल से मार्च 18 तक) Current Financial Year (From April to March 18)	4	1423.93	266.29	-	-
	पिछला वित्तीय वर्ष Previous Financial Year	3	427.61	0	-	-

ए-2.12.2 यथा 31.03.2018 को कार्यनीतिगत ऋण पुनर्गठन योजना पर प्रकटीकरण (ऐसे खाते जो इस समय स्टैंड स्टिल अवधि में है).

A-2.12.2 Disclosures on Strategic Debt Restructuring Scheme (accounts which are currently under the stand-still period) as on 31.03.2018

	ऐसे खातों की संख्या, जहाँ एसडीआर सक्रिय किया गया है. No. of accounts where SDR has been invoked	रिपोर्टिंग तारीख पर बकाया राशि Amount outstanding as on the reporting date		जहाँ ऋण का इक्विटी में रुपांतरण लंबित है ऐसे खातों के संबंध में रिपोर्टिंग तारीख पर बकाया राशि Amount outstanding as on the reporting date with respect to accounts where conversion of debt to equity is pending		जहाँ ऋण का इक्विटी में रुपांतरण हो गया है ऐसे खातों के संबंध में रिपोर्टिंग तारीख पर बकाया राशि Amount outstanding as on the reporting date with respect to accounts where conversion of debt to equity has taken place	
		मानक के रुप में वर्गीकृत Classified as standard	एनपीए के रुप में वर्गीकृत Classified as NPA	मानक के रुप में वर्गीकृत Classified as standard	एनपीए के रुप में वर्गीकृत Classified as NPA	मानक के रुप में वर्गीकृत Classified as standard	एनपीए के रुप में वर्गीकृत Classified as NPA
चालू वर्ष (कुल) Current Year (Total)	-	-	-	-	-	-	-
पिछले वर्ष (कुल) Previous Year (Total)	36	3202.48	4334.06	105.76	4106.76	3096.72	227.30

इस योजना को भारतीय रिजर्व बैंक के दि. 12.02-2018 के परिपत्र डीबीआर.नं.बीपी बीसी.101/21.04.048/2017-18 द्वारा वापस लिया गया है.

The scheme is withdrawn as per RBI circular DBR.No.BP BC.101/21.04.048/2017-18 dated 12.02.2018.

ए-2.12.3 एसडीआर योजना के बाहर स्वामित्व में परिवर्तन का प्रकटीकरण (ऐसे खाते जो इस समय स्टेंड स्टिल अवधि के अंतर्गत है).

A-2.12.3 Disclosures on Change in Ownership outside SDR Scheme (accounts which are currently under the stand-still period)

(₹ करोड़ में / ₹ *in Crores*)

अंचल Zones	ऐसे खातों की संख्या जहाँ बैंक ने स्वामित्व में परिवर्तन लागू करने का निर्णय लिया है. No. of account s where banks have decided to Effect change in ownership	रिपोर्टिंग तारीख पर बकाया राशि Amount outstanding as on the reporting date		जहाँ ऋण का इक्विटी में रुपांतरण / इक्विटी शेयरों के गिरवी को सक्रिय करना लंबित है उन खातों के संबंध में रिपोर्टिंग तारीख पर बकाया राशि Amount outstanding as on the reporting date with respect to accounts where conversion of debt to equity/invocation of pledge of equity shares is pending		जहाँ ऋण का इक्विटी में रुपांतरण / इक्विटी शेयरों के गिरवी को सक्रिय करना हो गया है उन खातों के संबंध में रिपोर्टिंग तारीख पर बकाया राशि Amount outstanding as on the reporting date with respect to accounts where conversion of debt to equity/invocation of pledge of equity shares has taken place		जहाँ नए शेयर जारी कर या प्रवर्तक की इक्विटी के विक्रय द्वारा स्वामित्व में परिवर्तन हो गया है उन खातों के संबंध में रिपोर्टिंग तारीख पर बकाया राशि Amount outstanding as on the reporting date with respect to accounts where change in ownership is envisaged by issuance of fresh shares or sale of promoters equity	
		मानक के रुप में वर्गीकृत Classified as standard	एनपीए के रुप में वर्गीकृत Classified as NPA	मानक के रुप में वर्गीकृत Classified as standard	एनपीए के रुप में वर्गीकृत Classified as NPA	मानक के रुप में वर्गीकृत Classified as standard	एनपीए के रुप में वर्गीकृत Classified as NPA	मानक के रुप में वर्गीकृत Classified as standard	एनपीए के रुप में वर्गीकृत Classified as NPA
चालू वर्ष (कुल) Current Year (Total)	-	-	-	-	-	-	-	-	-
पिछला वर्ष (कुल) Previous Year (Total)	2	99.74	0.00	-	-	-	-	99.74	-

इस योजना को भारतीय रिजर्व बैंक के दि. 12.02-2018 के परिपत्र डीबीआर.नं.बीपी बीसी.101/21.04.048/2017-18 द्वारा वापस लिया गया है.

The scheme is withdrawn as per RBI circular DBR.No.BP. BC.101/21.04.048/2017-18 dated 12.02.2018.

ए-2.12.4 अनुपालन के अंतर्गत परियोजना के स्वामित्व का प्रकटीकरण (ऐसे खाते जो इस समय स्टेंड स्टील अवधि के अंतर्गत है).

A-2.12.4 Disclosures on Change in Ownership of Projects Under Implementation (accounts which are currently under the stand-still period)

(₹ करोड़ में / ₹ *in Crores*)

	ऐसे परियोजना ऋण खातों की संख्या, जहाँ बैंक ने स्वामित्व में परिवर्तन लागू करने का निर्णय लिया है. No. of project loan accounts where banks have decided to effect change in ownership	रिपोर्टिंग तारीख पर बकाया राशि Amount outstanding as on the reporting date		
		मानक के रुप में वर्गीकृत Classified as standard	मानक पुनर्गठित के रुप में वर्गीकृत Classified as standard restructured	एनपीए के रुप में वर्गीकृत Classified as NPA
चालू वर्ष Current Year	-	-	-	-
पिछला वर्ष Previous Year	-	-	-	-

आरबीआई के दिनांक 12-2-2018 के परिपत्र डीबीआर.नं. बीपी.बीसी. 101/21.04.048/ 2017-18 के अनुसार उस योजना को वापस ले लिया गया है.
The scheme is withdrawn as per RBI circular DBR.No.BP.BC.101/21.04.048/2017-18 dated 12.02.2018.

ए-2.13 दिनांक 31.03.2018 को दबावग्रस्त आस्तियों के संधारणीय गठन की योजना पर प्रकटीकरण (एस4ए)

A-2.13 Disclosure on the scheme for sustainable structuring of Stressed Assets (S4A) as on 31.03.2018

(₹ करोड़ में / ₹ *in Crores*)

जहाँ एस4ए लागू किया गया है ऐसे खातों की संख्या Number of accounts where S4A has been applied	बकाया समग्र राशि Aggregate amount outstanding	बकाया राशि Amount outstanding		रखा गया प्रावधान Provision held
		भाग ए में In Part A	भाग बी में In Part B	
मानक के रुप में वर्गीकृत Classified as Standard	1818.08	961.73	856.35	368.02
एनपीए के रुप में वर्गीकृत Classified as NPA	1292.68	1229.08	63.60	0.00
कुल **TOTAL**	**3110.76**	**2190.81**	**919.95**	**368.02**

आरबीआई के दिनांक 12-2-2018 के परिपत्र डीबीआर.नं. बीपी.बीसी. 101/21.04.048/ 2017-18 के अनुसार उस योजना को वापस ले लिया गया है.
The scheme is withdrawn as per RBI circular DBR.No .BP.BC.101/21.04.048/2017-18 dated 12.02.2018.

आरबीआई ने पत्र क्रमांक आरबीआई / 2017-18 / 131: डीबीआर सं. बीपी. बीसी.101 / 21.04.048 / 2017-18 दि.12 फरवरी 2018 के माध्यम से दवाबग्रस्त आस्तियों के निपटान के लिए संशोधित फ्रेमवर्क जारी किया है तथा दवाबग्रस्त आस्तियों के निपटान हेतु मौजूदा फ्रेमवर्क जैसे कि दवाबग्रस्त आस्तियों को नवीनीकृत करना, कार्पोरेट ऋण नवीनीकरण योजना, मौजूदा दीर्घावधि परियोजना ऋण को लचीला स्ट्रक्चरिंग , कार्यनीतिक ऋण स्ट्रक्चरिंग योजना (एसडीआर), एसडीआर के अलग स्वामित्व में बदलाव और तत्काल प्रभाव से दवाबग्रस्त आस्तियों का दीर्घकालिक स्ट्रक्चरिंग (एस4ए) आदि मौजूदा दिशानिर्देशों / निर्देशों को वापस ले लिया है. इसी प्रकार से संयुक्त ऋणदाता फोरम (जेएलएफ) जो दवाबग्रस्त आस्तियों के निपटान के लिए एक संस्थागत यांत्रिकी के रुप में कार्य करता था,उसे भी स्थगित कर दिया गया. संशोधित फ्रेमवर्क के अंतर्गत उन खातों के लिए जिनमें लाभ लेने के लिए इन योजनाओं में से किसी को आरंभ किया गया था लेकिन अभी तक लागू नहीं किया गया था और तदनुसार इन खातों को आय मान्यता और संपत्ति वर्गीकरण पर मौजूदा आरबीआई विवेकपूर्ण मानदंडों के अनुसार वर्गीकृत किया गया है.

RBI vide letter RBI/2017-18/131: DBR. No.BP. BC.101/21.04.048/2017-18 dated February 12, 2018 issued a revised framework on Resolution of Stressed Assets and withdrew the existing guidelines/instructions on resolution of stresses assets such as framework for revitalizing Distressed Assets, Corporate Debt Restructuring Scheme, Flexible Structuring of Existing Long Term Project Loans, Strategic Debt Restructuring Scheme (SDR), Change in Ownership outside SDR, and Scheme for Sustainable Structuring of Stressed Assets (S4A), etc. with immediate effect. Accordingly, the Joint Lenders Forum (JLF) as an institutional mechanism for resolution of stressed accounts also stands discontinued. Under the revised framework, the stand-still benefits for accounts where any of these schemes had been invoked but not yet implemented were revoked and accordingly these accounts have been classified as per the extant RBI prudential norms on Income Recognition and Asset Classification.

ए-2.14 दिवाला और दिवालियापन संहिता (आईबीसी) के अंतर्गत खाते

A-2.14 Accounts under Insolvency and Bankruptcy Code (IBC)

दिवालियापन प्रक्रिया शुरू करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार दिवालियापन और दिवालियापन संहिता के प्रावधानों के तहत कवर करने के लिए आरबीआईए के पत्र संख्या डीबीआर.सं. बीओ 15199

As per RBI directions for initiating Insolvency Process - Provisioning Norms vide letter No. DBR. No.BO.15199/21.04.048/2016-17 dated June 23, 2017 in

/21.04.048 / 2016-17 दि. 23 जून, 2017 के अनुसार दिवाला और दिवालियापन संहिता (आयबीसी) के प्रावधानों के तहत 10 ऋण खातों को कवर किया गया जिसके कारण बैंक को अतिरिक्त प्रावधान किए जाने की आवश्यकता पड़ी. इसी प्रकार आरबीआई के पत्र क्रमांक डीआरएन.बीपी.1906 / 21.04.049 / 2017-18 दि. 28 अगस्त 2017 के संदर्भ में दिवालियापन और दिवालियापन संहिता (एससी) की प्रक्रिया के तहत 18 ऋण खातों को कवर किया गया जिसके कारण बैंक को अतिरिक्त प्रावधान किए जाने की आवश्यकता पड़ी. भा.रि.बैं. के पत्र डीबीआर. नं. बीपी8756/21.04.048/2017-18 दि. 02.04.2018 अनुसार एनसीएलटी खातों के संबंध में प्रावधानीकरण आवश्यकता सुरक्षित अंश के 50% से कम हो कर 31 मार्च 2018 को 40 % हो गया हैं. बैंक ने अनुमत व उपलब्ध 40% रियायत प्राप्त की है. उक्त भा.रि.बैं. संसूचना अनुसार दिवाला और दिवालियापन संहिता (आईबीसी) के प्रावधानों के तहत कवर की गई पहली और दूसरी सूची में शामिल प्रावधानों को फैलाने के संबंध में, बैंक ने डिस्पेंसेशन का विकल्प उपलब्ध कराया है जिसके परिणामस्वरूप इन खातों में 31.03.2018 को ₹ 309.37 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है. यदि बैंक ने रियायत हेतु विकल्प नहीं किया होता तो प्रावधान आवश्यकता 829.23 करोड़ होती.

respect of 10 borrower accounts covered under the provisions of Insolvency and Bankruptcy Code (IBC), the Bank was required to make additional provision. Similarly, as per RBI direction vide letter No. DR.No.BP.1906/21.04.049/2017-18 dated August 28, 2017 in respect of 18 borrower accounts covered under the process of IBC, the Bank was required to make additional provision. As per RBI vide letter DBR. No. BP 8756/21.04.048/2017-18 dated 02.04.2018, the provisioning requirements in respect of NCLT accounts is reduced from 50% of secured portion as at March 31, 2018 to 40%. Bank has availed the relaxation permitted and provided at 40%. As per the above RBI communication with respect to spreading the provisions covered in Ist and IInd list under the provisions of IBC, the Bank has availed the option of dispensation available, and as a result the additional provision of ₹ 309.37 crores has been made as on March 31, 2018. Had the Bank not opted for the relaxation, the provision requirement would have been ₹ 829.23 crore.

ए-3. प्रावधान व आकस्मिकताओं का विश्लेषित विवरण

A-3 Break up of Provisions and Contingencies

ए-3.1 लाभ व हानि खाते में आने वाले प्रावधान व आकस्मिकताओं का विश्लेषित विवरण इस प्रकार है:

A-3.1 Break-up of provisions and contingencies appearing in Profit & Loss Account is as under:

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
निवेश पर मूल्यह्रास हेतु प्रावधान (निवल प्रलेखित तथा बट्टे खाते डाले गए सहित)	Provision for depreciation on investment (net of written back and including write off)	768.20	29.31
बट्टे खाते डाले गए अशोध्य ऋणों/एनपीए के लिए प्रावधान (निवल प्रलेखित)	Bad debts written off / Provision made towards NPA (net of written back)	14379.94	8006.95
मानक आस्तियों हेतु प्रावधान	Provision for standard assets	-369.02	776.58
कर हेतु प्रावधान आस्थगित करों, और संपदा कर सहित (प्रावधानों के प्रत्यावर्तन का निवल)	Provision for taxes including deferred taxes, and Wealth tax (net of reversal of provisions)	-358.93	1089.56
अन्य प्रावधान तथा आकस्मिकताएं	**Other Provision and Contingencies**		
पुनर्गठित मानक व अवमानक खातों में ब्याज के परित्याग हेतु प्रावधान	Provision towards sacrifice of interest in restructured standard and sub-standard accounts	-168.23	-327.16
देशगत जोखिम प्रबंधन हेतु प्रावधान	Provision for Country Risk Management	-22.34	-13.15
कर्मचारी कल्याण खर्च हेतु प्रावधान	Provision for staff welfare expenses	25.00	25.00
अन्य (इसमें धोखाधड़ियों, बैंक के विरुद्ध दावों, संवेदनशील खातों आदि के प्रावधान शामिल हैं).	Others (includes provision for fraud, claim against bank, sensitive accounts etc.)	182.74	4.84
कुल	**Total**	**14437.36**	**9591.93**

ए-3.2 अस्थायी प्रावधान - व्यापक प्रकटीकरण

A-3.2 Floating Provisions – Comprehensive Disclosures

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण		Particulars		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
ए.	अस्थायी प्रावधान खाते में आरम्भिक शेष	a.	Opening balance in the floating provisions account	425.35	425.35
बी.	लेखा वर्ष में किए गए अस्थायी प्रावधानों की राशि	b.	The quantum of floating provisions made in the accounting year	0.00	0.00
सी.	लेखा वर्ष के दौरान किए गए ड्रा डाउन की राशि	c.	Amount of draw down made during the accounting year	0.00	0.00
डी.	अस्थायी प्रावधान खाते में अंतिम शेष	d.	Closing balance in the floating provisions account	425.35	425.35

ए-3.3 अरक्षित विदेशी मुद्रा एक्सपोजर पर प्रावधान

A-3.3. Provision on Unhedged Foreign Currency Exposure–

(₹ करोड़ में / ₹ *in Crores*)

विवरण		Particulars		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
ए.	प्रारंभिक शेष प्रावधान खाता	a.	Opening balance provisions account	72.95	79.02
बी.	लेखा वर्ष में किये गये प्रावधान की राशि	b.	The quantum of provisions made in the accounting year	--	--
सी.	लेखा वर्ष के दौरान रिवर्स की गयी राशि	c.	Amount Reverse during the accounting year	31.11	6.07
डी.	प्रावधान खाते का अंतिम शेष	d.	Closing balance in the provisions account	41.84	72.95

दिनांक 31.03.2018 तक बचाव रहित विदेशी मुद्रा एक्स्पोजर के सापेक्ष में बैंक का अग्रिम एक्स्पोजर ऋणकर्ता का 80 बीपीएस प्रावधान ₹ 2925.35 करोड़ था. ₹ 64.71 करोड़ के अतिरिक्त न्यूनतम पूंजी आवश्यकता के सापेक्ष में एक्स्पोजर पर ₹ 595.02 करोड आरडब्ल्यूए किया गया.

As on 31.03.2018, the amount of bank's credit exposure against Unhedged Foreign Currency Exposure of borrowers attracting 80 bps provisions was ₹ 2925.35 Crores. The additional RWA on this exposure is ₹ 595.02 crores against this additional minimum capital requirement is ₹ 64.71crores.

ए-3.4 आरक्षित निधियों में गिरावट (ड्राडाउन)

वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान आरक्षित निधियों में कोई गिरावट (ड्राडाउन) नहीं हुई है (पिछले वर्ष-शून्य).

A-3.4 Draw Down from Reserves

During the Financial Year 2017-18, there has been no draw down from the reserves (Previous Year – NIL).

ए- 4. शिकायतों का प्रकटीकरण

I. ग्राहक शिकायत

A-4 Disclosure of complaints

I. Customer Complaints

विवरण		Particulars		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
ए.	वर्ष के शुरू में लंबित शिकायतों की संख्या	a.	No. of complaints pending at the beginning of the year	302	121
बी.	वर्ष के दौरान प्राप्त शिकायतों की संख्या	b.	No. of complaints received during the year	1056041	48504
सी.	वर्ष के दौरान निपटाई गई शिकायतों की संख्या	c.	No. of complaints redressed during the year	1042803	48323
डी.	वर्ष के अंत में लंबित शिकायतों की संख्या	d.	No. of complaints pending at the end of the year	13540	302

* इनमें से 13476 शिकायतें (गत वर्ष 302 शिकायतें) 30 दिनों से कम पुरानी हैं.

* Out of these, 13476 nos. of complaints (Previous year 302 nos.) are pending for less than 30 days.

II. एटीएम संबंधी शिकायतें

II. ATM Complaints

विवरण		Particulars		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
ए.	वर्ष के शुरू में एटीएम संबंधी लंबित शिकायतों की संख्या	a.	No. of ATMs complaints pending at the beginning of the year	2067	2338
बी.	वर्ष के दौरान एटीएम संबंधी प्राप्त शिकायतों की संख्या	b.	No. of ATMS complaints received during the year	326458	277300
सी.	वर्ष के दौरान एटीएम संबंधी निपटाई गयी शिकायतों की संख्या	c.	No. of ATMs complaints redressed during the year	323061	277571
डी	वर्ष के अंत में एटीएम संबंधी लंबित शिकायतों की संख्या	d.	No. of ATMs complaints pending at the end of the year	5464	2067

III. बैंकिंग लोकपाल द्वारा दिए गए अधिनिर्णय

III. Awards passed by the Banking Ombudsman

विवरण		Particulars		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
ए.	वर्ष के शुरु में कार्यान्वित न किए गए निर्णयों की संख्या	a.	No. of unimplemented Awards at the beginning of the year	2	0
बी.	वर्ष के दौरान बैंकिंग लोकपाल द्वारा दिए गए निर्णयों की संख्या	b.	No. of Awards passed by the Banking Ombudsman during the year	3	11
सी.	वर्ष के दौरान कार्यान्वित निर्णयों की संख्या	c.	No. of Awards implemented during the year	5	9
डी.	वर्ष के अंत में कार्यान्वित न किए गए निर्णयों की संख्या	d.	No. of unimplemented Awards at the end of the year	0	2

ए-5. चुकौती आश्वासन पत्र की स्थिति

(I) चालू वित्तीय वर्ष के दौरान जारी चुकौती आश्वासन पत्र (एलओसी)

बैंक ने चालू वर्ष के दौरान विदेशी/देशीय नियामकों द्वारा अपने विदेशी अनुषंगियों / संयुक्त उद्यमों के परिचालन को समर्थित करने के लिए अपना अनुमोदन प्राप्त करते समय आवश्यकताओं की पूर्ति के संदर्भ में कोई आश्वासन पत्र जारी नहीं किया.

(II) 31.03.2018 को बकाया चुकौती आश्वासन पत्रों की संचयी स्थिति

बैंक ने निम्नलिखित आश्वासन पत्र जारी किया है.

(i) अपने जमाकर्ताओं व अन्य ऋणदाताओं को पूर्ण रूप से स्वामित्व वाली अनुषंगी- बैंक ऑफ बड़ौदा (न्यूजीलैंड) लि. के संपूर्ण कर्ज को गारंटीकृत करते हुए रिजर्व बैंक ऑफ न्यूजीलैंड को 2008-09 के दौरान चुकौती आश्वासन पत्र जारी किया गया. यथा मार्च 2018 को अनुषंगी की जमा-राशियां (ओवरड्राफ्ट और बैंक के जमा के एवज में ऋण का निवल) ₹ 269.35 करोड़ हैं तथा बाह्य देयता ₹ 4.95 करोड हैं (यथा, ₹274.30 करोड़ की कुल देयता). यथा 31 मार्च 2018 को अनुषंगी की निवल मालियत ₹ 221.57 करोड़ है (पिछले वर्ष ₹ 208.50 करोड़). इस संबंध में बैंक पर निवल आकस्मिक देयता ₹ 52.73 करोड़ हैं.

(ii) वित्तीय वर्ष 2010-11 के दौरान बैंक ने संयुक्त उद्यम बैंक - इंडिया इंटरनेशनल बैंक (मलेशिया) बीएचडी (आईआईबीएमबी) में बैंक के 40% शेयरधारिता की सीमा तक बैंक ऑफ़ नेगारा मलेशिया को आश्वासन पत्र जारी किया है. दिनांक 31.03.2018 को आईआईबीएमबी की कुल जमा राशि ₹ 193.93 करोड़ एवं अन्य देयताएं ₹ 11.61 करोड़ (अर्थात कुल ₹ 205.54 करोड़ की कुल देयताएं) हैं. दिनांक 31.03.2018 को आईआईबीएमबी की निवल मालियत ₹ 540.45 करोड़ है. चूंकि आईआईबीएम के वित्तीय वर्ष का अंत 31 दिसंबर को होता है, 31 मार्च 2018 के आंकडे अलेखापरीक्षित विवरण से लिए गए हैं.

A-5. Status of Letters of Comfort

I Letters of Comfort (LOC's) issued during the Current Financial Year

During the current financial year, the Bank has not issued any Letter of Comfort to meet the requirements of the overseas/domestic regulators to support the operations of its overseas subsidiaries/ Joint ventures.

II Cumulative position of LOC's outstanding as on 31.03.2018

The Bank has issued the following Letter of Comforts

(i) LOC issued during 2008-09 to Reserve Bank of New Zealand guaranteeing entire indebtedness of the wholly owned subsidiary – Bank of Baroda (New Zealand) Ltd to its depositors and other creditors. As on 31st March 2018 the subsidiary's deposits (net of overdraft and loan against Bank's own deposits) are ₹ 269.35 crore and outside liabilities are ₹ 4.95 crores (i.e. total liabilities of ₹ 274.30 crore). The net worth of the subsidiary as on 31st March 2018 is ₹ 221.57 crore (Previous year ₹ 208.50 crores). The net contingent liability on Bank is ₹ 52.73 crore in this regard.

(ii) LOC was issued during the year 2010-11 to Bank Negara Malaysia upto our bank's 40% shareholding in the Joint Venture Bank – 'India Internation Bank (Malaysia) Bhd. (IIBMB). As on 31st March, 2018, the deposits of IIBMB are ₹ 193.93 crore and other liabilities are ₹ 11.61 crore (i.e. Total liabilities of ₹ 205.54 crore). The net worth of the IIBMB as on 31st March 2018 is ₹ 540.45 crore. As the financial year end of IIBMB is 31st December, figures of 31st March 2018 have been taken from unaudited statement.

ए-6 तीसरी पार्टी के उत्पादों के विपणन से अर्जित आय

A-6 Income earned for marketing third party products

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

आय की प्रकृति	Nature of Income	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
जीवन बीमा पालिसियों की बिक्री हेतु	For selling life insurance policies	59.66	28.72
गैर जीवन बीमा पालिसियों की बिक्री हेतु	For selling non life insurance policies	33.91	18.56
म्यूच्यूअल फंड प्रोजेक्टों की बिक्री हेतु	For selling mutual fund products	15.98	5.79
इक्विटी ब्रोकिंग उत्पाद	Equity broking product	0.33	0.00

ए-7 जमाकर्ता शिक्षा एवं जागरूकता निधि (डीईएएफ) में अंतरण

A-7 Transfers to Depositor Education and Awareness Fund (DEAF)

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
डीईएएफ को अंतरित राशि का प्रारंभिक शेष	Opening balance of amount transferred to DEAF	403.77	316.60
जोड़ें: वर्ष के दौरान डीईएएफ को अंतरित राशि	Add: Amount transferred to DEAF during the year	36.05	87.63
घटायें: डीईएएफ द्वारा दावों के पेटे प्रतिपूर्ति की गयी राशि	Less: Amounts reimbursed by DEAF towards claims	10.51	0.45
डीईएएफ को अंतरित राशि का अंतिम शेष	Closing Balance of amounts transferred to DEAF	429.31	403.77

ए-8 चलनिधि कवरेज अनुपात

ए. 8.1.मात्रात्मक प्रकटीकरण

A-8 Liquidity Coverage Ratio

A-8.1 Quantitative Disclosure

चलनिधि कवरेज अनुपात (एलसीआर) प्रकटीकरण - मार्च 2018
Liquidity Coverage Ratio (LCR) Disclosure - March 2018

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

बैंक का नाम: बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Name of the Bank : Bank of Baroda

	चलनिधि कवरेज अनुपात (एलसीआर) प्रकटीकरण Liquidity Coverage Ratio (LCR) Disclosure		मार्च, 2018 को वार्षिक औसत (एकल आधार पर) Yearly Average March 2018 (Solo basis)		मार्च, 2018 को वार्षिक औसत (समेकित आधार पर) Yearly Average March 2018 (Consolidated basis)		मार्च, 2017 को समाप्त चतुर्थ तिमाही के लिए दैनिक औसत (एकल आधार पर) Quarterly Averages of Financial Year Ending March 2017 (Solo Basis)		मार्च, 2017 को समाप्त चतुर्थ तिमाही के लिए दैनिक औसत (समेकित आधार पर) Quarterly Averages of Financial Year Ending March 2017 (Consolidated Basis)	
			कुल गैर-भारित मूल्य Total Unweighted Value	कुल भारित मूल्य Total Weighted Value	कुल गैर-भारित मूल्य Total Unweighted Value	कुल भारित मूल्य Total Weighted Value	कुल गैर-भारित मूल्य Total Unweighted Value	कुल भारित मूल्य Total Weighted Value	कुल गैर-भारित मूल्य Total Unweighted Value	कुल भारित मूल्य Total Weighted Value
	उच्च गुणवत्ता वाली तरल आस्तियां	**High Quality Liquid Assets**								
1	उच्च गुणवत्ता वाली तरल आस्तियां (एचक्यूएलए)	Total High Quality Liquid Assets (HQLA)		1,11,270.61		1,16,477.40		1,05,846.12		1,07,222.13
	नकद बाह्यप्रवाह	**Cash Outflows**								
2	रिटेल जमा एवं छोटे व्यावसायिक ग्राहकों की जमाराशियां,जिनमें से	Retail deposit and deposits from small business customers, of which:	380725.00	34224.75	403168.68	35779.78	365325.67	32827.83	368980.65	33074.63
	स्थिर जमाराशियां	Stable Deposits	76954.94	3847.75	90741.67	4537.08	74094.64	3704.73	76468.69	3823.43
	घटाएं: स्थिर जमाराशियां	Less Stable Deposits	303770.06	30377.01	312427.01	31242.70	291231.02	29123.10	292511.95	29251.20
3	असुरक्षित थोक निधियन, जिसमें से:	Unsecured wholesale funding, of which:	129997.29	72620.47	136255.91	78054.27	119893.71	78933.74	121765.76	80599.13
(i)	परिचालनगत जमाराशियां (सभी काउंटर पार्टियों की)	Operational deposits (all counterparties)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
(ii)	गैर परिचालनगत जमाराशियां (सभी काउंटर पार्टियों की)	Non-operational deposits (all counterparties)	129997.29	72620.47	136255.91	78054.27	119893.71	78933.74	121765.76	80599.13
(iii)	अप्रत्याभूत ऋण	Unsecured debt	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
4	प्रत्याभूत थोक वित्तीयन	Secured wholesale Funding	5075.52	0.00	4962.32	0.00		1271.30		8.93
5	अतिरिक्त आवश्यकताएं, जिनमें से	Additional requirements, of which	44861.48	20980.45	54048.94	25617.90	61869.43	22035.94	110963.23	28120.99
(i)	डेरीवेटिव एक्स्पोजर तथा अन्य संपार्श्विक आवश्कताओं से संबंधित बाह्य प्रवाह	Outflows related to derivative exposures and other collateral requirements	391.36	391.36	3427.99	3427.99	1638.50	1638.50	1497.66	1497.66
(ii)	ऋण उत्पादों पर निधियों की हानि संबंधित बाह्य प्रवाह	Outflows related to loss of funding on debt products	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
(iii)	ऋण एवं चलनिधि सुविधाएं	Credit and liquidity facilities	44470.12	20589.09	50620.94	22189.91	60230.93	20397.44	61388.03	21021.98
6	अन्य संविदागत निधियन संबंधी बाध्यताएं	Other contractual funding obligations	791.37	791.37	777.62	777.62	2920.86	2920.86	3022.47	3022.47
7	अन्य आकस्मिक निधियन संबंधी बाध्यताएं	Other contingent funding obligations	56662.27	1700.58	57850.44	1742.01	56948.73	1716.80	57543.20	1735.47
8	**कुल नकदी बाह्य प्रवाह**	**TOTAL CASH OUTFLOWS**	**618112.93**	**130317.62**	**657063.90**	**141971.59**		**139706.47**		**146561.62**
9	**प्रत्याभूत उधार देना (जैसे, रीवर्स रेपो)**	Secured lending (e.g. reverse repos)	18229.77	1.45	17149.73	11.08	11153.08	257.39	11495.68	361.89
10	पूर्णत: अर्जक एक्सपोजर्स से अंतर्प्रवाह	Inflows from fully performing exposures	25787.85	22984.28	32246.72	26716.58	97321.90	91020.91	98815.48	91817.63
11	अन्य नकदी अंतर्प्रवाह	Other cash inflows	6102.79	6096.26	7544.14	7488.22	8072.77	7317.20	8312.22	7540.29
12	**कुल नकदी अंतर्प्रवाह**	**TOTAL CASH INFLOWS**	**50120.41**	**29081.99**	**56940.59**	**34215.88**	**116547.75**	**98595.50**	**118623.38**	**99719.81**
			कुल समायोजित मूल्य Total Adjusted Value		कुल समायोजित मूल्य Total Adjusted Value		कुल समायोजित मूल्य Total Adjusted Value		कुल समायोजित मूल्य Total Adjusted Value	
13	कुल एचक्यूएलए	TOTAL HQLA		1,11,270.61		1,16,477.40		1,05,846.12		1,07,222.13
14	कुल निवल नकदी बाह्य प्रवाह	TOTAL NET CASH OUTFLOWS		1,01,235.62		1,07,755.70		81,782.33		83,390.26
15	चलनिधि कवरेज अनुपात	LIQUIDITY COVERAGE RATIO		109.91%		108.09%		129.42%		128.58%

नोट: मौजूदा दिशानिर्देशों अनुसार 1 जनवरी 2016 व उसके बाद से भारतीय बैंकिंग प्रणाली पर समेकित आधार पर प्रकटीकरण लागू हैं. जनवरी 2017 के आरंभ से बैंको को दैनिक औसत आधार पर एलसीआर प्रकटीकरण करना है, अत: बैंक ने मार्च 2017 से एकल व समेकित स्तर, दोनों के लिए दैनिक औसत आधार पर एलसीआर संगणित किया है. बैंक ने मार्च वित्त वर्ष समापन के लिए भी एलसीआर प्रकटीकरण किया है, जिसमें क्यू1,क्यू2,क्यू3 हेतु मासिक औसत एवं क्यू4 हेतु दैनिक औसत शामिल हैं.

Note :- In terms of extant guideline disclosure on consolidated basis is applicable to the Indian banking system from 1st January 2016 and onwards. As starting from January 2017, banks has to disclose LCR on daily average basis, hence bank has computed LCR on daily average basis both for Solo and Consolidated Level since March 2017. Bank has also disclosed LCR for the financial year ending March 2017, which consisted of monthly averages for Q1, Q2, Q3 and daily averages for Q4.

ए. 8.2.गुणात्मक प्रकटीकरण

01 जनवरी 2015 से बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक के चलनिधि कवरेज अनुपात (एलसीआर) संबंधी दिशा-निर्देशों को क्रियान्वित कर दिया गया है.

एलसीआर मानक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बैंक भार-रहित एचक्यूएलए के प्रर्याप्त स्तर को बनाए रखे ताकि उसे अत्यधिक तरलता संबंधी तनाव की स्थिति में 30 कैलेंडर दिनों के लिए इसकी चलनिधि संबंधी आवश्यकता की पूर्ति के लिए नकदी परिवर्तित किया जा सके. एलसीआर तथा निगरानी संबंधी उपाय प्रारंभ में दि. 1 जनवरी 2015 से भारतीय बैंकों के लिए समग्रतः बैंक स्तर पर लागू है अर्थात शाखाओं के जरिए विदेशी परिचालन सहित स्टैंड अलोन आधार पर लागू हैं एवं बाद में दि. 1 जनवरी 2016 से समेकित आधार पर अर्थात घरेलू एवं विदेशी अनुषंगियों सहित लागू होंगे.

एलसीआर के दो घटक हैं:

(i) दबावग्रस्त स्थितियो में उच्च-गुणवत्ता तरल अस्तियों (एचक्यूएलए)के स्टॉक का मूल्य - न्यूमरेटर (अंश-गणक)

(ii) कुल निवल नकद बर्हिप्रवाह: लगातार 30 कैलेंडर दिनों (दबावग्रस्त अवधि) के लिए विनिर्दिष्ट दबावग्रस्त परिदृश्य में 'कुल अनुमानित नकद बर्हिप्रवाह' में से 'कुल अनुमानित नकद अंतर्प्रवाह को घटाकर 'कुल निवल नकद बहिर्प्रवाह' परिभाषित होता है- डिनॉमिनेटर (विभाजक)

एलसीआर = उच्च गुणवत्ता तरल आस्तियों का स्टॉक/ अगले 30 कैलेंडर दिनों के दौरान कुल निवल नकद बहिर्प्रवाह >= 100%

भारतीय रिज़र्व बैंक के अनुसार, एलसीआर चरणबद्ध रुप में लागू किया जाएगा जो 01 जनवरी 2015 से न्यूनतम 60% से आरंभ होकर 01 जनवरी 2019 तक न्यूनतम 100% तक होगा.

A-8.2 Qualitative Disclosure:

From 1st January 2015, the bank has implemented guidelines on Liquidity Coverage Ratio (LCR) of the Reserve Bank of India.

The LCR standard aims to ensure that a bank maintains an adequate level of unencumbered HQLAs that can be converted into cash to meet its liquidity needs for a 30 calendar day time horizon under a significantly severe liquidity stress scenario. The LCR and monitoring tools are applicable for Indian banks initially w.e.f. 1st January 2015 at whole bank level only i.e. on a stand-alone basis including overseas operations through branches and subsequently at consolidated basis w.e.f. 1st January 2016 i.e. including domestic and overseas subsidiaries.

The LCR has two components:

(i) The value of the stock of high-quality liquid assets (HQLA) in stressed conditions- the numerator.

(ii) Total net cash outflows: The term "Total net cash outflows" is defined as "Total expected cash outflows" minus "Total expected cash inflows" in the specified stress scenario for the subsequent 30 calendar days (the stressed period) the denominator.

LCR = Stock of High Quality Liquid Assets/Total Net Cash Outflows over the next 30 calendar days >=100%

According to RBI, the LCR will be introduced in a phased manner starting with a minimum requirement of 60% from January 1, 2015 and reaching minimum 100% on January 1, 2019

	जनवरी 01, 2015 January 1 2015	जनवरी 01, 2016 January 1 2016	जनवरी 01, 2017 January 1 2017	जनवरी 01, 2018 January 1 2018	जनवरी 01, 2019 January 1 2019
न्यूनतम एलसीआर Minimum LCR	60%	70%	80%	90%	100%

*भारतीय रिज़र्व बैंक के दिनांक 31 मार्च, 2015 के दिशानिर्देशों के अनुसार बैंक ने वित्तीय वर्ष मार्च, 2016 के लिए एलसीआर प्रकटीकरण एकल आधार पर किया है. दिनांक 1 जनवरी 2016 से भारतीय बैंकिंग उद्योग प्रणाली पर समेकित आधार पर प्रकटीकरण के लागू मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार जनवरी 2017 से शुरु होने वाले वर्ष के लिए बैंक को एलसीआर प्रकटीकरण दैनिक औसत के आधार पर करना है, इसलिए बैंक ने मार्च 2017 को समाप्त तिमाही के लिए एकल एवं समेकित दोनो आधार पर दैनिक औसत पर एलसीआर की गणना की है. बैंक ने मार्च 2017 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए भी एलसीआर प्रकटीकरण किया है. जिसमें तिमाही 1, तिमाई 2 एवं तिमाही 3 के लिए मासिक औसत पर तिमाई 4 के लिए दैनिक औसत पर शामिल है.

एचक्यूएलए की संरचना

मार्च 2018 को समाप्त तिमाही के लिए दैनिक औसत के आधार पर अतिरिक्त एसएलआर प्रतिभूतियाँ एचक्यूएलए का अधिकतम हिस्सा अर्थात 40.02% है उसके बाद तरलता कवरेज अनुपात का लाभ उठाने हेतु सुविधा, जो कि एचक्यूएलए का 34.51% है. स्तर-2 की आस्तियां जोकि स्तर-1 की आस्तियों की तुलना में गुणवत्ता में निम्न है, वह 40% के अधिकतम अनिवार्य स्तर के सामने कुल एचक्यूएलए का 0.74% है.

*As per the RBI guidelines dated 31st March 2015, the Bank has made LCR disclosure on solo basis for the financial year ending March 2016. In terms of extant guideline disclosure on consolidated basis is applicable to the Indian banking system from 1st January 2016 and onwards. As starting from January 2017, banks has to disclose LCR on daily average basis, hence bank has computed LCR on daily average basis both for Solo and Consolidated Level since March 2017. Bank has also disclosed LCR for the financial year ending March 2017, which consisted of monthly averages for Q1, Q2, Q3 and daily averages for Q4.

Composition of HQLA

Based on daily averages for the quarter ended March 2018, Facility to avail Liquidity for Liquidity Coverage Ratio constitutes the highest portion of HQLA i.e 40.02% followed by excess SLR securities which constitute 34.51%. Level 2 assets which are lower in quality as compared to Level 1 assets, constitute nominally 0.74% of total stock of HQLA against maximum mandated level of 40%.

उच्च गुणवत्ता वाली तरल आस्तियां (एचक्यूएलए)	High Quality Liquid Assets (₹HQLAs)	एचक्यूएलए में औसत अंशदान प्रतिशत Average percentage contribution to HQLA
लेवल 1 आस्तियां	Level 1 Assets	
हाथ में नकदी	Cash in hand	3.60%
आधिक्य सीआरआर शेष	Excess CRR balance	8.10%
न्यूनतम एसएलआर आवश्यकता के अलावा सरकारी प्रतिभूतियां	Government Securities in excess of minimum SLR requirement	34.51%
एमएसएफ के द्वारा अनुमत सीमा तक अनिवार्य एसएलआर आवश्यकता के तहत सरकारी प्रतिभूतियां (वर्तमान में एमएसएफ के लिए तथा अनुमत एनडीटीएल की 2 प्रतिशत सीमा तक)	Government securities within the mandatory SLR requirement, to the extent allowed by RBI under MSF (presently to the extent of 2 per cent of NDTL as allowed for MSF)	9.56%
बासेल II मानकीकृत दृष्टिकोण के अंतर्गत 0% रिस्क वेटेड वाले विदेशी संप्रभुओं द्वारा जारी की गयी अथवा प्रत्याभूत बाजार योग्य प्रतिभूतियां (मेमो क.सं. के अंतर्गत देशवार विवरण)	Marketable securities issued or guaranteed by foreign sovereigns having 0% risk-weight under Basel II Standardized Approach (country-wise details to be provided under memo item no.1)	3.47%
चलनिधि कवरेज अनुपात के लिए तरलता हेतु सुविधा (वर्तमान में एमएफएस के लिए यथा अनुमत एनडीटीएल की 8 प्रतिशत सीमा तक)	Facility to avail Liquidity for Liquidity Coverage Ratio(presently to the extent of 9 per cent of NDTL as allowed for MSF)	40.02%
कुल समायोजित लेवल 1, आस्तियां	Total Adjusted Level 1 Assets	99.26%
कुल लेवल 2ए आस्तियां	Total Adjusted Level 2A Assets	0.25%
कुल लेवल 2बी आस्तियां	Total Adjusted Level 2B Assets	0.49%
एचक्यूएलए के कुल स्टॉक = लेवल 1 + लेवल 2ए+ लेवल 2बी -15% सीमा के समायोजित - 40% सीमा के समायोजित.	Total Stock of HQLAs = Level 1 + Level 2A + Level 2B – Adjustment for 15% cap – Adjustment for 40% cap	100.00%

अंतः अवधि परिवर्तन तथा समयोपरांत परिवर्तन

90% की विनियामक आवश्यकताओं के सापेक्ष में जनवरी 2018, फरवरी 2018 तथा मार्च 2018 में एलसीआर क्रमशः 91.84%, 124.90% तथा 107.44 % था.

निधियन स्रोतों का संकेन्द्रण

निधियों के स्रोतों का कोई अनुचित संकेन्द्रण नहीं पाया गया और न ही निधियों के स्रोतों में जोखिम के संकेन्द्रण के परिप्रेक्ष्य में कोई काउंटर-पार्टियां महत्वपूर्ण रहीं. किसी भी कांऊटर पार्टी का हिस्सा बैंक की कुल देयताओं के 1% से अधिक न था. महत्वपूर्ण काउंटर-पार्टियों को इस प्रकार परिभाषित किया जाता है कि-एक एकल काउंटर पार्टी या महत्वपूर्ण काउंटर-पार्टियों का जुड़ा हुआ या संलग्न समूह, जिनका कुल हिस्सा बैंक की कुल देयताओं में 1% से अधिक है.

उसी प्रकार कोई भी लिखत/उत्पाद बैंक की कुल देयताओं के 1% से अधिक का नहीं है. एक महत्वपूर्ण लिखत/उत्पाद को इस प्रकार परिभाषित किया जाता है कि- एक सिंगल लिखत/उत्पाद या वैसे ही लिखतों/उत्पादों का समूह, जिनकी सकल राशि बैंक की कुल देयताओं में 1% से अधिक है. निधिगत लिखत/उत्पादों का उदाहरण-हॉलसेल जमा-राशियां जमा-राशियों के प्रमाणपत्र, दीर्घावधि के आवधिक बॉंड इत्यादि. बैंक के एकल आधारित सर्वोच्च 20 जमाकर्ता का जमा हमारी कुल जमाराशियों का 4.85% हैं.

Intra-period changes as well as changes over time:

LCR were 91.84%, 124.90% and 107.44% as at the months ended January 2018, February 2018 and March 2018 respectively as against the minimum regulatory requirement of 90%

Concentration of funding sources

There has been no undue concentration of funding sources and no counterparty is significant in terms of concentration risk in sources of funds. No counterparty contributes more than 1% of the bank's total liabilities. A significant counterparty is defined as a single counterparty or group of connected or affiliated counterparties accounting in aggregate for more than 1% of the bank's total liabilities.

Similarly no instrument/product constitutes more than 1% of the bank's total liabilities. A "significant instrument/product" is defined as a single instrument/product of group of similar instruments/products which in aggregate amount to more than 1% of the bank's total liabilities. Example of funding instruments/products - wholesale deposits, certificates of deposits, long term bonds, etc. Top 20 depositors of the bank on solo basis constitute 4.85% of our total deposits.

डेरीवेटीव एक्सपोजर और संभावित संपार्श्विक कॉल:

यथा 31 मार्च 2018 को बैंक का डेरिवेटीव एक्सपोजर निम्न अनुसार हैं:

Derivative exposures and potential collateral calls:

The bank's derivative exposure as on 31st March 2018 is as under:

क्रम सं S.No.	विवरण	Description	(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)
1	डेरीवेटीव एक्सपोज़र की काल्पनिक राशि	Notional amount of Derivative exposure	185945.57
2	चालू एक्सपोज़र पद्धति के अनुसार एक्सपोज़र	Exposure as per Current Exposure method	4451.81
3	अगले 30 दिनों के लिए डेरीवेटीव एक्सपोज़र	Expected outflow for Derivative exposure for next 30 days	308.48

एलसीआर में मुद्रा-मिसमैच:

सभी महत्वपूर्ण मुद्राओं के लिए हम मुद्रा वार एलसीआर की गणना करते हैं. महत्वपूर्ण मुद्रा वह है जहां उस मुद्रा में सकल देयताओं की मूल्य-राशि बैंक की कुल देयताओं का 5% या अधिक हो, जैसे कि यूएस डॉलर, यूरो, जीबीपी एवं अन्य.

मार्च 2018 माह समापन को महत्त्वपूर्ण विदेशी मुद्राओं के लिए एलसीआर निम्नानुसार है:

Currency mismatch in the LCR:

Bank calculates currency wise LCR for all significant currencies. A significant currency is one where aggregate liabilities denominated in that currency amount to 5 per cent or more of the bank's total liabilities viz USD, EURO, GBP and others.

The LCR for the significant foreign currencies as at the month ended March 2018 is as under:

क्रम सं /S.No.	मुद्रा / Currency	एलसीआर का स्तर / LCR level
1	यूएसडी / USD	247.59%
2	जीबीपी / GBP	0.72%
3.	ईयूआर / EUR	12.67%

चलनिधि प्रबंधन की केंद्रीयकरण की डिग्री का विवरण तथा समूह की इकाइयों के बीच पारस्परिक संवाद.

उद्यमवार अधार पर बैंक के लिए चलनिधि प्रबंधक की जिम्मेवारी निदेशक मंडल की है. निदेशक मंडल अपनी यह जिम्मेवारी निदेशक मंडल की समिति को जिसे 'जोखिम प्रबंधन पर निदेशक मंडल' कहा जाता है, सौंप देता है. यह समिति विभिन्न प्रकार के जोखिमों तथा चलनिधि पर इसके प्रभाव के बीच सहबद्धता परिवेक्षण के लिए उत्तरदायी है.

हमारे बैंक में ए.एल.एम. पॉलिसी ग्रुप है जो समूह के भीतर चल निधि एवं ब्याज दर जोखिम को संचालित करने के लिए बृहद दिशा निर्देश देता है. विदेशों में परिचालित बैंक की इकाइयां अपनी परिचालन चल निधि या अल्पावधि चल निधि लगातार आधार पर या स्वयं ही प्रबन्ध कर लेती है. बैंक की चलनिधि एवं / विदेशी व्यापार के ब्याज जोखिम प्रबंधन की मॉनिटरिंग बैंक के जोखिम प्रबन्धन विभाग के ग्लोबल मिड ऑफिस द्वारा की जाती है.

ए.एल.एम. समूह की पॉलिसी के संबंध में दिशा निर्देश, जब तक कि विशेष रुप से छूट प्राप्त न हो, विदेशी परिचालनों में भी लागू किए जाते है. बैंक की सभी वैधानिक संस्थाएं अर्थात अनुषंगियां, संयुक्त उद्यम तथा सहयोगी लगातार अपने निजी प्रयासों से अपने व्यवसाय मॉडल तथा चल निधि आवश्यकता के अनुसार अपना प्रबन्ध करती है. वे अपनी निजी ए.एल.एम पॉलिसी रखते है. चूंकि वैधानिक संस्थाएं बैंकिंग व्यवसाय करती हैं. वे उस देश के दिशा-निर्देशों साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों-इनमें से जो ज्यादा कड़े है, उनके अनुसार कार्य करती है.

Description of the degree of centralization of liquidity management and interaction between the group's units:

The liquidity management for the Bank on enterprise wide basis is the responsibility of the Board of Directors. Board of Directors has delegated its responsibilities to a Committee of the Board called as the "Risk Management Committee of Board". The Committee is responsible for overseeing the inter linkages between different types of risk and its impact on liquidity.

Bank has Group ALM Policy which provides the broad guidelines under which all the entities within the Group operate in terms of liquidity and interest rate risk. The bank's entities operating in foreign countries manage their operational liquidity or liquidity in the short-term on their own on an ongoing basis as per both respective territory's ALM policy and Group ALM policy. The monitoring of liquidity and interest rate risk management of the overseas operations of the bank is being done by the Bank's Global Mid-Office (ALM Cell) of Risk Management Department.

The guidelines of the Group ALM policy, unless otherwise specifically exempted, apply to overseas operations as well. All the legal entities of the bank i.e.-subsidiaries, joint ventures and associates manage their operational liquidity on an ongoing basis at their own according to their business models and liquidity requirement. As to the legal entities carrying out banking business, they have their own ALM Policy in line with the host country guidelines as well as RBI guidelines whichever is more stringent

बी. इंस्टीट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड एकाउंटेट्स ऑफ़ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी एकाउंटिंग स्टैंडर्ड (एएस) के संबंध में प्रकटीकरण

बी 1 एएस-5 अवधि के लिए निवल लाभ एवं हानि, पूर्व अवधि हेतु मद तथा लेखानीतियों में परिवर्तन

लेखांकन नीति (एएस-5)में परिवर्तन

वर्ष के दौरान मूल बैंक ने एनपीए खातों में हुई वसूली के विनियोग की विधि में परिवर्तन किया है, जिसमें वसूली अब प्रभारों, अनुपयुक्त ब्याज एवं अंत में मूलधन के रूप में मूलधन वसूली एवं समायोजन की पुरानी विधि के एवज में समायोजित की जा रही है. इसके परिणामस्वरूप सकल एनपीए ₹ 1496.71 करोड़ से, ब्याज आय ₹ 1496.71 करोड़ से और प्रावधान व करो में लगभग ₹ 1085.65 करोड़ से संवृद्ध हुआ हैं. इसके परिणामस्वरूप वर्ष के लिए ₹ 411.06 करोड़ की हानि दर्ज हुई है.

बी-2. एएस-15 कर्मचारी लाभ

बी-2.1 बैंक ने 07.12.2006 से प्रभावी आईसीएआई द्वारा जारी लेखा मानक (ए.एस.-15) को अपनाया है. यह मानक दिनांक 17.12.2007 को संशोधित एवं अधिसूचित किया गया.

बी-2.2 ग्रेच्युटी

बैंक अपने ऐसे कर्मचारियों को, जो कि बैंक सेवा से सेवानिवृत्त अथवा प्रारंभिक पाँच वर्षों की सेवाओं के बाद सेवात्याग करते हैं, ग्रेच्युटी का भुगतान करता है. बैंक प्रत्येक वर्ष भुगतान की जाने वाली इस ग्रेच्युटी की फंडिग के लिए एक आंतरिक न्यास को अंशदान राशि प्रदान करता है. ग्रेच्युटी निधि के नियमों के अनुरूप ब्याज दर, वेतन वृद्धि, मृत्यु दर और सेवा छोड़ने वाले स्टाफ का अनुमान लगाते हुए, परिलक्षित इकाई ऋण बीमांकिक पद्धति के आधार पर ग्रेच्युटी देयता के बीमांकिक मूल्य की गणना की जाती है. निधियों का निवेश भारत सरकार द्वारा निर्धारित निवेश पद्धति के अनुसार किया जाता है .

भुगतान की जाने वाली ग्रेच्युटी की गणना 3 विभिन्न योजनाओं के तरीके से की जाती है तथा इसके लिए कर्मचारियों के लिए पात्रता निर्धारण जो योजना कर्मचारियों के लिए अधिक लाभकारी हो, उसके आधार पर की जाती है.

बी-2.3 पेंशन

बी-2.3.1 बैंक ऑफ़ बड़ौदा अपने कर्मचारियों, जिन्होंने पेंशन का विकल्प चुना है और ऐसे कर्मचारियों को, जिन्होंने 29.09.1995 को या उसके बाद परंतु 01.04.2010 के पूर्व बैंक सेवा में कार्यभार संभाला है, उन्हें विनिर्दिष्ट लाभ तथा सेवा निवृत्ति योजना के अंतर्गत पेंशन का भुगतान करता है. यह योजना कर्मचारियों को बैंक ऑफ़ बड़ौदा (कर्मचारी) पेंशन विनिमय, 1995 के अधीन उनके बैंक छोड़ने के पश्चात् मासिक आधार पर पेंशन प्रदान करने की सुविधा प्रदान करती है. बैंक ऑफ़ बड़ौदा (कर्मचारी) पेंशन विनिमय, 1995 के अंतर्गत शामिल कर्मचारी, भविष्य निधि में बैंक के अंशदान के लिए पात्र नहीं है.

बी-2.3.2 नई पेंशन योजना

पेंशन का दुबारा विकल्प देने के बारे में भारतीय बैंक संयुक्त और कर्मचारी संगठनों के बीच हुए द्विपक्षीय समझौते और संयुक्त नोट

B. Disclosure in terms of Accounting Standards (AS) issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI).

B-1 AS-5 Net Profit or Loss for the period, Prior Period Items and Changes in Accounting Policies

Change in Accounting Policy (AS-5)

During the year, the bank has changed the method of appropriation of recovery in NPA accounts, where recoveries are now being adjusted against charges, interest reversed, unapplied interest and lastly against principal as against the earlier method of adjusting recoveries against principal, expenses and unapplied interest. This has resulted in increase of Gross NPA by ₹ 1496.71 crore, increase of interest income by ₹ 1496.71 crore and increase in provision and tax approximately by ₹ 1085.65 crore. This has resulted in the loss for the year being lower by ₹ 411.06 crore.

B-2 AS-15 Employee Benefits

B-2.1 The Bank has adopted the Accounting Standard (AS-15) issued by ICAI, effective from 07.12.2006. The standard has been revised and notified on 17.12.2007.

B-2.2 Gratuity

The Bank pays gratuity to employees who retire or resign from Bank's service, after initial service period of five years. Accordingly, the Bank makes contributions to an in-house trust, towards funding this gratuity, payable every year. In accordance with the rule of Gratuity Fund, actuarial valuation of gratuity liability is calculated based on certain assumptions regarding rate of interest, salary growth, mortality and staff attrition as per the Projected Unit credit actuarial method. The investment of the funds is made according to investment pattern prescribed by the Government of India.

The gratuity payable is worked out by way of three different schemes and the entitlement is based on what is most beneficial to employees

B-2.3 Pension

B-2.3.1 Bank pays pension, a defined benefit plan covering the employees who have opted for pension and also to the employees joining the bank's service on or after 29.9.1995 but before 01.04.2010. The plan provides for a pension on a monthly basis to these employees on their cessation from service of the Bank in terms of Bank of Baroda (Employees') Pension Regulations, 1995. Employees covered under Bank of Baroda (Employees') Pension Regulations, 1995 are not eligible for Bank's contribution to Provident fund

B-2.3.2 New Pension Scheme

In terms of Bipartite Settlement and Joint Note dated 27.04.2010 between IBA and Employees Organizations' on extending another option for pension, employees joining the services of the Bank on or after 01.04.2010 are

दिनांक 27.04.2010 के अनुसार दिनांक 01.04.2010 को या इसके पश्चात बैंक की सेवा में प्रवेश करने वाले कर्मचारी परिभाषित अंशदायी पेंशन योजना के लिए पात्र हैं. जो कि बैंक ने संयुक्त नोट/समझौते दिनांक 27.04.2010 के अनुसार शुरू की है. यह योजना दिनांक 01.01.2004 से केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों के लिए शुरू की गयी तथा समय-समय पर यथासंशोधित नई पेंशन योजना के प्रावधानों से ही नियंत्रित होती है. अतः वे बैंक की भविष्य निधि योजना तथा पेंशन योजना का सदस्य बनने के लिए पात्र नहीं हैं. दिनांक 01.04.2010 को अथवा इसके पश्चात् बैंक सेवाओं में प्रवेश करने वाले बैंक के कर्मचारियों के संबंध में कुल परिलब्धियों से मूल वेतन तथा महंगाई भत्ते की 10% की दर से नई पेंशन योजना के लिए कटौती की जाती है और इसके समतुल्य ही बैंक द्वारा अंशदान किया जा रहा है.

बी-2.4 भविष्य निधि

बैंक ऑफ़ बड़ौदा के लिए अपने कर्मचारियों, जो 31.03.2010 को अथवा उससे पूर्व सेवा में आए हैं, के सेवा निवृत्ति लाभों के एक भाग के रुप में भविष्य निधि की देखरेख सांविधिक आवश्यकता है. इस निधि का प्रबंधन आंतरिक न्यास द्वारा किया जाता है. प्रत्येक कर्मचारी द्वारा उसके मूल वेतन एवं पात्र भत्तों का 10% अंशदान किया जाता है और बैंक ऑफ़ बड़ौदा उस राशि के बराबर राशि इस निधि में अंशदान करता है. इस निधि का निवेश भारत सरकार द्वारा निर्धारित निवेश पद्धति के अनुसार किया जाता है.

बी-2.5 छुट्टी नकदीकरण

कर्मचारी अधिवर्षिता/स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति/मृत्यु के मामले में उसके खाते में जमा अर्जित अवकाश का अधिकतम 240 दिनों के अधीन नकदीकरण के पात्र है.

तथापि, त्यागपत्र के मामले में कर्मचारी उसके खाते में जमा अर्जित छुट्टियों के 50% तक का अधिकतम 120 दिनों के अधीन नकदीकरण के पात्र है.

बी-2.6 अतिरिक्त सेवानिवृत्ति लाभ

अतिरिक्त सेवानिवृत्ति लाभ योजना में यह प्रावधान है कि एक अधिकारी सेवानिवृत्ति/स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति/मृत्यु के मामले में अतिरिक्त सेवानिवृत्ति लाभ पाने का पात्र होगा, बशर्ते अधिकारी बॉब अधिकारी सेवा विनियमों में दर्शाई गयी शर्तों को पूरा करता है.

उसी प्रकार अवार्ड स्टाफ सदस्य सेवानिवृत्ति/स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति/मृत्यु के मामले में अतिरिक्त सेवानिवृत्ति लाभ पाने का पात्र होगा, बशर्ते उसने बैंक में 30 वर्षों की सेवाएँ पूरी की हो.

तथापि, बर्खास्तगी, सेवामुक्ति, सेवा-समाप्ति, अनिवार्य सेवानिवृत्ति एवं त्यागपत्र के मामले में, अतिरिक्त सेवानिवृत्ति लाभ देय नहीं होंगे, चाहे सेवा के कितने ही वर्ष पूरे किए हों.

eligible for the Defined Contributory Pension Scheme, which was introduced by the Bank in terms of the Joint Note / Settlement dated 27.04.2010, similar to the one governed by the provisions of New Pension Scheme introduced for the employees of Central Government w.e.f. 01.01.2004 and as modified from time to time. Hence they are not eligible for becoming members of Bank's Provident Fund Scheme and Pension Scheme. In respect of the employees of the Bank, who have joined the services of the Bank on or after 01.04.2010, deduction towards New Pension Scheme at the rate of 10% of the basic pay and dearness allowance from the salary with a matching contribution by the Bank is being made.

B-2.4 Provident Fund

The Bank is statutorily required to maintain a provident fund as a part of its retirement benefits to its employees who joined Bank's service on or before 31.03.2010. This fund is administered by a trust managed by the Bank. Each employee contributes 10% of their basic salary and eligible allowances and the Bank contributes an equal amount to the fund. The investment of the fund is made according to investment pattern prescribed by the Government of India.

B-2.5 Leave Encashment

An employee is entitled to encash privilege leave standing to his/her credit subject to a maximum of 240 days on the date of superannuation/Voluntary Retirement/death.

However, on resignation, an employee is entitled to get encashment to the tune of 50% of the privilege leave standing to the credit subject to a maximum of 120 days.

B-2.6 Additional Retirement Benefit (ARB)

The scheme for additional retirement benefit provides that an officer on Retirement/ Voluntary retirement/ Death shall be eligible for additional retirement benefit, provided the officers satisfy the conditions mentioned in BOB officer's service regulations.

In the same manner, award staff member on Retirement/ Voluntary Retirement/ Death shall be eligible for additional retirement benefit, provided the staff member had completed thirty-years of service in Bank.

However, in case of dismissal, discharge, termination, compulsory retirement and resignation, additional retirement benefit shall not be payable irrespective of any number of years of service.

बी-2.7 प्रकटीकरण

मूल बीमांकक अनुमान (भारित औसत के रूप में व्यक्त)

B-2.7 Disclosures

Principal Actuarial Assumptions [Expressed as Weighted Average]

		योजना का स्वरुप /TYPE OF PLAN			
		पेंशन Pension	अवकाश नकदीकरण Leave encashment	ग्रेच्युटी Gratuity	अति.सेवा लाभ ARB
डिस्काउंट दर	Discount rate	7.71%	7.71%	7.71%	7.71%
वेतन वृद्धि दर	Salary Escalation Rate	6.00%	6.00%	6.00%	6.00%
मूल्यह्रास दर	Attrition Rate	2.00%	2.00%	2.00%	2.00%
योजनागत आस्तियों पर संभावित रिटर्न रेट	Expected Rate of Return on plan Assets	8.00%	N/A	8.00%	N/A

मृत्यु दर : आईएएलएम (2006-2008)

नोट: भारतीय रिजर्व बैंक ने पत्र दि. 24 मार्च 2014 के अनुसार बैंक में अधिवर्षिता योजनाओं के लिये प्रावधान किया है. प्रबंधन का विचार है कि उन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक के पत्र के अनुसार बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर पर्याप्त प्रावधान किया है.

Mortality Rate : IALM (2006-2008)

Note: The bank has provided for superannuation schemes as per the RBI letter dated March 24, 2014. The management is of the view that they have made adequate provision as per the RBI letter based on the actuarial valuation.

देयताओं के आरंभिक और अंतिम शेष का मिलान

Reconciliation of opening and closing balance of liability

(₹ करोड़ में / ₹ *in Crores*)

		योजना का स्वरुप /TYPE OF PLAN			
		पेंशन Pension	अवकाश नकदीकरण Leave encashment	ग्रेच्युटी Gratuity	अति.सेवा लाभ ARB
1/4/2016 को पीवीओ	PVO as at 01.04.2016	12811.00	906.96	1349.82	346.81
जोड़ें: ब्याज की लागत	Add- Interest Cost	951.37	64.89	94.24	23.92
जोड़ें: पिछला सेवा लागत	Add- Past Service Cost			388.30	
जोड़ें: चालू सेवा लागत	Add- Current Service Cost	1168.24	47.57	105.45	10.56
घटायें: प्रदत्त लाभ	Less- Benefits Paid	943.00	130.61	255.00	55.68
जोड़ें: दायित्वों पर बीमांकिक हानि/लाभ (-)	Add- Actuarial loss/gain(-) on obligation	(-) 630.44	(-) 10.29	(-) 4.49	5.44
31.03.2018 को पीवीओ	**PVO as at 31.03.2018**	**13357.19**	**878.52**	**1678.33**	**331.05**

योजनागत आस्तियों के समुचित मूल्य के प्रारंभिक एवं अंतिम शेष का मिलान

Reconciliation of opening & closing balance of fair value of plan assets

(₹ करोड़ में / ₹ *in Crores*)

		योजना का स्वरुप /TYPE OF PLAN	
		पेंशन Pension	ग्रेच्युटी Gratuity
01.04.2016 को योजनागत आस्तियों का उचित मूल्य	Fair Value of plan assets as on 01.04.2017	12637.67	1239.77
जोड़ें: योजनागत आस्तियों पर संभावित रिटर्न	Add- Expected Return on Plan Assets	1011.01	99.18
जोड़ें: अंशदान	Add- Contributions	271.40	110.06
घटायें: प्रदत्त लाभ	Less- Benefits Paid	943.00	255.00
जोड़ें: बीमांकिक लाभ / (-) हानि	Add- Actuarial gain/(-)loss	124.61	(-) 8.43
31.03.2018 को योजनागत आस्तियों का उचित मूल्य	**Fair Value of Plan Assets as on 31.03.2018**	**13101.69**	**1185.58**

तुलन-पत्र में हिसाब में ली गयी राशि

Amount recognized in the Balance Sheet

(₹ करोड़ में / ₹ *in Crores*)

		योजना का स्वरुप /TYPE OF PLAN			
		पेंशन Pension	अवकाश नकदीकरण Leave encashment	ग्रेच्युटी Gratuity	अति.सेवा लाभ ARB
ए) 31.03.2018 को दायित्व का पीवी	a) PV of obligation as on 31.03.2018	13357.19	878.52	1678.33	331.05
बी) योजनागत आस्तियों का उचित मूल्य	b) Fair value of plan assets	13101.69	--	1185.58	--
सी) अन्तर	c) Difference	255.50	878.52	492.75	331.05
डी) अनिर्धारित संक्रमणशील देयता	d) Unrecognised transitional liability	--	--	291.23	--
ई) तुलनपत्र में मान्य देयता	e) Liability Recognised in the BS	**255.50**	**878.52***	**201.52**	**331.05**

(*पूर्ण राशि हेतु बही में प्रावधान)

(* Provision made in books for full amount)

लाभ-हानि खाते में हिसाब में ली गयी राशि

Amount recognized in the P & L Account

(₹ करोड़ में / ₹ *in Crores*)

		योजना का स्वरुप /TYPE OF PLAN			
		पेंशन Pension	अवकाश नकदीकरण Leave encashment	ग्रेच्युटी Gratuity	अति.सेवा लाभ ARB
ए) चालू सेवा लागत	a) Current Service Cost	1168.24	47.57	105.45	10.56
बी) पूर्व सेवा लागत	b) Past Service Cost			388.30	
सी) ब्याज लागत	c) Interest Cost	951.37	64.89	94.24	23.92
डी) योजनागत आस्ति पर संभावित रिटर्न	d) Expected Return on Plan Assets	1011.01	0.00	99.18	0.00
इ) निवल बीमांकिक हानि/लाभ (-)	e) Net Actuarial Loss/gain(-)	-755.04	-140.90	3.94	-50.24
एफ) वर्ष के दौरान संक्रमणशील देयता	f) Transitional liability recognized in the year	0.00	0.00	291.23	0.00
लाभ व हानि खाते में निर्धारित खर्च	**Expenses Recognized in P&L**	**353.56**	**28.44**	**201.52**	**-15.76**

निवेश पैटर्न: (% में)

Investment Pattern: (In %)

विवरण	Particulars	पेंशन Pension	ग्रेच्यूटी Gratuity
केन्द्रीय सरकार की प्रतिभूतियां	Central Govt. Securities	3.23	20.67
राज्य सरकार की प्रतिभूतियां	State Government Securities	0.50	24.00
कार्पोरेट (पीएसयू)	Corporate (PSU)	7.16	10.83
कार्पोरेट (निजी)	Corporate (Private)	2.76	--
बीमा	Insurance	85.44	44.50
अन्य	Others	0.91	--
कुल	**Total**	**100.00**	**100.00**

प्रबंधन के पास उपलब्ध डेटा अनुसार

As per the data available with management

2.8 भारतीय रिजर्व बैंक ने पत्र क्रमांक डीबीआर संख्या बीपी 9730 / 21.04.018 / 2017-18 दि. 27.04.2018 के माध्यम से 31 मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही से चार तिमाहियों तक ग्रैच्युएटी सीमा में वृद्धि के कारण अतिरिक्त देयता प्रदान करने की अनुमति प्रदान की है. बैंक ने इस छूट का लाभ उठाया है तथा 31 मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही के दौरान इस देयता के एक चौथाई यथा ₹ 97 करोड़ का प्रावधान किया है. शेष राशि ₹ 291 करोड़ का प्रावधान आगामी 3 तिमाहियों में किया जाएगा.

2.8 RBI vide letter DBR No. BP 9730/21.04.018/2017-18 dated 27.04.2018 permitted Banks to spread the additional liability on account of the enhancement in gratuity limits over four quarters beginning with the quarter ended March 31, 2018. The bank has availed the relaxation permitted and has provided an amount of ₹ 97 crore being one fourth of the liability during the quarter ended March 31, 2018. The balance of ₹ 291 crore has been deferred to the subsequent three quarter

बी-3. (ए.एस.-17) सेगमेंट रिपोर्टिंग :

भाग - ए : कारोबार खंड

B-3 AS-17 Segment Reporting

Part A – Business Segments

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

कारोबार खंड	Business segment	ट्रेजरी Treasury		कार्पोरेट/होलसेल बैंकिंग Corporate/ Wholesale Banking		रिटेल बैंकिंग Retail Banking		अन्य बैंकिंग परिचालन Other Banking Operations		कुल Total	
विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
राजस्व	Revenue	16777.99	17571.51	18706.92	18824.97	14360.20	11967.05	460.58	594.46	50305.69	48957.99
परिणाम	Result	2641.56	4771.84	-4490.85	(2879.70)	1440.45	2444.63	335.94	438.50	-72.90	4775.27
अनाबंटित खर्च	Unallocated Expense									2717.84	2302.57
परिचालनगत लाभ	Operating Profit									-2790.74	2472.70
आयकर	Income taxes									-358.93	1089.56
विशिष्ट लाभ/हानि	Extra-Ordinary Profit/ Loss									--	--
निवल लाभ	Net Profit									-2431.81	1383.14
अन्य सूचना	Other Information									--	--
सेगमेंट आस्तियां	Segment Assets	268099.12	283240.71	311342.07	291020.91	130111.77	109754.47	0.00	0.00	709552.96	684016.09
अनाबंटित आस्तियां	Unallocated Assets									10446.81	10859.33
कुल आस्तियां	Total Assets									719999.77	694875.42
सेगमेंट देयताएं	Segment Liabilities	251940.64	266812.55	292577.32	274141.50	122269.86	103388.63	0.00	0.00	666787.82	644342.68
अनाबंटित देयताएं	Unallocated Liabilities									9817.18	10229.49
कुल देयताएं	Total Liabilities									676605.00	654572.17
नियोजित पूंजी	Capital employed	16158.48	16428.16	18764.75	16879.41	7841.91	6365.83	0.00	0.00	42765.14	39673.40
अनाबंटित	Unallocated									629.63	629.85
कुल पूंजी	Total Capital									43394.77	40303.25

भाग - बी : भौगोलिक खंड :

Part B – Geographic Segments

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

सेगमेंट	Segments	घरेलू Domestic		अंतर्राष्ट्रीय International		कुल Total	
विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
राजस्व	Revenue	45342.56	43787.54	4963.13	5170.45	50305.69	48957.99
आस्तियां	Assets	553287.16	492400.63	166712.61	202474.79	719999.77	694875.42

बी-4 एएस-27 संयुक्त उद्यम में हितों का प्रकटीकरण

एएस 27 की आवश्यकता के अनुरूप संयुक्त रुप से नियंत्रित इकाइयों में बैंक के हितों से संबंधित आस्तियों , देयताओं, आय, व्यय, आकस्मिक देयताओं और प्रतिबद्धताओं की कुल राशि निम्नानुसार है:

B – 4 AS -27 Disclosure of Interest in Joint Ventures

As required by AS 27, the aggregate amount of the assets, liabilities, income, expenses, contingent liabilities and commitments related to the Bank's interests in jointly controlled entities are disclosed as under:

नाम Name	देश जहां विद्यमान है Country of Incorporation	निवेश की स्वरूप Nature of Investments	स्वामित्व का % / % of owner ship	
			चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
इंडिया फर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस कम्पनी लि. India First Life Insurance Company Ltd	भारत / India	संयुक्त उद्यम Joint Venture	44	44
इंडिया इंटरनेशनल बैंक (मलेशिया) बीएचडी. India International Bank (Malaysia) Bhd	मलेशिया /Malaysia	संयुक्त उद्यम Joint Venture	40	40
इंडिया इंफ्राडेब्ट लि. India Infradebt Ltd.	भारत /India	संयुक्त उद्यम Joint Venture	36.86	30

(₹ करोड़ में) (₹ in crore)

विवरण	Particulars	31 मार्च 2018 तक As at March 31, 2018	31 मार्च 2017 तक As at March 31, 2017
देयताएं	Liabilities		
पूंजी एवं राजस्व	Capital & reserve	819.84	568.00
जमाएं	Deposits	76.15	93.53
ऋण	Borrowings	2663.4	1261.50
अन्य देयताएं एवं प्रावधान	Other Liabilities & provisions	5550.71	4741.60
कुल	Total	9110.10	6664.63
आस्ति	Asset		
नकदी तथा आरबीआई के पास जमाशेष	Cash and Balances with RBI	0.77	1.56
बैंक के पास जमाशेष तथा मांगे जाने तथा अल्प सूचना पर देय राशि	Balances with banks and Money at call and short notice	420.57	378.11
निवेश	Investments	6963.76	5632.56
ऋण एवं अग्रिम	Loans & Advances	1411.29	455.73
स्थायी आस्तियां	Fixed Assets	10.17	9.82
अन्य आस्तियां	Other Assets	303.54	186.85
कुल	Total	9110.10	6664.63
पूंजीगत परिसंपत्तियां	Capital Commitments	-	-
अन्य आकस्मिक देयताएं	Other Contingent Liabilities	-	-
आय	Income		
अर्जित आय	Income Earned	653.65	574.91
अन्य आय	Other Income	1011.16	977.64
कुल	Total	1664.81	1552.55
व्यय	Expenditure		
विस्तारित ब्याज	Interest expended	184.88	80.51
परिचालनगत व्यय	Operating expenses	676.78	658.87
प्रावधान एवं आकस्मिक व्यय	Provisions & contingencies	730.19	782.76
कुल	Total	1591.85	1522.14
लाभ	Profit	72.96	30.41

बी-5. संबंधित पार्टी प्रकटीकरण (एएस-18)
संबंधित पार्टियों के नाम एवं बैंक के साथ उनके संबंध

ए) अनुषंगियां

i) बॉब कैपिटल मार्केट लिमिटेड
ii) बॉब फाइनेंसिएल सोल्यूशन लिमिटेड (पूर्व में बॉब कार्डस् लि.)
iii) नैनीताल बैंक लिमिटेड
iv) बड़ौदा ग्लोबल शेयर्ड सर्विसेस लिमिटेड
v) बड़ौदा सन टेक्नोलॉजी लिमिटेड
vi) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (केनिया) लिमिटेड
vii) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (यूगांडा) लिमिटेड
viii) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (गयाना) आईएनसी.
ix) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (यूके) लिमिटेड
x) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (तंजानिया) लिमिटेड
xi) बड़ौदा कैपिटल मार्केट्स (यूगांडा) लिमिटेड
बैंक ऑफ बड़ौदा यूगांडा लिमिटेड की अनुषंगी)
xii) बॉब ऑफ बड़ौदा (त्रिनिदाद व टोबेगो) लि.
xiii) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (घाना) लि.
xiv) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (न्यूजीलैंड) लि.
xv) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (बोत्सवाना) लि.
xvi) बॉब (यू.के) लिमिटेड

(बी) सहयोगी इकाइयां

i) बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक
ii) बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक
iii) बड़ौदा गुजरात ग्रामीण बैंक
iv) बड़ौदा पायोनियर एसेट मेनेजमेंट कं. लि.
v) इंडो जांबिया बैंक लिमिटेड
vi) बड़ौदा पायोनियर ट्रस्टी कं. प्रा. लि.

(सी) संयुक्त उद्यम

i) इंडिया फर्स्ट लाइफ इंश्यूरेंस कं. लि.
ii) इंडिया इंटरनेशनल बैंक (मलेशिया) बीएचडी.
iii) इंडिया इंफ्राडेब्ट लि.

(डी) महत्वपूर्ण प्रबंधन कार्मिक

B-5 Related Party Disclosures (AS-18)
Names of the Related Parties and their relationship with the Bank:

(a) Subsidiaries

(i) BOB Capital Markets Limited
(ii) BOB Financial Solutions Limited (formerly known as BOB Cards Ltd.)
(iii) The Nainital Bank Limited
(iv) Baroda Global Shared Services Ltd
(v) Baroda Sun Technologies Ltd.
(vi) Bank of Baroda (Kenya) Limited
(vii) Bank of Baroda (Uganda) Limited
(viii) Bank of Baroda (Guyana) Inc.
(ix) Bank of Baroda (UK) Limited
(x) Bank of Baroda (Tanzania) Limited
(xi) Baroda Capital Markets (Uganda) Limited. (Subsidiary of Bank of Baroda Uganda Ltd.)
(xii) Bank of Baroda (Trinidad & Tobago) Ltd.
(xiii) Bank of Baroda (Ghana) Ltd.
(xiv) Bank of Baroda (New Zealand) Ltd.
(xv) Bank of Baroda (Botswana) Limited
(xvi) BOB (UK) Ltd

(b) Associates

(i) Baroda Uttar Pradesh Gramin Bank
(ii) Baroda Rajasthan Kshetriya Gramin Bank
(iii) Baroda Gujarat Gramin Bank
(iv) Baroda Pioneer Asset Management Company Limited
(v) Indo Zambia Bank Limited
(vi) Baroda Pioneer Trustee Company Private Limited

(c) Joint Ventures

(i) India First Life Insurance Company Limited
(ii) India International Bank (Malaysia) Bhd.
(iii) India Infradebt Limited

(d) Key Management Personnel

क्र. सं. S. NO	नाम NAME	पदनाम DESIGNATION	पारिश्रमिक REMUNERATION	
			चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
1	श्री पी. एस. जयकुमार Shri P. S. Jayakumar	प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी MD & CEO	31,51,937	30,78,225/-
2	श्री मयंक मेहता Shri Mayank Mehta	कार्यपालक निदेशक Executive Director	30,20,936	26,20,322/-
3.	श्री अशोक कुमार गर्ग Shri Ashok Kumar Garg	कार्यपालक निदेशक (16.08.2016 से) Executive Director	28,24,124	16,01,143/-
4.	श्रीमती पापिया सेनगुप्ता Smt. Papia Sengupta	कार्यपालक निदेशक (01.01.2017 से) Executive Director (w.e.f 01.01.2017)	27,81,170	6,04,537/-
5.	श्री भुवनचंद्र बी. जोशी Shri Bhuwanchandra B Joshi	कार्यपालक निदेशक (31.12.2016 से) Executive Director (up to 31.12.2016)	0.00	21,65,205/-

लेखों पर टिप्पणियों के आरबीआई के परिपत्र के अनुसार संबंधित पार्टी प्रकटीकरण के लिए महत्वपूर्ण प्रबंधन कार्मिक, बोर्ड के पूर्णकालिक निदेशक होते हैं.

आईसीएआई द्वारा जारी संबंधित पार्टी प्रकटीकरण (एएस) - 18 के पैरा 9 के मद्देनजर अनुषंगियों एवं सहायक (एएस) बैंकों से संबंधित लेन-देनों का प्रकटीकरण नहीं किया गया है, जैसा कि आईसीएआई द्वारा जारी संबंधित पार्टी प्रकटीकरण (एएस) - 18 के पैरा 9 में उल्लेख है, जिसमें अन्य सरकार नियंत्रित उद्यमों से संबंधित लेन-देनों से संबंधित प्रकटीकरण से छूट प्रदान की गयी है. अन्य उद्यमों हेतु, सभी संव्यवहार यथा मियादी जमा, उसपर ब्याज आदि सामान्य व्यवसाय के दौरान किए गए है, अतः प्रकटीकरण नहीं किया गया है.

In terms of RBI circular on notes to accounts, key management personnel are whole time directors of Board for Related Party Disclosure.

Keeping in line with para 9 of the (AS) -18 Related Party Disclosures issued by ICAI of The transactions with the Subsidiaries and Associate Banks have not been disclosed in view of para 9 of the (AS) -18 Related Party Disclosures issued by ICAI, which exempts state controlled enterprises from making any disclosure pertaining to transactions with other related state controlled enterprises. For other enterprises, no disclosure has been made as all the transactions are done in the ordinary course of business such as Fixed Deposits, interest thereon etc.

बी-6. एएस-20 प्रति शेयर आय

B-6 AS-20 Earning per Share

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
कर के बाद निवल लाभ (₹ करोड़ में)	Net profit after tax (₹ in Crores)	(2431.81)	1383.14
शेयरों की संख्या (वेटेड)	Number of Equity Shares (weighted)	2308835715	2304159598
प्रति शेयर बुनियादी व डायल्यूटेड अर्जन	Basic & diluted earnings per Equity share	(10.53)	6.00
प्रति शेयर अंकित कीमत	Nominal value per Equity share	₹ 2.00	₹ 2.00

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
वर्ष के आरंभ में इक्विटी शेयर की संख्या	No. of Equity Share beginning of the year	2304159598	2304159598
जोड़ें: वर्ष के दौरान परिवर्धन	Add: Addition during the Year	341356534	0.00
वर्ष की समाप्ति पर इक्विटी शेयर की संख्या	No. of Equity Share at the end of year	2645516132	2304159598
इक्विटी शेयर का भारित औसत	Weighted Average of Equity Share	2308835715	2304159598

बी-7. (एएस-22) आय पर करों का लेखांकन

बैंक ने आईसीएआई द्वारा जारी आय पर करों का लेखांकन पर एएस 22 की आवश्यकताओं को पूरा किया है तथा तद्नुसार आस्तियों एवं देयताओं का पुर्नमूल्यांकन @ 34.608% अर्थात वित्त बिल 2017 में किए गए प्रावधानों के अनुरुप किया है. 31 मार्च 2018 को आस्थगित कर देयता का निवल शेष ₹ 6333.06 करोड़ है जिसमें निम्नलिखित का समावेश है

B-7 AS-22 Accounting for Taxes on Income

The Bank has complied with the requirements of AS 22 on Accounting for Taxes on Income issued by ICAI and has accordingly revalued assets and liabilities @ 34.608% i.e. the rate as per enacted Finance Bill 2017. The net balance of deferred tax Asset as on 31st March 2018 amounting to ₹ 6333.06 Crores consists of the following:

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	31.03.2018		31.03.2017	
ए. देशीय	A. DOMESTIC	आस्ति Asset	देयता Liability	आस्ति Asset	देयता Liability
अचल आस्तियों पर आयकर अधिनियम के तहत बही मूल्यह्रास तथा मूल्यह्रास में अंतर	Difference between book depreciation and Depreciation under Income Tax Act on fixed assets	--	55.57	--	103.64
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1)(viii) के अन्तर्गत कटौती	Deduction under section 36 (1) (viii) of the Income-Tax Act, 1961		1937.20	--	1770.86
परिपक्वता के लिए धारित (एचटीएम) प्रतिभूतियों पर मूल्यह्रास	Depreciation on HTM Securities		97.07	--	96.14
विदेशी मुद्रा विनिमय आरक्षित (वसूल न की गयी)	Foreign Currency Translation Reserve(Unrealized)		55.35	--	121.93
उपचित ब्याज परंतु देय नहीं	Interest accrued but not due		937.21	--	--
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 40(ए)(आईए) के अन्तर्गत गैर अनुमत राशि	Amount disallowed U/S 40 (a) (ia) of the IT Act	3.77		1.87	--
अवकाश नकदीकरण के लिए प्रावधान	Provision for leave encashment	307.03		313.88	--
संदिग्ध ऋणों तथा अग्रिमों के लिए प्रावधान	Provision for doubtful debts and advances	8097.03		5093.81	--
विदेशी मुद्रा विनिमय आरक्षित (वसूल की गयी)	Foreign Currency Translation Reserve (realized)	69.08		66.92	--
कुल	**Total:**	**8476.91**	**3082.40**	**5476.48**	**2092.57**
निवल आस्थगित कर आस्तियां/ (देयताएं) (ए)	**Net Deferred Tax Assets /(Liability) (A)**		**5394.51**		**3383.91**
बी. वैश्विक	**B. GLOBAL**				
स्थायी आस्तियों पर बही मूल्यह्रास एवं आयकर अधिनियम के तहत मूल्यह्रास के बीच का अंतर.	Difference between book depreciation and Depreciation under Income Tax Act on fixed assets	--	55.57	--	103.64
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 36(1)(viii) के तहत कटौती.	Deduction under section 36 (1) (viii) of the Income-Tax Act, 1961		1937.20	--	1770.86

एचटीएम प्रतिभूतियों पर मूल्यह्रास	Depreciation on HTM Securities		97.07	--	96.14
विदेशी मुद्रा विनिमय आरक्षित (वसूल न की गयी)	Foreign Currency Translation Reserve (Unrealized)		55.35	--	121.93
उपचित ब्याज परंतु देय नहीं	Interest accrued but not due		937.21		--
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 40(ए)(आईए) के अन्तर्गत गैर अनुमत राशि	Amount disallowed U/S 40 (a) (ia) of the IT Act	3.77		1.87	
छुट्टी नकदीकरण हेतु प्रावधान	Provision for leave encashment	307.03		313.88	--
संदिग्ध ऋणों एवं आग्रिमों के लिए प्रावधान	Provision for doubtful debts and advances	9035.58		6030.65	--
विदेशी मुद्रा विनिमय आरक्षित	Foreign Currency Translation Reserve	69.08		66.92	--
कुल:	**Total:**	**9415.46**	**3082.40**	**6413.32**	**2092.57**
निवल आस्थगित कर आस्तियां/ (देयताएं) (ए)	**Net Deferred Tax Assets /(Liability) (A)**		**6333.06**		**4320.75**

बी-8. एएस-24 परिचालन बंद करना

अंतर्राष्ट्रीय परिचालन की सुसंगतता हेतु सामरिक पहल के रूप में जो कि भारत सरकार के निर्देशों अनुसार भी है, बैंक ने कई स्थानों पर परिचालन बंद करने का निर्णय लिया है. वर्ष 2017-18 के दौरान बैंक ने किंगडम ऑफ बहरीन, बहमास व रिप्बलिक ऑफ साऊथ अफ्रिका में अपने परिचालन को बंद करना शुरू कर दिया है. इन क्षेत्रो में बंद करने का काम एडवांस स्टेज में है. प्रबंधन की राय में बही में उपयुक्त प्रावधान किए गए है एवं वित्तीय विवरणियों में उल्लिखित राशि उनकी प्राप्य राशि से कम नहीं है. बैंक के कारोबार पर इन क्षेत्रों में परिचालन बंद करने का कोई प्रभाव नहीं होगा.

B-8 AS-24 Discontinuing operations

As a part of strategic initiatives for rationalization of International Operations, which is also in consonance with the Government of India directives, the Bank has decided to exit from certain geographies. During the year 2017-18, the Bank has initiated closure of its operations in the Kingdom of Bahrain, Bahamas and Republic of South Africa. The closure of these territories is at an advance stage. In the opinion of the Management, adequate provisions have been made in the books and the amounts stated in the financial statements are not less than at their realizable values. The impact of closure of operations in these territories on the business of the Bank, is not material.

बी-9. एएस-28 आस्तियों का अनर्जक बनना

लेखा मानक-28 ''आस्तियों का इंपेयरमेंट'' के खंड 5 से खंड 13 - के अंतर्गत कोई महत्वपूर्ण उल्लेख न होने के फलस्वरुप चालू वित्तीय वर्ष में अचल संपत्ति का कोई भी इंपेयरमेंट जरूरी नहीं है.

B-9 AS-28 Impairment of Assets

In view of the absence of indication of material impairment within the meaning of clause 5 to clause 13 of AS 28 Impairment of Assets, no impairment of fixed assets is required in respect of current financial year.

बी-10. एएस-29 प्रावधान, आकस्मिक देयताएं तथा आकस्मिक आस्तियां

बी-10.1 देयताओं के लिए प्रावधानों का संचलन (अन्य के लिए प्रावधानों को छोड़कर)

B-10 AS-29 Provisions, Contingent Liabilities and Contingent Assets

B-10.1 Movement of provisions for Liabilities (excluding provisions for others)

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण विधिक मामले/आकस्मिकताएं	Particulars Legal Cases/Contingencies	चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
1 अप्रैल 2017 को शेष	Balance as on 1st April 2017	40.19	33.65
वर्ष के दौरान प्रावधान	Provided/ Adjustment during the year	1.66	6.54
31 मार्च 2018 को शेष	Balance as on 31st March 2018	41.85	40.19
आउटफ्लो/अनिश्चितताओं का समय	Timing of outflow/ uncertainties	निपटान/क्रिस्टलाइजेशन का आउटफ्लो Outflow on settlement crystallization	

बैंक की पॉलिसी के अनुसार ऐसे ऋणों हेतु जिन्हें दावो के रुप में स्वीकार नहीं किया है, उनके लिए प्रावधान किया गया है.

As per the policy of the Bank, provision for the claims not been acknowledged as debt, has been provided for.

बी-10.2 आकस्मिक देयताएं

तुलनपत्र के शेडयूल 12 की क्र.सं.(I) से (VI) में उद्दृत ऐसी देयताएं क्रमशः मांगी गयी राशि, संविदा देयता शर्तें सम्बद्ध पार्टियों की मांग अदालत के निर्णय, पंच फैसले, अदालत के बाह्य निस्तारण, अपील का निपटारा पर निर्भर करती हैं. ऐसे मामलों में कोई प्रतिपूर्ति अपेक्षित नहीं है.

B-10.2 Contingent Liabilities

Such liabilities as mentioned at Serial No (I) to (VI) of Schedule 12 of Balance Sheet are dependent upon the outcome of court judgment / arbitration awards / out of court settlement/disposal of appeals, the amount being called up, terms of contractual obligations, development and raising of demand by concerned parties respectively. No reimbursement is expected in such cases

सी. लेखों पर अन्य टिप्पणियां

सी-1. बहियों का मिलान एवं समाधान

अंतर कार्यालय समायोजन के अंतर्गत लेखों के विभिन्न शीर्षों में नामे एवं जमा की बकाया प्रविष्टियों के प्रारंभिक मिलान का कार्य समाधान के प्रयोजन हेतु 31.03.2018 तक कर लिया गया है. इसमें उचित समाधान का कार्य प्रगति पर है.

सी-2. पूंजीगत आरक्षित निधि

पूंजीगत आरक्षित निधि में अचल संपत्तियों के पुनर्मूल्यांकन के फलस्वरुप होने वाली मूल्यवृद्धि तथा लघु / मध्यम उद्योगों के लिए निर्यात विकास परियोजनाओं हेतु विश्व बैंक की योजनाओं के अंतर्गत भारत सरकार की अंशदान राशि शामिल है.

सी-3. निवेश

सी-3.1 भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार वर्ष के दौरान बैंक ने ''बिक्री के लिए उपलब्ध (एएफएस)'' श्रेणी में निवेश के एक भाग को ''परिपक्वता तक धारित (एचटीएम)'' श्रेणी में अंतरित कर दिया है. ₹ 5.27 करोड़ (गत वर्ष ₹ 12.38 करोड़) के परिणामी मूल्यह्रास को लाभ एवं हानि लेखे में प्रभारित कर दिया गया है.

सी-3.2 एफसीएनआर (बी) आरबीआई के साथ स्वैप

भारतीय रिज़र्व बैंक ने नयी एफसीएनआर (बी) जमाराशियां जो किसी भी अनुमत मुद्रा में संग्रहित की गयी हो उन्हें तीन वर्षों या उससे अधिक अवधि के लिए यूएस डॉलर-रुपए में रियायती दरों पर बदलने की शुरुआत की है. इस विंडो के तहत भारतीय रिजर्व बैंक ने किसी भी अनुमत मुद्रा में एकत्र की गयी एफसीएनआर (बी) जमा राशियों के लिए बैंकों को स्वैप की रियायत दर का प्रस्ताव किया हैं.

बैंक ने संग्रहित यूएस डॉलर 1710 मिलियन भारतीय रिज़र्व बैंक के साथ संगामी अवधि के लिए स्वैप किया. चूंकि आरबीआई के साथ स्वैप वर्तमान 3.5% प्रतिशत तत्समय प्रवर्तमान दर 8% पर किया गया. इसके परिणाम स्वरुप प्रथम वर्ष और परिपक्वता तारीख पर लाभ प्रतिकूल हो सकता है. इस निहित प्रतिकूलता से बचाव एवं भारतीय रिज़र्व बैंक के निर्धारणों के अनुसार हमने स्वैप प्वाइंटस के अमोरटाइजेशन की पद्धति को स्वैप की पूरी अवधि के दौरान करने का निर्णय लिया है.

C. Other Notes to Accounts

C-1 Balancing of Books and Reconciliation

Initial matching of debit and credit outstanding entries in various heads of accounts included in Inter office Adjustments has been completed up to 31.03.2018, the reconciliation of which is in progress.

C-2 Capital Reserves

Capital Reserve includes appreciation arising on revaluation of immovable properties and amount subscribed by Government of India under the World Bank's Scheme for Export Development Projects for small / medium scale industries.

C-3 Investments

C-3.1 In terms of RBI Guidelines, during the year, the bank has transferred a portion of Investment from "Available for Sale (AFS)" category to "Held to Maturity (HTM)" category and from HTM to AFS category. The resultant depreciation of ₹ 5.27 Crores (previous year ₹12.38 Crores) has been charged to the Profit & Loss Account.

C-3.2 FCNR (B) Swap with RBI

RBI introduced US Dollar-Rupee concessional swap window for fresh FCNR (B), funds mobilized in any permitted currency for a minimum tenor of three years and above. In this window RBI offered a concessional rate of Swaps to banks only for fresh FCNR (B) deposits mobilized in any of the permitted currencies.

Bank has swapped USD 1,710 Million mobilized with RBI for the corresponding tenor. As the swaps done with RBI were at 3.5% as against the prevailing rate of around 8% there would have been a distortion in profits on the first year as well as on maturity date. To avoid this inherent distortion, and as prescribed by RBI, we have adopted the method of amortization of swap points to even out expenses throughout the tenor of swaps.

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण / Particulars	चालू वर्ष Current year	पिछले वर्ष Previous Year
प्रारंभिक शेष / Opening Balance	100.86	928.93
जोड़ें: अवधि के दौरान अमोर्टाईज्ड / Add: Amortized during the period	27.84	245.78
घटाएं: परिपक्वता पर वापस / Less: Reversed on maturity	20.40	1,073.85
कुल Total	**108.30**	**100.86**

सी-3.3 'परिपक्वता पर धारित' श्रेणी में ₹ 251.61 करोड़ निवेश की बिक्री पर लाभ को लाभ एवं हानि खाते में अंतरित किया गया है तथा अपर्याप्त लाभ के कारण शून्य राशि पूंजीगत आरक्षित निधि में अंतरित की गयी.

C-3.3 Profit on sale of investment held under "Held to Maturity" category amounting to ₹ 251.61 crores has been transferred to Profit & Loss Account and NIL amount transfer to Capital Reserve due to inadequate profits.

सी-4 करों के लिए प्रावधान

सी-4.1 करों हेतु प्रावधान, अपीलीय प्राधिकारियों के निर्णयों को ध्यान में रखते हुए व अधिवक्ता के परामर्श से किया गया है.

सी-4.2 ''अन्य आस्तियां'' शीर्षक के अंतर्गत दर्शायी अग्रिम कर अदायगी / स्रोत पर कर की कटौती राशि ₹ 2007.25 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 2857.69 करोड़) है, जिसमें विवादास्पद कर मांगों के संबंध में बैंक द्वारा भुगतान की गयी / विभाग द्वारा समायोजित राशि ₹ 1704.80 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 2405.95 करोड़) शामिल है. आयकर की विवादास्पद मांगों के लिए न्यायिक निर्णयों और / या कानूनी परामर्श अधिकारी की राय को ध्यान में रखते हुए इस मद के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है. कर निर्धारण अधिकारी द्वारा किये गये परिवर्तन / मनाही बनाये रखने लायक नहीं है.

सी-5. परिसर

सी-5.1 बैंक की कुल ₹ 23.86 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 23.86 करोड़) की कुछ संपत्तियों के संबंध में हस्तांतरण विलेख का निष्पादन होना बाकी है.

सी-5.2 परिसर के अंतर्गत निर्माणाधीन ₹ 178.10 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 113.41 करोड़) की संपत्तियां शामिल हैं.

सी-6 बॉब फिसकल सर्विसेज लिमिटेड (बॉब एफएसएल), पूर्व में पूर्ण रुप से बैंक ऑफ़ बड़ौदा की अनुषंगी द्वारा 24.09.1990 को कंपनी को स्वैच्छिक रुप से समाप्त करने का विशेष संकल्प पारित किया गया और उसके लिए एक परिसमापक की नियुक्ति कर दी गयी.

बॉब फिसकल सर्विसेज लिमिटेड ने बैंक ऑफ़ बड़ौदा के साथ एक समझौता किया जिसके तहत दिनांक 28.02.1991 से बॉब एफएसएल की संपूर्ण आस्तियां एवं देयताएं उसके पूर्ण व्यवसाय के समापन के फलस्वरुप एक गोइंग कंसर्न/बिक्री के रुप में बैंक ऑफ़ बड़ौदा को स्थानांतरित कर दिए गए. चूंकि कंपनी विचाराधीन कानूनी मामले के कारण पूर्ण रुप से परिसमाप्त नहीं की जा सकती थी अत: दिनांक 30 मार्च 2007 को बॉब एफएसएल की वार्षिक सामान्य बैठक में बॉब एफएसएल को बैंक ऑफ़ बड़ौदा में शामिल करने का निर्णय लिया गया.

निदेशक मंडल द्वारा बैंक ऑफ़ बड़ौदा के साथ मैसर्स बॉब फिसकल सर्विसेस लि. के समामेलन को बैंक की दिनांक 28.01.2009 को आयोजित बैठक में अनुमोदित किया गया और बॉम्बे न्यायालय के सम्मुख बॉब के साथ बॉब एफएसएल समामेलन हेतु आवश्यक याचिका दर्ज करने के लिए प्रबंधन को प्राधिकृत किया. यह मामला अभी भी न्यायालय में लंबित हैं.

सी-7 संपत्ति संयंत्र व उपकरण पर लेखांकन मानक-10 (संशोधित) के अनुसार अचल आस्तियों के पुनर्मूल्यांकित अंश पर वर्ष के लिए ₹ 359 करोड़ के मूल्यह्रास को वर्ष के दौरान पुनर्मूल्यांकन आरक्षित निधि से राजस्व आरक्षित निधि में अंतरित कर दिया गया हैं. तदनुसार, वर्ष हेतु अचल आस्तियों पर मूल्यह्रास ₹ 359 करोड़ से अधिक हैं एवं इस वर्ष के लिए हानि भी इसी सीमा तक उच्च हैं.

C-4 Provision for Taxes

C-4.1 Provision for Taxes has been arrived at after due consideration of decisions of the appellate authorities and advice of counsels.

C-4.2 Tax paid in advance/tax deducted at source appearing under "other Assets" amounting to ₹ 2007.25 (Previous year ₹ 2857.69 Crores) is inclusive of ₹ 1704.80 Crores (previous year ₹ 2405.95 crores) which represents amount adjusted by the department / paid by the bank in respect of disputed tax demands for various assessment years. No provision is considered necessary in respect of the said demands, as in the bank's view, duly supported by counsels opinion and/or judicial pronouncements, additions / disallowances made by the assessing officer are not sustainable

C-5 Premises

C-5.1 Execution of conveyance deeds is pending in respect of certain properties amounting to ₹ 23.86 Crores (Previous Year ₹ 23.86 Crores).

C-5.2 Premises include assets under construction amounting to ₹ 178.10 Crores (Previous Year ₹ 113.41 Crores).

C-6 BOB Fiscal Services Limited (BOBFSL), erstwhile wholly owned subsidiary of Bank of Baroda (BOB), had passed a special resolution for voluntary winding up of the Company on 24.09.1990 and the Liquidator was appointed for the same.

BOBFSL had entered into an agreement with BOB pursuant to which entire assets and liabilities of BOBFSL were transferred to BOB as a going concern / as sale in liquidation of the entire business w.e.f. 28.2.1991. As the Company could not be liquidated due to pending legal cases, a decision to merge BOBFSL with BOB was taken in the Annual General Meeting of BOBFSL held on 30th March 2007.

The Board of Directors of BOB has approved the merger of BOBFSL with BOB in its Board meeting on 28.01.2009 and authorized the Management to file necessary petition for merger of BOBFSL with BOB before the Bombay High Court. The matter is still pending before the judiciary.

C-7 Pursuant to the Accounting Standard-10 (revised) on Property Plant & Equipment depreciation of ₹359 crores for the year on revalued portion of fixed assets has been transferred during the year from the Revaluation Reserve to Revenue Reserve. Accordingly, the depreciation on fixed assets for the year is higher by ₹359 crores and the loss for the year is also higher to that extent.

सी-8. आल इंडिया यूनियन ऑफ वर्कमैन के साथ सदस्य बैंक के रूप में भारतीय बैंक संघ द्वारा किया गया 11वाँ द्विपक्षीय समझौता दिनांक 31 अक्तूबर 2017 को समाप्त हो गया. वेतनमान संसोधन समझौतों के लंबित निष्पादनों के अनुसार, 1 नवंबर 2017 से लागू होगा जिसके लिए वर्ष के दौरान ₹ 100.00 करोड़ (पिछले वर्ष शून्य) का प्रावधान किया गया है.

सी-9 बैंकों में भारतीय लेखांकन मानक (आयएनडी-एएस) के कार्यान्वयन हेतु भारतीय रिजर्व बैंक (भा.रि.बैं.) ने डीबीआर.बीपी.बीसी. नं.76/21.07.0001/ 2015-16 दिनांक 11 फरवरी, 2016 द्वारा रोडमैप निर्धारित किया है एवं बैंकों को इस संबंध में हुई प्रगति सहित आईएनडी-एएस कार्यान्वयन हेतु रणनीति का प्रकटन करने की आवश्यकता है. तदनुसार बैंक ने आईएनडी-एएस के कार्यान्वयन में सहायता हेतु एक कंस्लटेंट नियुक्त किया हैं. बैंक ने हुई प्रगति के पर्यवेक्षण हेतु एक स्टीयरिंग समिति बनाई है तथा लेखापरीक्षा समिति को समय- समय पर इसकी सूचना की जाती है. कथित परिपत्र द्वारा निर्धारित आवश्यकतानुसार बैंक ने 30 जून, 2017 को समाप्त अवधि हेतु भा.रि.बैं. को प्रारूप आईएनडी-एएस वित्तीय विवरणी प्रस्तुत कर दी है. 05-04-2018 को भा.रि.बैं. द्वारा जारी 'विकास व नियामक नीतियों की विवरणी' अनुसार आईएनडी-एएस का कार्यान्वयन एक वर्ष से आस्थगित कर दिया गया है. (यथा पूर्व में 01-04-18 से 01-04-2019.

सी-10 आरबीआई के परिपत्र सं.डीबीआर.सं.बीपी.बीसी. 64/21.04.048/2016-17 दि. 18 अप्रैल 2017 बैंक ने अर्थव्यवस्था के दवाबग्रस्त श्रेणी के मानक अग्रिमों के परिप्रेक्ष्य में 31 मार्च 2018 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए ₹ 142.34 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान किया है.

सी-11 बासेल III पूंजी विनिमयनों पर भा.रि.बैं. परिपत्र क्रमांक डीबीओडी.एन.बी. पी.बी.सी. 1 / 21.06.201 / 2015-16 दिनांक 01 जुलाई, 2015 के साथ पठित पूंजी पर्याप्तता पर विवेकपूर्ण दिशानिर्देश और चलनिधि मानक संशोधन पर भा.रि.बैं. परिपत्र सं. 80 / 21.06.201 / 2014-15 दि. 31 मार्च, 2015 के अनुसार बैंको को बासेल III फ्रेमवर्क के तहत लिवरेज अनुपात व चलनिधि कवरेज अनुपात सहित लागू पिलर 3 प्रकटीकरण करने की आश्यकता हैं. ये विवरण हमारी वेबसाइट "www.bankofbaroda.com" पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं. इन प्रकटीकरणों को लेखापरीक्षकों द्वारा लेखापरीक्षा के अधीन नहीं किया गया है.

सी-12 वर्तमान वर्ष की प्रस्तुति के अनुरुप, जहां कहीं आवश्यक समझा गया, पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनःव्यवस्थित / पुनःसमूहीकृत किया गया है.

C-8 The 11th Bipartite Settlement entered into by the Indian Banks' Association on behalf of the member Banks with the All India Unions of Workmen expired on 31st October 2017. In accordance with the pending execution of agreement for wage revision, to be effective from 1st November 2017, a provision of ₹100.00 crores (previous year NIL) has been made during the year.

C-9 The Reserve Bank of India (RBI) vide DBR.BP.BC. No. 76/21.07.001/2015-16 dated 11th February 2016, has prescribed the roadmap for implementation of Indian Accounting Standards (Ind-AS) in the Banks and the Banks need to disclose the strategy for Ind-AS implementation, including the progress made in this regard. The Bank accordingly, has appointed a consultant to assist in implementation of the Ind-AS. The Bank has also constituted a Steering Committee to oversee the progress made and the Audit Committee of the Board is being apprised of the same from time to time. In terms of the requirement stipulated vide said circular, the Bank has submitted proforma Ind-AS financial statements to the RBI for the period ended 30th June, 2017. As per the 'Statement of Development and Regulatory Policies' issued by the RBI on 05.04.2018, the implementation of Ind AS is deferred by one year (i.e. earlier from 01.04.2018 to 01.04.2019).

C-10 In compliance with the RBI circular No.DBR.No.BP.BC.64/21.04.048/2016-17 dated April 18, 2017, bank has made an additional provision ₹142.34 Crores for the year ended March 31, 2018, in respect of standard advances to stressed sectors of the economy.

C-11 RBI Circular DBOD.NO.BP.BC.1/21.06.201/2015-16 dated July 01, 2015 on Basel III

Capital Regulations read together with RBI circular no DBR.NO.BP.BC. 80/21.06.201/2014-15 dated March 31, 2015 on Prudential Guidelines on Capital Adequacy and Liquidity Standards Amendments requires banks to make applicable Pillar 3 disclosures including leverage ratio and liquidity coverage ratio under the Basel- III framework. These details are being made available on our website "www.bankofbaroda.com". These disclosures have not been subjected to audit by the auditors.

C-12 Figures of previous year have been regrouped/ rearranged wherever necessary, so as to make them comparable with those of the current period.

संक्षिप्त वित्तीय विवरण-पत्रों पर स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट
Independent Auditors' Report on abridged Financial Statements

सेवा में, बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सदस्यगण
संक्षिप्त स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण-पत्रों पर रिपोर्ट

संलग्न संक्षिप्त स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण-पत्र, जिसमें (ए) 31 मार्च, 2018 का संक्षिप्त स्टैंडअलोन तुलन-पत्र (बी) संक्षिप्त स्टैंडअलोन लाभ एवं हानि लेखे तथा (सी) समाप्त वर्ष के स्टैंडअलोन नकदी प्रवाह विवरणी तथा संबंधित टिप्पणियों का सारांश शामिल है, 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए बैंक ऑफ़ बड़ौदा (बैंक) के लेखापरीक्षित स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण-पत्रों से लिए गए हैं. हमने अपनी दिनांक 25.05.2018 की रिपोर्ट में उन स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण-पत्रों पर अपरिवर्तित लेखा परीक्षा राय दी है.

बैंक के लेखापरीक्षित स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण-पत्र तैयार करने के लिए लागू भारतीय सनदी लेखांकन संस्थान ('आयसीएआय') द्वारा जारी लेखांकन मानकों के आवश्यक सभी प्रकटीकरण तथा भारत में सामान्य रुप से स्वीकार लेखांकन सिद्धांत संक्षिप्त स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण-पत्रों में शामिल नहीं हैं. अतः बैंक के संक्षिप्त स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण-पत्रों को पढ़ लेने मात्र से बैंक के लेखा परीक्षित स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण- पत्रों को पढ़ने की आवश्यकता पूरी नहीं होती.

वित्तीय विवरण-पत्रों के लिए प्रबंधन का दायित्व

वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उसके पत्र दिनांक 1 अगस्त, 2012 के माध्यम से जारी दिशानिर्देशों के अनुरुप वित्तीय विवरण-पत्रों के सारांश तैयार करने के लिए बैंक का प्रबंधन जिम्मेदार है, जो विनियामक दिशानिर्देशों, भारत में स्वीकार्य सामान्य लेखांकन मानकों तथा लेखांकन नीतियों के अनुरुप तैयार किए गए 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए स्टैंडअलोन लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण-पत्रों पर आधारित हैं.

लेखा परीक्षकों का दायित्व

हमारा दायित्व हमारी प्रक्रिया पर आधारित संक्षिप्त स्टैंडअलोन विवरण-पत्रों पर अपनी राय व्यक्त करना है जो भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा परीक्षा मानक (एसए) 810 ''सारांश वित्तीय विवरण-पत्रों पर रिपोर्ट संबंधी सहबद्धता'' के अनुरूप की गयी है.

राय

हमारी राय में, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उसके पत्र दिनांक 1 अगस्त, 2012 के माध्यम से जारी दिशानिर्देशों के अनुरुप तैयार किए गए संक्षिप्त स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण-पत्र 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए बैंक के लेखा परीक्षित स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण-पत्रों से लिए गए हैं तथा उन स्टैंडअलोन विवरण-पत्रों का सही सारांश हैं.

मामले की प्रभावशीलता

हम आपका ध्यान बैंक द्वारा अनुवर्ती 3 तिमाहियों में आस्थगित उपदान के लिए अतिरिक्त देयता के कारण ₹ 291 करोड़ के अपरिशोधित शेष के संबंध में नोट संख्या 2.8 की ओर आकर्षित करते हैं.

उपरोक्त के संबंध में हमारी राय असंशोधित हैं

31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष की संक्षिप्त स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणियां बैंक की संयुक्त लेखापरीक्षा फर्म द्वारा लेखापरीक्षित की गई हैं जिसमें से एक जारी लेखापरीक्षा फर्म हैं. उन लेखापरीक्षकों ने 18 मई, 2017 की अपनी रिपोर्ट के माध्यम से ऐसी स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणियों पर अपनी असंशोधित राय व्यक्त की हैं.

To the Members of Bank of Baroda

Report on the abridged Standalone Financial Statements

The accompanying abridged Standalone Financial Statements, which comprise (a) abridged Standalone Balance Sheet as at March 31, 2018 (b) abridged Standalone Profit and Loss Account and (c) abridged Standalone Cash Flow Statement for the year then ended, and related notes derived from the audited standalone financial statements of Bank of Baroda ('the bank') for the year ended March 31, 2018. We expressed an unmodified audit opinion on those standalone financial statements in our report dated May 25, 2018

The abridged Standalone Financial Statements do not contain all the disclosures required by the Accounting Standards, issued by Institute of Chartered Accountants of India ("ICAI") and accounting principles generally accepted in India, applied in the preparation of the audited standalone financial statements of the Bank. reading the abridged Standalone Financial Statements, therefore, is not a substitute for reading the audited standalone financial statements of the Bank.

Management's Responsibility for the Financial Statements

The Bank's Management is responsible for the preparation of summary of financial statements in accordance with guidelines issued by Ministry of Finance, Government of India vide their letter dated August 1, 2012, which are based on the audited standalone financial statements for the year ended March 31, 2018 prepared in accordance with regulatory guidelines, accounting standards and accounting policies generally accepted in India.

Auditors Responsibility

Our responsibility is to express an opinion on the abridged Standalone Financial Statements based on our procedures which are conducted in accordance with Standard of Auditing (SA) 810."Engagements to report on summary financial statements" issued by the ICAI.

Opinion

In our opinion, the abridged Standalone Financial Statements prepared in accordance with guidelines issued by Ministry of Finance, Government of India vide their letter dated August 1, 2012, are derived from the audited standalone financial statements of the bank for the year ended March 31, 2018 and are a fair summary of those standalone financial statements.

Emphasis of Matter

We draw your attention to Note No. 2.8 regarding unamortized balance of ₹ 291 crores on account of additional liability towards gratuity deferred to subsequent three quarters by the Bank.

Our opinion is not modified in respect to the above.

The abridged standalone financial statements of the Bank for the year ended March 31, 2017 were audited by other joint audit firms of the Bank, one of whom is the continuing audit firm. Those auditors have expressed an unmodified opinion vide their report dated May 18, 2017 on such standalone financial statements.

स्थान: मुंबई
दिनांक: 25 मई, 2018

Place: Mumbai
Date: 25th May 2018

स्वतंत्र लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट
Independent Auditors Report

सेवा में,

बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सदस्यगण

बैंक ऑफ बड़ौदा के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण-पत्रों पर रिपोर्ट

1. हमने संलग्न 31 मार्च, 2018 को बैंक ऑफ़ बड़ौदा के स्टैंडअलोन वित्तीय परिणामों की लेखापरीक्षा कर ली है जिसमें 31 मार्च 2018 के तुलन-पत्र, लाभ और हानि खाता और समाप्त वर्ष हेतु नकदी प्रवाह विवरणी तथा महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और अन्य विवरणात्मक जानकारी का सारांश शामिल है. इन वित्तीय विवरणियों में हमारे द्वारा लेखापरीक्षित 20 शाखाओं और विशेषीकृत इंटीग्रेटेड ट्रेजरी शाखा, सांविधिक शाखा लेखापरीक्षकों द्वारा लेखापरीक्षित 2729 शाखाओं और लेखापरीक्षित 16 विदेशी क्षेत्र, संबंधित देश में स्थानीय लेखापरीक्षकों द्वारा समीक्षित एक विदेशी क्षेत्र के रिटर्न का समावेश किया गया है. बैंक ने हमारे द्वारा लेखापरीक्षित शाखाओं और अन्य लेखापरीक्षकों द्वारा लेखापरीक्षित शाखाओं का चयन भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुरूप किया है. तुलन-पत्र और लाभ एवं हानि खाता में 2717 ऐसी शाखाओं के रिटर्न शामिल किए गए हैं जो लेखापरीक्षा के अधीन नहीं हैं. इन गैर लेखापरीक्षित शाखाओं में 8.78 प्रतिशत अग्रिम, 20.81 प्रतिशत जमाराशियां, 7.75 प्रतिशत ब्याज आय और 17.01 प्रतिशत ब्याज व्यय का समावेश है.

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणियों के लिए प्रबंधन की जवाबदेही

2. बैंक का प्रबंधन बैंकिंग विनियम अधिनियम, 1949, समय-समय पर भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों और भारत में सामान्यत: स्वीकार्य लेखांकन मानकों के अनुरूप तैयार की गयी इन स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणियों के लिए जवाबदेह है. इस जवाबदेही में स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणियों की तैयारी से संबंधित आंतरिक नियंत्रणों की डिजाइन, कार्यान्वयन एवं रखरखाव समाहित है जो सत्य और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रदान करता है और धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण भौतिक मिथ्या कथन से मुक्त है.

लेखापरीक्षकों की जिम्मेदारी

3. हमारी जिम्मेदारी इन स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणियों के आधार पर हमारी लेखापरीक्षा में राय व्यक्त करना है. हमने इंस्टीट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ़ इंडिया द्वारा जारी मानकों के अनुरुप अपनी लेखापरीक्षा की. इन मानकों द्वारा यह अपेक्षा की जाती है कि हम नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन करें और वित्तीय विवरणियां भौतिक मिथ्या कथन से मुक्त हैं या नहीं यह जानने के लिए उचित प्रमाण प्राप्त करने के लिए लेखापरीक्षा की कार्ययोजना तैयार कर उसे क्रियान्वित करें.
4. लेखापरीक्षा में स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणियों में राशि और प्रकटीकरण के बारे में प्रक्रिया करने और लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने का समावेश होता है. चयनित प्रक्रिया धोखाधड़ी या त्रुटि के

To

The Members of Bank of Baroda

Report on the Standalone Financial Statements of Bank of Baroda

1. We have audited the accompanying standalone financial statements of Bank of Baroda as at March 31, 2018, which comprises the Balance Sheet as at March 31, 2018, the Profit and Loss Account and the Cash Flow Statement for the year then ended, and a summary of significant accounting policies and other explanatory information. Incorporated in these financial statements are the returns of 20 branches and one Specialized Integrated Treasury Branch audited by us, 2729 branches audited by statutory branch auditors and 16 foreign territories audited, one foreign territory reviewed by local auditors in respective countries. The branches audited by us and those audited by other auditors have been selected by the Bank in accordance with the guidelines issued to the Bank by the Reserve Bank of India. Also incorporated in the Balance Sheet and the Profit and Loss Account are the returns from 2717 branches which have not been subjected to audit. These unaudited branches account for 8.78 per cent of advances, 20.81 per cent of deposits, 7.75 per cent of interest income and 17.01 per cent of interest expenses.

Management's Responsibility for the Standalone Financial Statements

2. The Bank's management is responsible for the preparation of these standalone financial statements in accordance with the Banking Regulation Act, 1949, Reserve Bank of India guidelines from time to time and accounting standards generally accepted in India. This responsibility includes the design, implementation and maintenance of internal controls relevant to the preparation of the standalone financial statements that give true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

Auditor's Responsibility

3. Our responsibility is to express an opinion on these standalone financial statements based on our audit. We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing issued by the Institute of Chartered Accountants of India. Those standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatements.
4. An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and disclosures in the standalone financial statements. The procedures selected depend on the auditor's judgment, including

कारण स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणियों के भौतिक मिथ्या कथन के जोखिम के मूल्यांकन सहित लेखापरीक्षकों के निर्णय पर आधारित है. उन जोखिम मूल्यांकनों के समय, लेखापरीक्षक लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को डिजाइन करने के लिए बैंक द्वारा स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणियों को बनाने और उसकी निष्पक्ष प्रस्तुति से संबंधित आंतरिक नियंत्रणों पर विचार करते हैं जो उन परिस्थितियों में उचित हैं परंतु बैंक के आंतरिक नियंत्रण की प्रभावशीलता पर राय व्यक्त करने के उद्देश्य से नहीं है. लेखापरीक्षा में प्रयुक्त लेखांकन नीतियों और प्रबंधन द्वारा लेखांकन अनुमान की उपयुक्तता और साथ ही स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणियों की समग्र प्रस्तुति के मूल्यांकन का भी समावेश होता है.

5. हम यह समझते हैं कि जो लेखापरीक्षा साक्ष्य हमने प्राप्त किए हैं वह हमारी लेखापरीक्षा राय हेतु आधार के लिए पर्याप्त और उचित हैं.

राय

6. बैंक की बहियों और हमारी श्रेष्ठ जानकारी तथा नीचे दिए गए विवरणों के अनुसार हमारी राय यह है कि :

i. महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियों के साथ पठित तुलन-पत्र और उसमें उल्लिखित टिप्पणियां पूर्ण हैं और सभी आवश्यक विवरणों सहित निष्पक्ष तुलन-पत्र उचित रुप से तैयार किया गया है जिससे कि भारत में सामान्यतः स्वीकार्य लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप 31 मार्च 2018 को बैंक के कार्यों की स्थिति का सत्य और निष्पक्ष अवलोकन दर्शाया जा सके.

ii. लेखांकन वर्ष के लिए भारत में सामान्यतः स्वीकार्य लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियों के साथ पठित लाभ और हानि खाता और उसमें उल्लिखित टिप्पणियां तुलन-पत्र में निवल हानि दर्शाती हैं और

iii. नकदी प्रवाह विवरणी उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह का सत्य और निष्पक्ष अवलोकन प्रदान करता है.

मामले की प्रभावशीलता

7. हम आपका ध्यान बैंक द्वारा अनुवर्ती तीन तिमाहियों में आस्थगित उपदान के लिए अतिरिक्त देयता के कारण ₹ 291 करोड़ के अपरिशोधित शेष के संबंध में नोट संख्या 2.8 की ओर आकर्षित करते हैं.

उपरोक्त के संबंध में हमारी राय असंशोधित है.

अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

8. तुलन-पत्र और लाभ एवं हानि खाता बैंकिंग विनिमयन अधिनियम, 1949 की तीसरी अनुसूची के क्रमशः फॉर्म ''ए'' और ''बी'' में दर्शाए गए हैं.

9. उपरोक्त परिच्छेद 1 से 5 में दर्शायी गयी लेखापरीक्षा की सीमा के अधीन और बैंकिंग कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण और अंतरण) अधिनियम 1970/1980 द्वारा अपेक्षित तथा उसमें अपेक्षित प्रकटीकरण

the assessment of the risks of material misstatement of the standalone financial statements, whether due to fraud or error. In making those risk assessments, the auditor considers internal controls relevant to the Bank's preparation and fair presentation of the standalone financial statements in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances, but not for the purpose of expressing an opinion on effectiveness of the Bank's internal control. An audit also includes evaluating the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates made by Management, as well as evaluating the overall presentation of the standalone financial statements.

5. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion.

Opinion

6. In our opinion, as shown by books of bank and to the best of our information and according to the explanations given to us:

i. The Balance sheet, read with the significant accounting policies and the notes thereon is a full and fair Balance Sheet containing all the necessary particulars, is properly drawn up so as to exhibit a true and fair view of state of affairs of the Bank as at March 31, 2018 in conformity with accounting principles generally accepted in India;

ii. The Profit and Loss Account, read with the significant accounting policies and the notes thereon shows a true balance of loss, in conformity with accounting principles generally accepted in India, for the year covered by the account; and

iii. The Cash Flow Statement gives a true and fair view of the cash flows for the year ended on that date.

Emphasis of Matter

7. We draw your attention to Note No. 2.8 regarding unamortized balance of ₹ 291 crores on account of additional liability towards gratuity deferred to subsequent three quarters by the Bank.

Our opinion is not modified in respect to the above.

Report on Other Legal and Regulatory Requirements

8. The Balance Sheet and the Profit and Loss Account have been drawn up in Forms "A" and "B" respectively of the Third Schedule to the Banking Regulation Act, 1949.

9. Subject to the limitations of the audit indicated in paragraph 1 to 5 above and as required by the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970/1980 and subject also to the limitations of disclosure required therein, we report that;

की सीमा के अधीन हम यह रिपोर्ट करते हैं कि :

ए. हमने अपनी लेखापरीक्षा के उद्देश्य से अपनी जानकारी और विश्वास के अनुरूप सभी जानकारी और विवरण प्राप्त कर लिए हैं और उसे संतोषजनक पाया है;

बी. हमारी जानकारी में आए बैंक के संव्यवहार बैंक की शक्तियों के तहत हैं; और

सी. बैंक के कार्यालयों और शाखाओं से प्राप्त रिटर्न लेखापरीक्षा के उद्देश्य से पर्याप्त पाए गए हैं.

10. हम यह भी रिपोर्ट करते हैं कि:

ए. इस रिपोर्ट में उल्लिखित तुलन-पत्र और लाभ एवं हानि खाता लेखांकन और रिटर्न बहियों के अनुसार हैं;

बी. बैंकिंग विनिमयन अधिनियम, 1949 की धारा 29 के अंतर्गत बैंक के शाखा लेखापरीक्षकों द्वारा हमें लेखापरीक्षित शाखा कार्यालय के लेखांकन पर रिपोर्ट भेजी गयी है और यह रिपोर्ट तैयार करने के लिए हमने उसका उचित अध्ययन किया है. और

सी. हमारी राय में, तुलन-पत्र, लाभ और हानि खाता और नकदी प्रवाह विवरणी लागू लेखांकन मानकों के अनुसार है.

11. 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष की स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणियां बैंक की संयुक्त लेखापरीक्षा फर्म द्वारा लेखापरीक्षित की गई है जिसमें से एक जारी लेखापरीक्षा फर्म है. उन लेखापरीक्षकों ने 18 मई 2017 की अपनी रिपोर्ट के माध्यम से ऐसी स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणियों पर अपनी असंशोधित राय व्यक्त की है.

a. We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief, were necessary for the purposes of our audit and have found them to be satisfactory;

b. The transactions of the Bank, which have come to our notice, have been within the powers of the Bank; and

c. The returns received from the offices and branches of the Bank have been found adequate for the purposes of our audit;

10. We further report that:

a. The Balance Sheet and Profit and Loss account dealt with by this report are in agreement with the books of account and returns;

b. The reports on the accounts of the branch offices audited by branch auditors of the Bank under section 29 of the Banking Regulation Act, 1949 have been sent to us and have been properly dealt with by us in preparing this report; and

c. In our opinion, the Balance Sheet, Profit and Loss Account and Cash Flow Statement comply with the applicable accounting standards.

11. The standalone financial statements of the Bank for the year ended March 31, 2017 were audited by other joint audit firms of the Bank, one of whom is the continuing audit firm. Those auditors have expressed an unmodified opinion vide their report dated May 18, 2017 on such standalone financial statements.

कृते **कल्याणीवाला व मिस्त्री एलएलपी**
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 104607डब्ल्यू/डब्ल्यू100166
For **Kalyaniwalla & Mistry LLP.**
Chartered Accountants
FRN:104607W / W100166

(**डैरियस फ्रेज़र**)
साझेदार
एम नं. 042454
(Daraius Fraser)
Partner
M No. 042454

कृते **सिंघी व कं.**
सनदी लेखाकार
एफआरएन: 302049ई
For **Singhi & Co.**
Chartered Accountants
FRN : 302049E

(**राजीव सिंघी**)
साझेदार
एम नं. 053518
(Rajiv Singhi)
Partner
M No. 053518

कृते **जी एम कपाड़िया व कं.**
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 104767डब्ल्यू
For **G M Kapadia & Co.**
Chartered Accountants
FRN : 104767W

(**राजेन अशर**)
साझेदार
एम नं. 048243
(Rajen Ashar)
Partner
M No. 048243

कृते **एस आर डिनोडिया व कं. एलएलपी**
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 001478एन/एन500005
For **S R Dinodia & Co. LLP.**
Chartered Accountants
FRN : 001478N / N500005

(**संदीप डिनोडिया**)
साझेदार
एम नं. 083689
(Sandeep Dinodia)
Partner
M No. 083689

दिनांक: 25 मई 2018
स्थान : मुम्बई
Date: 25th May 2018
Place: Mumbai

31 मार्च, 2018 को बैंक ऑफ़ बड़ौदा का संक्षिप्त समेकित तुलन-पत्र
Abridged Consolidated Balance Sheet of Bank of Baroda as on March 31, 2018

₹ in '000

		समेकित Consolidated	
		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
		31.03.2018	31.03.2017
पूंजी और देयताएं	CAPITAL & LIABILITIES		
पूंजी	**Capital**		
इक्विटी	Equity	**530,36,44**	462,09,31
आरक्षित निधियां और अधिशेष	**Reserve & Surplus**		
सांविधिक आरक्षित निधियां	Statutory Reserves	**9671,61,47**	9636,26,99
पूंजीगत आरक्षित निधियां	Capital Reserves	**4626,42,82**	5025,36,26
शेयर प्रीमियम	Share Premium	**16092,93,80**	10786,20,93
राजस्व एवं अन्य आरक्षित निधियां	Revenue & Other Reserves	**15644,88,76**	17157,63,76
माइनोरिटी इन्टरेस्ट	Minority Interest	**272,52,41**	232,52,79
जमाराशियां	**Deposits**		
मांग-जमाराशियां	Demand Deposits	**47252,66,07**	43735,55,46
बचत बैंक जमाराशियां	Saving Bank Deposits	**169167,74,08**	154327,11,08
मीयादी जमाराशियां	Term Deposits	**391030,96,33**	419194,20,11
उधार ली गयी राशियां	**Borrowings**		
भारत में उधार ली गयी राशियां	Borrowings in India		
ए) भारतीय रिज़र्व बैंक से	a) from Reserve Bank of India	**26529,00,00**	-
बी) अन्य बैंकों से	b) from other banks	**7688,04,77**	424,91,52
सी) अन्य संस्थाओं एवं एजेंसियों से	c) from other institutions and agencies	**6097,21,27**	2222,51,21
डी) ऋण लिखत	d) Debt Instruments	**12261,70,00**	12411,70,00
भारत के बाहर उधार ली गयी राशियां	Borrowings outside India	**12283,85,66**	16182,87,44
अन्य देयताएं और प्रावधान	**Other Liabilities & Provisions**		
देय बिल	Bills Payable	**2042,82,73**	2200,46,39
अंतर कार्यालय समायोजन (निवल)	Inter-office Adjustments (net)	**568,34,45**	1258,22,50
उपचित ब्याज	Interest Accrued	**3447,34,35**	3436,53,95
मानक आस्तियों के पेटे में प्रावधान	Provisions towards Standard Assets	**3194,64,27**	3542,27,05
आस्थगित कर देयता (निवल)	Deferred Tax Liability (net)	**8,96,52**	4,69,00
अन्य	Others	**19392,85,66**	16979,35,58
कुल पूंजी और देयताएं	**TOTAL CAPITAL & LIABILITIES**	**747804,91,86**	719220,51,32

₹ in '000

		समेकित Consolidated	
		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
		31.03.2018	31.03.2017
आस्तियां	**ASSETS**		
भारतीय रिज़र्व बैंक के पास नकदी और शेष रकम	**Cash & Balance with reserve Bank of India**	**24034,98,85**	23915,13,47
बैंकों के पास शेष रकम तथा मांग एवं अल्प सूचना पर प्रतिदेय राशि	**Balance with banks & money at call & short notice**		
भारत में बैंकों के पास शेष रकम	Balance with banks in india	**7521,90,75**	3333,79,04
मांग एवं अल्प सूचना पर प्रतिदेय राशि	Money at call & short notice in India	**5110,00,00**	23368,34,01
भारत से बाहर शेष रकम	Balances outside india	**60755,85,02**	103497,73,44
निवेश	**Investments**		
भारत में	In India		
ए) सरकारी प्रतिभूतियां	a) Government Securities	**143541,44,18**	113938,98,67
बी) अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	b) Other approved securities	**2862,08,54**	2475,49,82
सी) शेयर	c) Shares	**2688,78,67**	2357,45,93
डी) डिबेंचर एवं बॉण्ड	d) Debentures & Bonds	**8715,47,29**	4289,35,47
ई) अनुषंगी इकाइयां और / या संयुक्त उद्यम	e) Subsidiaries and/or Joint Ventures	**869,86,72**	798,99,89
एफ) अन्य	f) Others	**3731,77,98**	5150,32,85
भारत से बाहर	Outside India	**12727,79,43**	11705,80,69
अग्रिम	**Advances**		
भारत में	In India		
ए) खरीदे गये एवं बट्टाकृत बिल	a) bills purchased & discounted	**3502,17,36**	3088,34,63
बी) नकद ऋण, ओवरड्राफ्ट एवं मांग पर प्रतिदेय ऋण	b) Cash Credit, overdraft & loans repayable on demand	**167580,23,95**	129575,73,20
सी) मीयादी ऋण	c) Term Loans	**157994,01,87**	148671,82,79
भारत से बाहर	Outside India	**108864,82,79**	110926,39,03
अचल आस्तियां	**Fixed Assets**	**5532,28,12**	**5929,67,50**
अन्य आस्तियां	**Other Assets**		
अंतर- कार्यालय समायोजन (निवल)	Inter Office Adjustments(net)	**-**	-
उपचित ब्याज	Interest Accrued	**8134,52,78**	5169,23,56
अग्रिम कर भुगतान/ स्रोत पर	Tax paid in advance / at source	**2131,19,28**	2897,85,32
आस्थगित कर देयता (निवल)	Deferred Tax Assets (net)	**6352,26,28**	4335,70,19
दावों के समाधान पर अर्जित गैर-बैंकिंग आस्तियां	Non-banking assets acquired in satisfaction of claims	**-**	-
अन्य	Others	**15153,42,00**	13794,31,82
कुल आस्तियां	**TOTAL ASSETS**	**747804,91,85**	719220,51,32

₹ in '000

		समेकित Consolidated	
		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
		31.03.2018	31.03.2017
आकस्मिक देयताएं	**Contingent liabilities**		
बैंक से किए गए दावे, जिन्हें ऋण नहीं माना गया	Claims against the bank not acknowledged as debts	**219,41,39**	208,21,88
बकाया वायदा विनिमय संविदाओं के कारण देयता	Liability on account of outstanding Forward Exchange contracts	**170835,49,12**	157877,08,35
ग्राहकों के लिए दी गयी गारंटियां	Guarantees given on account of constituents	**40293,81,77**	25647,80,44
स्वीकृतियां, परांकन और अन्य बाध्यताएं	Acceptances, endorsements & other obligations	**21617,39,69**	18437,06,03
आकस्मिक देयताओं की अन्य मदें जिनके लिए बैंक उत्तरदायी है	Other items for which the Bank is contingently liable	**66057,26,34**	51224,43,44
संग्रहण हेतु बिल	Bills for collection	**45859,43,99**	37680,81,25

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु बैंक ऑफ़ बड़ौदा का संक्षिप्त समेकित लाभ एवं हानि खाता

Abridged Consolidated Profit & Loss Account of Bank of Baroda for the year ended March 31, 2018

₹ in '000

		समेकित Consolidated	
		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
		31.03.2018	31.03.2017
आय	**INCOME**		
अर्जित ब्याज	**Interest Earned**		
अग्रिमों / बिलों पर	On advances/bills	**30106,42,69**	28483,51,33
निवेशों पर	On investments	**11566,64,21**	11709,02,36
भारतीय रिज़र्व बैंक के पास शेष तथा अंतर बैंक निधियां	On balances with RBI and inter bank funds	**2620,21,90**	2171,14,27
अन्य	Others	**1763,12,73**	2109,77,18
अन्य आय	**Other Income**		
कमीशन, विनिमय और दलाली	Commission, exchange & Brokerage	**1926,74,55**	1690,93,70
निवेशों की बिक्री पर निवल लाभ	Net profit on sale of investments	**1893,76,04**	2651,02,00
भूमि, भवन और अन्य आस्तियों की बिक्री पर निवल लाभ	Net profit on sale of land building & other assets	**89,66,69**	77,96,25
विनिमय लेन-देन पर निवल लाभ	Net profit on Exchange transactions	**933,78,09**	1002,98,77
विविध आय	Miscellaneous Income	**3148,25,88**	2513,87,06
कुल आय	**TOTAL INCOME**	**54048,62,78**	52410,22,92
व्यय	**EXPENDITURE**		
ब्याज व्यय	**Interest Expended**		
जमा-राशियों पर	On Deposits	**26865,70,55**	27629,96,95
भारतीय रिज़र्व बैंक / अंतर बैंक उधार -राशियों पर	On RBI/Inter bank borrowings	**571,40,83**	306,67,43
अन्य	Others	**1723,37,06**	1659,08,32
परिचालनगत व्यय	**Operating expenses**		
कर्मचारियों हेतु भुगतान व प्रावधान	Payment & Provision for employees	**4901,58,00**	4888,66,18
किराया कर व लाईटिंग	Rent taxes & lighting	**1064,95,03**	989,12,91
मुद्रण और स्टेशनरी	Printing & stationery	**81,03,84**	88,16,08
विज्ञापन व प्रचार	Advertisement & publicity	**131,81,62**	111,39,56
बैंक की संपत्ति पर मूल्यह्रास	Depreciation on Bank's property	**900,69,00**	539,97,37
निदेशक की फीस, भत्ता और व्यय	Director's fees, allowances & expenses	**3,68,31**	3,12,45
शाखा लेखापरीक्षक सहित लेखापरीक्षक की फीस, व्यय	Auditors fees, expenses incl. branch auditors	**60,17,59**	61,07,43
विधि प्रभार	Law charges	**98,47,54**	67,04,25
पोस्टेज, टेलिग्राम, टेलिफोन, आदि	Postage, Telegrams, Telephones, etc.	**164,98,10**	175,63,62
मरम्मत और रखरखाव	Repairs & Maintenance	**755,55,05**	625,21,80
बीमा	Insurance	**628,68,01**	519,84,15
अन्य	Others	**2534,96,12**	2280,54,58

₹ in '000

		समेकित Consolidated	
		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
		31.03.2018	31.03.2017
प्रावधान एवं आकस्मिक व्यय	**Provisions & Contigencies**		
निवेशों के मूल्यह्रास पर प्रावधान	Provision for Depreciation on investments	**768,41,93**	34,46,26
अनर्जक आस्तियों के पेटे प्रावधान	Provision towards non performing assets	**14335,38,64**	7824,03,31
मानक आस्तियों के पेटे प्रावधान	Provision towards standard assets	**(360,59,36)**	779,33,97
अन्य (आयकर को छोड़कर)	Others (excluding income taxes)	**924,02,91**	802,52,01
कुल व्यय और प्रावधान	**TOTAL EXPENSES AND PROVISIONS**	**56154,30,77**	49385,88,63
कर से पहले लाभ / हानि	**Profit/Loss before Tax**		
वर्तमान कर	Current Tax	**1829,55,70**	2422,45,95
आस्थगित कर	Deferred Tax	**(2023,17,44)**	(1175,52,97)
कर के पश्चात लाभ / हानि	**Profit / Loss after Tax**	**(1912,06,25)**	1777,41,31
सहयोगी इकाइयों में अर्जित / (हानि) का अंश	Share of Earning/(Loss) in associates	**76,24,13**	77,56,78
माइनोरिटी इंट्रेस्ट की कटौती करने से पूर्व वर्ष के लिए समेकित निवल लाभ / हानि	**Consolidated Net Profit/loss for the year before deducting minority Interest**	**(1835,82,12)**	1854,98,09
घटाएं - माइनोरिटी इंटरेस्ट	Less - Minority Interest	**51,28,62**	40,00,36
वर्ष के लिए समूह का समेकित निवल लाभ / हानि	**Consolidated Net Profit/Loss for the year attributable to Group**	**(1887,10,74)**	1814,97,73
आगे लाया गया लाभ / हानि	Profit / Loss brought forward	**747,99,31**	619,04,92
कुल	**Total**	**(1139,11,43)**	2434,02,65
विनियोजन	**Appropriations**		
सांविधिक आरक्षित निधियों में अंतरण	Transfer to statutory reserves	**32,06,07**	427,86,65
अन्य आरक्षित निधियों में अंतरण	Transfer to other reserves	**(2113,43,68)**	925,37,91
सरकारी / प्रस्तावित लाभांश में अंतरण	Transfer to Government/proposed dividends	**-**	332,78,78
तुलन-पत्र में ले जाया गया शेष	Balance carried forward to Balance Sheet	**942,26,18**	747,99,31
विगत वर्ष के अतिरिक्त विनियोजन से अंतरण	Transfer from Excess Appropriation of previous year	**-**	-

निदेशक
DIRECTORS

रवि वेंकटेसन
अध्यक्ष
Ravi Venkatesan
Chairman

पी एस जयकुमार
प्रबंध निदेशक एवं मु.का.अ.
P S Jayakumar
Managing Director & CEO

उषा ए नारायणन
निदेशक
Usha A. Narayanan
Director

मयंक के मेहता
कार्यपालक निदेशक
Mayank K Mehta
Executive Director

देबाशीष पांडा
निदेशक
Debasish Panda
Director

अजय कुमार
निदेशक
Ajay Kumar
Director

अशोक कुमार गर्ग
कार्यपालक निदेशक
Ashok Kumar Garg
Executive Director

भरतकुमार डी. डांगर
निदेशक
Bharatkumar D. Danger
Director

गोपाल कृष्णन अग्रवाल
निदेशक
Gopal Krishan Agarwal
Director

पापिया सेनगुप्ता
कार्यपालक निदेशक
Papia Sengupta
Executive Director

प्रो. बिजू वर्क्की
निदेशक
Prof. Biju Varkkey
Director

जी रमेश
उप महाप्रबंधक कॉर्पोरेट लेखा व कराधान एवं सीएफओ
G Ramesh
Dy General Manager Corp. A/Cs & Taxation and CFO

स्थान: मुंबई
दिनांक: 25 मई, 2018
Place: Mumbai
Date: 25th May 2018

लेखापरीक्षक
AUDITORS

कृते कल्याणीवाला एण्ड मिस्त्री एलएलपी
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 104607डब्ल्यू / डब्ल्यू100166
For Kalyaniwalla & Mistry LLP.
Chartered Accountants
FRN:104607W / W100166

(डैरियस जेड फ्रेजर)
भागीदार
एम नं. 042454
(Daraius Z Fraser)
Partner
M No.: 042454

कृते सिंघी एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 302049ई
For Singhi & Co.
Chartered Accountants
FRN: 302049E

(सी. ए. राजीव सिंघी)
भागीदार
एम नं. 053578
(CA Rajiv Singhi)
Partner
M No. 053578

कृते जी.एम. कपाड़िया एण्ड कं.
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 104767डब्ल्यू
For G M Kapadia & Co.
Chartered Accountants
FRN: 104767W

(सी.ए. राजन अशर)
भागीदार
एम नं. 048243
(CA Rajen Ashar)
Partner
M No.: 048243

कृते एस. आर. डिनोडिया एण्ड कं. एलएलपी
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 001478 एन/एन500005
For S R Dinodia & Co. LLP.
Chartered Accountants
FRN: 001478N/N500005

(सी.ए. संदीप डिनोडिया)
भागीदार
एम नं. 083689
(CA Sandeep Dinodia)
Partner
M No.: 083689

स्थान: मुंबई
दिनांक: 25 मई, 2018
Place: Mumbai
Date: 25th May 2018

बैंक ऑफ़ बड़ौदा का संक्षिप्त समेकित नकदी प्रवाह विवरण-पत्र
Abridged Consolidated Cash Flow Statement of Bank of Baroda

₹ '000 में ₹ in '000

	विवरण Particulars		समेकित Consolidated	
			चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
			31.03.2018	31.03.2017
ए.	परिचालन की गतिविधियों से नकदी प्रवाह	A. Cash Flow from operating Activities	**(59691,70,22)**	17864,82,81
बी.	निवेश की गतिविधियों से नकदी प्रवाह	B. Cash Flow from Investing Activities	**(413,62,93)**	(550,62,35)
सी.	वित्तपोषण की गतिविधियों से नकदी प्रवाह	C. Cash Flow from Financing Activities	**3413,07,81**	(198,25,89)
	नकदी / समतुल्य नकदी मे निवल वृद्धि (ए+बी+सी)	Net Increase in Cash & Cash Equivalents (A+B+C)	**(56692,25,34)**	17115,94,57
	01 अप्रैल को नकदी एवं नकदी समतुल्य	**Cash & Cash equivalents as at April 01**	**154114,99,96**	136999,05,39
	31 मार्च को नकदी एवं नकदी समतुल्य	**Cash & Cash equivalents as at March 31**	**97422,74,62**	154114,99,96

अनुसूची 18 : 31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित वित्तीय विवरण-पत्रों की महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां
SCHEDULE 18 : SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES ON THE CONSOLIDATED FINANCIAL STATEMENTS FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2018

1. समेकित वित्तीय विवरण-पत्रों को तैयार करने का आधार

1.1 तैयार करने का आधार:

बैंक (मूल), इसकी अनुषंगियों संयुक्त उद्यमों और सहयोगी इकाइयों के समेकित वित्तीय विवरण-पत्र (सीएफएस) परम्परागत लागत के आधार पर बनाए गए हैं और सभी वास्तविक पहलुओं के संदर्भ में, भारत की शाखाओं/कार्यालयों के विषय में भारत में और विदेशी शाखाओं/कार्यालयों के विषय में संबद्ध देश में प्रचलित सांविधिक प्रावधानों एवं विधाओं के अनुरूप हैं, जब तक कि कोई अन्यथा उल्लेख न किया गया हो.

1.2 अनुमानों का उपयोग:

वित्तीय विवरण-पत्रों को तैयार करने में वित्तीय विवरण-पत्र की तारीख को रिपोर्ट की गई आस्ति एवं देयताओं (आकस्मिक देयताओं सहित) तथा रिपोर्ट की गई अवधि हेतु आय एवं व्यय संबंधी राशि को रिपोर्ट करने हेतु प्रबंधन को कुछ अनुमानों और आकलनों को आधार बनाना पड़ता है. प्रबंधन का विश्वास है कि वित्तीय विवरण-पत्रों को तैयार करने के लिए प्रयुक्त आकलन विवेकपूर्ण और उचित हैं.

2. समेकन प्रक्रिया:

2.1 समूह के समेकित वित्तीय विवरण-पत्र (15 अनुषंगियां, 6 सहयोगी इकाइयों तथा 3 संयुक्त उद्यमों का समावेश है) निम्नलिखित के आधार पर तैयार किए गए हैं :

ए) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (मूल) के लेखापरीक्षित खाते

बी) अनुषंगियों की आस्ति/देयता/आय/व्यय की प्रत्येक मद का मूल संस्था की संबंधित मद के साथ शब्दशः एकत्रीकरण तथा भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखांकन मानक (एएस-21) (समेकित वित्तीय विवरणी) पत्रक के अनुसार सभी इन्ट्रा ग्रुप शेषों/संव्यवहारों और वसूल न किए गए लाभ/हानि को कम करते हुए.

सी) सहयोगी संस्थाओं में निवेश का लेखांकन लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण-पत्रों के आधार पर आईसीएआई द्वारा जारी एएस 23 के अनुरूप (समेकित वित्तीय विवरणी में सहबद्ध संस्था में निवेश हेतु लेखांकन) इक्विटी प्रणाली के तहत किया गया है.

डी) संयुक्त उद्यमों में ब्याज को, आईसीएआई द्वारा जारी एएस-27 (संयुक्त उद्यम में ब्याज की वित्तीय रिर्पोटिंग) में निर्धारित ''समानुपातिक समेकन प्रणाली'' पर समेकित किया गया है.

2.2 लेखांकन नीतियों में अन्तर होने की स्थिति में अनुषंगियों, संयुक्त उद्यम एवं सहयोगी इकाइयों के वित्तीय विवरण-पत्रों को, जहां कहीं आवश्यक तथा व्यावहारिक हो, मूल संस्था की लेखा-नीतियों के अनुरुप समायोजित किया गया है.

2.3 समेकित वित्तीय विवरण-पत्रों के माइनोरिटी इन्टरेस्ट में अनुषंगियों की निवल इक्विटी/लाभ में माइनोरिटी शेयरधारकों के अंश समाहित हैं.

1. BASIS OF PREPARATION OF CONSOLIDATED FINANCIAL STATEMENTS:

1.1 BASIS OF PREPARATION:

Consolidated Financial Statements (CFS) of the Bank (Parent), its subsidiaries, joint ventures and associates are drawn up on historical cost basis and conform in all material aspects to statutory provisions and practices prevailing in India in respect of Indian offices / branches and respective foreign countries in respect of foreign offices / branches, unless otherwise stated.

1.2 USE OF ESTIMATES:

The preparation of financial statements requires the management to make estimates and assumptions considered in the reported amount of assets and liabilities (including contingent liabilities) as of date of the financial statements and the reported income and expenses for the reporting period. Management believes that the estimates used in the preparation of the financial statements are prudent and reasonable.

2. CONSOLIDATION PROCEDURE:

2.1 CFS of the group (comprising of -15- Subsidiaries, -6- Associates and -3- Joint Ventures) have been prepared on the basis of :

a. Audited accounts of Bank of Baroda (Parent).

b. Line by line aggregation of each item of asset/liability/income/expense of the subsidiaries with the respective item of the Parent, and after eliminating all material intra-group balances / transactions, unrealised profit/loss as per AS 21 (Consolidated Financial Statements) issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI).

c. Investments in Associates are accounted for under the Equity Method as per AS 23 (Accounting for Investments in Associates in Consolidated Financial Statements) issued by ICAI based on the audited Financial Statements of the associates.

d. Interests in Joint Ventures are consolidated on 'Proportionate consolidation method' as prescribed in AS 27 (Financial Reporting of Interests in Joint Ventures) issued by ICAI.

2.2 In case of difference in Accounting Policies, the Financial Statements of Subsidiaries, Joint ventures and Associates are adjusted, wherever necessary and practicable, to conform to the Accounting Policies of the Parent.

2.3 Minority interest in the CFS consists of the share of the minority shareholders in the net equity / profit of the subsidiaries.

2.4 मूल संस्था द्वारा इसकी अनुषंगियों में किए गए निवेश की लागत और अनुषंगियों में इक्विटी में मूल संस्था के हिस्से की लागत अंतर को साख / आरक्षित पूंजी, जैसा भी मामला हो, के रूप में माना गया है.

3. निवेश

3.1 वर्गीकरण

मूल संस्था तथा इसकी घरेलू अनुषंगियों के निवेश पोर्टफोलियो को भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशानुसार निम्नानुसार वर्गीकृत किया गया है :

(ए) ''परिपक्वता तक धारित'' (एचटीएम) निवेश राशियों में परिपक्वता तक रखने के उद्देश्य से प्राप्त निवेश शामिल हैं.

(बी) ''व्यापार हेतु धारित'' (एचएफटी) में वे निवेश शामिल हैं जिन्हें व्यापार के उद्देश्य से प्राप्त किया गया है.

(सी) ''बिक्री हेतु उपलब्ध'' (एएफएस) में वे निवेश शामिल हैं जो उपरोक्त ''ए'' तथा ''बी'' में शामिल नहीं हैं अर्थात् जो न तो व्यापार के उद्देश्य से प्राप्त किए गए हैं और न ही परिपक्वता तक रखने के उद्देश्य से प्राप्त किए गए हैं.

3.2 अधिग्रहण लागत

निवेशों के अधिग्रहण की लागत प्रोत्साहनों, फ्रंट एण्ड फीस एवं कमीशन का निवल योग है.

3.3 मूल्यांकन का आधार

''परिपक्वता तक धारित'' के रुप में वर्गीकृत निवेशों को भारित औसत अर्जित लागत पर लिया गया है, जब तक कि वह अंकित मूल्य से अधिक नहीं हैं. जिसमें प्रीमियम को परिपक्वता की शेष अवधि तक परिशोधित किया गया है.

''परिपक्वता तक धारित'' के रुप में वर्गीकृत निवेशों में ऐसे डिबेंचर/बांड्स शामिल हैं जिन्हें स्वरूप/प्रकृति की दृष्टि से अग्रिम माना जाता है (जिनके लिए अग्रिमों पर लागू आस्ति वर्गीकरण और प्रावधानीकरण संबंधी भारतीय रिज़र्व बैंक के विवेकपूर्ण मानदंड लागू करते हुए प्रावधान किया गया है.)

ट्रेज़री बिलों, कॉमर्शियल पेपर्स और जमा प्रमाणपत्रों में किए गए निवेशों को रखाव लागत आधार पर मूल्यांकन किया गया है.

23.08.2006 के पश्चात् मूल संस्था द्वारा जोखिम पूंजी निधि (वीसीएफ) की ईकाइयों में किए गए निवेश को आरम्भिक तीन वर्षों के लिए परिपक्वता तक धारित के तहत, श्रेणी में वर्गीकृत किया जाता है तथा कीमत के आधार पर मूल्यांकन किया जाता है. संवितरण के तीन वर्षों के पश्चात् इन्हें भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुसार एएफएस तथा मार्क्ड-टू-मार्केट में अंतरित किया जाएगा.

''व्यापार के लिए धारित'' (एचएफटी) एवं ''बिक्री के लिए उपलब्ध'' (एएफएस) के रुप में वर्गीकृत निवेश बाजार स्क्रिपवार चिन्हित किया गया है तथा तुलन-पत्र में प्रत्येक श्रेणी में दर्शाए गए परिणामी निवल मूल्यह्रास, यदि कोई है, को लाभ व हानि खाते में स्थान दिया गया है. जब कि निवल मूल्यवृद्धि, यदि कोई हो, को छोड़ दिया गया है. तथापि, परिवर्तन के द्वारा चाहे वह मानक हो या एनपीए, अर्जित लिखत पर मूल्यह्रास बाजार मूल्य पर निर्धारित होगा, यदि उद्धृत है तो, या पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के यथा 31 मार्च के कंपनी के तुलन-पत्र से सुनिश्चित अनुसार अलग-अलग मूल्य (पुनर्मूल्यांकन आरक्षित निधि को विचारार्थ लिये बगैर) पर निर्धारित होगा. उस मामले

2.4 The difference between cost to the Parent of its initial investment in the subsidiaries and the Parent's portion of the equity of the subsidiaries is recognized as goodwill/ capital reserve as the case may be.

3. INVESTMENTS:

3.1 Classification

The Investment portfolio of the Parent and its domestic subsidiaries is classified, in accordance with the Reserve Bank of India guidelines, into:

a "Held to Maturity" (HTM) comprising Investments acquired with the intention to hold them till maturity.

b "Held for Trading" (HFT) comprising Investments acquired with the intention to trade.

c "Available for Sale" (AFS) comprising Investments not covered by (a) and (b) above i.e. those which are acquired neither for trading purposes nor for being held till maturity.

3.2 Acquisition Cost

Cost of acquisition of Investments is net of incentives and front-end fees.

3.3 Basis of Valuation

Investments classified as "Held to Maturity" are carried at weighted average acquisition cost unless it is more than the face value, in which case the premium is amortized over the period remaining to maturity.

Investments classified as "Held to Maturity" includes debentures / bonds, which are deemed to be in the nature of / treated as advances (for which provision is made by applying the Reserve Bank of India prudential norms of assets classification and provisioning applicable to Advances).

Investments in Treasury Bills, Commercial Papers and Certificates of Deposit which have been valued at carrying cost.

Parent's investments in units of Venture Capital Funds (VCFs) made after 23.08.2006 are classified under HTM category for initial period of three years and are valued at cost. After period of three years from date of disbursement, it will be shifted to AFS and marked-to-market as per Reserve Bank of India guidelines.

Investments classified as "Held for Trading" and "Available for Sale" are marked to market scrip-wise and the resultant net depreciation if any, in each category disclosed in the Balance Sheet is recognized in the Profit and Loss Account, while the net appreciation, if any, is ignored. However Depreciation on the instrument acquired by way of conversion, whether classified as standard or NPA, shall be valued at market value, if quoted, or else at break-up value (without considering the revaluation reserve, if any) as ascertained from the company's balance sheet as on March 31st of the immediate preceding financial year. In case balance

में जब पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के यथा 31 मार्च का तुलन-पत्र उपलब्ध न हो तो बैंक द्वारा धारित कंपनी के इक्विटी शेयर का संपूर्ण संविभाग रुपये 1/- पर मूल्यवर्गित होगा. कर्जों के संपरिवर्तन से निर्मित लिखतों पर मूल्यह्रास एएफएस वर्ग के तहत धारित किसी भी अन्य प्रतिभूति में अधिमूल्यन के पेटे समायोजित नहीं होगी.

व्यापार के लिए धारित श्रेणी के तहत ट्रेजरी बिलों में प्राथमिक डीलर के रूप में मूल बैंक द्वारा किये गये निवेश का मूल्यांकन रखाव लागत पर किया जा रहा है.

''व्यापार के लिए धारित'' तथा ''बिक्री के लिए उपलब्ध'' श्रेणी के उद्धृत निवेशों के मूल्यांकन के लिए बाज़ार स्टॉक एक्सचेंज में उद्धृत दरों हेतु फिक्स्ड इन्कम मनी मार्केट एण्ड डेरिवेटिव्स एसोसिएशन (एफआईएमएमडीए) द्वारा घोषित दरों का उपयोग किया गया है.

जिन निवेशों के लिए ऐसी दरें / उद्धृत दरें उपलब्ध नहीं हैं, उनका मूल्यांकन भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा निर्धारित मानदण्डों के अनुसार किया गया है जो निम्नानुसार हैं :-

सरकारी/अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	परिपक्वता आधारित आय पर
इक्विटी शेयर, पीएसयू एवं ट्रस्टी शेयर	-	नवीनतम तुलनपत्र (12 माह से अधिक पुराना नहीं) के अनुसार ब्रेक अप मूल्य (पुनर्मूल्यांकन आरक्षित, यदि कोई हो, पर विचार किए बिना) अन्यथा ₹ 1 प्रति कंपनी
अधिमानी शेयर	-	परिपक्वता आधारित आय पर, समुचित क्रेडिट स्प्रेड मार्क-अप सहित
पीएसयू बॉन्ड	-	समुचित क्रेडिट स्प्रेड मार्क-अप के साथ परिपक्वता आधारित आय पर
म्युचुअल फंड की यूनिटें	-	फंड द्वारा प्रत्येक स्कीम के संबंध में घोषित अद्यतन पुनर्खरीद मूल्य/निवल आस्ति मूल्य / एनएवी पर
जोखिम पूंजी	-	लेखापरीक्षित तुलन-पत्र के अनुसार घोषित एनएवी या ब्रेक अप एनएवी जो 18 माह से ज्यादा पुरानी न हो, यदि लगातार 18 माह से अधिक के एनएवी या लेखापरीक्षित वित्तीय आंकड़े उपलब्ध न हों तो ₹ 1/- प्रति वीसीएफ.
प्रतिभूति प्राप्तियां		भारतीय रिज़र्व बैंक/सेबी के दिशानिर्देशों के अनुसार आस्ति पुनर्निमाण कंपनी द्वारा घोषित एनएवी

3.4 निवेशों का निस्तारण

''परिपक्वता तक धारित'' के रुप में वर्गीकृत निवेशों की बिक्री पर लाभ/हानि को संबंधित निवेशों की भारित औसत लागत/बही मूल्य के आधार पर लाभ एवं हानि खाते में अंकित किया गया है एवं ''परिपक्वता तक धारित'' वर्गीकरण में संबंधित निवेशों के बही मूल्य के समतुल्य लाभ को आरक्षित पूंजी खाते में विनियोजित किया गया है. एएफएस/एचएफटी श्रेणी के निवेशों की बिक्री पर हुए लाभ/हानि

sheet as on 31st March of the immediate preceding financial year is not available, the entire portfolio of equity shares of the company held by the bank shall be valued at ₹1. Depreciation on instruments created by conversion of debts, shall not be offset against the appreciation in any other securities held under the AFS category.

Investments made by the Parent as Primary Dealer in Treasury Bills under HFT category is being valued at carrying cost.

For the purpose of valuation of quoted investments in "Held for Trading" and "Available for Sale" categories, the market rates / quotes on the Stock Exchanges, the rates declared by Fixed Income Money Market and Derivatives Association (FIMMDA) are used.

Investments for which such rates / quotes are not available are valued as per norms laid down by RBI, which are as under:

Government / Approved securities	-	on Yield to Maturity basis.
Equity Shares, PSU and Trustee shares	-	at break-up value (without considering 'Revaluation Reserves', if any) as per the latest Balance Sheet (not more than 12 months old), otherwise ₹ 1 per company.
Preference Shares	-	on Yield to Maturity basis with appropriate credit spread mark-up.
PSU Bonds	-	on Yield to Maturity basis with appropriate credit spread mark-up.
Units of Mutual Funds	-	at the latest repurchase price / NAV declared by the Fund in respect of each scheme.
Venture Capital	-	Declared NAV or break up NAV as per audited balance sheet which is not more than 18 months old. If NAV/ audited financials are not available for more than 18 months continuously then at ₹ 1/- per VCF.
Security Receipts		Declared NAV by the Asset Reconstruction Company as per RBI / SEBI guidelines.

3.4 Disposal of Investments

Profit / Loss on sale of Investments classified as "Held to Maturity" is recognized in the Profit & Loss Account based on the weighted average cost / book value of the related Investments and an amount equivalent of profit on sale of Investments in "Held to Maturity" classification is appropriated to Capital Reserve Account. Profit/loss on sale of Investment in AFS/HFT category is recognized in profit and loss account.

को लाभ एवं हानि खाते में लिया गया है.

3.5 बैंक के द्वारा निवेशों के लिए, निपटान तारीख आधार पर समरूप लेखा प्रणाली का अनुसरण किया जा रहा है.

3.6 विदेशी शाखाओं में निवेश के संबंध में भारतीय रिज़र्व बैंक अथवा मेजबान देशों के दिशा-निर्देशों का, दोनों में से जो अधिक सख्त हों, का अनुपालन किया गया है. ऐसी शाखाओं के मामले में जो ऐसे देशों में स्थित हैं जहां कोई विशिष्ट दिशानिर्देश नहीं है, भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों का पालन किया गया है.

3.7 इन श्रेणियों के बीच प्रतिभूतियों के अंतरण की गणना, अंतरण की तारीख को उसकी अधिग्रहण लागत/बही मूल्य/ बाजार मूल्य में से जो भी कम हो, पर की गई है और ऐसे अंतरण के फलस्वरूप मूल्यह्रास, यदि कोई है, के लिए प्रावधान किया गया है.

3.8 देशी अनर्जक प्रतिभूतियों के संबंध में आय को नहीं लिया गया है, और इन प्रतिभूतियों के मूल्य में मूल्यह्रास के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक के निर्देशानुसार प्रावधान किया गया है.

3.9 रेपो / रिवर्स रेपो

बैंक ने पुनःखरीद तथा प्रत्यावर्तित पुनः खरीद लेनदेनों को लेखांकित करने हेतु भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा बताई गई एक समान लेखा प्रणाली को अपनाया है [परिपत्र सं. भा.रि.बैं. / 2016-17 / एफएमओडी. एमएओजी. नं. 116/01.01.001/2016-17 दि. 10-11-2016 द्वारा भा.रि.बैं. के साथ चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) सहित] रेपो एवं रिवर्स रेपो लेनदेनों को, सहमत शर्तों पर पुनःखरीद करने के समझौते के साथ संपार्श्विक उधार/ऋण के रूप में लिया गया है. रेपो के अन्तर्गत बेची गई प्रतिभूतियां उन्हें रिवर्स रेपो के तहत निवेश व खरीदी गई प्रतिभूतियों के रूप में दर्शाया गया है, तथा उन्हें निवेशों में शामिल नहीं किया गया है. लागत तथा राजस्व की गणना ब्याज व्यय/ आय जैसा भी मामला हो, के रूप में की गयी है.

3.10 डेरिवेटिव्स :

बैंक वर्तमान में ब्याज दरों तथा मुद्रा डेरिवेटिव्स में डील करता है. बैंक द्वारा व्यवहारित ब्याज दर डेरिवेटिव्स में रुपया ब्याज दर स्वैप, विदेशी मुद्रा ब्याज दर स्वैप तथा फारवर्ड रेट एग्रीमेंट्स शामिल हैं. बैंक द्वारा व्यवहार में लाये जाने वाले मुद्रा डेरिवेटिव्स में ऑप्शन तथा मुद्रा स्वैप एक्सचेंज ट्रेडेड करेंसी फ्यूचर शामिल हैं.

भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के आधार पर, डेरिवेटिव्स का मूल्यांकन निम्नानुसार किया जाता है :

व्यवस्था बचाव/गैर व्यवस्था बचाव (ट्रेडिंग) संव्यवहार अलग-अलग रिकार्ड किया जाता है. व्यवस्था बचाव के रूप में नामित डेरिवेटिव संविदाएं तब तक बाजार भाव पर नहीं दर्शायी जाती हैं जब तक कि इनका अंतर्निहित बाजार भाव पर दर्शाया गया है. व्यवस्था बचाव के रूप में वर्गीकृत डेरिवेटिव संविदाएं एवं जहां अंतर्निहित बाजार भाव पर नहीं दर्शाया जाता है, उपचय आधार पर रिकॉर्ड होगें. ट्रेडिंग डेरिवेटिव पोजिशन्स को बाजार चिन्हित किया गया है तथा परिणामी हानि, यदि कोई हो, को लाभ-हानि खाते में दर्ज किया गया है. लाभ, यदि कोई हो, को छोड़ दिया गया है. ब्याज दर स्वैप से संबंधित आय तथा व्यय निपटान तारीख को लिया गया है. ट्रेडिंग स्वैप्स की समाप्ति पर हुए लाभ/हानि को समाप्ति तिथि पर आय/व्यय के रूप में दर्ज

3.5 The Parent is following uniform methodology of accounting for investments on settlement date basis.

3.6 In respect of Investments at Overseas Branches, Reserve Bank of India guidelines or those of the host countries, whichever are more stringent are followed. In case of those branches situated in countries where no guidelines are specified, the guidelines of the Reserve Bank of India are followed.

3.7 The transfer of a security between these categories is accounted for at the acquisition cost / book value / market value on the date of transfer, whichever is the least, and the depreciation, if any, on such transfer is fully provided for.

3.8 In respect of domestic non-performing securities, income is not recognised, and provision is made for depreciation in the value of such securities as per Reserve Bank of India guidelines.

3.9 REPO / Reverse REPO

The Parent has adopted the Uniform Accounting Procedure prescribed by the RBI for accounting of market Repo and Reverse Repo transactions [including the Liquidity Adjustment Facility (LAF) with the RBI vide circular no. RBI/2016-17/FMOD. MAOG.No.116/01.01.001/2016-17 dated 10-11-2016]. Repo and Reverse Repo Transactions are treated as Collaterised Borrowing and Lending Operations with an agreement to Repurchase on the agreed terms. Securities sold under Repo are continued to be shown under investments and Securities purchased under Reverse Repo are not included in investments. Costs and revenues are accounted for as interest expenditure / income, as the case may be.

3.10 Derivatives

The Parent presently deals in interest rate and currency derivatives. The interest rate derivatives dealt with by the Parent are Rupee Interest Rate Swaps, Foreign Currency Interest Rate Swaps, Exchange traded Rupee Interest Rate Future and Forward Rate Agreements. Currency Derivatives dealt with by the Bank are Options, Currency swaps and Exchange traded Currency Future.

Based on RBI guidelines, Derivatives are valued as under:

The hedge/ non-hedge (trading) transactions are recorded separately. Derivative contracts designated as hedges are not marked to market unless their underlying is marked to market. Derivative contracts classified as hedge and where underlying is not marked to market are recorded on accrual basis. Trading derivative positions are marked to market and the resulting losses, if any, are recognized in the Profit and Loss Account. Profit, if any, is ignored. Income and expenditure relating to interest rate swaps are recognized on the settlement date. Gains/ Losses on termination of the trading swaps are recorded on the termination date as income/expenditure.

किया गया है.

मूल्यांकन के उद्देश्य से कुल स्वैप के उचित मूल्य की गणना उस राशि के आधार पर की गयी है जो कि तुलनपत्र की तारीख को स्वैप समझौतों से संबंधित लेन-देन की समाप्ति पर प्राप्य या देय होगा. इससे संबंधित हानि, यदि कोई हो, के लिए पूर्ण प्रावधान किए गए हैं जबकि लाभ, यदि कोई हो, को छोड़ दिया गया है.

विदेशी मुद्रा वाले डेरिवेटीव संविदाओं से संबंधित आकस्मिक देयताओं को तुलनपत्र की तारीख को एफईडीएआई द्वारा अधिसूचित अंतिम विनिमय दरों पर रिपोर्ट किया गया है.

4. अग्रिम:

4.1 भारत में मूल संस्था तथा इसकी घरेलू सहयोगी संस्थाओं के अग्रिम मानक, अवमानक, संदिग्ध एवं हानि आस्तियों के रूप में वर्गीकृत किए गए हैं और इन पर हुई हानि के संबंध में पैरा 4.3 में उल्लिखित अनुसार के अलावा भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित विवेकपूर्ण मानदण्डों के अनुसार प्रावधान किए गए हैं. विदेशी शाखाओं तथा अनुषंगियों द्वारा किए गए अग्रिम के संबंध में अग्रिमों का वर्गीकरण भारतीय रिज़र्व बैंक के अथवा मेजबान देश के स्थानीय कानूनों, जिसमें अग्रिम दिया गया है, द्वारा निर्धारित किए गए मानदंडों में से जो भी अधिक सख्त हो, के अनुरूप किया गया है.

4.2 अग्रिम विशिष्ट ऋण हानि प्रावधानों, उचन्त ब्याज, वादग्रस्त विविध जमा खातों में प्राप्त एवं रखी गई राशि, प्राप्त दावों के लिए किए गए प्रावधान की निवल राशि है.

4.3 सतत अभ्यास के रूप में बैंक ने निम्न पर अतिरिक्त प्रावधान किया है :

- 15% के विनियामक आवश्यकताओं के सापेक्ष सुरक्षित अवमानक अग्रिम पर 20% प्रावधान.
- 50% क्रेडिट संपरिवर्तन घटक (सीसीएफ) लागू करके द्वारा एनपीए उधारकर्ताओं की गैर-निधि आधारित सुविधाओं पर प्रावधान किये गये हैं. यह प्रावधान उधारकर्ता के निधि-आधारित सुविधा के आस्ति वर्ग पर आधारित है.
- 6 माह से पुराने और संपार्श्विक-मुक्त मौजूदा एनपीए खातों यथा, ऑटो ऋण, शिक्षा ऋण, व्यक्तिगत ऋण और संपत्तियों के बंधक के सापेक्ष ऋण, के संबंध में बैंक ने 100% प्रावधान किया है.

  संपत्तियों के बंधक के सापेक्ष ऋण, जो कि 2 वर्षों से अधिक के लिये एनपीए है एवं सुरक्षित (संपार्श्विक) है, के संबंध में बैंक ने 100% प्रावधान किया है.
- बैंक ने 6 माह से पुराने मौजूदा एनपीए खातों यथा, ट्रैक्टर/टिलर/पॉवर टिलर हेतु ऋण के संबंध में भी 100% प्रावधान किया है.

4.4 पुनर्निर्धारित/पुनर्गठित खातों के संबंध में भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार पुनर्गठित अग्रिमों के लिए मौजूदा मूल्य शर्तों पर आकलन करते हुए प्रावधान किया गया है.

4.5 आस्ति वर्गीकरण एवं प्रावधान के प्रयोजन से, बॉब कार्ड को जो बैंक ऑफ़ बड़ौदा की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी है, गैर बैंकिंग वित्तीय

For the purpose of valuation, the fair value of the total swap is computed on the basis of the amount that would be receivable or payable on termination of the transactions of the swap agreements as on the Balance Sheet date. Losses arising there from, if any, are fully provided for while the profits, if any, are ignored.

Contingent Liabilities on account of derivative contracts denominated in foreign currencies are reported at closing rates of exchange notified by FEDAI at the Balance Sheet date.

4 ADVANCES:

4.1 Advances in India of the Parent and Subsidiaries are classified as Standard, Sub-standard, Doubtful or Loss assets and Provision for losses are made on these assets as per Prudential Norms of Reserve Bank of India except as stated in Para 4.3. In respect of Advances made in overseas branches and overseas subsidiaries, Advances are classified in accordance with the Prudential Norms prescribed by the Reserve Bank of India or local laws of the host country in which advances are made, whichever is more stringent.

4.2 Advances are net of specific loan loss provisions, interest suspense; amount received and held in suit-filed Sundry Deposit and Claims Received.

4.3 As a constant practice, Bank has made the additional provision on the following:

- Provision @ 20% on the Secured Sub-standard Advances as against the Regulatory requirement of 15%.
- Provision is made on Non-fund based facilities of NPA Borrowers by applying 50% Credit conversion factor (CCF). The provision is based on the Asset class of fund based facility of the Borrower
- Parent has made 100% provision in respect of existing NPA accounts viz Auto Loan, Education Loan, Personal Loan and Loan against mortgage of properties which are 6 month old and are collateral free.

  With respect to Loan against mortgage of properties which are secured (collateral) and are NPA for more than 2 years, Bank has made 100% provision
- Parent has also made 100% provision in respect of existing NPA accounts viz Loan for Tractors/ tiller/ Power tillers which are 6 month old.

4.4 In respect of Rescheduled / Restructured accounts, Provision for diminution in fair value of restructured advances is measured in present value terms as per RBI guidelines.

4.5 For the purpose of Assets Classification and provisioning, BOB Card, the wholly owned subsidiary of BOB, is governed under the broad guidelines of

(जमा राशि स्वीकार/धारण न करने वाली) कंपनियों के विवेकपूर्ण मानदंड (रिज़र्व बैंक) निर्देश, 2007 के विस्तृत दिशा-निर्देशों के अंतर्गत शामिल है.

4.6 आस्ति पुनर्गठन कंपनी (एआरसी) / प्रतिभूतिकरण कंपनी (एससी) को बेची गई आस्तियों के मामले में बैंक, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी किए गए दिशानिर्देशों का पालन कर रहा है. वर्तमान में बैंक द्वारा अनुसरण किए जा रहे दिशानिर्देश ये हैं कि यदि बिक्री निवल बही मूल्य (एनबीवी) (अर्थात बही मूल्य घटाएं किया गया प्रावधान) से कम मूल्य पर हुई है तो कमी को दो वर्षों की अवधि के भीतर कीमत लागत अंतर की अवधि में लाभ एवं हानि खाते में नामे किया जाए. यदि बिक्री मूल्य, निवल बही मूल्य की अपेक्षा अधिक है तो जिस वर्ष में अधिक राशि प्राप्त हुई है उस राशि को लाभ एवं हानि खाते में रिवर्स कर दिया जाता है.

5. अस्थायी प्रावधान :

बैंक के पास अग्रिम, निवेश और सामान्य उद्देश्यों हेतु अलग से अस्थायी प्रावधान के निर्माण और प्रयुक्तता पर नीति है. निर्मित किये जाने वाले अस्थायी प्रावधानों की प्रमात्रा को प्रत्येक वर्ष मूल्यांकित किया जाता है. अस्थायी प्रावधान भारतीय रिज़र्व बैंक की पूर्व-अनुमति से नीति में विनिर्दिष्ट असामान्य परिस्थितियों के तहत केवल आकस्मिक व्यय हेतु प्रयुक्त हैं.

6. अचल आस्तियां:

6.1 पुनर्मूल्यांकित परिसरों को छोड़कर, परिसर व अन्य अचल आस्तियां सामान्यतः परम्परागत लागत पर दर्शायी गयी हैं. पुनर्मूल्यांकन पर हुई वृद्धि को पूंजीगत आरक्षित निधि में जमा किया गया है.

6.2 ''परिसर'' में भूमि तथा निर्माणाधीन भवन का समावेश है.

7. आरक्षित निधियां एवं अधिशेष:

राजस्व एवं अन्य आरक्षित निधियों में सम्बद्ध देशों में प्रचलित स्थानीय कानूनों के अनुसार विदेशी शाखाओं द्वारा निर्मित सांविधिक आरक्षित निधियों को शामिल किया गया है.

8. राजस्व का निर्धारण:

8.1 आय (पैराग्राफ 8.2 में उल्लिखित मद से भिन्न) / व्यय का निर्धारण सामान्यतः उपचय आधार पर किया गया है. विदेशी कार्यालयों के मामले में सम्बद्ध देश जहां विदेशी कार्यालय स्थित है, स्थानीय नियमों के तहत आय का निर्धारण किया गया है.

8.2 शुल्क के माध्यम से प्राप्त आय, सरकारी कारोबार को छोड़कर कमीशन, गारंटी, साखपत्र पर कमीशन, विनिमय, दलाली तथा अतिदेय बिलों/अग्रिम बिलों पर ब्याज को वास्तविक वसूली आधार पर हिसाब में लिया गया है. अनुषंगियों, संयुक्त उद्यमों तथा सहयोगी इकाइयों में शेयरों के लाभांश को वसूली आधार पर हिसाब में लिया गया है.

8.3 अनर्जक अस्तियों निवेशों के मामलों में आय की वसूली की अनिश्चितता के कारण ऐसी आय भारतीय रिज़र्व बैंक मार्गनिर्देशों के अनुसार केवल वसूल होने पर ही लेखांकित की गयी है.

8.4 परिचालन लीज पर ली गयी आस्तियों के लिए लागत वृद्धि सहित लीज भुगतानों को आईसीएआई द्वारा जारी एएस 19 (लीज) के अनुसार लीज टर्म पर लाभ एवं हानि लेखा के हिसाब में लिया जाता है.

"Non Banking Financial (Non-Deposit, Accepting/ holding) Companies Prudential norms (Reserve Bank) Directions, 2007".

4.6 In case of financial assets sold to Asset Reconstruction Company (ARC)/ Securitization Company (SC), the bank is following the guidelines issued by Reserve Bank of India. At present, the guideline followed by the Bank is that if the sale is at a price below the net book value (NBV), (i.e. Book value less provisions held) the shortfall is debited to the profit and loss account spread over a period of two years. If the sale value is higher than the NBV, excess provision is reversed to profit & loss account in the year the amounts are received.

5 FLOATING PROVISIONS:

The Parent has a policy for creation and utilisation of floating provisions separately for advances, investments and general purposes. The quantum of floating provisions to be created is assessed every year. The floating provisions are utilised only for contingencies under extraordinary circumstances specified in the policy with prior permission of Reserve Bank of India.

6 FIXED ASSETS:

6.1 Premises and other fixed assets are stated at historical cost except revalued premises which are stated at revalued amount. The appreciation on such revaluation is credited to Capital Reserve.

6.2 Premises include Land and Building under construction.

7 RESERVES AND SURPLUS:

Revenue and other Reserves include Statutory Reserves created by foreign branches as per applicable local laws of the respective countries.

8 REVENUE RECOGNITION:

8.1 Income (other than item referred in Paragraph 8.2)/ expenditure is generally recognised on accrual basis. In case of foreign offices, income/ expenditure is recognised as per the local laws of the country in which the respective foreign office is located.

8.2 Income by way of Fees, Commission other than on Government business, Commission on Guarantees, Letter of Credits, Exchange and Brokerage and Interest on Advance Bills are accounted for on realisation basis. Dividend on shares in subsidiaries, joint ventures and associates is accounted on realisation basis.

8.3 In view of uncertainty of collection of income in cases of Non-performing Assets/ Investments, such income is accounted for only on realization in terms of the RBI guidelines.

8.4 Lease payments including cost escalation for assets taken on operating lease are recognised in the Profit and Loss Account over the lease term in accordance with the AS 19 (Leases) issued by ICAI.

8.5 एनपीए खातों में वसूली का विनियोजन :

एनपीए के संबंध में, समय-समय पर खातों में प्रभावी वसूली (जन धन वसूली अधिनियम के तहत वसूली सहित) निम्न तरीके से विनियोजित होनी चाहिये :

ए) बैंक द्वारा प्रदत्त या वहन किये गये सभी लागत, कमीशन, प्रभार और व्यय

बी) बैंक पर देय ब्याज, अतिरिक्त ब्याज, अन्य ब्याज, दंडात्मक ब्याज पर

सी) मूल धन के भुगतान पर

9. जीवन बीमा कम्पनी:

9.1 प्रीमियम आय:

देय होने पर प्रीमियम (सेवा कर का निवल और जीएसटी) को आय के रूप में हिसाब में लिया जाता है. सहवर्ती व्यवसाय के लिए जब सहयोगी इकाइयां सृजित की जाती हैं, प्रीमियम को गणना में लिया जाता है. टॉप-अप प्रीमियम को एकल प्रीमियम के रूप में समझा जाता है.

व्यपगत पॉलिसियों पर प्रीमियम को तब आय के रूप में लिया जाता है जब ऐसी पॉलिसियां पुनः चालू की जाती हैं.

पुनर्बीमा होने पर प्राप्त कमीशन को उस अवधि में आय के रूप में हिसाब में लिया जाता है जब पुनर्बीमा प्रीमियम प्राप्त होता है.

9.2 लिंक्ड निधियों से आय:

लिंक्ड निधियों, जिसमें प्रीमियम आबंटन प्रभार, पालिसी प्रशासनिक प्रभार, मार्टेलिटी प्रभार, निधि प्रबंधन प्रभार इत्यादि शामिल हैं, से प्राप्त आय को जारी की गयी पॉलिसी की शर्तों एवं नियमों के अनुसार लिंक्ड निधियों से वसूल किया जाता है.

9.3 पुनर्बीमा प्रीमियम:

पुनर्बीमा की लागत को बीमाकर्ता के साथ की गयी शर्त अथवा सिद्धांततः व्यवस्था के अनुसार प्रीमियम आय के निर्धारण के समय हिसाब में लिया जाता है. पुनर्बीमा पर लाभ कमीशन, को पुनर्बीमा से प्राप्त प्रीमियम पर समायोजित किया जाता है.

9.4 प्रदत्त लाभ (दावों सहित):

प्रदत्त लाभों में पॉलिसी लाभ तथा दावा निपटान लागत, यदि कोई हो, शामिल हैं.

मृत्यु, अनुवृद्धि (राइडर) तथा अभ्यर्पण दावों को सूचना प्राप्त होने पर हिसाब में लिया जाता है.

उत्तरजीवी लाभ दावों तथा परिपक्वता दावों को देय होने पर गणना में लिया जाता है.

लिंक्ड पॉलिसियों के तहत आहरणों तथा अभ्यर्पणों को संबंधित योजनाओं में तब हिसाब में लिया जाता है, जब अनुषंगी इकाइयां निरस्त हो जाती हैं. दावों पर पुनर्बीमा वसूली को संबंधित दावों की उसी अवधि में हिसाब में लिया जाता है.

9.5 अधिग्रहण लागत:

अधिग्रहण लागत ऐसी लागत हैं जो भिन्न-भिन्न होती हैं और प्राथमिक तथा बीमा संविदाओं के अधिग्रहण से संबद्ध होती हैं और उस अवधि में व्यय की जाती हैं, जिसमें ये उपगत होती हैं.

8.5 Appropriation of recoveries in NPA accounts :

In respect of NPAs, recoveries effected in the account (including recovery under Public Money Recovery Act) from time to time should be appropriated in the following manner:

a) towards all costs, commission, charges and expenses paid or incurred by the Bank

b) towards interest, additional interest, further interest, penal interest due to the Bank

c) towards payment of the principal moneys

9 Life Insurance company:

9.1 Premium Income:

Premium (net of service tax and GST) is recognised as income when due. For linked business, premium is recognised when the associated units are created. Top up premiums are considered as single premium.

Premium on lapsed policies is recognised as income when such policies are reinstated.

Commission received on reinsurance ceded is recognised as income in the period in which reinsurance premium is ceded.

9.2 Income from linked funds:

Income from linked funds which includes premium allocation charges, policy administrative charges, mortality charges, fund management charges etc. are recovered from the linked funds in accordance with the terms and conditions of policies issued.

9.3 Reinsurance Premium:

Cost of reinsurance ceded is accounted for at the time of recognition of premium income in accordance with the treaty or in-principle arrangement with the reinsurer. Profit commission on reinsurance ceded is netted off against premium ceded on reinsurance.

9.4 Benefits paid (including claims):

Benefits paid comprise of policy benefits & claim settlement costs, if any.

Death, rider & surrender claims are accounted for on receipt of intimation.

Survival benefit claims and maturity claims are accounted for when due.

Withdrawals & surrenders under linked policies are accounted for in the respective schemes when the associated units are cancelled. Reinsurance recoveries on claims are accounted for, in the same period as the related claims.

9.5 Acquisition Costs:

Acquisition costs are costs that vary with and are primarily related to acquisition of insurance contracts and are expensed in the period in which they are incurred.

9.6 जीवन बीमा पॉलिसियों के लिए देयता:

कंपनी की बीमांकिक देयताओं की गणना बीमा अधिनियम 1938, बीमा नियामक तथा विकास प्राधिकरण (आस्तियां, देयताएं तथा बीमाकर्ताओं के सॉलवेंसी मार्जिन) विनिमयन, 2000, भारतीय बीमांकिक संस्थान द्वारा जारी दिशा-निर्देश नोट तथा सामान्यतः स्थापित बीमांकिक पद्धतियों के अनुसार की जाती है.

9.7 निवेश:

बीमा अधिनियम, 1938, बीमा विनियामक तथा विकास प्राधिकरण (निवेश) विनिमयन, 2000, बीमा विनियामक तथा विकास प्राधिकरण (निवेश) (संशोधन) विनिमयन, 2001 तथा समय-समय पर आईआरडीए द्वारा जारी किए गए अन्य परिपत्रों / अधिसूचनाओं के अनुसार निवेश किए जाते हैं.

10. कर्मचारी लाभ:

10.1 भविष्य निधि

बैंक ऑफ़ बड़ौदा पीएफ नियमों के अनुसार भविष्य निधि एक सांविधिक दायित्व है जिसके तहत बैंक पूर्वनिर्धारित दरों पर निश्चित अंशदान का भुगतान करता है. बैंक की बाध्यता ऐसे निश्चित अंशदान तक ही सीमित है. अंशदानों को लाभ एवं हानि खाते में प्रभारित किया जाता है. निधियों का प्रबंधन बैंक ऑफ़ बड़ौदा भविष्य निधि न्यास द्वारा किया जाता है

10.2 ग्रेच्यूटी

बैंक ऑफ़ बड़ौदा ग्रेच्यूटी निधि नियमों एवं विनिमयों तथा ग्रेच्यूटी भुगतान अधिनियम 1972 के अनुसार ग्रेच्यूटी देयता एक सांविधिक दायित्व है जोकि ग्रेच्यूटी भुगतान से कही अधिक है. इसके संबंध वर्ष की समाप्ति में बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर प्रावधान किये जाते है. बैंक द्वारा ग्रेच्यूटी के लिए निधि उपलब्ध करायी जाती है एवं इसका प्रबंधन बैंक ऑफ़ बड़ौदा ग्रेच्यूटी निधि ट्रस्ट द्वारा किया जाता है.

10.3 पेंशन

10.3.1 बैंक ऑफ़ बड़ौदा कर्मचारी पेंशन विनिमय 1995 के अंर्तगत पेंशन देयता एक निश्चित हितबाध्यता है और इसके संबंध वित्तीय वर्ष की समाप्ति में संचित मूल्यांकन के आधार पर प्रावधान किये जाते हैं. यह उन कर्मचारियों के लिए है जिन्होंने 31.3.2010 तक बैंक सेवा ग्रहण की और पेंशन का विकल्प लिया. बैंक ऑफ़ बड़ौदा (कर्मचारी) पेंशन निधि न्यास द्वारा योजना के लिए निधि उपलब्ध करायी जाती है.

10.3.2 नयी पेंशन योजना, जो कि बैंक में 1.4.2010 को अथवा इसके पश्चात सेवा में आने वाले कर्मचारियों पर लागू होती है, एक परिभाषित अंशदायी योजना है. बैंक पूर्व निर्धारित दर पर निश्चित अंशदान का भुगतान करता है. बैंक का दायित्व केवल निर्धारित अंशदान तक ही सीमित है. अंशदान को लाभ एवं हानि खाते में प्रभारित किया जाता है.

10.4 क्षतिपूरित अनुपस्थिति

संचित क्षतिपूरित अनुपस्थिति जैसे कि अर्जित अवकाश (पीएल) तथा लिए न गए बीमारी अवकाश का प्रावधान बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है.

9.6 Liability for life policies:

Actuarial liabilities of the company have been calculated in accordance with the requirements of insurance Act.1938, Insurance Regulatory and Development Authority (Assets, Liabilities, and Solvency Margin of Insurers) Regulations, 2000, Guidance Notes issued by Institute of Actuaries of India and generally established actuarial practices.

9.7 Investments:

Investments are made in accordance with the Insurance Act, 1938, the Insurance Regulatory and Development Authority (Investment) Regulations, 2000, the insurance regulatory and Development Authority (investment) (Amendment) Regulations, 2001 and various other circulars / notifications issued by the IRDA in this context from time to time.

10 EMPLOYEES BENEFITS:

10.1 PROVIDENT FUND

Parent's Provident fund is a statutory obligation as per Bank of Baroda PF Rules as the Parent pays fixed contribution at pre-determined rates. The obligation of the Parent is limited to such fixed contribution. The contributions are charged to Profit and Loss Account. The fund is managed by Bank of Baroda Provident Fund Trust.

10.2 GRATUITY

Parent's Gratuity liability is a statutory obligation being higher of gratuity payment as per Bank of Baroda Gratuity Fund Rules and Regulations and payment of gratuity Act 1972. This is provided for on the basis of an actuarial valuation made at the end of the financial year. The gratuity liability is funded by the Parent and is managed by Bank of Baroda Gratuity Fund Trust.

10.3 PENSION

10.3.1 Parent's Pension liability is a defined benefit obligation under Bank of Baroda Employees Pension Regulations 1995 and is provided for on the basis of actuarial valuation made at the end of the financial year, for the employees who have joined Parent up to 31.03.2010 and opted for pension. The pension liability is funded by Bank of Baroda (Employees) Pension Fund Trust.

10.3.2 Parent's New Pension Scheme which is applicable to employees who joined Parent on or after 01.04.2010 is a defined contribution scheme, Bank pays fixed contribution at pre determined rate and the obligation of the Bank is limited to such fixed contribution. The contribution is charged to Profit and Loss Account.

10.4 COMPENSATED ABSENCES

Accumulating compensated absences such as Privilege Leave and unavailed Sick Leave of Parent's employees are provided for based on actuarial valuation.

10.5 अन्य कर्मचारी लाभ

अन्य कर्मचारी लाभ जैसे कि छुट्टी नकदीकरण, छुट्टी रियायत किराया (एलएफसी), और सेवानिवृति पर अतिरिक्त सेवानिवृति लाभ इत्यादि को बीमाकिक मूल्यांकन के आधार पर प्रदान किया जाता है.

विदेशी शाखाओं एवं कार्यालयों के संबंध में कर्मचारियों से संबंधित लाभों को, प्रतिनियुक्ति पर गए कर्मचारियों को छोड़कर, संबद्ध देश में लागू कानून के आधार पर मूल्यांकित तथा लेखाकृत किया जाता है.

11. मूल्यह्रास:

ए) भारत में अचल आस्तियों पर मूल्यह्रास (नीचे दिए गए पैरा सी एवं डी में संदर्भित को छोड़) कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची II के अनुसार मूल्यह्रासित बही मूल्य पद्धति के आधार पर, पुनर्मूल्यांकित आस्ति को छोड़ - जिसके संबंध में इन पुनर्मूल्यांकित आस्तियों की अनुमानित उपयोगिता अवधि के आधार पर ज्यादा मूल्यह्रास किया जाता है, प्रदान किया गया है.

बी) भारत से बाहर अचल आस्तियों पर मूल्यह्रास (नीचे दिए गए पैरा सी में संदर्भित को छोड़) स्थानीय कानून अथवा संबद्ध देश में प्रचलित परंपराओं के अनुसार प्रदान किया जाता है.

सी) कम्प्यूटरों तथा साफ्टवेयर जो भारत और भारत से बाहर कंम्प्यूटर हार्डवेयर का अनिवार्य अंग हैं, उन पर मूल्यह्रास भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार स्ट्रेट लाइन विधि से 33.33% प्रतिवर्ष की दर से प्रदान किया गया है. कंप्यूटर साफ्टवेयर जो हार्डवेयर का अनिवार्य अंग नहीं है, उसे लाभ एवं हानि खाते से सीधे प्रभारित कर दिया गया है.

डी) एटीएम पर मूल्यह्रास 20% प्रतिवर्ष की दर से सरल पद्धति (स्ट्रेट लाइन) से प्रदान किया जाता है.

ई) परिवर्द्धनों पर मूल्यह्रास खरीद / उपयोग शुरु करने की तारीख से आनुपातिक आधार पर प्रावधान किया गया है.

एफ) पट्टाकृत भूमि एवं पट्टाकृत परिसर संबंधी सुधारों की लागत का पट्टे की अवधि के दौरान परिशोधन किया गया है.

12. आस्तियों की क्षति:

अचल आस्तियों की क्षति, (पुनर्मूल्यांकित आस्तियों सहित) यदि कोई हो, का निर्धारण भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा इस संबंध में जारी लेखा मानक 28 (आस्तियों की क्षति) के अनुसार किया जाता है और लाभ एवं हानि खाते को प्रभारित किया जाता है.

13. विदेशी मुद्रा संव्यवहार:

13.1 विदेशी मुद्रा से संबंधित संव्यवहारों का लेखांकन भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा मानक 11 (विदेशी मुद्रा दर में परिवर्तनों के प्रभाव) के अनुरूप किया गया है.

13.2 लेखा मानक एएस-11 के प्रयोजन के लिए बैंक के मूल एवं अनुषंगी विदेशी मुद्रा परिचालनों को (ए) एकीकृत परिचालन एवं (बी) असमाकलित परिचालनों के रूप में वर्गीकृत करता है. मूल संस्था की सभी विदेशी शाखाओं, ऑफशोर बैंकिंग इकाइयों, विदेशी अनुषंगियों को असमाकलित परिचालन एवं विदेशी मुद्रा के घरेलू परिचालनों एवं

10.5 OTHER EMPLOYEE BENEFITS

Other Employee benefits such as Leave Encashment, Leave Fare Concession and Additional Retirement Benefit on Retirement of Parent's employees are provided for based on actuarial valuation.

In respect of overseas branches and offices, the benefits in respect of employees other than those on deputation are valued and accounted for as per laws prevailing in the respective territories.

11. DEPRECIATION:

a) Depreciation on Fixed Assets in India [other than those referred in Paragraph c & d] is provided on the written down value method in accordance with Schedule II to the Companies Act, 2013, except in case of revalued assets, in respect of which higher depreciation is provided on the basis of estimated useful life of these revalued assets

b) Depreciation on Fixed Assets outside India [other than those referred to in Para c below] is provided as per local laws or prevailing practices of the respective territories.

c) Depreciation on Computers and Software forming an integral part of Computer Hardware, in and outside India is provided on Straight Line Method at the rate of 33.33% p.a., as per the guidelines of RBI. Computer software not forming part of an integral part of hardware is charged directly to Profit and Loss Account.

d) Depreciation on ATMs is provided on Straight Line Method at the rate of 20% p.a.

e) Depreciation on additions is provided proportionately from the date of purchase/put to use.

f) Cost of leasehold land and leasehold improvements are amortised over the period of lease

12. IMPAIRMENT OF ASSETS:

Impairment losses (if any) on Fixed Assets (including revalued assets) are recognized in accordance with the AS 28 (Impairment of Assets) issued by ICAI and charged off to Profit and Loss Account.

13. FOREIGN CURRENCY TRANSACTIONS:

13.1 Accounting for transactions involving foreign exchange is done in accordance with AS 11, (The Effects of Changes in Foreign Exchange Rates), issued by the ICAI.

13.2 As stipulated in AS 11, the foreign currency operations of the Parent are classified as a) Integral Operations and b) Non Integral Operations. All Overseas Branches, Offshore Banking Units, Overseas Subsidiaries of Parents are treated as Non Integral Operations and domestic operations in foreign

प्रतिनिधि कार्यालयों को एकीकृत परिचालन एवं प्रतिनिधि कार्यालयों को एकीकृत परिचालन के रूप में माना गया है.

13.3 एकीकृत परिचालनों के संबंध में रुपांतरण:

(ए) रुपांतरण को प्राथमिक तौर पर एफईडीएआई द्वारा सूचित की गई औसत साप्ताहिक दरों पर रिकार्ड किया गया है.

(बी) विदेशी मुद्रा विनिमय से संबंधित आस्ति एवं देयताओं (आकस्मिक देयताओं सहित) को एफईडीएआई द्वारा प्रत्येक तिमाही के अंत में सूचित की गई क्लोजिंग स्पाट दरों पर रुपांतरित किया गया है.

(सी) परिणामी विनिमय अंतरों की गणना आय अथवा व्यय के रूप में की गई है तथा इनका तदनुसार लाभ एवं हानि खाते में लेखांकन किया गया है. विदेशी मुद्रा आस्ति देयताओं संबंधी किसी भी भुगतान अथवा रिवर्सल को पिछले सप्ताह की औसत क्लोजिंग दरों के आधार पर किया गया है तथा बकाया राशि एवं उस राशि जिसके लिए भुगतान किया गया है/रिवर्सल किया गया है, के बीच के अंतर को लाभ एवं हानि खाते में दर्शाया गया है.

(डी) तुलनपत्र की तारीख को बकाया एवं ट्रेडिंग के लिए धारित विदेशी मुद्रा स्पॉट एवं वायदा संविदाओं को क्रमशः एफईडीएआई द्वारा अधिसूचित अंतिम स्पॉट एवं वायदा दरों पर तथा अंतरिम परिपक्वता वाली संविदाओं को इंटरपोलैटेड दरों पर पुनर्मूल्यांकित किया गया है. एमटीएम के वर्तमान मूल्य को प्राप्त करने के लिए इस प्रकार प्राप्त एमटीएम मूल्य का डिस्काऊंट किया गया है. इस एमटीएम का प्रयोग पीवी आधारित स्पॉट एवं वायदा संव्यवहारों के पुनर्मूल्यांकन के लिए किया गया है. परिणामस्वरुप, अग्र मूल्यांकन लाभ या हानि को लाभ एवं हानि खाते में शामिल किया गया है.

13.4 असमाकलित परिचालनों के संबंध में रुपांतरण:

(ए) आस्तियों एवं देयताओं (आकस्मिक देयताओं सहित) को एफईडीएआई द्वारा प्रत्येक तिमाही के अंत में सूचित की गई अंतिम स्पॉट दरों पर रुपांतरित किया गया है.

(बी) तुलनपत्र की तारीख को बकाया एवं ट्रेडिंग के लिए धारित विदेशी मुद्रा स्पॉट एवं वायदा सापेक्ष देयताओं को क्रमशः एफईडीएआई द्वारा अधिसूचित अंतिम स्पॉट एवं वायदा दरों पर तथा अंतरिम परिपक्वता वाली संविदाओं को इंटरपोलैटेड दरों पर रुपांतरित किया गया है.

(सी) आय एवं व्यय को एफईडीएआई द्वारा प्रत्येक तिमाही के अंत में सूचित की गई औसत तिमाही दरों पर रुपांतरित किया गया है.

(डी) परिणामी विनिमय अंतरों की गणना उस अवधि के लिए आय अथवा व्यय के रूप में नहीं की गयी है तथा इसे निवल निवेशों के निस्तारण होने तक अलग से एक खाते ''विदेशी मुद्रा रुपांतरण आरक्षित निधि'' में रखा गया है.

13.5 वायदा विनिमय संविदा

लेखा मानक एएस 11 तथा भारतीय विदेशी मुद्रा व्यापारी संघ (एफईडीएआई) के दिशानिर्देशों के अनुसार व्यापार हेतु धारित बकाया विदेशी मुद्रा हाजिर (स्पॉट) एवं वायदा संविदाओं को तुलन-पत्र की

exchange and Representative Offices are treated as Integral Operations.

13.3 Translation in respect of Integral Operations:

a) The transactions are initially recorded on weekly average rate as advised by FEDAI.

b) Foreign Currency Assets and Liabilities (including contingent liabilities) are translated at the closing spot rates notified by FEDAI at the end of each quarter.

c) The resulting exchange differences are recognized as income or expenses and are accounted through Profit & Loss Account. Any reversal / payment of foreign currency assets & liabilities is done at the weekly average closing rate of the preceding week and the difference between the outstanding figure and the amount for which reversal / payment is made, is reflected in profit and loss account.

d) Foreign exchange spot and forward contracts outstanding as at the balance sheet date and held for trading, are marked to market at the closing spot and forward rates respectively notified by FEDAI and at interpolated rates for contracts of interim maturities. The MTM values thus obtained are discounted to arrive at present value of MTM. This MTM is used to revalue the spot and forward transactions on PV basis. The resulting Forward Valuation profit or loss is included in the Profit & Loss Account.

13.4 Translation in respect of Non Integral Operations:

a. Assets and Liabilities (including contingent liabilities) are translated at the closing spot rates notified by FEDAI at the end of each quarter.

b. Foreign Exchange Spot and Forward contingent liabilities outstanding as at the balance sheet date are translated at the closing spot and forward rates respectively notified by FEDAI and at interpolated rates for contracts of interim maturities.

c. Income and Expense are translated at quarterly average rate notified by FEDAI at the end of each quarter.

d. The resulting exchange differences are not recognized as income or expense for the period but accumulated in a separate account "Foreign Currency Translation Reserve" till the disposal of the net investment.

13.5 Forward Exchange Contracts

In accordance with the guidelines of FEDAI & provisions of AS-11, Foreign exchange spot and forward contracts outstanding as at the balance sheet date and held for trading, are marked to market at the closing spot and

तिथि को एफईडीएआई द्वारा अधिसूचित बंद हाजिर एवं वायदा बाजार संविदाओं एवं अन्तरिम परिपक्वता संविदाओं को इन्टरपोलेट दरों पर बाजार भाव पर दर्शाया जाता है. एतद्द्वारा प्राप्त एमटीएम मूल्य को बट्टाकृत किया जाता है ताकि एमटीएम का वर्तमान मूल्य संगणित किया जा सके. इस एमटीएम को पीवी आधार पर स्पॉट और वायदा संव्यवहारों को पुनर्मूल्यांकित करने हेतु प्रयुक्त किया गया है. इसके परिणामस्वरुप वायदा मूल्यांकन लाभ अथवा हानि को लाभ एवं हानि खाते में शामिल किया जाता है.

14. आय पर कर:

इसमें भारतीय सनदी लेखाकार संस्था (आईसीएआई) के लेखांकन मानदंड 22 के अनुसार निर्धारित (सम्बद्ध अवधि के लिए लेखा आय तथा करयोग्य आय के बीच अन्तर से करों के प्रभाव को दर्शाते हुए) आयकर के लिए प्रावधान, आस्थगित कर अथवा क्रेडिट शामिल हैं. आस्थगित कर को, आय एवं व्यय की उन मदों के संबंध में जो किसी एक समय बिंदु पर निर्धारित होती है और जो एक अथवा अधिक परवर्ती अवधियों में प्रत्यावर्तन योग्य हैं, विवेकपूर्ण नीति के अध्यधीन हिसाब में लिया जाता है. आस्थगित कर आस्तियों एवं देयताओं की गणना अधिनियमित कर दरों पर, उन वर्षों की अपेक्षित दरों पर की जाती है जिन वर्षों में समय अंतरालों के रिवर्स करने की संभावना होती है. कर की दरों में परिवर्तन का आस्थगित कर देयताओं एवं आस्तियों पर हुए प्रभाव को उस अवधि की आय विवरण-पत्र, जिसमें ऐसे परिवर्तन को लागू किया गया है, के आधार पर हिसाब में लिया जाता है.

15. प्रति शेयर अर्जन :

बैंक द्वारा अपने बेसिक एवं डाइल्यूटेड प्रति ईक्विटी शेयर अर्जन को भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान के इस संबंध में जारी लेखा मानक 20 (प्रति शेयर अर्जन) के अनुसार रिपोर्ट किया गया है. बेसिक प्रति शेयर अर्जन की गणना निवल आय को अवधि के लिए बकाया भारित औसत ईक्विटी शेयरों की संख्या से विभाजित कर ली गई है. डाइल्यूटेड प्रति शेयर अर्जन की गणना निवल आय को उस अवधि के लिए बकाया भारित इक्विटी शेयरों एवं इस अवधि के दौरान डायल्यूटेड ईक्विटी शेयरों की संख्या में गणना की गई है.

16. प्रावधान, आकस्मिक देयताएं व आकस्मिक आस्तियां :

भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान के इस संबंध में जारी लेखा मानक 29 (आकस्मिक देयताओं एवं आकस्मिक आस्तियों के लिए प्रावधान) के अनुसार बैंक द्वारा आकस्मिक देयताओं एवं आकस्मिक आस्तियों के लिए प्रावधान विगत में हुई किसी घटना से उत्पन्न हुए वर्तमान दायित्व के लिए किया गया है. यह संभव है कि इस दायित्व के निस्तारण के लिए आर्थिक संसाधनों की आवश्यकता हो और तब इस दायित्व हेतु राशि का विश्वसनीय मूल्यांकन किया जा सके.

जब तक आर्थिक लाभ के संसाधनों के आउटफ्लो की संभावना अप्रत्यक्ष न हो तब तक आकस्मिक देयताओं का प्रकटीकरण किया जाता है.

आकस्मिक आस्तियों को वित्तीय विवरण-पत्र में नहीं माना गया है. क्योंकि यह ऐसी आय के निर्धारण के फलस्वरूप हो सकता है, जिसकी वसूली नहीं हो सकती है.

forward rates respectively notified by FEDAI and at interpolated rates for contracts of interim maturities. The MTM values thus obtained are discounted to arrive at present value of MTM. This MTM is used to revalue the spot and forward transactions on PV basis. The resulting Forward Valuation profit or loss is included in the Profit & Loss Account.

14 TAXES ON INCOME:

This comprises of provision for Income tax and deferred tax charge or credit (reflecting the tax effects of timing differences between accounting income and taxable income for the period) as determined in accordance with AS 22 (Accounting for taxes on Income) issued by ICAI. Deferred tax is recognised subject to consideration of prudence in respect of items of income and expenses those arise at one point of time and are capable of reversal in one or more subsequent periods. Deferred tax assets and liabilities are measured using enacted tax rates expected to apply to taxable income in the years in which the timing differences are expected to be reversed. The effect on deferred tax assets and liabilities of a change in tax rates is recognised in the income statement in the period of enactment of the change.

15 EARNINGS PER SHARE:

The Parent reports basic and diluted earnings per equity share in accordance with the AS 20 (Earnings per Share) issued by the ICAI. Basic earning per equity share has been computed by dividing net income by the weighted average number of equity shares outstanding for the period. Diluted earning per equity share has been computed using the weighted average number of equity shares and dilutive potential equity shares outstanding during the period.

16 PROVISIONS, CONTINGENT LIABILITIES AND CONTINGENT ASSETS:

As per the AS 29 (Provisions, Contingent Liabilities and Contingent Assets) issued by ICAI, the Parent recognizes provisions only when it has a present obligation as a result of a past event, it is probable that an outflow of resources embodying economic benefits will be required to settle the obligation and when a reliable estimate of the amount of the obligation can be made.

Contingent liability is disclosed unless the possibility of an outflow of resources embodying economic benefit is remote.

Contingent Assets are not recognized in the financial statements since this may result in the recognition of income that may never be realised.

अनुसूची - 19 : 31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष की समेकित वित्तीय विवरण-पत्रों पर टिप्पणियां

Schedule - 19 - Notes on the Consolidated Financial Statements for the year ended 31st March 2018

1. समूह के समेकित वित्तीय विवरण-पत्रों (सीएफएस) में बैंक ऑफ़ बड़ौदा (मूल संस्था) तथा निम्नलिखित अनुषंगियों/सहयोगी इकाइयों/संयुक्त उद्यमों के परिणाम शामिल हैं.

1. The Consolidated Financial Statements (CFS) of the Group comprise the results of the Bank of Baroda (Parent) and the following Subsidiaries/Associates/ Joint Ventures:

1.1	अनुषंगियां	Subsidiaries	देश, जहां विद्यमान है Country of Incorporation	स्वामित्व का प्रतिशत Percentage of Ownership as on 31.03.18	31.03.17
1.1.1	देशीय अनुषंगियां	Domestic Subsidiaries			
	ए) बैंकिंग	a) Banking:			
	i) द नैनीताल बैंक लि.	i) The Nainital Bank Ltd.	भारत / India	98.57	98.57
	बी) गैर-बैंकिंग	b) Non Banking:			
	i) बॉबे कैपिटल मार्केट लि.	i) BOB Capital Markets Ltd.	भारत / India	100.00	100.00
	ii) बॉबे फाइनैंशिल सॉल्युसन लिमिटेड (पूर्व में बॉबे कार्ड्स लि.)	ii) BOB Financial Solutions Ltd (Formerly known as BOB Cards Ltd.)	भारत / India	100.00	100.00
	iii) बड़ौदा ग्लोबल शेयर्ड सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड	iii) Baroda Global Shared Services Ltd.	भारत / India	100.00	100.00
	iv) बड़ौदा सन टैक्नोलजीज लिमिटेड (16.07.2017 को निगमित)	iv) Baroda Sun Technologies Ltd. (Incorporated on 16.07.2017)	भारत / India	100.00	-
1.1.2	विदेशी अनुषंगियां:	Overseas Subsidiaries:			
	ए) बैंकिंग	a) Banking:			
	i) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (बोत्सवाना) लि.	i) Bank of Baroda (Botswana) Ltd.	बोत्सवाना / Botswana	100.00	100.00
	ii) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (केन्या) लि.	ii) Bank of Baroda (Kenya) Ltd.	केन्या / Kenya	86.70	86.70
	iii) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (यूगांडा) लि.	iii) Bank of Baroda (Uganda) Ltd.	यूगांडा / Uganda	80.00	80.00
	iv) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (गयाना) आईएनसी	iv) Bank of Baroda (Guyana) Inc.	गयाना / Guyana	100.00	100.00
	v) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (तंजानिया) लि.	v) Bank of Baroda (Tanzania) Ltd.	तंजानिया / Tanzania	100.00	100.00
	vi) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (त्रिनिदाद एवं टोबेगो) लिमिटेड	vi) Bank of Baroda (Trinidad &Tobago) Ltd.	त्रिनिदाद एवं टोबेगो Trinidad & Tobago	100.00	100.00
	vii) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (घाना) लि.	vii) Bank of Baroda (Ghana) Ltd.	घाना / Ghana	100.00	100.00
	viii) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (न्यूजीलैन्ड) लि.	viii) Bank of Baroda (New Zealand) Ltd.	न्यूजीलैन्ड / New Zealand	100.00	100.00
	(ix) बैंक ऑफ़ बड़ौदा (यू के) लि. (15.12.2017 को निगमित)	(ix) Bank of Baroda (UK) Ltd. (Incorporated on 15.12.2017)	यूनाइटेड किंगडम / United Kingdom	100.00	-
	बी) गैर-बैंकिंग	b) Non-Banking			
	i) बॉबे (यू के) लि.	i) BOB (UK) Ltd.	यूनाइटेड किंगडम / United Kingdom	100.00	100.00
	ii) बड़ौदा कैपिटल मार्केटस (युगांडा) लिमिटेड (बैंक ऑफ़ बड़ौदा युगांडा लिमिटेड की अनुषंगी)	ii) Baroda Capital Markets (Uganda) Limited. (Subsidiary of Bank of Baroda Uganda Ltd.)	युगांडा / Uganda	100.00	100.00

1.2 सहयोगी इकाइयां :

समेकित वित्तीय विवरण-पत्रों (सीएफएस) में समाहित सहयोगी इकाइयों के विवरण निम्नलिखित हैं :

1.2 Associates:

The particulars of Associates considered in the CFS are as under:

नाम	Name	देश, जहां विद्यमान है Country of Incorporation	मूल संस्था का हिस्सा (%) Parent's ownership Interest (%) as on 31.03.18	31.03.17
(ए) इन्डो जाम्बिया बैंक लिमिटेड	a) Indo Zambia Bank Limited	जाम्बिया / Zambia	20	20
(बी) बड़ौदा पायोनियर असेट मेनेजमेन्ट कंपनी लि.	b) Baroda Pioneer Asset Management Co. Ltd.	भारत / India	49	49
(सी) बड़ौदा पायोनियर ट्रस्टी कंपनी प्राईवेट लि.	c) Baroda Pioneer Trustee Company Private Limited	भारत / India	49	49
(डी) क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक:-	d) Regional Rural Banks			
i) बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक	i) Baroda Uttar Pradesh Gramin Bank	भारत / India	35	35
ii) बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (पहले का बड़ौदा राजस्थान ग्रामीण बैंक)	ii) Baroda Rajasthan Kshetriya Gramin Bank (Erstwhile Baroda Rajasthan Gramin Bank)	भारत / India	35	35
iii) बड़ौदा गुजरात ग्रामीण बैंक	iii) Baroda Gujarat Gramin Bank	भारत / India	35	35

1.3 संयुक्त उद्यम:

1.3 Joint Ventures:

नाम / Name	देश जहां विद्यमान है Country of Incorporation	मूल संस्था का हिस्सा Percentage of Ownership as on 31.03.18	31.03.17
ए) a) इंडिया फर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस कम्पनी लि. India First Life Insurance Company Ltd.	भारत / India	44	44
बी) b) इंडिया इंटरनेशनल बैंक (मलेशिया) बीएचडी. India International Bank (Malaysia) Bhd.	मलेशिया / Malaysia	40	40
सी) c) इंडिया इंफ्राडेब्ट लि. India Infradebt Ltd.	भारत / India	36.86	30

2. संलग्न नोट्स में उस सीमा तक अनुषंगियों व संयुक्त उद्यमों के विवरण शामिल हैं, जहां विवरण ऐसी इकाईयों पर लागू हैं और प्रबंधन के पास उपलब्ध है. प्रबंधन के परिदृश्य से, ऐसे विवरण की गैर-उपलब्धता बैंक के समेकित वित्तीय विवरणी के तहत भौतिक रूप से प्रकटीकरण को प्रभावित नहीं करेंगी.

2. The enclosed notes include the details in respect of subsidiaries and joint ventures to the extent the details are applicable to such entities and to the extent the details are available with the management. In view of the management non availability of such details would not materially impact disclosure under the consolidated financial statements of the bank.

3. सहयोगी इकाइयों में निवेश का विवरण:

3. Particulars of the Investment in Associates:

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

क्र. सं.	विवरण	Sr. No.	Particulars	31.03.2018 को As on 31.03.2018	31.03.2017 को As on 31.03.2017
(ए)	सहयोगी इकाइयों में निवेश की लागत	a.	Cost of Investment in Associates	261.82	257.49
(बी)	उपरोक्त (ए) में शामिल अधिग्रहण पर साख	b.	Goodwill on acquisition included in (a) above	--	--
(सी)	उपरोक्त (ए) में अधिग्रहण पर आरक्षित पूंजी	c.	Capital reserve on acquisition included in (a) above	25.27	25.27
(डी)	पुनर्मूल्यांकन आरक्षित निधि एवं विदेशी मुद्रा आरक्षित निधि के कारण परिवर्धन	d.	Additions on account of Revaluation reserve & Foreign Currency Translation reserve	2.48	2.66

क्र. सं.	विवरण	Sr. No.	Particulars	31.03.2018 को As on 31.03.2018	31.03.2017 को As on 31.03.2017
(ई)	अधिग्रहण उपरान्त साख / आरक्षित पूंजी के लाभ (निवल) का अंश	e.	Share of post acquisition profits (Net) of Goodwill/ Capital Reserve	729.46	657.55
(एफ)	31 मार्च को निवेश (ए-बी-सी + डी + ई)	f.	Investment as at 31st March (a-b-c+d+e)	968.49	892.43
(जी)	भारत में निवेश	g.	Investment in India	869.87	799.05
(एच)	भारत के बाहर निवेश	h.	Investment outside India	98.62	93.38
(आई)	कुल (जी + एच)	i.	Total (g + h)	968.49	892.43

4. अनुषंगियों /सहयोगी इकाइयों के वित्तीय विवरण-पत्र:

4.1. अनुषंगियों, संयुक्त उद्यमों एवं सहयोगी इकाइयों के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण-पत्र उसी रिपोर्टिंग तारीख के लिए, अर्थात 31 मार्च, 2018 के लिए तैयार किए गए हैं, जिस तारीख को मूल संस्था के लिए तैयार किए गए हैं, सिवाय इनके बैंक ऑफ़ बड़ौदा (यूगांडा) लि.(इसकी संपूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी बैंक ऑफ़ बड़ौदा कैपिटल मार्केट (यूगांडा) लि. को शामिल करते हुए), बैंक ऑफ़ बड़ौदा (केन्या) लि., बैंक ऑफ़ बड़ौदा (घाना) लि., बैंक ऑफ़ बड़ौदा (तंजानिया) लि., इंडिया इन्टरनेशनल बैंक (मलेशिया) बीएचडी, (आईआईबीएमबी) तथा इंडो जांबिया बैंक लि. को छोड़कर, जिनके विवरण पत्र 31 दिसंबर, 2017 की स्थिति के अनुरुप तैयार किए गए हैं. प्रबंधन द्वारा यथा प्रमाणित 1 जनवरी, 2018 से 31 मार्च, 2018 के बीच समायोजन योग्य ऐसे कोई उल्लेखनीय संव्यवहार अथवा अन्य कार्य नहीं हुए हैं.

4.2 नैनिताल बैंक लि., बैंक ऑफ बड़ौदा (बोत्सवाना) लि., बैंक ऑफ बड़ौदा (न्यूजीलैंड) लि., बैंक ऑफ बड़ौदा (त्रिनिदाद एवं टोबेगो) लि. एवं बैंक ऑफ बड़ौदा (यू.के) लि. के अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों पर समेकन के उद्देश्य से विचार किया गया.

4.3 31.03.2018 को समाप्त वर्ष हेतु निम्नलिखित देशीय अनुषंगियों के खाते कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 (6) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं महा-लेखापरीक्षक की टिप्पणियों के अध्यधीन हैं :

i) बॉब कैपिटल मार्केट्स लि.

ii) बॉब फाइनेंसियल सॉल्यूसन लि. (पूर्व में बॉब कार्ड्स लि.)

iii) बड़ौदा ग्लोबल शेयर्ड सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड

iv) बड़ौदा सन टैक्नोलजीज लिमिटेड

5. पूंजीगत आरक्षित निधि

पूंजीगत आरक्षित निधि में अचल संपत्तियों के पुनर्मूल्यांकन के फलस्वरूप होने वाली मूल्यवृद्धि से एचटीएम प्रतिभूति बिक्री पर लाभ (कर का निवल एवं सांविधिक आरक्षित निधि में अंतरण के पश्चात) तथा निर्यात विकास परियोजनाओं, लघु / मध्यम उद्योगों के लिए / औद्योगिक निर्यात परियोजनाओं हेतु विश्व बैंक की योजनाओं के अंतर्गत भारत सरकार की अंशदान राशि शामिल हैं.

6. करों के लिए प्रावधान

आयकर का प्रावधान, अपीलीय प्राधिकारियों के निर्णयों को ध्यान में रखते हुए तथा परामर्शदाता के परामर्श से किया गया है.

7. आरक्षितों से आहरण द्वारा गिरावट

वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान आरक्षितों से आहरण द्वारा गिरावट नहीं हुई है. (पिछले वर्ष - शून्य)

4. Financial Statements of Subsidiaries / Associates:

4.1 The audited financial statements of the Subsidiaries, Joint Venture's and Associates have been drawn up to the same reporting date as that of the Parent i.e. 31st March, 2018 except for Bank of Baroda (Uganda) Ltd, (including its wholly-owned subsidiary Baroda Capital Markets (Uganda) Ltd.), Bank of Baroda (Kenya) Ltd., Bank of Baroda (Ghana) Ltd., Bank of Baroda (Tanzania) Ltd., India International Bank (Malaysia) Bhd. (IIBMB) and Indo Zambia Bank Ltd. Which have been drawn up to 31st December, 2017. As certified by the Management, there are no significant transactions or other events during 1st January, 2018 to 31st March, 2018 requiring adjustment therein.

4.2 The Unaudited Financial Results of The Nainital Bank Ltd, Bank of Baroda (Botswana) Ltd, Bank of Baroda (New Zealand) Ltd, Bank of Baroda (Trinidad &Tobago Ltd) and Bank of Baroda (UK) Ltd. are considered for Consolidation purpose.

4.3 The accounts of the following domestic subsidiaries for the year ended 31st March, 2018 are subject to the comments of Comptroller & Auditor General of India under Section 143(6) of the Companies Act, 2013:

i. BOB Capital Markets Ltd.

ii. BOB Financial Solutions Limited (Formerly known as BOB Cards Ltd.)

iii. Baroda Global Shared Services Ltd.

iv. Baroda Sun Technologies Ltd.

5. Capital Reserves

Capital Reserve includes appreciation arising on revaluation of immovable properties, profit on sale of HTM securities (net of tax and transfer to Statutory Reserve) and amount subscribed by Government of India under the World Bank's Scheme for Export Development Projects / Industrial Export Projects for small / medium scale industries.

6. Provision for Taxes

Provision for Taxes has been arrived at after due consideration of decisions of the appellate authorities and advice of counsels.

7. Draw Down from Reserves

During the Financial Year 2017-18, there has been no draw down from the reserves. (Previous Year – NIL)

8. अस्थायी प्रावधान-

8. Floating Provision –

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण		Particulars		चालू वर्ष Current Year	विगत वर्ष Previous Year
ए.	अस्थायी प्रावधान खातों में प्रारंभिक शेष	a.	Opening balance in the floating provisions account	478.27	466.12
बी.	लेखा वर्ष में किए गए अस्थायी प्रावधानों का परिमाण	b.	The quantum of floating provisions made in the accounting year	0.00	12.15
सी.	लेखा वर्ष के दौरान आहरित राशि	c.	Amount of draw down made during the accounting year	0.00	0.00
डी.	अस्थायी प्रावधान खातों में अंतिम शेष	d.	Closing balance in the floating provisions account	478.27	478.27

9. प्रावधानों एवं आकस्मिकताओं का अलग-अलग विवरण

लाभ एवं हानि खाते में दर्शाए गए प्रावधानों एवं आकस्मिकताओं का अलग-अलग विवरण निम्नानुसार है :

9. Break up of Provisions and Contingencies

The break-up of provisions and contingencies appearing in Profit & Loss Account is as under:

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	विगत वर्ष Previous Year
बट्टेखाते डाले गए ऋणों/एनपीए के लिए प्रावधान	Bad debts written off / Provision made towards NPA	14503.62	8151.19
पुनर्गठित मानक व अवमानक खातों में ब्याज छोड़ देने हेतु प्रावधान	Provision towards sacrifice of interest in Restructured standard and sub-standard accounts	-168.23	-327.16
देशगत जोखिम प्रबंधन हेतु प्रावधान	Provision for Country Risk Management	-22.34	-13.15
करों के लिए प्रावधान (आस्थगित कर सहित)	Provision for taxes (including deferred Taxes)	-193.62	1246.93
निवेश पर मूल्यह्रास हेतु प्रावधान	Provision for depreciation on investment	768.42	34.46
मानक आस्तियों हेतु प्रावधान	Provision for standard assets	-360.59	779.34
कर्मचारी कल्याण व्यय हेतु प्रावधान	Provision for staff welfare expenses	25.00	25.00
अन्य	Others	921.36	790.67
कुल	**Total**	15473.62	10687.28

10. भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखा मानकों (एएस) की शर्तों के अनुसार प्रकटीकरण

10.1 एएस-5 अवधि के लिए निवल लाभ एवं हानि, पूर्व अवधि हेतु मद तथा लेखानीतियों में परिवर्तन

वर्ष के दौरान मूल बैंक ने एनपीए खातों में हुई वसूली के विनियोग की विधि में परिवर्तन किया है, जिसमें वसूली अब प्रभारों, अनुपयुक्त ब्याज एवं अंत में मूलधन के रूप में मूलधन वसूली एवं समायोजन की पुरानी विधि के एवज में समायोजित की जा रही है. इसके परिणामस्वरूप सकल एनपीए ₹ 1496.71 करोड़ से, ब्याज आय ₹ 1496.71 करोड़ से और प्रावधान व करो में लगभग ₹ 1085.65 करोड़ से संवृद्ध हुआ है. इसके परिणामस्वरूप वर्ष के लिए ₹ 411.06 करोड़ की हानि दर्ज हुई है.

10.2. मूल बैंक कर्मचारियों के लाभ हेतु आईसीएआई द्वारा जारी लेखा मानक (एएस)-15 के अनुसरण में प्रावधान करता रहा है. इसकी गणना बीमांकन मूल्यांकन द्वारा की जाती है.

10. Disclosure in terms of Accounting Standards (AS) issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI).

10.1 AS-5 Net Profit or Loss for the period, Prior Period Items and Changes in Accounting Policies

During the year, the parent bank has changed the method of appropriation of recovery in NPA accounts, where recoveries are now being adjusted against charges, interest reversed, unapplied interest and lastly against principal as against the earlier method of adjusting recoveries against principal, expenses and unapplied interest. This has resulted in increase of Gross NPA by ₹ 1496.71 crore, increase of interest income by ₹ 1496.71 crore and increase in provision and tax approximately by ₹ 1085.65 crore. This has resulted in the loss for the year being lower by ₹411.06 crore.

10.2 Parent bank has been providing for employee benefits in accordance with the accounting standard (AS) -15 issued by ICAI. The same is calculated by actuarial valuation.

ए एस-15 - कर्मचारी लाभ (मूल)

प्रकटीकरण

मूल बीमांकिक धारणा (भारित औसत के रुप में व्यक्त)

AS-15 Employee Benefits [Parent]

Disclosures

Principal Actuarial Assumptions [Expressed as Weighted Average]

		योजना का स्वरूप / TYPE OF PLAN			
		पेंशन Pension	अवकाश नकदीकरण Leave encashment	उपदान Gratuity	अति.सेवा लाभ ARB
डिस्काउंट दर	Discount rate	7.71%	7.71%	7.71%	7.71%
वेतन वृद्धि दर	Salary Escalation Rate	6.00%	6.00%	6.00%	6.00%
ह्रास दर	Attrition Rate	2.00%	2.00%	2.00%	2.00%
योजनागत आस्तियों पर संभावित प्रतिलाभ दर	Expected Rate of Return on plan Assets	8.00%	N/A	8.00%	N/A

मॉर्टेलिटी दर : आईएएलएम (2006-2008)

टिप्पणी : बैंक ने भारतीय रिज़र्व बैंक के पत्र दिनांक 24 मार्च, 2014 के अनुसार अधिवार्षिता योजना उपलब्ध करायी है. प्रबंधन का यह मानना है कि उन्होंने आरबीआई पत्र के अनुरूप बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर पर्याप्त प्रावधान किया है.

Mortality Rate : IALM (2006-2008)

Note: The bank has provided for superannuation schemes as per the RBI letter dated March 24, 2014. The management is of the view that they have made adequate provision as per the RBI letter based on the actuarial valuation.

देयताओं के आरंभिक और अंतिम शेष का समाधान

Reconciliation of opening and closing balance of liability

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

		योजना का स्वरूप / TYPE OF PLAN			
		पेंशन Pension	**अवकाश नकदीकरण Leave encashment**	**उपदान Gratuity**	**अति.सेवा लाभ ARB**
1/4/2017 को पीवीओ	PVO as at 01.04.2017	12811.00	906.96	1349.82	346.81
जोड़ें-ब्याज लागत	Add- Interest Cost	951.37	64.89	94.24	23.92
जोड़ें- विगत सेवा लागत	Add – Past Service Cost			388.30	
जोड़ें-चालू सेवा लागत	Add- Current Service Cost	1168.24	47.57	105.45	10.56
घटायें-प्रदत्त लाभ	Less- Benefits Paid	943.00	130.61	255.00	55.68
जोड़ें-दायित्व पर बीमांकिक हानि/लाभ(-)	Add- Actuarial loss/gain(-) on obligation	(-) 630.44	(-) 10.29	(-) 4.49	5.44
31.03.2018 को पीवीओ	PVO as at 31.03.2018	13357.19	878.52	1678.33	331.05

योजना आस्तियों के उचित मूल्य के आरंभिक शेष एवं अंतिम शेष का समाधान

Reconciliation of opening & closing balance of fair value of plan assets

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

		योजना का स्वरूप / TYPE OF PLAN	
		पेंशन Pension	उपदान Gratuity
1/4/2017 को योजनागत आस्तियों का उचित मूल्य	Fair Value of plan assets as on 01-04-2017	12637.67	1239.77
जोड़ें- योजनागत आस्तियों पर संभावित प्रतिलाभ	Add- Expected Return on Plan Assets	1011.01	99.18
जोड़ें- अंशदान	Add- Contributions	271.40	110.06
घटायें- प्रदत्त लाभ	Less- Benefits Paid	943.00	255.00
जोड़ें- बीमांकिक लाभ / (-) हानि	Add- Actuarial gain/(-)loss	124.61	(-) 8.43
31.03.2018 को योजनागत आस्तियों का उचित मूल्य	Fair Value of Plan Assets as on 31.03.2018	13101.69	1185.58

तुलन-पत्र में मान्य राशि

Amount recognized in the Balance Sheet

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

				योजना का स्वरूप / TYPE OF PLAN			
				पेंशन Pension	अवकाश नकदीकरण Leave encashment	उपदान Gratuity	अति.सेवा लाभ ARB
ए)	31.03.2018 को दायित्व का पीवी	a)	PV of obligation as on 31.03.2018	13357.19	878.52	1678.33	331.05
बी)	योजनागत आस्तियों का उचित मूल्य	b)	Fair value of plan assets	13101.69	--	1185.58	--
सी)	अन्तर	c)	Difference	255.50	878.52	492.75	331.05
डी)	अनिर्धारित संक्रमणशील देयता	d)	Unrecognized transitional liability	--	--	291.23	--
ई)	तुलनपत्र में मान्य देयता	e)	Liability Recognized in the BS	255.50	878.52*	201.52	331.05

(* पूर्ण राशि हेतु बही में किया गया प्रावधान)

(* Provision made in books for full amount)

लाभ एवं हानि खाते में निर्धारित राशि

Amount recognized in the P & L Account

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

				योजना का स्वरूप / TYPE OF PLAN			
				पेंशन Pension	अवकाश नकदीकरण Leave encashment	उपदान Gratuity	अति.सेवा लाभ ARB
ए)	चालू सेवा लागत	a)	Current Service Cost	1168.24	47.57	105.45	10.56
बी)	विगत सेवा लागत	a)	Past Service Cost			388.30	
सी)	ब्याज लागत	c)	Interest Cost	951.37	64.89	94.24	23.92
डी)	योजनागत आस्तियों पर संभावित प्रतिलाभ	d)	Expected Return on Plan Assets	1011.01	0.00	99.18	0.00
ई)	निवल बीमांकिक हानि/लाभ (-)	e)	Net Actuarial Loss/ gain(-)	-755.04	-140.90	3.94	-50.24
एफ)	वर्ष के दौरान निर्धारित संक्रमणीय देयता	f)	Transitional liability recognized in the year	0.00	0.00	291.23	0.00
लाभ एवं हानि खाते में निर्धारित खर्च		**Expenses Recognized in P&L**		**353.56**	**28.44**	**201.52**	**-15.76**

निवेश पैटर्न

Investment Pattern

(% में / in %)

विवरण	Particulars	पेंशन Pension	उपदान Gratuity
केन्द्रीय सरकार की प्रतिभूतियां	Central Govt. Securities	3.23	20.67
राज्य सरकार की प्रतिभूतियां	State Government Securities	0.50	24.00
कार्पोरेट (पीएसयू)	Corporate (PSU)	7.16	10.83
कार्पोरेट (निजी)	Corporate (Private)	2.76	--
बीमा	Insurance	85.44	44.50
अन्य	Others	0.91	--
कुल	Total	100.00	100.00

प्रबंधन के पास उपलब्ध डेटा अनुसार.

As per the data available with management.

10.3 सेगमेंट रिपोर्टिंग (एएस-17)

10.3 Segment Reporting (AS – 17)

लेखा मानक 17 - सेगमेंट रिपोर्टिंग के तहत प्रकटीकरण -

Accounting Standard 17 - Disclosure under Segment Reporting

भाग ए: व्यवसाय सेगमेंट

Part A: Business Segments

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

व्यवसाय सेगमेंट	Business Segments	ट्रेजरी Treasury		कार्पोरेट/होलसेल बैंकिंग Corporate/ Wholesale Banking		रिटेल बैंकिंग Retail Banking		बैंकिंग एवं अन्य परिचालन Banking & Other Operations		कुल Total	
		2017-18	2016-17	2017-18	2016-17	2017-18	2016-17	2017-18	2016-17	2017-18	2016-17
राजस्व	Revenue	17674.57	18346.05	19268.90	19399.58	15072.43	12661.90	2032.73	2002.70	54048.63	52410.23
परिणाम	Result	2973.81	5260.97	-4312.81	-2823.12	1591.76	2555.66	438.17	527.07	690.93	5520.58
अनाबंटित खर्च	Unallocated Expense									2771.65	2458.67
परिचालनगत लाभ	Operating Profit									-2080.72	3061.91
आयकर	Income taxes									-193.62	1246.93
विशिष्ट लाभ /हानि	Extra-ordinary Profit/loss									--	--
निवल लाभ	Net Profit									-1887.10	1814.98
अन्य सूचना	Other Information										
सेगमेंट आस्तियां	Segment Assets	278779.59	293047.22	317156.04	296655.70	134709.23	113585.32	6679.44	4689.42	737324.30	707977.66
अनाबंटित आस्तियां	Unallocated Assets									10480.62	11242.85
कुल आस्तियां	Total Assets									747804.92	719220.51
सेगमेंट देयताएं	Segment Liabilities	261419.83	275499.28	297406.56	278891.69	126320.81	106783.73	6263.50	4408.61	691410.70	665583.32
अनाबंटित देयताएं	Unallocated Liabilities									9827.99	10569.63
कुल देयताएं	Total Liabilities									701238.69	676152.94
नियोजित पूंजी	Capital Employed	17359.76	17547.94	19749.48	17764.01	8388.42	6801.59	415.94	280.81	45913.60	42394.34
अनाबंटित	Unallocated									652.63	673.23
कुल नियोजित पूंजी	Total Capital Employed									46566.23	43067.57

भाग-बी : भौगोलिक सेगमेंट

Part B: Geographical Segments

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	देशीय परिचालन Domestic Operations		अन्तर्राष्ट्रीय परिचालन International Operations		कुल Total	
		2017-18	2016-17	2017-18	2016-17	2017-18	2016-17
राजस्व	Revenue	47797.77	45976.70	6250.86	6433.53	54048.63	52410.23
आस्तियां	Assets	569080.76	505461.14	178724.16	213759.37	747804.92	719220.51

टिप्पणी :

1. भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशो के अनुरुप लेखांकन मानकों के अनुपालन में बैंक ने ट्रेजरी ऑपरेशन, होलसेल, रिटेल और अन्य बैंकिंग परिचालनों को प्राथमिक कारोबार सेगमेंट और देशीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय को गौण / भौगोलिक सेगमेंट के रूप में अपनाया है.
2. बैंकिंग एवं अन्य परिचालनों में अन्य बैंकिंग तथा गैर बैंकिंग परिचालन शामिल हैं.
3. सेगमेंट राजस्व, बाह्य ग्राहकों से प्राप्त राजस्व को दर्शाता है.
4. प्रत्येक सेगमेंट के लिए नियोजित पूंजी को सेगमेंट की आस्तियों के अनुपातिक तौर पर आबंटित किया गया है.

Notes:

1. As per guidelines of RBI on compliance with Accounting Standards, parent bank has adopted Treasury Operations, Wholesale, Retail and other Banking Operations as Primary business segments and Domestic and International as Secondary / Geographic segments.
2. Banking & Other operations includes other banking operations and non-banking operations
3. Segment revenue represents revenue from external customers.
4. Capital Employed for each Segment has been allocated proportionate to the assets of the Segment.

10.4 संबंधित पार्टी प्रकटीकरण (एएस-18) (मूल)

10.4 Related Party Disclosures (AS-18) (Parent)

क्र. सं S. No	नाम Name	पदनाम Designation	पारिश्रमिक Remuneration (₹)	
			चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
1	श्री पी एस जयकुमार Shri P S Jayakumar	प्रबंध निदेशक एवं मु.का.अ. MD & CEO	31,51,937	30,78,225/-
2.	श्री मयंक मेहता Shri Mayank Mehta	कार्यपालक निदेशक Executive Director	30,20,936	26,20,322/-
3.	श्री अशोक कुमार गर्ग Shri Ashok Kumar Garg	कार्यपालक निदेशक Executive Director	28,24,124	16,01,143/-
4.	श्रीमती पापिया सेनगुप्ता Smt. Papia Sengupta	कार्यपालक निदेशक (01.01.2017 से) Executive Director (w.e.f. 01.01.2017)	27,81,170	6,04,537/-
5.	श्री भुवनचंद्र बी. जोशी Shri Bhuwanchandra B Joshi	कार्यपालक निदेशक (31.12.2016 तक) Executive Director (up to 31.12.2016)	0.00	21,65,205/-

10.5 प्रति शेयर अर्जन (एएस-20)

10.5 Earnings per Share (AS-20)

	विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	विगत वर्ष Previous Year
i.	इक्विटी शेयर धारकों हेतु कर के बाद उपलब्ध निवल लाभ (₹ करोड़ में)	Net Profit after tax available for Equity shareholders (₹ in crores)	(1887.10)	1814.98
ii.	इक्विटी शेयरों की संख्या (भारित)	Number of Equity Shares (weighted)	2308835715	2304159598
iii.	₹2 प्रत्येक के प्रति शेयर मूल व डायल्यूटेड अर्जन	Basic and diluted earnings per share of 2/- each (₹)	(8.17)	7.88
iv.	प्रति इक्विटी अंकित शेयर मूल्य	Nominal Value per Equity Share	₹ 2	₹ 2

विवरण	Particulars	चालू वर्ष Current Year	विगत वर्ष Previous Year
वर्ष के आरंभ पर इक्विटी शेयरों की संख्या	No. of equity Share beginning of the year	2304159598	2304159598
जोड़ें : वर्ष के दौरान परिवर्धन	Add: Addition during the Year	341356534	0.00
वर्ष समापन पर इक्विटी शेयरों की संख्या	No. of equity Share at the end of year	2645516132	2304159598
इक्विटी का भारित औसत शेयर	Weighted Average Share of equity	2308835715	2304159598

10.6 आय पर कर का लेखांकन (एएस-22)

ए. आस्थगित कर आस्ति (निवल)

10.6 Accounting for Taxes on Income (AS-22)

a. Deferred Tax Assets (Net)

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	31.03.2018		31.03.2017	
		आस्ति Asset	देयता Liability	आस्ति Asset	देयता Liability
आयकर अधिनियम के तहत बही मूल्यह्रास तथा मूल्यह्रास के बीच अंतर	Difference between book depreciation and Depreciation under Income Tax Act	6.37		7.41	
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1) (viii) के तहत कटौतियां	Deduction under section 36(1)(viii) of the Income-tax Act, 1961				
संदिग्ध ऋण एवं अग्रिमों के लिए प्रावधान	Provision for doubtful debts and advances	9033.81		6032.09	
एचटीएम प्रतिभूतियों पर मूल्यह्रास	Depreciation on HTM Securities				
आयकर अधिनियम की धारा 40(ए) (आई ए) के तहत अमान्य राशि	Amount Disallowable U/S 40(a)(ia) of the IT Act	3.77		4.02	
छुट्टी नकदीकरण एवं वेतन संशोधन हेतु प्रावधान	Provision for leave encashment & Wage Revision	311.45		317.83	
विदेशी मुद्रा संव्यवहार आरक्षित	Foreign Currency Translation Reserve	69.08		66.92	
निवेश की खरीद पर अपरिशोधित बट्टा	Unamortized discount on purchase of Investment	-		--	
अन्य	Others	3.61		--	
कुल आस्थगित कर देयता	Total Deferred tax Asset	9428.09		6428.27	

बी. आस्थगित कर देयता (निवल)

b. Deferred Tax Liabilities (Net)

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	31.03.2018		31.03.2017	
		आस्ति Asset	देयता Liability	आस्ति Asset	देयता Liability
आयकर अधिनियम के तहत बही मूल्यह्रास तथा मूल्यह्रास के बीच अंतर	Difference between book depreciation and Depreciation under Income Tax Act		59.82		103.64
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1) (viii) के तहत कटौतियां	Deduction under section 36(1)(viii) of the Income-tax Act, 1961		1945.08		1775.55
एचटीएम प्रतिभूतियों पर मूल्यह्रास	Depreciation on HTM Securities		97.07		96.14
अन्य	Others		0.38		
संदिग्ध ऋण एवं अग्रिमों के लिए प्रावधान	Provision for doubtful debts and advances				
आयकर अधिनियम की धारा 40(ए) (आई ए) के तहत अमान्य राशि	Amount Disallowable U/S 40(a)(ia) of the IT Act				
छुट्टी नकदीकरण हेतु प्रावधान	Provision for leave encashment				
विदेशी मुद्रा संव्यवहार आरक्षित	Foreign Currency Translation Reserve		55.35		121.93
निवेश की खरीद पर अपरिशोधित बट्टा	Unamortized discount on purchase of Investment				
उपचित ब्याज परंतु देय नहीं	Interest accrued but not due		937.21		
कुल आस्थगित कर देयता	Total Deferred tax Liability	9428.09	3094.91	6428.27	2097.26
निवल आस्थगित कर देयता / आस्तियां	Net Deferred tax Liability /Asset	6333.18		4331.01	

10.7 एएस-24 परिचालन बंद करना

अंतर्राष्ट्रीय परिचालन की सुसंगतता हेतु सामरिक पहल के रूप में जो कि भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार भी है, बैंक ने कई स्थानों पर परिचालन बंद करने का निर्णय लिया है. वर्ष 2017-18 के दौरान बैंक ने किंगडम ऑफ बहरीन, बहामास व रिप्बलिक ऑफ साऊथ अफ्रीका में अपने परिचालन को बंद करना शुरू कर दिया है. इन क्षेत्रो में बंद करने का काम एडवांस स्टेज में है. प्रबंधन की राय में बही में उपयुक्त प्रावधान किए गए हैं एवं वित्तीय विवरणियों में उल्लिखित राशि उनकी प्राप्य राशि से कम नहीं है. बैंक के कारोबार पर इन क्षेत्रों में परिचालन बंद करने का कोई प्रभाव नहीं होगा.

10.8. एएस-28 आस्तियों का अनर्जक बनना

लेखा मानक-28 ''आस्तियों का अनर्जक बनना'' के एएस 28 के खंड 5 से खंड 13 के अंतर्गत कोई महत्वपूर्ण उल्लेखन होने के फलस्वरूप चालू वित्तीय वर्ष में अचल आस्तियों की कोई भी क्षति अपेक्षित नहीं है.

10.9 एएस-29 प्रावधान, आकस्मिक देयताएं तथा आकस्मिक आस्तियां

ए) **आकस्मिक देयताएं:**

तुलन-पत्र की अनुसूची 12 के श्रृखला सं. (I) से (VI) में उल्लिखित ऐसी देयताएं क्रमशः न्यायिक निर्णय के परिणाम / विवाचन एवॉर्ड / कोर्ट के बाहर समझौता / अपील का निपटान, मांगी गयी राशि, संविदात्मक दायित्व की शर्तें, संबंधित पक्षों द्वारा मांग और विकास पर निर्भर हैं. ऐसे मामलों में कोई प्रतिपूर्ति संभावित नहीं है.

10.7 AS-24 Discontinuing operations

As a part of strategic initiatives for rationalization of International Operations, which is also in consonance with the Government of India directives, the Bank has decided to exit from certain geographies. During the year 2017-18, the Bank has initiated closure of its operations in the Kingdom of Bahrain, Bahamas and Republic of South Africa. The closure of these territories is at an advance stage. In the opinion of the Management, adequate provisions have been made in the books and the amounts stated in the financial statements are not less than at their realizable values. The impact of closure of operations in these territories on the business of the Bank, is not material.

10.8 AS-28 Impairment of Assets

In view of the absence of indication of material impairment within the meaning of clause 5 to clause 13 of AS 28 Impairment of Assets, no impairment of fixed assets is required in respect of current financial year.

10.9 AS-29 – Provisions, Contingent Liabilities and Contingent Assets:

a) Contingent Liabilities:

Such liabilities as mentioned at Serial No (I) to (VI) of Schedule 12 of Balance Sheet are dependent upon the outcome of court judgement / arbitration awards / out of court settlement / disposal of appeals, the amount being called up, terms of contractual obligations, development and raising of demand by concerned parties respectively. No reimbursement is expected in such cases.

बी. प्रावधानों का संचालन (अन्य के लिए प्रावधानों को छोड़कर)

b. Movement of provisions (excluding provisions for others)

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण	Particulars	मुकदमें / आकस्मिकताएं Legal Cases / Contingencies	
		चालू वर्ष Current Year	पिछला वर्ष Previous Year
1 अप्रैल 2017 को शेष	Balance as on 1st April 2017	40.36	34.13
वर्ष के दौरान उपलब्ध कराए गए	Provided during the year	1.66	6.23
वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशि	Amount used during the year	0.03	--
31 मार्च 2018 को शेष	Balance as at 31st March 2018	41.99	40.36
बहिर्गमन / अनिश्चितताओं का समय	Timing of Outflow / uncertainties	निपटान / क्रिस्टलीकरण पर बहिर्गमन Outflow on settlement / crystallization	

11. भा.रि.बैं. ने अपने पत्र डीबीआर नं. बीपी9730/21.04.018/2017-18 दि. 27.4.2018 द्वारा मार्च 31, 2018 तिमाही समापन से आरंभ 4 तिमाहियों पर ग्रेच्युटी सीमा में संवर्धन के कारण अतिरिक्त देयता का स्प्रेड बैंक को अनुमत कर दिया है. बैंक ने अनुमत रियायत प्राप्त की है तथा मार्च 31, 2018 को समाप्त तिमाही के दौरान ₹ 97 करोड़ जोकि देयता का एक चौथाई है, उपलब्ध कराया है. ₹ 291 करोड़ के शेष को अनुवर्ती 3 तिमाहियों में आस्थगित कर दिया गया है.

11. RBI vide letter DBR No. BP 9730/21.04.018/2017-18 dated 27.04.2018 permitted banks to spread the additional liability on account of the enhancement in gratuity limits over four quarters beginning with the quarter ended March 31, 2018. The Bank has availed the relaxation permitted and has provided an amount of ₹ 97 crore being one fourth of the liability during the quarter ended March 31, 2018. The balance of ₹ 291 crore has been deferred to the subsequent three quarters.

12. **नियामक द्वारा लगाया गया जुर्माना**

वर्ष के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक ने करेन्सी चेस्ट की अनियमितता के नाम पर ₹ 7,12,01,329/- (93 मुकदमे) का अर्थदण्ड लगाया (पिछले वर्ष - कुल v 5,40,51,869).

विदेशी क्षेत्रों एवं अनुषंगियों पर उनके संबन्धित नियामकों द्वारा अनुपालन न किए जाने के कारण ₹ 5,88,37,482/- का अर्थदण्ड लगाया गया है (पिछले वर्ष - कुल ₹ 72,41,000).

12. **Penalty Imposed by Regulators**

During the year, penalties of ₹ 7,12,01,329/- (93 cases) [Previous Year–Total ₹ 5,40,51,869] were imposed by RBI on account of irregularities in currency chest.

Total penalties of ₹ 5,88,37,482/- [Previous Year – Total ₹ 72,41,000] were levied on overseas territories & subsidiaries by their respective regulator for non-compliances as under :-

विवरण **Particulars**	मुकदमों की संख्या **No. of Cases**	राशि रुपये में **Amount in Rupees**	कारण **Reasons**
सेसेल्श Seychelles	1	42,27,000	गलत रिर्टन के लिए ग्राहकों हेतु ऋणों का गलत वर्गीकरण और खातो की विवरणी जारी न करना. For inaccurate Returns, wrong classification of loans and non-issuance of statement of accounts to customers.
दक्षिण अफ्रीका South Africa	1	5,45,00,000	नकद प्रारंभिक रिर्पोटिंग के अनुपालन में चूक पर उपयुक्त प्रसंस्करण कार्यान्वित करें और संदिग्ध व असामान्य संव्यवहार की पहचान करे व रिर्पोट करें. Failure to comply with the cash threshold reporting, implement adequate processes and detect and report suspicious and unusual transactions.
बोत्सवाना Bostwana	1	20,832	अग्रिम खातो पर दंडात्मक ब्याज प्रभारित करने हेतु पूर्व अनुमति नहीं मांगने के लिए For not seeking prior approval for charging penal interest on advance accounts.

विवरण Particulars	मुकदमों की संख्या No. of Cases	राशि रुपये में Amount in Rupees	कारण Reasons
यूगांडा Uganda	1	89,650	खाता लिंक करते समय और स्केल आर्डर निष्पादित करते समय ग्राहक द्वारा प्रस्तुत शेयर पुष्टीकरण पत्र की प्रमाणिकता की पुष्टि मे असफलता और रजिस्ट्रार के साथ प्रतिभूति का स्वामित्व सत्यापित करना. Failure to confirm the authenticity of the share confirmation letter presented by the client and to verify the ownership of security with the Register during linking the account and executing the scale order.

13 प्रतिभूतिकरण / पुनर्निर्माण कंपनी अथवा आस्ति पुनर्निर्माण को बेची गयी वित्तीय आस्तियों का विवरण.

वर्ष के दौरान मूल बैंक ने निष्पादक वित्तीय आस्तियों को बेच दिया है, जिसका विवरण निम्नानुसार है:

13 Details of financial assets sold to Securitization/ Reconstruction Company or Asset Reconstruction

During the year, the parent bank has sold performing financial assets, the detail of which is as under:

(₹ करोड़ में / ₹ in Crores)

विवरण		Particulars		चालू वर्ष Current Year	विगत वर्ष Previous Year
(i)	खातों की संख्या	(i)	No. of accounts	-	-
(ii)	एससी/आरसी को बेचे गये खातों का कुल मूल्य (प्रावधानों को घटाकर)	(i)	Aggregate value (net of provisions) of accounts sold to SC/RC	-	-
(iii)	कुल स्वीकृति	(iii)	Aggregate consideration	-	-
(iv)	पिछले वर्षों में स्थांतरित खातों के संबंध में अतिरिक्त स्वीकृति	(iv)	Additional consideration realized in respect of accounts transferred in earlier years	-	-
(v)	निवल बही मूल्य का कुल लाभ / (हानि)	(v)	Aggregate gain/(loss) over net book value	-	-

14 आल इंडिया यूनियन ऑफ वर्कमैन के साथ सदस्य बैंक के रूप में भारतीय बैंक संघ द्वारा किया गया 11वाँ द्विपक्षीय समझौता दिनांक 31 अक्तूबर 2017 को समाप्त हो गया. वेतनमान संसोधन समझौतों के लंबित निष्पादनों के अनुसार, 1 नवंबर 2017 से लागू होगा जिसके लिए वर्ष के दौरान ₹ 100.63 करोड़ (पिछले वर्ष शून्य) का प्रावधान किया गया है.

14 The 11th Bipartite Settlement entered into by the Indian Banks' Association on behalf of the member Banks with the All India Unions of Workmen expired on 31st October 2017. In accordance with the pending execution of agreement for wage revision, to be effective from 1st November 2017, a provision of ₹100.63 crores on consolidated basis (previous year- NIL) has been made during the year.

15 बासेल III पूंजी विनिमयनों पर भा.रि.बैं. परिपत्र क्रमांक डीबीओडी.एन.बी.पी.बी.सी. 1 / 21.06.201 / 2015-16 दिनांक 01 जुलाई, 2015 के साथ पठित पूंजी पर्याप्तता पर विवेकपूर्ण दिशानिर्देश और चलनिधि मानक संशोधन पर भा.रि.बैं. परिपत्र सं. 80 / 21.06.201 / 2014-15 दि. 31 मार्च, 2015 के अनुसार बैंको को बासेल III फ्रेमवर्क के तहत लिवरेज अनुपात व चलनिधि कवरेज अनुपात सहित लागू पिलर 3 प्रकटीकरण करने की आश्यकता हैं. ये विवरण हमारी वेबसाइट "www.bankofbaroda.com" पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं. इन प्रकटीकरणों को लेखापरीक्षकों द्वारा लेखापरीक्षा के अधीन नहीं किया गया है।

15 RBI Circular DBOD.NO.BP.BC.1/21.06.201/2015-16 dated July 01, 2015 on Basel III Capital Regulations read together with RBI circular no DBR.NO.BP. BC. 80/21.06.201/2014-15 dated March 31, 2015 on Prudential Guidelines on Capital Adequacy and Liquidity Standards Amendments requires banks to make applicable Pillar 3 disclosures including leverage ratio and liquidity coverage ratio under the Basel- III framework. These details are being made available on our website "www.bankofbaroda.com". These disclosures have not been subjected to audit by the auditors.

16 आरबीआई के परिपत्र सं.डीबीआर.सं.बीपी.बीसी. 64/21.04.048/2016-17 दि. 18 अप्रैल 2017 का अनुपालन करते हुए बैंक ने अर्थव्यवस्था के दवाबग्रस्त श्रेणी के मानक अग्रिमों के परिप्रेक्ष्य में 31 मार्च 2018 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए ₹ 142.34 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान किया है.

17 दिवालियापन प्रक्रिया शुरू करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार दिवालियापन और दिवालियापन संहिता के प्रावधानों के तहत कवर करने के लिए आरबीआई के पत्र संख्या डीबीआर.सं. बीओ 15199 / 21.04.048 / 2016-17 दि. 23 जून, 2017 के अनुसार दिवालियापन और दिवालियापन संहिता के प्रावधानों के तहत 10 ऋण खातों को कवर किया गया जिसके कारण बैंक को अतिरिक्त प्रावधान किए जाने की आवश्यकता पड़ी. इसी प्रकार आरबीआई के पत्र क्रमांक डीआर नं.बीपी.1906 / 21.04.049 / 2017-18 दि. 28 अगस्त 2017 के संदर्भ में दिवालियापन और दिवालियापन संहिता (एससी) की प्रक्रिया के तहत 18 ऋण खातों को कवर किया गया जिसके कारण बैंक को अतिरिक्त प्रावधान करने की आवश्यकता पड़ी. इसके अलावा, आरबीआई के पत्र क्रमांक डीआर नं.बीपी.8756 / 21.04 / 2017-18 दि. 02 अप्रैल, 2018 के अनुसार एनसीएलटी खातों के संबंध में प्रावधानीकरण आवश्यकता को 31 मार्च, 2018 को सुरक्षित अंश के 50% से कम कर 40% कर दिया गया है. बैंक ने अनुमत रियायत प्राप्त की है एवं 40% पर उपलब्ध कराया है. आईबीसी के प्रावधानों के तहत I और II सूची में कवर प्रावधान स्प्रेड करने के संबंध में उक्त भा.रि.बैं. संप्रेषण अनुसार बैंक ने उपलब्ध डिस्पेंशन का विकल्प प्राप्त किया है एवं परिणामस्वरूप 31 मार्च 2018 को ₹ 309.37 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान किया है. यदि बैंक ने रियायत हेतु विकल्प न किया होता तो प्रावधान आवश्यकता ₹ 829.23 करोड़ होती.

18. वर्ष के दौरान बैंक ने 34,13,56,534 प्रत्येक ₹ 2/- के पूर्णतः चुकता शेयर, ₹ 155.46 प्रति शेयर के प्रीमियम पर भारत सरकार को, शेयरधारकों की दिनांक 13 मार्च 2018 को आयोजित असामान्य जनरल बैठक में अधिमानी आधार पर सेबी (आईसीडीआर) नियामक 2009 के अनुसार शेयरधारकों द्वारा अनुमोदित कर जारी किए गए. बैंक द्वारा इस खाते में प्राप्त कुल राशि ₹ 5375 करोड़ हैं.

19. वर्तमान वर्ष की प्रस्तुति के अनुरूप, जहां कहीं आवश्यक समझा गया, समूह / कंपनी पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनःव्यवस्थित / पुनःप्रस्तुत / पुनःसमुहिकृत किया गया है.

16 In compliance with the RBI circular No.DBR.No.BP. BC.64/21.04.048/2016-17 dated April 18, 2017, bank has made an additional provision ₹142.34 Crores for the year ended March 31, 2018, in respect of standard advances to stressed sectors of the economy.

17 As per RBI directions for initiating Insolvency Process - Provisioning Norms vide letter No. DBR. No.BO.15199/21.04.048/2016-17 dated June 23, 2017 in respect of 10 borrower accounts covered under the provisions of Insolvency and Bankruptcy Code (IBC), the Bank was required to make additional provision. Similarly, as per RBI direction vide letter No. DR.No. BP.1906/21.04.049/2017-18 dated August 28, 2017 in respect of 18 borrower accounts covered under the process of IBC, the Bank was required to make additional provision. As per RBI vide letter DBR. No. BP 8756/21.04.048/2017-18 dated 02.04.2018, the provisioning requirements in respect of NCLT accounts is reduced from 50% of secured portion as at March 31, 2018 to 40%. Bank has availed the relaxation permitted and provided at 40%. As per the above RBI communication with respect to spreading the provisions covered in Ist and IInd list under the provisions of IBC, the Bank has availed the option of dispensation available, and as a result the additional provision of ₹309.37 crores has been made as on March 31, 2018. Had the Bank not opted for the relaxation, the provision requirement would have been ₹829.23 crore.

18 During the year parent bank has allotted 34,13,56,534 equity shares of ₹ 2/- each fully paid up at a premium of ₹ 155.46 per share to the Government of India, as approved by the shareholders in the Extra-ordinary General Meeting held on 13th March 2018 in accordance with SEBI (ICDR) Regulations 2009 on preferential basis. Total amount received by parent bank on this account is ₹ 5375 crores.

19 Previous year figures of the group entities have been rearranged / recast / regrouped wherever considered necessary to conform current year's presentation.

संक्षिप्त वित्तीय विवरण-पत्रों पर स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट
Independent Auditors' Report on Abridged Consolidated Financial Statements

सेवा में, बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सदस्यगण

संक्षिप्त समेकित वित्तीय विवरिणियों पर रिपोर्ट

संलग्न संक्षिप्त समेकित वित्तीय विवरणियों, जिसमें (क) 31 मार्च, 2018 को संक्षिप्त समेकित तुलन पत्र (ख) संक्षिप्त समेकित लाभ और हानि खाता और (ग) समाप्त वर्ष हेतु संक्षिप्त समेकित नकदी प्रवाह विवरणी और 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु बैंक ऑफ़ बड़ौदा (बैंक) की लेखा परीक्षित समेकित वित्तीय विवरणी से व्युत्पन्न संबंधित नोट शामिल है. हमने अपनी 25 मई, 2018 की रिपोर्ट में उन समेकित वित्तीय विवरणियों पर असंशोधित लेखा परीक्षा राय व्यक्त की है.

संक्षिप्त समेकित वित्तीय विवरिणियों में इंस्टीट्यूट ऑफ़ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ़ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी सामान्य लेखांकन सिद्धांत द्वारा आवश्यक प्रकटीकरणों का समावेश नहीं किया गया है जो बैंक के लेखा परीक्षित वित्तीय विवरणियों को बनाने में उपयोग किए गए हैं. संक्षिप्त समेकित वित्तीय विवरणियों को पढ़ना, बैंक की लेखा परीक्षित समेकित विवरणियों को पढ़ने के बराबर नहीं है.

वित्तीय विवरिणियों हेतु प्रबंधन की जिम्मेदारी

बैंक प्रबंधन, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उनके पत्र, दिनांक 01 अगस्त, 2012 के माध्यम से जारी दिशानिर्देशों के अनुरुप संक्षिप्त समेकित वितीय विवरिणियों का सारांश तैयार करने हेतु जिम्मेदार है जो कि विनियामक दिशानिर्देशों, लेखांकन मानदंडों और भारत में स्वीकार्य लेखांकन नीतियों के अनुरुप तैयार 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु लेखा परीक्षित समेकित वित्तीय विवरिणियों पर आधारित है.

लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारी

हमारी जिम्मेदारी यह है कि हम आईसीएआई द्वारा जारी लेखांकन के मानक (एसओ) 810 सारांश वित्तीय विवरिणियों पर रिपोर्ट संबंधी सहबद्धता के अनुरुप की गई हमारी प्रक्रिया के आधार पर संक्षिप्त समेकित वित्तीय विवरणियों पर अपनी राय व्यक्त करें.

राय

हमारी राय में, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र दिनांक 1 अगस्त, 2012 द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुरुप तैयार की गई संक्षिप्त समेकित वित्तीय विवरणियां 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु बैंक की लेखा परीक्षित समेकित वितीय विवरणियों से व्युत्पन्न है और इन समेकित वित्तीय वितीय विवरणियों का निष्पक्ष सारांश है.

मामले का प्रभाव

हम आपका ध्यान बैंक द्वारा अनुवर्ती तीन तिमाहियों में आस्थागित उपदान के लिए अतिरिक्त देयता के कारण ₹ 291 करोड़ के अपरिशोधित शेष के संबंध में नोट संख्या 2.8 की ओर आकर्षित करते हैं.

उपरोक्त के संबंध में हमारी राय असंशोधित है.

अन्य मामले

संक्षिप्त समेकित वितीय विवरणी में शामिल मामले निम्नानुसार हैं :

4 (चार) विदेशी अनुषंगियों की वित्तीय विवरणियां हमारे द्वारा लेखा परीक्षित नहीं हैं, यह वित्तीय विवरणी 31 मार्च, 2018 को ₹ 2088.38 करोड़ की कुल आस्ति समाप्त वर्ष हेतु ₹ 114.86 करोड़ का कुल राजस्व और ₹ 408.11 करोड़ का शुद्ध नकदी प्रवाह दर्शाती है. समेकित वित्तीय विवरणी में 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष हेतु ₹ 5.42 करोड का शुद्ध लाभ का समूह हिस्सा शामिल है जिस पर 1 (एक) विदेशी सहयोगी संबंधी समेकित वित्तीय विवरणियों में विचार किया गया है और जिनकी

To the Members of Bank of Baroda

Report on the abridged Consolidated Financial Statements

The accompanying abridged Consolidated Financial Statements, which comprise the (a) abridged Consolidated Balance Sheet as at 31st March, 2018 (b) abridged Consolidated Profit and Loss Account and (c) abridged Consolidated Cash Flow Statement for the year then ended, and related notes derived from the audited Consolidated financial statements of Bank of Baroda ('the bank') for the year ended 31st March 2018. We expressed an unmodified audit opinion on those consolidated financial statements in our report dated May 25, 2018

The abridged Consolidated Financial Statements do not contain all the disclosures required by the Accounting Standards, issued by Institute of Chartered Accountants of India ("ICAI") and accounting principles generally accepted in India, applied in the preparation of the audited financial statements of the Bank. Reading the abridged Consolidated Financial Statements, therefore, is not a substitute for reading the audited consolidated financial statements of the Bank.

Management's Responsibility for the Financial Statements

The Bank's Management is responsible for the preparation of summary of abridged Consolidated Financial Statements in accordance with guidelines issued by Ministry of Finance, Government of India vide their letter dated August 1, 2012, which are based on the audited consolidated financial statements for the year ended March 31, 2018 prepared in accordance with regulatory guidelines, accounting standards and accounting policies generally accepted in India.

Auditors Responsibility

Our responsibility is to express an opinion on the abridged Consolidated Financial Statements based on our procedures which are conducted in accordance with Standard of Auditing (SA) 810."Engagements to report on summary financial statements" issued by the ICAI.

Opinion

In our opinion, the abridged Consolidated Financial Statements prepared in accordance with guidelines issued by Ministry of Finance, Government of India vide their letter dated August 1, 2012, are derived from the audited consolidated financial statements of the bank for the year ended March 31, 2018 and are a fair summary of those consolidated financial statements.

Emphasis of Matter

We draw your attention to Note No. 2.8 regarding unamortized balance of ₹ 291 crores on account of additional liability towards gratuity deferred to subsequent three quarters by the Bank.

Our opinion is not modified in respect to the above.

Other Matters

Incorporated in the abridged Consolidated Financial Statements are:

Financial statements of 4 (four) overseas subsidiaries which have not been audited by us, whose financial statements reflect total assets of ₹ 2088.38 crores as at March 31, 2018 and total revenue of ₹ 114.86 crores and net cash flows amounting to ₹ 408.11 crores for the year then ended . The Consolidated Financial Statement also includes the group's share of net profit of ₹ 5.42 crores for the year ended March 31, 2018 as considered in the Consolidated Financial Statements in

वित्तीय विवरणियां अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा लेखा परीक्षित हैं. 4 (चार) विदेशी अनुषंगियों और 1(एक) संयुक्त उद्यम की वितीय विवरणियों में 31 दिसंबर, 2017 तक के विवरण हैं और उनका समावेश समेकित वितीय विवरणी में किया गया है. प्रबंधन ने यह प्रमाणित किया है कि 1 जनवरी, 2018 से 31 मार्च, 2018 तक की अवधि के दौरान कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं हुआ है. यह वित्तीय विवरणियां अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा लेखा परीक्षित हैं और हमारी राय पूर्ण रुप से उन लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में उन अनुषंगियों से संबंधित राशियों पर आधारित है.

संक्षिप्त समेकित वित्तीय विवरणियों में 3(तीन) घरेलू अनुषंगियों और 2(दो) घरेलू संयुक्त उद्यमों की वित्तीय विवरणियों का समावेश है यह वित्तीय विवरणी 31 मार्च 2018 को ₹ 9232.84 करोड़ की कुल आस्तियों और समाप्त वर्ष हेतु ₹ 1839.82 करोड़ का कुल राजस्व और ₹ 130.76 करोड़ का शुद्ध नकदी प्रवाह दर्शाता है. संक्षिप्त समेकित वित्तीय विवरणियों में 4 सहयोगियों के संबंध में 31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष हेतु ₹ 70.82 करोड़ के शुद्ध लाभ का समूह हिस्सा भी शामिल है. यह वित्तीय विवरणियां अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा लेखा परीक्षित है जिसकी रिपोर्ट हमें प्रबंधन ने उपलब्ध करवायी है और हमारी राय में समेकित वित्तीय विवरणियां पूर्ण रुप से लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट जिसमें घरेलू अनुषंगियों, संयुक्त उद्यमों और सहयोगियों के संबंध में शामिल राशियों और प्रकटीकरणों पर आधारित है.

4(चार) घरेलू अनुषंगियों और 2(दो) घरेलू अनुषंगियों की वित्तीय विवरणियां जिसकी वित्तीय विवरणी 31 मार्च 2018 को ₹ 10141.64 करोड़ की कुल आस्तियों और समाप्त वर्ष हेतु ₹ 765.11 करोड़ का कुल राजस्व और ₹ 838.55 करोड़ का शुद्ध नकदी प्रवाह दर्शाता है, गैर लेखा परीक्षित है और हमें प्रबंधन द्वारा उपलब्ध करवायी गयी है. हमारी राय में समेकित वित्तीय विवरणियां पूर्ण रूप से ऐसी गैर लेखा परीक्षित वित्तीय विवरणियों जिसमें इन अनुषंगियों संबंधी राशियों और प्रकटीकरण है, पर आधारित है. हमारी राय में और प्रबंधन द्वारा उपलब्ध करवायी गई जानकारी और व्याख्या के अनुरूप यह वित्तीय विवरणियां समूह के लिए भौतिक नहीं है.

31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष हेतु बैंक की संक्षिप्त समेकित वित्तीय विवरणियां बैंक की अन्य संयुक्त लेखा परीक्षा फर्मों द्वारा लेखा परीक्षित है जिसमें से एक जारी लेखा परीक्षा फर्म है. इन लेखा परीक्षकों ने 18 मई 2017 को अपनी रिपोर्ट के माध्यम से ऐसी समेकित वित्तीय विवरणियों पर असंशोधित राय व्यक्त की है.

respect of 1 (one) overseas associate, whose financial statements have been audited by another auditor. The financial statements of 4 (four) overseas subsidiaries and 1 (one) joint venture have been drawn upto December 31, 2017 and included in the Consolidated Financials Statement, the Management has certified that no significant changes have taken place during the period from January 01, 2018 to March 31, 2018. These financial statements have been audited by other auditors and our opinion, in so far it relates to the amounts included in respect of those subsidiaries is based solely on the reports of those auditors.

The abridged Consolidated Financial Statements include financial statements of 3 (three) domestic subsidiaries and 2 (two) domestic joint ventures, whose financial statements reflect total assets of ₹ 9232.84 crores as at March 31, 2018 and total revenue of ₹ 1839.82 crores and net cash flows amounting to ₹ 130.76 crores for the year then ended. The abridged Consolidated Financial Statements also include the Group's share of net profit of ₹ 70.82 crores for the year ended March 31, 2018 in respect of 4 associates. These financial statements have been audited by other auditors whose reports have been furnished to us by the Management and our opinion on the Consolidated Financial Statements, in so far as it relates to the amounts and disclosures included in respect of these domestic subsidiaries, joint ventures and associates, is based solely on the reports of the other auditors.

Financial statements of 4 (four) overseas subsidiaries and 2 (two) domestic subsidiaries whose financial statements reflect total assets of ₹ 10141.64 crores as at March 31, 2018 and total revenue of ₹ 765.11 crores and net cash flows amounting to ₹ 838.55 crores for the year then ended are unaudited and have been furnished to us by the Management and our opinion on the abridged Consolidated Financial Statements in so far as it relates to the amounts and disclosures included in respect of these subsidiaries, is based solely on such unaudited financial statements. In our opinion and according to the information and explanation given to us by the Management, these financial statements are not material to the Group.

The abridged consolidated financial statements of the Bank for the year ended March 31, 2017 were audited by other joint audit firms of the Bank, one of whom is the continuing audit firm. Those auditors have expressed an unmodified opinion vide their report dated May 18, 2017 on such consolidated financial statements.

कृते **कल्याणीवाला व मिस्त्री एलएलपी**
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 104607डब्ल्यू/डब्ल्यू100166
For **Kalyaniwalla & Mistry LLP.**
Chartered Accountants
FRN:104607W / W100166

(**डैरियस फ्रेज़र**)
साझेदार
एम नं. 042454
(Daraius Fraser)
Partner
M No. 042454

कृते **सिंघी व कं.**
सनदी लेखाकार
एफआरएनः 302049ई
For **Singhi & Co.**
Chartered Accountants
FRN : 302049E

(**राजीव सिंघी**)
साझेदार
एम नं. 053518
(Rajiv Singhi)
Partner
M No. 053518

कृते **जी एम कपाड़िया व कं.**
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 104767डब्ल्यू
For **G M Kapadia & Co.**
Chartered Accountants
FRN : 104767W

(**राजेन अशर**)
साझेदार
एम नं. 048243
(Rajen Ashar)
Partner
M No. 048243

कृते **एस आर डिनोडिया व कं. एलएलपी**
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 001478एन/एन500005
For **S R Dinodia & Co. LLP.**
Chartered Accountants
FRN : 001478N / N500005

(**संदीप डिनोडिया**)
साझेदार
एम नं. 083689
(Sandeep Dinodia)
Partner
M No. 083689

दिनांक: 25 मई 2018
स्थान : मुम्बई
Date: 25th May 2018
Place: Mumbai

बैंक ऑफ़ बड़ौदा के समेकित वित्तीय विवरण-पत्रों पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

AUDITORS' REPORT ON CONSOLIDATED FINANCIAL STATEMENTS OF BANK OF BARODA

प्रति

बैंक ऑफ बड़ौदा के सदस्यगण

बैंक ऑफ बड़ौदा की समेकित वित्तीय विवरण-पत्रों पर रिपोर्ट

1. हमने बैंक ऑफ बड़ौदा (इसके बाद जिसे होल्डिंग इकाई के नाम से संदर्भित किया जाएगा) एवं इसकी अनुषंगियां और संयुक्त उद्यम (होल्डिंग इकाई इसकी अनुषंगियां और संयुक्त उद्यम को सेमकित रूप से 'समूह' के नाम संदर्भित किया जाएगा) तथा सहयोगियों के 31 मार्च 2018 के संलग्न समेकित तुलन-पत्र और उसके साथ संलग्न उक्त तारीख को समाप्त वर्ष के समेकित लाभ-हानि विवरण और उक्त तारीख को समेकित नकदी प्रवाह विवरण की लेखा-परीक्षा की है तथा महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियों और अन्य व्याख्यात्मक सूचनाओं (इसके बाद जिसे समेकित वित्तीय विवरणी के नाम से संदर्भित किया जाएगा) का सारांश प्रस्तुत किया है जिसमें निम्नलिखित के खाते शामिल किए गए हैं.
   - i) दिनांक 25 मई 2018 की हमारी लेखापरीक्षा रिपोर्ट के माध्यम से हमारे द्वारा लेखापरीक्षित बैंक ऑफ बड़ौदा (बैंक) के लेखापरीक्षित खाते;
   - ii) अन्य लेखापरीक्षकों द्वारा लेखापरीक्षित 9 (नौ) अनुषंगियों तथा 6 (छः) सहयोगी इकाइयों और 3 संयुक्त उद्यमों के लेखापरीक्षित खाते;
   - iii) 4 (चार) विदेशी अनुषंगियों और 2 (दो) घरेलू अनुषंगियों के अलेखापरीक्षित खाते.

वित्तीय विवरण-पत्रों हेतु प्रबंधन का दायित्व

2. समेकित वित्तीय विवरण पत्र होल्डिंग इकाई के निदेशक की ज़िम्मेदारी है तथा इसे बैंकिंग विनिमयन अधिनियम, 1949 की धारा 29 के प्रावधानों, इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी लेखा-परीक्षा मानकों, भारत में सामान्य तौर पर स्वीकार किए जाने वाले अन्य लेखा-परीक्षा मानकों और भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुरुप तैयार किया गया है.

3. बैंक द्वारा समेकित वित्तीय विवरणी को लेखा मानक ए एस-21 (समेकित वित्तीय विवरणी) और लेखा मानक एएस-23 (समेकित विवरण पत्रों में सहयोगियों में निवेश हेतु लेखांकन) तथा एएस 27 (संयुक्त उद्यमों में हित की वित्तीय रिपोर्टिंग) के आधार पर इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट ऑफ इंडिया तथा रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुरुप तैयार किया गया है.

लेखा-परीक्षकों का दायित्व

4. हमने अपनी लेखा-परीक्षा आईसीएआई द्वारा जारी लेखा-परीक्षा पर जारी मानकों के अनुरुप की है. इन मानकों के अनुसार यह अपेक्षित है

To

The Members of Bank of Baroda

Report on the Consolidated Financial Statements of Bank of Baroda

1. We have audited the accompanying Consolidated Financial Statements of Bank of Baroda (hereinafter referred to as "the Holding entity") and its subsidiaries and its joint venture (the Holding entity and its subsidiaries and joint ventures together referred to as "the Group") and its associates comprising of the Consolidated Balance Sheet as at March 31, 2018, the Consolidated Profit and Loss Account and the Consolidated Cash Flow Statement for the year then ended, and a summary of the significant accounting policies and other explanatory information (hereinafter referred to as "the Consolidated Financial Statements") in which are incorporated:
   - i) Audited Accounts of the Bank of Baroda (The Bank), audited by us, vide our audit report dated May 25, 2018;
   - ii) Audited Accounts of 9 (nine) subsidiaries, 6 (six) associates and 3 (three) joint ventures, audited by other Auditors;
   - iii) Unaudited accounts of 4 (four) overseas subsidiaries and 2 (two) domestic subsidiaries.

Management's Responsibility for the Financial Statements

2. The Holding entity's Board of Directors is responsible for the preparation of these Consolidated Financial Statements in accordance with the provisions of Section 29 of the Banking Regulation Act, 1949, the Accounting Standards issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) as applicable to banks, other accounting principles generally accepted in India and the Guidelines Issued by the Reserve Bank of India.

3. These Consolidated Financial Statements have been prepared by the Bank in accordance with the requirements of AS 21(Consolidated Financial Statements), AS 23 (Accounting for Investment in Associates in Consolidated Financial Statements) and AS 27 (Financial Reporting of Interest in Joint Ventures) issued by the ICAI and the guidelines issued by the Reserve Bank of India.

Auditor's Responsibility

4. We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing issued by the ICAI. Those

कि हम लेखा-परीक्षा इस प्रकार सुनियोजित और सम्पन्न करें कि हमें यह तर्क संगत आश्वासन मिले कि ये वित्तीय विवरणी निर्धारित वित्तीय विवरणी के अनुसार तैयार किए गए हैं और भौतिक गलतियों से मुक्त हैं.

लेखा-परीक्षा में समेकित वित्तीय विवरण-पत्रों में प्रकटीकरण और राशियों से संबंधित लेखांकन साक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए व्यवसायी प्रक्रिया शामिल होती है. चयनित प्रक्रिया समेकित वित्तीय विवरण-पत्रों में भौतिक धोखाधड़ी या भूल के चलते होने वाली गलतियों के जोखिम मूल्यांकन सहित लेखापरीक्षकों के निर्णय पर निर्भर होती है. इन जोखिम मूल्यांकनों को तैयार करते समय लेखापरीक्षक बैंक की तैयारियों से संबंधित आंतरिक नियंत्रण और समेकित वित्तीय विवरणी के निष्पक्ष प्रस्तुतीकरण के लिए तैयार की गई प्रक्रियाओं, जो परिस्थितियों के अनुसार तो उचित हो परंतु बैंक के आंतरिक नियंत्रण के प्रभावी होने पर विचार व्यक्त करने के उद्देश्य से नहीं हो, पर विचार करते हैं. लेखापरीक्षा में उपयोग में लायी गयी लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता तथा प्रबंधन द्वारा तैयार की गई लेखांकन अनुमानों की विश्वसनीयता का आकलन और समेकित वित्तीय विवरणियों के समग्र प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी शामिल होता है.

हमारा विश्वास है कि हमारे द्वारा प्राप्त किए गए लेखांकन साक्ष्य हमारे लेखापरीक्षा के लिए हमारी राय का तर्क संगत आधार उपलब्ध कराते हैं.

राय

5. हमारी लेखा-परीक्षा एवं अलग-अलग वित्तीय विवरण पत्रों पर अन्य लेखा-परीक्षकों के विचार, अलेखापरीक्षित वित्तीय विवरण-पत्रों पर विचार और घटकों की अन्य वित्तीय सूचना और हमारी सर्वोत्तम जानकारी तथा उपर्युक्त पैराग्राफ 2 और 3 के साथ पठित हमें दिये गए स्पष्टीकरण के अनुसार हमारी यह राय है कि संलग्न समेकित वित्तीय विवरणी भारत में सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरुप वास्तविक एवं सही तस्वीर प्रस्तुत करते हैं :

i) 31 मार्च 2018 को समूह के कार्य व्यवहारों से संबंधित समेकित तुलन-पत्र के संबंध में ;

ii) उक्त तारीख को समाप्त वर्ष के लिए 'समूह' की समेकित हानि संबंधी समेकित लाभ एवं हानि खाते के संबंध में और

iii) उक्त तारीख को समाप्त वर्ष के लिए 'समूह' के समेकित नकदी प्रवाह संबंधी समेकित नकदी प्रवाह विवरणी के संबंध में.

विषय का महत्व

6. हम बैंक द्वारा पिछले तीन तिमाही से अस्थगित हुए उपादान हेतु अतिरिक्त देयता के रूप में ₹ 291 करोड अपरिशोधित शेष के संबंध में नोट संख्या 11 की ओर ध्यान आकर्षित कराते हैं.

Standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the Consolidated Financial Statements are free from material misstatement.

An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and the disclosures in the Consolidated Financial Statements. The procedures selected depend on the auditor's judgment, including the assessment of the risks of material misstatement in the Consolidated Financial Statements, whether due to fraud or error. In making those risk assessments, the auditor considers internal controls relevant to the bank's preparation and fair presentation of the Consolidated Financial Statements in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances, but not for the purpose of expressing an opinion on the effectiveness of the bank's internal controls. An audit also includes evaluating the appropriateness of the accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates made by the Management and evaluating the overall presentation of the Consolidated Financial Statements.

We believe that the audit evidence obtained by us is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion.

Opinion

5. Based on our audit, consideration of reports of other auditors on separate financial statements, consideration of unaudited financial statements and on the other financial information of the components, and to the best of our information and according to the explanations given to us read with paragraphs 2 and 3 above, we are of the opinion that the attached Consolidated Financial Statements give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India.

(i) In the case of the Consolidated Balance Sheet, of the state of affairs of the Group as on March 31, 2018;

(ii) In the case of the Consolidated Profit & Loss Account, of the consolidated loss of the Group for the year ended on that date, and

(iii) In the case of Consolidated Cash Flow Statement, of the consolidated cash flows of the Group for the year ended on that date.

Emphasis of Matter

6. We draw attention to Note No. 11 regarding unamortized balance of ₹ 291 crores on account of additional liability towards gratuity deferred to subsequent three quarters by the bank.

उपर्युक्त के संबंध में हमारी राय संशोधित नहीं हुई है.

अन्य विषय

7. समेकित वित्तीय विवरणी में शामिल हैं :

ए) 4 (चार) विदेशी अनुषंगियों के वित्तीय विवरण-पत्र जिनकी हमने लेखा-परीक्षा नहीं की है. इनके वित्तीय विवरण पत्रों में 31मार्च 2018 को कुल आस्तियां ₹ 2088.38 करोड़ का उल्लेख है तथा वर्ष के अंत में ₹ 114.86 करोड़ का कुल राजस्व और ₹ 408.11 करोड़ का नकदी प्रवाह है. 31 मार्च, 2018 को वर्ष की समाप्ति के लिए ₹ 5.42 करोड़ के निवल लाभ के समूह के शेयर भी समेकित वित्तीय विवरणी में सामिल किए गए हैं, जिसे 1(एक) विदेशी सहयोगी के संबंध में समेकित वित्तीय विवरणी के रुप में माना गया हैं, जिनके वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा अन्य लेखापरीक्षकों द्वारा की गई हैं. 4 (चार) विदेशी अनुषंगियाँ एवं 1 संयुक्त उद्यम जिनके लेखे 31 दिसंबर 2017 को तैयार किए गए हैं और जिन्हें समेकित वित्तीय विवरणी पत्रों में शामिल किया गया है, प्रबंधन ने यह प्रमाणित किया है कि 01 जनवरी 2018 से 31 मार्च 2018 की अवधि के दौरान कोई उल्लेखनीय परिवर्तन नहीं हुआ है. इन वित्तीय विवरणों की लेखा-परीक्षा अन्य लेखा-परीक्षकों द्वारा की गई है और हमारे विचार से उक्त अनुषंगियों के बारे में जहां तक समाविष्ट राशियों का संबंध हैं ये मूलतः उन लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट पर आधारित हैं.

बी) समेकित वित्तीय विवरणियों में 3 घरेलू अनुषंगियों (तीन) और 2 दो घरेलू संयुक्त उद्यमों के वित्तीय विवरणी पत्रों में 31 मार्च 2018 को कुल आस्तियां ₹ 9232.84 करोड़ और वर्ष के अंत में ₹ 1839.82 करोड़ का कुल राजस्व तथा कुल नकदी प्रवाह के रूप में ₹ 130.76 करोड़ का उल्लेख है. 31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित वित्तीय परिणामों में 4 सहयोगियों से संबंधित समूह के शेयरों का ₹ 70.82 करोड़ का निवल लाभ भी शामिल है. इन वित्तीय विवरणियों की लेखापरीक्षा दूसरे लेखा-परीक्षकों द्वारा की गई है जिनकी रिपोर्ट हमें प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत की गई है एवं उनके समेकित वित्तीय परिणामों के बारे में हमारी अब तक की राय के अनुसार इन घरेलू अनुषंगियों, संयुक्त उद्यमों, एवं सहयोगियों से संबंधित राशियां और प्रकटीकरण केवल दूसरे लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट पर आधारित हैं.

सी) 4(चार) विदेशी अनुषंगियों तथा 2(दो) घरेलू अनुषंगियों के वित्तीय विवरणों और 31 मार्च, 2018 तक ₹ 10141.64 करोड़ की कुल

Our opinion is not modified in respect to the above.

Other Matters

7. Incorporated in the Consolidated Financial Statements are:

a) Financial statements of 4 (four) overseas subsidiaries which have not been audited by us, whose financial statements reflect total assets of ₹ 2088.38 crores as at March 31, 2018 and total revenue of ₹ 114.86 crores and net cash flows amounting to ₹ 408.11 crores for the year then ended. The Consolidated Financial Statement also includes the group's share of net profit of ₹ 5.42 crores for the year ended March 31, 2018 as considered in the Consolidated Financial Statements in respect of 1 (one) overseas associate, whose financial statements have been audited by another auditor. The financial statements of 4 (four) overseas subsidiaries and 1 (one) joint venture have been drawn up upto December 31, 2017 and included in the Consolidated Financials Statement, the Management has certified that no significant changes have taken place during the period from January 01, 2018 to March 31, 2018. These financial statements have been audited by other auditors and our opinion, in so far it relates to the amounts included in respect of those subsidiaries is based solely on the reports of those auditors.

b) The Consolidated Financial Statements include financial statements of 3 (three) domestic subsidiaries and 2 (two) domestic joint ventures, whose financial statements reflect total assets of ₹ 9232.84 crores as at March 31, 2018 and total revenue of ₹ 1839.82 crores and net cash flows amounting to ₹ 130.76 crores for the year then ended. The Consolidated Financial Statements also include the Group's share of net profit of ₹ 70.82 crores for the year ended March 31, 2018 in respect of 4 associates. These financial statements have been audited by other auditors whose reports have been furnished to us by the Management and our opinion on the Consolidated Financial Statements, in so far as it relates to the amounts and disclosures included in respect of these domestic subsidiaries, joint ventures and associates, is based solely on the reports of the other auditors.

c) Financial statements of 4 (four) overseas subsidiaries and 2 (two) domestic subsidiaries whose financial statements reflect total assets of ₹ 10141.64 crores as at March 31, 2018 and total

संपत्तियों को प्रतिबिंबित करते हैं और जिसका कुल राजस्व ₹ 765.11 करोड़ तथा नकदी प्रवाह के रूप में ₹ 838.55 करोड़ का है. यह वित्तीय परिणाम लेखा-परीक्षित है और विवरण हमें प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत किए गए हैं उनके समेकित वित्तीय परिणामों के बारे में हमारी राय के अनुसार इन अनुषंगियों से संबंधित राशियां और प्रकटीकरण इस तरह के अलेखापरीक्षित विवरणियों पर आधारित हैं. हमारी राय में तथा प्रबंधन द्वारा दी गई जानकारी एवं विवरणों के अनुसार यह वित्तीय परिणाम समूह से संबंधित नहीं है.

8. 31 मार्च 2017 को समाप्त वर्ष के लिए बैंक के वित्तीय विवरणियो को बैंक के दूसरे संयुक्त लेखापरीक्षा फ़र्मों जिसमें एक नियमित लेखापरीक्षा फ़र्म, भी है द्वारा लेखापरीक्षित किया गया. इन लेखापरीक्षकों ने दिनांक 18 मई, 2017 की अपनी रिपोर्ट द्वारा इस वित्तीय विवरण पर अपनी असंशोधित राय प्रकट की है.

revenue of ₹ 765.11 crores and net cash flows amounting to ₹ 838.55 crores for the year then ended are unaudited and have been furnished to us by the Management and our opinion on the Consolidated Financial Statements in so far as it relates to the amounts and disclosures included in respect of these subsidiaries, is based solely on such unaudited financial statements. In our opinion and according to the information and explanation given to us by the Management, these financial statements are not material to the Group.

8. The financial statements of the Bank for the year ended March 31, 2017 were audited by other joint audit firms of the Bank, one of whom is the continuing audit firm. Those auditors have expressed an unmodified opinion vide their report dated May 18, 2017 on such financial statements..

कृते **कल्याणीवाला व मिस्त्री एलएलपी**
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 104607डब्ल्यू/डब्ल्यू100166
For **Kalyaniwalla & Mistry LLP.**
Chartered Accountants
FRN:104607W / W100166

(**डैरियस फ्रेज़र**)
साझेदार
एम नं. 042454
(Daraius Fraser)
Partner
M No. 042454

कृते **सिंघी व कं.**
सनदी लेखाकार
एफआरएन: 302049ई
For **Singhi & Co.**
Chartered Accountants
FRN : 302049E

(**राजीव सिंघी**)
साझेदार
एम नं. 053518
(Rajiv Singhi)
Partner
M No. 053518

कृते **जी एम कपाड़िया व कं.**
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 104767डब्ल्यू
For **G M Kapadia & Co.**
Chartered Accountants
FRN : 104767W

(**राजेन अशर**)
साझेदार
एम नं. 048243
(Rajen Ashar)
Partner
M No. 048243

कृते **एस आर डिनोडिया व कं. एलएलपी**
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 001478एन/एन500005
For **S R Dinodia & Co. LLP.**
Chartered Accountants
FRN : 001478N / N500005

(**संदीप डिनोडिया**)
साझेदार
एम नं. 083689
(Sandeep Dinodia)
Partner
M No. 083689

दिनांक: 25 मई 2018
स्थान : मुम्बई
Date: 25th May 2018
Place: Mumbai

अपरिवर्तित अभिमत सहित लेखा परीक्षा रिपोर्ट की घोषणा

DECLARATION OF AUDIT REPORT WITH UNMODIFIED OPINION

हम इसके द्वारा घोषणा करते हैं कि 31 मार्च, 2018 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए बैंक के स्टैंड अलोन वार्षिक लेखों पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में अपरिवर्तित अभिमत शामिल है.

We hereby declare that Auditor Report on Standalone Annual Accounts of the Bank for the Financial Year ended 31st March, 2018 contain unmodified opinion.

जी रमेश

जी रमेश
प्रमुख
(कॉर्पोरेट लेखा और कराधान) एवं सीएफओ

G Ramesh
Head
(Corp. A/Cs & Taxation) and CFO

पी. एस. जयकुमार

पी. एस. जयकुमार
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

P. S. Jayakumar

P S Jayakumar
Managing Director & CEO

कृते **कल्याणीवाला व मिस्त्री एलएलपी**
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 104607डब्ल्यू/डब्ल्यू100166
For **Kalyaniwalla & Mistry LLP.**
Chartered Accountants
FRN:104607W / W100166

(**डैरियस फ्रेज़र**)
साझेदार
एम नं. 042454
(Daraius Fraser)
Partner
M No. 042454

कृते **सिंघी व कं.**
सनदी लेखाकार
एफआरएन: 302049ई
For **Singhi & Co.**
Chartered Accountants
FRN : 302049E

(**राजीव सिंघी**)
साझेदार
एम नं. 053518
(Rajiv Singhi)
Partner
M No. 053518

कृते **जी एम कपाड़िया व कं.**
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 104767डब्ल्यू
For **G M Kapadia & Co.**
Chartered Accountants
FRN : 104767W

(**राजेन अशर**)
साझेदार
एम नं. 048243
(Rajen Ashar)
Partner
M No. 048243

कृते **एस आर डिनोडिया व कं. एलएलपी**
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 001478एन/एन500005
For **S R Dinodia & Co. LLP.**
Chartered Accountants
FRN : 001478N / N500005

(**संदीप डिनोडिया**)
साझेदार
एम नं. 083689
(Sandeep Dinodia)
Partner
M No. 083689

दिनांक: 25 मई 2018
स्थान : मुम्बई
Date: 25th May 2018
Place: Mumbai

अपरिवर्तित अभिमत सहित लेखा परीक्षा रिपोर्ट की घोषणा
DECLARATION OF AUDIT REPORT WITH UNMODIFIED OPINION

हम इसके द्वारा घोषणा करते हैं कि 31 मार्च, 2018 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए बैंक के समेकित वार्षिक लेखों पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में अपरिवर्तित अभिमत शामिल है.

We hereby declare that Auditors Report on Consolidated Annual Accounts of the Bank for the Financial Year ended 31st March, 2018 contain unmodified opinion.

जी रमेश

जी रमेश
प्रमुख
(कॉर्पोरेट लेखा और कराधान) एवं सीएफओ

G Ramesh

G Ramesh
Head
(Corp. A/Cs & Taxation) and CFO

पी. एस. जयकुमार

पी. एस. जयकुमार
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

P.S. Jayakumar

P S Jayakumar
Managing Director & CEO

कृते **कल्याणीवाला व मिस्त्री एलएलपी**
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 104607डब्ल्यू/डब्ल्यू100166
For **Kalyaniwalla & Mistry LLP.**
Chartered Accountants
FRN:104607W / W100166

(**डैरियस फ्रेज़र**)
साझेदार
एम नं. 042454
(Daraius Fraser)
Partner
M No. 042454

कृते **सिंघी व कं.**
सनदी लेखाकार
एफआरएन: 302049ई
For **Singhi & Co.**
Chartered Accountants
FRN : 302049E

(**राजीव सिंघी**)
साझेदार
एम नं. 053518
(Rajiv Singhi)
Partner
M No. 053518

कृते **जी एम कपाड़िया व कं.**
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 104767डब्ल्यू
For **G M Kapadia & Co.**
Chartered Accountants
FRN : 104767W

(**राजेन अशर**)
साझेदार
एम नं. 048243
(Rajen Ashar)
Partner
M No. 048243

कृते **एस आर डिनोडिया व कं. एलएलपी**
सनदी लेखाकार
एफआरएन : 001478एन/एन500005
For **S R Dinodia & Co. LLP.**
Chartered Accountants
FRN : 001478N / N500005

(**संदीप डिनोडिया**)
साझेदार
एम नं. 083689
(Sandeep Dinodia)
Partner
M No. 083689

दिनांक: 25 मई 2018
स्थान : मुम्बई
Date: 25th May 2018
Place: Mumbai

सीईओ / सीएफओ प्रमाणीकरण

निदेशक मंडल
बैंक ऑफ़ बड़ौदा
मुंबई

प्रिय महोदय,

विषय : 31 मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही /संपूर्ण वर्ष के लिए सीईओ / सीएफओ प्रमाणीकरण

सेबी (सूचीबद्धता दायित्व एवं प्रकटीकरण), विनिमय, 2015 की धारा 17(8) के साथ पठित धारा 33 के अनुपालन स्वरूप हम एतद्द्वारा प्रमाणित करते हैं कि

ए. हमने 31 मार्च, 2018 को समाप्त तिमाही /संपूर्ण वर्ष के लिए वित्तीय विवरणी की समीक्षा की है तथा हमारी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार :

i. इन विवरणियों में कोई विषयगत असत्य विवरण नहीं है अथवा कोई विषयगत तथ्य छिपाया नहीं गया है अथवा इनमें कोई भ्रामक विवरण शामिल नहीं किया गया है.

ii. ये विवरण बैंक के कार्यकलापों का सही एवं स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं तथा ये विद्यमान लेखा-मानकों, लागू नियमों एवं विनिमयों के अनुरुप हैं.

बी. हमारी जानकारी एवं विश्वास के अनुसार वर्ष के दौरान बैंक द्वारा ऐसे कोई संव्यवहार नहीं किये गये जो धोखाधड़ी में लिप्त हों, गैर-कानूनी हो अथवा बैंक की आचार संहिता के विरुद्ध हो.

सी. हम वित्तीय रिपोर्टिंग से संबद्ध आंतरिक नियंत्रणों का पूर्ण दायित्व स्वीकार करते हैं. हम यह भी स्वीकार करते हैं कि हमने वित्तीय रिपोर्टिंग की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की प्रभावशीलता का मूल्यांकन/ आकलन किया है तथा हमने लेखापरीक्षकों और लेखा समिति को आंतरिक नियंत्रणों के परिचालन एवं स्वरूप से संबद्ध कमियों, यदि कोई है अथवा जो हमारे अभिज्ञान में है एवं हमने इन्हें दूर करने के लिये जो उपाय किये हैं या प्रस्तावित हैं, की जानकारी दे दी है.

डी. हमने लेखापरीक्षकों तथा लेखापरीक्षा समिति को निम्नलिखित से अवगत कराया है.

i. इस अवधि के दौरान वित्तीय रिपोर्टिंग के संदर्भ में आंतरिक नियंत्रण व्यवस्था में महत्वपूर्ण परिवर्तन;

ii. वर्ष के दौरान लेखा नीतियों में महत्वपूर्ण परिवर्तन तथा इनका उल्लेख वित्तीय विवरणी के नोट्स में कर दिया गया है; और

iii. हमारी जानकारी में आये धोखाधड़ी संबंधी विशिष्ट मामले तथा उनमें प्रबन्धन अथवा किसी कर्मचारी की संलिप्तता, जिसकी आंतरिक नियंत्रण प्रणाली संबंधी वित्तीय रिपोर्टिंग में अहम भूमिका हो.

जी रमेश

जी रमेश
प्रमुख (कॉर्पोरेट लेखा और कराधान) एवं सीएफओ

पी. एस. जयकुमार

पी. एस. जयकुमार
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

दिनांक : 25.05.2018
स्थान : मुंबई

CEO / CFO Certification

Board of Directors,
Bank of Baroda
Mumbai

Dear Sirs,

Re : CEO/CFO Certification for the quarter/full year ended 31st March 2018

Pursuant to Regulation 17(8) read with Regulation 33 of SEBI (Listing Obligations & Disclosure Requirement) Regulations, 2015, We hereby certify that:

a. We have reviewed financial statements for the quarter/ full year ended 31st March 2018 and that to the best of our knowledge and belief:

i. These statements do not contain any materially untrue statement or omit any material fact or contain statements that might be misleading;

ii. These statements together present a true and fair view of the Bank's affairs and are in compliance with existing accounting standards, applicable laws and regulations.

b. There are, to the best of our knowledge and belief, no transactions entered into by the Bank during the year which are fraudulent, illegal or violative of the Bank's code of conduct.

c. We accept responsibility for establishing and maintaining internal controls for financial reporting and that we have evaluated the effectiveness of internal control systems of the Bank pertaining to financial reporting and we have disclosed to the auditors and the Audit Committee, deficiencies in the design or operation of such internal controls, if any, of which we are aware and the steps we have taken or propose to take to rectify these deficiencies.

d. We have indicated to the Auditors and the Audit Committee.

i. Significant changes in internal control over financial reporting during the period;

ii. Significant changes in accounting policies during the period and that the same have been disclosed in the notes to the financial statements; and

iii. Instances of significant fraud of which we have become aware and the involvement therein, if any, of the management or an employee having a significant role in the Bank's internal control system over financial reporting.

Ramesh

G Ramesh
Head (Corporate Accounts & Taxation) and CFO

P. S. Jayakumar

P S JAYAKUMAR
Managing Director & CEO

Date :25.05.2018
Place : Mumbai

लाभांश संवितरण नीति

बैंक ऑफ़ बड़ौदा के शेयरधारक बैंक में शेयर-पूंजी में उनके निवेश पर दो तरीकों से प्रतिफल अर्जित करते हैं:

1. शेयर की कीमत में वृद्धि के परिणामस्वरुप पूंजीगत मूल्यवृद्धि, एवं

2. आवधिक लाभांश के रुप में नकद प्रतिफल.

बैंक मानता है कि शेयरधारकों को अपनी चलनिधि की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवधिक लाभांश की आवश्यकता होती है. साथ ही, लाभांश का भुगतान बैंक की भावी संभावनाओं के संकेत के रुप में देखा जाता है. बैंक के ये प्रयास रहते हैं कि अधिक नकद राशि को अपने शेयरधारकों में संवितरित की जाए.

सामान्यतया, बैंक लाभकर्ता वर्षों में लाभांश का भुगतान करने की अपेक्षा करते हैं. कितनी राशि लाभांश के रुप में संवितरित की जाए, इसका निर्णय निम्नलिखित सहित कई तथ्यों को ध्यान में लेते हुए किया जाता है:

ए) बैंक का वर्तमान एवं भविष्य का कार्यनिष्पादन.

बी) भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा विनिर्दिष्ट पूंजी-पर्याप्तता संबंधी आवश्यकता

सी) बैंक की निवेश एवं विस्तार की योजना, और

डी) उसके प्रमुख शेयरधारक-भारत सरकार-एवं संस्थागत तथा खुदरा शेयरधारकों की अपेक्षाएं

चूंकि बैंक वैश्विक आधार पर परिचालन कर रहा है, उसके लाभांश संबंधी निर्णय घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक एवं वित्तीय स्थितियों और नियामक-आवश्यकताओं पर आधारित होता है.

प्रतिधारित अर्जन का उपयोग बैंक की पूंजीगत आवश्यकताओं तथा उसके निवेश के वित्तपोषण की आवश्यकताओं एवं विस्तार संबंधी गतिविधियों के लिए किया जाता है. प्रतिधारित अर्जन अनपेक्षित घटनाओं के संबंध में कुशन उपलब्ध कराता है. बैंक निवेश की मांग के साथ उचित नकद प्रतिफल हेतु शेयरधारकों की आवश्यकता के संतुलन का प्रयास करता है.

आरबीआई ने सभी बैंकों के लिए लाभांश के भुगतान के संबंध में अन्य के साथ-साथ निम्नलिखित पात्रता शर्तें निर्धारित की हैं:

- बैंक के पास निम्नलिखित होने चाहिए :

ए) पूरे किए गए दो वर्षों के लिए तथा जिस वर्ष के लिए वह लाभांश घोषित करने की प्रक्रिया करता है उस वर्ष के लिए कम से कम 9% का पूंजी से जोखिम वेटेड आस्ति अनुपात (सीआरएआर) तथा

बी) शुद्ध एनपीए (गैर-निष्पादक आस्तियों) का 7% से कम का स्तर

सी) यदि बैंक उपरोक्त सीआरएआर मानदंड की आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर रहा है, परंतु जिस वर्ष के लिए वह लाभांश घोषित करने की प्रक्रिया करता है उस वर्ष के लिए उसका सीआरएआर कम से कम 9% स्तर पर है, तो उसके शुद्ध एनपीए 5% से कम होने चाहिए.

- लाभांश केवल चालू वर्ष के लाभ से ही भुगतान किया जा सकता है.
- लाभांश पे-आऊट अनुपात (अर्थात् कर के बाद लाभ से लाभांश का अनुपात) 40 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए.

भारत सरकार ने निर्धारित किया है कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (पीएसबी) 20% की प्रदत्त पूंजी या 20% कर-पश्चात का लाभ-इनमें से जो भी अधिक हो, कम से कम उतना भुगतान करेंगे. यदि कोई बैंक न्यूनतम लाभांश का भुगतान करने में असमर्थ है तो उसे भारत सरकार से विशिष्ट अनुमति मांगनी चाहिए.

Dividend Distribution Policy

Bank of Baroda's shareholders earn a return on their investment in the Bank's share capital in two ways:

(1) Capital appreciation resulting from increase in the share price, and

(2) Cash return in the form of a periodic dividend.

The Bank recognizes that its shareholders need periodic dividend to meet their liquidity needs. Also, payment of dividend is seen as a signal of the Bank's future prospects. The Bank endeavours to distribute surplus cash to its shareholders.

Normally, the Bank expects to pay dividend in profitable years. The decision on how much to distribute as dividend takes into consideration a number of factors including:

(a) The Bank's current and prospective financial performance,

(b) Capital adequacy requirements specified by Reserve Bank of India (RBI)

(c) The Bank's investment and expansion plans, and

(d) The expectations of its principal shareholder – the Government of India – and the institutional and retail investors.

Since the Bank has operations worldwide, its dividend decision is based on an assessment of domestic and international economic and financial conditions and regulatory requirements.

Retained earnings are utilized to meet the Bank's capital requirements and finance its investment and expansion activities. Retained earnings also provide a cushion to tide over unexpected events. The Bank strives to balance the demands for investment with the shareholders' need for a fair cash return.

The RBI has laid down the following eligibility conditions, among others, for payment of dividend by all banks:

- A bank should have:
  - (a) capital-to-risk weighted assets ratio (CRAR) of at least 9% for two completed years and the year for which it proposes to declare dividend and
  - (b) Net NPA (non-performing assets) of less than 7%.
  - (c) In case a bank does not meet the above CRAR norm but has CRAR of at least 9% for the year for which it proposes to declare dividend, its Net NPA should be less than 5%.
- Dividend can be paid only out of current year's profits.
- The dividend payout ratio (i.e. the ratio of dividend to profit after tax) cannot exceed 40 per cent.

The Government of India has stipulated that Public Sector Banks (PSBs) shall pay a minimum of 20% of paid-up capital or 20% of post-tax profits, whichever is higher. In case a bank is unable to pay the minimum dividend, it should seek specific permission of the Government of India.

नोटिस / NOTICE

बैंक ऑफ़ बड़ौदा BANK OF BARODA

(प्रधान कार्यालय - मांडवी, बड़ौदा) (H.O.: Mandvi, Baroda)

कार्पोरेट कार्यालय : बड़ौदा कार्पोरेट सेंटर, सी-26, ''जी'' ब्लॉक, बान्द्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स बान्द्रा (पूर्व), मुंबई 400051.
Corporate Office: Baroda Corporate Centre, C-26, "G" Block, Bandra-Kurla Complex, Bandra (East), MUMBAI 400 051

(वेबसाइट / website: www.bankofbaroda.co.in)

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि निम्नलिखित कार्यवाही के लिए बैंक ऑफ़ बड़ौदा के शेयरधारकों की 22वीं वार्षिक सामान्य बैठक **शुक्रवार, 13 जुलाई 2018 को प्रात: 10.00 बजे सर सयाजीराव नगरगृह, वडोदरा महानगर सेवा सदन, टी.पी.-1, एफ.पी.549/1, जीईबी कॉलोनी के पास, ओल्ड पादरा रोड, अकोटा, वडोदरा-390020** को संपन्न होगी:

सामान्य कार्यवाही :

मद संख्या 1:

बैंक के 31 मार्च, 2018 के तुलनपत्र, 31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लाभ एवं हानि लेखे, लेखों में समाहित अवधि के कार्य निष्पादन तथा कार्यकलापों पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट और तुलन-पत्र एवं लेखों पर लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट पर विचार करना, अनुमोदन प्रदान करना व इन्हें स्वीकार करना.

विशेष कार्यवाही:

मद संख्या 2:

''विशेष संकल्प'' पारित करना - इक्विटी पूंजी बढ़ाने के संबंध में अनुमोदन.

निदेशक मंडल के आदेश से
कृते बैंक ऑफ़ बड़ौदा,

पी.एस. जयकुमार

स्थान: मुंबई
दिनांक: 04.06.2018

पी.एस. जयकुमार
प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यपालक अधिकारी

नोट : कृपया नोट करें कि अनुदेशों सहित संपूर्ण नोटिस तथा प्रॉक्सी फार्म सभी शेयरधारकों को, जिन्होंने अपने ई-मेल आईडी पंजीकृत नहीं कराएं हैं, उन्हें अलग से पंजीकृत डाक से भेजा गया है.

NOTICE is hereby given that the 22nd Annual General Meeting of the Shareholders of Bank of Baroda will be held on **Friday 13th July 2018, at 10.00 a.m. at Sir Sayajirao Nagargriha, Vadodara Mahanagar Seva Sadan, T. P. – 1, F. P. 549/1, Near GEB Colony, Old Padra Road, Akota, Vadodara – 390 020,** to transact the following businesses:

ORDINARY BUSINESS:

Item Number 1:

To discuss, approve and adopt the Balance Sheet of the Bank as at 31st March 2018, Profit and Loss Account for the year ended 31st March, 2018, the report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the accounts and the Auditor's Report on the Balance Sheet and Accounts.

SPECIAL BUSINESS:

Item Number 2:

To pass "Special Resolution."- to approve raising of Equity Capital.

By Order of the Board of Directors
FOR BANK OF BARODA

P. S. Jayakumar

Place: Mumbai
Date: 04.06.2018

P. S. Jayakumar
Managing Director & CEO

NOTE: Please note that full Notice with instructions and Proxy form has been separately dispatched by Registered Post to all the shareholders, who have not registered their email id.

प्रभावी व तत्काल सेवाओं के लिये शेयरधारकों से अपील

1. **कृपया अपने भौतिक शेयर को डीमैट करें**
2. **कृपया लाभांश राशि इलैक्ट्रॉनिक / सीधे अपने बैंक खाते में जमा करने के लिये अपना मैन्डेट रजिस्टर करें**
3. **कृपया ई- मेल के माध्यम से सन्देश पाने के लिये अपना ई-मेल आईडी रजिस्टर करें**

अभौतिकीकरण (डीमैटेरियलाइजेशन) के लाभ

शेयर सर्टिफिकेट के खोने का कोई डर नहीं. शेयर हस्तांतरण शुल्क अथवा स्टॉम्प शुल्क संबंधी कोई खर्च नहीं सरल / बाधा रहित हस्तांतरण/ संचरण सुविधा. नामांकन सम्भव. लाभांश सीधे आपके बैंक खाते में जमा किया जाता है. एएसबीए / आईपीओ आवेदन सम्भव.

इलैक्ट्रॉनिक मोड के माध्यम से लाभांश भुगतान के लिए मैनडेट पंजीकृत कराने के लाभ

लाभांश भुगतान की तारीख को ही लाभांश प्रत्यक्ष रुप से जमा होना. लाभांश वारंट में देरी/ अप्राप्ति / पुनर्वैधता की कोई समस्या नहीं.

ई- मेल आईडी पंजीकृत कराने के लाभ

भारत सरकार की हरित पहल का हिस्सा बनें. कॉर्पोरेट सूचनाओं की तत्काल प्राप्ति जिसमें एजीएम व ईजीएम/ वार्षिक रिपोर्ट / छमाही सूचना इत्यादि भी शामिल है.

Appeal to Shareholders for Efficient & Prompt Services

1. **Please Demat your Physical Shares**
2. **Please register your Mandate for Electronic / direct credit of Dividend amount in your Bank A/c**
3. **Please register your E-mail ID for receiving communications through E-mail**

Benefits of Dematerialization

No threat of loss of Share Certificate. No Share Transfer Fees or Stamp Duty Expenses. Easy / hassle free Transfer / Transmission. Nomination possible. Dividend directly credited to your Bank A/c. ASBA/IPO Application possible

Benefits of Registering Mandate for payment of Dividend through Electronic Mode

Direct credit of dividend on Dividend payment date itself. No problem of late / non-receipt / revalidation of Dividend Warrants

Benefits of Registering E-mail ID

Be a part of Green Initiative of Government of India (GOI). Immediate receipt of Corporate communication including Notice of AGM & EGM / Annual Reports / Half Yearly communication, etc

हरित पहल - शेयर धारकों से अपील

नोटिस / वार्षिक रिपोर्ट तथा
अन्य पत्राचार ई-मेल के माध्यम से प्राप्त करना

डिमैट खातों में शेयर रखने वाले शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे अपने डिमैट खातों में ई-मेल आईडी दर्ज करें.

भौतिक रुप से शेयर रखनेवाले शेयर धारकों से अनुरोध है कि -

अपनी सहमति हेतु इस पत्र के नीचे दिये गये भाग को भरकर तथा उस पर हस्ताक्षर करके उसे हमारे रजिस्ट्रार के पास नीचे लिखे पते पर भिजवा दें -

मेसर्स कार्वी कंप्यूटरशेयर प्राइवेट लि.
(यूनिट : बैंक ऑफ़ बड़ौदा)
कार्वी सेलेनियम टॉवर बी, प्लाट क्र. 31 व 32,
गाचीबॉवली, फाइनांसियल डिस्ट्रिक्ट, नानाक्रामगुडा,
सैरीलिंगम्पल्ली मंडल, हैदराबाद - 500 032.
फोन नं. 040-6716 2222
ई मेल : einward.ris@karvy.com

GREEN INITIATIVE-APPEAL TO SHAREHOLDERS

TO GET NOTICES / ANNUAL REPORTS & OTHER COMMUNICATION THROUGH E-MAIL

Shareholders holding Shares in Demat accounts are requested to: register an email ID in their Demat A/cs.

Shareholders holding Shares in Physical form are requested to:

send their consent by filling up and signing the perforated portion of this communication to our Registrars at their address given hereunder :

M/S Karvy Computershare Private Ltd.,
(Unit: Bank of Baroda),
Karvy Selenium Tower B, Plot No.-31&32, Gachibowli,
Financial District, Nanakramguda, Serilingampally Mandal,
Hyderabad - 500 032,
Phone No. 040 – 6716 2222
E-mail : einward.ris@karvy.com

बैंक ऑफ़ बड़ौदा की हरित पहल

दिनांक

मेसर्स. कार्वी कंप्यूटरशेयर प्राइवेट लि.
(यूनिट : बैंक ऑफ़ बड़ौदा)
कार्वी सेलेनियम टावर बी, प्लाट क्र. 31 व 32,
गाचीबॉवली, फाइनांसियल डिस्ट्रिक्ट, नानाक्रामगुडा,
सैरीलिंगम्पल्ली मंडल, हैदराबाद - 500 032.

प्रिय महोदय,

मैं / हम _____बैंक ऑफ़ बड़ौदा कार्पोरेट गवर्नेंस के पर्यावरण सुरक्षा (हरित पहल) उपायों के एक प्रयास के रुप में बैंक ऑफ़ बड़ौदा से सभी संदेश अपने नीचे दिए गए ई-मेल आइडी के माध्यम से प्राप्त करना चाहता हूं / चाहते हैं. मेरे / हमारे पास बैंक के _____शेयर भौतिक रुप में हैं.

फोलियो नम्बर : _____

ई मेल आइडी : _____

मैं / हम इस आशय का वचन देता हूं / देते हैं कि मेरे / हमारे ई मेल के माध्यम से प्राप्त संदेश को सही, विधिक तथा बैंक ऑफ़ बड़ौदा द्वारा हमें भेजे गए दस्तावेजों की समुचित एवं पर्याप्त सुपुर्दगी माना जाएगा. मैं / हम यह भी वचन देता हूं / देते हैं कि यदि किसी तकनीकी / अन्य कारणों से मेरा / हमारा ई-मेल हमें सही रुप में प्राप्त न होने के कारण संदेश प्राप्त नहीं हो पाता है तो हम बैंक ऑफ़ बड़ौदा, इसके किसी कर्मचारी, रजिस्ट्रार अथवा इसके कर्मचारियों को उत्तरदायी नहीं ठहरायेंगे.

_____

प्रथम धारक के हस्ताक्षर

GREEN INITIATIVE OF BANK OF BARODA

Date:

M/S Karvy Computershare Private Ltd.,
(Unit: Bank of Baroda),

Karvy Selenium Tower B, Plot No.-31&32,
Gachibowli, Financial District, Nanakramguda,
Serilingampally Mandal, Hyderabad - 500 032

Dear Sir,

I/ We _____ holding _____ shares of Bank of Baroda in physical form, intend to receive all communication from Bank of Baroda through our email ID given hereunder, as a part of Green Initiative under Corporate Governance of Bank of Baroda.

Folio Number: _____

Email ID: _____

I/ We also undertake that the communication received through my/ our email ID will be treated as proper, legal and sufficient delivery of documents sent to us by Bank of Baroda. I/ We further undertake that we would not hold Bank of Baroda, any of its employees, Registrars or its employees, responsible in case the communication is not properly received at my/ our email ID due to any technical/ other failures.

_____

Signature of First Holder

This Page has been left Blank Intentionally

बैंक ऑफ़ बड़ौदा

इक्विटी शेयरों पर लाभांश के भुगतान के लिए अधिदेश

(इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से)

1. प्रथम शेयरधारक का नाम (स्पष्ट अक्षरों में) :

2. पता :

3. शेयरधारक की फोलियो संख्या (भौतिक रूप में धारण के लिए) :

   डी. पी. आईडी / ग्राहक आईडी संख्या (इलेक्ट्रॉनिक प्रारूप में धारण के लिए)

4. बैंक खाते का विवरण :

   ए. बैंक का नाम :

   बी. शाखा का नाम एवं शहर का पिन कोड :

   सी. खाता संख्या (जैसा कि चेक बुक में दिया गया है) :

   डी. खाता प्रकार (कृपया टिक करें) (बचत बैंक खाता/चालू खाता या नकद-उधार खाता) : बचत बैंक ☐ चालू ☐ नकद उधार ☐

   ई. आईएफएससी कोड :

   एफ. बैंक द्वारा जारी माइकर चेक में मुद्रित बैंक और शाखा की 9 अंकीय कोड सं. : ☐☐☐☐☐☐☐☐☐

5. कृपया पहचान के प्रमाणस्वरुप अपने पैन कार्ड की स्वयं द्वारा सत्यापित फोटो प्रति तथा कोड संख्या की सत्यता की जांच के लिए अपने उपर्युक्त खाते से संबंधित, आपके बैंक द्वारा जारी चेक के पन्ने की फोटो कॉपी / कोरा रद्द किया गया चेक संलग्न करें.

घोषणा

मैं एतद्द्वारा यह घोषित करता/ती हूं कि उपर्युक्त विवरण सही व पूर्ण हैं. यदि अपूर्ण जानकारी के कारणों से लेनदेन में देरी होती है या यह प्रभावी नहीं होता है तो मैं बैंक ऑफ़ बड़ौदा को जिम्मेदार नहीं ठहराऊंगा/गी.

स्थान :

दिनांक :

प्रथम धारक के हस्ताक्षर

टिप्पणी :

1. **यदि शेयर इलेक्ट्रॉनिक रुप में रखे गए हैं :** कृपया फार्म पूर्णतया भर कर इस पर हस्ताक्षर करें तथा इसे अद्यतन करने हेतु अपेक्षित दस्तावेजों सहित अपने प्रतिभागी डिपॉजिटरी को प्रस्तुत करें.
2. **यदि शेयर भौतिक रुप में रखे गए हैं :** कृपया फार्म पूर्णतया भर कर इस पर हस्ताक्षर करें तथा इसे अपेक्षित दस्तावेजों सहित रजिस्ट्रार एवं ट्रांसफर एजेंट (आरटीए) अर्थात मैसर्स कार्वी कंप्यूटरशेयर प्रा. लि., कार्वी सेलेनियम टावर बी, प्लॉट नं. 31 व 32, गाचीबॉवली, फाइनान्सियल डिस्ट्रिक्ट, नानाक्रामगुडा, सेरीलिंगमपल्ली मंडल, हैदराबाद-500 032 अथवा बैंक ऑफ़ बड़ौदा, निवेशक सेवाएं विभाग, सातवां तल, बड़ौदा कार्पोरेट सेंटर, सी-26, जी ब्लॉक, बांद्रा कुर्ला काम्पलेक्स, बांद्रा (पूर्व), मुंबई- 400 051 के पते पर भेज दें.

BANK OF BARODA

Mandate for Payment of Dividend on Equity Shares
(Through Electronic Mode)

1. First Shareholder's Name (in Block Letters) :

2. Address :

3. Shareholder's Folio number (for holding in physical form) :
   D. P. ID / Client ID number (for holding in electronic form)

4. Particulars of Bank Account :

   A. Bank Name :

   B. Branch Name & City Pin Code :

   C. Account No. (as appearing on the cheque book) :

   D. Account Type (please Tick) : (SB Account / Current A/c. or Cash Credit A/c) : SB ☐ Current ☐ Cash Credit ☐

   E. IFSC Code :

   F. 9 Digit Code No. of the Bank Branch appearing on the MICR Cheque issued by the Bank : ☐☐☐☐☐☐☐☐☐

5. Please attach a self-attested photocopy of your PANCARD as Proof of Identity alongwith a photocopy of a Cheque leaf / blank cancelled cheque issued by your Bank relating to your above account for verifying the accuracy of the Code numbers

DECLARATION

I, hereby declare that the particulars given above are correct and complete. If the transaction is delayed or not affected at all for reasons of incomplete information, I would not hold Bank of Baroda responsible.

Place: Signature of the First Holder

Date:

Note:

1. **If the shares are held in electronic mode:** Please complete the form, sign and submit alongwith the required documents to your Depository Participant for necessary updation.
2. **If the shares are held in physical mode:** Please complete the form, sign and mail alongwith the required documents at the address of Registrar and Transfer Agent (RTA), i.e. M/s Karvy Computershare Pvt. Ltd, Karvy Selenium Tower B, Plot No.-31&32, Gachibowli, Financial District, Nanakramguda, Serilingampally Mandal, Hyderabad - 500 032 OR at Bank of Baroda, Investors' Services Dept. 7th Floor, Baroda Corporate Centre, C-26, G-Block, Bandra Kurla Complex, Bandra (East), Mumbai – 400 051.

NOTES

NOTES

NOTES

NOTES

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
India's International Bank

#BankingOnYourFuture

#BankingOnYourFuture

संक्षिप्त वार्षिक रिपोर्ट

ABRIDGED ANNUAL REPORT 2017-18

Call toll free no. (24x7) | 1800 22 33 44
1800 258 44 55
www.bankofbaroda.co.in

Follow us on

बैंक ऑफ़ बड़ौदा
Bank of Baroda
India's International Bank